प्रतियोगिता दर्पण

हिन्दी मासिक

अक्टूबर 2017 मूल्य ₹ 90.00



शिक्षित युवा वर्ग के स्वर्णिम भविष्य के लिये

For e-magazine:
http://emagazine.pdgroup.in

साथ में निःशुल्क पुस्तिका

सिविल सेवा मुख्य परीक्षा 2017 हेतु

समसामयिक मुद्दे एवं आर्थिक समीक्षा खण्ड-2 2016-17

परीक्षा विशेषांक

सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा में सफलता की रणनीति



अनमोल शेर सिंह बेदी
सिविल सेवा परीक्षा, 2016
(द्वितीय स्थान)



लीना चावला
आर.ए.एस., 2013
(9वाँ स्थान–सामान्य महिला वर्ग)

हल प्रश्न-पत्र

- मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग मुख्य, 16
- उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग (प्रा.), 16
- मध्य प्रदेश राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा (प्रा.), 17
- मध्य प्रदेश पुलिस सब-इंस्पेक्टर (प्रा.), 16
- यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ., 16
- सिंडीकेट बैंक (पी.ओ.), 17
- इण्डियन बैंक पी.ओ. (प्री.), 17
- I.D.B.I. Executive Officer (Pre.), 16

- निजता का अधिकार अब मौलिक अधिकार
- तीन तलाक असंवैधानिक घोषित
- वेंकैया नायडू भारत के 13वें उपराष्ट्रपति बने
- राज्य सभा में एनडीए अब बहुमत के निकट
- देश में हाथियों की सर्वाधिक संख्या कर्नाटक में, असम का दूसरा स्थान
- देश में कृषिगत उत्पादन (2016-17) : चौथे अग्रिम अनुमान
- नाविका सागर परिक्रमा
- राष्ट्रीय खेल पुरस्कार (2017)
- विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप (2017)
- विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप (2017) : पहली बार भारत को दो पदक
- पाकिस्तान में 19 वर्ष पश्चात् जनगणना
- 2017-18 की पहली तिमाही के जीडीपी व जीवीए के आकलन



पतंजलि®

प्रकृति का आशीर्वाद

प्योरिटी की 100% गारंटी

FSSAI द्वारा निर्धारित 100 से अधिक पैरामीटर्स पर शत प्रतिशत खरा

शुद्ध हनी के नाम पर आपके मनी की लूट करने वालों से जब पतंजलि ने बचाया, तो उन्होंने FSSAI के नाम का भ्रम फैलाया। इसीलिए पतंजलि हनी अब देता है प्योरिटी की गारंटी। भारत सरकार की संस्था FSSAI द्वारा निर्धारित शहद की प्योरिटी के 100 से अधिक पैरामीटर्स पर शत प्रतिशत खरा है पतंजलि नेचुरल हनी। तभी तो पतंजलि हनी बन गया है देश के जन-जन का हनी।

बच रहा है आपका मनी, मिल रहा प्योर हनी!

पतंजलि हनी	अन्य ब्रान्डेड हनी
250 ग्राम ₹70	250 ग्राम ₹122

Intertek

No. GII Udyog Vihar, Phase 4, Gurgaon -122 016, Haryana, India
Telephone: +91-124-4840800
Facsimile: +91-124-4147581
Email: food.gurgaon@intertek.com
www.intertek.com

Intertek India Pvt. Ltd (Food Services)

TEST REPORT

ISSUED TO
Patanjali Ayurved Ltd.
Maharshi Dayanand Gram,
Beside Divya Nursury, Near
Patanjali Yog Peeth, Bahadrabad,
Haridwar-249402

Doc. No. IFS/DOC/053_02
LAB REFERENCE No. : IFS-160122051
Issue Date : 05/02/2016
Your Ref : Email
Dated : 22/01/2016

Kind Attn: Mr. Giriraj

Sample particulars: Honey

Page 4 of 6

Sample Registration Date : 22/01/2016
Analysis starting Date : 22/01/2016
Name of the Product : Honey
Quantity received : Approx 500ml in commercial pack
Sample details : Code: A
Sampling done by : Sample not drawn by Intertek
SAMPLE TESTED AS RECEIVED

Analysis Completion Date: 05/02/2016

Reporting code: FS/CR/MT;

TEST RESULTS

Sr. No.	Test parameters	Units of Measurement	Result	Specification as per FSSAI	Limit of Detection	Method of testing
1.	Sulfaguanidine	µg/Kg	Not detected	5.0	2.0	IFS/C/COP/LC/057
2.	Sulfanilamide	µg/Kg	Not detected	5.0	2.0	IFS/C/COP/LC/057
3.	Sulfacetamide	µg/Kg	Not detected	5.0	2.0	IFS/C/COP/LC/057
4.	Succinysulfathiazole	µg/Kg	Not detected	5.0	2.0	IFS/C/COP/LC/057
5	Sulfaphenazole	µg/Kg	Not detected	5.0	2.0	IFS/C/COP/LC/057
6	Sulfadimidine	µg/Kg	Not detected	5.0	2.0	IFS/C/COP/LC/057
7	Sulfadiazine	µg/Kg	Not detected	5.0	2.0	IFS/C/COP/LC/057
8	Sulfathiazole	µg/Kg	Not detected	5.0	2.0	IFS/C/COP/LC/057
9	Sulfapyridine	µg/Kg	Not detected	5.0	2.0	IFS/C/COP/LC/057
10	Sulfamerazeine	µg/Kg	Not detected	5.0	2.0	IFS/C/COP/LC/057
11	Sulfamethazine	µg/Kg	Not detected	5.0	2.0	IFS/C/COP/LC/057
12	Sulfameter	µg/Kg	Not detected	5.0	2.0	IFS/C/COP/LC/057
13	Sulfamethoxypyridzine	µg/Kg	Not detected	5.0	2.0	IFS/C/COP/LC/057
14	Sulfachloropyridazine	µg/Kg	Not detected	5.0	2.0	IFS/C/COP/LC/057
15	Sulfamonomethoxine	µg/Kg	Not detected	5.0	2.0	IFS/C/COP/LC/057
16	Sulfisoxazole	µg/Kg	Not detected	5.0	2.0	IFS/C/COP/LC/057
17	Sulfamethoxazole	µg/Kg	Not detected	5.0	2.0	IFS/C/COP/LC/057
18	Sulfadoxine	µg/Kg	Not detected	5.0	2.0	IFS/C/COP/LC/057
19	Sulfaquinoxaline	µg/Kg	Not detected	5.0	2.0	IFS/C/COP/LC/057
20	Sulfadimethoxine	µg/Kg	Not detected	5.0	2.0	IFS/C/COP/LC/057
21	Sulfabenzamide	µg/Kg	Not detected	5.0	2.0	IFS/C/COP/LC/057
22	Sulfamoxole	µg/Kg	Not detected	5.0	2.0	IFS/C/COP/LC/057
23	Sulfclozine	µg/Kg	Not detected	5.0	2.0	IFS/C/COP/LC/057
24	Sulfamethizole	µg/Kg	Not detected	5.0	2.0	IFS/C/COP/LC/057

(Authorized Signatory)

पूरी रिपोर्ट देखने के लिए आप www.patanjaliayurved.org पर विज़िट करें।





शहद का जमना उसका स्वाभाविक गुण है।

Customer Care Number - 18001804108 | Email ID - feedback@patanjaliayurved.org | Website - www.patanjaliayurved.org

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

- **सम्पादक**
  महेन्द्र जैन
- **प्रधान सलाहकार**
  डॉ. रवि कान्त
- **रजिस्टर्ड ऑफिस**
  2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–282 002
- **सम्पादकीय ऑफिस**
  1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
  फोन–4053333, 2531101, 2530966
  फैक्स–(0562) 4053330
  ईमेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in
  कस्टोमर केयर : care@pdgroup.in
- **दिल्ली ऑफिस**
  4845, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली–110 002 फोन–011-23251844/66
- **हैदराबाद ऑफिस**
  16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड (आन्ध्रा बैंक के बगल में), हैदराबाद–500 036 (तेलंगाना) मो.–93917487283
- **पटना ऑफिस**
  पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड, पटना–800 004
  फोन–0612-2673340
  मो.–09334137572
- **कोलकाता ऑफिस**
  H-3, ब्लॉक-B, म्यूनिसिपल प्रीमिसेस No. 15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकुर, कोलकाता–700 003 (W.B.)
  मो.–07439359515
- **लखनऊ ऑफिस**
  B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइंया, लखनऊ–226 004
  फोन–0522-4109080
  मो.–09760181118
- **नागपुर ऑफिस**
  1461, जूनी शुक्रवारी, सक्करदरा रोड, हनुमान मन्दिर के सामने, नागपुर–440 009 (महाराष्ट्र)
  फोन–0712-6564222
  मो.–09370877776
- **इन्दौर ऑफिस**
  30-31, जिन्सी हाट मैदान, बाबा रामदेव मन्दिर के निकट, मल्हारगंज, इन्दौर–452 002 (म.प्र.)
  फोन–9203908088
- **हल्द्वानी ऑफिस**
  8-310/1, ए.के. हाउस हीरानगर, हल्द्वानी, जिला–नैनीताल–263 139 (उत्तराखण्ड) मो.–07060421008

के पाठकों से

प्रिय पाठको !

आपकी सर्वाग्रगण्य एवं लोकप्रिय पत्रिका '**प्रतियोगिता दर्पण**' का अक्टूबर अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें हर्ष एवं सन्तोष की अनुभूति हो रही है. पत्रिका के प्रस्तुत अंक को आपकी आकांक्षाओं के अनुरूप अधिक-से-अधिक उपयोगी बनाने का प्रयास किया गया है. प्रकाशन से सम्बन्धित सभी लोगों के सामूहिक प्रयास एवं सहयोग से यह अंक इतना अधिक परीक्षोपयोगी बन पाया है.

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी बनाने की दृष्टि से इस अंक में अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर सारगर्भित एवं विश्लेषणात्मक निबन्ध दिए गए हैं. इनमें से कुछ लेख इस प्रकार हैं—भारत-चीन के मध्य तनाव : डोकलाम विवाद, मानव विकास के विभिन्न सूचकों में भारत, भारत-बांग्लादेश सहयोग का अब तक का सफर, चीन की महत्वाकांक्षी 'वन बेल्ट-वन रोड' परियोजना और भारत की चिंताएं, किसानों को सशक्त बनाने हेतु सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका.

पत्रिका के सर्वाधिक महत्वपूर्ण भाग में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के चयनित हल प्रश्न-पत्र आवश्यक व्याख्या एवं संकेतों के साथ दिए गए हैं. इनमें से कुछ प्रश्न-पत्र इस प्रकार हैं—

वस्तुनिष्ठ सामान्य अध्ययन—उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग (प्रा.) परीक्षा, 2016. मध्य प्रदेश राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा (प्रा.) परीक्षा, 2017.

ऐच्छिक विषय—राजनीति विज्ञान, शारीरिक शिक्षा, भूगोल—यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2016.

इसके अतिरिक्त तर्कशक्ति—सिंडीकेट बैंक (पी.ओ.) परीक्षा, 2017. संख्यात्मक अभियोग्यता—इण्डियन बैंक पी.ओ. (प्रा.) परीक्षा, 2017.

हम आपको स्मरण दिलाना चाहते हैं कि **"कठिन परिश्रम एवं उचित और सामयिक मार्गदर्शन सफलता प्राप्त करने का मूलमंत्र है." प्रतियोगिता दर्पण** आपका सही एवं सामयिक मार्गदर्शन करने में बेजोड़ है. आप प्रयास कीजिए, आपकी सुनिश्चित सफलता के लिए प्रतियोगिता दर्पण आपके साथ है.

नियमित रूप से एवं समझदारी के साथ प्रतियोगिता दर्पण पढ़िए. यह आपको अभीष्ट सफलता दिलाने एवं आपके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने में पूर्णतः सक्षम है.

आपकी चतुर्दिक सफलता एवं स्वर्णिम भविष्य की हार्दिक शुभकामनाओं सहित

महेन्द्र जैन
(सम्पादक)

आगामी प्रतियोगिता परीक्षाएं

2017

9, 10 एवं 16 सितम्बर—क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ऑफिसर स्केल-I प्रारम्भिक परीक्षा, 2017
11–14 सितम्बर—एस.एस.सी. स्टेनोग्राफर्स (ग्रेड 'सी' एवं 'डी') ऑनलाइन परीक्षा, 2017
13 सितम्बर—उ.प्र. पुलिस विभाग उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा
13 सितम्बर—उ.प्र. पुलिस विभाग कम्प्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए (बैकलॉग) सीधी भर्ती परीक्षा, 2017
13 सितम्बर—उ.प्र. पुलिस विभाग सहायक उपनिरीक्षक (लिपिक/लेखा) सीधी भर्ती परीक्षा, 2016
16–26 सितम्बर—एस.एस.सी. मल्टी टास्किंग (गैर-तकनीकी) स्टाफ पुनर्परीक्षा, 2016 (प्रथम प्रश्न-पत्र)
17 सितम्बर—छत्तीसगढ़ राज्य पात्रता परीक्षा 2017 (SET)
17, 23 एवं 24 सितम्बर—क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ऑफिसर असिस्टेंट (बहुउद्देशीय) प्रारम्भिक परीक्षा, 2017
22 सितम्बर—यूनाइटेड इण्डिया इंश्योरेंस कं. लि. सहायक प्रारम्भिक परीक्षा
24 सितम्बर—उत्तर प्रदेश संयुक्त राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा प्रा. परीक्षा, 2017
अक्टूबर—उ.प्र. विद्युत् सेवा आयोग कार्यालय सहायक (श्रेणी-3) लेखा सीधी भर्ती परीक्षा, 2017 (**ऑनलाइन अन्तिम तिथि :** 25 सितम्बर, 2017)
7, 8, 14 एवं 15 अक्टूबर—आई.बी.पी.एस. बैंक पी.ओ./एम.टी. प्रारम्भिक परीक्षा, 2017 (VII)
8 अक्टूबर—एस.एस.सी. केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल/दिल्ली पुलिस सब-इंस्पेक्टर्स परीक्षा, 2017 (पेपर-II)
8 अक्टूबर—मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर सिविल न्यायाधीश वर्ग-2 (प्रवेश स्तर) प्रारम्भिक परीक्षा
12 अक्टूबर—एल.आई.सी. हाउसिंग फाइनेंस लि. सहायक भर्ती परीक्षा (ऑनलाइन)
14-15 अक्टूबर—झारखण्ड एस.एस.सी. इण्टरमीडिएट स्तर (कम्प्यूटर ज्ञान एवं कम्प्यूटर में हिन्दी टंकण अर्हता हेतु) मुख्य परीक्षा, 2017 तथा इण्टरमीडिएट स्तर संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा, 2017
15 अक्टूबर—भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन में सहायक (प्रशासनिक सहायक स्टाफ) और उच्च श्रेणी लिपिकों की भर्ती परीक्षा
15 अक्टूबर—उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2017
22 अक्टूबर—द ओरिएण्टल इंश्योरेंस कं. लि. प्रशासनिक अधिकारी (स्केल-I) प्रा. परीक्षा (**ऑनलाइन अन्तिम तिथि :** 15 सितम्बर, 2017)
22 अक्टूबर—नेतरहाट आवासीय विद्यालय प्रा. परीक्षा, 2017-18 (कक्षा VI के लिए) (**अन्तिम तिथि :** 16 सितम्बर, 2017)
23 अक्टूबर—यूनाइटेड इण्डिया इंश्योरेंस कं.लि. सहायक मुख्य परीक्षा
22–29 अक्टूबर—मध्य प्रदेश पुलिस विभाग सूबेदार एवं उपनिरीक्षक संवर्ग की भर्ती हेतु चयन परीक्षा, 2017
28 अक्टूबर–1 नवम्बर—सिविल सेवा मुख्य परीक्षा, 2017
5 नवम्बर—क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ऑफिसर्स (स्केल I, II & III) मुख्य परीक्षा
5 नवम्बर—यूजीसी-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2017 (**ऑनलाइन अन्तिम तिथि :** 11 सितम्बर, 2017)
5 नवम्बर—राज्य स्तरीय राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा (कक्षा X) व नेशनल मीन्स-कम-मेरिट छात्रवृत्ति परीक्षा (NMMSS) 2017 (कक्षा VIII में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए)
10-11 नवम्बर—एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा, 2017 (चरण-II)
11 नवम्बर—क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ऑफिस असिस्टेंट मुख्य परीक्षा, 2017
18 नवम्बर—द ओरिएण्टल इंश्योरेंस कं. लि. प्रशासनिक अधिकारी (स्केल-I) मुख्य परीक्षा
19 नवम्बर—सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा (II), 2017
20–27 नवम्बर—एस.एस.सी. भारत मौसम विज्ञान विभाग वैज्ञानिक सहायक भर्ती परीक्षा, 2017
25 नवम्बर—प्रवक्ता राजकीय इण्टर कॉलेज (स्क्रीनिंग) परीक्षा, 2017
26 नवम्बर—उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग सहायक वन संरक्षक/वन क्षेत्राधिकारी (प्रारम्भिक) परीक्षा, 2017
3 दिसम्बर—नेतरहाट आवासीय विद्यालय प्रवेश हेतु मुख्य परीक्षा
3–12 दिसम्बर—संघ लोक सेवा आयोग भारतीय वन सेवा मुख्य परीक्षा, 2017
17 दिसम्बर—उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग स्टाफ नर्स (महिला) परीक्षा, 2017

निबन्ध प्रतियोगिता

विषय—"सूचना प्रौद्योगिकी के युग में संयुक्त परिवार."

अन्तिम तिथि—28 अक्टूबर, 2017.

शब्द संख्या—लगभग 2000 शब्द.

1. निबन्ध कागज के एक ओर ही टंकित अथवा स्वहस्तलिखित होना चाहिए.
2. निबन्ध के साथ प्रतियोगी अपना पासपोर्ट आकार का छायाचित्र भेजें. प्रथम तीन निबन्धों पर क्रमशः ₹ 1500, ₹ 1000 व ₹ 500 व प्रमाण-पत्र पुरस्कार के रूप में दिए जाएंगे. अन्य 5 अनुशंसित निबन्धों को आकर्षक प्रमाण-पत्र व उपकार प्रकाशन की ₹ 200 मूल्य तक की वांछित पुस्तक पुरस्कारस्वरूप दी जाएगी.

चन्दे की दरें

प्रतियोगिता दर्पण

	हिन्दी	अंग्रेजी
एक प्रति मूल्य	70.00	70.00
वार्षिक मूल्य :		
साधारण डाक से	635·00	630·00
रजिस्टर्ड डाक से	855.00	850·00
द्विवार्षिक मूल्य :		
साधारण डाक से	1180·00	1175·00
रजिस्टर्ड डाक से	1620·00	1615·00

सामान्य ज्ञान दर्पण

एक प्रति मूल्य	₹ 35.00
वार्षिक मूल्य :	
साधारण डाक से	₹ 315.00
रजिस्टर्ड डाक से	₹ 530.00
द्विवार्षिक मूल्य :	
साधारण डाक से	₹ 580.00
रजिस्टर्ड डाक से	₹ 1020.00

- कृपया अपना सदस्यता-शुल्क मनीऑर्डर अथवा बैंक ड्राफ्ट द्वारा ही प्रेषित करें. चैक स्वीकार नहीं होंगे.
- अपने स्पष्ट पते के साथ यह भी सूचित करें कि आप किस माह से किस माह तक के लिए ग्राहक बन रहे हैं.
- पुराने ग्राहक कृपया अपनी ग्राहक संख्या का उल्लेख अवश्य करें.
- मनीऑर्डर अथवा बैंक ड्राफ्ट '**प्रतियोगिता दर्पण**' के नाम से ही स्वीकार किए जाएंगे.

ऑर्डर फार्म

मैं प्रतियोगिता दर्पण (हिन्दी/अंग्रेजी मासिक)/ सामान्य ज्ञान दर्पण (हिन्दी मासिक) का वार्षिक/ द्विवार्षिक नियमित ग्राहक बनना चाहता हूँ/चाहती हूँ. कृपया मेरी प्रति मुझे निम्नांकित पते पर प्रेषित करने की कृपा करें.

नाम ____________________

पता ____________________

____

____

पिन ☐☐☐☐☐☐

मैं ₹............मनीऑर्डर/बैंक ड्राफ्ट द्वारा प्रेषित कर रहा हूँ/रही हूँ.

दिनांक   प्रेषक के हस्ताक्षर

________   ________

प्रतियोगिता दर्पण

2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, **आगरा**-282 002

Website : www.pdgroup.in

E-mail : care@pdgroup.in





प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

वर्ष 40 तृतीय अंक अक्टूबर 2017

इस अंक में...

• **E-mail :** publisher@pdgroup.in • **Website :** www.pdgroup.in

सम्पादकीय

बरगद की तरह बढ़िए, खजूर या यूकेलिप्टस की तरह नहीं

इच्छा बिन्दुस्वरूप उस छोटे से बीज के समान है जो वट वृक्ष के रूप में फैल जाता है.

कबीरदास ने एक स्थान पर लिखा है कि–

बड़ा भया तो क्या भया जैसे पेड़ खजूर।
पंथी को छाया नहीं फल लागे अति दूर।

खजूर के वृक्ष की तरह ऊँचे उठने से कोई लाभ नहीं होता है, क्योंकि उसके फल पहुँच के बाहर रहते हैं और उसके पत्ते छाया प्रदान नहीं करते हैं. कबीरदास ने सम्भवतः जान-बूझकर इस तथ्य की उपेक्षा कर दी होगी कि खजूर का तना जमीन का पानी भी सोख लेता है.

यूकेलिप्टस का वृक्ष भी खजूर की तरह सीधा ऊपर की ओर ऊँचाई तक जाता है. न उसमें फल लगता है, न उसकी पत्तियाँ छाया ही दे सकती हैं. दोनों वृक्षों में एक अन्य समानता भी है–उन पर पक्षी बसेरा नहीं कर सकते हैं. यूकेलिप्टस के वृक्ष की जड़ भी सीधी जमीन में जाती है और भूमि-क्षरण को रोकने में असमर्थ रहती है. यह वृक्ष एक ओर जहाँ भूमि के जल को सोख लेता है, वहीं दूसरी ओर आसपास की भूमि को बंध्या (बंजर) बना देता है. इतना ही नहीं, इसकी पत्तियों में एक प्रकार का तेजाब होता है, जो गिरने पर मिट्टी को जहरीला बना देती हैं. कहने का तात्पर्य यह है कि ये वृक्ष ऊँचे उठने का गर्व भले ही कर लें, परन्तु समाज के लिए, जिस भूमि में जन्म लेते हैं, उसके लिए कौड़ी काम के नहीं होते हैं. इतना ही नहीं, वे यथाशक्ति जन्मदात्री का अहित ही करते हैं. कबीरदास ने तथाकथित उच्च व्यक्तियों की तुलना यदि खजूर और उसके परिवार के वृक्षों से की, तो ऐसा करके उन्होंने मानव की असामाजिकता एवं कृतघ्नता के प्रति अपनी वेदना को ही अभिव्यक्त किया. महत्वाकांक्षियों को सन्देश भी दिया कि बड़ा बनते समय खजूर या यूकेलिप्टस की निरर्थक ऊँचाई को आदर्श मत मानना. हमें पूर्ण विश्वास है कि हमारे युवा प्रतियोगी कबीरदास के मन्तव्य को भली प्रकार समझते हैं. पर्यावरण प्रदूषण की समस्या को हल करने के लिए वृक्षारोपण पर बहुत बल दिया जाता है, परन्तु विडम्बना यह है कि वृक्षारोपण के समय दृष्टिकोण एकांगी रखा जाता है–केवल पर्यावरण पर ध्यान रखा जाता है. फलतः विलायती बबूल जैसे निरर्थक वृक्षों को अथवा झाड़-झंकाड़ को आरोपित कर दिया जाता है. वे उन वृक्षों को भूल जाते हैं जो अपने सघन वितान द्वारा आतप-तप्त को शीतल छाया प्रदान करते हैं, अगणित पक्षियों को रैन बसेरा प्रदान करते हैं और फलों के भार से झुककर हमें शील एवं विनम्रता का पाठ पढ़ाते हैं. संस्कृत के एक महान् नाटककार ने एक स्थान पर लिखा है कि "वृक्ष अपने सिर पर गरमी सह लेता है, परन्तु अपनी छाया से औरों को गरमी से बचाता है."सन्तों व सज्जनों का भी यही स्वभाव होता है कि वे स्वयं कष्ट सहकर भी दूसरों के कष्ट को कम करते हैं. गोस्वामी तुलसीदास की यह तथ्यात्मक उक्ति द्रष्टव्य है–

साधु चरित सुभ चरित कपासू।
निरस बिसद गुनमय फल तासू।
जो सहि दुःख परछिद्र दुरावा।
वंदनीय जेहिं जग जस पावा।

सन्त की तरह जीवन व्यतीत करने वाले वृक्षों को कौन भला नहीं कहेगा ? ऐसे वृक्षों का आरोपण करने वाले व्यक्ति पुण्य का अर्जन करके लोकमंगलकारियों की पंक्ति में स्थान पाने के अधिकारी होते हैं, यथा–"जो मनुष्य सड़क के किनारे तथा जलाशयों के तट पर वृक्ष लगाता है, वह स्वर्ग में उतने ही वर्षों तक फूलता-फलता है, जितने वर्षों तक वह वृक्ष फूलता-फलता है. (पद्म पुराण)

हमारे भावी कर्णधार युवक-युवतियाँ स्वयं विचार करें कि यदि वे अधिकार प्राप्त करके वृक्षों की भाँति जीवन-व्यतीत करेंगे, तो विकास की परम्परा में किस सोपान पर प्रतिष्ठित होने के अधिकारी बन जाएंगे ?

आपने अनेक पुरुषों एवं नारियों को वटवृक्ष (बरगद, बड़) तथा पीपल के वृक्षों की पूजा करते देखा होगा. सम्भवतः आपने उनको अज्ञानी, जाहिल, रूढ़िवादी, परम्परावादी आदि समझा होगा, परन्तु यदि आप उनकी सामाजिक उपयोगिता पर विचार करेंगे, तो अपनी धारणा में परिवर्तन ही नहीं कर देंगे, बल्कि उनको अपना जीवनादर्श भी मान लेंगे.

कबीरदास के जन्म के सम्बन्ध में यह दोहा प्रसिद्ध है–

चौदह सौ पचपन साल गए चन्द्रवार एक ठाट ठए।
जेठ सुदी बरसायत को, पूरनमासी प्रगट भए।

इस दोहे में बरसायत शब्द ध्यातव्य है. इसको हटा देने पर भी कबीरदास का जन्म-दिन संवत् 1456 के ज्येष्ठ की पूर्णिमा बना रहता है. वस्तुतः 'बरसायत' का अर्थ है शुभ मुहूर्त. शुभ मुहूर्त इस कारण कि इस दिन अपने अखण्ड सौभाग्य की कामना लेकर नारियाँ वटवृक्ष का पूजन करती हैं. वटवृक्ष एवं कबीरदास की जीवनपद्धतियों में समानता को लक्ष्य करके सम्भवतः उनके जन्म-दिवस को शुभ मुहूर्त वाचक माना गया है. वटवृक्ष का वितान अत्यन्त सघन और विस्तृत होता है. थियोसोफीकल सोसाइटी अड्यार (चेन्नई) तथा बोटेनिकल गार्डन कलकत्ता में स्थित वटवृक्षों की छाया में कई सौ व्यक्ति एक साथ विश्राम कर सकते हैं. वटवृक्ष के पत्ते इतने सुदृढ़ होते हैं, उसकी शाखाएं परस्पर इस प्रकार जुड़ी होती हैं कि वह शतसहस्र पक्षियों के लिए विश्रामदायक सहज नीड़ बन जाता है. उनका कलरव तो मनोहारी होता ही है, उन पक्षियों द्वारा उत्सर्जित बीट पृथ्वी को उपजाऊ बना देती है. ये पक्षी अनेक कीट-कीटाणुओं का भक्षण करके आस-पास उगने वाली फसलों की रक्षा भी करते हैं.

वटवृक्ष की जड़ें खजूर और यूकेलिप्टस की भाँति सीधी गहरी न जाकर चारों ओर दूर-दूर तक फैलती हैं और भूमि के कटाव को रोकती हैं, उससे लटकने वाली जटाएं नीचे की उपजाऊ भूमि में सहज ही जम जाती हैं और एक स्वतन्त्र वृक्ष का रूप धारण करके वटवृक्ष से स्तम्भों की भाँति सुशोभित होती हैं, पाठक, यह समझ लें कि पीपल का वृक्ष भी उपयोगिता की दृष्टि से इसी वर्ग का वृक्ष है. दोनों अत्यन्त दीर्घजीवी होते हैं.

वटवृक्ष की शाखाएं ही उसकी जड़ें बन जाती हैं. यही कारण है कि वह दीर्घजीवी होता है. जो व्यक्ति अथवा संस्थाएं वटवृक्ष की भाँति जन्म लेती हैं, बढ़ती हैं, फूलती और फलती हैं. वे अपने ज्ञान, सेवा भाव और उपयोगिता को चारों ओर फैलाती हैं. उनके सानिध्य में अन्य अनेक लोग लाभान्वित होते हैं और वटवृक्ष की शाखाओं की तरह भूमि से जुड़कर अन्यों का भला करते हैं.

जन्मजात सेवाभाव से पूरित अंग-प्रत्यंग का धनी वटवृक्ष हमें यह सन्देश देता है कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अपने को उपयोगी बनाकर हम अपने जीवन को सार्थक बनाने एवं मानव होने का दावा पूरा करें. खजूर के वृक्ष सदृश मनुष्य अनुपयोगी व्यक्ति तो मृतवत् समझे जाते हैं.

●●●



- निजता का अधिकार अब मौलिक अधिकार : सर्वोच्च न्यायालय का ऐतिहासिक फैसला
- एनडीए उम्मीदवार एम. वेंकैया नायडू देश के 13वें उपराष्ट्रपति बने
- स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के संदेश में संवेदनशील समाज के निर्माण का आह्वान
- जनता दल (यू) के एनडीए में शामिल होने से एनडीए अब राज्य सभा में स्पष्ट बहुमत के निकट
- मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु भी अब आधार अनिवार्य
- स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र के नाम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सम्बोधन में भी नए भारत का संकल्प
- हाथियों की गणना के प्रारम्भिक अनंतिम आँकड़ों के अनुसार देश में हाथियों की कुल संख्या 27,312
- नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो का ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एण्ड डेवलपमेण्ट में विलय
- साध्वियों के यौन शोषण मामले में डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख बाबा गुरमीत राम रहीम को 20 वर्ष के कारावास की सजा
- ओबीसी कोटे में आरक्षण हेतु उप-श्रेणियाँ बनाने का सरकार का इरादा : क्रीमीलेयर के लिए आय सीमा अब ₹ 8 लाख
- राज्य सभा की 10 सीटों के लिए चुनाव/उपचुनाव
- सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार में तीन तलाक की प्रथा को असंवैधानिक ठहराते हुए इस पर रोक लगाई
- पीएसएलवी-सी39 की उड़ान विफल
- संक्षिप्तकी

निजता का अधिकार अब मौलिक अधिकार : सर्वोच्च न्यायालय का ऐतिहासिक फैसला

दूरगामी महत्व के एक ऐतिहासिक फैसले के तहत् सर्वोच्च न्यायालय ने निजता के अधिकार (Right to Privacy) को मौलिक अधिकार (Fundamental Right) करार दिया है. नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ द्वारा सर्वसम्मति से 24 अगस्त, 2017 को दिए गए इस निर्णय में निजता के अधिकार को संविधान के अनुच्छेद 21 का मूल तत्व करार दिया है. निजता को मानवीय गरिमा का मर्म बताते हुए पीठ ने कहा है कि अनुच्छेद 21 में वर्णित जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार अलग न किए जा सकने वाले अधिकार हैं और निजता के अधिकार के बिना इनका कोई अर्थ नहीं है. निर्णय में निजता को मनुष्य का प्राकृतिक अधिकार बताते हुए कहा गया है कि मनुष्यों का यह अधिकार राज्य द्वारा नहीं, बल्कि प्रकृति द्वारा प्रदत्त अधिकार है तथा प्राकृतिक अधिकार के रूप में यह जाति, धर्म व लिंग आदि के भेदभाव के बिना सभी के लिए समान रूप से उपलब्ध है. निजता को मानवीय गरिमा (Human Dignity) का संवैधानिक तत्व बताते हुए कहा गया है कि इससे ही गरिमा प्राप्त होती है. सरकार ने निजता के अधिकार को मौलिक अधिकार घोषित किए जाने का विरोध करते हुए यह दलील दी थी कि इसका संरक्षण संसदीय कानूनों के जरिए किया जाएगा. केन्द्र सरकार की दलील को सर्वोच्च अदालत ने यह कहते हुए स्वीकार नहीं किया कि संसदीय कानून संसद में बहुमत के आधार पर कभी भी हटाए जा सकते हैं तथा सत्तारूढ़ दल इन्हें कभी भी मिटा सकते हैं, जबकि मौलिक अधिकार किसी भी सरकार के सत्ता में रहने पर प्राप्त होने वाले अधिकार हैं. इसी परिप्रेक्ष्य में निजता को मौलिक अधिकार घोषित करते हुए 9 सदस्यीय पीठ ने एम. पी. शर्मा ***बनाम*** सतीश चन्द्र (1954) में 8 सदस्यीय पीठ द्वारा तथा खड़क सिंह ***बनाम*** उत्तर प्रदेश (1962) मामले में 6 सदस्यीय पीठ द्वारा दिए गए फैसले को दरकिनार कर दिया है. जिनमें सर्वोच्च न्यायालय ने ही कहा था कि निजता के अधिकार को मौलिक अधिकार के तौर पर नहीं देखा जा सकता. इस मामले में 24 अगस्त, 2017 के फैसले में तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जे. एस. खेहर की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने यह भी स्पष्ट किया है कि जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार सहित अन्य मौलिक अधिकारों की तरह निजता का अधिकार भी असीम नहीं है तथा इस पर व्यावहारिक प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं.

सुप्रीम कोर्ट का फैसला

निजता एक मौलिक अधिकार घोषित

सुप्रीम कोर्ट ने नागरिकों के निजता के अधिकार को एक मौलिक अधिकार बताते हुए इसे संविधान द्वारा संरक्षित करार दिया है



- निजता का अधिकार भारत के सविधान के अनुच्छेद 21 का हिस्सा होगा
- 9 न्यायाधीशों की पीठ द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया
- इस आदेश ने 1950 के दशक में 8 न्यायाधीशों की पीठ और 1960 के दशक मे 6 न्यायाधीशों की पीठ के पूर्व फैसलों को रद्द किया, जिनमें कहा गया था कि निजता मौलिक अधिकार नहीं है
- आधार मामले में जानकारी साझा करने की वैधता पर एक याचिका के दौरान सुप्रीम कोर्ट द्वारा 9 न्यायाधीशों की पीठ बनाई गयी थी
- इस फैसले के बाद सुप्रीम कोर्ट की 5 न्यायाधीशों की पीठ अब यह फैसला करेगी कि आधार कार्ड को विभिन्न योजनाओं से जोड़ाना अनिवार्य होगा या नहीं
- सरकार ने तर्क दिया कि संविधान व्यक्तिगत निजता की गारंटी नहीं देता है
- याचिकाकर्ताओ ने तर्क दिया कि आधार की जानकारी साझा करना निजता का उल्लंघन है

KBK Infographics

भारत के नागरिकों के लिए मौलिक अधिकारों का प्रावधान संविधान के भाग 3 में अनुच्छेद 12 से 35 में किया गया है. इनमें निम्नलिखित अधिकार शामिल हैं–

(i) **समानता का अधिकार** (Right of Equality)
(ii) **स्वतन्त्रता का अधिकार** (Right to Freedom)
(iii) **शोषण के विरुद्ध अधिकार** (Right against Exploitation)
(iv) **धर्म की स्वतन्त्रता का अधिकार** (Right to freedom of Religion)
(v) **संस्कृति एवं शिक्षा सम्बन्धी अधिकार** (Cultural and Educational Right)
(vi) **संवैधानिक उपचारों का अधिकार** (Right to constitutional Remedies)

निजता को मौलिक अधिकार घोषित किए जाने के सर्वोच्च न्यायालय के 24 अगस्त, 2017 के दूरगामी प्रभाव होंगे. इस फैसले के चलते कई विवादित मुद्दे जिन पर निर्णय पहले लिए जा चुके हैं. अब एक बार पुनः नए सिरे से उठ सकते हैं. इनमें निम्नलिखित का उल्लेख मीडिया द्वारा मुख्यतः किया जा रहा है–

- विभिन्न मामलों में आधार की अनिवार्यता का मुद्दा सर्वोच्च न्यायालय में पहले ही विचाराधीन है. निजता के उल्लंघन के आधार पर इसमें फैसला प्रभावित हो सकता है. रेलवे एवं हवाई यात्रा के टिकट, खरीदारी व क्रेडिट कार्ड आदि के मामले में आधार की अनिवार्यता पर भी प्रश्नचिह्न लग सकता है.
- इच्छा मृत्यु व गर्भपात जैसे मामले भी निजता से जुड़े हैं. इन मामलों पर भी कानूनी बहस वापस छिड़ सकती है.
- पशु क्रूरता पर रोक के नाम पर लोगों द्वारा क्या खाने व क्या न खाने के मुद्दे राज्य द्वारा परिभाषित किए जाने के प्रयासों को भी इससे झटका लग सकता है.
- नागरिकों के बारे में जुटाई गई जानकारियों को सोशल मीडिया पर जारी करने के मुद्दों पर विवाद उठ सकते हैं.

एनडीए उम्मीदवार एम. वेंकैया नायडू देश के 13वें उपराष्ट्रपति बने

राष्ट्रपति के चुनाव में भारी बहुमत से विजय दर्ज करने के तीन सप्ताह के भीतर उपराष्ट्रपति पद के लिए सम्पन्न चुनाव में भी एनडीए ने बाजी मारी है. इस पद हेतु 5 अगस्त, 2017 को सम्पन्न चुनाव में विपक्षी उम्मीदवार गोपाल कृष्ण गांधी को 516-244 के मतान्तर से हराकर एनडीए के एम. वेंकैया नायडू उपराष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं. इससे देश के चार सर्वोच्च संवैधानिक पदों (राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व लोक सभाध्यक्ष) पर अब भाजपा-आरएसएस की पृष्ठभूमि वाली हस्तियाँ आसीन हो गई हैं.



राष्ट्रपति भवन में वेंकैया नायडू को उपराष्ट्रपति पद की शपथ दिलाते राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद.

नए चुने गए उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू भैरों सिंह शेखावत के पश्चात् भाजपा से सम्बद्ध रहे दूसरे उपराष्ट्रपति हैं. उपराष्ट्रपति पद हेतु सत्तारूढ़ एनडीए के उम्मीदवार के रूप में घोषित किए जाने के पश्चात् श्री नायडू ने मंत्रिपरिषद् से अपना त्यागपत्र 17 जुलाई, 2017 को दे दिया था. मोदी सरकार में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अतिरिक्त शहरी विकास मंत्रालय का प्रभार उनके पास था. **शहरी विकास मंत्रालय का उनका प्रभार ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री नरेन्द्र तोमर को तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का उनका प्रभार टेक्सटाइल्स मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी को सौंपा गया है.**

भारत के उपराष्ट्रपति

मुप्पावारपु वेंकैया नायडू

पूर्व केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता वेंकैया नायडू ने 11 अगस्त, 2017 को भारत के 13वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण की



- **जन्मः** 1 जुलाई 1949 को आंध्र प्रदेश में नेल्लोर जिला के चवतापलम गांव में
- **स्कूलः** वी आर हाई स्कूल, नेल्लोर
- **स्नातक डिग्रीः** वी आर कॉलेज, नेल्लोर
- **कानून की डिग्रीः** लॉ कॉलेज, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम
- 1974: जयप्रकाश नारायण के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के संयोजक के रूप में राजनीतिक जीवन की शुरुआत
- 1978 और 1983: उदयगिरि निर्वाचन क्षेत्र से आंध्र प्रदेश विधान सभा के लिए विधायक चुने गए
- 1998, 2004, 2010 और 2016 में चार बार राज्य सभा सदस्य चुने गए

केंद्रीय मंत्री

- 1999: ग्रामीण विकास मंत्री
- 2014: शहरी विकास, आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन और संसदीय मामलों के मंत्री
- 2016: शहरी विकास, आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन तथा सूचना और प्रसारण मंत्री

भाजपा अध्यक्ष

- 2002–2004: भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

KBK Infographics

निजता के अधिकार के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के 24 अगस्त, 2017 के ऐतिहासिक निर्णय के पश्चात् इसके प्रभावों पर सरकार में विभिन्न स्तरों पर विचार-विमर्श प्रारम्भ हो गया है. वैसे इस मामले में अपना रुख सरकार ने पलट लिया है. सर्वोच्च न्यायालय में बार-बार यह कहना कि निजता के अधिकार को मौलिक अधिकार नहीं माना जा सकता, के बावजूद सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के पश्चात् केन्द्रीय विधि मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा है कि सरकार अदालत के इस फैसले से पहले ही निजता को मूल अधिकार मानती रही है. उन्होंने कहा कि सरकार तर्कसंगत प्रतिबंध के अधीन ही निजता को मौलिक अधिकार मानने की पक्षधर रही है. विपक्षी नेताओं ने शीर्ष अदालत के उपर्युक्त फैसले का भारी स्वागत किया है. फैसले का स्वागत करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी ने कहा है कि निजता के अधिकार पर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले ने व्यक्तिगत अधिकारों, निजी स्वतन्त्रता और मानवीय गरिमा के लिए एक नए युग की शुरूआत की है. इस फैसले से आम आदमी के जीवन में राज्य और उसकी एजेंसियों द्वारा की जाने वाली निरंकुश दखलंदाजियों और निगरानी पर करारी चोट पड़ी है.

माकपा के महासचिव सीताराम येचुरी व जनता दल (यू) के नेता शरद यादव ने भी सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए ऐसी ही टिप्पणियाँ दी हैं. पूर्व यूपीए सरकार में मंत्री रहे पी. चिदम्बरम् ने फैसले को ऐतिहासिक और पथप्रदर्शक बताते हुए केन्द्र सरकार के लिए इसे एक झटके की तरह बताया है और कहा है कि भारत के संविधान के अस्तित्व में आने के पश्चात् सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए सबसे महत्वपूर्ण फैसलों में इसकी गणना की जाएगी.

पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत् उपराष्ट्रपति पद हेतु मतदान 5 अगस्त को कराया गया था. सत्तारूढ़ एनडीए ने जहाँ भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एम. वेंकैया नायडू (व तत्कालीन शहरी विकास एवं निर्धनता निवारण मंत्री जो सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का प्रभार भी सँभाले हुए थे). को अपना उम्मीदवार इस चुनाव में बनाया था, वहीं विपक्ष ने महात्मा गांधी के पौत्र गोपाल कृष्ण गांधी (भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी व प. बंगाल के पूर्व राज्यपाल) को इस चुनाव हेतु उम्मीदवार घोषित किया था. संसदीय मतों का गणित देते हुए

भारत के उपराष्ट्रपति							
क्रम	नाम	कार्यकाल	विशिष्ट तथ्य	क्रम	नाम	कार्यकाल	विशिष्ट तथ्य
1.	डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन	13 मई, 1952 से 12 मई, 1962	लगातार दो कार्यकाल तक उपराष्ट्रपति रहने के पश्चात् राष्ट्रपति बने.	8.	डॉ. शंकरदयाल शर्मा	3 सितम्बर, 1987 से 24 जुलाई, 1992	निर्विरोध निर्वाचित उपराष्ट्रपति बाद में राष्ट्रपति भी बने
2.	डॉ. जाकिर हुसैन	13 मई, 1962 से 12 मई, 1967	उपराष्ट्रपति पद पर रहने के बाद राष्ट्रपति बने	9.	के. आर. नारायणन	21 अगस्त, 1992 से 24 जुलाई, 1997	सर्वाधिक मतांतर से निर्वाचित उपराष्ट्रपति बाद में राष्ट्रपति भी बने
3.	वी. वी. गिरि	13 मई, 1967 से 3 मई, 1969	राष्ट्रपति चुने जाने के कारण उपराष्ट्रपति पद पर कार्यकाल पूरा नहीं कर सके	10.	कृष्णकांत	21 अगस्त, 1997 से 27 जुलाई, 2002	कार्यकाल के दौरान निधन हुआ
4.	गोपाल स्वरूप पाठक	31 अगस्त, 1969 से 30 अगस्त, 1974		11.	भैरों सिंह शेखावत	19 अगस्त, 2002 से 21 जुलाई, 2007	
5.	बी. डी. जत्ती	31 अगस्त, 1974 से 30 अगस्त, 1979		12.	मोहम्मद हामिद अंसारी	11 अगस्त, 2007 से 10 अगस्त, 2017	लगातार दो कार्यकाल तक उपराष्ट्रपति रहे
6.	एम. हिदायतुल्ला	31 अगस्त, 1979 से 30 अगस्त, 1984	20 जुलाई, 1969 से 24 अगस्त, 1969 तक व 6 अक्टूबर, 1982 से 31 अक्टूबर, 1982 के दौरान वह कार्यवाहक राष्ट्रपति भी रहे. उनके कार्यवाहक राष्ट्रपति के कार्यरत् रहने के दौरान ही तत्कालीन अमरीकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने भारत की यात्रा की थी.	13.	एम. वेंकैया नायडू	11 अगस्त, 2017 से अभी तक	
7.	आर. वेंकटरमन	31 अगस्त, 1984 से 24 जुलाई, 1987	राष्ट्रपति चुने जाने के कारण उपराष्ट्रपति पद पर कार्यकाल पूरा नहीं कर सके				

एनडीए उम्मीदवार श्री वेंकैया नायडू की विजय पहले ही सुनिश्चित मानी जा रही थी. चुनाव में उनकी विजय अपेक्षा से भी अधिक मतांतर से हुई. कुल पड़े 771 मतों में से 516 मत श्री नायडू को इस चुनाव में प्राप्त हुए, जबकि 244 मत गोपाल कृष्ण गांधी को मिले. 11 मत अवैध घोषित किए गए. इससे पूर्व 2012 के उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में हामिद अंसारी को 490 व एनडीए उम्मीदवार जसवंत सिंह को 238 वोट मिले थे. उपराष्ट्रपति पद पर उनका लगातार दूसरा कार्यकाल 10 अगस्त, 2017 को समाप्त हुआ है. 11 अगस्त, 2017 को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने उनके इस पद की शपथ दिलाई. वह देश के 13वें उपराष्ट्रपति हैं तथा इस पद पर उनका 5 वर्षीय कार्यकाल 10 अगस्त, 2022 तक रहेगा. उपराष्ट्रपति होने के नाते वह राज्य सभा के पदेन सभापति भी रहेंगे. राज्य सभा के तत्कालीन महासचिव शमशेर शैरिफ उपराष्ट्रपति पद के इस चुनाव में मुख्य निर्वाचन अधिकारी चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त किए गए थे.

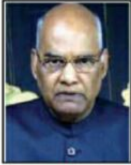
उपराष्ट्रपति पद हेतु निर्वाचन मण्डल में संसद के दोनों सदनों के सभी सदस्य (मनोनीत सदस्यों सहित) शामिल होते हैं. इस प्रकार इस निर्वाचक मण्डल के सदस्यों की कुल संख्या 790 (लोक सभा के 545 + राज्य सभा के 245 सदस्य) होती है. मतदान के दिन (5 अगस्त, 2017 को) दोनों सदनों की 2–2 सीटें रिक्त थीं, जबकि अदालत के आदेश के तहत् भाजपा के एक सांसद मतदान के लिए प्रतिबन्धित थे. इस प्रकार 785 सांसद ही मतदान के लिए अधिकृत थे. इनमें से 14 सांसद विभिन्न कारणों से वोट नहीं डाल पाए.

- देश में उपराष्ट्रपति पद हेतु चुनाव का प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 66 में किया गया है.
- नए निर्वाचित उपराष्ट्रपति भारत के 13वें उपराष्ट्रपति हैं. पहले उपराष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन व निवर्तमान उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी दो-दो कार्यकाल तक उपराष्ट्रपति रहे हैं.
- डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन 1952 में देश के पहले उपराष्ट्रपति बने थे. वह लगातार दो कार्यकाल तक इस पद पर रहे. दोनों ही बार उन्हें निर्विरोध चुना गया. लगातार दो कार्यकाल तक उपराष्ट्रपति रहने के पश्चात् 1962-67 के दौरान उन्होंने राष्ट्रपति पद को सुशोभित किया.
- 1962 में पहली बार इस पद के लिए मतदान की जरूरत पड़ी थी. कांग्रेस के उम्मीदवार जाकिर हुसैन आसानी से इसमें विजयी रहे थे.
- डॉ. राधाकृष्णन के अलावा उपराष्ट्रपति से राष्ट्रपति बनने वालों में जाकिर हुसैन, वी वी गिरी, आर वेंकटरमन, शंकर दयाल शर्मा और के आर नारायणन शामिल हैं. उपराष्ट्रपति से राष्ट्रपति बनने वाले अंतिम उपराष्ट्रपति के. आर. नारायणन थे, जो 1997 में पूर्व चुनाव आयुक्त टी. एन. शेषन को हराकर इस पद पर चुने गए थे.
- वी वी गिरी और वेंकटरमन राष्ट्रपति पद के लिए चुने जाने के कारण उपराष्ट्रपति पद पर अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाए थे.
- 1968 से 70 तक देश के 11वें चीफ जस्टिस रहे एम हिदायतुल्लाह 1979–84 तक उपराष्ट्रपति रहे. इसके अलावा वे 20 जुलाई, 1969 से 24 अगस्त, 1969 तक कार्यवाहक राष्ट्रपति भी रहे.

स्वतन्त्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के संदेश में संवेदनशील समाज के निर्माण का आह्वान

नवनिर्वाचित राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने 14 अगस्त, 2017 को, देश के 71वें स्वतंत्रता दिवस (स्वतन्त्रता की 70वीं वर्षगाँठ) की पूर्व संध्या पर राष्ट के नाम अपने संदेश में सभी को हार्दिक बधाई देते हुए वर्ष 2022 तक न्यू इंडिया के निर्माण का आह्वान किया. स्वतन्त्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति के रूप में अपने इस पहले ही संदेश में उन्होंने कहा कि 15 अगस्त, 1947 को जब देश

की हुकूमत ब्रिटिश हाथों से निकलकर भारत-वासियों के हाथों में आई थी, तो वह केवल सत्ता का हस्तांतरण ही नहीं था, बल्कि समूचे देश के सपनों के साकार होने का पल था. इस आजादी के लिए जिन अनगिनत स्वतन्त्रता सेनानियों ने कुर्बानियाँ दीं, उनके प्रति ऋण उन्होंने व्यक्त किया. इस सन्दर्भ में जान की बाजी लगा देने वाले सरदार भगतसिंह,


राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद.

चन्द्रशेखर आजाद, राम प्रकाश बिस्मिल, अशफाख उल्ला खाँ तथा बिरसा मुंडा आदि के साथ-साथ कित्तूर की रानी चेन्नम्मा, झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई व भारत छोड़ो आन्दोलन की शहीद मातंगिनी हाजरा जैसी वीरांगनाओं का स्मरण उन्होंने किया. इनके साथ-साथ महात्मा गांधी, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल व बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के मार्गदर्शन का स्मरण भी उन्होंने किया. अपने इस सम्बोधन में राष्ट्रपति ने बताया कि किस तरह से लोग अपनी अपनी धुन में अपने कार्य करते हुए राष्ट्र निर्माण में संलग्न हैं. ऐसे कर्मठ लोगों के साथ सभी के जुड़ाव का आह्वान करते हुए राष्ट्रपति ने राष्ट्र निर्माण की दिशा में संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं से जुड़ने का आह्वान सभी से किया. **स्वच्छ भारत अभियान, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ** का विशेष उल्लेख उन्होंने इस सन्दर्भ में किया.

वर्ष 2022 में, जब देश आजादी के 75 वर्ष पूरे करेगा, तब तक **न्यू इंडिया** के लिए कुछ महत्वपूर्ण लक्ष्यों को प्राप्त करने को देशवासियों के लिए राष्ट्रीय संकल्प राष्ट्रपति ने अपने सम्बोधन में बताए. न्यू इंडिया के मापदण्डों में हर परिवार के लिए घर, माँग के अनुरूप बिजली, बेहतर सड़कों व संचार के माध्यमों, आधुनिक रेल नेटवर्क तथा तेज और सतत् विकास का उल्लेख उन्होंने किया. **इसके साथ ही यह आह्वान भी उन्होंने किया कि न्यू इंडिया एक ऐसा समाज होना चाहिए जो भविष्य की ओर तेजी से बढ़ने के साथ-साथ संवेदनशील भी हो.** ऐसा संवेदनशील समाज, जहाँ पारम्परिक रूप से वंचित लोग, चाहे वे अनुसूचित जाति के हों, जनजाति के हों या पिछड़े वर्ग के हों, देश के विकास प्रक्रिया में सहभागी बनें; एक ऐसा संवेदनशील समाज, जो उन सभी लोगों को अपने भाइयों और बहनों की तरह गले लगाए, जो देश के सीमांत प्रदेशों में रहते हैं और कभी-कभी खुद को देश से कटा हुआ सा महसूस करते हैं; एक ऐसा संवेदनशील समाज, जहाँ अभावग्रस्त बच्चे, बुजुर्ग और बीमार वरिष्ठ नागरिक और गरीब लोग, हमेशा हमारे विचारों के केन्द्र में रहें. अपने दिव्यांग भाई-बहनों पर हमें विशेष ध्यान देना है और यह देखना है कि उन्हें जीवन के हर क्षेत्र में अन्य नागरिकों की तरह आगे बढ़ने के अधिक-से-अधिक अवसर मिलें; एक ऐसा संवेदनशील और समानता पर आधारित समाज, जहाँ बेटा और बेटी में कोई भेदभाव न हो, धर्म के आधार पर कोई भेदभाव न हो तथा एक ऐसा संवेदनशील समाज जो मानव संसाधन रूपी हमारी पूँजी को समृद्ध करे, जो विश्वस्तरीय शिक्षण संस्थानों में अधिक-से-अधिक नौजवानों को कम खर्च पर शिक्षा पाने का अवसर देते हुए उन्हें समर्थ बनाए तथा जहाँ बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और कुपोषण एक चुनौती के रूप में न रहें. राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि नागरिकों व सरकार के बीच मजबूत साझेदारी के बल पर **न्यू इंडिया** के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकेगा.

अपने इस संदेश में राष्ट्रपति ने कहा कि विभिन्न उपलब्धियों के चलते आज पूरी दुनिया भारत को सम्मान से देखती है. इस सन्दर्भ में जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदाओं, आपसी टकराव, मानवीय संकटों और आतंकवाद जैसी अनेक अन्तर्राष्ट्रीय चुनौतियों से निपटने में विश्व पटल पर भारत की अहम् भूमिका का उल्लेख उन्होंने किया. राष्ट्र का गौरव बढ़ाने में हर किसी से आगे आने की अपेक्षा उन्होंने की. राष्ट्र निर्माण के लिए भावी पीढ़ी (बच्चों) पर विशेष ध्यान देने का आह्वान भी उन्होंने किया.

अपने इस सम्बोधन के अन्त में गौतम बुद्ध के उपदेश **अप्पो दीपो भव** अर्थात् **अपना दीपक स्वयं बनो** का उल्लेख राष्ट्रपति ने किया तथा कहा कि यदि हम उनकी शिक्षा को अपनाते हुए आगे बढ़ें, तो हम सब मिलकर आजादी की लड़ाई के दौरान उमड़े जोश और उमंग की भावना के साथ सवा सौ करोड़ दीपक बन सकते हैं; ऐसे दीपक जब एक साथ जलेंगे, तो सूर्य के प्रकाश के समान वह उजाला सुसंस्कृत और विकसित भारत के मार्ग को आलोकित करेगा.

जनता दल (यू) के एनडीए में शामिल होने से एनडीए अब राज्य सभा में स्पष्ट बहुमत के निकट

बिहार में एनडीए के समर्थन से सरकार के गठन के एक माह के भीतर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाला जनता दल (यू) राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) में औपचारिक रूप से शामिल हो गया है. पार्टी के पूर्व अध्यक्ष शरद यादव व कुछ अन्य नेताओं के विरोध के बावजूद एनडीए में शामिल होने का औपचारिक प्रस्ताव 19 अगस्त, 2017 को पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की श्री नीतीश कुमार के आवास पर सम्पन्न बैठक में पारित किया गया. इस प्रकार चार वर्ष के अंतराल के पश्चात् जनता दल (यू) की एनडीए में वापसी हुई है. मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले जनता दल (यू) के एनडीए में शामिल हो जाने से एक ओर जहाँ जनता दल (यू) के केन्द्रीय मंत्रिमण्डल में शामिल होने के लिए मार्ग प्रशस्त हो गया है, वहीं केन्द्र में सत्तारूढ़ एनडीए की राज्य सभा में स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत हो गई है. जनता दल (यू) के उच्च सदन में सांसदों की संख्या 10 है तथा राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मित्र दलों, व मनोनीत सदस्यों के सहयोग से 245 सदस्यीय उच्च सदन में 121 सांसदों का समर्थन अब सत्तारूढ़ गठबंधन द्वारा जुटाया जा सकता है. राज्य सभा में अगस्त 2017 में विभिन्न दलों की स्थिति अग्रलिखित थी—

मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु भी अब आधार अनिवार्य

सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के चलते देश में सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए आधार यद्यपि आवश्यक नहीं है, तथापि बैंक खाता खोलने, पैन कार्ड बनवाने व आय कर की रिटर्न भरने जैसे जरूरी कार्य आधार के बिना नहीं हो सकते. इसी श्रृंखला में एक कदम और आगे बढ़ाते हुए सरकार ने अब मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए भी आधार को अनिवार्य बना दिया है. मरने वाले व्यक्ति की पहचान सुनिश्चित करने के लिए उसका आधार कार्ड होना जरूरी होगा, जिसके आधार पर ही मृत्यु प्रमाण पत्र जारी हो सकेगा. गृह मंत्रालय द्वारा इस आशय की अधिसूचना 4 अगस्त, 2017 को जारी की गई है, जोकि जम्मू-कश्मीर, असम व मेघालय को छोड़कर सभी राज्यों व केन्द्रशासित क्षेत्रों में 1 अक्टूबर, 2017 से प्रभावी होगी. जम्मू-कश्मीर, असम व मेघालय के लिए यह प्रावधान लागू होने की तिथि बाद में घोषित की जाएगी.

- *गृह मंत्रालय की 4 अगस्त, 2017 की अधिसूचना में कहा गया है कि यदि किसी आवेदक के पास मृतक की आधार संख्या नहीं है, तो ऐसी स्थिति में मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए शपथ पत्र उसे देना होगा साथ ही मृतक के सम्बन्ध में अन्य जानकारियाँ भी आवेदन में प्रस्तुत करनी होंगी, ताकि मृतक की पहचान की जा सके.*
- *आधार संख्या मृतक की पहचान से जुड़ी विभिन्न जानकारियों को प्राप्त करने में मददगार साबित होगी तथा इससे पहचान सम्बन्धी धोखाधड़ी पर लगाम लगेगी. साथ ही इस व्यवस्था से मृतक की पहचान के लिए विभिन्न अन्य दस्तावेजों को प्रस्तुत करने की अनिवार्यता से भी छुटकारा मिल सकेगा.*

पार्टी	सीटों की संख्या
कांग्रेस	57
भारतीय जनता पार्टी	57
समाजवादी पार्टी	18
अन्नाद्रमुक	13
तृणमूल कांग्रेस	13
जनता दल (यू)	10
बीजू जनता दल	8
मनोनीत सदस्य	8
माकपा	7
निर्दलीय व अन्य	6
तेलुगुदेशम	6
राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी	5
बहुजन समाज पार्टी	5
डीएमके	4
तेलंगाना राष्ट्र समिति	3
राष्ट्रीय जनता दल	3
शिव सेना	3
शिरोमणि अकाली दल	3
पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (जम्मू- कश्मीर)	2
जनता दल (एस)	1
केरल कांग्रेस	1
झारखण्ड मुक्ति मोर्चा	1
इंडियन नेशनल लोकदल	1
इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग	1
भाकपा	1
वोडोलैण्ड पीपुल्स फ्रंट	1
सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट	1
रिपब्लिकन पार्टी	1
नगा पीपुल्स फ्रंट	1
युवजन श्रमिक रायतु कांग्रेस पार्टी	1
रिक्त	**3**
योग	**245**

स्वतन्त्रता दिवस पर राष्ट्र के नाम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सम्बोधन में भी नए भारत का संकल्प

15 अगस्त, 2017 को देश के 71वें स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने सम्बोधन में सर्वप्रथम उन महान् महिलाओं व पुरुषों का स्मरण किया जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए कड़ा परिश्रम किया था. वर्ष 2017 को स्वतंत्र भारत के लिए इस मायने में विशेष वर्ष उन्होंने बताया कि इस वर्ष देश भारत छोड़ो आन्दोलन की 75वीं वर्षगाँठ, चम्पारण सत्याग्रह की शताब्दी तथा बाल गंगाधर तिलक द्वारा शुरू किए गए 'सार्वजनिक गणेश उत्सव' की 125वीं वर्षगाँठ मना रहा है. इस विशेष



लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी.

महत्व वाले वर्ष में **न्यू इंडिया** के संकल्प के साथ देश को आगे बढ़ाने का आह्वान प्रधानमंत्री ने अपने सम्बोधन में किया. **न्यू इंडिया** जो सुरक्षित हो, समृद्ध हो, शक्तिशाली हो, जहाँ हर किसी को समान अवसर उपलब्ध हो तथा जहाँ आधुनिक विज्ञान और तकनीकी क्षेत्र में भारत का विश्व में दबदबा हो. इसी सन्दर्भ में उन्होंने स्मरण कराया कि भारत की स्वतन्त्रता के लिए 1942 और 1947 के बीच राष्ट्र ने अपनी सामूहिक शक्ति का प्रदर्शन किया था. उन्होंने कहा कि हमें 2022 तक एक नए भारत का निर्माण करने के लिए उसी सामूहिक दृढ़ता और संकल्प का प्रदर्शन करना होगा. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश में सभी एकसमान हैं और हम गुणात्मक परिवर्तन ला सकते हैं. प्रधानमंत्री ने इस बात का आह्वान अपने सम्बोधन में किया कि 'चलता है' का रवैया अब समाप्त होना चाहिए और इसके स्थान पर सकारात्मक परिवर्तन के लिए 'बदल सकता है' का दृष्टिकोण सामने आना चाहिए. श्री मोदी ने कहा कि भारत की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है और सर्जिकल स्ट्राइक ने इसे रेखांकित किया है. उन्होंने यह भी कहा कि विश्व में भारत का स्थान ऊँचाइयों को छू रहा है और अनेक देश आतंकवाद की बुराई से लड़ने में भारत के साथ सहयोग कर रहे हैं. विमुद्रीकरण के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि जिन्होंने देश और गरीबों को लूटा है वह शांति से सो नहीं पाएंगे और आज ईमानदारी का उत्सव मनाया जा रहा है. उन्होंने इस बात को स्वीकार किया कि कालेधन के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी और प्रौद्योगिकी के माध्यम से पारदर्शिता लाने में मदद मिलेगी. उन्होंने लोगों को डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने की बात कही.

नए भारत के लिए अपने दृष्टिकोण को स्पष्ट करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा **"तंत्र से लोक नहीं, बल्कि लोक से तंत्र चलेगा अर्थात् इस काम के निर्वहन में जनता ही वह ताकत होगी जो इसे गतिशील बनाएगी."** प्रधानमंत्री ने कहा कि रोजगार के लिए विभिन्न दक्षता की जरूरत होती है और प्रौद्योगिकी के स्वरूप में परिवर्तन आ रहा है. उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं को नौकरी पैदा करने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है न कि नौकरी माँगने के लिए. अर्थव्यवस्था की स्थिति एवं सरकार की पहलों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने इस सम्बोधन में बताया कि नोटबंदी के द्वारा अनेक महत्वपूर्ण सफलताएं प्राप्त की गई हैं. आँकड़ों से पता चला है कि नोटबंदी के बाद तीन लाख करोड़ रुपए बैंकिंग प्रणाली में वापस आए हैं. इसके अतिरिक्त 1 अप्रैल से 5 अगस्त, 2017 तक इन्कम टैक्स रिटर्न दाखिल करने वाले नए व्यक्तिगत करदाताओं की संख्या में 56 लाख की वृद्धि हुई है, जबकि पिछले वर्ष 2016 में इसी अवधि में इस संख्या में 22 लाख की वृद्धि हुई थी. प्रधानमंत्री ने इसे कालेधन के विरुद्ध उनकी लड़ाई का परिणाम बताया. जीएसटी का उल्लेख करते हुए उससे हो रहे लाभ को उन्होंने अपने इस सम्बोधन में दोहराया. प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत में सरकार द्वारा दाल खरीदने की परम्परा नहीं रही है, किन्तु इस वर्ष, जब किसानों ने रिकॉर्ड स्तर पर दालों का उत्पादन कर गरीबों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया, तो सरकार ने भी 16 लाख टन दाल खरीद कर ऐतिहासिक कार्य किया है. किसानों की आय में वृद्धि के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई. **प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना** व **प्रधानमंत्री किसान सम्पदा योजना** का उल्लेख भी प्रधानमंत्री ने अपने इस सम्बोधन में किया. उन्होंने बताया कि विगत तीन वर्षों में 6 नए आईआईटी, 7 नए आईआईएम व 8 नए आईआईआईटी का निर्माण सरकार द्वारा किया गया है तथा शिक्षा को नौकरी के साथ जोड़ने का काम भी किया गया है. मजबूत अर्थव्यवस्था के निर्माण व संतुलित विकास के लिए अगली पीढ़ी के बुनियादी ढाँचे का निर्माण सरकार द्वारा किए जाने का उल्लेख प्रधानमंत्री ने अपने इस सम्बोधन में किया. इस सन्दर्भ में रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण, एयरपोर्ट्स का निर्माण, वाटरवेज़ व रोडवेज़ का विकास तथा गैस ग्रिड व ऑप्टिकल फाइबर नैटवर्क आदि की बात उन्होंने कही.

सामाजिक मुद्दों की बात करते हुए तीन तलाक के विरुद्ध माहौल बनने का उल्लेख प्रधानमंत्री ने किया तथा इस आंदोलन को चलाने वाली माताओं-बहनों का अभिनंदन उन्होंने किया. भविष्य निर्माण में माताओं व बहनों के योगदान के महत्व को स्वीकार करते हुए उनके लिए मातृत्व अवकाश (Maternity Leave) को 12 सप्ताह से बढ़ा कर 26 सप्ताह करने की सरकार की पहल का उल्लेख भी उन्होंने किया. वर्तमान समय को न्यू इंडिया के संकल्प हेतु उपयुक्त समय बताते हुए प्रधानमंत्री ने राष्ट्र के नाम अपने इस सम्बोधन में कहा कि उनकी सरकार देश को विकास के नए मार्ग पर पूरी तेजी से ले जा रही है जिससे देश शांति, एकता व सद्भाव के साथ आगे बढ़ रहा है. उन्होंने आह्वान किया कि हम सब मिलकर एक ऐसा भारत बनाएंगे, जहाँ गरीब के पास पक्का घर होगा, बिजली होगी, पानी होगा; जहाँ देश का किसान चिंता में नहीं, चैन से सोएगा, आज वो जितना कमा रहा है, उससे दोगुना कमाएगा; जहाँ युवाओं और महिलाओं को उनके सपने पूरे करने के लिए भरपूर अवसर मिलेंगे; जो आतंकवाद, सम्प्रदायवाद और जातिवाद से मुक्त होगा; जहाँ भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद से कोई समझौता नहीं होगा तथा जो स्वच्छ होगा, स्वस्थ होगा और स्वराज के सपने को पूरा करेगा.

यह चौथा अवसर था जब स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र के नाम सम्बोधन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया. स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को सम्बोधित करने वाले वह 13वें (सातवें गैर कांग्रेसी) प्रधानमंत्री हैं. लाल किले की प्राचीर से सबसे अधिक 17 बार राष्ट्र को सम्बोधित का श्रेय पं. जवाहरलाल नेहरू को प्राप्त है. उनकी पुत्री श्रीमती इंदिरा गांधी को 16 बार यह अवसर प्राप्त हुआ था. डॉ. मनमोहन सिंह ने 10 बार तथा भाजपा के अटल बिहारी वाजपेयी ने 6 बार लाल किले पर तिरंगा स्वतंत्रता दिवस पर फहराया है, कांग्रेस के पी.वी. नरसिंह राव व राजीव गांधी को 5–5 बार यह अवसर मिल सका. नरेन्द्र मोदी ने जहाँ 4 बार स्वतन्त्रता दिवस पर लाल किले पर तिरंगा अभी तक फहराया है. लाल बहादुर शास्त्री व मोरारजी देसाई 2–2 बार तथा इन्द्र कुमार गुजराल, एच. डी. देवगौड़ा, विश्वनाथ प्रताप सिंह व चौधरी चरण सिंह ने 1–1 बार स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले पर ध्वजारोहण किया है. प्रधानमंत्रियों में चन्द्रशेखर व दो बार कार्यवाहक प्रधानमंत्री रहे गुलजारी लाल नंदा ही ऐसे प्रधानमंत्री रहे हैं, जिन्होंने एक बार भी किसी स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण कर राष्ट्र को सम्बोधित नहीं किया, क्योंकि उनके प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल में अगस्त माह शामिल नहीं था.

किस प्रधानमंत्री ने कितनी बार किया स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले पर ध्वजारोहण

जवाहरलाल नेहरू	17
इंदिरा गांधी	16
मनमोहन सिंह	10
अटल बिहारी वाजपेयी	6
राजीव गांधी	5
पी.वी. नरसिंह राव	5
नरेन्द्र मोदी	4
लाल बहादुर शास्त्री	2
मोरारजी देसाई	2
चौधरी चरण सिंह	1
विश्वनाथ प्रताप सिंह	1
एच. डी. देवगौड़ा	1
इन्द्रकुमार गुजराल	1
चन्द्रशेखर	0
गुलजारी लाल नंदा (दो बार कार्यवाहक प्रधानमंत्री रहे)	0

हाथियों की गणना के प्रारम्भिक अनंतिम आँकड़ों के अनुसार देश में हाथियों की कुल संख्या 27,312

हाथियों के संरक्षण के लिए केन्द्र एवं राज्यों के स्तर पर किए जा रहे अनेक प्रयासों के बावजूद देश में हाथियों की संख्या में लगभग 30 प्रतिशत की कमी विगत 5 वर्षों में आई है, देश में हाथियों की वर्ष 2017 की गणना, जोकि मार्च-मई 2017 के दौरान सम्पन्न की गई थी. के प्रारम्भिक परिणाम केन्द्रीय पर्यावरण वन एवं जलवायु मंत्री डॉ. हर्षवर्द्धन ने 12 अगस्त, 2017 को ***विश्व गज दिवस*** *(World Elephant Day) के अवसर पर नई दिल्ली में जारी किए जिनमें देश में हाथियों की कुल संख्या 27,312 बताई गई है, जोकि 23 विभिन्न राज्यों में एक साथ की गई प्रत्यक्ष गणना पर आधारित है. इससे पूर्व 2012 की गणना में देश में हाथियों की कुल संख्या लगभग 30,000 (29,391–30,711 के बीच) आंकलित की गई थी. इस प्रकार प्रारम्भिक अनंतिम आँकड़ों के अनुसार देश में हाथियों की संख्या में लगभग 3 हजार की कमी विगत पाँच वर्षों में दर्ज की गई है. गणना रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि गणना की पद्धति में बदलाव के कारण 2017 के यह आँकड़े 2012 के आँकड़ों के साथ तुलनीय नहीं हैं. रिपोर्ट के अनुसार 2017 के यह आँकड़े प्रत्यक्ष गणना (Direct Counting) पर आधारित है, जबकि इससे पूर्व प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष दोनों ही रीतियों से मिला कर की जाती रही है (अप्रत्यक्ष गणना हाथियों के मल के आधार पर की जाती है). अप्रत्यक्ष गणना पर आधारित 2017 के आँकड़े लगभग तीन माह पश्चात् उपलब्ध हो सकेंगे. उसके पश्चात् ही हाथियों की संख्या के फाइनल आँकड़े उपलब्ध हो सकेंगे.*

प्रत्यक्ष गणना पर आधारित ***ताजा आँकड़ों के अनुसार देश में हाथियों की सर्वाधिक संख्या वाला राज्य कर्नाटक है. जहाँ गजों की संख्या 6,049 दर्ज की गई है. 5,719 गजों के साथ असम का दूसरा तथा 3,054 गजों के साथ केरल का इस मामले में तीसरा स्थान रहा है. इस मामले में चौथा-पाँचवाँ व छठा स्थान क्रमशः तमिलनाडु (2761), ओडिशा (1976) व उत्तराखण्ड (1839) का रहा है. क्षेत्रानुसार गजों की सर्वाधिक संख्या 11,960 दक्षिण क्षेत्र में दूसरे स्थान पर 10,139 पूर्वोत्तर क्षेत्र में दर्ज की गई है तथा 3,128 गजों के साथ पूर्व-मध्य क्षेत्र का तीसरा तथा 2085 गजों के साथ उत्तर क्षेत्र का इस मामले में चौथा स्थान रहा है.***

हाथियों की 2017 की गणना के इन आँकड़ों के अनुसार जिन राज्यों में हाथियों की गणना की गई है, उनमें आठ राज्य ऐसे रहे, जहाँ हाथियों की संख्या में विगत पाँच वर्षों में वृद्धि हुई है. सर्वाधिक लगभग 1200 की वृद्धि अरुणाचल प्रदेश व उत्तराखण्ड में जहाँ दर्ज की गई है, वहीं सर्वाधिक 1254 की गिरावट तमिलनाडु में रही है. संख्या में 439 की गिरावट के साथ कर्नाटक का गिरावट के मामले में दूसरा स्थान रहा है.

- *इंटरनेशनल यूनियन फॉर कन्जर्वेशन ऑफ नेचर (IUCN) के आँकड़ों के अनुसार विश्व में एशियाई हाथियों की कुल संख्या 41410–52345 के बीच है तथा इनमें से लगभग 60 प्रतिशत भारत में हैं.*
- *हाथियों के संरक्षण के लिए प्रोजेक्ट एलीफेंट (Project Elephant) की शुरूआत भारत में 1992 में की गई थी. जिसके पश्चात् देश में हाथियों की गणना प्रति 4 या 5 वर्ष के अंतराल पर होती रही है. ऐसी पिछली गणना 2012 में हुई थी.*
- *देश में 'एलीफेंट रिजर्व्स' की कुल संख्या वर्तमान में 29 है.*
- *वर्ष 2017 की गज गणना के उपर्युक्त आँकड़े 2012 की गणना के साथ तुलना योग्य नहीं है, क्योंकि 2012 की गणना सभी राज्यों में एक साथ व एक ही तरीके से नहीं की गई थी, जबकि 2017 की गणना सभी राज्यों में व एक साथ व एक ही तरीके से की गई है.*
- *2017 की गज गणना मार्च-मई 2017 के दौरान सम्पन्न की गई थी तथा यह गणना चार क्षेत्रों (पूर्वोत्तर, पूर्व मध्य, दक्षिण व उत्तर) में 1·10 लाख वर्ग किमी क्षेत्र के दायरे में की गई थी तथा 23 राज्य इसमें शामिल रहे थे.*

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो का ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एण्ड डेवलपमेण्ट में विलय

पुलिस की प्रशासनिक दक्षता में सुधार लाने व संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल के लिए सरकार ने अगस्त 2017 में नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (NCRB) का विलय ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट (BPRD) में कर दिया है. बीपीआरडी के महानिदेशक ही विलयित इकाई के प्रमुख रहेंगे, जबकि नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के निदेशक उन्हें ही अब रिपोर्ट करेंगे.

देश में विभिन्न अपराधों के सम्बन्ध में आँकड़ों के संग्रहण के उद्देश्य से एनसीआरबी का गठन 1986 में किया गया था, जबकि पुलिस की प्रक्रियाओं एवं क्रियाकलापों के सम्बन्ध में शोध के लिए बीपीआरडी पहले से ही (1970 से) कार्यरत् था. यह दोनों निकाय गृह मंत्रालय के अधीन ही कार्यरत् थे.

साध्वियों के यौन शोषण मामले में डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख बाबा गुरमीत राम रहीम को 20 वर्ष के कारावास की सजा

देश-विदेश में करोड़ों अनुयायियों का दावा करने वाले 'डेरा सच्चा सौदा' के प्रमुख बाबा गुरमीत राम रहीम को डेरे की दो साध्वियों के साथ दुष्कर्म के 15 वर्ष पुराने मामले में दोषी करार देते हुए 10–10 वर्ष के कारावास की दो सजाएं व ₹ 15–15 लाख के जुर्माने की सजाएं हरियाणा में पंचकुला स्थित सीबीआई की एक अदालत ने 28 अगस्त, 2017 को सुनाईं. इस फैसले की दोनों सजाएं अलग-अलग चलेंगी, जिससे कुल मिलाकर 20 वर्ष की सजा उन्हें काटनी होगी. जुर्माने की राशि में से ₹ 14–14 लाख दोनों पीड़ित साध्वियों को देने के आदेश अदालत ने दिए हैं. जुर्माना अदा न करने पर कारावास में दो वर्ष की वृद्धि की जाएगी. इसके अतिरिक्त आईपीसी की धारा 506 के तहत् डराने, धमकाने के लिए दो वर्ष के कारावास की सजा अलग से सीबीआई अदालत के न्यायाधीश जगदीप सिंह ने डेरा प्रमुख को सुनाई है. यह सजा अन्य सजाओं के साथ ही चलेगी.



दोषी करार दिए जाने के पश्चात् हेलीकॉप्टर से रोहतक जेल ले जाए जाते हुए बाबा राम रहीम.

बाबा राम रहीम के विरुद्ध यह मुकदमा 2002 में उनके आश्रम की एक अनाम साध्वी द्वारा तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को लिखे गए एक पत्र, जिसकी प्रति पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय को प्रेषित की गई थी, के आधार पर कराई गई सीबीआई जाँच के आधार पर सीबीआई द्वारा दर्ज किया गया था. एक दशक तक चली सुनवाई के पश्चात् सीबीआई अदालत के न्यायाधीश जगदीप सिंह ने दो साध्वियों के यौन शोषण का दोषी उन्हें 25 अगस्त, 2017 को करार दिया तथा इस मामले में उन्हें उपर्युक्त सजा 28 अगस्त को सुनाई. 25 अगस्त को पंचकुला स्थित न्यायालय में दोषी करार दिए जाने के साथ ही उन्हें पुलिस हिरासत में ले लिया गया था तथा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हेलीकॉप्टर द्वारा उन्हें रोहतक की सुनारिया जेल में शिफ्ट कर

डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख

बाबा गुरमीत राम रहीम

डेरा सच्चा सौदा की स्थापना 1948 में एक आध्यात्मिक संगठन के रूप में मस्ताना बलूचिस्तानी नामक संन्यासी द्वारा की गई और यह सामाजिक कल्याण पर केंद्रित था. वर्ष 1990 में बाबा राम रहीम ने इस संगठन की बागडोर संभाली

- डेरा सच्चा सौदा लगभग 6 करोड़ के अनुयायी होने का दावा करता है. इस पंथ के भारत, अमेरिका, कनाडा, संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में आश्रम है
- एक आध्यात्मिक गुरु होने के अलावा राम रहीम एक अभिनेता, गायक और उद्यमी भी हैं
- जेड–प्लस सुरक्षा कवर वाले कुछ चुनिंदा भारतीयों में से एक
- 2002 में यौन शोषण मामले के अलावा राम रहीम पर उसी वर्ष पत्रकार रामचंद्र छत्रपति और डेरा अनुयायी रणजीत सिंह की हत्या के आरोप लगे
- 2007 में उन पर गुरु गोबिंद सिंह की वेशभूषा धारण कर सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को चोट पहुंचाने का आरोप लगा



- 2010 में अपने ड्राइवर फकीर चंद की हत्या का आरोप भी लगा
- 2014 में वे तब सुर्खियों में आये जब अपने 400 अनुयायियों को जबरन नपुंसक बनाने का आरोप लगा
- 2016 में वह भगवान विष्णु की वेशभूषा में दिखने के बाद खबर में आए

बलात्कार के दोषी

- 2002 में एक साध्वी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को एक अनाम पत्र लिख कर राम रहीम पर बलात्कार का आरोप लगाया
- यह मामला सीबीआई को सौंपा गया
- राम रहीम पर दो साध्वियों के यौन शोषण करने का आरोप लगा
- 30 जुलाई 2007 को चार्जशीट प्रस्तुत की गई
- 2008 में राम रहीम पर आईपीसी के तहत धारा 376 (बलात्कार) और धारा 506 (आपराधिक धमकी) के तहत आरोप लगाए गए
- **25 अगस्त 2017: पंचकूला की विशेष सीबीआई अदालत ने राम रहीम को बलात्कार का दोषी पाया**

KBK Infographics

दिया गया. उन्हें हिरासत में लिए जाने के चंद मिनटों के भीतर हजारों की संख्या में पंचकुला में एकत्र उनके समर्थकों ने हिंसा का वह तांडव रचाया, जिसमें 32 लोगों की मृत्यु हो गई. अरबों रुपए की सरकारी सम्पत्ति व सैकड़ों निजी व सरकारी वाहन उन्होंने फूँक डाले. रेलवे स्टेशनों को क्षति पहुँचाई गई. हिंसा की आशंका में स्थिति से निपटने के व्यापक इंतजाम हरियाणा सरकार द्वारा किए गए थे, जो सब धरे रह गए. भारी हिंसा एवं अराजक माहौल के चलते ही गिरफ्तारी के पश्चात् बाबा राम रहीम को हेलीकॉप्टर के जरिए रोहतक स्थित सुनारिया जेल ले जाया गया तथा 28 अगस्त को सजा सुनाने के लिए इस जेल को ही न्यायालय का रूप दिया गया, जहाँ फैसला सुनाने के लिए सीबीआई अदालत के न्यायाधीश जगदीप सिंह को हेलीकॉप्टर से लाया गया.

डेरा प्रमुख बाबा राम रहीम के विरुद्ध उपर्युक्त सजा केवल दो साध्वियों के यौन शोषण के मामले में ही सुनाई गई है. अनेक मामलों में विवादित हुए बाबा के विरुद्ध कुछ अन्य मामले अभी अदालत में लम्बित हैं. यौन शोषण कांड का खुलासा करने वाले समाचार पत्र के सम्पादक रामचन्द्र छत्रपति की हत्या, डेरा की गतिविधियों के एक अन्य जानकार रणजीत सिंह की हत्या व सैकड़ों साधुओं को नपुंसक बनाने के मामले, जो अदालत में लम्बित हैं, में भी बाबा आरोपी हैं. जेल भेजे जाने के पश्चात् उनके अन्य मामलों का खुलासा भी धीरे-धीरे हो रहा है.

डेरा सच्चा सौदा (DSS) जिसका मुख्यालय हरियाणा में सिरसा में है, एक सामाजिक, आध्यात्मिक एवं कल्याणकारी संगठन है, जिसकी स्थापना मस्ताना बलूचिस्तानी नाम के एक साधु ने 29 अप्रैल, 1948 को एक आध्यात्मिक शिक्षा केन्द्र के रूप में की थी. सिरसा में मुख्य केन्द्र के अतिरिक्त देशभर में इसके लगभग 45 अन्य आश्रम भी विद्यमान हैं. इनके अतिरिक्त अमरीका, कनाडा, ब्रिटेन, यूएई व आस्ट्रेलिया आदि कई देशों में भी इसके केन्द्र हैं तथा विश्व भर में इसके अनुयायियों की संख्या लगभग 6 करोड़ होने का दावा किया जाता है. डीएसएस के संस्थापक बाबा मस्ताना बलूचिस्तानी का निधन 18 अप्रैल, 1960 को हुआ था, जिसके बाद 41 वर्षीय बाबा शाह सतनाम सिंह ने डेरा प्रमुख का पद सँभाला. बाबा सतनाम सिंह ने 1990 तक यह पद सँभालने के पश्चात् राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के गुरुसर मोदिया गाँव में एक जमींदार परिवार में 15 अगस्त, 1967 को जन्मे गुरमीत को, जिन्हें बाबा राम रहीम नाम बाद में दिया गया, को 23 सितम्बर, 1990 को इस सम्प्रदाय का नया प्रमुख घोषित कर दिया था. डेरा प्रमुख रहते हुए अरबों रुपए की सम्पत्ति के मालिक वह बने हैं. विभिन्न खेलों में माहिर बाबा राम रहीम को संगीत में भी महारथ हासिल है तथा जैज़, रैप व पॉप म्यूजिक के संगीत एलबम भी उन्होंने बनाए हैं. अत्यधिक लक्जरी जीवन व्यतीत करने वाले बाबा गुरमीत राम रहीम के काफिले में 100 महँगी कारें शामिल हैं तथा 'एमएसजी- द मैसेंजर, एमएसजी-2 द मैसेंजर, एमएसजी : द वारियर लॉयन हार्ट, हिंद का ना पाक को जवाब एमएसजी लॉयन हार्ट-2, व जट्टू इंजीनियर नाम से पाँच फिल्में भी उन्होंने बनाई हैं जिनमें मुख्य भूमिकाएं उनकी स्वयं की रही थी. इनके द्वारा ही लिखे गए कथानकों पर बनी इन फिल्मों का निर्देशन भी उन्होंने स्वयं ही किया था.

ओबीसी कोटे में आरक्षण हेतु उपश्रेणियाँ बनाने का सरकार का इरादा : क्रीमीलेयर के लिए आय सीमा अब ₹ 8 लाख

अन्य पिछड़े वर्गों (OBC) के गैर-क्रीमीलेयर के सभी परिवारों को आरक्षण का समुचित लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इन जातियों को विभिन्न उप-श्रेणियों में वर्गीकृत करने का सरकार का इरादा है. इस उपवर्गीकरण हेतु संविधान के अनुच्छेद 340 के अन्तर्गत एक आयोग का गठन सरकार द्वारा किया जाएगा. इस आशय का फैसला प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की 23 अगस्त, 2017 की बैठक में किया गया है. आयोग के गठन हेतु मंत्रिमण्डल की यह संस्तुति राष्ट्रपति को भेजी गई है. आयोग अपने गठन के 12 सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत करेगा. नौ राज्यों–आन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना, पुदुचेरी, हरियाणा, झारखण्ड, प. बंगाल, महाराष्ट्र, बिहार व तमिलनाडु में पिछड़ी जातियों के उपवर्गीकरण की व्यवस्था पहले ही विद्यमान है.

इसके साथ ही ओबीसी में क्रीमीलेयर के निर्धारण हेतु आय सीमा को भी सरकार ने अब ₹ 6 लाख से बढ़ाकर ₹ 8 लाख कर दिया है. इससे ओबीसी के वह परिवार भी अब आरक्षण का लाभ प्राप्त कर सकेंगे जिनकी वार्षिक आय ₹ 8 लाख तक है.

राज्य सभा की 10 सीटों के लिए चुनाव/उपचुनाव

प. बंगाल व गुजरात से राज्य सभा की क्रमशः 6 व 3 सीटों के लिए चुनाव जुलाई-अगस्त 2017 में सम्पन्न हुए. इनके अतिरिक्त मध्य प्रदेश से राज्य सभा की एक रिक्त सीट के लिए उपचुनाव भी अगस्त में सम्पन्न हुआ. प. बंगाल से राज्य सभा की 6 सीटों के लिए 31 जुलाई, 2017 को सम्पन्न चुनाव में कांग्रेस के एक व तृणमूल कांग्रेस के पाँच उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए. यह सीटें पहले भी इन्हीं दलों के पास थीं. इसी के साथ मध्य प्रदेश से राज्य सभा की एक रिक्त सीट के लिए सम्पन्न उपचुनाव में भाजपा की प्रत्याशी सम्पतिया उइके निर्विरोध निर्वाचित हुई हैं. (यह सीट पर्यावरण मंत्री अनिल माधव दवे के निधन के कारण रिक्त हुई थी) बाद में 8 अगस्त को गुजरात से राज्य सभा की 3 सीटों के लिए हुए चुनाव में 2 सीटें भाजपा के व 1 सीट कांग्रेस के खाते में गई है. गुजरात से निर्वाचित भाजपा के दो उम्मीदवारों में पार्टी अध्यक्ष अमित शाह व केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी शामिल हैं. कांग्रेस के निर्वाचित उम्मीदवार अहमद पटेल पाँचवीं बार राज्य सभा के लिए निर्वाचित हुए हैं. कांग्रेस के दो बागी विधायकों ने इस चुनाव में भाजपा समर्थित उम्मीदवार के पक्ष में मत दिए थे, किन्तु उनके वोट चुनाव आयोग ने रद्द कर दिए जिससे कांग्रेसी उम्मीदवार (अहमद पटेल) विजयी घोषित किए गए थे. राज्य सभा में उपर्युक्त पार्टी पोजीशन इन चुनाव परिणामों के बाद की स्थिति है.

राज्य सभा चुनाव की प्रक्रिया

राज्य सभा संसद का वह हिस्सा है जहां राज्य अपने प्रतिनिधियों को भेजते हैं. यह एक स्थाई सभा है जिसमें सदस्यों का कार्यकाल छह साल का होता है.

राज्य सभा की सदस्य संख्या

संविधान के अनुसार राज्य सभा की अधिकतम सदस्य संख्या 250 है, जिसमें से 12 सदस्यों को राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किया जाता है.

वर्तमान में राज्य सभा में 245 सदस्य हैं, जिसमें से 233 निर्वाचित होते हैं.

इलेक्टोरल कॉलेज: राज्यों और संघ शासित प्रदेश (दिल्ली और पुडुचेरी) की विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य इसमें शामिल होते हैं

तरीका : अप्रत्यक्ष चुनाव

प्रणाली : यह चुनाव आनुपातिक प्रतिनिधित्व के आधार पर संपन्न होता है जिसमें प्रत्येक मतदाता गुप्त मतदान करता है.

अवधि : एक पूर्ण कार्यकाल छह साल का होता है. लेकिन उप–चुनाव में चुने गए सदस्यों का कार्यकाल केवल उस सदस्य के बाकी बचे कार्यकाल तक होता है जिसकी मृत्यु हो गयी हो, जिसने इस्तीफा दिया हो या जो अयोग्य ठहराया गया हो.

चुनाव प्रक्रिया : राज्य सभा की सीट जीतने के लिए उम्मीदवार को निम्नलिखित फार्मूले के अनुसार आवश्यक संख्या में वोट पाने होते हैं :

$$\text{आवश्यक वोट} = \frac{\text{विधायकों की कुल संख्या}}{\text{मतदान वाली राज्य सभा सीटों की संख्या} + 1} + 1$$

विधायक प्रत्येक उम्मीदवार के लिए प्राथमिकता दर्ज करते हुए अपना वोट देते हैं. इसलिए राज्य सभा में चुने जाने के लिए किसी उम्मीदवार को प्राथमिकता वाले आवश्यक वोट मिलने चाहिए. यदि दो उम्मीदवारों के बीच ड्रॉ होता है तो मतदाताओं के दूसरी प्राथमिकता वाले वोटों पर जीत निर्धारित होती है



KBK Infographics

सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार में तीन तलाक की प्रथा को असंवैधानिक ठहराते हुए इस पर रोक लगाई

सर्वोच्च न्यायालय ने 22 अगस्त, 2017 को एक ऐतिहासिक एवं दूरगामी सामाजिक महत्व के फैसले के तहत् मुस्लिमों में 'तलाक-ए-बिद्दत' 'एक बार में तीन तलाक' की प्रथा को असंवैधानिक करार देते हुए इसे निरस्त कर दिया है. अलग-अलग धर्मों के पाँच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 3–2 के बहुमत से दिए गए अपने फैसले में इस प्रथा को कुरान-ए-पाक के बुनियादी सिद्धान्तों

के खिलाफ तथा शरियत कानून का उल्लंघन करार दिया है. पाँच न्यायाधीशों की इस पीठ में मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जे. एस. खेहर जहाँ सिख समुदाय के थे, न्यायमूर्ति कुरियन जोसेफ इसाई, न्यायमूर्ति उदय उमेश ललित हिन्दू, न्यायमूर्ति आर. एफ. नरीमन पारसी तथा न्यायमूर्ति एस. अब्दुल नजीर मुस्लिम थे. पाँच न्यायाधीशों की इस पीठ के तीन न्यायाधीशों ने तीन तलाक को असंवैधानिक करार दिया है, जबकि दो न्यायाधीशों—न्यायमूर्ति जे. एस. खेहर व न्यायमूर्ति अब्दुल नज़ीर ने इसे असंवैधानिक कहने से यद्यपि इनकार किया है, तथापि इस प्रथा पर रोक के प्रति सहमति जताते हुए केन्द्र सरकार को इस सम्बन्ध में छह माह के भीतर कानून बनाने का निर्देश दिया है. तीनों अन्य न्यायाधीशों—न्यायमूर्ति कुरियन जोसेफ, न्यायमूर्ति उदय उमेश ललित व न्यायमूर्ति आर. एफ. नरीमन ने इस प्रथा को संविधान का उल्लंघन करने वाली करार दिया है. इस मामले में छह माह के भीतर कानून बनाने का निर्देश पीठ ने सरकार को दिया है. पीठ के फैसले में यह भी कहा गया है कि यदि सरकार छह माह के भीतर कानून नहीं बनाती, तो भी कानून बनने तक सर्वोच्च न्यायालय की यह रोक जारी रहेगी.


न्यायमूर्ति जे. एस. खेहर


न्यायमूर्ति कुरियन जोसेफ


न्यायमूर्ति अब्दुल नजीर


न्यायमूर्ति आर. एफ. नरीमन


न्यायमूर्ति यू.यू. ललित

तीन तलाक की प्रथा के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के 22 अगस्त, 2017 के फैसले का देशभर में आमतौर पर स्वागत किया गया है. अनेक स्थानों पर मुस्लिम महिलाओं ने इसे दूसरी आजादी करार देते हुए प्रसन्नता व्यक्त की है तथा इस फैसले को मुस्लिम महिलाओं की जीत बताया है. फैसले में 3–2 के मतांतर पर विशेषज्ञों एवं कानूनविदों ने टिप्पणी करते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश आर. एस. सोढ़ी ने कहा है कि तीन तलाक की प्रथा समाप्त करने को लेकर पाँचों न्यायाधीशों में वस्तुतः कोई मतभेद नहीं है, यदि कोई मतभेद है, तो वह इस बात पर है कि इस मामले में पहल सरकार करे या न्यायपालिका, न्यायमूर्ति सोढ़ी ने कहा है कि तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश जस्टिस खेहर व जस्टिस नज़ीर भी तीन तलाक की प्रथा को समाप्त करने के पक्ष में हैं, किन्तु वे चाहते हैं कि इस मामले में सरकार कानून बनाए. **तीन तलाक की प्रथा को समाप्त करने के लिए याचिकाएं कुछ मुस्लिम महिलाओं ने ही दर्ज की थीं तथा केन्द्र सरकार ने इस मामले में इन महिलाओं का ही पक्ष लिया था.**



मीडिया रिपोर्टों के अनुसार तीन तलाक की प्रथा पर रोक लगाने वाला भारत विश्व में 22वाँ देश है. जिन अन्य देशों में इस प्रथा पर रोक पहले से ही लगी हुई है. इनमें सर्वाधिक मुस्लिम जनसंख्या वाले देश इंडोनेशिया व पाकिस्तान भी शामिल हैं. सर्वाधिक मुस्लिम जनसंख्या वाले देश इंडोनेशिया में केवल न्यायालय के जरिए ही तलाक दिया जा सकता है. विश्व में दूसरी सर्वाधिक मुस्लिम जनसंख्या वाले देश पाकिस्तान में 1961 में ही तीन तलाक पर प्रतिबंध लगा दिया गया था. तीन तलाक के लिए वहाँ पति को सरकारी संस्था चेयरमैन ऑफ यूनियन काउंसिल के पास नोटिस भेजना होता है. तद्नुरूप वांछित प्रक्रिया पूरी होने पर ही तलाक दिया जा सकता है. ***7·70 करोड़ से ज्यादा की मुस्लिम जनसंख्या वाला मिस्र तीन तलाक बैन करने वाला पहला देश था.*** *इसने 1929 में घोषणा की थी कि तीन बार तलाक कहने पर भी उसे एक ही माना जाएगा और इसे वापस लिया जा सकता है. श्रीलंका, जहाँ 10 प्रतिशत जनसंख्या मुस्लिम है., में पति-पत्नी को तलाक देने के लिए मुस्लिम जज काजी को नोटिस देना होता है. इसके बाद जज के साथ-साथ दोनों परिवारों के सदस्य उन्हें समझाने का प्रयास करते हैं. समझौता नहीं होने पर नोटिस के 30 दिन बाद पति पत्नी को तलाक दे सकता है. तीन तलाक पर विभिन्न तरह से प्रतिबन्ध लगाने वाले अन्य देशों में टर्की, अल्जीरिया, इराक, साइप्रस, सऊदी अरब, यूएई, कतर, जॉर्डन, सीरिया, मोरक्को, लीबिया, मलेशिया, सूडान, ट्यूनीशिया व ब्रूनेई आदि शामिल हैं.*

पीएसएलवी-सी39 की उड़ान विफल

उपग्रह प्रक्षेपण के मामले में उत्तरोत्तर उपलब्धियों के पश्चात् भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) को एक बड़ी विफलता का सामना 31 अगस्त, 2017 को उस समय करना पड़ा जब उसके ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (Polar Satellite Launch Vehicle-PSLV-C 39) की उड़ान असफल रही. श्रीहरिकोटा (आन्ध्र प्रदेश) स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र से इस उड़ान के जरिए भारत की क्षेत्रीय नौवहन उपग्रह प्रणाली (Indian Regional Navigation Satellite System—IRNSS) के सुदृढ़ीकरण के लिए आईआरएनएसएस-1 एच (IRNSS-1H) उपग्रह को अंतरिक्ष में स्थापित करना था. इस प्रणाली के सात

शेष पृष्ठ 48 पर



अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम

- शाहिद खकान अब्बासी पाकिस्तान में नए प्रधानमन्त्री बने : हिन्दू नेता डॉ. दर्शन लाल को भी मन्त्रिपरिषद् में स्थान
- भारत एवं भूटान के बीच नया व्यापार एवं पारगमन समझौता लागू हुआ
- नेपाल में चौपदी पर रोक हेतु कानून बना
- भारत सहित **80** देशों के नागरिक कतर की यात्रा हेतु वीज़ा की आवश्यकता से मुक्त
- वर्ष **2020** में टोकियो में आयोजन के पश्चात् वर्ष **2024** के **33**वें ओलम्पिक खेलों का आयोजन पेरिस में होगा
- जिम्बाब्वे में राष्ट्रपति की शक्तियों में वृद्धि हेतु संविधान संशोधन विधेयक संसद में पारित
- अमरीका द्वारा इंटरसेप्टर मिसाइल प्रणाली 'थाड' का सफल परीक्षण
- नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की भारत यात्रा
- **19** वर्षों में पाकिस्तान की जनसंख्या में **57** प्रतिशत वृद्धि : जनगणना **2017** के अनंतिम परिणाम
- थाइलैण्ड की अपदस्थ प्रधानमंत्री यिंगलुक शिनवात्रा देश छोड़कर भागी
- अमरीका ने पेरिस जलवायु परिवर्तन समझौते से हटने की औपचारिक सूचना संयुक्त राष्ट्र संघ को दी
- रहने के लिए उपयुक्त सर्वश्रेष्ठ **10** शहरों में भारत का कोई शहर नहीं : ग्लोबल लिवेबिलिटी रिपोर्ट **(2017)**
- संक्षिप्तकी

शाहिद खकान अब्बासी पाकिस्तान में नए प्रधानमन्त्री बने : हिन्दू नेता डॉ. दर्शन लाल को भी मन्त्रिपरिषद् में स्थान

पाकिस्तान में प्रधानमन्त्री पद से नवाज शरीफ को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अयोग्य करार दिए जाने के परिणामस्वरूप इस पद से उनके त्यागपत्र के पश्चात् उन्हीं की पार्टी पीएमएल (एन) के शाहिद खकान अब्बासी वहाँ नए प्रधानमन्त्री बनाए गए हैं. नवाज शरीफ की सरकार में पेट्रोलियम मन्त्री रहे शाहिद खकान अब्बासी को अंतरिम अवधि के लिए प्रधानमन्त्री बनाने का निर्णय उनकी पार्टी ने किया था. वस्तुतः नवाज शरीफ के भाई शाहबाज शरीफ, जो वर्तमान में पंजाब प्रांत के मुख्यमन्त्री हैं, को ही प्रधानमन्त्री बनाने का पार्टी का इरादा था, किन्तु इसके लिए नेशनल असेम्बली की सदस्यता प्राप्त होना आवश्यक था. चुनाव लड़कर नेशनल असेम्बली में पहुँचने में उन्हें कम-से-कम 45 दिन लगते. इस बीच अंतरिम अवधि के लिए शाहिद अब्बासी को वहाँ प्रधानमन्त्री बनाने का पार्टी ने निर्णय किया था. वैसे राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अब अगले चुनाव तक ही वह प्रधानमन्त्री बने रहेंगे. नेशनल असेम्बली के लिए चुनाव वहाँ अगले वर्ष 2018 के उत्तरार्द्ध में होने हैं.



शाहिद खकान अब्बासी : पाकिस्तान के नए प्रधानमन्त्री.



डॉ. दर्शन लाल : पाकिस्तानी मन्त्रि-परिषद् में हिन्दू मन्त्री.

नए प्रधानमन्त्री के लिए नेशनल असेम्बली में 1 अगस्त, 2017 को सम्पन्न चुनाव में पीएम एल-एन के शाहिद खकान अब्बासी को 221 मत जहाँ प्राप्त हुए, उनके निकटतम प्रतिद्वन्द्वी पीपीपी के सैयद नावीद कमार को 47 तथा अवामी मुस्लिम लीग के शेख राशिद को 33 मत मिले. 4 मत जमात-ए-इस्लामी के साहिबजादा तरीकुल्ला को प्राप्त हुए. विधिवत् निर्वाचित शाहिद अब्बासी को राष्ट्रपति मामनून हुसैन (Mamnoon Hussain) ने उसी दिन राष्ट्रपति भवन में एक समारोह में नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाई. अपनी कैबिनेट का गठन उन्होंने बाद में 4 अगस्त, 2017 को किया है जिसमें अधिकांश पुराने चेहरे ही शामिल किए गए हैं. 6 ऐसे चेहरे मन्त्रिपरिषद् में शामिल किए गए हैं जो नवाज शरीफ सरकार में मन्त्रिपरिषद् में नहीं थे. अल्पसंख्यक कोटा से पीएमएल-एन के टिकट पर सिन्ध प्रान्त से निर्वाचित एक हिन्दू सांसद दर्शन लाल को भी मन्त्रिपरिषद् में राज्य मन्त्री के रूप में शामिल किया गया है.

भारत एवं भूटान के बीच नया व्यापार एवं पारगमन समझौता लागू हुआ

भारत एवं भूटान के बीच नया व्यापार, वाणिज्य एवं पारगमन समझौता (Agreement on Trade, Commerce and Transit between India and Bhutan) 29 जुलाई, 2017 से प्रभावी हो गया है. इस समझौते से दोनों देशों के बीच वस्तुगत व्यापार एवं पारगमन सम्बन्धी मामलों में सुदृढ़ता आएगी. दोनों देशों के बीच स्वतन्त्र व्यापार के साथ-साथ अन्य देशों के लिए निर्यात किए जाने वाले भूटानी उत्पादों के भारत में ड्यूटी-फ्री प्रवेश की व्यवस्था इस समझौते के तहत् की गई है. अब दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सम्बन्धों में मजबूती लाने वाले इस समझौते के मसौदे को केन्द्रीय मन्त्रिमण्डल ने अक्टूबर 2016 में ही मंजूरी प्रदान की गई थी तथा इस द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर 12 नवम्बर, 2016 को हुए थे. दोनों देशों द्वारा स्वीकार्य किसी तिथि से इसे लागू करने का प्रावधान समझौते में किया गया था. इसे अब 29 जुलाई, 2017 से लागू किया गया है.

- दोनों देशों के बीच 10 वर्षीय व्यापार एवं पारगमन समझौते, का नवीकरण इससे पूर्व 29 जुलाई, 2016 से किया गया था. इस समझौते को एक वर्ष के लिए (या फिर नया समझौता लागू होने तक के लिए) नवीकरण 29 जुलाई, 2016 से किया गया था.
- दोनों देशों के बीच नए समझौते पर हस्ताक्षर यद्यपि 12 नवम्बर, 2016 को ही हो गए थे, इसे अब 29 जुलाई, 2017 से प्रभावी किया गया है.

नेपाल में चौपदी पर रोक हेतु कानून बना

नेपाल की संसद ने एक प्राचीन हिन्दू परम्परा चौपदी (Chaupadi) को आपराधिक करार देने वाला कानून अगस्त 2017 में पारित किया है, जिसमें माहवारी के दौरान एवं प्रसव के पश्चात् महिलाओं को घर से बहिष्कृत कर दिया जाता है. इस परम्परा के तहत् कुछ नेपाली समुदाय महिलाओं की माहवारी को अशुद्ध मानते हैं. तथा इस दौरान किसी अशुभ घटना की आशंका मानी जाती है. इस परम्परा के अनुपालन पर नेपाली सर्वोच्च न्यायालय ने रोक 2005 में ही लगा दी थी, किन्तु इस रोक पर अमल के लिए कोई तन्त्र वहाँ विकसित नहीं किया गया था तथा न ही इसके लिए किसी दंड की कोई व्यवस्था वहाँ की गई थी. नए पारित किए गए कानून के तहत् किसी महिला पर इस प्रथा का पालन करने के लिए दबाव बनाने वाले को तीन महीने की जेल की सजा या ₹ 3000 का जुर्माना या दोनों का प्रावधान किया गया है. नेपाली संसद में 9 अगस्त, 2017 को सर्वसम्मति से पारित किए गए इस कानून के अनुसार, माहवारी के दौरान या प्रसव के बाद किसी महिला को चौपदी में रखने या इस तरह का कोई अन्य छुआछूत या अमानवीय व्यवहार जैसा भेदभाव नहीं किया जा सकता.

भारत सहित 80 देशों के नागरिक कतर की यात्रा हेतु वीज़ा की आवश्यकता से मुक्त

खाड़ी देशों के बहिष्कार एवं प्रतिबन्धों का सामना कर रहे कतर (Qatar) ने अन्य देशों के साथ अपने हवाई यात्रा वं पर्यटन सम्बन्धों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 80 देशों के नागरिकों को कतर की यात्रा के लिए वीज़ा की आवश्यकता से मुक्त कर दिया है. अमरीका व यूरोपीय देशों के अतिरिक्त जिन अन्य देशों के नागरिकों को 'वीज़ा ऑन एराइवल' की सुविधा इस पहल के तहत् उपलब्ध कराई गई है, उनमें भारत, द. अफ्रीका व न्यूजीलैण्ड आदि भी शामिल हैं. जिन 80 देशों के नागरिकों को कतर की यात्रा के लिए वीज़ा की आवश्यकता से मुक्त किया गया है उनमें से 33 देशों के नागरिक 180 दिन तक कतर में प्रवास कर सकेंगे, जबकि 47 देशों के नागरिकों को अधिकतम 30 दिन तक के प्रवास की सुविधा उपलब्ध होगी. भारत उन 47 देशों में शामिल है, जिनके नागरिकों को वीज़ा के बिना अधिकतम 30 दिन तक कतर में ठहरने की अनुमति दी गई है. इस आशय की घोषणा कतर द्वारा 9 अगस्त, 2017 को की गई. 80 देशों के नागरिकों के लिए 'वीज़ा ऑन एराइवल' की सुविधा उपलब्ध कराकर कतर इस क्षेत्र में सर्वाधिक खुला देश (Most Open Country) बन गया है.

ज्ञातव्य है कि आतंकवादियों को समर्थन प्रदान करने तथा ईरान के साथ घनिष्ठ सम्बन्ध रखने के आरोपों पर सऊदी अरब, मिस्र, बहरीन व संयुक्त अरब अमीरात (UAE) ने कतर का बहिष्कार करते हुए उसके साथ सभी परिवहन सम्बन्ध 5 जून, 2017 से तोड़ लिए थे इसी परिप्रेक्ष्य में अन्य देशों के साथ यात्रा सम्बन्धों में विस्तार के प्रयास कतर द्वारा किए जा रहे हैं.

वर्ष 2020 में टोकियो में आयोजन के पश्चात् वर्ष 2024 के 33वें ओलम्पिक खेलों का आयोजन पेरिस में होगा

वर्ष 2024 के 33वें ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेलों व 17वें पैरालम्पिक खेलों के मेजबान शहर की औपचारिक घोषणा यद्यपि सितम्बर 2017 में होनी है, यह

ज्ञातव्य है कि पिछले 31वें ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेलों का आयोजन 2016 में रियो डि जेनरो (ब्राजील) में हुआ था, जबकि आगामी 32वें खेलों का आयोजन 2020 में टोकियो में होना है. इसके पश्चात् 2024 के 33वें ओलम्पिक पेरिस में आयोजित किए जाएंगे. यह तीसरा अवसर होगा जब ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेल पेरिस में आयोजित होंगे. इससे पूर्व वर्ष 1900 में दूसरे तथा 1924 में आठवें ओलम्पिक खेल पेरिस में आयोजित किए गए थे.

क्र.	वर्ष	आयोजन स्थल	क्र.	वर्ष	आयोजन स्थल
1.	1896	एथेंस (ग्रीस)	18.	1964	टोकियो (जापान)
2.	1900	पेरिस (फ्रांस)	19.	1968	मेक्सिको सिटी (मेक्सिको)
3.	1904	सेंटलुई (अमरीका)	20.	1972	म्यूनिख (पश्चिम जर्मनी)
4.	1908	लंदन (ब्रिटेन)	21.	1976	मोंट्रियल (कनाडा)
5.	1912	स्टॉकहोम (स्वीडन)	22.	1980	मास्को (सोवियत संघ)
6.	1916	बर्लिन (जर्मनी) ★	23.	1984	लॉस एंजेल्स (अमरीका)
7.	1920	एंटवर्प (बेल्जियम)	24.	1988	सियोल (दक्षिण कोरिया)
8.	1924	पेरिस (फ्रांस)	25.	1992	बार्सिलोना (स्पेन)
9.	1928	एम्सटर्डम (हॉलैण्ड)	26.	1996	एटलांटा (अमरीका)
10.	1932	लॉस एंजेल्स (अमरीका)	27.	2000	सिडनी (आस्ट्रेलिया)
11.	1936	बर्लिन (जर्मनी)	28.	2004	एथेंस (ग्रीस)
12.	1940	टोकियो (जापान) ★★	29.	2008	बीजिंग (चीन)
13.	1944	लंदन (ब्रिटेन) ★★	30.	2012	लंदन (ब्रिटेन)
14.	1948	लंदन (ब्रिटेन)	31.	2016	रियो डि जेनेरो (ब्राजील)
15.	1952	हेलसिंकी (फिनलैण्ड)	32.	2020	टोकियो (जापान) में प्रस्तावित
16.	1956	मेलबर्न (आस्ट्रेलिया)	33.	2024	पेरिस (फ्रांस) में प्रस्तावित
17.	1960	रोम (इटली)	34.	2028	लॉस एंजेल्स (अमरीका) में प्रस्तावित

* प्रथम विश्व युद्ध के कारण आयोजित नहीं हुए. * द्वितीय विश्व युद्ध के कारण आयोजित नहीं हुए.

मेजबानी पेरिस को मिलना जुलाई 2017 में ही निश्चित हो गया है. इन खेलों की मेजबानी के लिए मूलतः पाँच शहरों ने दावेदारी अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति के समक्ष 15 सितम्बर, 2015 (इस दावेदारी हेतु आवेदन की अंतिम तिथि) तक प्रस्तुत की थी. इनमें लॉस एंजेल्स (अमरीका), रोम (इटली), पेरिस (फ्रांस) बुडापेस्ट (हंगरी) व हैम्बर्ग (जर्मनी) शामिल थे. खेलों के आयोजन की लागत को देखते हुए उनमें से बुडोपेस्ट, हंगरी व रोम ने इस दावेदारी से पीछे हटने की घोषणा बाद में कर दी थी, जिसमें लॉस एंजेल्स व पेरिस ही इसके लिए दावेदार रह गए थे. 31 जुलाई, 2017 को अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (IOC) के साथ हुई एक सहमति के तहत् लॉस एंजेल्स अब 2028 के (34वें) ओलम्पिक खेलों की मेजबानी हेतु सहमत हो गया है, जिससे 2024 के ओलम्पिक खेलों की मेजबानी हेतु पेरिस ही एकमात्र दावेदार रह गया है, जिससे उसे यह मेजबानी प्राप्त होना निश्चित हो गया है. इस आशय की औपचारिक घोषणा अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति की 13 सितम्बर, 2017 को पेरू में लीमा में होने वाली बैठक में की जाएगी.

जिम्बाब्वे में राष्ट्रपति की शक्तियों में वृद्धि हेतु संविधान संशोधन विधेयक संसद में पारित

जिम्बाब्वे की संसद ने देश के नए संविधान में उस संशोधन के लिए विधेयक 25 जुलाई, 2017 को पारित किया है जिसमें देश में न्यायाधीशों की नियुक्तियों के लिए पूरी शक्तियाँ राष्ट्रपति को प्रदान की गई हैं. 2013 में, जनमत संग्रह के जरिए स्वीकार किए गए नए संविधान के तहत् जुडीशिएल सर्विस कमीशन द्वारा संस्तुत न्यायाधीशों में से ही किसी एक की मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जा सकती थी. ताजा संविधान संशोधन विधेयक के अधिनियमित होने से इन नियुक्तियों की पूरी शक्तियाँ राष्ट्रपति को ही प्राप्त होंगी तथा किसी अन्य एजेंसी अथवा निकाय की संस्तुति पर राष्ट्रपति की निर्भरता समाप्त हो जाएगी.

अमरीका द्वारा इंटरसेप्टर मिसाइल प्रणाली 'थाड' का सफल परीक्षण

उत्तर कोरिया के मध्यम व लम्बी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों के परीक्षण के परिप्रेक्ष्य में अमरीका ने अपनी 'थाड' (THAAD–Terminal High Altitude Area Defence) प्रणाली का एक और परीक्षण 30 जुलाई, 2017 को किया. इसके तहत् मध्यम दूरी की मारक क्षमता वाली एक बैलिस्टिक मिसाइल (लक्ष्य मिसाइल) को प्रशांत महासागर के ऊपर पहले छोड़ा गया. जिसे 'थाड' प्रणाली ने ही डिटेक्ट कर आकाश में ही नष्ट कर दिया. अमरीका का 'थाड' प्रणाली का यह 15वाँ सफल परीक्षण था. 30 जुलाई, 2017 के परीक्षण से पूर्व इस प्रणाली का एक और सफल परीक्षण 11 जुलाई, 2017 को ही किया गया था. इस प्रणाली को विकसित करने का उद्देश्य उत्तर कोरिया या किसी अन्य शत्रु देश की किसी आक्रामक मिसाइल से देश की रक्षा करना है. उत्तर कोरिया के किसी मिसायली हमले से बचाव के लिए अमरीका ने द. कोरिया में भी 'थाड' प्रणाली तैनात की हुई है. अमरीका के 30 जुलाई, 2017 के 'थाड' परीक्षण से दो ही दिन पूर्व उत्तर कोरिया ने अन्तर्महाद्वीपीय बैलिस्टक मिसाइल (ICMB) का परीक्षण 28 जुलाई, 2017 को व उससे पूर्व 4 जुलाई, 2017 को किया था.

नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की भारत यात्रा

भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने सपत्नीक पाँच दिन की भारत की राजकीय यात्रा अगस्त 2017 में की. उनकी पत्नी डॉ. आरजू देउबा के अतिरिक्त उनके देश का उच्चस्तरीय शिष्टमंडल 23–27 अगस्त, 2017 की उनकी इस यात्रा पर उनके साथ था. **जून 2017 में प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात् उनकी यह पहली ही विदेश यात्रा थी.** पाँच दिन की भारत यात्रा के दौरान मेजबान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय एवं पारस्परिक महत्व के अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों पर वार्ता के अतिरिक्त नई दिल्ली में भारत के राष्ट्रपति व उपराष्ट्रपति, विदेश मंत्री एवं वित्त मंत्री से भेंट के उनके कार्यक्रम थे. नई दिल्ली में दो दिन के प्रवास के अतिरिक्त तेलंगाना में हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश में तिरुपति व बिहार में बोधगया में भी उनके गैर-राजकीय कार्यक्रम थे.



नई दिल्ली में नेपाली प्रधानमंत्री श्री शेर बहादुर देउबा के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी.

पाँच दिन की भारत की इस यात्रा के लिए 23 अगस्त को नई दिल्ली पहुँचे नेपाली प्रधानमंत्री की इंदिरा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अगवानी विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने की. नई दिल्ली में उनके औपचारिक कार्यक्रम 24 अगस्त के लिए निर्धारित थे. 23 अगस्त को 'एसोचैम' (ASSOCHAM) द्वारा आयोजित उद्यमियों की एक बैठक को नेपाली प्रधानमंत्री ने सम्बोधित किया. राष्ट्रपति भवन में 24 अगस्त को औपचारिक स्वागत के पश्चात् राजघाट पर महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्पांजलि उन्होंने अर्पित की, जिसके पश्चात् विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने राष्ट्रपति भवन में उनसे भेंट की. हैदराबाद हाउस में भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ सम्पन्न द्विपक्षीय वार्ता में नेपाल में लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने में प्रधानमंत्री श्री देउबा की व्यक्तिगत भूमिका के लिए उनकी प्रशंसा भारतीय प्रधानमंत्री ने की. दोनों देशों के बीच साझेदारी की असीम सम्भावनाओं पर विस्तार से सकारात्मक बातचीत दोनों प्रधानमंत्रियों में हुई. नेपाल में भारत के सहयोग से चल रही विकास परियोजनाओं–हुलाकी रोड्स (Hulaki Roads) व ट्रांस बॉर्डर पॉवर ट्रांसमिशन लाइन्स तथा ऊर्जा, जल संसाधन, कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट्स तथा भूकम्प के बाद के पुनर्निर्माण कार्यों आदि की प्रगति की समीक्षा वार्ता में की गई. भारत के सहयोग से नेपाल में स्थापनाधीन जल-विद्युत् परियोजनाओं को तय समय-सीमा में पूरा करने के लिए प्रयासों में तेजी लाने में सहमति दोनों प्रधानमंत्रियों में हुई. मेहमान प्रधानमंत्री को श्री मोदी ने आश्वस्त किया कि नेपाल के लोगों व नेपाल सरकार की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए, नेपाल के विकास में अपनी साझेदारी बढ़ाने के लिए भारत पूरी तरह प्रतिबद्ध है. इसी परिप्रेक्ष्य में पारस्परिक व्यापार और निवेश संवर्द्धन को सहमति दोनों पक्षों में हुई. वार्ता में दोनों पक्षों ने यह स्वीकार किया कि रक्षा एवं सुरक्षा के क्षेत्रों में सहयोग दोनों देशों की पार्टनरशिप का महत्वपूर्ण पहलू है तथा दोनों देशों के सुरक्षा हित एक-दूसरे पर निर्भर हैं. खुली सीमाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए दोनों देशों की रक्षा एवं सुरक्षा एजेंसियों के बीच निकट सहयोग के महत्व को भी दोनों पक्षों ने स्वीकार किया. बेहतर कनेक्टिविटी के जरिए बौद्ध एवं रामायण टूरिज्म सर्किट का विकास करके तथा कौशल विकास एवं क्षमता निर्माण पहलों के माध्यम से आपसी जन सम्बन्धों को और अधिक विस्तार देने पर भी बल दोनों पक्षों ने दिया. नेपाल में अरुण-3 परियोजना के लिए भूमि का मामला सुलझ जाने से इस परियोजना के शिलान्यास के लिए श्री मोदी को मेहमान प्रधानमंत्री ने आमंत्रित किया. द्विपक्षीय वार्ता के पश्चात् पारस्परिक सहयोग के आठ विभिन्न समझौतों/समझौता ज्ञापनों (MOUs) पर हस्ताक्षर किए गए. इनमें से चार भूकम्प के बाद के पुनर्निर्माण कार्यों के लिए भारत द्वारा किए गए एक अरब डॉलर की सहायता से जुड़े हुए हैं. 50 हजार घरों व शिक्षा के क्षेत्र के पुनर्निर्माण तथा स्वास्थ्य एवं सांस्कृतिक विरासत के क्षेत्रों में भारत के अनुदानों को लागू करने से सम्बन्धित समझौता ज्ञापन इनमें शामिल है. चार अन्य समझौता ज्ञापन नशीली दवाओं की तस्करी की रोकथाम, चार्टर्ड एकाउंटेंसी, मानकीकरण व सुरक्षा उपायों के क्षेत्रों में सहयोग से सम्बन्धित हैं.

24 अगस्त को ही मेहमान प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से राष्ट्रपति भवन में भेंट की. श्री कोविंद के राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात् राष्ट्रपति भवन में ठहरने वाले वह पहले विदेशी अतिथि थे. श्री देउबा के उनके चौथी बार नेपाल का प्रधानमंत्री बनने के लिए राष्ट्रपति कोविंद ने उन्हें बधाई दी तथा हाल ही में नेपाल में आई बाढ़ से हुई क्षति के लिए संवेदना उन्होंने व्यक्त की. भारत व नेपाल के सम्बन्धों के प्रति संतोष व्यक्त करते हुए नेपाल की हर मुसीबत में भारत के उसके साथ ही बने रहने की प्रतिबद्धता भी राष्ट्रपति ने व्यक्त की. कुछ इसी प्रकार का आश्वासन उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, जो उनसे हैदराबाद हाउस में मिले, ने भी उन्हें दिया.

नई दिल्ली में दो दिन के व्यस्त कार्यक्रमों के पश्चात् 25 अगस्त को श्री देउबा हैदराबाद (तेलंगाना) के लिए रवाना हुए, जहाँ इन्फोसिस के परिसर व तेलंगाना सरकार द्वारा शुरू किए गए टी-हब (T-Hub) केन्द्र का अवलोकन उन्होंने किया. हैदराबाद में उनके लिए रात्रिभोज की मेजबानी राज्यपाल ईएसएल नरसिम्हन ने की. हैदराबाद से ही अगले दिन 26 अगस्त को वह तिरुपति (आन्ध्र प्रदेश) व बोधगया (बिहार) होते हुए 27 अगस्त को वापस नई दिल्ली पहुँचे जहाँ से उसी दिन वह स्वदेश रवाना हुए.

नेपाली प्रधानमंत्री श्री देउबा की भारत की इस यात्रा से पूर्व सितम्बर 2016 में तत्कालीन नेपाली प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' ने भारत की राजकीय यात्रा की थी तथा उनसे सात माह पूर्व तत्कालीन प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा 'ओली' फरवरी 2016 में भारत की राजकीय यात्रा पर आए थे. **इन दोनों प्रधानमंत्रियों ने भी प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात् अपनी पहली विदेश यात्रा भारत की ही की थी.**

- *भारत की ओर से नवम्बर 2016 में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने तीन दिन की नेपाल यात्रा की थी, जो किसी भारतीय राष्ट्रपति की 18 वर्षों के अंतराल के पश्चात् नेपाल की यात्रा थी.*
- *भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की नवम्बर 2016 की नेपाल की उपर्युक्त यात्रा से पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अगस्त 2014 में नेपाल की यात्रा द्विपक्षीय सम्बन्धों के सिलसिले में की थी (बाद में दक्षेस के 18वें शिखर सम्मेलन में भागीदारी के लिए नवम्बर 2014 में भी वह काठमांडू गए थे).* ***प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगस्त 2014 की नेपाल यात्रा द्विपक्षीय सम्बन्धों के सिलसिले में 17 वर्ष के अन्तराल के पश्चात् किसी भारतीय प्रधानमंत्री की नेपाल की यात्रा थी.*** *उनकी इस यात्रा से पूर्व 1997 में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इन्द्र कुमार गुजराल ने नेपाल की यात्रा की थी (दक्षेस के 11वें शिखर सम्मेलन में भागीदारी के लिए जनवरी 2002 में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भी नेपाल की यात्रा की थी).*
- *भारत व नेपाल के पारस्परिक सम्बन्ध अत्यधिक प्राचीनकाल से हैं तथा दोनों देशों की धार्मिक, सांस्कृतिक व भाषायी स्थिति में बहुत समानता है तथा नेपाल के सामाजिक-आर्थिक विकास में भारत का विशेष योगदान रहा है तथा वहाँ कई परियोजनाओं को भारत की मदद से कार्यान्वित किया गया है.*
- *वर्ष 1950 की* ***भारत-नेपाल शांति एवं मैत्री सन्धि*** *(Indo-Nepal Treaty of Peace and Friendship) ने आधुनिक काल में दोनों देशों के रिश्तों को विशेष आयाम प्रदान किए हैं. इस सन्धि के तहत् ही नेपाली नागरिकों को भारत में भारतीय नागरिकों के समान ही अनेक सुविधाएं प्राप्त हैं, जिससे लगभग 60 लाख नेपाली नागरिक भारत में रहते हैं तथा विभिन्न आर्थिक गतिविधियों में संलग्न हैं. इस संधि के पुनरीक्षण की माँग अब नेपाल द्वारा की जा रही है.*
- *अप्रैल-मई 2015 के भीषण भूकम्पों, जिसने भारी तबाही नेपाल में मचाई थी, के दुष्प्रभावों से निपटने तथा पुनर्निर्माण के लिए एक अरब डॉलर के सहायता पैकेज की घोषणा भारत ने की थी, जिसमें 250 मिलियन डॉलर का घटक अनुदान का व शेष 750 मिलियन डॉलर घटक ऋण का है.*
- *नेपाल में सितम्बर 2015 में नया संविधान लागू होने के बाद दोनों देशों के राजनीतिक रिश्तों में कुछ खटास आई है, जिसे दूर करने के प्रयास दोनों ही देशों के राजनेताओं द्वारा किए जा रहे हैं.*

19 वर्षों में पाकिस्तान की जनसंख्या में 57 प्रतिशत वृद्धि : जनगणना 2017 के अनंतिम परिणाम

19 वर्ष के अंतराल के पश्चात् पाकिस्तान में जनगणना मार्च-मई 2017 में सम्पन्न हुई, जिसके अनंतिम (Provisional) आँकड़े 25 अगस्त, 2017 को जारी हुए. देश में इस छठी जनगणना के अनंतिम आँकड़ों में पाकिस्तान की कुल जनसंख्या 20·78 करोड़ बताई गई है, जिसमें 10·65 करोड़ पुरुष व 10·13 करोड़ स्त्रियाँ हैं. इससे पूर्व वहाँ जनगणना 1998 में हुई थी, जिसमें कुल जनसंख्या 13·09 करोड़ आकलित की गई थी. इस प्रकार देश की कुल जनसंख्या में 57 प्रतिशत की वृद्धि विगत 19 वर्षों में हुई है. 2017 में कुल 20·78 करोड़ जनसंख्या में शहरी जनसंख्या 7·56 करोड़ बताई गई है. इस प्रकार कुल जनसंख्या में शहरी जनसंख्या का भाग 36·4 प्रतिशत है.

पाकिस्तान में यह जनगणना **पाकिस्तान ब्यूरो ऑफ स्टैटिस्टिक्स** द्वारा दो चरणों में कराई गई थी. इसमें पहला चरण 15 मार्च-13 अप्रैल, 2017 को तथा दूसरा चरण 25 अप्रैल-24 मई, 2017 को सम्पन्न हुआ था. इसके अनंतिम परिणाम प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के त्यागपत्र के कारण लम्बित हो गए तथा इन्हें अब 25 अगस्त, 2017 को जारी किया गया है. इन परिणामों के अनुसार पाकिस्तान में प्रांतों में सर्वाधिक जनसंख्या जहाँ पंजाब की है, वहीं सर्वाधिक जनसंख्या वाला शहर कराची है. देश में सर्वाधिक जनसंख्या वाले 10 शहरों की सूची निम्नलिखित है. जनगणना के फाइनल परिणाम अगले वर्ष 2018 में जारी किए जाएंगे.

पाकिस्तान में 10 सर्वाधिक जनसंख्या वाले शहर

क्र.	शहर	जनसंख्या (लाख)	
		2017	1998
1.	कराची सिटी	149·10	93·39
2.	लाहौर सिटी	111·26	51·43
3.	फैसलाबाद	32·04	20·09
4.	रावलपिंडी	20·98	14·10
5.	गुजरांवाला	20·27	11·33
6.	पेशावर सिटी	19·70	9·83
7.	मुल्तान सिटी	18·72	11·97
8.	हैदराबाद	17·33	11·67
9.	इस्लामाबाद मेट्रोपोलिटन	10·15	5·29
10.	क्वेटा सिटी	10·01	5·65

- *भारत की तरह पाकिस्तान में भी 10-10 वर्ष के अंतराल पर जनगणना का प्रावधान है, किन्तु राजनीतिक अस्थिरता के कारण वहाँ जनगणना बाधित होती रही है.*
- *पाकिस्तान में पहली जनगणना 1951 में हुई थी, जिसमें देश की कुल जनसंख्या 7·5 करोड़ दर्ज की गई थी.*
- *पाकिस्तान में दूसरी जनगणना 1961 में हुई थी, जिसमें 9·3 करोड़ कुल जनसंख्या में 4·3 करोड़ जनसंख्या पश्चिमी पाकिस्तान की व 5·0 करोड़ पूर्वी पाकिस्तान की थी.*
- *1961 की दूसरी जनगणना के पश्चात् तीसरी जनगणना 1972 में हो सकी थी. 1971 के भारत-पाक युद्ध व पाकिस्तान के विभाजन (बांग्लादेश के गठन) के कारण 1971 में वहाँ जनगणना नहीं कराई जा सकी थी. 1972 की जनगणना में पाकिस्तान की कुल जनसंख्या 6·53 करोड़ दर्ज की गई थी.*
- *चौथी जनगणना वहाँ 1981 में हुई जिसमें कुल जनसंख्या 8·4 करोड़ थी.*
- *पाँचवीं जनगणना पुनः विलम्बित हुई. 1998 में हुई इस जनगणना में पाकिस्तान की कुल जनसंख्या 13·09 करोड़ दर्ज की गई (गिलगिट-बाल्टिस्तान तथा पाक अधिकृत कश्मीर की जनसंख्या इसमें शामिल नहीं है)*
- *ताजा 2017 की जनगणना पाकिस्तान में छठी राष्ट्रीय जनगणना थी.*
- *आगामी सातवीं जनगणना वहाँ 2027 में होनी है.*
- ***वैश्विक जनसंख्या के सम्बन्ध में उपलब्ध अद्यतन आँकड़ों के अनुसार पाकिस्तान विश्व में छठा सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश है. इस मामले में पहले पाँच देश क्रमशः चीन, भारत, अमरीका, इंडोनेशिया व ब्राजील हैं. जनसंख्या के मामले में पाकिस्तान के पश्चात् सातवाँ, आठवाँ, नौवाँ व दसवाँ स्थान क्रमशः नाइजीरिया, बांग्लादेश, रूस व मैक्सिको का है.***

थाइलैण्ड की अपदस्थ प्रधानमन्त्री यिंगलुक शिनवात्रा देश छोड़कर भागी

थाइलैण्ड की अपदस्थ प्रधानमन्त्री यिंगलुक शिनवात्रा (Yingluck Shinawatra), जिन्हें देश की संवैधानिक अदालत ने 7 मई, 2014 को पदच्युत कर दिया था तथा जो भ्रष्टाचार के एक मामले में अदालती कार्यवाही का सामना इन दिनों कर रही हैं, इस मामले में अदालत का फैसला आने से एक दिन पूर्व ही देश छोड़ कर भाग गई हैं. थाइलैण्ड की राजनीति में विगत् लगभग 15 वर्षों से गहरा प्रभाव रखने वाले परिवार की 50 वर्षीय यिंगलुक शिनवात्रा के विरुद्ध धान सब्सिडी घोटाले से सम्बन्धित मामला अदालत में लम्बित है. यह मामला उस समय का है जब वह थाइलैण्ड की प्रधानमन्त्री थीं.


यिंगलुक शिनवात्रा

प्रधानमन्त्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान उनके प्रशासन ने धान किसानों को बाजार मूल्य से 50 प्रतिशत से भी अधिक मूल्य चुकाकर धान की खरीद की थी जिससे 8 अरब डॉलर का नुकसान राजकोष को हुआ था. इस मामले में फैसला आने से एक दिन पूर्व ही उनके दुबई चले जाने का खुलासा उनके किसी करीबी सूत्र ने किया है कि वह देश छोड़कर दुबई जा चुकी हैं जहाँ 2001–06 के दौरान प्रधानमन्त्री रहा उनका भाई थाकसिन शिनवात्रा भी 2008 से ही स्व निर्वासन में रह रहा है. वैसे इस मामले में सुनवाई के दौरान अदालत ने उनकी विदेश यात्रा पर प्रतिबन्ध 2015 में ही लगा दिया था. 25 अगस्त, 2017 को फैसले के दिन अदालत में उपस्थित न होने पर अदालत ने उनके विरुद्ध वारंट उसी दिन जारी किया है.

- यिंगलुक शिनवात्रा 2011 के आम चुनावों में भारी बहुमत प्राप्त कर थाइलैण्ड की पहली महिला प्रधानमन्त्री चुनी गई थीं.
- भ्रष्टाचार के मामलों व सैन्य विद्रोह के बीच संवैधानिक अदालत ने मई 2014 में उन्हें अयोग्य करार दे दिया था जिसके चलते उन्हें पद छोड़ना पड़ा था.
- यिंगलुक शिनवात्रा के भाई थाकसिन शिनवात्रा (Thaksin Shinwatra) भी 2001–06 के दौरान थाइलैण्ड के प्रधानमन्त्री रहे थे. वह भी कारावास की सजा से बचने के लिए 2008 से दुबई में ही रह रहे हैं.
- धान खरीद घोटाले के मामले में यिंगलुक शिनवात्रा के विरुद्ध थाइलैण्ड की संसद ने महाभियोग भी जनवरी

2015 में पारित किया था तथा इस मामले में उनके विरुद्ध मुकदमा चलाने की अनुमति थाइलैण्ड की सर्वोच्च अदालत ने मार्च 2015 में प्रदान की थी. इस मामले में दोषी साबित होने पर दस वर्ष तक के कारावास की सजा उन्हें दी जा सकती है.

- उपर्युक्त मामले में फैसला आने से एक दिन पूर्व ही वह देश छोड़कर भाग गई हैं.

अमरीका ने पेरिस जलवायु परिवर्तन समझौते से हटने की औपचारिक सूचना संयुक्त राष्ट्र संघ को दी

संयुक्त राज्य अमरीका, जिसने पेरिस जलवायु समझौते (Paris Climate Agreement) से हटने की घोषणा जून 2017 में की थी, ने इस सम्बन्ध में औपचारिक नोटिस अगस्त 2017 में दे दिया है. अमरीकी विदेश विभाग द्वारा संयुक्त राष्ट्र संघ को 5 अगस्त, 2017 को प्रेषित पत्र में अमरीका के इस समझौते से हटने की बात कही गई है, किन्तु साथ ही यह भी इसमें कहा गया है कि उसके लिए (अमरीका के लिए) शर्तों में सुधार होने पर वह इसमें वापसी पर पुनर्विचार कर सकता है. संयुक्त राष्ट्र संघ को इस आशय का नोटिस जारी किए जाने की घोषणा करते हुए अमरीकी विदेश विभाग ने कहा कि समझौते से उसके हटने की औपचारिकताओं के पूरा होने में लगभग तीन वर्ष का समय लग सकता है तथा इस दौरान अमरीका समझौते से सम्बन्धित बैठकों में भाग लेता रहेगा. विदेश विभाग ने अलग से जारी इस वक्तव्य में कहा है कि अमरीका उत्सर्जन कम करने तथा जलवायु नीति के मामले में संतुलित नीति का समर्थक है, जिसमें ऊर्जा सुरक्षा के साथ-साथ आर्थिक वृद्धि को भी बढ़ावा मिले.

ज्ञातव्य है कि अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पेरिस समझौते से हटने के इरादे की घोषणा करते हुए 1 जून, 2017 को कहा था कि मौजूदा स्वरूप में इस समझौते के चलते अमरीका में रोजगार में गिरावट आएगी, देश के तेल, गैस, कोयला एवं विनिर्माणी उद्योगों का विकास बाधित होगा तथा अमरीका को ट्रिलियंस डॉलरों का नुकसान होगा. इस समझौते पर नए सिरे से विचार के लिए अमरीका तैयार रहेगा. यह घोषणा भी राष्ट्रपति ट्रंप ने जून 2017 में बाद में भी की है.

रहने के लिए उपयुक्त सर्वश्रेष्ठ 10 शहरों में भारत का कोई शहर नहीं : ग्लोबल लिवेबिलिटी रिपोर्ट (2017)

ब्रिटेन के **द इकोनॉमिस्ट इंटेलीजेंस यूनिट** (EIU) की वर्ष 2017 की **ग्लोबल लिवेबिलिटी रिपोर्ट** (Global Liveability Report) विश्वभर में 16 अगस्त, 2017 को जारी की गई. रिपोर्ट में विश्व के 140 देशों में रहने के लिए उपयुक्तता का आकलन लिवेबिलिटी इंडेक्स के आधार पर किया गया है. इन शहरों में जीवन की गुणवत्ता का आकलन स्थिरता, स्वास्थ्य सेवाओं, संस्कृति, पर्यावरण, शिक्षा व अन्य बुनियादी सुविधाओं आदि 30 विभिन्न मानकों के आधार पर किया गया है. इन मानकों के आधार पर मेलबर्न (आस्ट्रेलिया) को रहने के लिए विश्व का सबसे बेहतर शहर ताजा रिपोर्ट में बताया गया है जिसके पश्चात् क्रमशः वियना (आस्ट्रिया) व वैंकुवर (कनाडा) को स्थान दिए गए हैं. यह लगातार सातवाँ वर्ष है जब द इकोनॉमिस्ट इंटेलीजेंस यूनिट की सालाना ग्लोबल लिवेबिलिटी रिपोर्ट में मेलबर्न को रहने के लिए सबसे उपयुक्त शहर बताया गया है. वियना व वैंकुवर को विगत लगातार तीन वर्षों से दूसरा व तीसरा स्थान इस सूची में मिलता रहा है. वर्ष 2017 की ताजा रिपोर्ट में रहने के लिए सर्वश्रेष्ठ आकलित किए गए 10 शहरों के नाम निम्नलिखित हैं–

शीर्ष 10 शहर

रैंक	शहर
1	मेलबर्न, (आस्ट्रेलिया)
2	वियना, (ऑस्ट्रिया)
3	वैंकुवर, (कनाडा)
4	टोरंटो, (कनाडा)
5	कलगरी, (कनाडा)
6	एडिलेड, (आस्ट्रेलिया)
7	पर्थ, (आस्ट्रेलिया)
8	ऑकलैंड, (न्यूजीलैंड)
9	हेलसिंकी, (फिनलैंड)
10	हैम्बर्ग, (जर्मनी)

इस मामले में सबसे निचले 10 स्थान निम्नलिखित शहरों को दिए गए हैं–

निचले 10 शहर

रैंक	शहर
131	कीव, (यूक्रेन)
132	दुआला (कैमरून)
133	हरारे, (जिम्बाब्वे)
134	कराची (पाकिस्तान)
134	अल्जीयर्स, (अल्जीरिया)
136	पोर्ट मोर्सबी, (पापुआ न्यू गिनी)
137	ढाका, (बांग्लादेश)
138	त्रिपोली, (लीबिया)
139	लागोस, (नाइजीरिया)
140	दमिश्क, (सीरिया)

भारत के किसी भी शहर को सबसे बेहतर व सबसे खराब 10-10 शहरों की ताजा सूची में स्थान नहीं दिया गया है.

संक्षिप्तकी

हार्वे तूफान से अमरीका में तबाही

अगस्त 2017 के अंतिम सप्ताह में हार्वे (Harvey) तूफान ने अमरीका में भारी तबाही मचाई है. टैक्सास व ह्यूस्टन जहाँ भारी वर्षा का सिलसिला बना रहा था, में विशेष क्षति इस तूफान से हुई है. ह्यूस्टन में कम-से-कम 18 लोगों की मृत्यु इस तूफान (Hurricane) के चलते अगस्त के अंतिम सप्ताह में हो गई थी. भारी वर्षा के चलते वहाँ हवाई अड्डे पर पानी भर गया था, जिससे एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया था. अमरीकी मीडिया में 1961 के पश्चात् इसे अमरीका में आया सबसे शक्तिशाली तूफान बताया गया है.



भ्रष्टाचार के मामले में पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को अदालत ने बरी किया

भ्रष्टाचार के मामले में अदालती कार्यवाही का सामना कर रहे पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को रावलपिंडी की एक एंटी करप्शन अदालत ने इस आरोप से 26 अगस्त, 2017 को बरी कर दिया है. 2008–2013 के दौरान पाकिस्तान के राष्ट्रपति रहे आसिफ अली जरदारी, जो पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (PPP) के सहअध्यक्ष भी हैं, के विरुद्ध भ्रष्टाचार का यह मामला नेशनल एकाउंटेबिलिटी ब्यूरो (NAB) की एक रिपोर्ट के आधार पर उस समय दर्ज किया गया था जब परवेज मुशर्रफ राष्ट्रपति थे. जरदारी के विरुद्ध भ्रष्टाचार का यह अंतिम मामला था, जो अब समाप्त हो गया है.



- 2016-17 के दौरान देश में खाद्यान्नों व तिलहनों का रिकॉर्ड उत्पादन
- 2017-18 की पहली तिमाही में जीडीपी में वृद्धि केवल 5·7 प्रतिशत : सीएसओ का ताजा आकलन
- नोट बंदी के पश्चात् ₹ 1000 व ₹ 500 के 98·96 प्रतिशत नोट बैंक में वापस जमा हुए : आरबीआई रिपोर्ट
- 2016-17 में बागवानी फसलों का रिकॉर्ड उत्पादन : कृषि मंत्रालय के तीसरे अग्रिम अनुमान
- देश में पहली बार ₹ 200 के नोट जारी
- एलपीजी व केरोसिन पर देय सब्सिडी चरणबद्ध तरीके से समाप्त होगी
- स्टेट बैंक की पहल के पश्चात् अनेक बैंकों ने बचत खातों पर देय ब्याज दर घटाई
- देश में आयकरदाताओं की संख्या में 56 लाख की वृद्धि
- राजीव कुमार नीति आयोग के नए उपाध्यक्ष
- नया एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड 'भारत-22'
- गैर-कार्यकारी चेयरमैन के रूप में नंदन निलेकणि की इंफोसिस लि. में वापसी
- अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

2016-17 के दौरान देश में खाद्यान्नों व तिलहनों का रिकॉर्ड उत्पादन

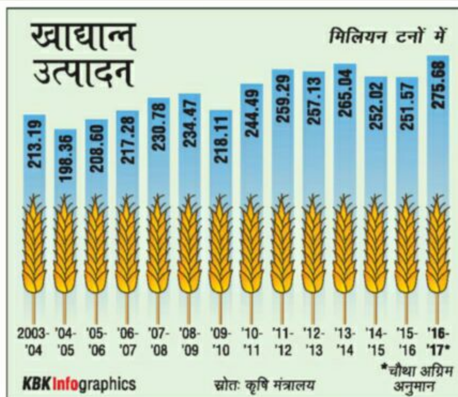
मानसून के दौरान अच्छी वर्षा एवं सरकार की प्रमुख नीतिगत पहलों के परिणामस्वरूप बीते फसल वर्ष 2016-17 में देश में सभी खाद्यान्नों (चावल, गेहूँ, मोटे अनाज व दलहन) व तिलहनों का उत्पादन अब तक के सर्वोच्च स्तर पर रहा है. सन्दर्भित वर्ष (2016-17) में देश में कृषिगत उत्पादन के दूसरे अग्रिम अनुमान कृषि मंत्रालय द्वारा 15 फरवरी, 2017 को व तीसरे अग्रिम अनुमान 9 मई, 2017 को जारी किए गए थे. **इस सम्बन्ध में चौथे अग्रिम अनुमान मंत्रालय द्वारा अब 16 अगस्त, 2017 को जारी किए गए हैं. ताजा आँकड़ों में 2016-17 में देश में खाद्यान्नों का कुल उत्पादन 275·68 मिलियन टन के रिकॉर्ड स्तर पर रहने का अनुमान लगाया गया है.** इससे पूर्व 15 फरवरी, 2017 को दूसरे अग्रिम अनुमानों में 2016-17 में देश में खाद्यान्नों का कुल उत्पादन 271·98 मिलियन टन व तीसरे अग्रिम अनुमानों में यह 273·38 मिलियन टन आकलित किया गया था. 2016-17 में देश मे खाद्यान्नों का यह उत्पादन देश में इनका अब तक का सर्वोच्च स्तर है. **इससे पूर्व देश में खाद्यान्नों का रिकॉर्ड उत्पादन 2013-14 में (265·04 मिलियन टन) प्राप्त किया गया था.** 2016-17 में खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य 270 मिलियन टन का था. इस प्रकार इस वर्ष प्राप्त किया गया खाद्यान्न उत्पादन लक्ष्य से भी अधिक है. **2016-17 में कुल 275·68 मिलियन टन रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन में चारों प्रमुख घटकों–चावल, गेहूँ, मोटे अनाज व दालों का उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर रहा है. इसमें चावल का उत्पादन 110·15 मिलियन टन (रिकॉर्ड), गेहूँ का 98·38 मिलियन टन (रिकॉर्ड), दालों का 26·26 मिलियन टन (रिकॉर्ड) तथा मोटे अनाजों का उत्पादन 44·19 मिलियन टन (रिकॉर्ड) अनुमानित है.** खाद्यान्न उत्पादन के यह आँकड़े आगे बॉक्स में दर्शाए गए हैं.

- *16 अगस्त, 2017 के चौथे अग्रिम अनुमानों के अनुसार, देश में **कुल खाद्यान्न उत्पादन** 275·68 मिलियन टन अनुमानित है, जो 2013-14 के दौरान प्राप्त विगत 265·04 मिलियन टन रिकॉर्ड उत्पादन की तुलना में 10·64 मिलियन टन (4·01%) अधिक है. 2016-17 का उत्पादन विगत पाँच वर्षों (2011-12 से 2015-16) के औसत खाद्यान्न उत्पादन की तुलना में भी 18·67 मिलियन टन (7·27%) अधिक है. पूर्व वर्ष 2015-16 के खाद्यान्न उत्पादन की तुलना में यह 24·12 मिलियन टन (9·59%) अधिक है. 2016-17 में देश में खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य 270·10 मिलियन टन का था.*

प्रमुख फसलों का उत्पादन

फसल	उत्पादन (मिलियन टन)				
	2015-16	2016-17			
	वास्तविक	लक्ष्य	15 फरवरी, 2017 के दूसरे अग्रिम अनुमान	9 मई, 2017 के तीसरे अग्रिम अनुमान	9 मई, 2017 के तीसरे अग्रिम अनुमान
कुल खाद्यान्न	**251·57**	**270·10**	**271·98**	**273·38**	**275·68R**
जिसमें–					
चावल	104·41	108·50	108·86	109·15	110·15R
गेहूँ	92·29	96·50	96·64	97·44	98·38R
मोटे अनाज	**38·52**	**44·35**	**44·34**	**44·39**	**44·19R**
जिसमें–					
मक्का					26·26R
दलहन	**16·35**	**20·75**	**22·14**	**22·40**	**22·95R**
जिसमें–					
चना					9·33
तूर/अरहर					4·78R
उड़द					2·80R
तिलहन	**25·25**	**35·00**	**33·60**	**32·52**	**32·10**
जिसमें–					
सोयाबीन	8·57	13·62	14·13	14·01	13·79
मूँगफली	6·73	8·50	8·47	7·65	7·56
रेपसीड एवं सरसों	6·80	8·50		7·98	7·98
कपास (मिलियन गाँठें)*	30·01	36·00	32·51	32·58	33·09
जूट एवं मेस्ता (मिलियन गाँठें)**	10·52	11·70	10·06	10·27	10·60
गन्ना	348·45	355·00	309·98	306·03	306·72

* 170 किग्रा की प्रत्येक गाँठ, ** 180 किग्रा की प्रत्येक गाँठ, R रिकॉर्ड उत्पादन



- ***2016-17 के दौरान देश में चावल का कुल उत्पादन 110·15 मिलियन टन अनुमानित है, जो नया रिकॉर्ड है.*** *इससे पूर्व चावल का रिकॉर्ड उत्पादन 2013-14 में (106·65 मिलियन टन) प्राप्त किया गया था. 2016-17 में चावल का उत्पादन विगत पाँच वर्षों के 105·42 मिलियन टन औसत उत्पादन की तुलना में भी 4·74 मिलियन टन (4·49%) अधिक है. 2015-16 के 104·41 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में 2016-17 में देश में चावल के उत्पादन में 5·74 मिलियन टन (5·50%) की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है.*
- *2016-17 के दौरान* ***देश में गेहूँ का उत्पादन 98·38 मिलियन टन अनुमानित है, जो एक रिकॉर्ड है.*** *इससे पूर्व गेहूँ का रिकॉर्ड उत्पादन 2013-14 के दौरान (95·85 मिलियन टन) प्राप्त किया गया था 2016-17 में प्राप्त उत्पादन विगत रिकॉर्ड की तुलना में 2·64% अधिक है. 2016-17 के दौरान गेहूँ का उत्पादन विगत 5 वर्षों में प्राप्त किए गए औसत उत्पादन की तुलना में भी 5·77 मिलियन टन (6·23%) अधिक है. 2016-17 का उत्पादन पूर्व वर्ष 2015-16 के दौरान प्राप्त 92·29 मिलियन टन गेहूँ उत्पादन की तुलना में 6·10 मिलियन टन (6·61%) अधिक है.*
- *2016-17 के दौरान* ***मोटे अनाजों का कुल उत्पादन 44·19 मिलियन टन के नए रिकॉर्ड स्तर पर अनुमानित है,*** *यह विगत पाँच वर्षों में प्राप्त किए गए औसत उत्पादन की तुलना में 2·85 मिलियन टन (6·88%) अधिक है. इससे पूर्व देश में मोटे अनाजों का रिकॉर्ड उत्पादन (43·40 मिलियन टन). 2010-11 के दौरान प्राप्त किया गया था. 2016-17 में अनुमानित उत्पादन (44·19 मिलियन टन) विगत रिकॉर्ड उत्पादन की तुलना में 0·79 मिलियन टन (1·82%) अधिक है. 2016-17 में उत्पादन पूर्व वर्ष 2015-16 के दौरान प्राप्त 38·52 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में 5·67 मिलियन टन (14·72%) अधिक है.*
- *कृषि मंत्रालय के अनुसार सभी मुख्य दलहनों के क्षेत्रीय कवरेज एवं उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि के परिणामस्वरूप, 2016-17 के दौरान दलहनों का कुल उत्पादन 22·95 मिलियन टन के रिकॉर्ड स्तर पर अनुमानित है, जो 2013-14 के दौरान प्राप्त 19·25 मिलियन टन विगत रिकॉर्ड उत्पादन की तुलना में 3·70 मिलियन टन (19·22%) अधिक है. 2016-17 के दौरान दलहनों का उत्पादन विगत् पाँच वर्षों के औसत उत्पादन की तुलना में 5·32 मिलियन टन (30·16%) अधिक है. 2016-17 में देश में दलहनों का कुल उत्पादन पूर्व वर्ष 2015-16 में प्राप्त किए गए 16·35 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में 6·61 मिलियन टन (40·41%) अधिक है.*
- *2015-16 की तुलना में 6·85 मिलियन टन (27·11%) की वृद्धि के साथ 2016-17 में देश में तिलहनों का कुल उत्पादन 32·10 मिलियन टन के रिकॉर्ड स्तर पर अनुमानित है. इससे पूर्व तिलहनों का रिकॉर्ड उत्पादन*

2010-11 में (32·48 मिलियन टन) प्राप्त किया गया था. 2016-17 के दौरान तिलहन का उत्पादन विगत पाँच वर्षों के औसत तिलहन उत्पादन की तुलना में भी 2·84 मिलियन टन (9·72%) अधिक है. पूर्व वर्ष 2015-16 में देश में कुल तिलहन उत्पादन 25·25 मिलियन टन रहा था.

- *2016-17 के दौरान गन्ने का उत्पादन 306·72 मिलियन टन अनुमानित है, जो पूर्व वर्ष 2015-16 में प्राप्त किए गए 348·45 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में 41·73 मिलियन टन (– 11·98%) कम है.*
- *कृषि मंत्रालय के अनुसार उच्चतर उत्पादकता के चलते कम क्षेत्रीय कवरेज के बावजूद, कपास का 2016-17 के दौरान उत्पादन 33·09 मिलियन गाँठें (170 किग्रा की प्रत्येक गाँठ) अनुमानित है, जो 2015-16 के 30·01 मिलियन गाँठों की तुलना में 10·29% अधिक है.*
- *2016-17 में जूट (पटसन) एवं मेस्टा का 10·60 मिलियन गाँठों (प्रति गाँठ 180 किग्रा) का अनुमानित उत्पादन 2015-16 के 10·52 मिलियन गाँठों के उत्पादन की तुलना में 0·73% अधिक है.*

2017-18 की पहली तिमाही में जीडीपी में वृद्धि केवल 5·7 प्रतिशत : सीएसओ का ताजा आकलन

चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2017) में देश में सकल घरेलू उत्पाद (GDP) सम्बन्धी अनंतिम आँकड़े केन्द्र सरकार ने सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय (CSO—Central Statistical Office) द्वारा 31 अगस्त, 2017 को जारी किए गए. इन आँकड़ों के अनुसार सन्दर्भित तिमाही (अप्रैल-जून 2017) में 2011-12 के स्थिर मूल्यों पर जीडीपी में वृद्धि 5·7 प्रतिशत ही रही है, जो विगत तीन वर्षों में सबसे कम है. पिछले वर्ष समान अवधि (अप्रैल-जून 2016) में जीडीपी वृद्धि 7·6 प्रतिशत रही थी. सीएसओ के इन आँकड़ों के अनुसार अप्रैल-जून 2017 के दौरान स्थिर मूल्यों पर जीडीपी ₹ 31·10 लाख करोड़ रहा है, जो पिछले वर्ष समान अवधि में ₹ 29·42 लाख करोड़ था. इस प्रकार स्थिर मूल्यों पर 5·7 प्रतिशत की ही वृद्धि जीडीपी में दर्ज की गई है. प्रचलित मूल्यों पर (at current prices) इस अवधि में जीडीपी वृद्धि 7·9 प्रतिशत आकलित की गई है.

सीएसओ के इन आँकड़ों के अनुसार 2017-18 की पहली तिमाही में देश में सकल मूल्य वर्द्धन (Gross Value Addition – GVA) में वृद्धि 5·6 प्रतिशत ही रही है. अनंतिम आँकड़ों में अप्रैल-जून 2017 की अवधि में स्थिर मूल्यों पर जीवीए ₹ 29·04 लाख करोड़ (अनंतिम) आकलित किया गया है, जो पिछले वर्ष समान अवधि अप्रैल-जून 2016 में ₹ 27·51 लाख करोड़ था.

सीएसओ के 31 अगस्त, 2017 के अनंतिम अनुमानों (Provisional estimates) में 2017-18 में देश में कृषि एवं सम्बन्धित क्षेत्रों में जीवीए में वृद्धि 2·3 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है, जबकि 2016-17 की समान अवधि में यह वृद्धि 2·5 प्रतिशत रही थी. विनिर्माणी (Manufacturing) क्षेत्र में 2017-18 की पहली तिमाही में जीवीए में वृद्धि 1·2 प्रतिशत रही थी, जबकि 2016-17 की समान अवधि में यह वृद्धि 10·7 प्रतिशत थी.

अर्थव्यवस्था के विभिन्न उत्पादक क्षेत्रों में जीवीए में वृद्धि (2011-12 के स्थिर मूल्यों के आधार पर)

(प्रतिशत में)

	2016-17 (अप्रैल-जून)	2017-18 (31 अगस्त, 2017 के अनंतिम अनुमान)
मूल कीमतों पर जीवीए (GVA at Basic Prices), जिसमें	**7·6**	**5·6**
1. कृषि, वानिकी एवं मत्स्यिकी (Agriculture, Forestry and Fishing)	2·5	2·3
2. खनन व उत्खनन (Mining and Quarrying)	– 0·9	– 0·7
3. विनिर्माणी (Manufacturing)	10·7	1·2
4. विद्युत्, गैस, जलापूर्ति व अन्य उपयोगी सेवाएं (Electricity, Gas, Water Supply and Other Utility Services)	10·3	7·0
5. निर्माण (Construction)	3·1	2·0
6. व्यापार, होटल, परिवहन, संचार एवं प्रसारण से सम्बन्धित सेवाएं (Trade, Hotels, Transport, Communications and Services related to Broad casting)	8·9	11·1
7. वित्तीय, रीयल एस्टेट एवं व्यावसायिक सेवाएं (Financial, Real, Estate and Professional Services)	9·4	6·4
8. सार्वजनिक प्रशासन, रक्षा व अन्य सेवाएं (Public Administration, Difference and Other Services)	8·6	9·5

नोट बंदी के पश्चात् ₹ 1000 व ₹ 500 के 98·96 प्रतिशत नोट बैंक में वापस जमा हुए : आरबीआई रिपोर्ट

8 नवम्बर, 2016 को विमुद्रीकृत किए गए ₹ 500 व ₹ 1000 के करेंसी नोटों की रिज़र्व बैंक में वापसी के सम्बन्ध में अधिकृत आँकड़े रिज़र्व बैंक ने 2016-17 की अपनी वार्षिक रिपोर्ट में जारी किए हैं. 30 अगस्त, 2017 को जारी की गई इस रिपोर्ट में बताया गया है कि विमुद्रीकरण से पूर्व, 8 नवम्बर, 2016 को ₹ 500 व ₹ 1000 मूल्य के कुल ₹ 15·44 लाख करोड़ के करेंसी नोट चलन में थे. इनमें से ₹ 15·28 लाख करोड़ के नोट वापस बैंकों में जमा हो गए थे तथा केवल ₹ 16,000 करोड़ के नोट ही सिस्टम से बाहर हुए थे. आरबीआई रिपोर्ट के अनुसार 8 नवम्बर, 2016 को विमुद्रीकरण से पूर्व ₹ 500 के 17,165·06 मिलियन तथा ₹ 1000 के 6,857·82 मिलियन नोट चलन में थे. इस प्रकार ₹ 1000 मूल्य की कुल ₹ 6,85,782 करोड़ की तथा ₹ 500 मूल्य की कुल ₹ 8,58,253 करोड़ की मुद्रा (कुल मिलाकर ₹ 15,44,035 करोड़) विमुद्रीकरण से पूर्व चलन में थी. विमुद्रीकृत मुद्रा का 98·96 प्रतिशत भाग बैंकों में वापस जमा हुआ है. रिपोर्ट में बताया गया है कि बैंकों में वापस जमा न हुए ₹ 16,000 करोड़ के इन नोटों में ₹ 1000 व ₹ 500 मूल्य वाले करेंसी नोट क्रमशः ₹ 8,900 करोड़ व ₹ 7,100 करोड़ के थे.

नोट बंदी से जुड़े उपर्युक्त आँकड़े सामने आने पर विपक्ष इस मामले में मोदी सरकार पर यह कहते हुए पुनः आक्रामक हुआ है कि इससे विकास दर ही धीमी हुई है, जबकि काले धन को सिस्टम से बाहर करने का कोई उद्देश्य इससे प्राप्त नहीं हुआ है.

2016-17 में बागवानी फसलों का रिकॉर्ड उत्पादन : कृषि मंत्रालय के तीसरे अग्रिम अनुमान

फसल वर्ष 2016-17 में देश में बागवानी उत्पादों (Horticulture Crops) के अधीन क्षेत्र में 2·6 प्रतिशत तथा कुल बागवानी उत्पादन में 4·8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है तथा बागवानी उत्पादों का उत्पादन एक बार पुनः खाद्यान्नों के उत्पादन से अधिक रहा है. 2016-17 में देश में बागवानी उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान कृषि मंत्रालय ने 31 अगस्त, 2017 को जारी किए. इन आँकड़ों के अनुसार 2016-17 में कुल बागवानी उत्पादन 299·9 मिलियन टन के रिकॉर्ड स्तर पर रहा है, जो पूर्व वर्ष 2015-16 में 286·2 मिलियन टन था. इस प्रकार बागवानी उत्पादन

बागवानी फसलों के अधीन क्षेत्र एवं उत्पादन

क्षेत्र—हजार हेक्टेयर में; उत्पादन—हजार मीट्रिक टन में

उपज (Crops)	2015-16		30 मई, 2017 के दूसरे अग्रिम अनुमान		2016-17 (31 अगस्त, 2017 के तीसरे अग्रिम अनुमान)	
फल (Fruits)	क्षेत्र	उत्पादन	क्षेत्र	उत्पादन	क्षेत्र	उत्पादन
बादाम (Almond)	12	8	12	8	12	8
गूजबरी (Aonta/Gooseberry)	88	972	91	989	91	1025
सेब (Apple)	277	2521	277	2242	278	2258
केला (Banana)	841	29135	858	29163	852	30275
बेर (Ber)	44	425	49	481	50	526
रस वाले फल (Citrus)						
(i) कागजी नीबू (Lime/Lemon	245	2438	259	2789	240	2535
(ii) छोटा संतरा (Mandarin)	397	4113	429	4754	425	4640
(iii) संतरा/मौसमी [Sweet Orange (Masombi)]	244	3468	209	3497	209	3187
(iv) अन्य (Others)	138	1562	157	1706	165	1670
कुल सिट्रस फल [Citrus Total (i to iv)]	**1024**	**11581**	**1055**	**12746**	**1037**	**12053**
शरीफा (Custardapple)	37	298	44	367	45	385
अंगूर (Grapes)	122	3590	136	2683	136	2784
अमरूद (Guava)	255	4048	262	3648	260	3615
कटहल (Jackfruit)	151	1732	156	1826	153	1722
कीवी (Kiwi)	4	11	4	11	4	12
लीची (Litchi)	90	559	92	583	91	578
आम (Mango)	2209	18643	2263	19687	2267	20295
खरबूजा (Muskmelon)	45	935	47	962	47	987
पपीता (Papaya)	132	5667	136	6108	138	6145
पैशन फ्रूट (Passion Fruit)	13	78	14	79	14	86
आडू (Peach)	18	107	18	107	18	105
नाशपाती (Pear)	40	323	40	312	42	352
पिकानट (Picanut)	1	1	1	1	1	1
अनन्नास (Pineapple)	110	1924	121	2038	114	1969
आलू बुखारा (Plum)	22	82	22	76	23	80
अनार (Pomegranate)	197	2306	209	2442	216	2521
चीकू (Sapota)	107	1294	107	1285	105	1252
स्ट्रॉबेरी (Strawberry)	1	5	1	5	1	5
अखरोट (Walnut)	92	229	92	228	93	230
अखरोट (Watermelon)	95	2325	101	2480	91	2169
अन्य (Others)	275	2386	272	2289	279	2268
कुल फल उत्पादन (Total Fruits)	**6301**	**90183**	**6480**	**92846**	**6457**	**93707**
सब्जियाँ (Vegetables)						
सेम (Beans)	232	2334	230	2278	230	2408
करेला (Bittergourd)	93	1046	96	1083	98	1106
लौकी (Bottlegourd)	149	2458	157	2572	155	2573
बैंगन (Brinjal)	663	12515	669	12400	727	12323
बंदगोभी (Cabbage)	394	8806	407	8971	394	8720
शिमला मिर्च (Capsicum)	46	288	46	327	44	333
गाजर (Carrot)	82	1338	86	1379	88	1379
गोभी (Cauliflower)	426	8090	452	8499	451	8484
खीरा (Cucumber)	71	1202	78	1142	77	1246
हरी मिर्च (Green Chillies)	292	2955	287	3406	292	3390
एलीफेंट फुट याम (Elephant Foot Yam)	28	733	26	659	29	731
मशरूम (Mushroom)	170	436	183	459	183	459
भिंडी (Okra/Ladyfinger)	511	5849	528	6146	501	5783
प्याज (Onion)	1320	20931	1270	21564	1293	21718
परवल (Parwal/Pointed gourd)	18	264	18	252	20	289
मटर (Peas)	498	4811	546	5492	540	5252
आलू (Potato)	2117	43417	2164	46546	2151	482237
मूली (Radish	199	2844	206	2927	203	2889
सीताफल/कद्दू (Pumpkin/Sitaphal/Kaddu)	68	1509	72	1582	72	1611
शकरकंद (Sweet Potato)	126	1454	135	1639	132	1473
टैपिकाना (Tapioca)	204	4344	196	4096	203	4421
टमाटर (Tomato)	774	18732	809	19697	799	19542
अन्य (Other)	1625	22707	1628	21932	1631	21811
कुल सब्जियाँ (Total Vegetables)	**10106**	**169064**	**10290**	**175008**	**10295**	**176177**

बागवानी फसलों के अधीन क्षेत्र एवं उत्पादन

क्षेत्र–हजार हेक्टेयर, **उत्पादन**–हजार टन

फसल (Crops)	2015-16 (अनंतिम)		2016-17 (30 मई, 2017 के दूसरे अग्रिम अनुमान)		31 अगस्त, 2017 के तीसरे अग्रिम अनुमान	
	क्षेत्र	उत्पादन	क्षेत्र	उत्पादन	क्षेत्र	उत्पादन
सुगंधित एवं औषधीय जड़ी-बूटियाँ (Aromatic)	634	1022	634	1031	**665**	**1042**
फ्लॉवर्स कट (Flowers Cut)		528		593	—	582
फ्लॉवर्स लूज (Flowers Loose)	278	1656	309	1653	328	1695
कुल फूल (Total Flowers)	**278**	**2184**	**309**	**2246**	**328**	**2277**
शहद (Honey)		**88**		**88**		**95**
बागानी उपजें (Plantation Crops)						
सुपारी (Arecanut)	474	714	466	730	459	718
काजू (Cashewnut)	1036	671	1035	779	1041	718
कोको (Cocoa)	81	17	83	19	83	19
नारियल (Coconut)	2088	15256	2092	15339	2076	16837
कुल बागानी उपजें (Total Plantation)	**3680**	**16658**	**3677**	**16867**	**3659**	**18353**
मसाले (Spices)						
अजवान (Ajwan)	24	16	24	14	29	26
इलायची (Cardamom)	86	24	84	27	85	28
सूखी मिर्च (Chillies, Dried)	811	1520	831	1872	845	2126
तेजपत्ता (Cinnamon/Tejpata)	3	5	3	5	3	5
अजवायन व पोस्ता (Celery & Poppy)	26	23	36	35	36	35
लौंग (Clove)	2	1	2	1	2	1
धनिया (Coriander)	582	585	663	609	704	900
जीरा (Cumin)	808	503	760	486	781	489
मेंथी (Fenugreek)	219	247	218	220	210	256
सौंफ (Fennel)	76	129	75	125	91	153
लहसुन (Garlic)	281	1617	274	1271	322	1697
अदरक (Ginger)	164	1109	165	1081	168	1076
जायफल (Nutmeg)	21	14	23	16	23	15
काली मिर्च (Pepper)	129	55	131	72	131	72
वनीला (Vanilla)	4	0	5	0	4	0
इमली (Tamarind)	53	194	49	191	49	191
हल्दी (Turmeric)	186	943	193	1052	222	1132
कुल मसाले (Total Spices)	**3474**	**6988**	**3535**	**7077**	**3705**	**8202**
कुल उत्पादन (Total)	**24472**	**286188**	**24925**	**295164**	**25109**	**299853**

में 4·8 प्रतिशत की वृद्धि 2016-17 में दर्ज की गई है. **(बागवानी उत्पादों में फलों, सब्जियों, मसालों व फूलों का उत्पादन शामिल किया जाता है.)**.

भारत में बागवानी फसलों के अधीन क्षेत्र व उत्पादन

वर्ष	क्षेत्र (मिलियन हेक्टेयर में)	कुल उत्पादन (मिलियन टन में)
2015-16	24·5	286·2
2016-17*	25·1 (2·6)	299·9 (4·8)

नोट : कोष्ठक में दिए गए आँकड़े पूर्व वर्ष की तुलना में प्रतिशत वृद्धि दर्शा रहे हैं.

* तीसरे अग्रिम अनुमान

2016-17 में देश में बागवानी फसलों के उत्पादन के दूसरे अग्रिम अनुमान कृषि मंत्रालय द्वारा 30 मई, 2017 को जारी किए गए थे, जिसमें सन्दर्भित वर्ष में कुल बागवानी उत्पादन 295·2 मिलियन टन अनुमानित किया गया था.

देश में 2016-17 में बागवानी फसलों के क्षेत्र एवं उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमानों में निम्नलिखित तथ्य कृषि मंत्रालय ने उजागर किए हैं–

- *वर्ष 2016-17 के दौरान देश में **बागवानी फसलों का कुल उत्पादन** 299·9 मिलियन टन (लगभग 300 मिलियन टन) होने का अनुमान है, जो पूर्व वर्ष 2015-16 के अनुमानों की तुलना में 4·8% अधिक है.*
- *बागवानी फसलों के तहत् क्षेत्र 2015-16 में 24·5 मिलियन हेक्टेयर था, जो बढ़कर 2016-17 में 25·1 मिलियन हेक्टेयर रहा है. इस प्रकार इनके अधीन क्षेत्र में वृद्धि 2·6 प्रतिशत रही है.*
- *2016-17 के दौरान देश में **फलों** का कुल उत्पादन 93·7 मिलियन टन के रिकॉर्ड स्तर पर होने का अनुमान है, जोकि 2015-16 की तुलना में 3·9% अधिक है.*
- ***सब्जियों** का उत्पादन वर्ष 2016-17 में रिकॉर्ड 176 मिलियन टन होने का अनुमान है, जोकि 2015-16 में प्राप्त किए गए उत्पादन (169 मिलियन टन) की तुलना में 4·2% अधिक है.*
- *देश में वर्ष 2016-17 के दौरान **प्याज** का अनुमानित उत्पादन 21·7 मिलियन टन का*

है, जोकि पिछले वर्ष की तुलना में 3·8% अधिक है. ***देश के प्रमुख प्याज उत्पादक राज्य क्रमशः महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, बिहार और गुजरात हैं.***

- *2016-17 के दौरान देश में आलू का उत्पादन 43·4 मिलियन टन से बढ़कर रिकॉर्ड 48·2 मिलियन टन हो गया, जोकि पिछले वर्ष की तुलना में 11·1% अधिक है.* ***देश के प्रमुख आलू उत्पादक राज्य क्रमशः उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, गुजरात, मध्य प्रदेश और पंजाब हैं.***
- ***टमाटर*** *का उत्पादन 2016-17 के दौरान 19·5 मिलियन टन होने का अनुमान है, जोकि 2015-16 की तुलना में 4·3% अधिक है,* ***देश के प्रमुख टमाटर उत्पादक राज्य क्रमशः मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, ओडिशा और गुजरात हैं.***
- *देश के* ***फूलों*** *का उत्पादन 2016-17 के दौरान लगभग 2·3 मिलियन टन होने का अनुमान है, जोकि पिछले वर्ष की तुलना में 4·3 अधिक है.*
- ***सुगंधित एवं औषधीय जड़ीबूटियों*** *का उत्पादन 2016-17 के दौरान लगभग 1·04 मिलियन टन होने का अनुमान है, जोकि 2015-16 की तुलना में 2% अधिक है.*
- *2016-17 के दौरान* ***बागानी फसलों*** *का उत्पादन लगभग 18·4 मिलियन टन होने का अनुमान है, जोकि पूर्व वर्ष 2015-16 की तुलना में 10·2% अधिक है.*
- *वर्ष 2016-17 के दौरान* ***मसालों*** *की फसलों का उत्पादन रिकॉर्ड 8·2 मिलियन टन होने का अनुमान है, जोकि पूर्व वर्ष 2015-16 की तुलना में 17·4% अधिक है.*

देश में पहली बार ₹ 200 के नोट जारी

चलन में छोटी करेंसियों की उपलब्धता को बढ़ावा देने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा ₹ 200 के करेंसी नोट अब जारी किए गए हैं. रिज़र्व बैंक के चुने हुए कार्यालयों से 25 अगस्त, 2017 को जारी किए गए इस करेंसी नोट पर रिज़र्व बैंक के गवर्नर उर्जित पटेल के हस्ताक्षर हैं.देश भर में सभी शहरों तक पहुँचने में अभी समय लग सकता है. पीले रंग के इस नोट पर महात्मा गांधी का चित्र जहाँ एक ओर अंकित है वहीं दूसरी ओर सांची स्तूप का चित्र दर्शाया गया है. ₹ 200 के नोट जारी किए जाने के पश्चात् अब शीघ्र ही ₹ 50-50 के नोटों की नई शृंखला आरबीआई द्वारा जारी की जाएगी.

ज्ञातव्य है कि ₹ 500 व ₹ 1000 के नोटों के 8 नवम्बर, 2016 को किस विमुद्रीकरण के पश्चात् आरबीआई ने ₹ 2000 के नोट 10 नवम्बर, 2016 से व ₹ 500 के नए नोट 13 नवम्बर, 2016 से जारी किए थे.

एलपीजी व केरोसिन पर देय सब्सिडी चरणबद्ध तरीके से समाप्त होगी

डीजल व पेट्रोल पर सब्सिडी को पूरी तरह समाप्त करने के पश्चात् अब रसोई गैस (LPG) व केरोसिन पर भी सब्सिडी समाप्त करने का इरादा है. इन उत्पादों पर सब्सिडी चरणबद्ध तरीके से समाप्त की जाएगी. इसके लिए गैस सिलेंडर के मूल्य में प्रतिमाह ₹ 2 प्रति सिलेंडर तथा केरोसिन के मूल्य में 25 पैसे प्रति पखवाड़े की वृद्धि को तेल विपणन कम्पनियों को पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा पहले कहा गया था. एलपीजी सब्सिडी को मार्च 2018 तक ही समाप्त करने के इरादे से इसके मूल्य में प्रतिमाह ₹ 4 प्रति सिलेंडर की वृद्धि के निर्देश मंत्रालय द्वारा तेल विपणन कम्पनियों को जुलाई 2017 में दिए गए हैं. पेट्रोलियम मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान द्वारा 31 जुलाई, 2017 को लोक सभा में दी गई एक जानकारी के अनुसार देश में सब्सिडी युक्त सिलेंडर के उपभोक्ताओं की कुल संख्या 18·11 करोड़ थी तथा जुलाई 2017 में प्रति सिलेंडर ₹ 86·54 की सब्सिडी सरकार द्वारा दी जा रही थी.

- *केरोसिन पर दी जा रही सब्सिडी वर्तमान में लगभग ₹ 7 प्रति लिटर है तथा इसके खुदरा मूल्य में प्रत्येक पखवाडे में 25 पैसे प्रति लिटर की वृद्धि तब तक करने को तेल मंत्रालय ने कहा है जब तक यह पूरी तरह समाप्त न हो जाए.*

स्टेट बैंक की पहल के पश्चात् अनेक बैंकों ने बचत खातों पर देय ब्याज दर घटाई

मुद्रास्फीति की दर में गिरावट के दौर में एक ओर जहाँ उधारियों पर ब्याज की दरें घटाने के लिए बैंकों पर दबाव है तथा यह दरें घटने की प्रवृत्ति पिछले कुछ समय से बनी हुई हैं वहीं दूसरी ओर बचत जमाओं (Saving Deposit) पर भी ब्याज दरें घटाने का सिलसिला बैंकों ने अगस्त 2017 में शुरू किया है.

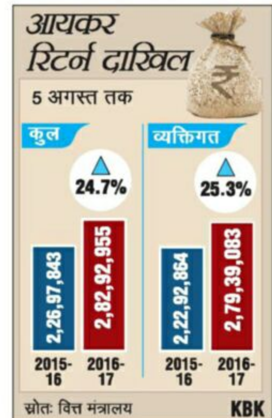
इस मामले में पहल सर्वप्रथम भारतीय स्टेट बैंक ने की है, जिसने बचत खातों पर ब्याज दर में 0·50 प्रतिशत की कटौती करते हुए 1 अगस्त, 2017 से इसे 4·0 प्रतिशत से घटाकर 3·50 प्रतिशत कर दिया है. (₹ 1 करोड़ से अधिक की जमाओं के मामले मे इसे पूर्ववत् 4·0 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है) स्टेट बैंक की इस पहल के एक सप्ताह के भीतर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा ने भी बचत खातों पर ब्याज दर में यही कटौती 5 अगस्त, 2017 से की है. बैंक ऑफ बड़ौदा ने ₹ 50 लाख से अधिक की जमाओं पर ब्याज दर 4·0 प्रतिशत के पूर्व स्तर पर बरकरार रखी है. अगस्त माह में ही बाद में पंजाब नेशनल बैंक व बैंक ऑफ इण्डिया आदि ने भी बचत खातों पर ब्याज दर घटाई है.

निजी क्षेत्र के बैंकों में इस मामले में पहल कर्नाटक बैंक ने की है जिसने ₹ 1 लाख से कम जमा वाले बचत खातों पर ब्याज दर को 3 अगस्त, 2017 से 4 प्रतिशत से घटाकर 3 प्रतिशत सालाना कर दिया है. देश में निजी क्षेत्र के तीसरे बड़े एक्सिस बैंक ने 8 अगस्त, 2017 से तथा एचडीएफसी बैंक ने 19 अगस्त, 2017 से बचत खातों पर देय ब्याज को 4·0 प्रतिशत से घटाकर 3·50 प्रतिशत किया है तथा ₹ 50 लाख से अधिक की जमाओं को इस कटौती से मुक्त रखा है. बचत खातों में ब्याज दर में कटौती का यह सिलसिला अभी जारी था.

बचत खातों पर देय ब्याज दर को भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने अक्टूबर 2011 में अनियंत्रित कर दिया था तथा विगत छह वर्षों में सार्वजनिक क्षेत्र के सभी बैंकों में बचत खातों पर ब्याज दर 4·0 प्रतिशत बनी हुई थी. भारतीय स्टेट बैंक द्वारा यह दर घटाने के बाद अब अन्य बैंकों में भी इसका अनुसरण किया जा रहा है.

देश में आयकरदाताओं की संख्या में 56 लाख की वृद्धि

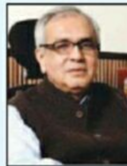
वित्तीय वर्ष 2016-17 (कर निर्धारण वर्ष 2017-18) के लिए देश में आयकर-दाताओं की संख्या में लगभग 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT) द्वारा जारी आँकड़ों के अनुसार इस वर्ष 5 अगस्त, 2017 (आयकर रिटर्न भरने की अन्तिम तिथि) तक भरी गई रिटर्न्स की कुल संख्या 2,82,92,955 थी, जबकि पिछले वर्ष 2,26,97,843 रिटर्न्स ही निर्धारित समय में दाखिल की गई थीं.



इस प्रकार निर्धारित समय के भीतर रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या में लगभग 56 लाख की वृद्धि इस वर्ष हुई है. विभागीय आँकड़ों के अनुसार इस वर्ष दाखिल की गई कुल रिटर्न्स में वैयक्तिक स्तर पर भरी गई रिटर्न्स की संख्या 2,79,39,043 थी. आयकर विभाग के आँकड़ों के अनुसार वैयक्तिक स्तर पर रिटर्न भरने वालों की संख्या में 25·3 प्रतिशत की वृद्धि इस वर्ष हुई है. पूर्व वर्षों में प्रतिवर्ष लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि रिटर्न भरने वालों की संख्या में होती रही है. नवम्बर 2016 **की नोटबंदी को इस वर्ष रिटर्न भरने वालों की संख्या में वृद्धि का एक बड़ा कारण माना जा रहा है.**

राजीव कुमार नीति आयोग के नए उपाध्यक्ष

नई दिल्ली स्थित सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च (CPR) में वरिष्ठ फैलो राजीव कुमार नीति आयोग के नए उपाध्यक्ष अगस्त 2017 में नियुक्त किए गए हैं. इस पद पर अरविन्द पनगढ़िया का स्थान 1 सितम्बर, 2017 से उन्होंने लिया है. श्री पनगढ़िया प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाले नीति आयोग के पहले उपाध्यक्ष थे, जिन्होंने जनवरी 2015 में यह कार्यभार सँभाला था. कोलम्बिया विश्वविद्यालय में अपनी छुट्टियाँ समाप्त होने तथा छुट्टियों का विस्तार न मिलने के कारण 31 अगस्त, 2017 को नीति आयोग में उपाध्यक्ष का कार्यभार छोड़ने की घोषणा उन्होंने 1 अगस्त को ही कर दी.


राजीव कुमार

अरविंद पनगढ़िया के स्थान पर श्री राजीव कुमार को नीति आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा सरकार ने 5 अगस्त, 2017 को की थीं. ख्याति प्राप्त अर्थशास्त्री श्री राजीव कुमार ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में डीफिल और लखनऊ विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि प्राप्त हैं सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च में वरिष्ठ फेलो बनने से पूर्व वह उद्योग व्यापार जगत् के संगठन फिक्की (FICCI) के महासचिव रहे थे तथा भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) में मुख्य अर्थशास्त्री के रूप में कार्य कर चुके थे. वह इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकनॉमिक रिलेशंस (ICRIER) के निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी रह चुके हैं. 2006 से 2008 के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के सदस्य भी वह थे. इनके साथ ही एशियाई विकास बैंक, उद्योग और वित्त मंत्रालय में वरिष्ठ पदों पर भी वह रह चुके हैं.

- *नीति आयोग में नीति (NITI) National Institution for Transforming India का शब्द संक्षेप है.*
- *नीति आयोग 1 जनवरी, 2015 से अस्तित्व में आया था. इस आयोग का गठन योजना आयोग को प्रतिस्थापित कर किया गया था. नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने योजना आयोग व पंचवर्षीय योजनाओं की अवधारणा को सोवियत युग की अवशेष माना था.*
- *नीति आयोग के गठन के पश्चात् पंचवर्षीय योजनाओं की परम्परा को समाप्त कर दिया गया, जिससे 12वीं पंचवर्षीय योजना ही अन्तिम पंचवर्षीय योजना रही.*
- *पंचवर्षीय योजनाओं के स्थान पर 15 वर्षीय दृष्टिकोण (Vision), सात वर्षीय रणनीति (Strategy) व 3 वर्षीय कार्य योजना (Action Plan) नीति आयोग द्वारा तैयार की जा रही है.*
- *प्रधानमंत्री ही नीति आयोग के पदेन अध्यक्ष होते हैं. अरविन्द पनगढ़िया इस आयोग के पहले उपाध्यक्ष थे तथा उनके द्वारा यह पद छोड़ने पर राजीव कुमार ने उनका स्थान लिया है.*
- *नीति आयोग ने पूर्णकालिक सदस्यों में श्री रमेश चन्द्र, बिबेक देबरॉय व वी. के. सारस्वत शामिल हैं. औद्योगिक नीति विभाग के सचिव रहे अभिताभ कांत (IAS) इसके सीईओ हैं (अगस्त 2017 के अंत की स्थिति).*

नया एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड 'भारत-22'

चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 में सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनियों में अनिवेश के जरिए ₹ 72,500 करोड़ जुटाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक नए **एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ETF)** का गठन सरकार ने अगस्त 2017 में किया है. **भारत–22** नाम के इस कोष में 22 कम्पनियों के शेयर शामिल किए गए हैं. इनमें सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल, ओएनजीसी व एसबीआई जैसी ब्लू चिप कम्पनियों के अतिरिक्त निजी क्षेत्र की एक्सिस बैंक, आईटीसी व एल एण्ड टी कम्पनियों में सरकार के स्वामित्व वाले शेयर भी हैं. निजी निवेशक अपने निवेश के तहत् ईटीएफ के यूनिट खरीद सकते हैं जिन्हें शेयर बाजार में सूचीबद्ध किया जाएगा. समाहित कम्पनियों के मूल्यों में उतार चढ़ाव आने पर ईटीएफ के मूल्य में भी उतार-चढ़ाव आएंगे. इस प्रकार ईटीएफ की प्रकृति म्यूचुअल फंड की तर्ज की होगी. सार्वजनिक कम्पनियों के अनिवेश के लिए ऐसा पहला ईटीएफ — CPSE ETF मार्च 2014 में लाँच किया गया था जिसके जरिए ₹ 8500 करोड़ का अनिवेश सरकार ने किया था.

गैर-कार्यकारी चेयरमैन के रूप में नंदन निलेकणि की इंफोसिस लि. में वापसी

आईटी क्षेत्र की देश की दूसरी बड़ी कम्पनी इन्फोसिस के प्रबन्ध निदेशक सह-सीईओ विशाल सिक्का ने कम्पनी के संचालन में मुख्य संस्थापक एन. आर. नारायणमूर्ति के साथ मतभेदों के चलते अगस्त 2017 में अपने इस पद से त्यागपत्र दे दिया था, जिसके


नंदन निलेकणि

पश्चात् कम्पनी के प्रबन्धन में आमूल-चूल परिवर्तन हुआ है. 2002-2007 के दौरान कम्पनी के सीईओ व उसके पश्चात् 2009 तक को-चेयरमैन रहे नंदन निलेकणि की गैर-कार्यकारी चेयरमैन के रूप में कम्पनी में वापसी हुई है. कम्पनी के सह संस्थापकों में शामिल रहे नंदन निलेकणि को 2009 में कैबिनेट मंत्री के दर्जे के साथ **आधार** को व्यावहारिक रूप देने वाले भारतीय **विशिष्ट पहचान प्राधिकरण** के प्रमुख बने थे, जिसके पश्चात् इंफोसिस से दूरी वह बनाए हुए थे. इंफोसिस में को-चेयरमैन के रूप में उनकी वापसी में संस्थापक एन. आर. नारायणमूर्ति की बड़ी भूमिका रही है.

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

बैंक कर्मियों की हड़ताल

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण एवं विलय की सरकार की नीतियों के विरोध में इन बैंकों के लगभग 10 लाख कर्मी 22 अगस्त, 2017 को राष्ट्रव्यापी हड़ताल पर रहे (निजी क्षेत्र के बैंक इस हड़ताल में शामिल नहीं थे). नोटबंदी के दौरान बैंक कर्मियों द्वारा किए गए अतिरिक्त कार्य के लिए ओवरटाइम के भुगतान की माँग भी बैंक कर्मियों की इस हड़ताल के मामले में माँगों में शामिल थी. हड़ताल का आह्वान बैंक कर्मचारियों व अधिकारियों के संयुक्त संगठन **यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस** ने किया था. इसमें कर्मचारियों के पाँच व अधिकारियों के चार संगठन शामिल हैं. इस हड़ताल के चलते देशभर में बैंकिंग सेवाएं प्रभावित हुईं.

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के विलय एवं एकीकरण की प्रक्रिया तेज की जाएगी

देश में बैंकिंग प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के मौजूदा बैंकों में कुछ बैंकों का विलय एवं एकीकरण कर इनकी संख्या सुदृढ़ वित्तीय स्थिति वाले कुछ ही बैंक तक सीमित करने का सरकार का इरादा है. इसके लिए विलय एवं एकीकरण के प्रस्ताव बैंकों से ही आमंत्रित किए जाएंगे. इन प्रस्तावों की निगरानी के लिए एक वैकल्पिक तंत्र के गठन का फैसला सरकार ने किया है.





नवीनतम सामान्य ज्ञान

शब्द संक्षेप (Abbreviation)

यूएफबीयू—यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस

UFBU—United Forum of Bank Unions

व्याख्या—यह बैंकों के कर्मचारियों एवं अधिकारियों के नौ विभिन्न संगठनों का अंब्रेला संगठन है. इसमें ऑल इंडिया बैंक एम्प्लॉयीज़ एसोसिएशन (AIBEA), ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कॉन्फेडरेशन (AIBOC), नेशनल कॉन्फेडरेशन ऑफ बैंक एम्प्लॉयीज़ (NCBE), ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन (AIBOA), बैंक एम्प्लॉयीज़ फेडरेशन ऑफ इंडिया (BEFI), इंडियन नेशनल बैंक एम्प्लॉयीज़ कांग्रेस (INBEC), इंडियन नेशनल बैंक ऑफिसर्स कांग्रेस (INBOC), नेशनल आर्गेनाइज़ेशन ऑफ बैंक वर्कस (NOBW) व नेशनल आर्गेनाइज़ेशन ऑफ बैंक ऑफिसर्स NOBO) इससे सम्बद्ध संगठन है. इस अंब्रेला संगठन के आह्वान पर ही सार्वजनिक बैंकों में 22 अगस्त, 2017 को देशव्यापी हड़ताल रही थी.

नियुक्तियाँ (Appointments)

अब्दुल बासित की विदाई के पश्चात् सुहैल महमूद भारत में पाकिस्तान के नए उच्चायुक्त होंगे

टर्की में पाकिस्तान के राजदूत सुहैल महमूद अब शीघ्र ही भारत में पाकिस्तान के नए उच्चायुक्त नियुक्त हुए हैं. इस पद पर उन्होंने अब्दुल बासित का स्थान लिया है. विगत् लगभग चार वर्षों तक भारत में पाकिस्तान के उच्चायुक्त रहे अब्दुल बासित ने अपना यह कार्यभार अगस्त 2017 के पहले सप्ताह में छोड़ दिया है तथा सुहैल महमूद को इस पद पर उनका उत्तराधिकारी पाकिस्तान ने घोषित किया है. सुहैल महमूद ने यह कार्यभार ग्रहण कर लिया है.

ईरान के राष्ट्रपति पद पर लगातार दूसरे कार्यकाल हेतु हसन रुहानी द्वारा शपथ ग्रहण

ईरान के राष्ट्रपति हसन रुहानी (Hassan Rouhani) ने इस पद पर अपने लगातार कार्यकाल के लिए शपथ 5 अगस्त, 2017 को ग्रहण की है. इस पद पर चार वर्ष के लगातार दूसरे कार्यकाल हेतु वह मई 2017 में निर्वाचित हुए थे. मजलिस (ईरानी संसद) में सम्पन्न इस शपथ ग्रहण समारोह में अनेक विदेशी हस्तियाँ भी उपस्थित थीं. अपनी सरकार में दो महिलाओं को उपराष्ट्रपति उन्होंने नियुक्त किया है.

रवांडा के राष्ट्रपति पाउल कगामे लगातार तीसरे कार्यकाल हेतु इस पद पर निर्वाचित

पूर्वी अफ्रीकी देश रवांडा (Rwanda) के राष्ट्रपति पाउल कगामे (Paul Kagame) लगातार तीसरे कार्यकाल हेतु इस पद के लिए भारी बहुमत से अगस्त 2017 में निर्वाचित हुए हैं. इस पद के लिए 4 अगस्त, 2017 को हुए चुनाव के अंतरिम परिणाम 5 अगस्त, 2017 को जारी किए गए. 59 वर्षीय कगामे अप्रैल 2000 से ही रवांडा के राष्ट्रपति हैं.

एस. अपर्णा विश्व बैंक के निदेशक मण्डल में भारत की ओर से मनोनीत कार्यकारी निदेशक

भारतीय प्रशासनिक सेवा की गुजरात कैडर की एस. अपर्णा को विश्व बैंक के निदेशक मण्डल में भारत की ओर से कार्यकारी निदेशक अगस्त 2017 में मनोनीत किया गया है. भारत के अतिरिक्त बांग्लादेश, भूटान व श्रीलंका का प्रतिनिधित्व भी वह विश्व बैंक के निदेशक मण्डल में करेंगी. इस पद पर सुभाषचन्द्र गर्ग, जिन्हें अब वित्त मन्त्रालय में आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव के रूप में नियुक्त किया जा चुका है, का स्थान उन्होंने लिया है.



एस. अपर्णा

- भारतीय प्रशासनिक सेवा के ही श्री सुभाष चन्द्र गर्ग नवम्बर 2014 से विश्व बैंक के निदेशक मण्डल में भारत की ओर से मनोनीत निदेशक थे.
- सुश्री अपर्णा का इस पद हेतु मनोनयन तीन वर्ष के लिए किया गया है. इस नियुक्ति से पूर्व वह गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपानी की प्रधान सचिव थीं.
- विश्व बैंक के साथ-साथ अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के निदेशक मण्डल में भी भारत, बांग्लादेश, भूटान व श्रीलंका की ओर से कार्यकारी निदेशक का मनोनयन भारत द्वारा ही किया जाता है. भारतीय रिज़र्व बैंक के पूर्व डिप्टी गवर्नर सुबीर गोकरन नवम्बर 2015 से आईएमएफ के निदेशक मण्डल में भारत द्वारा मनोनीत कार्यकारी निदेशक हैं.

देश दीपक वर्मा राज्य सभा के नए महासचिव नियुक्त

भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1978 बैच के सेवानिवृत्त अधिकारी देश दीपक वर्मा, जो वर्तमान में उत्तर प्रदेश विद्युत् नियामक आयोग (UPERC) के चेयरमैन के रूप में कार्यभार सँभाले हुए हैं, राज्य सभा के नए महासचिव होंगे. इस पद पर शमशेर के. शैरिफ, जो 1 अक्टूबर, 2012 से यह कार्यभार सँभाले हुए थे तथा जिनका इस पद पर बढ़ा हुआ कार्यकाल 31 अगस्त, 2017 को समाप्त हुआ है, का स्थान वह लेंगे. उप-राष्ट्रपति एवं राज्य सभा के सभापति द्वारा 18 जुलाई, 2017 को जारी अधिसूचना के अनुसार इस पद पर उनका कार्यकाल कार्यभार सँभालने की तिथि से तीन वर्ष तक होगा. उल्लेखनीय है कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1978 बैच के ही सेवानिवृत्त अधिकारी अनूप मिश्र दिसम्बर 2014 से लोक सभा के महा-सचिव हैं. उपर्युक्त दोनों उत्तर प्रदेश कैडर के अधिकारी रहे हैं.



देश दीपक वर्मा

- *राज्य सभा के महासचिव पद पर श्री देश दीपक वर्मा की यह नियुक्ति यद्यपि तीन वर्ष के लिए की गई है, तथापि उनके कार्यकाल में वृद्धि की जा सकती है. इस पद के लिए कोई उच्चतम आयु सीमा निर्धारित नहीं है.*
- *राज्य सभा के महासचिव को कैबिनेट सेक्रेटरी का दर्जा प्राप्त होता है.*

संजय बारू

जाने-माने अर्थशास्त्री संजय बारू उद्योग व्यापार जगत् के संगठन फिक्की (FICCI—Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry) के नए महा-सचिव नियुक्त किए गए हैं. इस पद पर ए.दिदार सिंह, जो विगत 5 वर्षों से फिक्की के महासचिव थे, का स्थान श्री बारू ने 1 सितम्बर, 2017 से लिया है. पूर्व वर्षों में वह तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के मीडिया सलाहकार रह चुके हैं.

न्यायमूर्ति दीपक मिश्र भारत के नए मुख्य न्यायाधीश

न्यायमूर्ति जगदीश सिंह खेहर की सेवानिवृत्ति के पश्चात् सर्वोच्च न्यायालय में वरिष्ठतम न्यायाधीश न्यायमूर्ति दीपक मिश्र देश के नए मुख्य न्यायाधीश 28 अगस्त, 2017 से बने हैं. 4 जनवरी, 2017 से इस पद पर रहे न्यायमूर्ति जगदीश सिंह खेहर 65 वर्ष की आयु पूरी कर 27 अगस्त, 2017 को सेवानिवृत्त हुए हैं, राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 28 अगस्त, 2017 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में नवनियुक्त मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति दीपक मिश्र को इस पद की शपथ दिलाई. वह भारत के 45वें मुख्य न्यायाधीश हैं. **न्यायमूर्ति दीपक मिश्र 10 अक्टूबर, 2011 से सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश हैं तथा मुख्य न्यायाधीश पद पर उनका कार्यकाल 2 अक्टूबर, 2018 तक रहेगा.** *सर्वोच्च न्यायालय में नियुक्ति से पूर्व वह पटना व दिल्ली उच्च न्यायालयों में मुख्य न्यायाधीश रह चुके थे.*



न्यायमूर्ति दीपक मिश्र को मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ दिलाते राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद.

- *भारत में सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना संविधान के अनुच्छेद 124 के तहत् 26 जनवरी, 1950 को की गई थी तथा 28 जनवरी को इसका उद्घाटन किया गया. यह देश में सबसे उच्च अपीलीय अदालत है, जो राज्यों व केन्द्रशासित क्षेत्रों के उच्च न्यायालयों के फैसलों के विरुद्ध अपीलों की सुनवाई करता है. इनके अतिरिक्त राज्यों के बीच के विवादों तथा मौलिक अधिकारों व मानव अधिकारों के गम्भीर उल्लंघन सम्बन्धित मामलों को सीधे ही सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष रखा जा सकता है.*
- *देश के सर्वोच्च न्यायिक तन्त्र के रूप में इसने* **भारत की संघीय अदालत** *(Federal Court of India) व* **प्रिवी काउंसिल की न्यायिक समिति** *(Judicial Committee of the Privy Council) को प्रतिस्थापित किया था.*
- *न्यायमूर्ति हरिलाल जे. कानिया भारत के पहले सर्वोच्च न्यायाधीश थे. इस पद पर उनकी नियुक्ति 26 जनवरी, 1950 को की गई थी तथा 6 नवम्बर, 1951 तक वह इस पद पर रहे थे.*
- ***स्थापना के समय सर्वोच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश के अतिरिक्त 7 न्यायाधीशों का प्रावधान था. कार्यभार में वृद्धि के चलते न्यायाधीशों की कुल संख्या का प्रावधान 8 (मुख्य न्यायाधीश सहित) से बढ़ाकर 1956 में 11, 1960 में 14, 1977 में 18, 1986 में 26 व 2008 में 31 किया गया था. इस प्रकार सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की अधिकतम संख्या अब 31 (मुख्य न्यायाधीश सहित) होती है.***
- *सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश/मुख्य न्यायाधीश पद पर कार्यरत् रहने की अधिकतम आयु सीमा 65 वर्ष है.*
- *सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश पद पर नियुक्ति प्रायः उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों में से ही की जाती है, किन्तु सीधे बार से भी यह नियुक्ति सम्भव है. सर्वोच्च न्यायालय में अब तक कुल मिलाकर छह न्यायाधीशों की नियुक्ति सीधे बार से (वकालत कर रहे वकीलों में से) ही की जा चुकी है.*
- *सर्वोच्च न्यायालय के 67 वर्षों के इतिहास में केवल 6 महिलाओं ने ही इसमें न्यायाधीश के पद को सुशोभित किया है. न्यायमूर्ति एम. फातिमा देवी सर्वोच्च न्यायालय में पहली महिला न्यायाधीश थीं. वह अक्टूबर 1989–अप्रैल 1992 के दौरान सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश रही थीं.*

भारत के मुख्य न्यायाधीश

1.	हरिलाल जे. कानिया	26 जनवरी, 1950 से 6 नवम्बर, 1951	23.	एम. एच. कानिया	13 दिसम्बर, 1991 से 17 नवम्बर, 1992
2.	पतंजलि शास्त्री	7 नवम्बर, 1951 से 3 जनवरी, 1954	24.	एल. एम. शर्मा	18 नवम्बर, 1992 से 11 फरवरी, 1993
3.	मेहरचन्द महाजन	4 जनवरी, 1954 से 22 दिसम्बर, 1954	25.	एम. एन. वेंकटचलैया	12 फरवरी, 1993 से 24 अक्टूबर, 1994
4.	बी. के. मुखर्जी	23 दिसम्बर, 1954 से 31 जनवरी, 1956	26.	ए. एम. अहमदी	25 अक्टूबर, 1994 से 24 मार्च, 1997
5.	एस. आर. दास	1 फरवरी, 1956 से 30 सितम्बर, 1959	27.	जे. एस. वर्मा	25 मार्च, 1997 से 17 जनवरी, 1998
6.	भुवनेश्वर प्रसाद सिन्हा	1 अक्टूबर, 1959 से 31 जनवरी, 1964	28.	एम. एम. पुंछी	18 जनवरी, 1998 से 9 अक्टूबर, 1998
7.	पी. बी. गजेन्द्र गडकर	1 फरवरी, 1964 से 15 मार्च, 1966	29.	आदर्श सेन आनन्द	10 अक्टूबर, 1998 से 31 अक्टूबर, 2001
8.	ए. के. सरकार	16 मार्च, 1966 से 29 जून, 1966	30.	एस. पी. भरूचा	1 नवम्बर, 2001 से 5 मई, 2002
9.	के. सुब्बाराव	30 जून, 1966 से 11 अप्रैल, 1967	31.	बी. एन. किरपाल	6 मई, 2002 से 7 नवम्बर, 2002
10.	के. एन. वांचू	12 अप्रैल, 1967 से 24 फरवरी, 1968	32.	गोपाल बल्लभ पटनायक	8 नवम्बर, 2002 से 18 दिसम्बर, 2002
11.	एम. हिदायतुल्ला	25 फरवरी, 1968 से 16 दिसम्बर, 1970	33.	वी. एन. खरे	19 दिसम्बर, 2002 से 1 मई, 2004
12.	जे. सी. शाह	17 दिसम्बर, 1970 से 21 जनवरी, 1971	34.	एस. राजेन्द्र बाबू	2 मई, 2004 से 31 मई, 2004
13.	एस. एम. सीकरी	22 जनवरी, 1971 से 25 अप्रैल, 1973	35.	रमेश चन्द्र लाहोटी	1 जून, 2004 से 31 अक्टूबर, 2005
14.	ए. एन. रे	26 अप्रैल, 1973 से 28 जनवरी, 1977	36.	योगेश कुमार सब्बरवाल	1 नवम्बर, 2005 से 13 जनवरी, 2007
15.	एम. एच. बेग	29 जनवरी, 1977 से 21 फरवरी, 1978	37.	के. जी. बालकृष्णन	14 जनवरी, 2007 से 11 मई, 2010
16.	वाई. वी. चन्द्रचूड़	22 फरवरी, 1978 से 11 जुलाई, 1985	38.	एस. एच. कपाड़िया	12 मई, 2010 से 28 सितम्बर, 2012
17.	प्रफुल्लचंद्र नटवरलाल भगवती	12 जुलाई, 1985 से 20 दिसम्बर, 1986	39.	अल्तमस कबीर	29 सितम्बर, 2012 से 18 जुलाई, 2013
			40.	पी. सदाशिवम	19 जुलाई, 2013 से 26 अप्रैल, 2014
18.	रघुनन्दन स्वरूप पाठक	21 दिसम्बर, 1986 से 18 जून, 1989	41.	आर. एम. लोढ़ा	27 अप्रैल, 2014 से 27 सितम्बर, 2014
19.	ई. एस. वेंकटरमैया	19 जून, 1989 से 17 दिसम्बर, 1989	42.	एच. एल. दत्तू	28 सितम्बर, 2014 से 2 दिसम्बर, 2015
20.	सव्यसाची मुखर्जी	18 दिसम्बर, 1989 से 25 सितम्बर, 1990	43.	टी.एस. ठाकुर	3 दिसम्बर, 2015 से 3 जनवरी, 2017
21.	रंगनाथ मिश्र	26 सितम्बर, 1990 से 24 नवम्बर, 1991	44.	जगदीश सिंह खेहर	4 जनवरी, 2017 से 27 अगस्त, 2017
22.	के. एन. सिंह	25 नवम्बर, 1991 से 12 दिसम्बर, 1991	45.	दीपक मिश्र	28 अगस्त, 2017 से··· (कार्यकाल तक)

सर्वोच्च न्यायालय में कार्यरत् न्यायाधीश

(अगस्त 2017 के अन्त की स्थिति)

क्रमांक	नाम	जन्मतिथि	सर्वोच्च न्यायालय में कार्यकाल
1.	न्यायमूर्ति दीपक मिश्र (न्यायमूर्ति दीपक मिश्र 28 अगस्त, 2017 से मुख्य न्यायाधीश हैं)	3 अक्टूबर, 1953	10-10-2011 से 2-10-2018
2.	न्यायमूर्ति जे. चेलामेश्वर	23 जून, 1953	10-10-2011 से 22-6-2018
3.	न्यायमूर्ति रंजन गोगोई	18 नवम्बर, 1954	23-4-2012 से 17-11-2019
4.	न्यायमूर्ति मदन भीमराव लोकुर	31 दिसम्बर, 1953	4-6-2012 से 30-12-2018
5.	न्यायमूर्ति कुरियन जोसेफ	30 नवम्बर, 1953	8-3-2013 से 29-11-2018
6.	न्यायमूर्ति अरजन कुमार सीकरी	7 मार्च, 1954	12-4-2013 से 6-3-2019
7.	न्यायमूर्ति शरत अरविंद बोबड़े	24 अप्रैल, 1956	12-4-2013 से 23-4-2021
8.	न्यायमूर्ति आर. के. अग्रवाल	5 मई, 1953	17-2-2014 से 4-5-2018
9.	न्यायमूर्ति एन. वी रमाना	27 अगस्त, 1957	17-2-2014 से 26-8-2022
10.	न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा	3 सितम्बर, 1955	7-7-2014 से 2-9-2020
11.	न्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयल	7 जुलाई, 1953	7-7-2014 से 6-7-2018
12.	न्यायमूर्ति आर. एफ. नरीमन	13 अगस्त, 1956	7-7-2014 से 12-8-2021
13.	न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे	28 अगस्त, 1954	13-8-2014 से 27-8-2019
14.	न्यायमूर्ति श्रीमती आर. भानुमति	20 जुलाई, 1955	13-8-2014 से 19-7-2020
15.	न्यायमूर्ति उदय उमेश ललित	9 नवम्बर, 1957	13-8-2014 से 8-11-2022
16.	न्यायमूर्ति अमिताभ रॉय	1 मार्च, 1953	27-2-2015 से 1-3-2018
17.	न्यायमूर्ति ए. एम. खानविलकर	30 जुलाई, 1957	13-5-2016 से 29-7-2022
18.	न्यायमूर्ति डॉ. डी. वाई चन्द्रचूड़	11 नवम्बर, 1959	13-5-2016 से 10-11-2024
19.	न्यायमूर्ति अशोक भूषण	5 जुलाई, 1956	13-5-2016 से 4-7-2021
20.	न्यायमूर्ति एल. नागेश्वर राव	8 जून, 1957	13-5-2016 से 7-6-2022
21.	न्यायमूर्ति संजय किशन कॉल	26 दिसम्बर, 1958	17-2-2017 से 25-12-2023
22.	न्यायमूर्ति मोहन एम. शांता नागोदर	5 मई, 1958	17-2-2017 से 4-5-2023
23.	न्यायमूर्ति एस. अब्दुल नजीर	5 जनवरी, 1958	17-2-2017 से 4-1-2023
24.	न्यायमूर्ति नवीन सिन्हा	19 अगस्त, 1956	17-2-2017 से 18-8-2021
25.	न्यायमूर्ति दीपक गुप्ता	7 मई, 1955	17-2-2017 से 6-5-2020

अश्विनी लोहानी रेलवे बोर्ड के नए अध्यक्ष



अश्विनी लोहानी : रेलवे बोर्ड के नए चेयरमैन

अगस्त 2017 में रेल दुर्घटनाएं, 19 अगस्त को उत्कल एक्सप्रेस की दुर्घटना व उसके चार दिन बाद ही कैफियत एक्सप्रेस की दुर्घटना के पश्चात् रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष ए.के. मित्तल ने अपने इस पद से त्यागपत्र दे दिया है. उनके स्थान पर अश्विनी लोहानी को रेलवे बोर्ड का नया चेयरमैन सरकार ने नियुक्त किया है. इस पद पर रहते हुए केन्द्र सरकार के प्रधान सलाहकार भी वह होंगे. उन्होंने अपना यह कार्यभार 24 अगस्त, 2017 से सँभाला है. 58 वर्षीय लोहानी इस नियुक्ति से पूर्व एयर इण्डिया के चेयरमैन सह-प्रबन्ध निदेशक (CMD) थे. इससे पूर्व वह रेलवे में विभिन्न पदों पर रहने के अतिरिक्त पर्यटन मंत्रालय व मध्य प्रदेश शासन में भी विभिन्न पदों पर रह चुके हैं. वह मध्य प्रदेश पर्यटन के निदेशक, भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय में निदेशक, भारत पर्यटन विकास निगम (ITDC) के प्रबन्ध निदेशक के पदों पर पहले रह चुके हैं.

राजीव बंसल

पेट्रोलियम मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव के रूप में कार्यरत् राजीव बंसल को तीन माह के लिए एयर इण्डिया का चेयरमैन सह-प्रबन्ध निदेशक (CMD) सरकार ने अगस्त 2017 में नियुक्त किया है. इस पद पर अश्विनी लोहानी का स्थान उन्होंने लिया है, जिन्हें अब रेलवे बोर्ड का चेयरमैन अगस्त में ही बनाया गया है.

डेविड रासक्विना



डेविड रासक्विना

एक्ज़िम बैंक में डिप्टी प्रबन्ध निदेशक के रूप में कार्यरत् रहे डेविड रासक्विना (David Rasquinha) को प्रोन्नत कर इसी बैंक में प्रबन्ध निदेशक (MD) पद पर सरकार ने अगस्त 2017 में नियुक्त किया है. इस पद पर उनकी यह नियुक्ति तीन वर्ष के लिए की गई है.

राजीव गाबा भारत के नए गृह सचिव

भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1982 बैच के झारखण्ड कैडर के अधिकारी राजीव गाबा ने भारत के नए गृह सचिव के रूप में कार्यभार 31 अगस्त, 2017 से सँभाला है. इस पद पर राजीव महर्षि, जो 30 अगस्त को सेवानिवृत्त हुए हैं, का स्थान श्री गाबा ने लिया है. इस पद पर उनका कार्यकाल दो वर्ष होगा.


राजीव गाबा : भारत के नए गृह सचिव

- *गृह सचिव पद पर उनकी नियुक्ति की घोषणा सरकार ने जून 2017 में ही कर दी थी. उस समय वह शहरी विकास मंत्रालय में सचिव के रूप में कार्यरत् थे तथा गृह सचिव बनाए जाने की घोषणा के पश्चात् 27 जून, 2017 से उन्हें गृह मंत्रालय में विशेष कार्याधिकारी (OSD) के रूप में स्थानान्तरित कर दिया गया था.*
- *गृह सचिव बनाए जाने से पूर्व श्री गाबा केन्द्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में कार्यरत् रह चुके हैं तथा झारखण्ड में मुख्य सचिव भी वह रह चुके हैं.*
- *श्री गाबा अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के निदेशक मण्डल में भारत के प्रतिनिधि के रूप में भी चार वर्षों तक रह चुके हैं.*

राजीव महर्षि भारत के नए कम्प्ट्रोलर एण्ड ऑडिटर जनरल

विगत दो वर्षों से गृह सचिव रहे राजीव महर्षि अब देश के नए कम्प्ट्रोलर एण्ड ऑडिटर जनरल (Comptroller and Auditor General—CAG) होंगे. भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1978 बैच के राजस्थान कैडर के श्री राजीव महर्षि, जो 30 अगस्त, 2017 को गृह सचिव पद से सेवानिवृत्त हुए हैं, इस पद पर एस.के. शर्मा का स्थान 25 सितम्बर, 2017 से लेंगे. श्री शर्मा 'कैग'(CAG) के पद से 24 सितम्बर, 2017 को सेवानिवृत्त होने जा रहे हैं.


राजीव महर्षि : भारत के नए 'कैग'

सुनील अरोरा चुनाव आयोग में दूसरे चुनाव आयुक्त बनाए गए

भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1980 बैच के राजस्थान कैडर के अधिकारी सुनील अरोरा का चुनाव आयोग में चुनाव आयुक्त (Election Commissioner) के रूप में नियुक्ति 31 अगस्त, 2017 को प्रदान की गई है. चुनाव आयुक्त अचल कुमार जोति को जुलाई 2017 में मुख्य चुनाव आयुक्त बना दिए जाने के कारण आयोग में चुनाव आयुक्त का एक पद रिक्त हो गया था, जिस पर अब श्री सुनील अरोरा की नियुक्ति की गई है. इस पद पर उनकी नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से मानी जाएगी.


सुनील अरोरा

- *चुनाव आयुक्त के पद पर सुनील अरोरा की नियुक्ति के पश्चात् चुनाव आयोग में आयुक्त का कोई पद अब रिक्त नहीं है.*
- *चुनाव आयोग में एक मुख्य चुनाव आयुक्त के अतिरिक्त दो चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का प्रावधान है. वर्तमान में श्री अचल कुमार जोति, जहाँ 6 जुलाई, 2017 से मुख्य चुनाव आयुक्त बने हैं, आयोग में एक अन्य चुनाव आयुक्त ओम प्रकाश रावत हैं, जो 14 अगस्त, 2015 से इस पद पर हैं. दूसरे चुनाव आयुक्त के रूप में श्री सुनील अरोरा सितम्बर 2017 में कार्यभार सँभालेंगे.*
- *चुनाव आयुक्त व मुख्य चुनाव आयुक्त का चुनाव आयोग में कार्यकाल 6 वर्ष होता है, किन्तु अधिकतम 65 वर्ष की आयु तक ही वह इन पदों पर रह सकते हैं.*

पुरस्कार/सम्मान
(Awards/Honours)

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार (2017)

मनीला स्थित रेमन मैग्सेसे अवार्ड फाउण्डेशन (RMAF) द्वारा वर्ष 2017 के (59वें) रेमन मैग्सेसे पुरस्कारों का वितरण मनीला में 31 अगस्त, 2017 को किया गया. जिन 6 व्यक्तियों/संगठनों को यह पुरस्कार दिए गए हैं, उनमें फिलीपीन्स के इकोनॉमिक जोन अथॉरिटी (PEZA) की पूर्व महानिदेशक लिलिया डि लीमा (Lilia de Lima) व **फिलीपीन एज्यूकेशनल थिएटर एसोसिएशन** (PETA) शामिल हैं. इनके अतिरिक्त जापानी स्कॉलर योशियाकी इशिजावा (Yoshiaki Ishizawa), इण्डोनेशिया के आदिवासियों में सक्रिय रहे एब्डॉन नबाबान (Abdon Nabawan), श्रीलंका में मनोवैज्ञानिक व मानसिक चिकित्सकों के प्रशिक्षण में लिप्त रहीं गेत्सी षनमुगम (Gethsie Shanmugam) व सिंगापुर का एक स्वयंसेवक संगठन टोनी टे (Tony Tay) पुरस्कृतों में शामिल हैं. एशिया के नोबेल पुरस्कार के रूप में प्रसिद्ध यह पुरस्कार इन्हें 31 अगस्त, 2017 को फिलीपीन्स के पूर्व राष्ट्रपति रेमन मैग्सेसे की पुण्य तिथि पर मनीला में दिए गए.

उल्लेखनीय है कि रेमन मैग्सेसे पुरस्कारों की स्थापना फिलीपीन्स के पूर्व राष्ट्रपति रेमन मैग्सेसे (Raman Magsaysay) की स्मृति में की गई थी. मैग्सेसे का निधन 31 अगस्त, 1957 को एक विमान दुर्घटना में हुआ था. उनकी पुण्य तिथि पर ही प्रति वर्ष इन पुरस्कारों का वितरण मनीला में किया जाता है.

क्रिस्टियानो रोनाल्डो तीसरी बार यूएफा के सर्वश्रेष्ठ फुटबालर

रियल मैड्रिड (स्पेन) के लिए खेलने वाले पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो (Cristiano Ronaldo) को सत्र 2016-17 में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए यूएफा (UEFA) प्लेयर ऑफ द ईयर के रूप में अगस्त 2017 में पुरस्कृत किया है. इस पुरस्कार के लिए होड़ में अर्जेन्टीना के लियोनिल मैसी (Lionel Messi) को उन्होंने दूसरे स्थान पर छोड़ा है. महिला फुटबालरों में यूएफा का यह पुरस्कार बार्सीलोना के लिए खेलने वाली नीदरलैण्ड्स की लीक मार्टेंस (Lieke Martens) को दिया गया है.


क्रिस्टियानो रोनाल्डो व लीक मार्टेंस

रोनाल्डो व लियोनिल मैसी, दोनों ही यूरोपीय फुटबाल के इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को दो-दो बार पहले जीत चुके थे. 2016-17 के लिए पुरस्कार जीत कर रोनाल्डो ने तीसरी बार इस पुरस्कार पर कब्जा किया है.

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार (2017)

(राजीव गांधी खेलरत्न पुरस्कार, अर्जुन पुरस्कार, ध्यानचंद पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार, तेनजिंग नॉर्गे एडवेंचर पुरस्कार, मौलाना अबुल कलाम ट्रॉफी तथा खेल प्रोत्साहन पुरस्कार)

खेलों के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के वर्ष 2017 के राजीव गांधी खेलरत्न पुरस्कार, अर्जुन पुरस्कार, ध्यानचंद पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार, तेनजिंग राष्ट्रीय एडवेंचर पुरस्कार व मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी (2016-17) का वितरण राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा 29 अगस्त, 2017 को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में राष्ट्र-पति भवन में एक समारोह में किया गया. यह पुरस्कार अग्रलिखित खिलाड़ियों/प्रशिक्षकों को दिए गए—



हॉकी खिलाड़ी सरदार सिंह को खेलरत्न पुरस्कार से सम्मानित करते हुए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद.

राजीव गांधी खेलरत्न पुरस्कार (2017)

देश का यह सर्वोच्च खेल पुरस्कार दो खिलाड़ियों को संयुक्त रूप से दिया गया है. इनमें भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान सरदार सिंह व रियो पैराओलम्पिक खेलों में भाला फेंक (Javelin Throw) में स्वर्ण पदक जीतने वाले देवेन्द्र झांझरिया शामिल है. यह पहला अवसर है, जब किसी पैराएथलीट को देश के सर्वोच्च खेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है. पिछले वर्ष 2016 में **पहली बार यह पुरस्कार एक साथ चार खिलाड़ियों को दिया गया था.**

- खेलरत्न पुरस्कार विगत चार वर्षों की अवधि में खिलाड़ी के शानदार और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया जाता है.
- इस पुरस्कार के तहत् पदक के साथ ₹ 7·50 लाख की राशि पुरस्कृत खिलाड़ी को प्रदान की जाती है.

अर्जुन पुरस्कार (2017)

विभिन्न खेलों में विगत लगातार चार वर्षों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 17 खिलाड़ियों को वर्ष 2017 का अर्जुन पुरस्कार दिया गया है. इनमें पाँच महिलाएं हैं. इस पुरस्कार के तहत् पुरस्कृत खिलाड़ियों को ₹ 5-5 लाख की राशि प्रशस्ति-पत्र व अर्जुन की प्रतिमा के साथ प्रदान की जाती है. इस वर्ष पुरस्कृत 17 खिलाड़ियों के नाम निम्नलिखित हैं–



राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों से सम्मानित खिलाड़ियों का ग्रुप फोटो.

राजीव गांधी खेलरत्न पुरस्कार से अब तक सम्मानित सभी खिलाड़ियों की सूची

वर्ष	पुरस्कृत खिलाड़ी
1992	*विश्वनाथन आनंद (शतरंज)*
1993	*गीत सेठी (बिलियर्डस्)*
1994	*(किसी को नहीं दिया गया)*
1995	*होमी डी मोतीवाला व पी.के. गर्ग (याचिंग)*
1996	*कर्णम मल्लेश्वरी (भारोत्तोलन)*
1997	*एन. कुंजारानी (भारोत्तोलन) व लिएंडर पेस (टेनिस)*
1998	*सचिन तेंदुलकर (क्रिकेट)*
1999	*ज्योतिर्मयी सिकदर (एथलेटिक्स)*
2000	*धनराज पिल्लै (हॉकी)*
2001	*पुलेला गोपीचंद (बैडमिंटन)*
2002	*अभिनव बिन्द्रा (निशानेबाजी)*
2003	*अंजलि भागवत (निशानेबाजी) व के.एम. बीनामोल (एथलेटिक्स)*
2004	*अंजू बॉबी जॉर्ज (एथलेटिक्स)*
2005	*ले. कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह राठौर (निशानेबाजी)*
2006	*पंकज आडवाणी (बिलियर्डस् एवं स्नूकर)*
2007	*मानवजीत सिंह संधू (निशानेबाजी)*
2008	*महेन्द्र सिंह धोनी (क्रिकेट)*
2009	*मैरीकॉम (मुक्केबाजी), विजेंदर, सिंह (मुक्केबाजी) व सुशील कुमार (कुश्ती)*
2010	*साइना नेहवाल (बैडमिंटन)*
2011	*गगन नारंग (निशानेबाजी)*
2012	*विजय कुमार (निशानेबाजी) व योगेश्वर दत्त (कुश्ती)*
2013	*रोंजन सोढी (निशानेबाजी)*
2014	*(किसी को नहीं)*
2015	*सानिया मिर्जा (टेनिस)*
2016	*पी.वी. सिंधु, साक्षी मलिक, दीपा कर्माकर व जीतू राय*
2017	*देवेन्द्र झांझरिया (पैराएथलीट) व सरदार सिंह (हॉकी)*

क्र.	पुरस्कृत खिलाड़ी	खेल
1.	सुश्री वी.जे. सुरेखा	तीरंदाजी
2.	सुश्री खुशबीर कौर	एथलेटिक्स
3.	अरोकिया राजीव	एथलेक्टिस
4.	सुश्री प्रशान्ति सिंह	बास्केटबाल
5.	सूबेदार लैशराम देबेन्द्रो सिंह	मुक्केबाजी
6.	चेतेश्वर पुजारा	क्रिकेट
7.	सुश्री हरमनप्रीत कौर	क्रिकेट
8.	सुश्री ओइनम बेम्बम देवी	फुटबाल
9.	एस.पी. चौरसिया	गोल्फ
10.	एस.वी. सुनील	हॉकी
11.	जसवीर सिंह	कबड्डी
12.	पी.एन. प्रकाश	निशानेबाजी
13.	ए. अमलराज	टेबल टेनिस
14.	साकेत साईं मिनेनी	टेनिस
15.	सत्यवर्त कादियान	कुश्ती
16.	मरियप्पन	पैराएथलीट
17.	वरुण सिंह भाटी	पैराएथलीट

द्रोणाचार्य पुरस्कार (2017)

1985 में स्थापित यह पुरस्कार खेल प्रशिक्षकों को दिया जाता है. इस पुरस्कार के तहत् द्रोणाचार्य की प्रतिमा व प्रशस्ति-पत्र के साथ ₹ 5-5 लाख की राशि पुरस्कृत प्रशिक्षकों को प्रदान की जाती है. वर्ष 2017 में अग्रलिखित 6 प्रशिक्षकों को यह पुरस्कार दिया गया है–

क्र.	पुरस्कृत प्रशिक्षक का नाम	खेल
1.	स्वर्गीय डॉ. आर. गांधी	एथलेटिक्स
2.	जी.एस.एस.वी. प्रसाद	बैडमिंटन (लाइफटाइम)
3.	ब्रज भूषण मोहंती	बॉक्सिंग (लाइफटाइम)
4.	पी.ए. राफेल	हॉकी (लाइफटाइम)
5.	संजॉय चक्रवर्ती	निशानेबाजी (लाइफटाइम)
6.	रोशन लाल	कुश्ती (लाइफटाइम)

ध्यानचंद पुरस्कार (2017)

2002 में स्थापित यह पुरस्कार खेलों में जीवनपर्यन्त उपलब्धियों के लिए दिया जाता है. इस पुरस्कार के तहत् भी ₹ 5-5 लाख की राशि पुरस्कृत खिलाड़ी को प्रदान की जाती है. इस वर्ष इस पुरस्कार से सम्मानित खिलाड़ियों के नाम निम्नलिखित हैं–

क्र.	नाम	खेल
1.	भूपेन्द्र सिंह	एथलेक्टिस
2.	सैयद शाहिद हकीम	फुटबाल
3.	सुश्री सुमाराई टेटे	हॉकी

तेनजिंग नॉर्गे राष्ट्रीय एडवेंचर पुरस्कार (2017)

इस पुरस्कार के तहत् भी ₹ 5-5 लाख की राशि पुरस्कृतों को प्रदान की जाती है. **एडवेंचर के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए दिया जाने वाला यह पुरस्कार निम्नलिखित व्यक्तियों को दिया गया है.**

1. सुश्री प्रेमलता अग्रवाल, झारखण्ड (लैंड एडवेंचर)

2. रोहन मोरे दत्तात्रेय, महाराष्ट्र (वाटर एडवेंचर)

3. ग्रुप कैप्टेन वेद प्रकाश शर्मा, नई दिल्ली (लाइफटाइम एचीवमेंट)

4. ग्रुप कैप्टेन अशोक एबे, हरियाणा (लाइफटाइम एचीवमेंट)

कीर्ति चक्र

गोरखा राइफल्स के हवलदार गिरिस गुरंग, नगा रेजीमेंट के मेजर डेविड मैनलुन तथा गढ़वाल राइफल्स के मेजर प्रीतम सिंह कुँवर को कीर्ति चक्र से सम्मानित करने की घोषणा देश के 71वें स्वतन्त्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति भवन से जारी अधिसूचना में की गई है. इनमें मेजर डेविड मैनलुन व हवलदार गिरिस गुरंग को यह सम्मान मरणोपरांत दिया गया है. इनके अतिरिक्त अर्द्धसैन्य बलों में सीआरपीएफ की 49वीं बटालियन के कमांडेंट प्रमोद कुमार व सीआरपीएफ के ही कमांडेंट चेतन कुमार चीता को भी यह सम्मान प्रदान किया गया है. इनमें प्रमोद कुमार को यह सम्मान मरणोपरांत दिया गया है.

17 अन्य सैन्यकर्मियों/अर्द्धसेना के जवानों को शौर्य चक्र प्रदान करने की घोषणा राष्ट्रपति भवन की विज्ञप्तियों में की गई है. **शान्तिकाल का सर्वोच्च वीरता सम्मान अशोक चक्र इस बार किसी को नहीं दिया गया है.**

क्र.	वर्ग	पुरस्कृत संस्थाएं
1.	युवा उदीयमान प्रतिभाओं की पहचान एवं प्रशिक्षण के लिए	केन्द्रीय विद्यालय संगठन
2.	कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के जरिए खेलों को प्रोत्साहन	ओडिशा इण्डस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन
3.	खिलाड़ियों को रोजगार एवं अन्य कल्याण-कारी उपाय	–
4.	विकास के लिए खेल	(i) गोल्फ फाउण्डेशन (ii) द रिलायंस फाउण्डेशन

मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी (2016-17)

पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला

अन्तर्विश्वविद्यालीय टूर्नामेन्टों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विश्वविद्यालय के लिए 1956-57 में स्थापित इस पुरस्कार के तहत् ट्रॉफी के साथ ₹ 10 लाख की राशि विजेता विश्वविद्यालय को प्रदान की जाती है. 2016-17 के लिए यह ट्रॉफी पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला को प्रदान की गई है.

राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार (2017)

राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार कॉर्पोरेट संस्थाओं (निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र) और व्यक्तिगत स्तर पर उन लोगों को दिया जाता है, जिन्होंने खेलों के संवर्द्धन एवं विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हो. 2009 में शुरू किए गए इस पुरस्कार के तहत् प्रशस्ति-पत्र के साथ ट्रॉफी पुरस्कृत संस्था को प्रदान की जाती है. वर्ष 2017 के लिए यह पुरस्कार निम्नलिखित संस्थाओं को प्रदान किया गया है–

निधन
(Death)

रिशांग कीशिंग

पूर्वोत्तर के वरिष्ठ राजनीतिज्ञ रिशांग कीशिंग (Rishang Keishing) का 96 वर्ष की आयु में इंफाल (मणिपुर) में 22 अगस्त, 2017 को निधन हो गया. कांग्रेस के रिशांग 1980 से 1988 तक तथा 1994 से 1997 तक मणिपुर के मुख्यमंत्री रहे थे. बाद में 2002 से 2014 तक लगातार वह मणिपुर से राज्य सभा के सदस्य रहे थे.

वर्ष/दिवस/सप्ताह
(Year/Days/Week)

अगस्त 2017

1–7 अगस्त–विश्व स्तनपान सप्ताह.

2 अगस्त–दादरा एवं नगर हवेली को मुक्त कराए जाने की वर्षगाँठ.

(2 अगस्त, 2017 को इस केन्द्रशासित क्षेत्र का 64वाँ लिबरेशन डे मनाया गया)

6 अगस्त–हिरोशिमा दिवस.

6 अगस्त–मैत्री दिवस (Friendship Day) **भारत** (अगस्त का पहला रविवार).

7 अगस्त–राष्ट्रीय हथकरघा दिवस (National Handloom Day)

(7 अगस्त, 1905 को कोलकाता के टाउनहॉल में एक महाजन सभा में स्वदेशी

- *वर्ष 2017 के राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों की घोषणा केन्द्र सरकार के युवा मामलों व खेल मंत्रालय द्वारा 22 अगस्त, 2017 को ही कर दी गई थी. इनका वितरण बाद में 29 अगस्त, 2017 को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति ने किया.*
- *इस वर्ष राजीव गांधी खेलरत्न पुरस्कार व अर्जुन पुरस्कार हेतु पात्र खिलाड़ियों के चयन हेतु सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति सी.के. ठक्कर की अध्यक्षता में चयन समिति का गठन सरकार ने किया था.*
- *बैडमिंटन के प्रसिद्ध कोच पुलेला गोपीचंद द्रोणाचार्य पुरस्कार व ध्यानचंद पुरस्कार हेतु चयन समिति के अध्यक्ष थे.*
- ***पदक और प्रशस्ति-पत्र के साथ राजीव गांधी खेलरत्न पुरस्कार से सम्मानित व्यक्ति को ₹ 7·5 लाख का नकद पुरस्कार दिया जाता है, जबकि अर्जुन, द्रोणाचार्य और ध्यानचंद व तेनजिंग नॉर्गे पुरस्कार प्राप्त व्यक्तियों को प्रतिमाएं, प्रमाण-पत्र और ₹ 5-5 लाख की राशि प्रदान की जाती है. राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए चयनित संस्थाओं को ट्रॉफी और प्रमाण-पत्र दिए जाते हैं. अन्तर-विश्वविद्यालीय टूर्नामेंटों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विश्वविद्यालय को मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी, ₹ 10 लाख और प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है.***

आन्दोलन की औपचारिक शुरूआत की गई थी. इसकी स्मृति में ही इस दिन को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के रूप में 29 जुलाई, 2015 को भारत सरकार ने अधिसूचित किया था तथा ऐसा पहला राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 7 अगस्त, 2015 को मनाया गया था)

9 अगस्त–नागासाकी दिवस.

9 अगस्त–अगस्त क्रान्ति दिवस.

9 अगस्त–विश्व आदिवासी दिवस.

10 अगस्त–विश्व जैव ईंधन दिवस.

10 अगस्त–राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस.

12 अगस्त–विश्व गज दिवस.

14 अगस्त–पाकिस्तान का स्वतन्त्रता दिवस.

15 अगस्त–स्वतन्त्रता दिवस (भारत)

भारत के अतिरिक्त द. कोरिया, कांगो गणराज्य व बहरीन का भी स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त है. इनके अतिरिक्त यूरोपीय राष्ट्र लिक्टेंस्टीन में भी 15 अगस्त को राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया जाता है.

(दक्षिण कोरिया को जापान से 15 अगस्त, 1945 को स्वतंत्रता मिली थी, जबकि कांगो गणराज्य को फ्रांस से 15 अगस्त, 1960 को तथा बहरीन को ब्रिटेन से 15 अगस्त, 1971 को स्वतंत्रता प्राप्त हुई थी. लिक्टेंस्टीन में तत्कालीन प्रिंस फ्रांस जोसेफ-II का जन्म दिवस 16 अगस्त है. इसके उपलक्ष्य में 15 अगस्त को 1940 से राष्ट्रीय दिवस के रूप में वहाँ मनाया जाता है)

15 अगस्त–बांग्लादेश का राष्ट्रीय शोक दिवस

(बांग्लादेश के राष्ट्रपति शेख मुजीब-उर-रहमान की हत्या सन् 1975 में 15 अगस्त को हुई थी. उन्हीं की स्मृति में 15 अगस्त को वहाँ राष्ट्रीय शोक दिवस के रूप में मनाया जाता है.)

17 अगस्त–इण्डोनेशिया का स्वतन्त्रता दिवस

(17 अगस्त, 1945 को स्वतन्त्र हुए इण्डोनेशिया का 72वाँ स्वतन्त्रता दिवस 17 अगस्त, 2017 को मनाया गया).

19 अगस्त–विश्व मधुमक्खी दिवस (World Honey Bee Day) अगस्त का तीसरा शनिवार

19 अगस्त–अफगानिस्तान का स्वतन्त्रता दिवस

19 अगस्त–विश्व फोटोग्राफी दिवस

29 अगस्त–राष्ट्रीय खेल दिवस (हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द का जन्म दिवस).

वर्ष 2017 में 2 अगस्त को रहा अर्थ ओवरशूट डे

सम्पूर्ण वर्ष 2017 में मानव को कुल कितने प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करना चाहिए था, उतने संसाधनों का विदोहन 2 अगस्त, 2017 तक ही कर लिया गया है. ऐसे दिन की परिकल्पना सर्वप्रथम प्रसिद्ध अर्थशास्त्री एंड्रयू सिम्स (Andrew Simms) द्वारा 1987 में की गई थी तथा इसे अर्थ ओवरशूट डे (Earth Overshoot Day–EOD) नाम दिया गया था. 1987 में पहला अर्थ ओवरशूट डे 19 दिसम्बर को माना गया था. इधर हाल ही के वर्षों में यह अब अगस्त माह में ही आने लगा है. 2011 में 27 अगस्त को अर्थ ओवरशूट डे माना गया था, जबकि पिछले वर्ष 2016 में यह 8 अगस्त को था. इस वर्ष 2017 में 2 अगस्त को अर्थ ओवरशूट डे के रूप में आकलित किया गया है. इसका तात्पर्य है कि पूरे कैलेंडर वर्ष में जितने प्राकृतिक संसाधनों का विदोहन विश्व को करना चाहिए था, वह वर्ष के पहले सात महीनों (जनवरी–जुलाई) में ही किया जा चुका है.

हाल ही के वर्षों में अर्थ ओवरशूट दिवस

2010	*21 अगस्त*
2011	*27 अगस्त*
2012	*22 अगस्त*
2013	*20 अगस्त*
2014	*19 अगस्त*
2015	*13 अगस्त*
2016	*8 अगस्त*
2017	*2 अगस्त*

पुस्तकें (Books)

द मॉंक हू बिकेम चीफ मिनिस्टर (The Monk who became Chief Minister)
–शांतनु गुप्ता

इंडिया ट्रांसफॉर्म्ड : 25 ईयर्स ऑफ इकोनॉमिक रिफॉर्म्स (India Transformed : 25 years of Economic Reforms)
–राकेश मोहन

मैन विदाउट विमेन (Men without Women) – हारूकी मुराकामी

इण्डिया सिंस इंडिपेंडेंस (India Since Independence) –बिपन चंद्रा व अन्य

इंडियास स्ट्रगल फॉर इंडिपेंडेंस : 1857–1947 (India's Struggle for Independence : 1857–1947) –बिपन चंद्रा व अन्य

ज्योग्राफी ऑफ इण्डिया (Geography of India) –माजिद हुसैन

आई डू व्हाट आई डू (I Do What I Do)
–रघुराम जी. राजन

ऑपरेशन/अभियान (Operation/Expedition)

गज यात्रा

देश में हाथियों के संरक्षण के लिए इस अभियान का शुभारम्भ केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. हर्षवर्द्धन ने 12 अगस्त, 2017 को विश्व गज दिवस के अवसर पर किया. वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इण्डिया (WTI) के नेतृत्व में यह अभियान हाथियों की बहुलता वाले 12 राज्यों में अगले 15 माह तक चलाया जाएगा.

दुर्घटना (Accident)

10 दिन के अन्तराल में तीन बड़ी रेल दुर्घटनाएं

अगस्त 2017 भारतीय रेलवे के इतिहास में गम्भीर दुर्घटनाओं का माह रहा. माह के दौरान 10 दिन के अन्तराल में लम्बी दूरी की 3 यात्री गाड़ियाँ पटरी से उतरीं. इनमें पहली दुर्घटना 19 अगस्त, 2017 को उत्तर प्रदेश में हुई, जब पुरी से हरिद्वार जा रही उत्कल एक्सप्रेस के 13 कोच मुजफ्फरपुर-नगर में खतौली में प्रातः पटरी से उतर गए. दुर्घटना के समय रेलगाड़ी की गति अधिक (लगभग 100 किमी प्रति घण्टा) होने के कारण इसके कुछ कोच तो एक-दूसरे के ऊपर चढ़ गए. रेलवे ने इस दुर्घटना में 23 लोगों के मरने व 100 से अधिक के घायल होने की पुष्टि की है. वैसे मीडिया रिपोर्टों में मरने वालों की संख्या कहीं अधिक बताई गई है.

इस दुर्घटना के चार दिन ही बाद आजमगढ़ से दिल्ली जा रही कैफियत एक्सप्रेस (ट्रेन नम्बर 12225) 23 अगस्त को कानपुर-इटावा रेल खण्ड पर औरैया में एक मानव रहित क्रॉसिंग पर मिट्टी से भरे डंपर से टकरा कर पटरी से उतर गई. रेलगाड़ी के इंजन सहित 10 कोच तड़के लगभग तीन बजे हुई इस दुर्घटना में पटरी से उतर गए. 78 यात्रियों के इस दुर्घटना में घायल होने का समाचार है.

कैफियत एक्सप्रेस दुर्घटना के एक सप्ताह के भीतर 29 अगस्त को नागपुर जा रही मुम्बई-नागपुर दुरंतो एक्सप्रेस रेलगाड़ी महाराष्ट्र में आसनगाँव में दुर्घटना का शिकार हुई. प्रातःकाल हुई इस दुर्घटना में 12290 दुरंतो एक्सप्रेस के 9 कोच पटरी से उतर गए. इस दुर्घटना में किसी के हताहत होने का समाचार नहीं है.

उपर्युक्त पहली दो दुर्घटनाओं के बाद ही उन्हें गम्भीरता से लेते हुए रेलवे बोर्ड के चेयरमैन ए.के. मित्तल ने अपने इस पद से त्यागपत्र 23 अगस्त को ही दे दिया था. रेलमंत्री सुरेश प्रभु ने भी त्यागपत्र की पेशकश की, किन्तु प्रधानमंत्री श्री मोदी ने उन्हें अभी प्रतीक्षा करने को कहा है.

महोत्सव
(Festivals)

ब्राजील में भारत महोत्सव

ब्राजील में 10 दिवसीय भारत महोत्सव का शुभारम्भ 31 अगस्त, 2017 को हुआ है. 9 सितम्बर, 2017 तक चलने वाले इस महोत्सव में भारत के शास्त्रीय नृत्यों, साहित्य एवं व्यंजनों आदि के प्रदर्शन के अतिरिक्त महात्मा गांधी पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है.

विविध
(Miscellaneous)

पूर्वोत्तर हेतु ₹ 2350 करोड़ का बाढ़ राहत पैकेज

बाढ़ से प्रभावित पूर्वोत्तर राज्यों के लिए इसके दुष्प्रभावों से निपटने के लिए अल्पकालिक व दीर्घकालिक राहत के तौर पर ₹ 2350 करोड़ के पैकेज की घोषणा प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 1 अगस्त, 2017 को गुवाहाटी में की. गुवाहाटी की एक दिन की यात्रा के अवसर पर श्री मोदी ने यह घोषणा असम, मणिपुर, नगालैण्ड व अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्रियों से भेंट के पश्चात् की.

केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड का पुनर्गठन : प्रसून जोशी नए अध्यक्ष

केन्द्र सरकार ने केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (Central Board of Film Certification –सेंसर बोर्ड) का पुनर्गठन अगस्त 2017 में किया है. प्रसिद्ध लेखक एवं गीतकार प्रसून जोशी को पुनर्गठित बोर्ड में चेयरपर्सन बनाया गया है. तीन वर्ष के कार्यकाल हेतु इस पद पर उनकी नियुक्ति की घोषणा केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा 11 अगस्त, 2017 को की गई, जोकि तत्काल प्रभाव से प्रभावी की गई है. इस पद पर पहलाज निहलानी, जिन्हें समय पूर्व ही इस पद से हटाया गया है, का स्थान श्री जोशी ने लिया है. पहलाज निहलानी की इस पद पर तीन वर्ष के लिए नियुक्ति जनवरी 2015 में की गई थी, किन्तु विभिन्न कारणों से वह इस पद पर काफी विवादित हो गए थे, जिसके चलते उन्हें कार्यकाल पूरा होने से पूर्व ही सरकार ने हटा दिया है. **दो बार**


प्रसून जोशी

नाविका सागर परिक्रमा : केवल महिला चालक दल द्वारा आईएनएसवी तारिणी द्वारा पृथ्वी की परिक्रमा

नाविका सागर परिक्रमा भारतीय नौसेना का अभियान है, जिसमें भारतीय नौसेना की महिला अधिकारियों की एक टीम स्वदेश निर्मित पाल नौका (Sail boat) ***आईएनएसवी तारिणी*** *पर सवार होकर विश्व परिक्रमा करेगी. यह पहला अवसर है, जब केवल महिला चालक दल इस प्रकार की विश्व परिक्रमा करेगा. यह यात्रा 5 सितम्बर, 2017 गोवा से शुरू होगी. आईएनएसवी तारिणी, आईएनएसवी महादेई की सहयोगी पोत है. यह परिक्रमा भारत सरकार की 'नारी शक्ति' पर बल देने की नीति को परिलक्षित करते हुए नौसेना में महासागर में नौकायन की गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है.*



नौसेना की छह महिला अधिकारी जो समुद्र के रास्ते पूरी पृथ्वी का चक्कर लगाएंगी.

- *भारतीय नौसेना के ऐसे ही एक अन्य अभियान के तहत् पहली बार कैप्टन दिलीप डोंडे, ने अकेले ही 19 अगस्त, 2009 से 19 मई, 2010 तक स्वदेश निर्मित पोत आईएनएसवी महादेई पर सवार होकर पृथ्वी की परिक्रमा की थी, जबकि पहली भारतीय अविराम (Non-stop) एकल परिक्रमा कमाण्डर अभिलाष टॉमी द्वारा 1 नवम्बर, 2012 से 31 मार्च, 2013 तक की गई थी.*
- *आईएनएसवी तारिणी जिसके द्वारा केवल महिलाओं से युक्त चालक दल पृथ्वी की परिक्रमा हेतु नाविका सागर अभियान पर 5 सितम्बर, 2017 को गोवा से रवाना हुआ है, आईएनएसवी महादेई की ही सहयोगी पोत है.*
- *55 फुट लम्बी इस पाल नौका का निर्माण मैसर्स एक्वेरियस शिपयार्ड प्राइवेट लिमिटेड, गोवा ने किया है. तारिणी को भारतीय नौसेना में 18 फरवरी, 2017 को शामिल किया गया. यह पाल नौका अब तक 8,000 समुद्री मील का सफर तय कर चुकी है.*
- *इस अभियान में नौसेना की छह महिला अधिकारी शामिल हैं, जिनमें लेफ्टिनेंट कमाण्डर वर्तिका जोशी (ऋषिकेश), लेफ्टिनेंट कमाण्डर प्रतिभा जामवाल (कुल्लू), लेफ्टिनेंट कमाण्डर स्वाति पी. (विशाखापट्टनम), लेफ्टिनेंट एश्वर्य बोडापति (हैदराबाद), लेफ्टिनेंट एस. विजया देवी (मणिपुर) व लेफ्टिनेंट पायल गुप्ता (देहरादून) शामिल हैं. लेफ्टिनेंट कमाण्डर वर्तिका जोशी इस अभियान दल की प्रमुख हैं.*
- *नाविका सागर परिक्रमा अभियान 5 सितम्बर, 2017 को गोवा से प्रारम्भ होगा तथा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा कर इसकी गोवा में वापसी 4 अप्रैल, 2018 को प्रस्तावित है. इस बीच राशन एवं आवश्यक मरम्मत हेतु चार बन्दरगाहों पर आईएनएसवी तारिणी के ठहराव प्रस्तावित है. अभियान का प्रस्तावित कार्यक्रम निम्नलिखित हैं–*

क्र.	*चरण का विवरण*	*अनुमानित तिथियाँ*	*नौकायन दिवसों की संख्या*
(I)	*गोवा-फ्रेमेंटल (आस्ट्रेलिया)*	*5 सितम्बर–12 अक्टूबर, 2017*	*37*
(II)	*फ्रेमेंटल (आस्ट्रेलिया) लाइटलटन (न्यूजीलैण्ड)*	*25 अक्टूबर–16 नवम्बर, 2017*	*22*
(III)	*लाइटलटन (न्यूजीलैण्ड)-पोर्ट स्टेनली (फॉकलैंड्स)*	*23 नवम्बर–28 दिसम्बर, 2017*	*35*
(IV)	*पोर्ट स्टेनली (फॉकलैण्ड्स)-केपटाउन (दक्षिण अफ्रीका)*	*10 जनवरी–8 फरवरी, 2018*	*28*
(V)	*केपटाउन (दक्षिण अफ्रीका)-गोवा*	*21 फरवरी–4 अप्रैल, 2018*	*42*

देश में महिला सशक्तिकरण तथा नौसेना में महासागर में नौकायन की गतिविधियों को बढ़ावा देने के अतिरिक्त इस अभियान के अतिरिक्त लक्ष्य निम्नलिखित हैं–

- *नारी शक्ति को प्रोत्साहन.*
- *पर्यावरण, मित्र नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा.*
- *स्वदेश निर्मित आईएनएसवी तारिणी के जरिए मेक इन इण्डिया का प्रदर्शन.*
- *मौसम/महासागर/वेव डाटा का ऑब्जर्वेशन.*
- *समुद्री प्रदूषण का अध्ययन.*
- *विभिन्न बन्दरगाहों पर भारतीय मूल के स्थानीय व्यक्तियों (PIOs) साथ संवाद.*

सर्वश्रेष्ठ गीतकार का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कर चुके प्रसून जोशी को 2015 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था.

अध्यक्ष पद पर प्रसून जोशी की इस नियुक्ति के साथ ही पुनर्गठित बोर्ड में निम्न-लिखित 12 सदस्यों को शामिल किया गया है–

- सुश्री विद्या बालन
- सुश्री गौतमी तडीमल्ला
- नरेन्द्र कोहली
- नरेशचन्द्र लाल
- नील हर्बर्ट नोनकिनरिह
- विवेक अग्निहोत्री
- वामन केन्द्रे
- टी.एस. नागभर्ना
- रमेश पतंगे
- सुश्री वाणी त्रिपाठी टीकू
- सुश्री जीविता राजशेखर
- मिहिर भूटिया

उपर्युक्त सभी 12 सदस्यों को 3-3 वर्ष के लिए सेंसर बोर्ड में शामिल किया गया है.

मुम्बई में विदेश भवन का उद्घाटन

विदेश मंत्रालय ने महाराष्ट्र में कार्यरत् अपने सभी कार्यालयों को एकल इमारत (Single building) में एकीकृत करने का निर्णय किया है. इसके लिए मुम्बई में 'विदेश भवन' स्थापित किया गया है. इसका उद्घाटन विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने 27 अगस्त, 2017 को किया. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फड़नवीस व केन्द्रीय विदेश राज्य मंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) वी.के. सिंह भी इस अवसर पर उपस्थित थे.

विदेश भवन की स्थापना से विदेश मंत्रालय के मुम्बई में कार्यरत् चारों कार्यालय– (i) पासपोर्ट कार्यालय, (ii) प्रवासी संरक्षक कार्यालय (Office of the Protector of Emigrants), (iii) आईसीसीआर का क्षेत्रीय निदेशक कार्यालय तथा (iv) विदेश मंत्रालय का शाखा सचिवालय (Branch Secretariat of Ministry of Ext. Affairs) अब विदेश भवन में ही स्थानान्तरित हो जाएंगे.

अम्मा कैंटीन की तर्ज पर कर्नाटक में इन्दिरा कैंटीन

विधान सभाई चुनाव निकट देखते हुए कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने प्रदेश में इन्दिरा कैंटीनें अगस्त 2017 में शुरू की हैं. तमिलनाडु की अम्मा कैंटीन की तर्ज पर इस कैंटीन में ₹ 5 में नाश्ता व ₹ 10 में भोजन उपलब्ध कराया जाएगा. प्रदेश में ऐसी पहली कैंटीन बेंगलूरू में स्थापित की गई है. इसका उद्घाटन कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने 16 अगस्त, 2017 को किया. प्रदेश में अन्य शहरों में भी ऐसी इन्दिरा कैंटीनें स्थापित करने की घोषणा प्रदेश की कांग्रेसी सरकार ने की है.

वाघा सीमा पर पाकिस्तान द्वारा 400 फुट ऊँचे ध्वज का आरोहण

14 अगस्त, 2017 को अपने 70वें स्वतन्त्रता दिवस पर पाकिस्तान ने वाघा (Wagah)-अटारी सीमा पर 400 फुट ऊँचे पोल पर अपने राष्ट्र ध्वज का आरोहण किया. 120 × 80 फुट आकार के ध्वज का आरोहण पाकिस्तानी थलसेना के प्रमुख कमर जावेद बावेजा ने किया. इससे पूर्व अटारी (Attari) सीमा पर भारत ने पिछले वर्ष (2016 में) 360 फुट ऊँचे पोल पर तिरंगे का आरोहण किया था. इसके प्रत्युत्तर में ही अब पाकिस्तान ने इस वर्ष 400 फुट ऊँचाई वाले पोल पर ध्वजारोहण किया है. इसे दक्षिण एशिया में सर्वाधिक ऊँचाई पर फहराया गया राष्ट्र ध्वज होने का दावा पाकिस्तान ने किया है.

ज्ञातव्य है कि भारत द्वारा 360 फुट की ऊँचाई पर पिछले वर्ष फहराए गए ध्वज को विगत एक वर्ष में चार बार बदला जा चुका है.

दिल्ली पुस्तक मेला (2017)

(23वाँ) दिल्ली पुस्तक मेला (2017) नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 26 अगस्त–3 सितम्बर, 2017 को सम्पन्न हुआ. फेडरेशन ऑफ इण्डियन पब्लिशर्स के सहयोग से इसका आयोजन इण्डिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइजेशन (ITPO) द्वारा किया गया था. पुस्तकों के प्रदर्शन के साथ-साथ पुस्तक उद्योग से सम्बन्धित संगोष्ठियों, क्रेता-विक्रेता बैठकों, पुस्तकों के विमोचन सम्बन्धी विभिन्न कार्यक्रम भी इसमें आयोजित किए गए

पुस्तक मेले के साथ ही स्टेशनरी, ऑफिस ऑटोमेशन व कॉर्पोरेट उपहारों की प्रदर्शनी भी इन्हीं तिथियों में प्रगति मैदान में आयोजित की गई.

●●●

शेष पृष्ठ 26 का

उपग्रहों को जुलाई 2013 से अप्रैल 2016 के दौरान पीएसएलवी की विभिन्न उड़ानों को अंतरिक्ष में स्थापित किया गया था. इसका पहला उपग्रह IRNSS-1A 1 जुलाई, 2013 को पीएसएलवी-सी 22 के जरिए, दूसरा IRNSS-1B 4 अप्रैल, 2014 को पीएसएलवी-सी 24 के जरिए, तीसरा उपग्रह IRNSS-1C, 15 अक्टूबर, 2014 को पीएसएलवी-सी 26 के जरिए, चौथा IRNSS-1D 28 मार्च, 2015 को पीएसएलवी-सी 27 के जरिए, पाँचवाँ उपग्रह IRNSS-1E 20 जनवरी, 2016 को पीएसएलवी-सी 31 के जरिए छठा IRNSS-1 F 10 मार्च, 2016 को पीएसएलवी-सी 32 के जरिए तथा इस शृंखला का अंतिम उपग्रह IRNSS-1G पीएसएलवी-सी 33 के जरिए 28 अप्रैल, 2016 को पृथ्वी की कक्षा में स्थापित किया गया था. शृंखला का अन्तिम उपग्रह IRNSS-1G 2016 में निर्धारित कक्षा में स्थापित हो जाने से इस शृंखला के सातों उपग्रह अन्तरिक्ष में स्थापित हो गए थे. इस प्रणाली के लिए बैक अप उपग्रह के रूप में IRNSS-1H का प्रक्षेपण पीएसएलवी-सी 39 के जरिए 31 अगस्त, 2017 को किया गया था, जो तकनीकी खराबी के कारण विफल रहा.

संक्षिप्तकी

उत्तर प्रदेश में भी अब विवाह का पंजीकरण अनिवार्य

उत्तर प्रदेश में अब मुस्लिमों सहित सभी वर्गों के लिए विवाह का पंजीकरण अनिवार्य कर दिया गया है. संविधान के अनुरूप विवाह पंजीकरण नियमावली केन्द्र सरकार द्वारा तैयार की गई थी जिसे उत्तर प्रदेश में भी लागू करने का फैसला प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में प्रदेश मन्त्रिमण्डल की 1 अगस्त, 2017 की बैठक में लिया गया. उत्तर प्रदेश व नगालैण्ड में ही यह व्यवस्था अभी तक लागू नहीं थी. इस सम्बन्ध में शासनादेश बाद में 9 अगस्त, 2017 को जारी किया गया, जिसके साथ ही यह व्यवस्था पूरे प्रदेश में लागू हो गई है, जो लोग पहले से विवाहित हैं, उनके लिए पंजीकरण की अनिवार्यता नहीं होगी.

●●●

राज्य समाचार

उत्तर प्रदेश

सैफई स्पोर्ट्स कॉलेज का नाम अब मेजर ध्यानचन्द स्पोर्ट्स कॉलेज : मुख्यमंत्री की घोषणा

इटावा में सैफई स्थित सैफई स्पोर्ट्स कॉलेज का नाम अब मेजर ध्यानचन्द स्पोर्ट्स कॉलेज किया जाएगा. यह घोषणा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 29 अगस्त, 2017 को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर लखनऊ में एक समारोह में की.

समूह ख, ग व घ श्रेणी के कर्मचारियों की भर्ती में साक्षात्कार की व्यवस्था समाप्त

उत्तर प्रदेश में समूह ख, ग व घ श्रेणी के कर्मचारियों की भर्ती केवल लिखित परीक्षा के आधार पर ही होगी. इन भर्तियों के लिए साक्षात्कार की व्यवस्था समाप्त करने का निर्णय प्रदेश मन्त्रिमण्डल की 28 अगस्त, 2017 की बैठक में किया गया. ख श्रेणी के अराजपत्रित पदों के लिए ही साक्षात्कार व्यवस्था समाप्त करने का निर्णय मंत्रिमण्डल की बैठक में किया गया है.

ओलम्पिक खेलों में पदक जीतने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए नकद पुरस्कार की घोषणा

आगामी ओलम्पिक खेलों में पदक जीतने वाले उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए नकद पुरस्कार की घोषणा प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 29 अगस्त, 2017 को लखनऊ में एक समारोह में की. इन खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए ₹ 6 करोड़ प्रदेश सरकार द्वारा दिए जाएंगे. रजत व कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के लिए पुरस्कार राशि क्रमशः ₹ 4 करोड़ व ₹ 2 करोड़ होगी.

लक्ष्मण पुरस्कार व लक्ष्मीबाई पुरस्कार

विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए उत्तर प्रदेश के 22 चुनींदा खिलाड़ियों को विभिन्न पुरस्कारों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 29 अगस्त, 2017 को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर लखनऊ में एक समारोह में सम्मानित किया. आईसीसी विश्व कप में उपविजेता रही भारतीय क्रिकेट टीम की प्रदेश की दीप्ति शर्मा के साथ-साथ पूनम यादव को ₹ 8–8 लाख की नकद राशि पुरस्कार में दी गई. विभिन्न खेलों में उत्कृष्टता के लिए प्रदेश के 6 पुरुष खिलाड़ियों को लक्ष्मण पुरस्कार व 8 महिला खिलाड़ियों को रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार से इस समारोह में सम्मानित किया गया. इनके नाम निम्नलिखित हैं—

लक्ष्मण पुरस्कार

नाम	खेल
राहुल चौधरी	कबड्डी
शनीष मणि	सॉफ्ट टेनिस
सिद्धार्थ वर्मा	जिम्नास्टिक
दानिश मुज्तबा	हॉकी
मो. असब	शूटिंग
रजनीश मिश्रा	हॉकी

रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार

नाम	खेल
मंजुला पाठक	हैण्डबाल
सुशीला पंवार	भारोत्तोलन
श्रेया सिंह	ताइक्वांडो
श्रेया कुमार	सॉफ्ट टेनिस
गार्गी यादव	कुश्ती
प्रीति गुप्ता	खो-खो
रंजना	हॉकी
अंशू दलाल	जूडो

इन पुरस्कारों के तहत् ₹ 3·11 – 3·11 लाख की राशि पुरस्कृत खिलाड़ियों को प्रतिमा के साथ प्रदान की गई.

बिहार

बिहार में बाढ़ से भारी क्षति : ₹ 500 करोड़ के राहत पैकेज की प्रधानमन्त्री की घोषणा

भारी वर्षा के चलते बिहार के अनेक जिलों में जान-माल की भारी हानि गत अगस्त माह में हुई है. प्रदेश के 19 जिलों में 1·67 करोड़ लोग इससे प्रभावित हुए हैं. बाढ़ की विभीषिका से 500 से अधिक लोग अगस्त के अंत तक मृत्यु का शिकार बन चुके थे. गम्भीर रूप से प्रभावित चार जिलों पूर्णिया, कटिहार, किशन गंगा व अटरिया का हवाई सर्वेक्षण प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 26 अगस्त, 2017 को मुख्यमन्त्री श्री नीतीश कुमार व उपमुख्यमन्त्री सुशील मोदी के साथ किया. राहत कार्यों के लिए ₹ 500 करोड़ की मदद की घोषणा प्रधानमन्त्री ने इस दौरे के पश्चात् की है. बाढ़ के घिरकर मारे गए लोगों के परिजनों के लिए ₹ 2-2 लाख की क्षतिपूर्ति की घोषणा अलग से उन्होंने की है.



मुजफ्फरपुर स्थित रेल कारखाना बंद करने का निर्णय

केन्द्र सरकार ने रेलवे की बिहार में मुजफ्फरपुर स्थित भारत वैगन एण्ड इंजीनियरिंग कम्पनी लि. (BWEL) को बंद करने का निर्णय किया है. यह निर्णय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों पर मन्त्रिमण्डलीय समिति (CCEA) की 24 अगस्त, 2017 की बैठक में किया गया. रेलवे की यह कम्पनी विगत लगभग 10 वर्षों से घाटे में चल रही थी तथा इसकी वित्तीय स्थिति सुधारने की सम्भावना नहीं नजर रही थी. इसमें कार्यरत् छह सौ से अधिक कर्मचारियों को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लाभ दिए जाएंगे.

इस सार्वजनिक उपक्रम का गठन दिसम्बर 1978 में निजी क्षेत्र के दो रुग्ण उपक्रमों आर्थर बटलर एण्ड कम्पनी व ब्रिटानिया इंजीनियरिंग कम्पनी का विलय करके किया गया था. बीआईएफआर ने 2002 में इसे रुग्ण इकाई घोषित किया था.

राजस्थान

स्वाइन फ्लू से भाजपा विधायिका का निधन

राजस्थान की एक भाजपा विधायिका की स्वाइन फ्लू से गत अगस्त माह में मृत्यु हो गई. भीलवाड़ा जिले के मंडलगढ़ निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित शाही परिवार की 51 वर्षीय विधायिका कीर्ति कुमारी को स्वाइन फ्लू के लक्षणों के चलते पहले सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती किया गया था जहाँ से उन्हें निजी क्षेत्र के फोर्टिस अस्पताल ले जाया गया जहाँ 28 अगस्त को उनका निधन हो गया.







रोजगार समाचार



विज्ञान विषयों में सीएसआईआर-यूजीसी परीक्षा (NET) (दिसम्बर 2017)

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (CSIR) की जूनियर रिसर्च फैलोशिप (JRF) तथा विज्ञान संकाय के अधीन पढ़ाए जाने वाले कुछ विषयों के लेक्चररों की पात्रता निर्धारित करने हेतु सीएसआईआर—यूजीसी की संयुक्त राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (NET) का आयोजन चुनींदा केन्द्रों पर रविवार 17 दिसम्बर, 2017 को किया जाएगा. जे.आर.एफ. के लिए उम्मीदवारों की आयु 1 जुलाई, 2017 को अधिकतम 28 वर्ष होनी चाहिए. लेक्चरशिप की पात्रता के लिए कोई ऊपरी आयु सीमा नहीं है.

इस परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 16 सितम्बर, 2017 है. इससे पूर्व परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 15 सितम्बर, 2017 है. ऑनलाइन आवेदन की हार्डकॉपी परीक्षा कार्यालय में स्वीकार किए जाने की अंतिम तिथि 23 सितम्बर, 2017 (दूरदराज के चुनींदा निर्दिष्ट क्षेत्रों के उम्मीदवारों के मामले में 3 अक्टूबर, 2017) है.

उक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा CSIR-UGC NET/JRF के लिए प्रकाशित विज्ञान विषयों से सम्बन्धित पुस्तकों का अध्ययन करें.

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस में सहायकों /सहायक मैनेजरों की भर्ती

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लि. में सहायक (Assistant) व सहायक मैनेजर (Assistant Manager) के पद पर नियुक्ति हेतु सुयोग्य उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन-पत्र 7 सितम्बर, 2017 तक आमंत्रित किए गए हैं. इस भर्ती के तहत् सहायक के पद हेतु उपलब्ध रिक्त पदों की कुल संख्या 164 है, जबकि सहायक मैनेजर के मामले में यह 100 है. विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत् उपलब्ध है. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता—

सहायक पद हेतु— कम-से-कम 60 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक, **सहायक मैनेजर के पद हेतु**—कम-से-कम 60 प्रतिशत अंकों के साथ एमबीए साथ में कम्प्यूटर संचालन का ज्ञान होना दोनों ही पदों के लिए आवश्यक है.

आयु सीमा (1 जुलाई, 2017 को)—21–28 वर्ष. विभिन्न वर्गों के लिए आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

दोनों ही पदों के लिए ऑनलाइन परीक्षा अलग-अलग होगी. वस्तुनिष्ठ किस्म की ऑनलाइन प्रतियोगिता परीक्षा में रीजनिंग, न्यूमेरिकल एबिलिटी, जनरल अवेयरनैस तथा इंगलिश लैंग्वेज के प्रश्न होंगे.

सहायक मैनेजर के पद हेतु यह परीक्षा 10 अक्टूबर, 2017 को तथा सहायक पद हेतु यह 12 अक्टूबर, 2017 को सम्पन्न होगी.

इस भर्ती के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी हेतु एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस की वेबसाइट www.lichousing.com देखें.

उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2017 (UP-TET 2017)

उत्तर प्रदेश में प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यालयों में शिक्षक के रूप में नियुक्ति हेतु पात्रता प्रदान करने के लिए उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (UP–TET 2017) का आयोजन प्रदेश के परीक्षा नियामक प्राधिकारी, इलाहाबाद द्वारा 15 अक्टूबर, 2017 को दो पालियों में विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर किया जाएगा. इस परीक्षा में शामिल होने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि 8 सितम्बर, 2017 है. 11 सितम्बर, 2017 तक परीक्षा शुल्क जमा कर ऑनलाइन आवेदन पूर्ण करने की अंतिम तिथि 13 सितम्बर, 2017 है.

बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित इस परीक्षा में पहला प्रश्न-पत्र ऐसे उम्मीदवारों के लिए होगा जो कक्षा 1 से 5 तक के लिए शिक्षक बनना चाहते हैं (प्राथमिक स्तर), जबकि द्वितीय प्रश्न-पत्र ऐसे उम्मीदवारों के लिए है, जो कक्षा 6 से 8 तक के लिए शिक्षक बनना चाहते हैं (उच्च प्राथमिक स्तर). जो उम्मीदवार दोनों स्तरों के लिए शिक्षक बनना चाहते हैं, उन्हें दोनों प्रश्न-पत्रों में शामिल होना होगा. प्रथम प्रश्न-पत्र में बाल विकास तथा शिक्षक विधि (चाइल्ड डेवलपमेंट एण्ड पैडॉगोजी), भाषा प्रथम व भाषा द्वितीय, गणित व पर्यावरण अध्ययन के 30-30 प्रश्न (कुल 150 प्रश्न) होंगे. द्वितीय प्रश्न-पत्र में बाल विकास और शिक्षणविधि, भाषा-I व भाषा-II के 30-30 प्रश्नों के अतिरिक्त गणित/विज्ञान (गणित एवं विज्ञान शिक्षक के लिए) अथवा सामाजिक अध्ययन (सामाजिक विज्ञान के शिक्षके के लिए 60 प्रश्न शामिल होंगे. 150-150 अंकों की इस परीक्षा में प्रत्येक प्रश्न 1-1 अंक का होगा. इस परीक्षा के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी हेतु यूपी बेसिक एज्यूकेशन बोर्ड की सम्बन्धित वेबसाइट http://upbasiceduboard.gov.in देखें.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित पुस्तक का अध्ययन लाभकारी होगा.

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् हेतु स्टेनोग्राफर्स (ग्रेड-III व लोअर डिवीजन क्लर्क परीक्षा, 2017

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के विभिन्न कार्यालयों में स्टेनोग्राफर ग्रेड-III एवं लोअर डिवीजन क्लर्क (LDC) के पदों पर नियुक्ति हेतु प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल द्वारा 29 अक्टूबर, 2017 को किया जाएगा. इस परीक्षा के माध्यम से भरी जाने वाली रिक्तियों की कुल संख्या स्टेनोग्राफर्स के मामले में 73 तथा एलडीसी के मामले में 78 है. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है. भर्ती में विभिन्न वर्गों के अभ्यर्थियों के लिए नियमानुसार आरक्षण उपलब्ध है.

शैक्षिक योग्यता—इंटरमीडिएट (कक्षा 12) उत्तीर्ण. साथ ही टंकण/स्टेनोग्राफी की निर्धारित योग्यता भी आवश्यक है.

आयु सीमा—आवेदन की अंतिम तिथि 25 सितम्बर, 2017 को 18–27 वर्ष. विभिन्न मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इस भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा में 2 घण्टे की अवधि का 200 अंकों का एक प्रश्न-पत्र स्टेनोग्राफर के पद के मामले में होगा. वस्तुनिष्ठ किस्म के इस प्रश्न-पत्र में 50-50 अंकों की सामान्य बुद्धिमत्ता व सामान्य ज्ञान की परीक्षा होगी. 100 अंकों का तीसरा खण्ड अंग्रेजी भाषा व कॉम्प्रिहेंशन का होगा. एलडीसी के पद के लिए आयोजित की जाने वाली वस्तुनिष्ठ किस्म की परीक्षा में उपर्युक्त के अतिरिक्त 50 अंकों के न्यूमेरिकल एबिलिटी के प्रश्न भी होंगे, जबकि अंग्रेजी भाषा का खण्ड भी 50 अंकों का ही होगा.

इस परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक अभ्यर्थियों के आवेदन-पत्र 25 सितम्बर, 2017 तक स्वीकार किए जाएंगे. ऑनलाइन आवेदन की सुविधा चयन मंडल की वेबसाइट http://www.asrb.org.in पर उपलब्ध है. इन भर्तियों के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी के लिए कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल (Agricultural Scientists Recruitment Board) की वेबसाइट www.asrb.org.in देखें.







16वीं विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप (2017) : पदक तालिका में अमरीका का शीर्ष स्थान

अन्तर्राष्ट्रीय एथलेक्टिस महासंघ (IAAF) की 16वीं विश्व एथलेटिक्स



चैम्पियनशिप का आयोजन 4–13 अगस्त, 2017 को लन्दन में हुआ. भारत सहित लगभग 150 देशों के एथलीट्स ने 10 दिन तक चली इस चैम्पियनशिप में भाग लिया. इनके अतिरिक्त कुछ एथलीट्स को तटस्थ प्रतिभागियों के रूप में भी भाग लेने की अनुमति अन्तर्राष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ ने प्रदान की थी. डोपिंग प्रकरण के मामले में अनिश्चितकालीन प्रतिबन्ध का सामना कर रहा रूस इस चैम्पियनशिप में भाग नहीं ले सकता था, तथापि उसके 19 एथलीट्स को



4 × 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने वाली अमरीकी टीम का उल्लास.

तटस्थ खिलाड़ी के रूप में भाग लेने की अनुमति आईएएएफ ने दी थी. लगभग 150 देशों के खिलाड़ियों ने इस आयोजन की विभिन्न स्पर्द्धाओं में भाग लिया. उनमें से 39 देशों के खिलाड़ी कोई-न-कोई पदक जीतने में सफल रहे. भारत ने 25 खिलाड़ी इस आयोजन में भागीदारी के लिए लन्दन भेजे थे, किन्तु उनमें से कोई भी पदक जीतने में कामयाब नहीं रहा.

इस मीट की 100 मीटर की दौड़ें पुरुष व महिला वर्ग में क्रमशः जस्टिन गैटलिन व टोरी बोवी (दोनों अमरीका) ने जीतीं, जबकि पुरुषों की मैराथन में कीनिया के ज्यॉफ्री किरुइ व महिला वर्ग में बहरीन की रोज चेलिमो विजेता रहीं. 10 दिन चले इस आयोजन में कोई नया विश्व रिकॉर्ड नहीं बना. इस आयोजन की विभिन्न स्पर्द्धाओं में स्वर्ण पदक जीतने वाले एथलीट्स के नाम बॉक्स में दर्शाए गए हैं–

इस चैम्पियनशिप में 10 स्वर्ण 11 रजत व 9 कांस्य सहित कुल 30 पदक जीत कर अमरीका ने पदक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त किया, जबकि 5 स्वर्ण, 2 रजत व 4 कांस्य सहित कुल 11 पदक जीतने वाले कीनिया का इसमें दूसरा स्थान रहा. पदक तालिका में पहले 10 स्थानों पर रहे देशों के नाम अग्रलिखित हैं–

16वीं विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप–2017
(4-13 अगस्त, 2017, लन्दन) स्वर्ण पदक विजेता

स्पर्द्धाएं	पुरुष वर्ग	महिला वर्ग
100 मीटर	जस्टिन गैटलिन (अमरीका) 9·92	टोरी बोवी (अमरीका) 10·85
200 मीटर	रामिल गुलियेव (टर्की) 20·09	डाफने शिपर्स (नीदरलैण्ड्स) 22·05
400 मीटर	वायडे वान निकर्क (द. अफ्रीका) 43·98	फिलिस फ्रांसिस (अमरीका) 49·92
800 मीटर	पियरे-एम्ब्रोइस बोस (फ्रांस) 1 : 44·67	कास्टर सेमेन्या (द. अफ्रीका) 1: 55·16
1500 मीटर	एलिजा मनन गोई (कीनिया) 3 : 33·61	फेथ किप्ये गोन (कीनिया) 4 : 02·59
5000 मीटर	मुक्तार एड्रिस (इथियोपिया) 13 : 32·79	हेलेन ओबिरि (कीनिया), 14 : 34·86
10000 मीटर	मो. फाराह (ब्रिटेन) 26 : 49·51	अलमाज़ अयाना (इथियोपिया), 30 : 16: 32
100 मीटर बाधा	—	सैली पियर्सन (आस्ट्रेलिया) 12·59
110 मीटर बाधा	उमर मैक्लियोड (जमैका) 13·04	—
400 मीटर बाधा	कार्सटन वारहोम (नॉर्वे) 48·35	कोरी कार्टर (अमरीका) 53·07
4 × 100 मीटर	ब्रिटेन 37·47	अमरीका 41·82
4 × 400 मीटर	त्रिनिडाड एवं टुबैगो 2 : 58·12	अमरीका 3 : 19·02
3000 मीटर स्टीपल चेज़	कॉन्सेएलस किपरुतो (कीनिया) 8 : 14 : 12	एम्मा कोबर्न (अमरीका) 9 : 02·58
20 किमी पैदल चाल	ईडर एरिवालो (कोलम्बिया) 1 : 18 : 53	यांग जियासु (चीन) 1 : 26 : 18
50 किमी पैदल चाल	योहान डिनिज़ (फ्रांस) 3 : 33 : 12	इनेस हैनरिक (पुर्तगाल) 4 : 05 : 56
ऊँची कूद	मुताज़ इसा बारशिम (कतर) 2·35 मी	मारिया लैसित्स्केने (अधिकृत तटस्थ एथलीट) 2·03 मी
लम्बी कूद	लुवो मनयोंगा (द. अफ्रीका) 8·48 मी.	ब्रिटनी रीस (अमरीका) 7 : 02 मी
तिहरी कूद	क्रिस्टियन टेलर (अमरीका) 17·68 मी.	युलिमार रोजास (वेनेजुएला) 14·91 मी
डिस्कस थ्रो	एंड्रियस गुडजियुस (लिथुवानिया) 69·21 मी	सांद्रा पर्कोविक (क्रोएशिया) 70·31 मी
हैमर थ्रो	पॉवेल फैजडेक (पोलैण्ड) 79·81 मी	अनीता व्लोडाक्ज़िक (पोलैण्ड) 77·90 मी
जेवेलिन थ्रो	जोहानेस वेट्टर (जर्मनी) 89·89 मी	बारबोरा स्पोटाकोवा (चेक गणराज्य) 66·76 मी
शॉट पुट	टॉमस वाल्श (न्यूजीलैण्ड) 22·03 मी	गोंग लिजाओ (चीन) 19·94 मी
पोल वाल्ट	सैम कैंड्रिक्स (अमरीका) 5·95 मी	कैटरिना स्टेफानिडि (ग्रीस) 4·91 मी
हेप्टाथलन	—	नफीसातौउ थियाम (बेल्जियम) 6784 अंक
डेकाथलन	केविन मेयेर (फ्रांस) 8768 अंक	—
मैराथन	ज्यॉफ्री किरुइ (कीनिया) 2 : 08 : 26	रोज चेलिमो (बहरीन) 2 : 27 : 11

पदक तालिका					
क्र.	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	योग
1.	अमरीका	10	11	9	30
2.	कीनिया	5	2	4	11
3.	द. अफ्रीका	3	1	2	06
4.	फ्रांस	3	0	2	05
5.	चीन	2	3	2	07
6.	ब्रिटेन	2	3	1	06
7.	इथियोपिया	2	3	0	05
8.	पोलैण्ड	2	2	4	08
9.	जर्मनी	1	2	2	05
10.	चैक गणराज्य	1	1	1	03
	योग	48	48	49	145

इस चैम्पियनशिप का आयोजन 2-2 वर्ष के अन्तराल पर होता है. पिछली 15वीं विश्व चैम्पियनशिप का आयोजन अगस्त 2015 में चीन में बीजिंग में हुआ था, जबकि आगामी 17वीं विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप का आयोजन 28 सितम्बर–6 अक्टूबर 2019 को कतर में दोहा में होगा.



यूएफा का सुपर कप : रियल मैड्रिड का खिताब बरकरार

मैसेडोनिया की राजधानी स्कोप्जे (Skopje) में 9 अगस्त, 2017 को स्पेन के फुटबाल क्लब रियल मैड्रिड ने फाइनल मुकाबले में मैनचेस्टर यूनाइटेड को 2-1 से हराकर यूरोपियन सुपर कप फुटबाल टूर्नामेन्ट का खिताब बरकरार रखा. रियल मैड्रिड ने चौथी बार यह टूर्नामेन्ट अपने नाम किया है. पिछले वर्ष सेविला फुटबाल क्लब को फाइनल में हराकर रियल मैड्रिड ने यह खिताब जीता था. लगातार दूसरे वर्ष यह टूर्नामेन्ट जीतने वाला रियल मैड्रिड एसी मिलान के पश्चात् दूसरा क्लब है.



भारत-श्रीलंका शृंखला

जुलाई-सितम्बर 2017 के दौरान श्रीलंका के दौरे पर भारतीय क्रिकेट टीम ने इतिहास रचा है. विराट कोहली के नेतृत्व वाली भारतीय टीम का मेजबान टीम के विरुद्ध 3 टेस्ट व 5 एकदिवसीय मैचों के अतिरिक्त एक ट्वेंटी-20 मैच खेलने का कार्यक्रम है. यह पंक्तियाँ लिखे जाने तक तीन टेस्ट मैचों की शृंखला जहाँ 3–0 से भारतीय टीम जीत चुकी थी, एकदिवसीय मैचों की शृंखला के पहले चार मैच जीत कर 4–0 की निर्णायक बढ़त भारतीय टीम ने बना ली थी.

- टेस्ट शृंखला के तीन मैचों में से कोई भी मैच पूरे पाँच दिन नहीं चला. पहला व दूसरा मैच जहाँ चौथे दिन भारत ने जीता. तीसरे मैच में तीसरे ही दिन पारी व 171 रनों से विजय भारतीय टीम ने दर्ज की.
- इस टेस्ट शृंखला का पहला मैच भारतीय टीम ने गाले में 304 रनों से जीता, जबकि कोलम्बो में दूसरा तथा पल्लिकेले में भारतीय टीम की जीत पारी के अंतर से रही. पहले टेस्ट में भारत की 304 रन से विजय रनों की दृष्टि से विदेशी धरती पर भारत की अब तक की सबसे बड़ी जीत है.
- **विराट कोहली के नेतृत्व में भारतीय क्रिकेट टीम की यह लगातार आठवीं टेस्ट शृंखला विजय है. उनके नेतृत्व में भारतीय क्रिकेट टीम ने 2015-17 के दौरान श्रीलंका, द. अफ्रीका, वेस्टइंडीज, न्यूजीलैण्ड, इंगलैण्ड बांग्लादेश, आस्ट्रेलिया व श्रीलंका के विरुद्ध लगातार टेस्ट शृंखलाएं जीती हैं. वैसे लगातार 9 टेस्ट शृखलाएं जीतने का विश्व रिकॉर्ड आस्ट्रेलियाई कप्तान रिंकी पोंटिंग के नाम है.**
- भारत के शिखर धवन को टेस्ट शृंखला में प्लेयर ऑफ द सीरिज़ घोषित किया गया.
- ओडीआई शृंखला में भारत की यह विजय श्रीलंका के विरुद्ध भारत की लगातार आठवीं ओडीआई शृंखला विजय है.

एथलेटिक्स : प्रमुख दौड़ों में विश्व रिकॉर्ड
(अगस्त 2017 की स्थिति)

स्पर्द्धा	रिकॉर्ड	रिकॉर्डधारी	रिकॉर्ड बनने की तिथि एवं स्थान
पुरुष वर्ग			
100 मीटर	9·58	उसेन बोल्ट (जमैका)	16 अगस्त, 2009 (बर्लिन)
200 मीटर	19·19	उसेन बोल्ट (जमैका)	20 अगस्त, 2009 (बर्लिन)
400 मीटर	43·03	वायडे वान निकर्क (द. अफ्रीका)	14 अगस्त, 2016 (रियो डि जेनेरो)
800 मीटर	1 : 40·91	डेविड लेकुटा रुदिशा (कीनिया)	9 अगस्त, 2012 (लंदन)
1500 मीटर	3 : 26·00	हिचम एल. गुइरोज़ (मोरक्को)	14 जुलाई, 1998 (रोम)
5000 मीटर	12 : 37·35	केनेनिसा बेकेले (इथियोपिया)	31 मई, 2004 (हेंगेलो)
10,000 मीटर	26 : 17·53	केनेनिसा बेकेले (इथियोपिया)	26 अगस्त, 2005 (ब्रुसेल्स)
मैराथन	2 : 02 : 57	डेनिस किपरुतो किमेटो (कीनिया)	28 सितम्बर, 2014 (बर्लिन)
महिला वर्ग			
100 मीटर	10·49	फ्लोरेंस ग्रिफिथ–जॉयनर (अमरीका)	16 जुलाई, 1988 (इंडियानापोलिस)
200 मीटर	21·34	फ्लोरेंस ग्रिफिथ–जॉयनर (अमरीका)	29 सितम्बर, 1988 (सियोल)
400 मीटर	47·60	मारिता कोच (जर्मनी)	6 अक्टूबर, 1985 (कैनबेरा)
800 मीटर	1 : 53·28	जमीला क्राटोच विलोवा (चैक गणराज्य)	26 जुलाई 1983 (मुंचेन)
1500 मीटर	3 : 50·07	गेंजेबे दिबाबा (इथियोपिया)	17 जुलाई 2015 (मोनाको)
5000 मीटर	14 : 11·15	तिरुनेश दिबाबा (इथियोपिया)	6 जून, 2008 (ओस्लो)
10,000 मीटर	29 : 17·45	अलमाज़ अयाना (इथियोपिया)	12 अगस्त, 2016 (रियो डि जेनेरो)
मैराथन	2 : 15 : 25	पाउला रैडक्लिफ (ब्रिटेन)	13 अप्रैल, 2003 (लंदन)

टेस्ट क्रिकेट में 43वीं हैट्रिक

इंगलैण्ड के मोइन अली ने 31 जुलाई, 2017 को लंदन में ओवल के मैदान पर द. अफ्रीका के विरुद्ध टेस्ट मैच में दूसरी पारी में अपने 16वें ओवर की अंतिम दो तथा 17वें ओवर की पहली ही गेंद पर मेहमान टीम के तीन खिलाड़ियों को आउट कर हैट्रिक बनाने में सफलता प्राप्त की. ***टेस्ट क्रिकेट के इतिहास की यह 43वीं तथा ओवल पर खेले गए 100 टेस्ट मैचों के इतिहास की यह पहली ही हैट्रिक है.*** *मोइन अली (Moeen Ali) टेस्ट मैचों में हैट्रिक बनाने वाले 39वें गेंदबाज बने हैं. चार गेंदबाजों (इंगलैण्ड के स्टुअर्ट ब्रॉड, पाकिस्तान के वसीम अकरम तथा आस्ट्रेलिया के ह्यूज ट्रम्बल व जिमी मैथ्यूज) ने टेस्ट मैचों में 2-2 बार हैट्रिक बनाई है. टेस्ट मैचों में अगस्त 2017 के अन्त तक बनी सभी 43 हैट्रिक्स का ब्योरा निम्नलिखित हैं–*

क्र.	तिथि	गेंदबाज	विरुद्ध	स्थान
1.	2.1.1879	फ्रेड स्पोफोर्थ (आस्ट्रेलिया)	इंगलैण्ड	मेलबोर्न
2.	20.1.1883	बिली बेट्स (इंगलैण्ड)	आस्ट्रेलिया	मेलबोर्न
3.	2.2.1892	जॉनी ब्रिग्स (इंगलैण्ड)	आस्ट्रेलिया	सिडनी
4.	14.2.1896	जॉर्ज लॉहमैन (इंगलैण्ड)	द. अफ्रीका	पोर्ट एलिजाबेथ
5.	30.6.1899	जैक हारेन (इंगलैण्ड)	आस्ट्रेलिया	लीड्स
6.	4.1.1902	ह्यूज ट्रम्बल (आस्ट्रेलिया)	इंगलैण्ड	मेलबोर्न
7.	8.3.1904	ह्यूज ट्रम्बल (आस्ट्रेलिया)	इंगलैण्ड	मेलबोर्न
8.	28.5.1912	जिमी मैथ्यूज (2) (आस्ट्रेलिया)	द. अफ्रीका	मानचेस्टर
9.	28.5.1912	जिमी मैथ्यूज (2) (आस्ट्रेलिया)	द. अफ्रीका	मानचेस्टर
10.	10.1.1930	मोरिस एलम (इंगलैण्ड)	न्यूजीलैण्ड	क्राइस्टचर्च
11.	26.12.1938	टॉम गोडार्ड (इंगलैण्ड)	द. अफ्रीका	जोहान्सबर्ग
12.	25.7.1957	पीटर लोडर (इंगलैण्ड)	वेस्टइंडीज	लीड्स
13.	3.1.1958	लिंडसे कलाइन (आस्ट्रेलिया)	द. अफ्रीका	केपटाउन
14.	29.3.1959	वेस हाल (वेस्टइंडीज)	पाकिस्तान	लाहौर
15.	24.6.1960	ज्यॉफ्रे ग्रिफिन (द. अफ्रीका)	इंगलैण्ड	लॉर्ड्स
16.	30.1.1961	लांस गिब्स (वेस्टइंडीज)	आस्ट्रेलिया	एडिलेड
17.	9.10.1976	पीटर पैट्रिक (न्यूजीलैण्ड)	पाकिस्तान	लाहौर
18.	18–20.11.1988	कर्टनी वाल्श (वेस्टइंडीज)	आस्ट्रेलिया	ब्रिस्बेन
19.	3-4.12.1988	मर्व ह्यूज (आस्ट्रेलिया)	वेस्टइंडीज	पर्थ
20.	9.10.1994	डेमीन फ्लेमिंग (आस्ट्रेलिया)	पाकिस्तान	रावलपिंडी
21.	29.12.1994	शेन वार्न (आस्ट्रेलिया)	इंगलैण्ड	मेलबोर्न
22.	30.7.1995	डी. जे. कार्क (इंगलैण्ड)	वेस्टइंडीज	ओल्ड टैफर्ड
23.	2.1.1999	डैरेन गाग (इंगलैण्ड)	आस्ट्रेलिया	सिडनी
24.	6.3.1999	वसीम अकरम (पाकिस्तान)	श्रीलंका	लाहौर
25.	14.3.1999	वसीम अकरम (पाकिस्तान)	श्रीलंका	ढाका
26.	26.11.1999	नुवान जोएसा (श्रीलंका)	जिम्बाब्वे	हरारे
27.	21.6.2000	अब्दुल रज्जाक (पाकिस्तान)	श्रीलंका	गाले
28.	1.12.2000	ग्लेन मैक्ग्राथ (आस्ट्रेलिया)	वेस्टइंडीज	पर्थ
29.	11.3.2001	**हरभजन सिंह (भारत)**	**आस्ट्रेलिया**	**कोलकाता**
30.	8.3.2002	मोहम्मद सामी (पाकिस्तान)	श्रीलंका	लाहौर
31.	2–5.5.2003	जर्मेन लासन (वेस्टइंडीज)	आस्ट्रेलिया	ब्रिजटाउन
32.	29.8.2003	आलोक कपाली (बांग्लादेश)	पाकिस्तान	पेशावर
33.	22.2.2004	एंडी ब्लिगनाट (जिम्बाब्वे)	बांग्लादेश	हरारे
34.	3.4.2004	मैथ्यू होगार्ड (इंगलैण्ड)	वेस्टइंडीज	बारबाडोस
35.	20.10.2004	जेम्स फ्रैंकलिन (न्यूजीलैण्ड)	बांग्लादेश	ढाका
36.	29.1.2006	**इरफान पठान (भारत)**	**पाकिस्तान**	**कराची**
37.	8.3.2008	र्यान साइडबॉटम (इंगलैण्ड)	न्यूजीलैण्ड	हैमिल्टन
38.	25.11.2010	पीटर सिडल (आस्ट्रेलिया)	इंगलैण्ड	ब्रिस्बेन
39.	30.7.2011	स्टुअर्ट ब्रॉड (इंगलैण्ड)	भारत	नॉटिंघम
40.	13.10.2013	सोहाग गाज़ी (बांग्लादेश)	न्यूजीलैण्ड	चटगाँव
41.	30.6.2014	स्टुअर्ट ब्रॉड (इंगलैण्ड)	श्रीलंका	लीड्स
42.	5 अगस्त, 2016	रंगाना हेराथ (श्रीलंका)	आस्ट्रेलिया	गाले
43.	31 जुलाई, 2017	मोइन अली (इंगलैण्ड)	द. अफ्रीका	ओवल (लंदन)

टेस्ट मैचों में हैट्रिक बनाने वाले दो भारतीय गेंदबाज क्रमशः हरभजन सिंह व इरफान पठान हैं. पठान ने यह हैट्रिक जनवरी 2006 में कराची में पाकिस्तान के विरुद्ध तथा हरभजन सिंह ने 2001 में कोलकाता में आस्ट्रेलिया के विरुद्ध बनाई थी. इरफान पठान की यह हैट्रिक इस मामले में ऐतिहासिक है कि किसी टेस्ट मैच के पहले ही ओवर में बनी यह विश्व की पहली हैट्रिक थी.

द. अफ्रीका-इंगलैण्ड शृंखला

मई-अगस्त 2017 के दौरान इंगलैण्ड एवं वेल्स के दौरे पर द. अफ्रीका की क्रिकेट टीम ने तीन एकदिवसीय, तीन ट्वेंटी-20 व 4 टेस्ट मैचों की शृंखला इंगलैण्ड के विरुद्ध खेलीं. इनमें ओडीआई शृंखला 2–1 से, टी-20 शृंखला भी 2–1 से इंगलैण्ड ने जीती. चार टेस्ट मैचों की शृंखला 3–1 से इंगलैण्ड के नाम रही. इस शृंखला के लंदन में ओवल के मैदान पर खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में इंगलैण्ड के मोइन अली (Moeen Ali) ने हैट्रिक बनाई. टेस्ट शृंखला में, जो रूट (Joe Root) इंगलैण्ड की टीम के तथा डीन एल्गर (Dean Elger) द. अफ्रीका की टीम के कप्तान थे तथा दोनों ने पहली बार ही टेस्ट मैचों में कप्तानी का दायित्व निभाया था.



रोजर्स कप (कनाडा ओपन)

पुरुषों के लिए यह (128वाँ) टूर्नामेन्ट कनाडा में मॉंट्रियल में 7–13 अगस्त, 2017 को तथा महिलाओं का यह टूर्नामेन्ट टोरंटो में इन्हीं तिथियों को सम्पन्न हुआ. इसमें पुरुष व महिला वर्ग के एकल खिताब क्रमशः एलेक्जेंडर ज्वेरेव (Alexander Zverev) व एलिना स्वितोलिना ने जीते. 13 अगस्त को मॉंट्रियल में जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने फाइनल मुकाबले में स्विट्जरलैण्ड के रोजर फेडरर को हराकर पुरुषों का एकल खिताब जहाँ जीता वहीं महिलाओं के एकल खिताब के लिए टोरंटो में डेन्मार्क की कैरोलिन वोज्नियाकी (Caroline Wozniacki) को फाइनल में यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना ने हराया. पुरुषों का युगल खिताब पियरे ह्यूग्स हर्बर्ट (Pierre Hugues Herbert) व निकोलस माहुत की फ्रांसीसी जोड़ी ने फाइनल में भारत के रोहन बोपन्ना व क्रोएशिया के इवान डोडिंग की जोड़ी को हराकर जहाँ जीता वहीं महिलाओं का युगल एकाटेरिना माकारोवा व एलेना वेस्निना की रूसी जोड़ी ने अन्ना-लेना ग्रोनेफेल्ड (जर्मनी) व क्वेटा पेश्के (चैक गणराज्य) की जोड़ी को फाइनल में हराकर जीता.

- हार्ड कोर्ट पर खेला जाने वाला यह टूर्नामेन्ट विश्व के सबसे पुराने टेनिस टूर्नामेन्ट में से एक है.

वेस्टर्न एण्ड सदर्न ओपन (सिनसिनाटी मास्टर्स) (2017)—अमरीका में सिनसिनाटी प्रांत में मैसन (Mason) में 14–20 अगस्त, 2017 को सम्पन्न वेस्टर्न एण्ड सदर्न ओपन (पुराना नाम सिनसिनाटी मास्टर्स) टेनिस टूर्नामेन्ट में पुरुष व महिला वर्ग ने एकल खिताब क्रमशः ग्रिगोर दिमित्रोव (Grigor Dimitrov) व गार्बीन मुगुरुजा (Garbine Muguruza) ने जीते. बुल्गारिया के दिमित्रोव ने 20 अगस्त को फाइनल मुकाबले में आस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस को हराकर पुरुषों का एकल खिताब जहाँ जीता, वहीं महिलाओं के एकल खिताब के लिए स्पेन की गार्बीन मुगुरुजा ने फाइनल में रूमानिया की सिमोना हालेप को हराया. पुरुषों का युगल खिताब पियरे-ह्यूग्स हर्बर्ट व निकोलस माहुत की फ्रांसीसी जोड़ी ने फाइनल में ब्रिटेन के जेमी मुरे व ब्राजील के ब्रूनो सोरेस की जोड़ी को हराकर जीता. महिलाओं के युगल खिताब के लिए चीनी ताइपै की चान युंग-जान व स्विट्जरलैण्ड की मार्टिना हिंगिस की जोड़ी ने हसीह सू-वी (चीनी ताइपै) व मोनिका निकुलेस्कु (रूमानिया) की जोड़ी को फाइनल में हराया.

- यह मास्टर्स टूर्नामेन्ट विश्व के सबसे पुराने टूर्नामेन्ट्स् में से एक है. इस वर्ष उसका यह आयोजन पुरुषों के लिए 116वाँ व महिलाओं के लिए 89वाँ आयोजन था.
- स्विट्जरलैण्ड के रोजर फेडरर रिकॉर्ड 7 बार इसके एकल खिताब के विजेता रहे हैं.
- पिछले वर्ष 2016 में इस टूर्नामेन्ट में चैक गणराज्य की बारबोरा स्ट्रीकोवा (Barbora Strycova) के साथ जोड़ी बनाकर भारत की सानिया मिर्जा महिलाओं का युगल खिताब जीतने में सफल रही थीं.



विश्व बैडमिन्टन चैम्पियनशिप (2017) में भारत की पी. वी. सिंधु को रजत व साइना नेहवाल को कांस्य पदक

विश्व बैडमिन्टन महासंघ (BWF) की वर्ष 2017 की 23वीं विश्व बैडमिन्टन चैम्पियनशिप का आयोजन स्कॉटलैण्ड में ग्लासगो में 21–27 अगस्त, 2017 को हुआ. इसमें भारत की पी. वी. सिंधु व साइना नेहवाल ने महिलाओं की एकल स्पर्द्धा में क्रमशः रजत व कांस्य पदक जीते. यह पहला ही अवसर है जब विश्व बैडमिन्टन चैम्पियनशिप के किसी आयोजन में दो पदक भारत ने जीते हैं. महिलाओं की एकल स्पर्द्धा का फाइनल बड़ा ही संघर्षपूर्ण रहा, जिसमें जापान की नोजोमी ओकुहारा से पराजित होकर भारत की पी. वी. सिंधु अपने पहले विश्व खिताब से वंचित रह गईं. भारत की ही साइना नेहवाल ने इस स्पर्द्धा में तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया. महिलाओं की एकल स्पर्द्धा का दूसरा कांस्य पदक चीन की चेन यूफी ने जीता. इस टूर्नामेन्ट में पुरुषों का एकल खिताब विक्टर एक्सेलसेन ने जीता. पुरुषों के खिताब के लिए चीन के लिन डान को फाइनल में डेन्मार्क के विक्टर एक्सेलसेन ने पराजित किया.



पी. वी. सिंधु एवं साइना नेहवाल

इस टूर्नामेन्ट में पुरुषों व महिलाओं, दोनों ही वर्गों के युगल खिताब चीनी खिलाड़ियों के नाम रहे, जबकि मिश्रित युगल खिताब इंडोनेशिया के खिलाड़ियों ने जीता. टूर्नामेन्ट की पाँचों स्पर्द्धाओं के विजेताओं एवं उपविजेताओं के नाम निम्नलिखित तालिका में दर्शाए गए हैं–

विश्व बैडमिन्टन चैम्पियनशिप (2017)
(21–27 अगस्त, 2017, ग्लासगो)
विजेता एवं उपविजेता

पुरुष एकल	**विजेता**–विक्टर एक्सेलसेन (डेन्मार्क) **उपविजेता**–लिन डान (चीन)
महिला एकल	**विजेता**–नोजोमी ओकुहारा (जापान) **उपविजेता**–पी. वी. सिंधु (भारत) (भारत की ही साइना नेहवाल ने इस स्पर्द्धा का कांस्य पदक जीता.)
पुरुष युगल	**विजेता**–लियु चेंग व झांग नान (दोनों चीन) **उपविजेता**–मोहम्मद अहसान व रियान आगुंग सापुत्रों (दोनों इंडोनेशिया)
महिला युगल	**विजेता**–चेन क्विंग चेन व जिया यिफान (दोनों चीन) **उपविजेता**–युकी फुकुशिमा व सयाका हिरोता (दोनों जापान)
मिश्रित युगल	**विजेता**–तोंतोवी अहमद व लिलियाना नात्सिर (दोनों इंडोनेशिया) **उपविजेता**–झेंग सीवी व चेन क्विंग चेन (दोनों चीन)

- विश्व बैडमिन्ट संघ (BWF) के तत्वावधान में **पिछली (22वीं) विश्व बैडमिन्टन चैम्पियनशिप अगस्त 2015 में जकार्ता (इंडोनेशिया) में सम्पन्न हुई थी, जिसमें भारत की साइना नेहवाल ने महिलाओं की एकल स्पर्द्धा में रजत पदक जीता था.**
- यह पहला ही अवसर है जब भारत ने विश्व बैडमिन्टन चैम्पियनशिप में दो पदक एक साथ जीते हैं.
- इस आयोजन में तीसरे स्थान के लिए कोई मैच नहीं खेला जाता तथा सेमी फाइनल में पराजित दोनों खिलाड़ियों को कांस्य पदक प्राप्त होता है.
- भारत का कोई भी खिलाड़ी विश्व बैडमिन्टन में स्वर्ण पदक अभी तक नहीं जीत सका है.

विश्व बैडमिन्टन में भारत के पदक विजेता

खिलाड़ी	पदक
प्रकाश पादुकोन	1983 में पुरुष एकल में कांस्य पदक
ज्वाला गुट्टा व अश्विनी पोनप्पा	2011 में महिला युगल में कांस्य पदक
पी. वी. सिंधु	2013 व 2014 में महिला एकल में कांस्य तथा 2017 में महिला एकल में ही रजत पदक
साइना नेहवाल	2015 में महिला एकल में रजत तथा 2017 में महिला एकल में कांस्य पदक



स्क्वाश

सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप (2017)

ग्रेटर नोएडा में 22–26 अगस्त, 2017 को सम्पन्न 74वीं सीनियर राष्ट्रीय स्क्वाश चैम्पियनशिप में पुरुष व महिला वर्ग के एकल खिताब क्रमशः सौरभ घोषाल व जोशना चिनप्पा ने जीते. पुरुषों के खिताब के लिए महेश मनगांवकर को 26 अगस्त को फाइनल में सौरभ घोषाल ने पराजित किया, जबकि महिलाओं का एकल लक्ष्य राघवेन्द्रन को फाइनल में हराकर जोशना चिनप्पा ने जीता. जोशना चिनप्पा का यह 15वाँ राष्ट्रीय खिताब है, जबकि लक्ष्य राघवेन्द्रन ने पहली बार ही राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में फाइनल में स्थान बनाया था. सौरभ घोषाल ने 12वीं बार राष्ट्रीय चैम्पियनशिप जीतने में सफलता प्राप्त की है.



राष्ट्रीय स्क्वाश चैम्पियन : सौरभ घोषाल व जोशना चिनप्पा.



फॉर्मूला-1 रेस

बेल्जियन ग्रांड प्रिक्स

27 अगस्त, 2017 को बेल्जियम में स्पा फ्रेंकोरचैम्प्स सर्किट पर सम्पन्न फॉर्मूला-1 रेस में मर्सिडीज़ टीम के ब्रिटिश चालक लुइस हैमिल्टन विजेता रहे. हैमिल्टन के कॅरियर की यह 200वीं रेस थी, जिसमें खिताब उन्होंने जीता. फरारी के सेबेस्टियन वेट्टल का इसमें दूसरा स्थान रहा.

विविध

विश्व पुलिस एण्ड फायर गेम्स (2017)

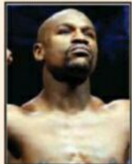
विश्व पुलिस एवं फायर गेम्स (WPFG) का आयोजन 7–16 अगस्त, 2017 को लॉस एंजेल्स अमरीका में हुआ. इन खेलों का आयोजन 2–2 वर्ष के अन्तराल पर होता है तथा ऐसे पिछले खेल 2015 में अमरीका में ही वर्जीनिया में फेयर फैक्स सिटी में आयोजित किए गए थे तथा आगामी खेलों का आयोजन 2019 में चीन में चेंगडु (Chengdu) में होगा.



मुक्केबाजी

सदी के महा मुकाबले में फ्लायड मेवेदर विजयी : लगातार 50 जीतों का रिकॉर्ड बनाया

अमरीका के 40 वर्षीय पेशेवर मुक्केबाज फ्लॉयड मेवेदर (Floyed Mayweather) जूनियर ने दो वर्ष के अन्तराल के पश्चात् एक बार पुनः रिंग में उतर कर अपनी बादशाहत साबित की है. मई 2015 में वेल्टर वेट वर्ग में फिलीपींस के मैनी पैक्याओ को हराकर विश्व खिताब अपने नाम कर संन्यास की घोषणा करने के दो वर्ष पश्चात् 26 अगस्त, 2017 को लास वेगास में ही आयरलैण्ड के 29 वर्षीय मुक्केबाज कोनोर मैक्ग्रेगॉर (Conor Mcgregor) को हराकर लगातार 50वीं विजय का रिकॉर्ड अपने नाम किया. सदी का महा मुकाबला कहे जा रहे इस मुकाबले में विजय से 10 करोड़ डॉलर की राशि मेवेदर को पुरस्कार में प्राप्त हुई.



- *21 वर्ष पूर्व 1996 में ओलम्पिक्स में कांस्य पदक जीतने के पश्चात् फ्लायड मेवेदर ने पेशेवर मुक्केबाजी में प्रवेश किया था.*
- *26 अगस्त, 2017 को कोनोर मैक्ग्रेगॉर के विरुद्ध मेवेदर की विजय पेशेवर मुक्केबाजी में लगातार 50वीं विजय है तथा इसमें अमरीकी मुक्केबाज रॉकी मारसियानो (Rockey Marciano) का लगातार 49 विजय का रिकॉर्ड उन्होंने भंग किया है.*
- *15 विश्व खिताब जीत चुके मेवेदर जूनियर पाँच अलग-अलग वर्गों में विश्व चैम्पियन रहे हैं.*
- *मई 2015 में मैनी पैक्याओ को हराने के पश्चात् मुक्केबाजी से संन्यास की घोषणा मेवेवर ने की थी, किन्तु मैक्ग्रेगॉर द्वारा चुनौती दिए जाने पर उन्होंने वापस रिंग में उतरने का फैसला किया. मैक्ग्रेगॉर को हराने के पश्चात् अब दोबारा वापसी न करने की घोषणा भी उन्होंने की है.*

कैरियर लेख

सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा, 2017 में सफल होने के लिए जानें सभी आवश्यकताओं को

✍ अतुल कपूर

जब एक नया उम्मीदवार सिविल सेवा परीक्षा की ओर देखता है, तो यह एक ऐसी छाप देती है कि यह अद्‌भुत परीक्षा शायद ऐसी है, जहाँ सफलता आसानी से प्राप्त हो सकती है; ऐसी धारणा के पीछे सफल उम्मीदवारों को देख या सुन एक आभास-सा आता है कि यह उतनी मुश्किल नहीं है और बहुत से उम्मीदवार तो इसमें अपने पहले प्रयास में योग्यता सूची में शीर्ष रैंकों के साथ स्थान प्राप्त कर लेते हैं, लेकिन जितना करीब आप जाते हैं, उतना ही अधिक स्पष्ट होता है कि जो सोच बना आपने शुरूआत की, लगने लगता है कि जैसा आप मानते हैं यह उतना आसान नहीं है.

यदि आप थोड़ा गहराई में जाते हैं, तो पता चलता है कि कई उम्मीदवारों के लिए, सिविल सेवा की परीक्षा में सफलता केवल एक मृगतृप है. अक्सर यह मुख्य परीक्षा स्तर पर अधिक देखने में आता है, क्योंकि कई उम्मीदवार किसी-न-किसी तरह प्रारम्भिक परीक्षा पर ही ध्यान केन्द्रित करके सफलता तो पा जाते हैं, लेकिन जब मुख्य परीक्षा की बात आती है, तो आप असली प्रतियोगिता का सामना करते हैं, क्योंकि मुख्य परीक्षा स्तर पर आप उन उम्मीदवारों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं, जो सक्षम, प्रतिभाशाली और उच्च प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं.

शुरूआत में इस तथ्य पर ध्यान देने से आपको मूल्यांकन करने में मदद मिलेगी कि क्या आप सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करना चाहते भी हैं या नहीं.

मुख्य परीक्षा, 2017 करीब आ रही है

मुख्य परीक्षा, 2017 पास ही है और जो उम्मीदवार इसमें शामिल होने जा रहे हैं, गम्भीरता से तैयारी में लिप्त होंगे. इसके अलावा आने वाले वर्षों की परीक्षा में सफलता की सम्भावनाएं सँजोए लाखों उम्मीदवार मुख्य परीक्षोन्मुख तैयारी में लगे रहते हैं.

जिन लोगों ने अक्टूबर माह में मुख्य परीक्षा देनी है, उनके लिए यह एक चुनौती है प्रारम्भिक परीक्षा में सफलता के बाद दोबारा यहाँ भी सफलता हासिल करना. प्रारम्भिक परीक्षा पार करना बिलकुल आसान नहीं; लेकिन आपने यह किया है और अब, धीरज के साथ, आपको अपने ज्ञान और क्षमता का निशान मुख्य परीक्षा में भी छोड़ना होगा.

क्या मुझे मुख्य परीक्षा (लिखित) में आपके प्रदर्शन के बारे में याद दिलाने की जरूरत है, जो आपके अन्तिम चयन के लिए मंच सेट करेगा ही और साथ ही मेरिट लिस्ट में रैंकिंग पर भी असर डालने में भूमिका निभाएगा.

''यदि आप जो कुछ कर रहे हैं वह आपको चुनौती नहीं देता है, तो यह आपको बदल नहीं पाता है.''

आशा है कि आप सभी मेरी बात समझ गए होंगे, जो मैं व्यक्त करना चाहता हूँ. सिविल सेवा परीक्षा के सम्बन्ध में इस प्रसिद्ध कथन के अर्थ को समझें.

आप सफल उम्मीदवारों के बारे में कई कहानियाँ सुनते रहते हैं और इनमें से कुछ से प्रभावित हो सकते हैं. क्या आपने कभी सोचा कि ऐसा क्या है, जो उन्हें क्लिक करता है और कैसे नंदीनी के. आर. (रैंक 1 सिविल सेवा परीक्षा, 2016) जैसे उम्मीदवार इस प्रतिष्ठित परीक्षा में शीर्ष स्थान प्राप्त करने में सक्षम हो पाते हैं ?

यह कुछ भी अलग नहीं, यह तो उच्चस्तरीय प्रदर्शन के लिए जुनून है, जो अद्‌भुत काम करता है. शीर्ष स्थान को प्राप्त करने के लिए आपको अपने आराम क्षेत्र से बाहर आकर थोड़ा अधिक प्रयास करना पड़ेगा और मानसिक ताकत और क्षमता के साथ-साथ आप जो भी योजना बनाते हैं, विश्वास रखें, उसे हासिल भी कर सकते हैं.

जब आप सही दिशा में मेहनत कर अपने लक्ष्य को पाने का प्रयास करेंगे जिसके लिए आप सपना देख रहे हैं, तो आप सभी सन्देह और नकारात्मकता को दूर करने की स्थिति में होंगे. जल्द ही आपका लक्ष्य स्पष्ट हो जाएगा, तैयारी प्रबन्धनीय लगने लगेगी और प्राप्य भी.

इस परीक्षा से जुड़ी अप्रत्याशितता से मन में भय का सृजन होता है. कई प्रकार के भय आपके आसपास मस्तिष्क को जकड़ लेते हैं जैसे अन्तिम सफलता का डर, प्रारम्भिक परीक्षा को पार करने, उपयुक्त वैकल्पिक विषय चुनना, प्रभावी तैयारी जो मुख्य परीक्षा स्तर पर सफलता दिला दे और यहाँ तक कि साक्षात्कार भी.

इन सभी भयों को रुचि के स्रोत के रूप में एक चिंगारी के रूप में देखें, जो आपको चुनौती देने के लिए आवश्यक है और इसे अपना कैरियर विकल्प बनाने के लिए पहला कदम उठाने के लिए साहस की आवश्यकता होती है.

चिंतित और तनावपूर्ण होने से आपको कोई मदद नहीं मिलेगी, बल्कि आपके सामने जो कार्य पूरा करने का मौका है उसे इस नकारात्मक सोच से आप बर्बाद कर देंगे.

तैयारी में अपना ध्यान केन्द्रित रखें

इस तरह की बड़ी परीक्षा में सफलता की इच्छा एक विचार के रूप में पहले आपके दिमाग में जगह बनाती है. यहाँ तक कि तैयारी योजना एक अस्पष्ट विचार-विमर्श से बाहर निकलती है. आप जैसे-जैसे आगे बढ़ते हैं, योजना धीरे-धीरे आकार लेती जाती है.

असल में, उम्मीदवारों में सिविल सेवा परीक्षा में शामिल होने का साहस दिखाने के अलावा इस परीक्षा में सफल होने के लिए क्षमता और प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने की आवश्यकता है.

शुरूआत में आत्ममूल्यांकन, अपनी शक्तियों और कमजोरियों की पहचान करने में मदद करता है; तद्‌नुसार, आप अपने प्रयास की योजना बना सकते हैं.

आपको एक रणनीति तैयार करनी होगी रोज़मर्रा की दिनचर्या और कई गतिविधियों के विवरण के साथ जिसका पालन आप आने वाले दिनों में बिना किसी अपवाद के करेंगे.

यूपीएससी का फोकस आपकी विश्लेषणात्मक सोच और समस्या सुलझाने के कौशल पर है इसलिए, यह चाहे प्रारम्भिक परीक्षा हो या मुख्य परीक्षा, अधिकांश प्रश्न ऐसे तरीके से तैयार किए जाते हैं कि कई उम्मीदवारों को समझना मुश्किल लगता है.

आप www.iaspassion.com पर भी ऐसी रोचक जानकारी और उपयोगी सामग्री प्राप्त कर सकते हैं, जहाँ मैं नियमित रूप से योगदान देता हूँ.

इस परीक्षा का निडर तरीके से सामना करने के लिए तैयारी के स्तर को समृद्ध करें

कई उम्मीदवारों में अज्ञात का डर जनाव का कारण बना रहता है, पिछले वर्षों के मुख्य परीक्षा के सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र पर एक नजर डालें, तो यूपीएससी के इरादे की पुष्टि होती है, जिसमें 'सामान्य-वादी' दृष्टिकोण की आवश्यकता है 'विशेषज्ञ' की नहीं है.

भय और कुछ भी नहीं, लेकिन मानसिक कमजोरी है, जो हमारी तैयारी पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है.

इससे उत्पन्न संशय जो आपके अन्दर घर बना लेता है, का मुकाबला करने के लिए केवल एक प्रभावी तैयारी ही आपकी सहायता कर सकती है. आपको उन सभी चिंताओं को दूर करना होगा, जो आपकी तैयारी-योजना में बाधा डालने की शक्ति रखती हैं.

मुख्य परीक्षा के नए स्वरूप में पाँचवें संस्करण में स्पष्ट है, फिर भी, पिछले वर्षों के रुझानों के आधार पर पाठ्यक्रमों के अलावा उन अलग-अलग मुद्दों को तलाशने और मूल्यांकन करने के लिए प्रयास करें, जहाँ से प्रश्न पूछे जा रहे हैं.

इसके अलावा, वर्तमान घटनाओं और गतिशील समकालीन विकास की दिशा में हो रही घटनाओं पर तैयारी के लिए एक अलग दृष्टिकोण की आवश्यकता है.

पाठ्यक्रम पर नज़र रखते हुए तैयारी में आपको लगता है कि तैयारी का स्तर अच्छा है, लेकिन परीक्षा में कुछ विशिष्ट प्रवृत्त उभर रहे हैं; जहाँ आपकी तैयारी के स्तर की अपेक्षा आकांक्षाएं बहुत ज्यादा हैं, समकालीन समस्याओं और विषयों के साथ अन्तर-सम्बन्धित मुद्दों से सम्बन्धित प्रश्न देख आपको ऐसा महसूस होता है कि परीक्षक की उम्मीद और आपकी तैयारी के बीच अन्तर मौजूद है.

यद्यपि, कट-ऑफ इंगित करता है, मुख्य परीक्षा में प्रत्येक वर्ष उम्मीदवारों के प्राप्तांकों में सुधार हो रहा है. फिर भी, अभी भी और बेहतर करने की सम्भावना है.

आधारभूत, पुस्तकों के साथ तैयारी शुरू करना विवेकपूर्ण निर्णय है, ताकि अवधारणाओं के बारे में स्पष्टता हो और आप परीक्षा को प्रभावी तरीके से सँभाल सकें, जैसे आप आगे बढ़ते हैं, मानक पाठ्य-पुस्तकें चीजों को स्पष्ट और प्रबंधनीय बनाती हैं.

अपने स्तर को आगे बढ़ाने के लिए, आपको समकालीन विकास और मुद्दों के लिए तैयार करने के लिए एक कदम आगे बढ़ने की आवश्यकता है. मौजूदा मामलों पर पकड़ और चीजों के बारे में जागरूकता समाचार-पत्र पढ़ने की आदतों के महत्व का प्रतीक है, जो परीक्षा कक्ष में प्रश्न-पत्रों का प्रयास करते समय सहायक रहता है.

तो, इस अन्तर को कैसे कम करें ?

मुख्य परीक्षा का सामना करने के लिए प्रभावी समय-प्रबन्धन के साथ एक व्यवस्थित, नियोजित तैयारी की आवश्यकता है. आपको प्रतिस्पर्धी बढ़त हासिल करने के लिए अपने मजबूत क्षेत्रों पर ध्यान केन्द्रित करना होगा और कमजोर क्षेत्रों पर गम्भीरता से काम करना होगा, ताकि यह आपके समग्र अंकों पर कोई असर न डाले.

इसमें वैचारिक स्पष्टता की आवश्यकता है

यह कोई अलग सोच नहीं, आपको बुनियादी बातों के बारे में स्पष्टता की आवश्यकता है, ताकि आप विषयवस्तु को अच्छी तरह समझ सकें और पूछे जाने वाले प्रश्नों को समझने की स्थिति में हों.

अब, इतने सारे प्रश्नों के सीमित समय के भीतर उत्तर देने के लिए, आपसे आशा की जाती है कि आप विषयवस्तु पर सीधे और सटीक हों.

प्रभावी ढंग से ज्ञानार्जन करें और समय-समय पर इसे संशोधित करें

इस परीक्षा के लिए एक विशाल पाठ्यक्रम है जिसमें विविध विधाओं से सम्बन्धित बहुत सारे विषय शामिल हैं. यह आपके ज्ञान और जागरूकता का एक परीक्षण है जिसका सामना करने हेतु निरन्तर आपको सीखना है और समय-समय पर संशोधित करना है, ताकि स्पष्टता उभर सके और आप उस जानकारी के बारे में सुनिश्चित हो जाएं, जो आपने पढ़ा है और ध्यान में रखते हैं.

आप मुख्य परीक्षा स्तर पर तैयारी हेतु चयनात्मक होने के लिए कुछ सलाह प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन वर्तमान सेटअप को देखते हुए, यह कुछ अप्रत्याशित प्रश्नों का सामना करने के लिए अच्छी तरह से पढ़ना और विस्तृत रूप से तैयार होना ही विवेकपूर्ण है.

वैकल्पिक विषय उचित सम्मान के योग्य है

जबकि सभी चारों सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र मस्तिष्क के शीर्ष पर हैं, वैकल्पिक विषय में आपको उत्थान की क्षमता है और सभ्य स्कोर आपके पक्ष में चीजें बदल सकता है.

एक स्मार्ट उम्मीदवार वैकल्पिक विषय के महत्व को समझता है और सामान्य अध्ययन के मुकाबले में उपलब्ध उच्च स्कोरिंग अवसरों को समझता है, क्योंकि वैकल्पिक विषय पाठ्यक्रम अच्छी तरह से परिभाषित तो है साथ ही जहाँ तक विषय का सम्बन्ध है वहाँ कुछ अनुमानितता भी रहती है.

अभी भी, आपके पास वैकल्पिक विषय की आवश्यकताओं को देखने के लिए हाथ में पर्याप्त समय है और अगर आपको लगता है कि इसके लिए ध्यान देने की आवश्यकता है, तो इसके अनुसार इसे प्राथमिकता दें.

उत्तर लेखन अभ्यास को अनदेखा न करें

यह समय तैयार करने के साथ अपनी तैयारी का मूल्यांकन करने का है, क्योंकि सम्भवतः आपको परीक्षा की समयावधि में लिखने के लिए तैयार होना है. चाहे सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र हो या वैकल्पिक विषय का, आजकल बहुत से अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा के लिए टेस्ट सीरिज़ में शामिल होने के साथ आने वाली चीजों का अनुभव करने का प्रयास करते हैं.

हाल के वर्षों में, वर्ष 2013 में आए नए मुख्य परीक्षा प्रारूप के बाद, टेस्ट सीरिज़ का महत्व काफी बढ़ गया है और बहुत से सफल उम्मीदवारों ने इसके लाभों के बारे में खुलेतौर पर बात की है.

सिर्फ याद रखने के लिए अध्ययन न करें, लेकिन पाठ को समझने की कोशिश करें और जानें

यह तैयारी रणनीति की जड़ जैसा है कि यहाँ पर रटने से काम नहीं बनेगा, मदद केवल सीखने से ही मिलेगी. आपको विषय, सम्बन्धित मुद्दों को समझना होगा और केवल अद्यतित ज्ञान और इसके उपयोग से आपको प्रश्नों के जवाब देने में प्रभावी ढंग से सहायता मिलेगी.

इस प्रयोजन के लिए बुनियादी पुस्तकों से विषय के बारे में स्पष्टता आएगी और सम्बन्धित मानक पाठ्य-पुस्तकें आपको ज्ञान प्रदान करेंगी, जबकि वास्तविकता में समाचार-पत्रों और इंटरनेट के रूप में आप नवीनतम जानकारियों के साथ आगे बढ़ते हैं.

पिछले वर्षों के रुझानों के आधार पर विकसित हो रहे मुद्दे पहचानें और मूल्यांकन करें

शुरूआत में सलाह दी जाती है कि पाठ्यक्रम और हाल के वर्षों के प्रश्न-पत्रों पर नज़र डालें; जबकि पाठ्यक्रम व्यापक रूप से सीमा को परिभाषित करता है, वहीं हाल के वर्षों के प्रश्न-पत्र स्पष्ट रूप से आने वाली चीजों, रुझान की ओर संकेत करते हैं तथा परीक्षक की अपेक्षाओं को स्पष्ट करते हैं.

अन्तिम, लेकिन महत्वपूर्ण-निबन्ध

हाल के वर्षों में निबन्ध प्रश्न-पत्रों के अंक में योगदान काफी बढ़ गया है. अगर इसे कभी-कभी 'खेल परिवर्तक' कहा जाता है, तो ऐसा होने की क्षमता भी है इन प्रश्न-पत्रों में.

प्रयास-पुरस्कार के आधार पर देखें, तो इसमें काफी अधिक सम्भावना है, इसके अलावा आपको इसके लिए तैयार करने के लिए अलग तैयारी और किताबें या सामान की आवश्यकता नहीं है.

निबन्ध प्रश्न-पत्रों की तैयारी आपकी पूरी तैयारी के आधार पर ही हो जाती है और केवल जो आपकी मदद करते हैं वह हैं—लेखन शैली और प्रस्तुति. ये परीक्षक का ध्यान आकर्षित करते हैं.

इसलिए, यह कार्य और प्रभावी तैयारी का समय है. आप अपना सर्वश्रेष्ठ आगे लाएं और अपनी ओर से सब कुछ दाव पर लगा दें. इस स्तर पर एक अच्छा प्रदर्शन सफलता की सम्भावनाओं को सुनिश्चित करेगा और साक्षात्कार पर निर्भरता कम करेगा.

तैयारी करते रहें और धीरे-धीरे अपने गंतव्य की ओर कदम बढ़ाएं.

अग्रिम शुभकामनाएं. 

CAT-2017
कैसे करें कैट की तैयारी ?

✍ संजय सुमन

भारत के प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थानों में पढ़कर कैरियर बनाने का सपना पूर्ण करने के लिए कैट (CAT) यानि कॉमन एडमिशन टेस्ट पहली सीढ़ी है. इस सीढ़ी को पार करने के लिए सिर्फ मेहनत ही नहीं, बल्कि सूझ-बूझ, आलोचनात्मक बुद्धि के साथ-साथ एक खास रणनीति भी अपनानी पड़ती है. इस रणनीति में प्रति वर्ष बदलाव की भी जरूरत पड़ती है, क्योंकि परीक्षा का पैटर्न प्रत्येक वर्ष कुछ-न-कुछ बदलता रहता है. इन बाधाओं को पार करने के बाद ही इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, अहमदाबाद, बेंगलूरू, लखनऊ, कोलकाता, इंदौर आदि में दाखिले का मौका मिलता है.

देश के प्रतिष्ठित 20 भारतीय प्रबंधन संस्थानों (IIM) में प्रवेश की अर्हता देने वाली इस परीक्षा के लिए 20 सितम्बर, 2017 तक ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है. आईआईएम के अलावा देश के कई अन्य प्रमुख बिजनेस स्कूल भी कैट के स्कोर को अपनी दाखिला प्रक्रिया का आधार बनाते हैं. कैट का आयोजन इस वर्ष 26 नवम्बर, 2017 को होगा.



परीक्षा से सम्बन्धित बदलावों, उससे सम्बन्धित सभी महत्वपूर्ण पहलुओं, विषयवार तैयारी की रणनीति एवं पुस्तकों की चर्चा को हम यहाँ प्रकाशित कर रहे हैं. हमें विश्वास है कि इन जानकारियों से आपको कैट की तैयारी करने में आसानी होगी.

शैक्षणिक योग्यता

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों (समकक्ष सीजीपीए) के साथ बैचलर डिग्री प्राप्त कर चुके युवा, कैट के लिए आवेदन कर सकते हैं. न्यूनतम अंक की यह सीमा एससी, एसटी और शारीरिक रूप से अक्षम अभ्यर्थियों के लिए 45 प्रतिशत है. इस वर्ष ग्रेजुएशन के अन्तिम वर्ग या सेमेस्टर की परीक्षा में शामिल हो चुके वे छात्र भी आवेदन कर सकते हैं, जो परीक्षा परिणाम का इंतजार कर रहे हैं.

आरक्षण

15 प्रतिशत अनुसूचित जाति, 7·5 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति और 27 प्रतिशत अति पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए सीटें आरक्षित हैं.

चयन प्रक्रिया

CAT स्कोर IIM संस्थानों के लिए एक स्क्रीनिंग टेस्ट का काम करता है. इसके आधार पर वह उम्मीदवारों को दाखिले से पहले की चयन प्रक्रिया के लिए चुनते हैं. इस प्रक्रिया को सभी IIM अपने हिसाब से तय करते हैं. इसमें आमतौर पर रिटेन एबिलिटी टेस्ट (WAT), ग्रुप डिस्कशन (GD) और पर्सनल इंटरव्यू (PI) में से कोई दो या सभी चरण शामिल होते हैं. CAT का परीक्षा परिणाम जारी होने के बाद सभी IIM अलग-अलग पर्सेंटाइल तय करते हैं और उस दायरे में आने वाले अभ्यर्थियों को अपनी चयन प्रक्रिया में शामिल होने के लिए बुलाते हैं.

परीक्षा प्रारूप

- कैट परीक्षा पूरी तरह ऑनलाइन होगी.
- प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार (Multiple Choice) की होगी.

खण्ड	विषय	प्रत्येक खण्ड में समय	कुल समय	कुल प्रश्न
I	वर्बल एबिलिटी और रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन	60 मिनट		
II	डाटा इंटरप्रिटेशन और लॉजिकल रीजनिंग	60 मिनट	180 मिनट	सम्भावित प्रश्नों की संख्या 100
III	क्वांटिटेटिव एबिलिटी	60 मिनट		
CAT वेबसाइट—www.iimcat.ac.in				

सिलेबस

- **क्वांटिटेटिव एबिलिटी**—ज्योमेट्री, क्वाड्रेटिक एण्ड लीनियर इक्वेशंस, अलजेब्रा, प्रॉफिट एण्ड लॉस, एवरेज, परसेंटेज, पार्टनरशिप, वर्क एण्ड टाइम, नम्बर सिस्टम, मेंसुरेशन, सेटथ्योरी, वेन डायग्राम, प्रोबेबिलिटी, सिम्पल एण्ड कम्पाउंड इन्टेरेस्ट, स्पीड, परम्यूटेशन एण्ड कम्बाइनेशन आदि.
- **डाटा इंटरप्रिटेशन एण्ड लॉजिकल रीजनिंग**—टेबल्स, ग्राफ्स, चार्ट, क्रिटिकल रीजनिंग, विजुअल रीजनिंग, स्टेटमेंट एण्ड एक्जेम्पसन, स्टेटमेंट एण्ड कनक्लूजन, काउज एण्ड इफेक्ट्स, लीनियर अरेंजमेंट, पजल्स, फंक्शंस, कोडिंग और डिकोडिंग, डायग्रेमेटिकल रिप्रेजेंटेशन, लॉजिकल गेम्स, कैलेण्डर, क्यूब, क्लॉक्स, ब्लड रिलेशन आदि.
- **वर्बल एबिलिटी और रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन**—क्रिटिकल रीजनिंग, पैराग्राफ फॉरमिंग, पैसेज, एंटोनिम्स, फिल इन द ब्लैंक्स, जंबल पैराग्राफ्स, फॉरेन लैंग्वेज वर्ड, मैनिया एण्ड फोबिया, पंक्चुएशन, प्रोवर्ब एण्ड फ्रेज इनकरेक्ट वर्ड आदि.

कैट से मिलेगा इनमें प्रवेश

1. आईआईएम, अहमदाबाद
2. आईआईएम, अमृतसर
3. आईआईएम, बंगलौर
4. आईआईएम, बोधगया
5. आईआईएम, कोलकाता
6. आईआईएम, इंदौर
7. आईआईएम, जम्मू
8. आईआईएम, काशीपुर
9. आईआईएम, कोजिकोडे
10. आईआईएम, लखनऊ
11. आईआईएम, नागपुर
12. आईआईएम, रायपुर
13. आईआईएम, राँची
14. आईआईएम, रोहतक
15. आईआईएम, सम्बलपुर
16. आईआईएम, सिलांग
17. आईआईएम, सिरमौर
18. आईआईएम, तिरुचिरापल्ली
19. आईआईएम, उदयपुर
20. आईआईएम, विशाखापत्तनम्

कैट द्वारा पूरी करें IIM की दौड़—तैयारी की रणनीति

कॉमन एडमिशन टेस्ट यानि कैट (CAT) की परीक्षा 26 नवम्बर, 2017 को होनी है. अगर आप इस बार कैट दे रहे हैं, तो अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने का यह सही समय है. तो, आइए विषयवार तैयारी की रणनीति बनाएं–सर्वप्रथम यह

जान लें कि CAT परीक्षा के लिए लम्बी प्लानिंग जरूरी है. यह परीक्षा कॉलेज की



परीक्षा से एकदम अलग होती है. पिछले वर्षों के प्रश्नों कों देखें, तो सभी प्रश्न काफी जटिल एवं हाई स्टैंडर्ड के होते हैं. इसीलिए तैयारी की अलग स्ट्रेटजी बनाना जरूरी है. बेहतर होगा सबसे पहले विभिन्न विषयों की अच्छी किताबों का गहन अध्ययन करें. उपकार प्रकाशन की Solved Paper से प्रश्नों के पैटर्न को समझें. प्रतिदिन अंग्रेजी अखबार (द हिन्दू, टाइम्स ऑफ इंडिया, हिन्दुस्तान टाइम्स आदि) का सम्पादकीय, बिजनेस पत्रिका आदि को पढ़े. यदि आपने सम्बन्धित विषयों की पुस्तकों को टॉपिक-वाइज पढ़ लिया है, तो कम्प्यूटर फ्रेंडली बनने का अभ्यास करें.

क्वांटिटेटिव एबिलिटी–इसके लिए प्रश्न के पीछे छिपी बेसिक थ्योरी समझने का प्रयास करें. पढ़ाई से पूर्व टॉपिक के सूत्र और सिद्धान्त को एक बार देख लें. इसके बाद बिना उत्तर पर नजर डाले उदाहरण में दिए गए सवाल हल करें. स्पीड टेक्निक और शॉर्ट कट फॉर्मूले कैट में मददगार नहीं होंगे. कैट में प्रत्येक क्षेत्र के फंडे समझने की आपकी क्षमता का टेस्ट होता है, इसलिए इस सेक्शन को समझने में पूरी काबिलियत से मेहनत करें. यह भाग मुख्यरूप से चार हिस्सों में बँटा होता है–1. नम्बर और ज्योमेट्री एवं मेंसुरेशन, 2. अर्थमेटिक, 3. एल्जेब्रा, 4. प्योर मैथ. इन चारों हिस्सों को सिस्टमैटिक ढंग से तैयार करना जरूरी होता है.

रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन/वर्बल एबिलिटी–रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन में पढ़ने और पढ़े हुए को समझने की आपकी क्षमता का टेस्ट लिया जाता है. इसके लिए आपको इकॉनोमिक्स पर दिए गए टॉपिक्स पढ़ने और समझने होंगे. इसके लिए रोज अंग्रेजी अखबार का आर्टिकल या सम्पादकीय पढ़ें, एकबार, दो बार आर्टिकल को पढ़ें एवं मुख्य बिन्दुओं को अंडरलाइन करें. इस तरह अपनी समझ को बढ़ाएं. इसके लिए ग्रामर और वोकैब्लरी दोनों को मजबूत करना होगा.

डाटा इंटरप्रिटेशन/लॉजिकल रीजनिंग–इस सेक्शन में आँकड़ा विश्लेषण, लॉजिकल गेम्स, ब्लड रिलेशन, पजल्स आदि से सम्बन्धित प्रश्न होते हैं. इसके लिए उपकार प्रकाशन की पुस्तकें लाभदायक होंगी.

अंत में, कैट परीक्षा में सफल होने के लिए स्मार्ट प्लानिंग (खासकर समय निर्धारण) के साथ कड़ी मेहनत और कभी न हारने वाली हिम्मत की जरूरत है. इतने अधिक प्रतियोगियों के शामिल होने से यह जाहिर है कि इस परीक्षा में 'बेस्ट ब्रेन' वाले प्रतियोगी ही सफल होते हैं. इस परीक्षा में सफल होने के लिए सही तकनीक, उचित रणनीति, समय प्रबंधन ही ऐसी चीज है, जो आपको सफलता दिला सकती है. CAT में सफलता के लिए आपके मन में कोई सवाल हो, तो आप www.careersalah.com के माध्यम से मो.: 9897267851 पर जवाब ले सकते हैं. कैट की उच्चस्तरीय पुस्तकों के लिए आप www.xaviersbooks.com का सहारा भी ले सकते हैं.



तथ्य एक दृष्टि में :

प्रमुख देशों के राष्ट्रीय गान

जन गण मन	भारत	रबीन्द्रनाथ टैगोर
ओ कनाडा	कनाडा	लालिक्सा लावली
ला मार्लेइयाजा	फ्रांस	क्लॉड लिजेल
गॉड सेव द क्वीन	यूनाइटेड किंगडम	जानबुल
आमार सोनार बांग्ला	बांग्लादेश	रबीन्द्रनाथ टैगोर
द स्टार सपैगल्ड बैनर	अमरीका	फ्रांसिस स्काट
डयूशलैण्ड लाइड	जर्मनी	हेडिन
लैड ऑफ मार्निंग	फिलीपीन्स	जोस पलमा
द्रुपरन आर एडबासिंग	वियतनाम	वान काव
कौमी तराना	पाकिस्तान	हाफिज जुलुंधरी

तथ्य एक दृष्टि में :

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के दौरान कहे गए महत्वपूर्ण कथन

वचन एवं नारे	नाम
1. इंकलाब जिन्दाबाद	भगत सिंह
2. दिल्ली चलो	सुभाषचन्द्र बोस
3. करो या मरो	महात्मा गांधी
4. जय हिन्द	सुभाषचन्द्र बोस
5. पूर्ण स्वराज्य	जवाहरलाल नेहरू
6. हिन्दी, हिन्दू, हिन्दोस्तान	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
7. वेदों की ओर लौटो	दयानन्द सरस्वती
8. आराम हराम है	जवाहरलाल नेहरू
9. हे राम	महात्मा गांधी
10. भारत छोड़ो	महात्मा गांधी
11. जय जवान, जय किसान	लालबहादुर शास्त्री (1965 में पाकिस्तान युद्ध के समय)
12. मारो फिरंगी	मंगल पांडे
13. जय जगत	विनोवा भावे
14. कर मत दो	सरदार वल्लभभाई पटेल
15. सम्पूर्ण क्रान्ति	जयप्रकाश नारायण
16. विजयी विश्व तिरंगा प्यारा	श्यामलाल गुप्ता पार्षद
17. वन्दे मातरम्	बंकिमचन्द्र चटर्जी
18. जन-गण-मन अधिनायक जय हे	रबीन्द्रनाथ ठाकुर
19. साम्राज्यवाद का नाश हो	भगत सिंह
20. स्वराज्य हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है	बाल गंगाधर तिलक
21. सरफरोशी की तमन्ना, अब हमारे दिल में है	रामप्रसाद विस्मिल
22. "सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्ताँ हमारा"	इकबाल
23. तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूँगा	सुभाषचन्द्र बोस
24. साइमन कमीशन वापस जाओ	लाला लाजपत राय
25. हू लिब्स इफ इंडिया डाइज	जवाहरलाल नेहरू
26. मेरे सिर पर लाठी का एक-एक प्रहार, अंग्रेजी शासन के बाबूत की कील साबित होगा	लाला लाजपत राय
27. मुसलमान मूर्ख थे, जो उन्होंने सुरक्षा की माँग की और हिन्दू उनसे भी मूर्ख थे, जो उन्होंने उस माँग को ठुकरा दिया.	अब्दुल कलाम आजाद

स्मरणीय तथ्य






राष्ट्रीय

1. भारतीय जनता पार्टी के किस वरिष्ठ नेता को 11 अगस्त, 2017 को भारत के उपराष्ट्रपति पद की शपथ राष्ट्रपति ने दिलायी ?
– वेंकैया नायडू

☛ *अगस्त 2017 में सम्पन्न उपराष्ट्रपति के निर्वाचन में भारतीय जनता पार्टी के वेंकैया नायडू ने कांग्रेस एवं विपक्ष समर्थित उम्मीदवार गोपाल कृष्ण गांधी को हराकर विजय प्राप्त की तथा 11 अगस्त, 2017 को पद सँभाला. वेंकैया नायडू भैरों सिंह शेखावत के बाद भारतीय जनता पार्टी समर्थित दूसरे उपराष्ट्रपति हैं.*

2. 19 अगस्त, 2017 को उत्तर प्रदेश में मुजफ्फरनगर के पास खतौली में कौनसी एक्सप्रेस ट्रेन की बोगियाँ पटरी से उतरने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गईं ?
– कलिंगा उत्कल एक्सप्रेस

☛ *ओडिशा में पुरी एवं उत्तर प्रदेश में हरिद्वार के बीच चलने वाली कलिंगा उत्कल एक्सप्रेस 19 अगस्त, 2017 को मुजफ्फरनगर के पास खतौली में दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिसमें अनेक व्यक्ति मारे गए एवं घायल हुए. दुर्घटना का कारण रेलवे लाइन में खराबी आना प्रारम्भिक तौर पर बताया जा रहा है.*

3. अगस्त 2017 में समाचारों में चर्चित म्यांमार के किस समुदाय के शरणार्थी भारत में लम्बे समय से रह रहे हैं ?
– रोहिंगया (Rohingya)

☛ *म्यांमार के लगभग 40,000 रोहिंगया शरणार्थी भारत में रह रहे हैं. भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने इनकी समस्याओं आदि के सम्बन्ध में भारत सरकार से अगस्त 2017 में रिपोर्ट माँगी है.*

4. भारत के उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जे. एस. खेहर की सेवानिवृत्ति के बाद कौन इस पद पर नियुक्त हुआ है ?
– दीपक मिश्रा

☛ *उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश दीपक मिश्रा ने 28 अगस्त, 2017 को मुख्य न्यायाधीश का पद सँभाल लिया है. निवर्तमान न्यायाधीश जे. एस. खेहर का इस पद पर कार्यकाल 27 अगस्त, 2017 को समाप्त हो गया है.*

5. नीति (NITI) आयोग का दूसरा उपाध्यक्ष अगस्त 2017 में कौन नियुक्त हुआ है ?
– राजीव कुमार

☛ *नीति (NITI—National Institution for Transforming India) के प्रथम उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया थे जिन्होंने व्यक्तिगत कारणों से 1 अगस्त, 2017 को इस पद से त्यागपत्र दे दिया था. सरकार ने प्रमुख अर्थशास्त्री राजीव कुमार को नीति आयोग का उपाध्यक्ष पनगढ़िया के स्थान पर नियुक्त किया है. नीति आयोग का अध्यक्ष प्रधानमंत्री होता है.*

6. सरकार ने वित्तीय वर्ष 2017-18 में सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनियों में अनिवेश के द्वारा धन इकट्ठा करने के लिए अगस्त 2017 में एक किस नए एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ETF) का गठन किया है ?
– भारत-22

☛ *भारत-22 नाम के कोष में 22 सार्वजनिक कम्पनियों के शेयर सम्मिलित हैं. निजी निवेशक अपने निवेश के तहत् ईटीएफ के यूनिट खरीद सकते हैं जिन्हें शेयर बाजार में सूचीबद्ध किया जाएगा. सरकार का 2017-18 में सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनियों में अनिवेश द्वारा इस प्रकार से ₹ 72,500 करोड़ जुटाने का लक्ष्य है.*

7. किस फिल्मी लेखक एवं गीतकार को केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सेंसर बोर्ड) का नया अध्यक्ष अगस्त 2017 में नियुक्त किया गया है ?
– प्रसून जोशी

☛ *केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा 11 अगस्त, 2017 को की गई एक घोषणा के अनुसार प्रसून जोशी को केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (CBFC) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है. इस पद पर रहे पहलाज निहलानी का स्थान प्रसून जोशी ने लिया है.*

8. 12 अगस्त, 2017 को विश्व गज दिवस के अवसर पर 2017 की गणना के जारी किए गए अनंतिम आँकड़ों के अनुसार वर्तमान में भारत में हाथियों की कितनी संख्या है ?
– 27312

☛ *अगस्त 2017 में जारी अनंतिम आँकड़ों के अनुसार भारत में हाथियों की संख्या 27312 है. इसमें कर्नाटक में 6049, असम में 5719 तथा केरल में 3054 हाथी हैं अर्थात् कर्नाटक राज्य में सर्वाधिक हाथी हैं.*

9. उच्चतम न्यायालय ने मुस्लिम समुदाय की किस परम्परा को 22 अगस्त, 2017 को असंवैधानिक घोषित किया ?
– तलाक-ए-बिद्दत (तीन तलाक)

☛ *तलाक-ए-बिद्दत या तीन तलाक की प्रथा हनफी पंथ को मानने वाले सुन्नियों एवं अन्य मुस्लिमों में वर्षों से चली आ रही प्रथा है जिसमें पुरुष अपनी पत्नी को कभी भी तीन बार बोलकर या लिखकर तलाक, तलाक, तलाक कह कर विवाह विच्छेद कर सकता है. अनेक महिलाओं द्वारा इसके विरुद्ध उच्चतम न्यायालय में दायर याचिका पर पाँच न्यायाधीशों की पीठ ने निर्णय देते हुए इसे असंवैधानिक घोषित किया है.*

10. उच्चतम न्यायालय में जम्मू-कश्मीर से सम्बन्धित संविधान के किस अनुच्छेद को चुनौती देने के कारण यह चर्चित रहा है ?
– अनुच्छेद 35 क (35A)

☛ *अनुच्छेद 35 क (35A) जम्मू-कश्मीर के संविधान में उल्लिखित है जिसके द्वारा वहाँ के स्थायी निवासियों को राज्य के अधीन नियोजन, स्थावर सम्पत्ति अर्जन एवं स्थायी रूप से बसने का अधिकार दिया गया है अर्थात् जो स्थायी निवासी नहीं है उसे ये अधिकार प्राप्त नहीं होंगे. इस अनुच्छेद एवं इसकी व्यवस्था को उच्चतम न्यायालय में एक लोकहित वाद (Public Interest Litigation) द्वारा चुनौती दी गई है, जोकि अभी विचाराधीन है. अनुच्छेद 370 के तहत् इस अनुच्छेद को राष्ट्रपति ने संविधान में एक आदेश द्वारा मान्यता दी है.*

11. जुलाई-अगस्त 2017 में श्रीलंका में खेली गई भारत-श्रीलंका क्रिकेट टेस्ट सीरीज में कौन विजयी रहा ? **– भारत**

☛ *भारत की क्रिकेट टीम ने श्रीलंका में तीन टेस्ट मैचों की शृंखला जुलाई-अगस्त 2017 में खेली. भारत ने तीनों मैचों में विजय प्राप्त कर शृंखला 3–0 से जीत ली. शिखर धवन को इस टेस्ट शृंखला में 'मैन ऑफ द सीरीज' का सम्मान दिया गया. विराट कोहली की कप्तानी में भारत की यह लगातार आठवीं टेस्ट शृंखला विजय है.*

अन्तर्राष्ट्रीय

1. विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2017 में पुरुषों एवं महिलाओं की 100 मी दौड़ क्रमशः किसने जीती ?

– जस्टिन गैटलिन, टोरी बोवी

☛ *अगस्त 2017 में अमरीका के जस्टिन गैटलिन और टोरी बोवी ने लंदन में आयोजित विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप-2017 में क्रमशः पुरुषों एवं महिलाओं की 100 मी दौड़ जीती. विश्व रिकॉर्डधारी जमैका के उसेन बोल्ट का पुरुषों की 100 मी दौड़ में तीसरा स्थान रहा.*

2. पाँच देशों के संगठन 'ब्रिक्स' (BRICS) का आगामी शिखर सम्मेलन कहाँ आयोजित होने जा रहा है ? **– चीन**

☛ *ब्राजील, रूस, इंडिया, चीन और साउथ अफ्रीका (BRICS) के संगठन का आगामी शिखर सम्मेलन चीन के तटीय शहर शियामेन (Xiamen) में 3–5 सितम्बर, 2017 को आयोजित किया जाएगा. इसका थीम है–''ब्रिक्स : स्ट्राँगर पार्टनरशिप फॉर ए ब्राइटर फ्यूचर''.*

3. वर्ष 2024 के 33वें ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेलों का आयोजन कहाँ प्रस्तावित है ? **– पेरिस (फ्रांस)**

☛ *अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (IOC) की 31 जुलाई की एक बैठक में बनी सहमति के अनुसार 2024 के 33वें ओलम्पिक खेल फ्रांस में पेरिस में होंगे. इससे पूर्व 1900 तथा 1924 में ओलम्पिक खेल भी पेरिस में सम्पन्न हो चुके हैं. 2020 के 32वें ओलम्पिक खेलों का आयोजन जापान में टोकियो में होगा.*

4. टेस्ट क्रिकेट में 43वीं हैट्रिक 31 जुलाई, 2017 को किस गेंदबाज ने बनाई ? **– मोइन अली**

☛ *इंगलैण्ड के मोइन अली ने लंदन में ओवल के मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध टेस्ट मैच में दूसरी पारी में लगातार तीन बल्लेबाजों को आउट कर हैट्रिक बनाई. मोइन अली क्रिकेट टेस्ट मैचों में हैट्रिक बनाने वाले 39वें गेंदबाज हैं.*

5. भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में नवाज शरीफ के प्रधानमंत्री पद से त्यागपत्र देने के बाद किसे नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है ? **– शाहिद खाकान अब्बासी**

☛ *प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को एक भ्रष्टाचार मामले में नाम आने पर प्रधानमंत्री पद से त्यागपत्र देना पड़ा था. नवाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) (पीएमएल-एन) के शाहिद खाकान अब्बासी को 1 अगस्त, 2017 को नेशनल असेम्बली में हुए निर्वाचन में सर्वाधिक मत प्राप्त करने पर राष्ट्रपति मामनून हुसैन ने पाकिस्तान का प्रधानमंत्री नियुक्त किया है.*

6. वर्ल्ड बॉक्सिंग चैम्पियनशिप अगस्त 2017 में कहाँ आयोजित की गई ? **– हैम्बर्ग (जर्मनी)**

☛ *वर्ल्ड बॉक्सिंग चैम्पियनशिप का आयोजन जर्मनी के हैम्बर्ग नगर में अगस्त 2017 में किया गया. इसमें 280 मुक्केबाजों ने भाग लिया जिसमें ओलम्पिक के पदक विजेता भी सम्मिलित थे. इसमें भारत के मुक्केबाज भी सम्मिलित थे.*

7. भारत के किस पड़ोसी राष्ट्र में सितम्बर 2017 में हाई स्पीड बुलेट ट्रेन चलानी प्रारम्भ की जाएगी ? **– चीन**

☛ *चीन में बीजिंग एवं शंघाई नगरों के बीच हाई स्पीड बुलेट ट्रेन 'फाक्सिंग' (Fuxing) सितम्बर 2017 में चलाने की घोषणा अगस्त 2017 में की है. यह ट्रेन 350 किमी प्रति घण्टा की गति से 1250 किमी की दूरी पूरी करेगी. चीन के अनुसार यह विश्व की सर्वाधिक गति वाली ट्रेन होगी.*

8. वर्ल्ड रेसलिंग चैम्पियनशिप अगस्त 2017 में कहाँ सम्पन्न हुई ? **– पेरिस (फ्रांस)**

☛ *विश्व कुश्ती (Wrestling) चैम्पियनशिप का आयोजन फ्रांस में पेरिस में अगस्त 2017 में हुआ.*

9. अमरीका के किस युद्धपोत की टक्कर एक तेल टैंकर से अगस्त 2017 में सिंगापुर में हुई ?

– यूएसएस जॉन एस. मैक्केन (USS John S. Mc Cain)

☛ *अमरीका की नौसेना के विध्वंसक युद्धपोत यूएसएस जॉन एस. मैक्केन को लाइबेरिया के झंडे वाले एक तेल टैंकर आल्निक एमसी (Alnic MC), जोकि ताइवान से 12000 टन तेल लेकर सिंगापुर जा रहा था सिंगापुर के पास समुद्र में टक्कर मार दी.*

10. भारत के पंचायती राज के अध्ययन पर आधारित किस पुस्तक को जापान का प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हुआ ?

– A New Statistical Domain in India : An Enquiry in to Village Panchayat Databases

☛ *द जापान सोसाइटी ऑफ इकॉनॉमिक स्टेटिसटिक्स (JSES) ने 2017 का अपना शोध सम्बन्धी प्रतिष्ठित पुरस्कार योकोहामा नेशनल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर जुन-इची ओकाबे (Jun-ichi Okabe) को प्रदान किया गया. प्रोफेसर ओकाबे ने भारत में महाराष्ट्र एवं प. बंगाल के गाँवों की पंचायतों का अध्ययन करने के बाद 'ए न्यू स्टेटिसटिकल डोमेन इन इंडिया : एन इंक्वारी इन टू विलेज पंचायत डाटाबेसज'' लिखी थी. पुस्तक की सह-लेखिका अपराजिता बख्शी हैं.*

11. ब्रिटेन की कौनसी विश्व प्रसिद्ध पुरानी घड़ी 21 अगस्त, 2017 से चार वर्ष के लिए बंद की गई है ? **– बिग बेन (Big Ben)**

☛ *ब्रिटेन की विश्व प्रसिद्ध घड़ी बिग बेन मरम्मत एवं संरक्षण कार्य हेतु चार वर्ष के लिए बंद की गयी हैं. 157 वर्ष पुरानी 13·7 टन वजनी यह घड़ी ब्रिटिश संसद के पास स्थित 315 फीट ऊँचे एलिजाबेथ टॉवर पर लगी हुई थी.*

12. केन्या में अगस्त 2017 में सम्पन्न राष्ट्रपति निर्वाचन में कौन दोबारा राष्ट्रपति निर्वाचित हुआ ?

– ऊहुरू केन्यात्ता (Uhuru Kenyatta)

☛ *अफ्रीकी राष्ट्र केन्या में ऊहुरू केन्यात्ता अपने विरोधी उम्मीदवार रायला ओडिंगा को हराकर अगस्त 2017 में पुनः केन्या के राष्ट्रपति निर्वाचित हो गए हैं. राष्ट्रपति केन्यात्ता को 54 प्रतिशत मत प्राप्त हुए.*

●●●

भारत @ 70 : एक लम्बी यात्रा तय करनी है...

भारत अब कोई अनुभवहीन देश नहीं है जैसा कि आजादी मिलने के समय था. अब यह विश्व की सातवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है. निवेशकों के लिए अब यह सर्वाधिक आकर्षक बाजारों में से एक हैं. विश्व की दूसरी सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश भारत वैश्विक निगमों को एक बहुत बड़ा बाजार मुहैया कराता है. निवेश के मामले में वैश्विक कम्पनियों की भारत में बढ़ती संख्या इसका प्रमाण हैं. भारतीय अर्थव्यवस्था जहाँ एक ओर निरन्तर सुदृढ़ता की ओर बढ़ रही है वहीं दूसरी ओर सामाजिक सूचकों में भी तेजी से सुधार हो रहा है। देश के बच्चों का कमजोर स्वास्थ्य जनांकिकीय लाभांश भुनाने में एक प्रबल बाधा है.



वास्तविक मूल्यों में भारत की अर्थव्यवस्था 1950-51 की तुलना में 40 गुना बड़ी है.

स्थिर कीमतों पर जीडीपी (₹ करोड़)



प्रचलित कीमतों पर भारतीय अर्थव्यवस्था 1950-51 की तुलना में 1500 गुना बड़ी

वास्तविक कीमतों पर भारतीयों की प्रतिव्यक्ति आय 1950-51 के सापेक्ष 10 गुना अधिक है।

स्थिर कीमतों पर प्रति व्यक्ति आय

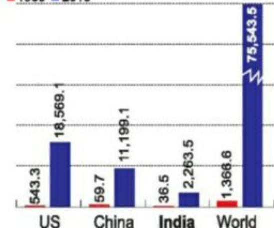


प्रचलित कीमतों पर प्रति व्यक्ति आय 1950-51 के सापेक्ष 2016-17 में 375 गुना अधिक है

*2004-05 शृंखला ^2011-12 शृंखला

भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की सातवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है तथापि सं. रा. अमरीका और चीन की तुलना में इसका आकार अभी भी छोटा है।

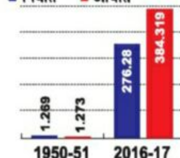
प्रचलित डॉलर मूल्य में जीडीपी ($ बिलियन)



- विश्व जीडीपी में भारतीय अर्थव्यवस्था का हिस्सा 2·7% से बढ़कर 3% ही हो सका है, जबकि चीन का हिस्सा 4·4% से बढ़कर 14·8% हो गया है.
- 1960 की तुलना में चीन की अर्थव्यवस्था का आकार 2016 में भारतीय अर्थव्यवस्था से पाँच गुना बढ़ गया है.

तेजी से बढ़ती उपभोग माँग से निर्यातों की तुलना में आयातों की संवृद्धि अधिक तेजी रही है.

आयात/निर्यात अमरीकी डॉलर ($ बिलियन)





चीन एवं सं. रा. अमरीका भारत के सबसे बड़े व्यापार भागीदार देश हैं

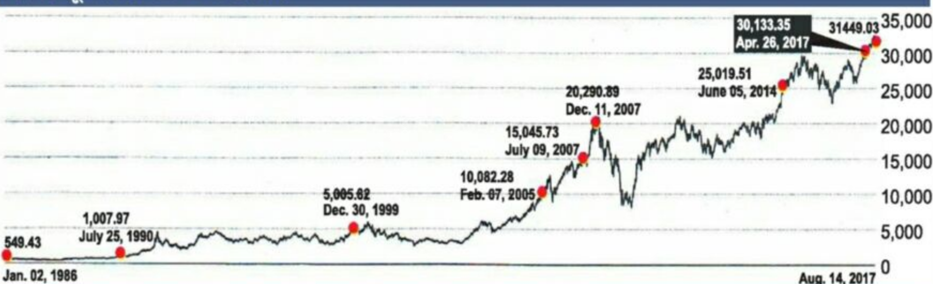
भारत में बढ़ते विदेशी निवेश से विदेशी विनिमय के प्रारक्षित कोषों में भारी वृद्धि

($ बिलियन)





शेयर सूचकांक की ऊँची छलाँग



आर्थिक प्रगति सामाजिक खुशहाली में रूपान्तरित नहीं हो सकी

स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं में सुधार के बावजूद शिशु मृत्यु दर अभी भी ऊँची

शिशु मृत्यु दर ■ 1950 ■ 2015





अपर्याप्त पोषण से बड़ी संख्या में बच्चे अपनी आयु के अनुसार अल्पभार वाले एवं बौने हैं.

बौने बच्चों (0-5 वर्ष) का प्रतिशत



* भारत के आँकड़े 1989 तथा सं. रा. अमरीका के 1991 से सम्बन्धित हैं

^ चीन के आँकड़े 2010 तथा सं. रा. अमरीका के 2012 से सम्बन्धित हैं

Source: Mospi, Commerce Ministry, World Bank

मेरी सफलता का मूलमंत्र है, ''लक्ष्य के प्रति ध्रुव निष्ठा, निरंतर कठिन परिश्रम, असाधारण कोचिंग संस्थान का चयन तथा माता-पिता एवं ईश्वर का आशीर्वाद.''

– अनमोल शेर सिंह बेदी

सिविल सेवा परीक्षा, 2016 में चयनित (द्वितीय स्थान).

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रशासनिक सेवा परीक्षा, 2016 में चयनित होकर श्री अनमोल शेर सिंह बेदी ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई के पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत है.



...... प्रतियोगिता दर्पण का हर अंक मोतियों की माला की तरह होता है. विषयों की गुणवत्ता, विश्लेषण की सूक्ष्मता तथा उपयोगिता के कारण यह पत्रिका सफलता का प्राण है.

प्र. द.–सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

श्री बेदी–जी, बहुत-बहुत धन्यवाद. मैं सौभाग्यशाली हूँ कि सिविल सेवा परीक्षा में शीर्ष पर पहुँच सका. वास्तव में यह एक स्वप्न के साकार होने जैसा है.

प्र. द.–क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से संतुष्ट थे और उच्च सफलता के प्रति आशावान थे ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

श्री बेदी–यह मेरा प्रथम प्रयास था, मैंने अपना पूरा प्रयास किया, परिणाम मेरे लिए अति उत्साहवर्द्धक रहा.

प्र. द.–इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है और इसका कोई विशेष कारण ?

श्री बेदी–मैंने भारतीय विदेश सेवा को पहली प्राथमिकता दी इससे मुझे अन्तर्राष्ट्रीय मंचों एवं संस्थाओं में अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा. वैश्वीकरण के इस दौर में राजनयिकों की भूमिका अति महत्वपूर्ण हो गई है.

प्र. द.–आपके वैकल्पिक विषय क्या थे ?

श्री बेदी–**वैकल्पिक विषय**–राजनीतिक विज्ञान एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध.

प्र. द.–यह आपका कौनसा प्रयास था ?

श्री बेदी–यह मेरा पहला प्रयास था.

प्र. द.–अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचते थे ? क्या इनमें से किसी टॉपर्स से आप प्रभावित हुए ?

श्री बेदी–आपकी पत्रिका में प्रकाशित. मैंने अनेक टॉपर्स के साक्षात्कार पढ़े थे, मैं शाह फैजल और गौरव अग्रवाल जी से काफी प्रभावित था.

प्र. द.–नए कलेवर वाली प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही ? आपकी प्रश्न-पत्र 1 (सामान्य अध्ययन) और 2 (अभिवृत्ति परीक्षण) की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही ?

श्री बेदी–मैंने विषयों का विस्तार से एवं सघन गहराई से अध्ययन किया. मैंने यह सुनिश्चित किया कि मैंने कुछ-कुछ के बारे में सब कुछ जानने के बजाय सब कुछ के बारे में कुछ तो जानता हूँ की एप्रोच को अपनाया, चूँकि मैं गणित का विद्यार्थी रहा हूँ. इसलिए दूसरे प्रश्न पत्र की तैयारी पर कोई अधिक समय खर्च नहीं किया. मैंने वाजीराव एण्ड रेड्डी संस्थान में प्रवेश लिया, संस्थान का उचित मार्गदर्शन मेरे लिए अति लाभदायी रहा. तथापि समय प्रबन्धन के साथ स्व-अध्ययन बहुत अधिक महत्वपूर्ण है.

प्र. द.–ऋणात्मक अंकन (नेगेटिव मार्किंग) के लिए क्या सावधानी बरती ?

श्री बेदी–मैंने उन्हीं प्रश्नों के उत्तर दिए जिनके बारे में पूर्णतया आश्वस्त था. ऋणात्मक मार्किंग से बचने के लिए लगभग सही अनुमान लगाने के साथ-साथ बुद्धिमत्ता से अनुमान लगाना सही एप्रोच हो सकती है.

प्र. द.–इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम सबसे कठिन होता है–कैसे तैयारी करें ? कौनसा वैकल्पिक विषय लें ? क्या, कहाँ से और कितना पढ़ें ? इस तरह के अनेक प्रश्नों से मस्तिष्क घिरा रहता है–शुरू में तैयारी के लिए आपको सही सलाह कहाँ से मिली ?

श्री बेदी–मैंने इस परीक्षा का प्रारूप तैयार किया, उचित मार्गदर्शन प्राप्त किया और फिर मैंने अपने लक्ष्य के लिए समर्पित पूर्ण तैयारी आरम्भ की. मुझे अनेक स्रोतों से सही सलाह मिली–

1. भारतीय सिविल सेवा के सफल टॉपर्स के साक्षात्कार
2. अभिभावकों, परिवारीजनों, मित्रों एवं अध्यापकों से सही सलाह
3. इण्टरनेट एवं पत्रिकाओं से सूचनाएं

प्र. द.–आप अपने पिछले प्रयासों को किस प्रकार देखते हैं ?

श्री बेदी–यह मेरा प्रथम प्रयास था.

प्र. द.–वैकल्पिक विषय का चुनाव करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है ?

श्री बेदी–विषय में रुचि, सामान्य अध्ययन से सम्बन्ध. सामान्य अध्ययन के प्रश्न पत्र के साथ सम्बन्ध, विषयवस्तु की सुलभता एवं सटीक मार्गदर्शन–वैकल्पिक विषय के निर्धारक तत्व हैं.

प्र. द.–आपके वैकल्पिक विषय के चुनाव का आधार क्या रहा ?

श्री बेदी–विषय में रुचि. दिग्दर्शनीय संसाधनों की उपलब्धता बैकग्राउण्ड नॉलेज का सही विश्लेषण को अध्ययन का आधार बनाया.

प्र. द.–मुख्य परीक्षा की तैयारी की योजना में क्या विशेष परिवर्तन किया ?

श्री बेदी–प्रश्नों के उत्तर लिखकर निरन्तर अभ्यास किया. महत्वपूर्ण शब्दांशों की व्याख्या पर ध्यान दिया.

प्र. द.–आपने निबन्ध के लिए किस प्रकार तैयारी की ? आपने इस प्रयास में निबंध लिखने के लिए कौनसा विषय चुना और क्यों ?

श्री बेदी–निबन्ध के लिए मैंने कुछ विषयों का चयन किया और समय-सीमा का ध्यान रखते हुए निरन्तर अभ्यास किया. मैंने अपने लेखन कौशल को सुधारा. मैंने 'कोऑपरेटिव फेडरलिज्म : 'इफ डेवलपमेन्ट इज़ नॉट एंजेण्डर्ड, इट इज़ एनडैन्जर्ड' को चुना.

व्यक्ति परिचय

नाम–*अनमोल शेर सिंह बेदी*

पिता का नाम–*श्री सरबजीत सिंह बेदी*

माता का नाम–*श्रीमती जसपाल कौर*

जन्म तिथि–*22-05-1994*

शैक्षिक योग्यता–

हाईस्कूल–*2009-2010, CBSE, 9·8/10 (ग्रेड)*

इण्टरमीडिएट–*2011-2012, CBSE, 91·8%*

बी. ई. (ऑनर्स)–*2012-2016, BITS, PILANI, 9·15/10 (ग्रेड)*

पूर्व चयन–

Got, Selected in AIEEE, BITSAT

प्र. द.–समय प्रबन्धन को लेकर इस परीक्षा की तैयारी में कोई कठिनाई हुई ?

श्री बेदी–नहीं. इसके लिए उत्तर लेखन का अभ्यास मॉक टेस्टों में भाग लेना, सभी प्रश्नों पर समान ध्यान देना, शब्द सीमा को ध्यान में रखना, तेजी से लिखने की नीति अपनाई.

प्र. द.–साक्षात्कार हेतु किस प्रकार की तैयारी की. आपका साक्षात्कार किस बोर्ड में हुआ और आपका साक्षात्कार का अनुभव कैसा रहा ? आपसे साक्षात्कार में किस तरह के प्रश्न पूछे गए ?

श्री बेदी–मैंने कोचिंग सेन्टर के डॉ. एस. एस. चौधरी सर के निर्देशन में अनेक मॉक साक्षात्कार दिए, जिनका लाभ मुझे U.P.S.C. के साक्षात्कार में मिला, मेरा साक्षात्कार श्री छत्तर सिंह जी के बोर्ड में 22 मार्च को हुआ.

मेरा साक्षात्कार मेरे गृह जनपद, अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों आर्थिक तथा सामाजिक विकास जैसे विषयों पर केन्द्रित रहा.

प्र. द.–सिविल सेवा-केवल यही एकमात्र लक्ष्य था या किसी और कैरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रहे थे.

श्री बेदी–मेरा पहला लक्ष्य सिविल सेवा था इसमें असफल होने पर Computer Science में मैंने अपना कैरियर विकल्प रखा था.

प्र. द.–आज के बदलते आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्र में सेवाओं के लुभावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद आप सिविल सेवाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बाद भी गम्भीरता से तैयारी में लगे रहे. आखिर किस चीज ने आपका जोश बरकरार रखा ?

श्री बेदी–इसमें सेवा के बेहतर अवसर उपलब्ध हैं. देश के नागरिकों की सामाजिक एवं आर्थिक खुशहाली पर इसका जीवन-पर्यन्त प्रभाव पड़ता है. इसके साथ-साथ चुनौतीपूर्ण विविधता.

प्र. द.–किस शैक्षिक स्तर पर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए ? आपके अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में कितना समय लगना चाहिए ?

श्री बेदी–स्नातक के अन्तिम वर्ष में, एक वर्ष का समय.

प्र. द.–आपको लगता है कि इस परीक्षा में मानविकी विषयों की अपेक्षा विज्ञान विषयों के साथ अच्छे अंक प्राप्त करने की सम्भावनाएं ज्यादा हैं ?

श्री बेदी–सामान्यतया मानविकी की तुलना में विज्ञान विषय बेहतर परिणाम देते हैं, लेकिन विज्ञान के विद्यार्थी के लिए वैकल्पिक विषय एवं सामान्य अध्ययन के विषय में मानविकी के विद्यार्थियों की तुलना में अधिक कठिनाई होती है. समग्र रूप से सभी के लिए एकसमान अवसर होते हैं.

प्र. द.–आपके अनुसार इस परीक्षा में हिन्दी माध्यम लेकर तैयारी करने एवं सफलता प्राप्त करने के बारे में क्या विचार हैं ?

श्री बेदी–कोई भी माध्यम सफलता का आधार हो सकता है. यदि परिश्रम ईमानदारी से किया जाए.

प्र. द.–आपको किस तरह और कब सिविल सेवाओं की गरिमा एवं महत्व का अनुभव हुआ ?

श्री बेदी–वास्तविक जीवन में ऐसे अनेक उदाहरण मिले जहाँ मैंने सिविल नौकरशाहों को न केवल घरेलू मामलों में, वरन् अन्तर्राष्ट्रीय मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते देखा.

प्र. द.–वह क्षण कब आया जब आपने सिविल सेवाओं में कैरियर की सम्भावनाओं को तलाशने का फैसला लिया ?

श्री बेदी–अपने स्नातक स्तरीय अध्ययन के अन्तिम वर्ष में.

प्र. द.–क्या तैयारी के शुरू में आपने अपने लिए इस परीक्षा का सामना करने के लिए कोई समय सीमा या प्रयासों की संख्या सम्बन्धी सोच बनाई थी ?

श्री बेदी–नहीं.

प्र. द.–इस परीक्षा में बैठने का निर्णय आपका अपना था या फिर यह आपके माता पिता का ?

श्री बेदी–यह मेरा सोचा-समझा एवं व्यक्तिगत निर्णय था.

प्र. द.–क्या अभ्यर्थी के शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति का प्रभाव तैयारी पर पड़ता है ? यदि हाँ, तो कैसे ?

श्री बेदी–हाँ, परन्तु U.P.S.C. की परीक्षा इन सबसे अधिक, उचित मार्गदर्शन एवं परिश्रम पर आधारित है.

प्र. द.–आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

श्री बेदी–कठिन परिश्रम. ईश्वर की कृपा, माता-पिता का सहयोग.

प्र. द.–अपनी सफलता का श्रेय किनको देना चाहेंगे ?

श्री बेदी–ईश्वर, माता-पिता

प्र. द.–इस परीक्षा की तैयारी हेतु एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में क्या विशेष सामग्री एवं संकलन की अपेक्षा रखते हैं ?

श्री बेदी–प्रतियोगिता दर्पण द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री प्रतियोगिता के लिए अत्यधिक उपयोगी है.

व्यक्तिगत विशेषताएं

आदर्श व्यक्ति	–	*मेरे दादाजी*
सबल पक्ष	–	*कठोर, परिश्रम एवं ईश्वर में विश्वास*
रुचियाँ	–	*पुस्तक अध्ययन*

प्र. द.–भारत में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली प्रतियोगिता पत्रिका प्रतियोगिता दर्पण को इन मानकों के कितना करीब पाया ?

श्री बेदी–प्रतियोगिता दर्पण अत्यधिक उपयोगी है.

प्र. द.–क्या आपने सामान्य अध्ययन के अतिरिक्तांकों की सीरीज का उपयोग किया, जो पिछले कई वर्षों से उम्मीदवारों के बीच बहुत पसंद की जा रही हैं ?

श्री बेदी–जी, हाँ मैंने अतिरिक्तांकों का उपयोग किया.

प्र. द.–क्या आपने प्रतियोगिता दर्पण-समसामयिकी वार्षिकी का उपयोग किया ?

श्री बेदी–जी हाँ.

प्र. द.–कोई सुझाव या सन्देश अभ्यर्थियों को देना चाहेंगे ?

श्री बेदी–कठोर परिश्रम करें, ईश्वर पर विश्वास रखें.

प्र. द.–आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं.

श्री बेदी–जी, धन्यवाद.

मेरी सफलता का मूलमंत्र है, ''लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पण, निरन्तर कठिन परिश्रम एवं दृढ़ आत्मविश्वास''.

– लीना चावला

राजस्थान प्रशासनिक सेवा परीक्षा, 2013 में चयनित (9वाँ स्थान–सामान्य महिला वर्ग).

राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राजस्थान प्रशासनिक सेवा परीक्षा-2013 में चयनित होकर सुश्री लीना चावला ने अपने जीवन की महत्वपूर्ण सार्थकता अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई की पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत है.



...... प्रतियोगिता दर्पण में प्रकाशित सम-सामयिक मुद्दों के तथ्यात्मक विश्लेषण अत्यन्त महत्वपूर्ण होते हैं. इसके अतिरिक्तांक एवं इसकी वार्षिकी सफलता के आधार-स्तम्भ हैं.

प्र. द.–R.A.S. परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

सुश्री लीना–जी, धन्यवाद.

प्र. द.–किस तरह और कब आपको सिविल सेवाओं की गरिमा एवं महत्व का अनुभव हुआ ?

सुश्री लीना–जब मैं अपनी बी. टेक. के अन्तिम वर्ष में थी, तब मुझे इन सेवाओं की गरिमा एवं महत्व का अनुभव हुआ.

प्र. द.–वह क्षण कब आया जब आपने सिविल सेवाओं में कैरियर की सम्भावनाएं तलाशने का फैसला लिया ?

सुश्री लीना–बी. टेक. पूर्ण करने के बाद.

प्र. द.–अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचती थीं ? क्या आप पिछले वर्षों की परीक्षा के टॉपर्स के साक्षात्कारों का कोई असर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन में अनुभव करती हैं ? इन टॉपर्स में से किसने आपको सबसे ज्यादा प्रभावित किया ?

सुश्री लीना–टॉपर्स के साक्षात्कार पढ़कर मुझे बहुत प्रेरणा मिली एवं यह समझ में आया कि कठिन परिश्रम और लगन से निश्चित रूप से उच्च रैंक प्राप्त की जा सकती है. मैं वर्ष 2013 के आईएएस टॉपर गौरव अग्रवाल से बहुत प्रभावित हुई.

प्र. द.–सिविल सेवा–केवल यह ही एकमात्र लक्ष्य था या किसी और कैरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रही थीं ?

सुश्री लीना–इलेक्ट्रिकल इंजीनियर होने के नाते शुरू से ही मेरे लिए विकल्प खुले थे, परन्तु मुझे इसी सेवा में आना था.

प्र. द.–अपनी सफलता का श्रेय किसको देना चाहेंगीं ?

सुश्री लीना–सर्वप्रथम ईश्वर को, अपने माता-पिता, भाई विनीत, शिक्षकगण एवं अपने सभी शुभचिन्तकों को अपनी सफलता का श्रेय देती हूँ.

प्र. द.–इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम क्या रहा ? तैयारी हेतु दिशा एवं सही मार्गदर्शन कहाँ से मिला ?

सुश्री लीना–मैंने अपनी तैयारी चरणबद्ध रूप से की. पाठ्यक्रम का गहन अध्ययन करने के लिए मेरी माताजी ने बहुत सहायता की. इस सम्बन्ध में टॉपर्स के साक्षात्कार भी मददगार हुए, जो मैंने पढ़े. मेरे शिक्षक ने भी मेरा मार्गदर्शन किया.

प्र. द.–क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से सन्तुष्ट थीं और सफलता के प्रति आशावान थीं ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

सुश्री लीना–मैरिट लिस्ट में 100 के भीतर ही स्थान पाने के प्रति मैं आश्वस्त थी. 7 दिसम्बर, 2016 को सफलता का परिणाम देखकर सबसे पहले ईश्वर को धन्यवाद दिया तथा उसके बाद परिवारीजनों को तथा मित्रों को सूचना दी.

प्र. द.–इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है ?

सुश्री लीना–राजस्थान प्रशासनिक सेवा, राजस्थान राज्य वाणिज्यिक कर सेवा.

प्र. द.–बदलते हुए आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्र में आज सेवाओं के लुभावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद आप सिविल सेवाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बाद भी गम्भीरता से तैयारी में लगी रहीं. किस चीज ने आपका जोश बरकरार रखा ?

सुश्री लीना–निश्चित रूप से बदलते आर्थिक परिदृश्य में लुभावने अवसर उपलब्ध हैं, लेकिन समाज में जो प्रतिष्ठा इस सेवा की है, जो अवसर यह सेवा उपलब्ध करवाती है, वह शायद ही कोई दूसरी सेवा उपलब्ध करवा पाती हो. इन्हीं बातों ने दिन-रात मुझे प्रेरित किया.

प्र. द.–यह सफलता कितने प्रयासों में प्राप्त की और आप अपने पिछले प्रयासों को किस प्रकार देखती हैं ?

सुश्री लीना–यह मेरा प्रथम प्रयास था.

प्र. द.–समय-प्रबंधन–चाहे वह तैयारी हो या फिर परीक्षा में उत्तर लिखते समय एक महत्वपूर्ण कारक है. क्या आपने इस दौरान समय को लेकर कोई कठिनाई महसूस की ? यदि हाँ, तो कैसे आपने इसका सामना किया ?

सुश्री लीना–निश्चित रूप से समय-प्रबंधन इस परीक्षा की सफलता में एक अहम् आयाम है, परन्तु मैंने कभी भी अपने अध्ययन को घण्टों में सीमित नहीं किया. मैंने हमेशा क्वालिटी लर्निंग (गुणवत्तापूर्वक अध्ययन) पर स्थान दिया न कि क्वांटिटी पर.

प्र. द.–आपके ऐच्छिक विषय क्या थे एवं इनके चुनाव का क्या आधार था ?

सुश्री लीना–आर.ए.एस. 2013 प्रथम बार नए पैटर्न से आयोजित हुई थी. इसमें वैकल्पिक विषय हटा दिए गए हैं.

VAJIRAO & REDDY INSTITUTE

India's Top Potential Training Institute for IAS

We are proud to announce that our students have captured top ranks in the Civil Services Exam - 2016

Rank 2 IAS-2016 Anmol Sher Singh Bedi

I would like to personally thank Vajirao & Reddy institute for providing right guidance & teaching for General Studies program.

Dr SS Chaudhary Sir, helped me individually to tackle the interview part of the Examination.

I would like to extend my heartfelt thanks to the institute.

Anmol Sher Singh Bedi
UPSC, Rank 2.
2016

Rank 7 IAS-2016 Anand Vardhan

I have received valuable guidance from Vajirao & Reddy institute, especially under Dr SS Chaudhary sir. Their material as well is very relevant and up to date. It has helped me further my performance and achieve a great rank. I would like to thank all the faculty for their support and efforts.

ANAND VARDHAN
CSE 2016, AIR-7

Rank 8 IAS-2016 Shweta Chauhan

I would like to thank S.S Chaudhary Sir for his personal guidance in preparation for the exam. Vajirao & Reddy Institute provided me with the direction and support on every stage of the examination. I would like to extend my heartfelt thanks to the Institute.

Shweta
Shweta Chauhan

Rank 16 IAS-2016 Anuj Malik

After I enrolled in Vajirao & Reddy Institute, the coaching institute provided me great direction and motivation for preparation of General Studies. The material provided covered each aspect of the syllabus. Further the faculty is also very helpful and provides individual attention. Under the guidance of Dr S.S Chaudhary my performance improved during the preparation period.

Anuj Malik
(Anuj Malik)

Rank 19 IAS-2016 Sahil Gupta

Respected Sir,

I would like to thank you for guidance provided by VAJIRAO & REDDY especially by Dr. S.S. Chaudhary for GS mains and Interview.

GS preparation was comprehensive and has helped me during the preparation especially the in-depth analysis provided by the institute.

Please keep up the good work.

Thanking you

Yours sincerely

SAHIL GUPTA

(AIR-19)
CSE 2016

3rd Rank in Hindi Medium
Rank 38 IAS-2016 Shailendra Singh

UPSC की तैयारी के दौरान बेहतर मार्गदर्शन के साथ मुझे साक्षात्कार व निबंध के लिए विशेष तौर से वाजीराव & रेड्डी संस्थान के Dr. S.S. चौधरी सर से विशेष मदद मिली। मैं अपनी सफलता के लिए संस्थान का तहेदिल से शुक्रगुजार हूं।

Shailendra
शैलेन्द्र सिंह
Rank-38
CSE, 2016.

Our Result in Civil Services Examination 2016 - Seven positions secured by our students among first 20 including Rank 2, 3, 5, 7, 8, 16 & 19 (Total selections 167).

Civil Services Preparation Under the Supervision of Dr. S.S. Chaudhary/ Prof. V.N. Reddy with a team of Eminent Experts.

GENERAL STUDIES | **ESSAY** | **TEST SERIES**

Optional Subject: **HISTORY** | **GEOGRAPHY** | **PUB. ADM.**

Hostel Facility available

New Batches : 15 Sept. & 25 Sept.

5th Rank in Hindi Medium
Rank 88 IAS-2016 Hemant Sati

हमारी पृष्ठभूमि, जो कि पूर्णतः हिन्दी माध्यम व ग्रामीण पृष्ठभूमि का होने के बावजूद भी मुझे सिविल सेवा जैसी सर्वोच्च परीक्षा में सफलता दिलाने में वाजीराव एण्ड रेड्डीज (Vajirao & Reddy Institute) की अहम भूमिका है, विशेषतः सामान्य अध्ययन में इस संस्थान ने मेरी अवधारणात्मक समझ बनाने में विशेष भूमिका निभाई। मैं विशेष रूप से Dr. S.S. चौधरी सर को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने मुझे सामान्य अध्ययन में इतने अंक लाने में अपना बहुमूल्य समय व योगदान दिया।

हेमन्त सती
Hemant Sati

DELHI: 51 Mall Road, Kingsway Camp, Near GTB Nagar Metro Station Gate No. 2
Call : 011-42474428, 011-47051999, 8171181080, 9999458938

AGRA: C-6, New Agra
Ph.: 0562-2527541

Visit us: www.vajiraoinstitute.com

प्र. द.—आपने प्रारम्भिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार के लिए क्या योजनाएं बनाईं ?

सुश्री लीना—मैंने हमेशा पाठ्यक्रम का विश्लेषणात्मक रूप से अध्ययन किया. जिससे मेरे तीनों चरणों का अध्ययन साथ-साथ होता गया. प्रारम्भिक एवं मुख्य परीक्षा के लिए मैंने अपने नोट्स बनाए, जिससे मुझे रिवीजन करने में आसानी हुई.

प्र. द.—आपने निबंध के लिए किस प्रकार की तैयारी की ? आपने किस विषय पर निबन्ध लिखा एवं उस विषय को ही चुनने का क्या कारण था ?

सुश्री लीना—मैंने निबंध के लिए अलग से कोई तैयारी नहीं की. यह तो आपके संचित ज्ञान का उपयोग कर, अपने विचारों की स्वतंत्र शृंखला होती है, जिसमें आपके ज्ञान और विचारों की अभिव्यक्ति होती है.

व्यक्ति परिचय

नाम—*लीना चावला*

पिता का नाम—*श्री श्रवण कुमार चावला*

माता का नाम—*श्रीमती स्वाति चावला*

जन्मतिथि—*14 अक्टूबर, 1992*

शैक्षिक योग्यता—

हाईस्कूल : *सीबीएसई बोर्ड, सेन्ट जोजेफ स्कूल, कोटा, 2008, (84%)*

इण्टरमीडिएट : *सीबीएसई बोर्ड, सेन्ट जोजेफ स्कूल, कोटा, 2010 (85·2%)*

बी. टेक.—*राजस्थान प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, महर्षि अरविंद कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी, कोटा, 2014, (81%)*

पूर्व चयन :

(1) आई.बी.पी.एस. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ऑफिसर स्केल-I (2014).

(2) आई.बी.पी.एस. बैंक पी.ओ. (2014).

प्र. द.—प्रारम्भिक परीक्षा हेतु सामान्य अध्ययन एवं ऐच्छिक विषय में किस प्रकार सन्तुलन बनाया ?

सुश्री लीना—आर.ए.एस. में अब ऐच्छिक विषय नहीं है. मैंने कभी 6 घण्टे से ज्यादा अध्ययन नहीं किया, लेकिन जितना भी पढ़ती थी, वह हमेशा एकाग्रता के साथ होता था.

प्र. द.—निगेटिव मार्किंग का ध्यान रखते हुए क्या सावधानी एवं रणनीति की जरूरत है ?

सुश्री लीना—मैंने उन प्रश्नों को हल नहीं किया जिन्हें मैंने आज तक कभी नहीं पढ़ा.

प्र. द.—साक्षात्कार की तैयारी आपने कैसे की और आपका साक्षात्कार कब था, किस बोर्ड में था एवं क्या-क्या प्रश्न पूछे गए ? क्या आप अपने साक्षात्कार से सन्तुष्ट थीं ?

सुश्री लीना—मैंने साक्षात्कार के लिए अपने D.A.F. करेण्ट अफेयर्स, अपना जिला, शैक्षणिक पृष्ठभूमि अभिरुचि सभी को अच्छी तरह तैयार किया. मेरा साक्षात्कार डॉ. शिवसिंह राठौड़ जी के बोर्ड में रहा. बोर्ड का रवैया सकारात्मक था. मेरा साक्षात्कार 20 मिनट तक चला.

प्र. द.—किस शैक्षिक स्तर पर सिविल सेवाओं की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए ? आपके अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में कितना समय लगना चाहिए ?

सुश्री लीना—यह विद्यार्थी पर निर्भर करता है, परन्तु मुझे लगता है, परीक्षा से एक वर्ष पहले से तैयारी प्रारम्भ कर देनी चाहिए.

प्र. द.—आपके अनुसार विज्ञान और मानविकी विषयों में से किस विषय में ज्यादा अंक प्राप्त किए जा सकते हैं ?

सुश्री लीना—मेरा मानना है कि यह विषय पर निर्भर नहीं, अपितु विद्यार्थी की विषय पर कितनी पकड़ है, उस पर निर्भर करता है. दोनों ही विषयों में अभ्यर्थियों को अच्छे अंक प्राप्त हुए हैं.

प्र. द.—आपके अनुसार इस परीक्षा में हिन्दी माध्यम को लेकर तैयारी करने एवं सफलता प्राप्त करने के बारे में क्या विचार हैं ?

सुश्री लीना—मेरी परीक्षा का माध्यम अंग्रेजी था, परन्तु हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम से कोई खास प्रभाव नहीं पड़ता है. सफलता व्यक्ति के परिश्रम एवं समर्पण पर निर्भर करती है.

प्र. द.—क्या अभ्यर्थी के परिवार की शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति का प्रभाव अध्ययन पर पड़ता है ? यदि हाँ, तो कैसे ?

सुश्री लीना—ये सब चीजें व्यक्ति के आसपास का वातावरण तैयार कर सकती हैं, परन्तु परिस्थितियाँ हमेशा इंसान को साहसी बनाती हैं. अतः दृढ़ इच्छाशक्ति एवं आत्मबल से इन पर विजय प्राप्त की जा सकती है.

प्र. द.—एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में क्या विशेष सामग्री एवं संकलन की अपेक्षा रखती हैं ?

सुश्री लीना—एक प्रतियोगी पत्रिका में अधिक अभ्यास-सामग्री तथा समसामयिक मुद्दों का तथ्यात्मक रूप से विवरण एवं विश्लेषण अत्यन्त आवश्यक है.

प्र. द.—भारत में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली प्रतियोगिता पत्रिका, प्रतियोगिता दर्पण, को इन मानकों के कितने करीब पाती हैं ? इसको और अधिक उपयोगी बनाने के लिए कोई सुझाव देना चाहेंगी ?

सुश्री लीना—प्रतियोगिता दर्पण इन सभी मानकों पर शत-प्रतिशत खरी उतरती है. मैं हर महीने नियमित रूप से इस पत्रिका को पढ़ती थी.

प्र. द.—प्रतियोगिता दर्पण वार्षिकी कैसी लगी ? इसके प्रकाशन का समय, इसका आकार एवं इसकी सामग्री के बारे में विचार व्यक्त करें.

सुश्री लीना—मैं प्रतियोगिता दर्पण को हर माह पढ़ती रही हूँ एवं इसकी वार्षिकी भी अपने आपमें बेजोड़ है.

प्र. द.—भविष्य को ध्यान में रखते हुए क्या आपने तैयारी और प्रयासों हेतु कोई समय-सीमा निर्धारित की थी ?

सुश्री लीना—यह परीक्षा अनिश्चितता से भरी है और अपना लक्ष्य पाने के लिए किसी समय-सीमा में बाँधने से बेहतर है कि अपने कार्य पर ध्यान केन्द्रित किया जाए.

प्र. द.—आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

सुश्री लीना—कठिन परिश्रम, निरन्तरता, धैर्य, दृढ़ संकल्प एवं आत्मविश्वास मेरी सफलता का मूलमंत्र है.

व्यक्तिगत विशेषताएं

पसंदीदा व्यक्तित्व	–	*डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम*
सबल पक्ष	–	*मैं कभी हार नहीं मानती एवं सकारात्मक रहती हूँ*
दुर्बल पक्ष	–	*भावनात्मक हूँ*
आपकी रुचियाँ	–	*नृत्य करना*

प्र. द.—आपने सामान्य अध्ययन की तैयारी के लिए कौन-कौनसी पत्र-पत्रिकाओं एवं पुस्तकों का उपयोग किया ?

सुश्री लीना—मैंने हर विषय के अपने नोट्स बनाए एवं उसमें प्रतियोगिता दर्पण मासिक पत्रिका का भरपूर उपयोग किया.

प्र. द.—कोई सुझाव या सन्देश आगामी अभ्यर्थियों को देना चाहेंगी.

सुश्री लीना—सफलता का कोई छोटा रास्ता नहीं. आपका चयन, मेहनत से होगा, भटकाव से बचें, पढ़ाई के साथ-साथ खुद के स्वास्थ्य पर भी ध्यान दें. सदैव प्रामाणिक पुस्तकों से अध्ययन करें. अपनी क्षमताओं, परिश्रम एवं ईश्वर पर विश्वास रखें. सफलता निश्चित ही आपकी ही होगी.

प्र. द.—आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं.

सुश्री लीना—जी, धन्यवाद.

●●●

मेरी सफलता का मूलमंत्र है, ''लक्ष्य के प्रति ध्रुव निष्ठा, कठिन परिश्रम एवं सटीक मार्गदर्शन''.

– साहिल गुप्ता

सिविल सेवा परीक्षा, 2016 में 19वें स्थान पर चयनित.

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा, 2016 में चयनित होकर श्री साहिल गुप्ता ने एक असाधारण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई के पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूल रूप में प्रस्तुत है.



...... प्रतियोगिता दर्पण के अद्यतन प्रासंगिक लेख, राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम एवं अतिरिक्तांक तथा वार्षिकी प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए वरदान हैं

प्र. द.–सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

श्री साहिल–जी, धन्यवाद.

प्र. द.–क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से संतुष्ट थे और उच्च सफलता के प्रति आशावान थे ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

श्री साहिल–मैं अपनी सफलता के प्रति पूर्णरूप से आशावान था, 19वीं रैंक के समाचार ने मेरी खुशी को कई गुना बढ़ा दिया.

प्र. द.–इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है और इसका कोई विशेष कारण ?

श्री साहिल–IAS > IFS > IPS > IRS.

प्र. द.–आपके वैकल्पिक विषय क्या थे ?

श्री साहिल–राजनीति विज्ञान.

प्र. द.–यह आपका कौनसा प्रयास था ?

श्री साहिल–यह मेरा तीसरा प्रयास था.

प्र. द.–अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचते थे ? क्या इनमें से किसी टॉपर से आप प्रभावित हुए ?

श्री साहिल–मेरा यह मानना था कि कठोर परिश्रम से आप परीक्षा में उच्च रैंक पा सकते हैं साथ ही भाग्य भी थोड़ा साथ हो.

प्र. द.–नए कलेवर वाली प्रारंभिक परीक्षा की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही ?

आपकी प्रश्न-पत्र 1 (सामान्य अध्ययन) और 2 (अभिवृत्ति परीक्षण) की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही ?

श्री साहिल–NCERT की पुस्तकें तथा कोचिंग संस्थान से प्राप्त अध्ययन सामग्री का अध्ययन तथा द हिन्दू समाचार-पत्र को पढ़ना.

प्र. द.–ऋणात्मक अंकन (नेगेटिव मार्किंग) के लिए क्या सावधानी बरती ?

श्री साहिल–उन्हीं प्रश्नों के उत्तर दिए जिनको लेकर मैं पूर्ण रूप से आश्वस्त था.

प्र. द.–इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम सबसे कठिन होता है – कैसे तैयारी करें ? कौनसा वैकल्पिक विषय लें ? क्या, कहाँ से कितना पढ़ें ? इस तरह के अनेक प्रश्नों से मस्तिष्क घिरा रहता है – शुरू में तैयारी के लिए आपको सही सलाह कहाँ से मिली ?

श्री साहिल–प्रतियोगिता दर्पण में छपने वाले साक्षात्कार ने इसमें मेरा पूरा मार्गदर्शन किया.

प्र. द.–वैकल्पिक विषय का चुनाव करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है ?

श्री साहिल–विषय के प्रति रुचि.

प्र. द.–आपके वैकल्पिक विषय के चुनाव का आधार क्या रहा ?

श्री साहिल–रुचि.

प्र. द.–मुख्य परीक्षा की तैयारी की योजना में क्या विशेष परिवर्तन किया ?

श्री साहिल–पिछले वर्षों के प्रश्नों का समय-सीमा में उत्तर लिखकर अभ्यास किया.

व्यक्ति परिचय

नाम–*साहिल गुप्ता*
पिता का नाम–*श्री सुशील कुमार गुप्ता*
माता का नाम–*श्रीमती प्रोमिला गुप्ता*
आयु–*25 वर्ष*
शैक्षिक योग्यता–*बी. टेक. (सिविल इंजी.) – 2013*

प्र. द.–आपने निबन्ध के लिए किस प्रकार तैयारी की ? आपने इस प्रयास में निबन्ध लिखने के लिए कौनसा विषय चुना और क्यों ?

श्री साहिल–मैंने वाजीराव एण्ड रेड्डी कोचिंग संस्थान में छद्म साक्षात्कार दिया और वहीं निबन्ध लेखन का अभ्यास किया.

प्र. द.–समय प्रबंधन को लेकर इस परीक्षा की तैयारी में कोई कठिनाई हुई ?

श्री साहिल–नहीं.

प्र. द.–साक्षात्कार हेतु किस प्रकार की तैयारी की ? आपका साक्षात्कार किस बोर्ड में हुआ और आपका साक्षात्कार का अनुभव कैसा रहा ? आपसे साक्षात्कार में किस तरह के प्रश्न पूछे गए ?

श्री साहिल–मैंने संस्थान से तैयारी की. मेरा साक्षात्कार 20 मार्च, 2017 को हुआ. चीन, पाकिस्तान एवं रूस के साथ भारत के सम्बन्धों पर प्रश्न पूछे गए. अन्तिम प्रश्न नैतिक साहस के बारे में पूछा गया.

प्र. द.–सिविल सेवा केवल यही एकमात्र लक्ष्य था या किसी और कैरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रहे थे ?

श्री साहिल–केवल सिविल सेवा ही लक्ष्य था.

प्र. द.–आज के बदलते आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्र में सेवाओं के लुभावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद आप सिविल सेवाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बाद भी गंभीरता से तैयारी में लगे रहे. आखिर किस चीज ने आपका जोश बरकरार रखा ?

श्री साहिल–सेवा के बेहतर अवसर की सम्भावना मेरे अनुसार केवल सिविल सेवा में ही है. इसी से मुझे प्रेरणा भी मिलती रही.

प्र. द.–किस शैक्षिक स्तर पर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए ? आपके अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में कितना समय लगना चाहिए ?

श्री साहिल–स्नातक के तीसरे साल से तैयारी के बारे में सोचना चाहिए 12 से 18 महीने तक पूर्ण समर्पण के साथ तैयारी करनी चाहिए.

प्र. द.–आपको लगता है कि इस परीक्षा में मानविकी विषयों की अपेक्षा विज्ञान विषयों के साथ अच्छे अंक प्राप्त करने की संभावनाएं ज्यादा हैं ?

श्री साहिल–बेहतर प्रदर्शन द्वारा किसी भी विषय में अच्छे अंक प्राप्त किए जा सकते हैं.

प्र. द.–आपके अनुसार इस परीक्षा में हिंदी माध्यम लेकर तैयारी करने एवं सफलता प्राप्त करने के बारे में क्या विचार हैं ?

श्री साहिल–कठोर परिश्रम से किसी भी माध्यम से तैयारी की जा सकती है.

प्र. द.–आपको किस तरह और कब सिविल सेवाओं की गरिमा एवं महत्व का अनुभव हुआ ?

श्री साहिल–स्नातक के दौरान.

प्र. द.–क्या तैयारी के शुरू में आपने अपने लिए इस परीक्षा का सामना करने के लिए कोई समय सीमा या प्रयासों की संख्या सम्बन्धी सोच बनाई थी ?

श्री साहिल–नहीं.

प्र. द.–इस परीक्षा में बैठने का निर्णय आपका अपना था या फिर यह आपके माता पिता का ?

श्री साहिल–अपना.

प्र. द.–क्या अभ्यर्थी के शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति का प्रभाव तैयारी पर पड़ता है ? यदि हाँ, तो कैसे ?

श्री साहिल–आरम्भ में इनसे थोड़ी बहुत समस्या आ सकती है, परन्तु परिश्रम द्वारा ये समस्याएं समाप्त हो जाती हैं.

प्र. द.–आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

श्री साहिल–कठोर परिश्रम.

प्र. द.–अपनी सफलता का श्रेय किनको देना चाहेंगे ?

श्री साहिल–माता-पिता और मित्रों को, जिन्होंने असफलता में मेरा हौसला बनाए रखा.

प्र. द.–इस परीक्षा की तैयारी हेतु एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में क्या विशेष सामग्री एवं संकलन की अपेक्षा रखते हैं ?

श्री साहिल–प्रतियोगिता दर्पण द्वारा इस क्षेत्र में सराहनीय प्रयास किया जा रहा है, विदेश नीति एवं पर्यावरण पर भी और सामग्री होनी चाहिए.

प्र. द.–भारत में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली प्रतियोगिता पत्रिका, प्रतियोगिता दर्पण, को इन मानकों के कितना करीब पाया ?

श्री साहिल–प्रतियोगिता दर्पण बहुत ही उपयोगी पत्रिका है, समसामयिक विषयों को बेहतर तरीके से प्रस्तुत किया जाता है.

प्र. द.–क्या आपने सामान्य अध्ययन के अतिरिक्तांकों की सीरीज का उपयोग किया, जो पिछले कई वर्षों से उम्मीदवारों के बीच बहुत पसंद की जा रही हैं ?

श्री साहिल–मैंने अतिरिक्तांकों का प्रयोग किया मुख्य रूप से अर्थव्यवस्था पर.

व्यक्तिगत विशेषताएं

आपका पसंदीदा व्यक्तित्व	–	*डॉ. शाह फैजल*
सबल पक्ष	–	*लेखन क्षमता*
दुर्बल पक्ष	–	*राजनीति विज्ञान प्रथम प्रश्न-पत्र*
रुचियाँ	–	*1. अध्ययन* *2. फुटबाल खेलना*

प्र. द.–क्या आपने प्रतियोगिता दर्पण – समसामयिकी वार्षिकी का उपयोग किया ?

श्री साहिल–जी, हाँ.

प्र. द.–कोई सुझाव या सन्देश अभ्यर्थियों को देना चाहेंगे.

श्री साहिल–परिश्रम के साथ अपने लक्ष्य के प्रति ध्यान केन्द्रित कर प्रयास करते रहें.

प्र. द.–आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं.

श्री साहिल–जी, धन्यवाद.





– डॉ. अरुणोदय बाजपेयी

दक्षिण एशिया में भारत की नई सामरिक चुनौतियाँ

दक्षिण एशिया की भौगोलिक सीमाओं को लेकर वैश्विक संस्थाओं व विद्वानों में मतभेद है, लेकिन आमतौर पर समीक्षक दक्षिण एशिया में जिस क्षेत्र को शामिल करते हैं, उसमें आठ देश आते हैं–भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, मालदीव, श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल तथा भूटान. दक्षिण एशिया में विश्व की 24 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है. दक्षिण एशिया का भौगोलिक क्षेत्रफल विश्व के भौगोलिक क्षेत्रफल का 3.4 प्रतिशत है. इसलिए विश्व के अन्य क्षेत्रों की तुलना में दक्षिण एशिया में जनसंख्या का घनत्व बहुत अधिक है.

दक्षिण एशिया में भारत, भौगोलिक क्षेत्र जनसंख्या तथा अर्थव्यवस्था के आकार की दृष्टि से सबसे बड़ा देश है. दक्षिण एशिया की 76 प्रतिशत आबादी भारत में निवास करती है. इसी तरह भारत का भौगोलिक क्षेत्रफल दक्षिण एशिया के कुल क्षेत्रफल का 73 प्रतिशत है. भारत दक्षिण एशिया के केन्द्र में स्थित है. भारत की सीमाएं सभी देशों से मिलती हैं. यदि पाकिस्तान व अफगानिस्तान को छोड़ दिया जाए तो दक्षिण एशिया में अन्य किसी देश की सीमाएं आपस में नहीं मिलती हैं.

दक्षिण एशिया में भारत के हित

अपनी इसी केन्द्रीय स्थिति के कारण ही भारत दक्षिण एशिया को अपने स्वाभाविक प्रभाव का क्षेत्र समझता है. भारत दक्षिण एशिया में एक क्षेत्रीय शक्ति है. दक्षिण एशिया में भारत के सामरिक, आर्थिक तथा राजनीतिक हित निहित हैं–

1. सुरक्षा तथा अन्य सामरिक हित- भारत की सुरक्षा–दक्षिण एशिया की शांति व स्थिरता पर निर्भर करती है. इसीलिए भारत सदैव दक्षिण एशिया में शांति व स्थिरता के लिए प्रयासरत रहा है. अपने सामरिक हितों को ध्यान में रखते हुए ही दक्षिण एशिया में बाह्य शक्तियों के हस्तक्षेप का विरोध करता रहा है. 1960 के दशक से ही भारत दक्षिण एशिया में चीन के बढ़ते प्रभाव के प्रति संवेदनशील रहा है, लेकिन भारत की संवेदनशीलता के बावजूद दक्षिण एशिया में चीन के प्रभाव में निरन्तर वृद्धि हुई है. पाकिस्तान के साथ तो चीन का सामरिक गठबन्धन है, लेकिन दक्षिण एशिया में भारत के अन्य पड़ोसी देश विशेषकर नेपाल, श्रीलंका, मालदीव आदि भी 'चाइना कार्ड' का प्रयोग करने से नहीं चूकते हैं.

2. आर्थिक हित–इसी तरह भारत का सारा व्यापार तथा इनर्जी आपूर्ति दक्षिण एशिया के समुद्री मार्गों से ही होकर गुजरती

है. इन समुद्री मार्गों की सुरक्षा भी दक्षिण एशिया में शांति व सुरक्षा पर निर्भर करती है. इसीलिए भारत हिन्द महासागर में चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर चिन्तित है. चीन ने 1990 के दशक में भारत को घेरने की नीति अपनाई थी. इस नीति के अन्तर्गत चीन के पड़ोसी देशों जैसे श्रीलंका के हम्बनटोटा बन्दरगाह, पाकिस्तान के ग्वादर एवं बांग्लादेश के चिटगांव बन्दरगाह में सुविधाएँ प्राप्त करने का प्रयास किया था. इस नीति को मोतियों की माला **(String of Pearls)** के नाम से भी जाना जाता है. पाकिस्तान के ग्वादर बन्दरगाह में चीन को नौसैनिक सुविधाएँ प्राप्त होने से अरब सागर में चीन को पहुँच प्राप्त हो गई है.

3. भारतीय जातीय समूहों के हितों की रक्षा–उल्लेखनीय है कि भारत की सीमाएं दक्षिण एशिया के सभी देशों से मिलती हैं. इसी कारण सदियों से भारत तथा पड़ोसी देशों के बीच जातिगत समूहों का आदान-प्रदान होता रहा है. परिणामस्वरूप पड़ोसी देशों में भारतवंशी समुदाय के लोग बड़ी संख्या में निवास कर रहे हैं. श्रीलंका में भारतीय तमिल, नेपाल में मधेशी समुदाय, पाकिस्तान तथा बांग्लादेश में हिन्दू समुदाय आदि के हितों की रक्षा करना भारत का दायित्व है. इस तरह जाति समूहों की उपस्थिति भारत व पड़ोसी देशों के बीच कई बार तनाव का कारण भी बन जाती है.

भारत की दक्षिण एशिया नीति

अपने उक्त व्यापक हितों की पूर्ति के लिए भारत ने दक्षिण एशिया में शांति, स्थिरता, विकास तथा लोकतन्त्र को प्रोत्साहित किया है. भारत ने द्विपक्षीय व बहुपक्षीय दोनों आधारों पर अपने उद्देश्यों की पूर्ति के प्रयास किए हैं.

(अ) द्विपक्षीय प्रयास–द्विपक्षीय आधार पर भारत के प्रयासों के दो पहलू महत्वपूर्ण हैं–

प्रथम, भारत ने अपने व पड़ोसी देशों के साथ मित्रता व सहयोग की नीति अपनाई. इसके अन्तर्गत पारस्परिक लाभ को देखते हुए पड़ोसी देशों के साथ मित्रता व सहयोग की सन्धियाँ की गईं जो आज भी द्विपक्षीय सम्बन्धों का आधार हैं. इनमें भूटान के साथ 1949 में की गई मित्रता व सहयोग की संधि, 1950 में नेपाल के साथ की गई मित्रता व सहयोग की सन्धि, 1951 में अफगानिस्तान के साथ की गई मित्रता व सहयोग की संधि आदि प्रमुख हैं. बांग्लादेश की आजादी के बाद भारत ने उसके साथ भी 1972 में इसी प्रकार की संधि की थी. इन द्विपक्षीय सन्धियों के माध्यम से भारत ने अपने सुरक्षा व अन्य हितों की पूर्ति का प्रयास किया है. बदलती परिस्थितियों में इन सन्धियों की समीक्षा भी की जा रही है. उदाहरण के लिए 2007 में भूटान के साथ की गई सन्धि में संशोधन किया गया था. नेपाल द्वारा भी 1950 की सन्धि की समीक्षा की मांग उठाई जा रही है.

दूसरा, द्विपक्षीय आधार पर भारत के प्रयासों का एक महत्वपूर्ण पहलू भारत की पड़ोसी देशों के साथ चल रही विकास साझेदारी है. दक्षिण एशिया के अधिकांश देश विकासशील देश हैं. इनमें से तीन देश–बांग्लादेश, नेपाल तथा अफगानिस्तान अल्पविकसित देशों की श्रेणी में आते हैं. दक्षिण एशिया में ढाँचागत सुविधाओं की कमी तथा गरीबी विकास के लिए एक बड़ी चुनौती है. विश्व बैंक के एक अनुमान के अनुसार दक्षिण एशिया में गरीबों की संख्या 400 मिलियन है जो विश्व की कुल गरीबों की संख्या का 24 प्रतिशत है. दक्षिण एशिया में विकासशील देशों की 44 प्रतिशत गरीब जनसंख्या निवास करती है.

भारत ने दक्षिण एशिया के देशों में विकास के लिए एक व्यापक विकास साझेदारी की शुरूआत की है. इस विकास साझेदारी में ढाँचागत सुविधाओं का विकास, मानव संसाधनों का विकास व प्रशिक्षण, आपदाओं के समय मानवीय सहायता तथा अन्य प्रकार की विकास सहायता शामिल है. भारत द्वारा विकास सहायता के अन्तर्गत विश्व में दी जाने वाली कुल का तीन-चौथाई हिस्सा दक्षिण एशिया के देशों को दिया जाता है. उदाहरण के लिए 2015-16 में भारत की कुल विकास सहायता ₹ 5708 करोड़ थी, जिसमें दक्षिण एशिया को ₹ 4115 करोड़ की विकास सहायता प्रदान की गई थी. गत एक दशक में अफगानिस्तान में भारत ने पुनर्निर्माण तथा विकास के लिए 3 बिलियन डालर की विकास सहायता दी है. दक्षिण एशिया में भारत की विकास सहायता प्राप्त करने में भूटान का प्रथम स्थान है. नेपाल में भारत ने अभी तक 425 लघु विकास कार्यक्रमों को क्रियान्वित किया है. कुल मिलाकर दक्षिण एशियाई देशों के साथ भारत की विकास साझेदारी उसके पड़ोसियों के साथ सम्बन्धों का एक महत्वपूर्ण पहलू है.

(ब) बहुपक्षीय प्रयास–दक्षिण एशिया में भारत के बहुपक्षीय प्रयासों में निम्नलिखित नीतिगत प्रयास उल्लेखनीय हैं–

1. क्षेत्रीय एकीकरण तथा विकास को प्रोत्साहन–भारत ने दक्षिण एशिया में विकास तथा आर्थिक एकीकरण को प्रोत्साहित करने की नीति अपनाई है. एकीकरण के प्रयासों में 1985 में दक्षेस (SAARC) की स्थापना एक महत्वपूर्ण कदम है. इसकी एक महत्वपूर्ण सफलता 2006 में दक्षिण एशिया में मुक्त व्यापार क्षेत्र का लागू किया जाना है. भारत दक्षेस के कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, लेकिन पाकिस्तान के असहयोग के चलते यह संगठन अपने उद्देश्यों में सफल नहीं हो सका है. भारत-पाक तनावों के चलते नवम्बर 2016 में इस्लामाबाद में प्रस्तावित दक्षेस शिखर सम्मेलन स्थगित कर दिया गया है. भारत ने भी इस सम्बन्ध में अपनी नीति में बदलाव के संकेत दिए हैं. उदाहरण के लिए अक्टूबर 2016 में गोवा के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में क्षेत्रीय विचार-विमर्श के लिए दक्षेस के स्थान पर भारत द्वारा **बिम्सटेक** (Bay Of Bengal Multi-Sectoral Technical and Economic Cooperation) को आमंत्रित किया गया था. उल्लेखनीय है कि बिम्सटेक में पाकिस्तान, अफगानिस्तान तथा मालदीव को छोड़कर दक्षेस के अन्य पाँच देश तथा म्यांमार व थाईलैण्ड सदस्य है. क्षेत्रीय सम्पर्कता के लिए भी भारत उपक्षेत्रीय प्रयासों का बढ़ावा दे रहा है, क्योंकि पाकिस्तान ने दक्षेस के सम्पर्कता प्रस्तावों का समर्थन नहीं किया है.

2. गैर-पारस्परिकता (Non-Recipriocity) की नीति–भारत ने 1998 में दक्षिण एशिया में भारत की विदेश नीति के सम्बन्ध में गुजराल सिद्धान्त की घोषणा की थी. इस सिद्धान्त की घोषणा तत्कालीन भारतीय प्रधानमन्त्री आई. के. गुजराल द्वारा की गई थी. इसमें अन्य बातों के अतिरिक्त सबसे प्रमुख बात यह थी कि भारत अपने पड़ोसियों के साथ गैर-पारस्परिकता के आधार पर सम्बन्धों का संचालन करेगा. इसका तात्पर्य यह है कि भारत जब अपने किसी पड़ोसी को कोई मदद देगा तो उसके बदले किसी लाभ की आशा नहीं करेगा. आज भी भारत अपने पड़ोसियों के साथ सम्बन्धों में इस सिद्धान्त का पालन करता है.

3. नई पड़ोस नीति–इस नीति की घोषणा 2005 में भारत द्वारा की गई थी, जिसके अन्तर्गत भारत द्वारा पड़ोसियों के साथ सम्पर्कता (Connectivity) के साधनों तथा **सांस्कृतिक आदान-प्रदान** बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया था. भारत का मानना है कि सम्पर्कता के विस्तार से दक्षिण एशिया के विकास तथा उसके एकीकरण में सहायता मिलेगी. भारत ने सम्पर्कता के कई कार्यक्रमों को क्रियान्वित करने का प्रयास किया है. इनमें बी.बी.आई.एन. (Bangladesh, Bhutan, India and Nepal) हाईवे परियोजना तथा त्रिपक्षीय भारत, म्यांमार तथा थाईलैण्ड सड़क मार्ग परियोजना प्रमुख हैं.

4. पड़ोस पहले (Neighbourhood First Policy) की नीति–इस नीति की घोषणा मोदी सरकार द्वारा 2014 में की गई थी, जिसका उद्देश्य भारत द्वारा अपनी विदेश नीति में अपने पड़ोसियों के साथ सम्बन्धों को प्राथमिकता देना है. इसके

अन्तर्गत भारत द्वारा 26 मई, 2014 को प्रधानमन्त्री के शपथ ग्रहण समारोह में दक्षेस देशों के सभी शासनाध्यक्षों को आमंत्रित करना, प्रधानमन्त्री मोदी द्वारा 2014 व 15 में दक्षिण एशिया के देशों–भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका तथा अफगानिस्तान की यात्रा करना तथा इन देशों की विकास सहायता में वृद्धि करना, तथा दक्षेस सैटेलाइट का प्रयोग आदि प्रयास किए गए.

भारत की चुनौतियाँ

इन प्रयासों के बावजूद दक्षिण एशिया में भारत की विदेश नीति को पर्याप्त सफलता नहीं मिली है. यदि भारत की दक्षिण एशिया नीति की तुलना भारत की पूरब की ओर देखो नीति से करें तो दक्षिण एशिया में भारत की विदेश नीति आंशिक रूप से ही सफल दिखाई देती है. नेपाल में मधेशी आन्दोलन को लेकर भारत विरोधी भावनाएँ बढ़ रही हैं, जिन्हें नेपाली राष्ट्रवाद के नाम पर कतिपय नेपाली राजनीतिक समूहों द्वारा हवा दी जा रही है. नेपाल में चीन ने भारत विरोधी माहौल में अपनी सामरिक पहुँच का विस्तार करने का प्रयास किया है. मालदीव तथा श्रीलंका में चीन का प्रभाव बढ़ रहा है. पाकिस्तान तथा चीन का सामरिक गठजोड़ और अधिक मजबूत हुआ है. दक्षिण एशिया में भारत की नई चुनौतियों का उल्लेख निम्नलिखित बिन्दुओं के अन्तर्गत किया जा सकता है–

1. चीन का बढ़ता प्रभाव–आजादी के बाद से ही भारत दक्षिण एशिया में चीन के हस्तक्षेप व प्रभाव को लेकर चिन्तित रहा है, लेकिन भारत की चिन्ता 1962 में चीन के साथ पराजय के बाद अधिक बढ़ गई. भारत के पड़ोसियों ने भी भारत की पराजय के बाद चीन के साथ सम्बन्धों को बढ़ाने का प्रयास किया. वर्तमान में भारत के कतिपय पड़ोसी देश जैसे नेपाल व श्रीलंका दक्षिण एशिया में भारत जैसे बड़े देश को सन्तुलित करने के लिए भी चीन के साथ सम्बन्धों को सन्तुलित करना चाहते हैं. नेपाल की साम्यवादी सरकार ने गत कुछ वर्षों में चीन के साथ घनिष्ठ सम्बन्धों का विकास किया. 1990 के दशक में चीन ने भारत के पड़ोसी देशों जैसे श्रीलंका, बांग्लादेश, म्यामार तथा मालदीव में बन्दरगाह सुविधाएं प्राप्त कर भारत को घेरने की नीति अपनाई. 2014 में चीन ने 21वीं शताब्दी सिल्क रूट योजना के नाम से हिन्द महासागर में प्रभाव बढ़ाने के लिए नई योजना शुरू की है. इस योजना के अन्तर्गत श्रीलंका, बांग्लादेश, मालदीव में चीन द्वारा बन्दरगाह तथा अन्य सुविधाओं का विकास किया जाएगा. इस योजना का घोषित उद्देश्य चीन से हिन्द महासागर होते हुए यूरोप तक समुद्री मार्ग का विकास करना है, लेकिन इससे हिन्द महासागर तथा दक्षिण एशिया में चीन के प्रभाव में वृद्धि होना तय है. भारत को छोड़कर अन्य सभी दक्षिण एशियाई देशों ने इस योजना में शामिल होने की सहमति दे दी है.

2. चीन–पाकिस्तान सामरिक गठजोड़–भारत के साथ खराब सम्बन्धों के चलते चीन तथा पाकिस्तान के बीच सामरिक सम्बन्ध 1960 के दशक से ही चले आ रहे हैं. पाकिस्तान ने 1963 में पाक अधिकृत कश्मीर का 5000 वर्ग किमी क्षेत्र अवैध रूप से चीन को दे दिया था. चीन की सक्रिय सहायता के बिना पाकिस्तान का मिसाइल व परमाणु कार्यक्रम सफल नहीं हो सकता था. चीन ने जम्मू-कश्मीर के निवासियों को नत्थी वीजा देने की नीति अपनाकर जम्मू-कश्मीर को विवादित क्षेत्र बनाने का प्रयास किया है. 2014 में दोनों देशों ने **चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा** (China-Pakistan Economic Corridor) विकसित करने की योजना बनाई है, जिसके अन्तर्गत चीन पाक अधिकृत कश्मीर से होते हुए पाकिस्तान के ग्वादर बन्दरगाह तक सड़क मार्ग के साथ अन्य ढाँचागत सुविधाओं का

विकास करेगा. 46 बिलियन डालर की इस योजना के द्वारा चीन की पाकिस्तान होते हुए अरब सागर तक पहुँच बढ़ जाएगी.

3. अफगानिस्तान की चुनौती– अमरीका ने 2014 में अफगानिस्तान में अपनी सेनाएं कम कर ली थी. परिणाम-स्वरूप, वहाँ पाकिस्तान समर्थित तालीबान समूह प्रभावशाली हो गए हैं. इस राजनीतिक अस्थिरता के बीच पाकिस्तान का प्रयास है कि वहाँ तालीबान समूह राजनीतिक सत्ता प्राप्त कर ले. अगर पाकिस्तान अपने उद्देश्य में सफल होता है, तो भारत का आतंकवाद की एक नई चुनौती का सामना करना पड़ेगा. उधर चीन तथा रूस भी अफगानिस्तान में अपना सामरिक प्रभाव बढ़ा रहे हैं. पाकिस्तान की राजनीतिक अस्थिरता तथा अनिश्चितता भारत के लिए एक नई सामरिक चुनौती बन गई है.

4. दक्षिण एशिया में रूस के बदलते सामरिक समीकरण–वैश्विक राजनीति में अमरीका के विरोध के कारण हाल के वर्षों में चीन तथा रूस के बीच सामरिक घनिष्ठता का विकास हुआ है. इधर भारत व अमरीका के बीच बढ़ते सम्बन्धों के बीच पाकिस्तान व रूस भी नजदीक आए हैं. दोनों देशों ने 2008 में प्रतिरक्षा सहयोग हेतु पहली बार समझौता भी किया है तथा 2016 में संयुक्त सैनिक अभ्यास भी किया है. निष्कर्ष यह है कि भारत के उत्तर-पश्चिम में चीन, पाकिस्तान व रूस के बीच भारत के विरुद्ध एक नया सामरिक गठजोड़ बन रहा है.

उक्त सामरिक चुनौतियों के बीच यद्यपि भारत, अमरीका, जापान तथा अन्य देशों के साथ अपनी सामरिक घनिष्ठता से सन्तोष कर सकता है, लेकिन भारत व चीन के बीच जून 2017 से डोकलम में चल रहे सैनिक तनाव के बीच भारत को चीन, पाकिस्तान व रूस के सामरिक गठजोड़ से सचेत रहने की आवश्यकता है. चीन ने डोकलम की स्थिति पर यह तर्क देना शुरू कर दिया है कि यदि भूटान के निमंत्रण पर भारत अपनी सेनाएं चीन के विरुद्ध भूटान में भेज सकता है तो चीन भी पाकिस्तान के निमन्त्रण पर वहाँ अपनी सेनाएं भारत के विरुद्ध भेज सकता है. ऐसी स्थिति भारत के सामरिक हितों के अनुकूल नहीं है. दूसरी तरफ दक्षिण चीन सागर में चीन तथा अमरीका के बीच जो सैनिक तनाव बना हुआ है, उसमें भारत ने अमरीका के पक्ष का समर्थन किया है तथा इसका प्रभाव भी दक्षिण एशिया की सामरिक स्थिति पर अवश्य होगा.

भारत की परमाणु नीति–वैश्विक अलगाव का अन्त

द्वितीय विश्व युद्ध के समय अमरीका ने जापान के हिरोशिमा तथा नागासाकी शहरों पर 6 अगस्त व 9 अगस्त 1945 को परमाणु बम का हमला किया था, तब से परमाणु शक्ति का महत्व निरन्तर बढ़ता रहा है. परमाणु तकनीक को दोहरे प्रयोग की तकनीक (Dual Use Technology) कहते हैं क्योंकि इसका प्रयोग शांतिपूर्ण कार्यों तथा विध्वंसक हथियार दोनों ही रूपों में हो सकता है. वर्तमान समय में परमाणु हथियार जहाँ किसी देश की प्रतिष्ठा तथा सैनिक शक्ति का प्रतीक है, वहीं परमाणु ऊर्जा को स्वच्छ ऊर्जा का सस्ता विकल्प माना जाता है. वर्तमान समय में विश्व में पाँच परमाणु शक्ति सम्पन्न देश है जिन्हें पी–5 के नाम से जाना जाता है. ये देश हैं–अमरीका, रूस, चीन, ब्रिटेन तथा फ्रांस. इसके साथ ही पाकिस्तान, इजराइल, उत्तरी कोरिया, ईरान तथा भारत को अघोषित परमाणु शक्ति सम्पन्न देश माना जाता है. यद्यपि देशों में किसी देश की वास्तविक परमाणु शक्ति की स्थिति पर विवाद हो सकता है.

दूसरी तरफ जब से परमाणु हथियारों की विध्वंसक क्षमता का प्रदर्शन जापान में हुआ, तब से लेकर अब तक इन हथियारों को सीमित करने के प्रयास चल रहे हैं. इन प्रयासों में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका अग्रणी रही है, लेकिन इन प्रयासों को उल्लेखनीय सफलता नहीं मिली है. इन प्रयासों को मोटे तौर पर दो भागों में बाँटा जा सकता है. प्रथम, शस्त्र नियन्त्रण जिसमें भविष्य में परमाणु हथियारों के उत्पादन व विकास पर रोक लगाई जाती है, लेकिन इसमें वर्तमान में देशों के पास जो हथियार हैं, उनकी स्थिति पर कोई फर्क नहीं पड़ता है. उदाहरण के लिए 1968 की परमाणु अप्रसार सन्धि परमाणुशस्त्रों के नियन्त्रण का तरीका है. दूसरा, निःशस्त्रीकरण के उपाय जिनमें सभी परमाणु हथियारों अथवा एक विशेष श्रेणी के हथियारों को समाप्त करने की बात शामिल होती है. उदाहरण के लिए अमरीका तथा रूस के बीच 1987 में हस्ताक्षरित मध्यम दूरी प्रक्षेपास्त्र सन्धि, जिसके द्वारा मध्यम दूरी के परमाणु प्रक्षेपास्त्रों को पूरी तरह से समाप्त करने की बात कही गई थी. स्पष्ट है कि निःशस्त्रीकरण परमाणु हथियारों पर रोक का अधिक व्यापक उपाय है. भारत परमाणु हथियारों के सम्बन्ध में शस्त्र नियन्त्रण की बजाय निःशस्त्रीकरण का समर्थक है.

भारत का परमाणु कार्यक्रम

भारत का परमाणु कार्यक्रम आजादी के तुरन्त बाद ही आरम्भ हो गया था. परमाणु क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देने के लिए भारतीय परमाणु ऊर्जा आयोग की स्थापना 1948 में कर दी गई थी. 1954 में परमाणु ऊर्जा विभाग की स्थापना हुई. इसका उद्देश्य शांतिपूर्ण क्षेत्रों में परमाणु ऊर्जा के प्रयोग को बढ़ावा देना था. यह विभाग परमाणु ऊर्जा आयोग की देख-रेख में कार्य करता है. 1959 में भारत ने अमरीका के सहयोग से अपना पहला परमाणु संयंत्र तारापुर में स्थापित किया.

भारत का वैश्विक परमाणु अलगाव

भारत का परमाणु कार्यक्रम विवादों के घेरे में आ गया जब भारत ने मई 1974 में पोखरन में अपना पहला शांतिपूर्ण परमाणु परीक्षण किया. अमरीका सहित अन्य पश्चिमी देशों ने इसे भारत द्वारा परमाणु हथियार विकसित करने के प्रयासों के तौर पर देखा गया. परिणामस्वरूप अमरीका सहित सभी देशों ने भारत के विरुद्ध परमाणु तकनीक व सामग्री आयात करने पर प्रतिबन्ध लगा दिया. यही प्रतिबन्ध ही भारत के वैश्विक परमाणु अलगाव की शुरूआत थे. इतना ही नहीं परमाणु तकनीक अथवा सामग्री सम्पन्न देशों ने 1974 में ही परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह (Nuclear Suppliers Group-NSG) की स्थापना की जिसमें यह नियम बनाया गया कि जो देश परमाणु अप्रसार सन्धि पर हस्ताक्षर करेंगे, उन्हीं देशों को ही परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह के सदस्य देशों द्वारा परमाणु तकनीक व परमाणु सामग्री का निर्यात किया जाएगा.

परमाणु अप्रसार सन्धि पर भारत की आपत्ति

भारत ने निम्नलिखित कारणों से परमाणु अप्रसार सन्धि पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया है–

1. यह संधि भेदभाव कारी थी, क्योंकि इसमें परमाणु शक्ति देशों के परमाणु हथियारों पर कोई प्रतिबन्ध नहीं लगाया गया था, जबकि परमाणु शक्ति से रहित देशों पर परमाणु शक्ति अर्जित करने पर रोक लगाई गई थी. भारत इस प्रकार के भेदभाव का विरोध करता है.

2. भारत परमाणु हथियारों के अप्रसार के साथ ही परमाणु निःशस्त्रीकरण का हिमायती है, जबकि इस सन्धि में परमाणु निःशस्त्रीकरण की कोई व्यवस्था नहीं की गई है.

3. प्रत्येक देश को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा को सुनिश्चित करने का अधिकार है. भारत के पड़ोस में चीन 1963 से ही परमाणु शक्ति सम्पन्न देश है तथा उसकी सहायता से पाकिस्तान ने भी परमाणु शक्ति क्षमता अर्जित करती है. इन दोनों ही देशों के साथ भारत के सम्बन्ध अच्छे नहीं रहे हैं. अतः भारत

अपनी सुरक्षा की दृष्टि से परमाणु हथियारों का विकल्प खुला रखना चाहता है. परमाणु अप्रसार सन्धि पर हस्ताक्षर करने से यह विकल्प बन्द हो जाता है.

उक्त कारणों से भारत ने परमाणु अप्रसार सन्धि पर हस्ताक्षर करने से आगे भी मना कर दिया है. परिणामस्वरूप, भारत का वैश्विक अलगाव जारी रहा. इस अलगाव के कारण भारत का परमाणु ऊर्जा का शांतिपूर्ण कार्यक्रम भी बाधित हो गया क्योंकि भारत के पास अपनी आवश्यकता के लिए यूरेनियम का अभाव है तथा भारत प्रतिबन्धों के चलते इसे अन्य देशों से नहीं प्राप्त कर सकता था. यह स्थिति चल ही रही थी कि भारत ने मई 1998 में पोखरन में ही अपना दूसरा परमाणु परीक्षण कर दिया, जिस पर अमरीका तथा जापान सहित अन्य देशों ने भारत के विरुद्ध नए प्रतिबन्धों की घोषणा कर दी.

भारत के परमाणु अलगाव का अन्त

1990 के दशक में सोवियत संघ के विघटन, शीत युद्ध की समाप्ति तथा चीन के सैनिक व आर्थिक उदय के कारण विश्व की सामरिक स्थिति में परिवर्तन आया. अब अमरीका के वर्चस्व को चुनौती देने वाले देश के रूप में सोवियत संघ के स्थान पर चीन की गणना होने लगी. अब अमरीका चीन को संतुलित करने के लिए भारत के साथ अपने सामरिक रिश्ते मजबूत करना चाहता था. दूसरी तरफ सोवियत संघ के विघटन के बाद भारत भी अमरीका के साथ अपने सम्बन्धों को सुधारना चाहता था. इस नई परिस्थिति के चलते भारत व अमरीका के बीच जो सामरिक घनिष्ठता बढ़ी, उसका स्वाभाविक परिणाम दोनों देशों के बीच 2008 के शांतिपूर्ण परमाणु सहयोग समझौते के रूप में आया. अमरीका ने अपने परमाणु नियमों में छूट देकर परमाणु अप्रसार सन्धि पर हस्ताक्षर न करने के बावजूद भारत से परमाणु सहयोग का समझौता किया. समझौते के अनुच्छेद (5) में परमाणु ईंधन, परमाणु मैटीरियल, उपकरण तथा तकनीक के आपसी स्थानान्तरण सम्बन्धी बातों का समावेश किया गया है. समझौतों की शर्तों के अधीन दोनों देशों के बीच ईंधन और तकनीक का स्थानान्तरण किया जा सकेगा. अनुच्छेद (2) में समझौते के क्षेत्र का वर्णन है. इस समझौते की परिधि में आण्विक ऊर्जा के उत्पादन के प्रत्येक चरण में दोनों के मध्य सहयोग की बात कही गई है. जिसमें आण्विक ऊर्जा उच्च शोध, ऊर्जा चक्र से सम्बन्धित टेक्नोलॉजी का हस्तान्तरण, भारत द्वारा आण्विक ईंधन को रिजर्व के रूप में संरक्षित करना, आण्विक सुरक्षा, थर्मो न्यूक्लियर संलयन आदि सम्मिलित हैं. इसके साथ ही समझौते की परिधि में दोनों पक्षों द्वारा आण्विक ईंधन, उपकरण तथा सूचनाओं का आदान-प्रदान सम्मिलित है.

इतना ही नहीं अमरीका ने परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह तथा अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेन्सी में भारत को छूट दिलाने में अग्रणी भूमिका निभाई. **भारत का अमरीका के बीच 2008 के इस शांतिपूर्ण परमाणु सहयोग समझौते के साथ ही भारत का गत 34 वर्षों से चला आ रहा परमाणु अलगाव समाप्त हो गया.** इस समझौते के बाद भारत ने अन्य देशों जैसे रूस, फ्रांस, आस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण कोरिया, आदि देशों के साथ भी इसी तरह के परमाणु सहयोग समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं.

भारत की परमाणु नीति

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने आधिकारिक तौर पर भारत की कोई परमाणु नीति की घोषणा नहीं की है, परन्तु अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर परमाणु कूटनीति के अन्तर्गत भारत के विचारों व व्यवहार के आधार पर भारत की परमाणु नीति की निम्नलिखित विशेषताएं स्पष्ट होती हैं–

1. भारत परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण प्रयोग हेतु प्रत्येक देश के अधिकार का

समर्थन करता है. भारत भी परमाणु ऊर्जा का शांतिपूर्ण उपयोग करना चाहता है.

2. भारत आण्विक अस्त्रों के अस्तित्व को अन्तर्राष्ट्रीय शांति व सुरक्षा के लिए एक खतरा समझता है, लेकिन इसके लिए भारत परमाणु शस्त्र नियन्त्रण के स्थान पर व्यापक परमाणु निःशस्त्रीकरण का समर्थक है.

3. भारत आंशिक तथा भेदभावपूर्ण शस्त्र नियन्त्रण उपायों का समर्थन नहीं करता. इसलिए भारत ने दक्षिण एशिया में आण्विक शस्त्र मुक्त क्षेत्र की धारणा का विरोध किया है.

4. भारत मानता है कि प्रत्येक देश का यह मौलिक अधिकार है कि वह अपनी सुरक्षा और आत्मरक्षा के लिए समुचित उपाय अपनाए. अतः भारत भी अपनी सुरक्षा आवश्यकताओं की दृष्टि से परमाणु हथियारों का विकल्प खुला रखना चाहता है.

5. भारत परमाणु हथियारों के मामलों में पहले प्रयोग न करने के सिद्धान्त (No First Use) का समर्थक है. इसका तात्पर्य यह है कि जब तक भारत के विरुद्ध किसी देश द्वारा पहले परमाणु हथियारों का प्रयोग नहीं किया जाएगा तब तक भारत उसके विरुद्ध परमाणु हथियारों का प्रयोग नहीं करेगा. साथ ही भारत ने यह भी घोषित किया है कि वह गैर-परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्रों के विरुद्ध कभी भी परमाणु हथियारों का प्रयोग नहीं करेगा.

6. भारत सरकार ने अनौपचारिक तौर पर भारत का **परमाणु सिद्धान्त दिनांक 17 अगस्त, 1999 को घोषित किया,** जिसमें भारत की परमाणु शक्ति के निम्नलिखित बिन्दुओं को शामिल किया गया है—

(अ) सार्वभौमिक निःशस्त्रीकरण की वैश्विक व्यवस्था के अभाव में आत्मसुरक्षा के लिए भारत को एक प्रभावी एवं विश्वसनीय परमाणु क्षमता की आवश्यकता है, जिसमें पलटकर जवाबी कार्यवाही करने की भी क्षमता हो.

(ब) भारत एक विश्वसनीय तथा न्यून-तम आण्विक निरोधक क्षमता (Minimum Nuclear Deterrence) को प्राप्त करेगा. चूँकि भारत की नीति जवाब में आण्विक हथियारों के प्रयोग की नीति है, अतः आक्रमण के बाद भी आण्विक हथियारों के बचे रहने की क्षमता अत्यन्त आवश्यक है.

(स) भारत के परमाणु हथियारों का मुख्य उद्देश्य दूसरे देशों को भारत के विरुद्ध परमाणु हथियारों के प्रयोग से रोकना है.

(द) भारत किसी भी देश के विरुद्ध पहले परमाणु हथियारों का प्रयोग नहीं करेगा और न ही भारत उन देशों के विरुद्ध परमाणु हथियारों का प्रयोग करेगा, जिनके पास परमाणु हथियार नहीं हैं.

भारत की परमाणु कूटनीति के आगामी चरण

अभी तक की भारत की परमाणु कूटनीति से यह तय हो गया है कि भारत अपनी सुरक्षा हितों को ध्यान में रखते हुए परमाणु हथियारों का विकल्प खुला रखना चाहता है, लेकिन साथ ही भारत ने यह भी स्पष्ट किया है कि भारत के परमाणु हथियार आकगामक न होकर आत्मरक्षात्मक होंगे तथा भारत पहले किसी देश के विरुद्ध परमाणु हथियारों का प्रयोग नहीं करेगा. साथ ही भारत जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों का सामना करने के लिए परमाणु ऊर्जा का अधिकाधिक उत्पादन करना चाहता है. उसके लिए भारत को वैश्विक सहयोग की आवश्यकता है. इसी के साथ भारत परमाणु शस्त्रों के सार्वभौमिक निःशस्त्रीकरण का भी पक्षधर है. भारत वर्तमान में निम्न बहुपक्षीय मंचों की सदस्यता प्राप्त करना चाहता है ताकि भारत परमाणु ऊर्जा तथा निःशस्त्रीकरण के क्षेत्र में अपना योगदान दे सके—

1. मिसाइल टेक्नॉलॉजी कन्ट्रोल व्यवस्था (Missile Technology Control Regime)—यह व्यवस्था 1987 में अस्तित्व में आई तथा इसके द्वारा परमाणु मिसाइलों के विस्तार पर रोक लगाई गई है. भारत ने इसकी सदस्यता 2016 में प्राप्त कर ली है.

2. परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह (Nuclear Suppliers Group–NSG)—48 देशों के इस समूह की स्थापना 1974 में की गई थी. चीन के विरोध के कारण भारत इसकी सदस्यता प्रज्ञपत नहीं कर सका है. यह समूह उन देशों को परमाणु ईंधन तथा तकनीक के आयात पर प्रतिबन्ध लगाता है जिन्होंने परमाणु अप्रसार सन्धि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं.

3. आस्ट्रेलिया समूह (Australia Group)—इसकी स्थापना 1985 में आस्ट्रेलिया के नेतृत्व में हुई थी. इसमें 41 देश हैं. इसमें ऐसे निर्यात पर रोक लगाई जाती है जिससे नरसंहारक हथियारों को बढ़ावा मिल सके. भारत को इसकी सदस्यता प्राप्त करनी है.

4. वैसेनार व्यवस्था (Wassenaar Arrangement)—33 देशों का यह समूह 1996 में अस्तित्व में आया. इसका उद्देश्य परमाणु अप्रसार सन्धि पर हस्ताक्षर न करने वाले देशों को दोहरे प्रयोग वाली परमाणु तकनीक प्राप्त करने पर रोक लगाना है.

भारत उक्त समूहों की सदस्यता प्राप्त कर अपने परमाणु अलगाव को पूरी तरह समाप्त करना चाहता है. अमरीका भारत की सदस्यता का समर्थन करता है. भारत के मार्ग में मुख्य बाधा भारत द्वारा परमाणु अप्रसार सन्धि पर हस्ताक्षर न किया जाना है. इसी आधार पर चीन उक्त मंचों में भारत की सदस्यता पर रोक लगा रहा है. चीन का तर्क है कि भारत के साथ पाकिस्तान को भी इन मंचों की सदस्यता प्रदान की जानी चाहिए. फिर भी यदि भारत इन मंचों की सदस्यता प्राप्त कर लेता है तो यह भारत की एक बड़ी कूटनीतिक सफलता होगी. ●●●

परमाणु अप्रसार संधि, 1968

परमाणु अप्रसार सन्धि में 11 कुल धाराएं हैं. इस सन्धि में सभी राष्ट्रों को दो श्रेणियों में बाँटा गया है. प्रथम, परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र (NWS-Nuclear Weapon States) जिनमें पाँच राष्ट्र—अमरीका, ब्रिटेन, चीन, फ्रांस तथा सोवियत संघ शामिल है. दूसरे, गैर-परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र (NNWS) जिनके पास परमाणु शक्ति नहीं है तथा जिनमें अन्य सभी राष्ट्र सम्मिलित हैं.

परमाणु अप्रसार संधि में तीन आधारभूत प्रावधान हैं. इन्हें सन्धि के तीन खम्भे भी कहा जाता है. ये हैं—परमाणु अप्रसार; परमाणु ऊर्जा का शांतिपूर्ण प्रयोग का अधिकार तथा निःशस्त्रीकरण.

परमाणु अप्रसार—*सन्धि की धारा 1 में यह कहा गया है कि परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र अन्य राष्ट्रों को कोई आण्विक हथियार, तकनीक अथवा उपकरण हस्तान्तरित नहीं करेंगे. धारा 2 में यह व्यवस्था है कि सभी गैर-परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र किसी भी स्रोत से परमाणु हथियार उनकी तकनीक तथा सम्बन्धित उपकरण नहीं प्राप्त करेंगे. धारा 3 में यह व्यवस्था है कि प्रत्येक गैर-परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र अन्तर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेन्सी के साथ एक समझौता करेगा, जिसके द्वारा इस एजेन्सी को यह अधिकार होगा कि वह निगरानी करके यह सुनिश्चित करे कि इन देशों में परमाणु तकनीक का प्रयोग हथियारों के लिए नहीं हो रहा है.*

परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण प्रयोग का अधिकार—*इस संधि के सभी सदस्य राष्ट्रों को अधिकार होगा कि वे परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण प्रयोग हेतु शोध, विकास तथा अन्य उपाय कर सकेंगे. इन उपायों में शांतिपूर्ण प्रयोग के लिए तकनीक और उपकरणों का हस्तान्तरण भी शामिल है.*

निःशस्त्रीकरण—*सन्धि की धारा 6 में यह व्यवस्था की गई है कि सदस्य राष्ट्र पूरी निष्ठा के साथ आण्विक शस्त्रों की दौड़ को रोकने के लिए प्रभावी उपाय अपनाने हेतु वार्तायें करेंगे, जिससे अन्ततः अन्तर्राष्ट्रीय नियन्त्रण में पूर्ण आण्विक निःशस्त्रीकरण के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके.*

यह सन्धि परमाणु निःशस्त्रीकरण के बजाय गैर-परमाणु राष्ट्रों पर परमाणु तकनीक व हथियार प्राप्त करने पर रोक लगाने का एक साधन बन गई है.

भारत के प्रमुख ऐतिहासिक व्यक्तित्व

✍ दानिश बिलाल

नागार्जुन

नागार्जुन एक महान् बौद्ध दार्शनिक एवं विद्वान् थे. अधिकतर विद्वान् मानते हैं कि वह 150 ई.पू. से 250 ई.पू. के बीच रहे थे. वह महायान बौद्ध धर्म के इतने महान् दार्शनिक थे कि तिब्बती एवं पूर्व एशिया के महायान ग्रन्थों एवं परम्पराओं में नागार्जुन को 'द्वितीय महात्मा बुद्ध' भी कहा गया है. यह नागार्जुन ही थे, जिन्होंने शून्य के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया था. नागार्जुन को पारम्परिक रूप से 'माध्यमिका दर्शन' अर्थात् मध्यम मार्ग मत का प्रतिपादन करने वाला भी स्वीकार किया जाता है. माध्यमिका दर्शन महायान बौद्ध धर्म का प्रमुख दर्शन है. नागार्जुन अपनी पुस्तक **माध्यमिकशास्त्र**, जिसे **'माध्यमिककारिका'** भी कहा जाता है, के लिए सर्वाधिक विख्यात हैं. 450 पद्यों में लिखित इस पुस्तक में नागार्जुन ने मध्यम मार्ग की एक तर्कपूर्ण एवं दार्शनिक व्याख्या प्रस्तुत की.

शून्यवाद को सापेक्ष्यवाद भी कहा जाता है, जिसके अनुसार प्रत्येक वस्तु किसी-न-किसी कारण से उत्पन्न हुई है तथा अन्यो-न्याश्रित निर्भर है. नागार्जुन ने **युक्तिषष्टिका** नामक तर्कशास्त्र पर आधारित 60 पदों की एक पुस्तक भी लिखी है. **शून्यतासप्तती** एवं **विग्रहव्यावरतन्त्र** नागार्जुन द्वारा लिखित अन्य ग्रन्थ है. शून्यतासप्तती में शून्य के मत को 70 दार्शनिक पदों में बताया गया है.

नागार्जुन ने बोधिसत्व के विचार पर विशेष बल दिया है. इसका अर्थ है कि वह व्यक्ति, जो अपने विचारों एवं दर्शन को उच्च स्तर पर लाकर महात्मा बुद्ध बनना चाहता है. नागार्जुन ने **'सूत्रसमुच्चय'** के नाम से अनेक सूत्रों का संकलन किया तथा उन्हें महात्मा बुद्ध के वास्तविक शब्दों के रूप में महायान बुद्ध धर्म में प्रचारित किया. नागार्जुन ने **वैदलयाप्रकरण** नामक अपनी पुस्तक में न्याय दर्शन से जुड़ी तर्क श्रेणियों का खण्डन किया है. **रत्नावली** नागार्जुन द्वारा लिखित एक अन्य उल्लेखनीय ग्रन्थ है, जिसमें उन्होंने एक राजा से विभिन्न दार्शनिक एवं नैतिक विषयों पर विचार-विमर्श किया है, किन्तु नागार्जुन का सम्पूर्ण दर्शन शून्यता तथा मध्यम मार्ग पर ही आधारित है. नागार्जुन ने **प्रतीत्यसमुत्पाद** को ही शून्यता कहा है. इस मत में महात्मा बुद्ध द्वारा प्रतिपादित **मध्यम-मार्ग** को और विकसित रूप प्रदान किया गया है.

आचार्य कणाद

महर्षि कणाद प्राचीन भारत के महान् दार्शनिक, वैज्ञानिक एवं सन्त थे. वह **वैशेषिक दर्शन** के प्रतिपादक थे तथा उन्होंने इसी दर्शन में 'अणु के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया था.

आचार्य कणाद का वास्तविक नाम कश्यप था. ऐसा स्वीकार किया जाता है कि वह छठी शताब्दी ई.पू. से द्वितीय शताब्दी ई.पू. के बीच आधुनिक गुजरात में द्वारका के निकट प्रभास क्षेत्र में रहे थे. उन्होंने 'वैशेषिक सूत्र' में अपने अणु के सिद्धान्त की विस्तृत व्याख्या की है. कणाद के अनुसार इस संसार में प्रत्येक तत्व असंख्य अनगिनत एवं नाशहीन कणों से मिलकर बना है तथा इन कणों में उस तत्व के गुण विद्यमान होते हैं. आचार्य कणाद ने इन्हीं असंख्य कणों को उस तत्व का अणु कहा है. उनके अणु के सिद्धान्त ने इस ब्रह्माण्ड के निर्माण एवं अस्तित्व के विभिन्न रहस्यों को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. उन्होंने अणु को स्पष्ट करते हुए कहा कि प्रत्येक तत्व अत्यन्त छोटे कणों से मिलकर बना है. इन कणों को हम और छोटा या विभाजित नहीं कर सकते. ये ही कण अणु कहलाते हैं. कणाद ने अपने अणु के सिद्धान्त से मोक्ष को एक नया दार्शनिक स्वरूप प्रदान किया. कणाद का वैशेषिक दर्शन प्राचीन हिन्दू धर्म के छः प्रमुख दर्शन (षड् दर्शन) में से एक दर्शन है. आचार्य कणाद का कण (अणु) का दर्शन उनके नाम में भी दिखता है. कणाद को **कणभुक** एवं **उलूक** के नाम से भी जाना जाता है.

सन्त कबीर

सन्त कबीर मध्यकालीन भारत के सबसे महान् एवं सम्मानित समाज सुधारकों एवं साहित्यकारों में से एक थे. कबीर निर्गुण भक्ति शाखा के विख्यात सन्त थे तथा सन्त रामानन्द के प्रिय शिष्य थे. कबीर के जन्म वर्ष के बारे में कुछ भी निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता है. कुछ इतिहासकार कहते हैं कि कबीर का जन्म 1398 ई.पू., जबकि कुछ विद्वान् दावा करते हैं कि वह 1440 ई. में पैदा हुए थे. वह वाराणसी के एक तालाब में एक मुस्लिम जुलाहे को मिले थे. इस मुस्लिम जुलाहे ने कबीर का पालन-पोषण किया था. उस जुलाहे का नाम नीरू तथा उसकी पत्नी का नाम नीमा था. उन्होंने बालक का नाम कबीर रखा, जिसका अर्थ था—'महान् एवं बड़ा'.



कबीर विख्यात हिन्दू सन्त रामानन्द के शिष्य बन गए. कबीर मूलरूप से एक शिक्षक एवं आलोचक थे तथा उन्होंने उस समय के हिन्दू एवं मुस्लिम समाज में व्याप्त विभिन्न कुरीतियों एवं बुराइयों की कड़ी आलोचना की थी. उन्होंने मूर्ति पूजा, जाति प्रथा जैसी हिन्दू समाज की बुराइयों तथा मुस्लिमों के रमज़ान माह के व्रत (रोजा). समाधियों एवं मजारों के सम्मान एवं पूजा जैसे कर्मों की निन्दा की. उन्होंने हिन्दू एवं मुस्लिमों के बीच व्याप्त अविश्वास एवं मतभेद को दूर करने का अथक प्रयास किया. उन्होंने भक्ति आन्दोलन को भारतीय समाज एवं लोगों के लिए अधिक अर्थपूर्ण एवं उत्तरदायी बना दिया. कबीर की मृत्यु 1518 ई. को हो गई.

- कबीर की उल्लेखनीय साहित्यिक रचनाएं **कबीर बीजक, 'कबीर परिचय', साखी, सबद** आदि हैं.
- सिख धर्म की पवित्र पुस्तक गुरु ग्रन्थ साहिब में कबीर के 500 से अधिक पद्य हैं.
- कबीर ने हिन्दी कविता में दोहा का प्रयोग किया है तथा उसे अत्यधिक प्रचलित

प्राचीन भारत के छः प्रमुख दार्शनिक मत (षड् दर्शन)

दर्शन	प्रतिपादक/संस्थापक	मुख्य ग्रन्थ
1. वैशेषिक दर्शन	आचार्य कणाद (उलूक)	वैशेषिक सूत्र
2. सांख्य दर्शन	कपिल	सांख्य सूत्र
3. न्याय दर्शन	अक्षपाद गौतम	न्याय सूत्र
4. योग दर्शन	पतंजलि	योग सूत्र
5. मीमांसा/पूर्व मीमांसा	जैमिनी	पूर्व मीमांसा सूत्र
6. वेदान्त/उत्तर मीमांसा	बादरायण	वेदान्त सूत्र/ब्रह्म सूत्र

किया. कबीर को मध्यकालीन भारत में शान्ति एवं सद्भाव का देवदूत स्वीकार किया जाता है.

सन्त नामदेव

सन्त नामदेव महाराष्ट्र के भक्ति आन्दोलन से जुड़े विख्यात कवि एवं सन्त थे. इनका आविर्भाव महाराष्ट्र के भक्ति आन्दोलन के आरम्भिक काल में हुआ था तथा इन्होंने अपने समकालीन सन्त ज्ञानेश्वर के साथ मिलकर 13वीं तथा 14वीं शताब्दी में भक्ति आन्दोलन को महाराष्ट्र में अत्यधिक सफल एवं लोकप्रिय बना दिया था.

नामदेव केलेकर का जन्म 1270 ई. में महाराष्ट्र के सतारा जिले में कन्हाड़ नामक स्थान पर हुआ था. उनके पिता दामाशेट एक दर्जी थे तथा उनकी माता का नाम जोनाबाई था. वे छिपी जाति के थे, जो उच्च जाति नहीं मानी जाती थी. नामदेव पंढारपुर के श्री पुरन्दर विट्ठल के परम भक्त थे. अपने आध्यात्मिक एवं दार्शनिक विचारों की शुद्धता, परिपक्वता एवं स्पष्टता प्राप्त करने के लिए नामदेव ने विशोबा खेचर की शिष्यता ग्रहण कर ली, जो उस समय के विख्यात आध्यात्मिक गुरु थे. उन्होंने अपने लघु भक्ति गीतों के माध्यम से सादा किन्तु उच्च विचारों का प्रचार आरम्भ कर दिया. उनके इन लघु भक्ति गीतों को **'अभंग'** कहा जाता है. उन्होंने भक्त एवं ब्रह्म के बीच प्रत्यक्ष एवं पूर्णतः समर्पण वाले सम्बन्धों पर बल दिया. उन्होंने कहा कि पूर्ण समर्पण एवं शुद्ध भक्ति के द्वारा ही भक्त ईश्वर (ब्रह्म) को प्राप्त कर सकता है. उन्होंने समाज में समानता एवं सद्भाव को अति आवश्यक बताया है तथा जाति-प्रथा की कड़ी आलोचना की है. उनके साधारण किन्तु उच्च विचारों ने समाज के एक बड़े वर्ग को प्रभावित किया एवं सामान्य जनमानस में सन्त नामदेव अत्यन्त लोकप्रिय हुए थे. सन्त नामदेव ने 1350 ई. में इस संसार को त्याग दिया. नामदेव ने सन्त ज्ञानेश्वर के साथ मिलकर कई स्थानों का भ्रमण किया तथा भक्ति आन्दोलन को लोकप्रिय बनाया, किन्तु ज्ञानेश्वरजी की मृत्यु के पश्चात् नामदेव ने महाराष्ट्र छोड़ दिया एवं वह पंजाब के गुरुदासपुर जिले में स्थित घोमन गाँव में बस गए. यहीं पर उन्होंने अपने विचारों एवं मत का प्रचार किया.

- सन्त नामदेव ने अपने आध्यात्मिक विचारों को अपने लघु भक्ति गीतों के माध्यम से प्रचारित किया. उनके लघु भक्ति गीत **'अभंग'** कहलाते हैं.
- नामदेव के अभंगों को **'नामदेवाची गाथा'** में संकलित किया गया है. इसी संकलन में उनकी **तीर्थवह** नामक एक बड़ी आत्मकथात्मक कविता भी सम्मिलित है.
- नामदेव के बहुत से अभंगों (लघु भक्ति गीतों) को सिख धर्म की पवित्र पुस्तक 'गुरु ग्रन्थ साहिब' में भी सम्मिलित किया गया है.
- सन्त नामदेव की भक्ति एवं समर्पण का मुख्य आधार पंढारपुर के 'विठोबा' अथवा 'विट्ठल' थे.
- नामदेव मूलतः निर्गुणवादी थे. उन्होंने मूर्ति पूजा एवं धर्म के बाह्यडम्बरों का कड़ा विरोध किया है. उन्होंने केवल प्रेम, भक्ति एवं ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण पर बल दिया है.
- नामदेव ने वारकरी साम्प्रदाय की स्थापना की. यह सम्प्रदाय विठोबा की भक्ति करने वाला था.
- नामदेव के विठोबा हिन्दू भगवान 'विष्णु जी' का रूप हैं.

गोपाल हरि देशमुख

गोपाल हरि देशमुख महाराष्ट्र के एक समाज-सुधारक थे. उनका जन्म 1823 ई. में पुणे में हुआ था. वह स्त्री-शिक्षा के प्रबल समर्थक थे. इसके साथ ही वह समाज में पाश्चात्य शिक्षा पद्धति के पक्षधर थे, ताकि लोगों के विचारों एवं जीवन-शैली में आधुनिकता, परिपक्वता एवं तार्किकता आ सके.

- गोपाल हरि देशमुख ने 'प्रभाकर' नामक साप्ताहिक पत्र में **'लोकहितवादी'** उपनाम से समाज सुधार के उद्देश्य से अनेक लेख लिखे थे. कालान्तर में गोपाल हरि को 'लोकहितवादी' के नाम से जाना जाने लगा.
- समाज सुधार पर लोकहितवादी को 100 लेखों को **'लोकहितवादिनची शतपत्रे'** नाम से संकलित किया गया.
- वह गवर्नर-जनरल की परिषद् के सदस्य भी रहे थे.
- लोकहितवादी ने अपने लेखों में बाल-विवाह, दहेज, अशिक्षा आदि कुप्रथाओं की कड़ी आलोचना की है.
- उन्होंने **हितेच्छु** नामक एक साप्ताहिक पत्र अंग्रेजी एवं गुजराती में आरम्भ किया.
- हितेच्छु के अतिरिक्त गोपाल हरि देशमुख 'लोकहितवादी' अन्य पत्र एवं पत्रिकाओं जैसे—**ज्ञान प्रकाश, इन्दु प्रकाश** तथा **लोकहितवादी** आदि से भी जुड़े हुए थे.

सुरेन्द्रनाथ बनर्जी

सुरेन्द्रनाथ बनर्जी आधुनिक भारत के प्रमुख राष्ट्रवादी नेता तथा बंगाल में क्रूर विदेशी शासन के विरुद्ध एक सशक्त जनमत का निर्माण करने वाले एक स्वतन्त्रता सेनानी थे. उनका जन्म 10 नवम्बर, 1848 ई. को कलकत्ता (अब कोलकाता) के एक प्रतिष्ठित ब्राह्मण परिवार में हुआ था. उनके पिता दुर्गाचरण बनर्जी एक डॉक्टर थे तथा उदार विचारों वाले व्यक्ति थे. अपनी आरम्भिक शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् सुरेन्द्रनाथ बनर्जी ने कलकत्ता विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य में स्नातक की उपाधि ली. वह 'भारतीय सिविल सेवा परीक्षा' में भाग लेने के लिए इंगलैण्ड भी गए थे तथा अंग्रेजों के नस्लवादी भेदभाव के कारण आने वाली अनेक कठिनाइयों के बावजूद, वह परीक्षा में सफल रहे. वह सिलहट में सहायक मजिस्ट्रेट पद पर नियुक्त हो गए, किन्तु शीघ्र ही कुछ तुच्छ आरोपों के अन्तर्गत बर्खास्त कर दिए गए, क्योंकि ब्रिटिश सरकार उन्हें एक सिविल सेवक के रूप में आगे कार्य नहीं करने देना चाहती थी, क्योंकि सुरेन्द्रनाथ बनर्जी एक भारतीय थे.



सुरेन्द्रनाथ ने अपने देश एवं देशवासियों की सेवा करने का दूसरा मार्ग चुना. उन्होंने 1876 ई. में एक अन्य राष्ट्रवादी नेता आनन्द-मोहन बोस के साथ मिलकर **भारतीय राष्ट्रीय सभा** (Indian National Association) की स्थापना की. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के आविर्भाव से पूर्व भारतीय राष्ट्रीय सभा एक प्रमुख राजनीतिक संगठन था. बाद में इसका विलय कांग्रेस में ही कर दिया गया. सुरेन्द्रनाथ बनर्जी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संस्थापक सदस्यों में से एक थे. उन्होंने बंगाल विभाजन का कड़ा विरोध किया. उनके राजनीतिक विचार किसी एक श्रेणी जैसे अतिवादी एवं उदारवादी तक सीमित नहीं थे, किन्तु वह अपने देशवासियों को ब्रिटिश सरकार के अलोकतान्त्रिक एवं अत्याचारी शासन से मुक्त करना चाहते थे. यही उनके जीवन का एकमात्र उद्देश्य था. इसलिए भारत से विदेशी शासन समाप्त करने एवं स्वराज लाने के लिए उन्होने अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया. सुरेन्द्रनाथ बनर्जी की मृत्यु 6 अगस्त, 1925 ई. को हुई.

- सुरेन्द्रनाथ बनर्जी ने 1871 ई. में भारतीय सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण की थी.
- उन्होंने आनन्दमोहन बोस के सहयोग से भारतीय राष्ट्रीय सभा (Indian National Association) तथा भारतीय राष्ट्रीय सम्मेलन (Indian National Conference) जैसे संगठनों की स्थापना की.
- वह 'भारतीय राष्ट्रीय स्वतन्त्रता संघ' (Indian National Liberation Federation) के भी संस्थापक थे.
- सुरेन्द्रनाथ बनर्जी ने अपने राष्ट्रवादी विचारों को देशवासियों तक पहुँचाने के

लिए **बंगाली** नामक एक पत्र भी आरम्भ किया.

- वह दो बार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए—पहली बार 1895 में पूना अधिवेशन में तो दूसरी बार 1902 ई. में अहमदाबाद अधिवेशन में.
- 'ए नेशन इन मेकिंग' (A Nation in Making) सुरेन्द्रनाथ बनर्जी द्वारा लिखित एक महत्वपूर्ण पुस्तक है.
- ब्रिटिश सरकार ने 1921 में उन्हें नाइट (Knight) की उपाधि से अलंकृत किया तथा वह 'सर' सुरेन्द्रनाथ बनर्जी बन गए.
- सुरेन्द्रनाथ बनर्जी को 'राष्ट्रगुरु' भी कहा जाता है.

बाल गंगाधर तिलक

बाल गंगाधर तिलक महान् स्वतन्त्रता सेनानी थे, जिन्होंने अपने कुशल नेतृत्व से भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन को एक नई स्फूर्ति एवं दिशायुक्त गतिशीलता प्रदान की थी. बाल गंगाधर तिलक उन स्वतन्त्रता सेनानियों में से थे, जिनकी लोकप्रियता एवं स्वीकार्यता पूरे भारतवर्ष में थी. उनका जन्म



22 जुलाई, 1856 ई. को महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के एक सभ्य एवं सुसंस्कृत हिन्दू परिवार में हुआ था. उनके पिताजी गंगाधर शास्त्री एक अध्यापक एवं संस्कृत के विद्वान् थे. अपनी प्रारम्भिक शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् उन्होंने दक्कन कॉलेज पुणे से 1877 ई. में स्नातक की उपाधि प्राप्त की. उन्होंने मुम्बई के प्रतिष्ठित एलफिन्स्टन कॉलेज से एल.एल.बी. की डिग्री प्राप्त की.

तिलक अपने देशवासियों पर विदेशियों के क्रूर, अन्यायपूर्ण तथा अत्याचारपूर्ण शासन को देखकर अत्यधिक दुखी होते थे. तिलक ने भारत में ब्रिटिश शासन की क्रूरता एवं अन्याय की आलोचना करने के लिए एवं भारतीय जनमानस को जागरूक करने के लिए मराठी भाषा में **केसरी** तथा अंग्रेजी भाषा में **मराठा** नामक दो समाचार-पत्र निकालना आरम्भ किए. तिलक भारतीयों को उनके गौरवपूर्ण अतीत से परिचित करवाना चाहते थे, ताकि उनमें आत्मविश्वास एवं आत्मसम्मान की भावनाओं का संचार हो सके. देशवासियों में राष्ट्रीयता एवं देशभक्ति की भावनाओं का संचार करने के लिए तिलक ने 'शिवाजी जयन्ती' एवं 'गणेश चतुर्थी' जैसे पर्व एवं उत्सवों की शुरूआत की.

यह बाल गंगाधर तिलक ही थे, जिन्होंने भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन को उच्च शिक्षित वर्ग से लेकर आम भारतीय जनमानस के बीच फैलाया. उन्होंने भविष्य में महात्मा गांधी के स्वतन्त्रता आन्दोलनों के लिए एक मजबूत नींव तैयार कर दी. वह पहले प्रमुख कांग्रेसी नेता थे, जो देश के लिए कई बार जेल गए. उन्होंने कोल्हापुर के महाराज के प्रति ब्रिटिश सरकार के कठोर एवं अन्यायपूर्ण व्यवहार की कठोर आलोचना की तथा उन्हें उनकी इस भर्त्सना करने के लिए चार माह की जेल की सजा हुई.

1897 ई. में तिलक पर मि. रेण्ड तथा लेफ्टिनेंट एयर्स्ट की हत्या को उकसावा देने का आरोप लगा. उन्हें मुज्जफरपुर बम केस पर अपने निर्भीक विचार व्यक्त करने के कारण 1908 में छः वर्ष के कारावास की सजा हुई एवं उन्हें माण्डले जेल भेज दिया गया था. संक्षेप में उन्होंने हर प्रकार से भारत में ब्रिटिश शासन का कड़ा विरोध किया तथा उसको भारत के लिए एक अभिशाप स्वीकर किया. वह कांग्रेस के उग्र दल के प्रमुख नेता थे. वह कांग्रेस के उदार दल के नेताओं के विचारों एवं कार्यकलापों से कभी सन्तुष्ट नहीं रहे. तिलक के स्वतन्त्रता आन्दोलन के प्रमुख सिद्धान्त थे—स्वदेशी, बहिष्कार एवं शिक्षा. बर्मा की माण्डले जेल से 1915 ई. में वापस लौटने के पश्चात् वह फिर स्वतन्त्रता आन्दोलन में सक्रिय हो गए. उन्होंने 1916 में पूना (अब पुणे) में होमरूल लीग की स्थापना की. इस प्रकार उन्होंने सम्पूर्ण जीवन देश की स्वतन्त्रता एवं सेवा के लिए समर्पित कर दिया. 1 अगस्त, 1920 ई. को तिलक का देहान्त हो गया.

- वेलेन्टाइन शिरोल ने बाल गंगाधर तिलक को 'भारत की अशान्ति का जनक' कहा है.
- तिलक 'लोकमान्य' के नाम से भी विख्यात थे.
- तिलक ने स्वराज की अपनी माँग को इस प्रकार व्यक्त किया है—

  "स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है तथा इसे लेकर रहूँगा."
- वह कांग्रेस के तीन प्रमुख उग्र दल के नेताओं में से एक थे. यह दल बाल, लाल तथा पाल के नाम से जाना जाता था. लाला लाजपत राय तथा बिपिन चन्द्र पाल इस महान् त्रिमूर्ति के दो अन्य सदस्य थे.
- **गीता रहस्य** एवं **'दि आर्कटिक होम ऑफ दि वेदाज'** तिलक द्वारा लिखित प्रमुख पुस्तकें हैं.
- उन्होंने 1893 ई. में गणपति उत्सव तथा 1895 ई. में शिवाजी उत्सव आरम्भ किया.

●●●

फोकस

राष्ट्रीय अकादमिक निक्षेपागार
(National Academic Depository—NAD)

भारत के 1,35,335 माध्यमिक विद्यालयों, 1,09,318 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों, में दसवीं एवं बारहवीं कक्षाओं की परीक्षाएं कराने वाली 55 शिक्षा परिषदें (जैसे कि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् तथा राज्यों की माध्यमिक शिक्षा परिषदें), 47 केन्द्रीय विश्वविद्यालय, 365 राज्य सार्वजनिक विश्वविद्यालय, 269 प्राइवेट विश्वविद्यालय, 122 डीम्ड विश्वविद्यालय, 74 राष्ट्रीय महत्व के संस्थान, 23 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों, 19 भारतीय प्रबन्ध संस्थानों, 31 राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों, 5 राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों, 4 राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों, 5 राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा एवं शोध संस्थानों, भारतीय विज्ञान संस्थान, 12 अन्य केन्द्र पोषित संस्थान तथा 12,276 स्टैण्ड एलोन संस्थाएं, बैंक, शिक्षक पात्रता परीक्षा कराने वाले निकायों जो प्रतिवर्ष 9,60,13,000 से अधिक विद्यार्थियों की परीक्षाएं कराकर उन्हें अंकतालिकाएं एवं प्रमाण-पत्र/डिग्रियाँ वितरित करते हैं. विद्यार्थियों को इन अकादमिक अंक-तालिकाओं/प्रमाण-पत्रों/डिग्रियों की आवश्यकता पड़ती रहती है, क्योंकि इन्हीं के आधार पर उन्हें अगली कक्षाओं/पाठ्यक्रमों में प्रवेश मिलता है तथा केन्द्र सरकार/राज्य सरकारों/सार्वजनिक उपक्रमों/निजी-देशी विदेशी कम्पनियों में रोजगार मिलता है. फर्जी दस्तावेजों के आधार पर उच्चतर पाठ्यक्रमों/कक्षाओं में प्रवेश लेने अथवा नौकरी प्राप्त कर लेने की बढ़ती घटनाओं के चलते शिक्षण संस्थाओं तथा सेवायोजक निकायों द्वारा चयनित अभ्यर्थियों के शैक्षणिक अभिलेखों का सत्यापन कराया जाता है. सत्यापन हो जाने तक प्रवेश/नियुक्ति औपबन्धिक होती है. परीक्षा सम्पादित कराने वाले निकाय कार्य के भारी बोझ के चलते समय से अभिलेखों का सत्यापन भी नहीं कर पाते इसका खामियाजा अन्ततः विद्यार्थियों/अभ्यर्थियों को ही उठाना पड़ता है.

कागज पर बनाई गई अंकतालिकाओं/प्रमाण-पत्रों/डिग्रियों के खो जाने, नष्ट हो जाने, स्याही फीकी पड़ जाने का खतरा भी बना रहता है. परीक्षा कराने वाले निकायों से मूल अभिलेख/द्वितीय प्रति प्राप्त करना भी एक दुरुह कार्य है.

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रसार ने शैक्षणिक अभिलेखों सहित अन्य सभी प्रकार के अभिलेखों के रख-रखाव, आवश्यकता पड़ने पर उसकी अभिप्रमाणित प्रतिलिपि प्राप्त करना, अभिलेखों की वैधता को सत्यापित करने को सुगम एवं लागत प्रभावी बना दिया है. भारत सहित विश्व के अन्य अनेक देशों में इसकी पहल पूँजी बाजार में डिपोज़िटरी की स्थापना के साथ हुई. भारत में निम्नलिखित दो डिपोज़िटरी स्थापित की गईं.

1. राष्ट्रीय सिक्योरिटीज़ डिपोज़िटरी लि. (NSDL)—भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, भारतीय यूनिट ट्रस्ट तथा भारतीय राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज (सभी मुख्य प्रायोजक); भारतीय स्टेट बैंक, एचडीएफसी बैंक, ओरिएन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स, केनरा बैंक, देना बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया, स्टैण्डर्ड चार्टर्ड बैंक, एक्सिस बैंक, सिटी बैंक, ड्यूश बैंक, एचएसबीसी (अन्य पणधारी) के द्वारा अगस्त 1996 में राष्ट्रीय सिक्योरिटीज़ डिपोज़िटरी लि. की स्थापना की गयी.

2. केन्द्रीय डिपोज़िटरी सर्विसेज़ लि. (CSDL)—बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लि. द्वारा फरवरी 1999 में स्थापित की गई.

ये दोनों डिपोज़िटरी भारत के सभी प्रकार के शेयर धारकों के शेयर प्रमाण-पत्रों/डिवेंचरों को डीमैट रूप में उनके खातों में, जो डीपी के माध्यम से खुलवाए जाते हैं, रखती है. इस व्यवस्था से शेयरों को भौतिक चलन पूरी तरह से बन्द हो गया है. यदि कोई निवेशक किसी कम्पनी के शेयर या डिवेंचर खरीदता है, तो उसकी प्रविष्टि उसके डिपोज़िटरी खाते में कर दी जाती है. यदि कोई शेयर बेचा जाता है, तो उसे निवेशक के डिपोज़िटरी खाते से हटा दिया जाता है. इससे शेयर प्रमाण-पत्रों को भौतिक रूप से सुरक्षित रखने, क्रय-विक्रय की स्थिति में उन्हें रजिस्ट्रार ऑफ कम्पनीज़ के माध्यम से हस्तान्तरित कराने जैसी जटिल प्रणाली से मुक्ति मिल गई है.

नेशनल एकैडेमिक डिपोज़िटरी

सभी अकादमिक अभिलेखों को ऑनलाइन रखे जाने की पहल पूँजी बाजार में की गई डिपोज़िटरी की पहल की सफलता से प्रेरित है. यह 10 जुलाई, 2017 को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी द्वारा प्रारम्भ की गई. ई-एजूकेशन पहल का हिस्सा है. स्वयं (SWAYAM), स्वयं प्रभा (SWAYAM PRABHA), राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी ई-एजूकेशन पहल के अन्य अंग हैं.

नेशनल एकैडेमिक डिपोज़िटरी वस्तुतः शैक्षणिक अभिलेखों का ऑनलाइन स्टोर हाउस है जहाँ से इसके प्रतिभागी 24 × 7 घण्टे शैक्षणिक अभिलेख–अंकतालिकाएं, प्रमाण-पत्र, डिग्रियाँ, डिप्लोमा न केवल प्राप्त कर सकते हैं, वरन् सम्बन्धित पणधारी (विद्यार्थी) की सहमति से उनकी सत्यता की जाँच भी कराई जा सकती है.

राष्ट्रीय एकैडेमिक डिपोज़िटरी निम्नलिखित दो अन्तः प्रचालनीय डिज़िटल डिपोज़िटरी का एक वैधानिक तन्त्र है.

(i) सीडीएसएल वेंचर्स लि. (CVL)

(ii) एनएसडीएल डाटा बेस मैनेजमेन्ट लि. (NDML)

राष्ट्रीय अकादमिक निक्षेपागार (NAD) के अन्तर्गत आने वाले अकादमिक निकाय

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग निम्नलिखित संवर्गों के अन्तर्गत स्थापित एवं कार्यरत् प्रत्येक अकादमिक निकाय को उसके नाम के साथ सूचीबद्ध करेगा.

केन्द्रीय शैक्षणिक संस्थाएं

- ★ *केन्द्रीय विश्वविद्यालय*
- ★ *केन्द्रीय उच्च शैक्षणिक संस्थाएं*
- ★ *केन्द्रीय/राज्य विधायिका द्वारा पारित कानूनों के अन्तर्गत स्थापित निकाय*
- ★ *डिप्लोमा प्रदान करने वाले केन्द्रीय उच्च शैक्षणिक संस्थान*

- *विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा एनएडी में सहभागिता हेतु राज्य विश्वविद्यालय एवं डीम्ड विश्वविद्यालय*
- *विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनुमोदित निजी विश्वविद्यालय*
- *एनएडी में सहभागिता हेतु कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय द्वारा अनुमोदित संस्थाएं*
- *केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् एवं अन्य शैक्षणिक बोर्ड*
- *राज्यों के माध्यमिक शिक्षा परिषद्*
- *पात्रता परीक्षा कराने वाले निकाय-उच्च शिक्षा में **UGC-NET** तथा प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक शिक्षा में **CTET/TET–CBSE etc.***

राष्ट्रीय अकादमिक निक्षेपागार से जुड़े पणधारियों की भूमिकाएं एवं दायित्व

निक्षेपागार–(i) NDML तथा (ii) CVL	अकादमिक संस्थान (राष्ट्रीय अकादमिक निक्षेपागार में पंजीकृत)	विद्यार्थी (राष्ट्रीय अकादमिक निक्षेपागार में पंजीकृत खाताधारक)
● यूजीसी के साथ त्रिपक्षीय करार करना	● किसी एक निक्षेपागार के साथ सेवा-स्तरीय करार (SLA) करना	● आधार संख्या के साथ किसी एक निक्षेपागार में पंजीयन कराना
● अकादमिक संस्थानों के साथ सेवा स्तरीय करार करना	● निक्षेपागारों को प्रमाण-पत्र का नमूना एवं मास्टर डाटा उपलब्ध कराना	● आधार कार्ड न होने की दशा में निक्षेपागार द्वारा प्रदत्त विशिष्ट NAD ID प्रयुक्त करना
● अकादमिक संस्थाओं, विद्यार्थियों एवं सत्यापन कराने वालों का पंजीयन करना	● अकादमिक अभिलेखों का डाटा जमा कराना	● सत्यापन एवं आधार/विशिष्ट NAD ID से उसे जोड़ने के लिए इन्हें निक्षेपागारों को उपलब्ध कराना
● राष्ट्रीय अकादमिक निक्षेपागार डाटाबेस में डाटा की ईमानदारी सुनिश्चित करना	● अकादमिक अभिलेखों की परिशुद्धता सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी	● एकल खाते में अपने सभी डिजिटल प्रमाण-पत्रों को कभी भी, कहीं भी देखना तथा प्रिन्ट करना
● अकादमिक संस्थाओं को अकादमिक अभिलेखों को ऑनलाइन जमा कराने की अनुमति देना	● राष्ट्रीय अकादमिक निक्षेपागार प्रणाली से जुड़ने वाले कर्मचारियों को चिह्नित करना	● प्रिन्टेड प्रति प्राप्त की जा सकती है
● FAQs, परिचालन मैन्युअल, SOP तथा प्रशिक्षण मैन्युअल तैयार करना	● अकादमिक अभिलेख अपलोड करना तथा उन्हें आधार/विशिष्ट NAD ID से जोड़ना	● अभिलेखों के सत्यापन की माँग करने वाले की माँग को स्वीकार करना या ठुकराना
● अकादमिक अभिलेखों को आनलॉइन जमा कराए जाने हेतु अकादमिक संस्थाओं को प्रशिक्षण देना	● निश्चित प्रारूप पर सत्यापित एवं डिजिटल रूप में हस्ताक्षरित अभिलेख प्रति देना	● किसी भी सम्भाव्य सेवायोजक को अभिलेख की प्रति भेजना
● हेल्प डेस्क स्थापित करना	● प्रमाण-पत्र प्रारूप/डिजिटल हस्ताक्षरित इमेज के साथ अकादमिक अभिलेख उपलब्ध कराना	
● शिकायत निवारण तन्त्र विकसित करना	● विद्यार्थी की पहचान को आधार/ NDA ID के साथ जोड़ना	
	● अभिलेखों में आधार/विशिष्ट NAD ID को अद्यतन करना	

राष्ट्रीय अकादमिक अभिलेखागार का प्राधिकृत निकाय

- *27 अक्टूबर, 2016 को केन्द्रीय मंत्रिमण्डल द्वारा राष्ट्रीय अकादमिक निक्षेपागार की स्थापना के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई.*
- *विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को प्राधिकृत निकाय नामित किया गया.*
- *यूजीसी ने (उच्चशिक्षा के सभी संस्थानों एवं राष्ट्रीय महत्व के शिक्षण संस्थानों, केन्द्रीय/राज्यों के माध्यमिक शिक्षक बोर्डों की ओर से) तथा सीवीएल और एनडीएमएल के बीच तीन वर्षों के लिए त्रिपक्षीय करार किया.*
- *अकादमिक संस्थाएं/माध्यमिक शिक्षा बोर्ड/अर्ह मूल्यांकन निकाय सीवीएल अथवा एनडीएमएल में से किसी एक निकाय के साथ अभिलेखों के रख-रखाव हेतु परिचालनात्मक करार कर सकते हैं.*

राष्ट्रीय अकादमिक निक्षेपागार के पणधारी

- *विद्यार्थी एवं अन्य प्रमाण-पत्र धारक व्यक्ति.*
- *अकादमिक संस्थाएं/माध्यमिक शिक्षा बोर्ड/अन्य बोर्ड/अर्हता मूल्यांकन परीक्षाएं कराने वाले निकाय.*
- *अभिलेखों की जाँच कराने वाले निकाय-सरकारी / अर्द्ध-सरकारी / गैर-सरकारी सेवायोजक, घरेलू एवं विदेशी कम्पनियाँ, अकादमिक शिक्षण संस्थाएं / विश्वविद्यालय-घरेलू एवं विदेशी मूल्यांकनकारी निकाय.*
- *विश्वविद्यालय अनुदान आयोग.*
- *मानव संसाधन विकास मन्त्रालय.*
- *एनएसडीएल डाटाबेस मैनेजमेंट लि. तथा सीडीएसएल वेंचर्स लि.*

इन निकायों ने नेशनल एकैडेमिक डिपोज़िटरी के सुगम एवं सुरक्षित परिचालनार्थ आवश्यक हार्डवेयर, नेटवर्क सुविधाएं तथा निर्धारित गुणवत्ता युक्त सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराया है. नेशनल एकैडेमिक डिपोज़िटरी के संचालन हेतु केन्द्र सरकार ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को प्राधिकृत निकाय नामित किया है.

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने देश के सभी माध्यमिक शिक्षा बोर्डों, विश्वविद्यालयों राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों तथा अन्य परीक्षा निकायों की ओर से सीवीएल तथा एनडीएमएल के साथ तीन वर्षों की अवधि हेतु एक त्रिपक्षीय करार किया है.

परीक्षाएं कराने वाले निकाय (माध्यमिक शिक्षा परिषदें, विश्वविद्यालय, अंकतालिकाएं/डिग्री/प्रमाण-पत्र निर्गत करने वाले अन्य निकाय, पात्रता परीक्षाएं (NET, CTET/TET) कराने वाले निकाय) उपर्युक्त दो डिपोज़िटरी में से किसी एक के साथ शैक्षणिक अभिलेखों को ऑनलाइन रखे जाने, आवश्यकता पड़ने पर उन्हें सम्बन्धित पणधारियों को उपलब्ध कराने, पणधारियों की सहमति से उनकी सत्यता की जाँच कराने के लिए करार कर सकते हैं. विद्यार्थी एवं अन्य उपयोगकर्ता उनमें से किसी एक डिपोज़िटरी के साथ अपने आपको पंजीकृत करा सकते हैं. बीच में एक डिपोज़िटरी से दूसरी डिपोज़िटरी में पंजीकरण कराया जा सकता है.

शेष पृष्ठ 107 पर

सामयिक लेख

भारत-चीन के मध्य तनाव : डोकलाम विवाद

✍ डॉ. एस. के. मिश्रा

1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद से ही भारत और चीन के बीच सम्बन्ध लगभग तनावपूर्ण ही रहे हैं. हाल के दिनों में डोकलाम विवाद के सन्दर्भ में चीन की कूटनीतिक चालों को निम्नलिखित सन्दर्भों में देखा जाना चाहिए–

- एशिया में चीन की तथाकथित वर्चस्व-वादी नीति को भारत द्वारा महत्व न देना.
- चीन द्वारा प्रस्तावित 'वन बेल्ट वन रोड' परियोजना से जुड़े सम्मेलन में भारत द्वारा भाग न लेना.
- भारत-सं.रा. अमरीका सम्बन्धों में बढ़ती विश्वसनीयता.
- हिन्द महासागर में भारत, जापान, सं.रा. अमरीका का संयुक्त नौसेना अभ्यास.
- सं. रा. अमरीका द्वारा भारत के पक्ष को स्वीकार करते हुए पाकिस्तान द्वारा आतंकवादियों को संरक्षण देने की तीखी आलोचना.
- भारत-इजराइल के बीच सामरिक मोर्चे पर करार.
- भारत-जापान मित्रता.
- दक्षिण चीन सागर में वियतनाम के साथ तेल की खोज एवं निकासी हेतु भारत का सहयोग.

हाल ही में सिक्किम से डोकलाम पठार वैसे तो यह भूटान के अधिकार क्षेत्र में है, किन्तु चीन इस पर अपना दावा मानता है. चीन डोकलाम को 'डोगलोंग' के नाम से अपना सीमा क्षेत्र बताता है. इसी कारण इसी क्षेत्र में एक सड़क मार्ग का निर्माण कर रहा है. भूटान का क्षेत्र होने के कारण चीन के इस जबरदस्ती निर्माण को रोकने हेतु भूटान के आग्रह पर भारतीय सेना ने यहाँ चीन के सड़क निर्माण को रोक दिया है. चूँकि भारत भूटान को सुरक्षा प्रदान करने के लिए अनुबंधित है, इससे चीन व भारत आमने-सामने आ गए हैं. भारत व चीन के बीच 1962 के युद्ध के पश्चात् एक बड़ी तनातनी नहीं रही है, किन्तु भारत एवं चीन के बीच सीमा-विवाद कई बार गम्भीर रूप भी धारण कर चुके हैं. भारत व चीन के प्रमुख सीमा विवादों का भी संक्षिप्त में विशेष रूप से उल्लेख जरूरी है–

नाथूला विवाद 1967–सिक्किम से सटे नाथूला दर्रे में वर्ष 1967 में भारत व चीन की सेनाएं एक बार आमने-सामने आ गई थीं और तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई थी, किन्तु भारतीय सेना डटी रही और अन्त में चीन की सेना पीछे हटी थी. चीन की सेना जलापुला तक प्रवेश कर गई थी. इसलिए एक बड़ी चुनौती बन गई थी.

अरुणाचल प्रदेश पर दावा 1986– चीन ने अरुणाचल प्रदेश पर अपना अधिकार जमाने की धौंस देते हुए लगभग 250 सैनिकों को तैनात करने का प्रयास किया और इसके लिए एक विशेष हैलीपैड भी बनाया. जनरल सुन्दरजी ने चीन की इस टुकड़ी के जवाब देने के लिए एक ब्रिगेड लगा दी थी. आखिर यह विवाद एक बार टल गया.

लद्दाख विवाद 2000–31 दिसम्बर, 2000 में लद्दाख के दौलत बेग ओल्दी (DOB) के निकट चीन व भारत के अर्ध-सैनिक बल आमने-सामने आ गए थे. दोनों देशों में तनाव का वातावरण उत्पन्न हो गया, किन्तु संयम रखते हुए सैनिक कार्यवाही से बचते रहे.

अरुणाचल प्रदेश में सैनिक गतिविधि 2003– चीन ने अरुणाचल प्रदेश के आसफिला क्षेत्र में चीन की सीमा पर निगरानी कर रहे भारतीय बार्डर पेट्रोलिंग सैनिकों की पिटाई कर दी, जबकि तत्कालीन प्रधानमन्त्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी इस समय चीन की यात्रा कर रहे थे.

लद्दाख में घुसपैठ 2013—चीन की सेना भारत की लगभग 10 किमी सीमा तक घुस गई थी, जिससे दोनों देशों की सेनाओं में एक बड़ा तनावपूर्ण वातावरण बना, किन्तु आखिर दोनों देशों ने अपनी-अपनी सेनाएं वापस बुलाकर मामले को शान्त किया.

लद्दाख में पुनः घुसपैठ 2014–वर्ष 2014 में लद्दाख क्षेत्र में पुनः घुसपैठ आरम्भ कर दी. एक अवधि के बाद फिर दोनों देशों की तनातनी को आखिर फिर विराम मिल गया.

डोकलाम में सड़क निर्माण 2017– वास्तविकता तो यह है कि चीन डोकलाम में सड़क निर्माण के बहाने भारत व भूटान पर अपना प्रभाव व रुतबा दिखाना चाहता है. चीन का कहना है जब तक भारत की सेनाएं डोकलाम से पीछे नहीं हटती है, तब तक विराम नहीं होगा. इसके साथ ही लद्दाख में भी भारतीय सीमा में घुसने का प्रयास किया.

चीन बड़ी चालाकी व कुटिलता के साथ सीमा-विवाद को अपने सामरिक एवं आर्थिक विस्तार को शतरंजी चाल से आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहा है. पाकिस्तान को मोहरा बनाकर न केवल भारत के विरुद्ध भड़काता रहता है, बल्कि उसको हर प्रकार की सहायता देकर निरन्तर उकसाता भी रहता है, ताकि भारतीय सुरक्षा व्यवस्था को संकट में घेरे रखा जा सके. चीन ने पाकिस्तान में ग्वादर, श्रीलंका में हम्बनटोटा, म्यांमार में सितवे तथा बांग्लादेश में चटगाँव में अपने नौसैनिक अड्डे स्थापित किए और इन्हें सड़क मार्ग से जोड़ने की रणनीति के तहत् भी काम करना शुरू कर दिया. वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपना वर्चस्व स्थापित करने के लिए चीन ने **'वन बेल्ट वन रोड'** (ओबीओआर) का सम्मेलन मई 2017 में किया, जिसमें भारत ने भाग लेने से मना कर दिया. भारत ने स्पष्ट रूप से इस योजना के अन्तर्गत आने वाले **'चीन पाकिस्तान इकोनॉमिक कश्मीर कोरिडोर'** (सीपीएसी) के पाक अधिकृत कश्मीर से गुजरने का भारत खुलकर विरोध करता रहेगा. इसके लिए आधारभूत संस्थाओं का निर्माण इस प्रकार से सम्भावित है–

- चीन से दक्षिण यूरोप के बीच सड़क मार्ग, जोकि नीदरलैण्ड से होकर गुजरेगा.
- शंघाई (चीन) के बन्दरगाह से पेरिस के बीच जलमार्ग जो भारत व दक्षिण अफ्रीका से होकर निर्मित किया जाएगा.
- इसके साथ ही बन्दरगाह, सड़क रेलवे लाइन, हवाई अड्डे विद्युत् ऊर्जा उत्पादन केन्द्र, तेल व गैस की पाइप लाइन, मुक्त व्यापार क्षेत्र और आईटी तथा टेलीकॉम क्षेत्र बनाएंगे.
- अन्तर्राष्ट्रीय ऑडिट कम्पनी पीडब्ल्यूसी के अनुसार 250 अरब डॉलर की परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और कुछ निर्माणाधीन की स्थिति में हैं. इन परियोजनाओं की लागत लगभग 5 लाख करोड़ डॉलर होगी.

प्रमुख बेल्ट व सड़क परियोजना

- **मास्को–कजाकिस्तान उच्चगति रेलवे निर्माण**–मास्को (रूस) से बीजिंग (चीन) को जोड़ने वाली 7000 किमी लम्बी हाई स्पीड रेल के लिए पहली रेलवे लाइन बिछाए जाने की परियोजना तैयार की गई है.

- **खोरमोस द्वार**–चीन व कजाकिस्तान सीमा पर निर्मित कार्गो हब पर लगभग 10 लाख कन्टेनर वार्षिक उतारे जाएंगे.
- **तेहरान रेल लाइन**–चीन ने तेहरान के बीच रेलवे लाइन का निर्माण किया तथा विगत वर्ष पहली मालगाड़ी भी चला दी थी.
- **चीन-पाकिस्तान सड़क मार्ग**–चीन व पाकिस्तान के बीच निर्माणाधीन मार्ग लगभग 46 अरब डॉलर की लागत आएगी, जो सीधे ग्वादर बन्दरगाह को जोड़ता हुआ गुजरेगा.

चीन की इस परियोजना से विश्व की लगभग 40 प्रतिशत अर्थव्यवस्था प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से प्रभावित होगी. वन बेल्ट वन परियोजना चीन के कुल 27 प्रान्तों में से 16 प्रान्तों से होकर गुजरेगी. एक मत के अनुसार यह निर्धारित चीन परियोजना राजनीतिक व आर्थिक लक्ष्यों को साधने के लिए है. इससे अनेक देशों के साथ मित्रता बढ़ाने का भी अवसर चीन को मिलेगा. अमरीका की तरह सुपरपॉवर बनने की राह अपनाकर चीन मार्शल प्लान के अनुसार कार्य कर रहा है. संक्षिप्त में इस चीन की आर्थिक साम्राज्यवादी नीति का नाम दिया जा सकता है, जो गलत न होगा.

'वन बेल्ट वन रोड' परियोजना के तहत् मध्य एशिया, पश्चिम एशिया तथा यूरोपीय देश भी शामिल हैं. इसके साथ ही समुद्री रेशम मार्ग (एम.एस.आर.) निवेश एवं सहयोग को सीधा लाभ पहुँचाने वाली बड़ी पहल है जिसे दक्षिण पूर्व एशिया, आस्ट्रेलिया और उसके आसपास वाले क्षेत्र अर्थात् ओशियानिया तथा अफ्रीका में दक्षिण चीन सागर, दक्षिण प्रशान्त महासागर और हिन्द महासागर के विभिन्न जल मार्गों द्वारा पूरा किया जाएगा. इसमें चीन, पाकिस्तान आर्थिक गलियारा के अतिरिक्त बांग्लादेश, चीन, भारत म्यांमार आर्थिक गलियारा भी शामिल है.

वास्तविकता तो यह है कि चीन भारत को चारों तरफ से रणनीतिक, राजनयिक व आर्थिक नाकेबन्दी करके अपना प्रभुत्व बढ़ाने का कार्य कर रहा है. यही नहीं हिन्द महासागर क्षेत्र में भारतीय नौसैनिक शक्ति को अस्थिर करने के लिए चीन भारत को क्षेत्रीय सुरक्षा चिन्ताओं में निरन्तर लपेटने की कोशिश में लगा रहता है. पाकिस्तान को हरसम्भव मदद देकर भारत के विरुद्ध भड़काने के लिए तैयार करता रहता है. पाकिस्तान को भारत के विरुद्ध हर तरफ से मोर्चे खोलने में आर्थिक व सैनिक सहयोग देकर घातक गतिविधियाँ करना चीन की चालाकी भरी चाल का एक कूटनीतिक हिस्सा है. चीन अपने को दुनिया की एक बड़ी ताकत मानते हुए किसी भी विपत्ति की परवाह नहीं कर रहा है. यही कारण है कि भूराजनीतिक मामलों में अपनी मनमानी करता जा रहा है. भारत के विरुद्ध एनएसजी का सदस्य बनने में रोड़ा अटकाना तथा संयुक्त राष्ट्र के द्वारा तैयार अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवादियों की सूची में पाकिस्तानी आतंकी मसूद अजहर का नाम शामिल नहीं होने देना, इसका स्पष्ट उदाहरण है. सच तो यह है कि बदलते परिदृश्य में चीन वैश्विक शक्ति बनने की बात को पुख्ता करने के लिए ही अब अति आक्रामक एवं महत्वाकांक्षी तेवर दुनिया को दिखा रहा है.

चीन की बढ़ती चुनौती एवं चालाकी से भारत ही नहीं, अपितु अमरीका भी अपने आप को अब असहज अनुभव कर रहा है. यही कारण है कि भारत-चीन सीमा पर डोकलाम तनाव पर अमरीका ने न केवल चिन्ता जताई, बल्कि भारत के पक्ष में होने की बात कही, चूँकि एशिया प्रशान्त क्षेत्र में चीन की दखलन्दाजी बहुत अधिक बढ़ी है इसलिए यह जानना भी जरूरी है कि इस क्षेत्र में विश्व की लगभग 60 प्रतिशत आबादी है और चीन इस क्षेत्र में अपना आर्थिक व्यवसाय, ऊर्जा उत्पादन, रक्षा सुदृढ़ता, नौसैनिक शक्ति व अपनी व्यापक रणनीति के तहत् एकाधिकार करने की कोशिश में लगा हुआ है.

दुनिया के सबसे बड़े लोकतान्त्रिक देश को चीन की चुनौती का सामना इस कारण भी करना पड़ रहा है, क्योंकि चीन को भारत-अमरीका मित्रता रास नहीं आ रही है. चीन की एक बड़ी समस्या यह भी है कि दक्षिण चीन सागर के मामले में भारत-चीन का समर्थन करने की बजाय अमरीका व जापान सहित अन्य देशों के साथ है. चीन एक ओर जापान, ताइवान, रूस, नेपाल, भूटान उत्तर कोरिया के अलावा दक्षिण चीन सागर में मलेशिया, इण्डोनेशिया, सिंगापुर, फिलीपीन्स, वियतनाम तथा ब्रुनोई जैसे देशों को भी अपना रुतबा दिखाकर दबाने का प्रयास ही नहीं करता रहा है, बल्कि अपनी मनमानी पर आमादा रहता है. दक्षिण चीन सागर के अधिकांश देश भारत के सहयोगी व मद्दगार हैं. दक्षिण चीन सागर से लेकर पूर्वी चीन सागर तक पड़ोसी देशों के साथ उसके आँकड़े व दावे चल रहे हैं. अधिकांश पड़ोसी चीन की आर्थिक व सैन्य शक्ति के मनमाने प्रभाव से चिन्तित है.

भारत भी एक बड़ा पड़ोसी होने के कारण चीन विवादों से घिरा है. भारत के साथ विवादित अनेक मुद्दे संक्षिप्त में निम्न भी हैं–

- **मैकमोहन रेखा**–भारत-चीन विवाद की एक बड़ी वजह है कि दोनों देशों के बीच लगभग 4000 किलोमीटर निर्धारित नदी है, जिसे वास्तविक नियन्त्रण रेखा भी कहते हैं. यह हेनरी मैकमोहन ने तय की थी, जिसे चीन स्वीकार नहीं करता, यही कारण है कि यदाकदा भारत पर अपना दबाव बनाने के लिए चीन इसका प्रयोग करता रहता है.
- **अक्साई चिन**–जम्मू-कश्मीर के अक्साई क्षेत्र को कश्मीर सीमा से सटे लगभग 38000 किलोमीटर भूभाग को चीन ने 1962 के युद्ध में अपने अधिकार में कर लिया था, जो आज तक दबाए हुए है.
- **पाक अधिकृत कश्मीर**–चीन की चालाकी यह भी है कि पाक अधिकृत कश्मीर को भारत का भूभाग मानता ही नहीं है, यही नहीं इस क्षेत्र के गिलगित-बाल्टिस्तान में अपनी सामरिक व रण-नीतिक गतिविधियाँ बनाने में निरन्तर जुटा रहता है.
- **अरुणाचल प्रदेश**–हिमालय क्षेत्र की सीमा-समस्या को समाप्त करने के लक्ष्य से 1914 में एक भारत-तिब्बत शिमला सम्मेलन ब्रिटिश कार्यकाल में हुआ था. जिसका हवाला देकर चीन भारत से अरुणाचल प्रदेश के क्षेत्र में अपनी 90 हजार वर्ग किलोमीटर भूमि पर दावा करता है, जो आज भी विवादास्पद है.
- **ब्रह्मपुत्र बाँध**–चीन द्वारा ब्रह्मपुत्र नदी पर बाँध बनाने की एक लम्बी परियोजना चल रही है जिसके पानी को नहर बनाकर अपने उत्तरी क्षेत्र में ले जाकर प्रयोग करना चाहता है. बाँध का पानी बड़ी मात्रा में आकस्मिक छोड़कर भारत के पूर्वोत्तर इलाके को बाढ़युक्त कर सकता है.
- **तिब्बत व दलाईलामा**–तिब्बत के क्षेत्र को चीन का हिस्सा स्वीकार करके भारत ने एक बड़ी भूल की है, चूँकि चीन ने 1950 में इस पर अपना कब्जा कर लिया था. दलाईलामा व तिब्बती शरणार्थियों का भारत प्रवास चीन के विरोध का भी एक बड़ा कारण बना हुआ है.
- **हिन्द महासागर**–'मोतियों के हार' (स्ट्रिंग्स ऑफ पर्ल्स) के सिद्धान्त पर चीन हिन्द महासागर के क्षेत्र में अपना दबाव बनाने की निरन्तर फिराक में लगा हुआ है. यही कारण है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, म्यांमार व मालद्वीप में अपने नौसैनिक अड्डे स्थापित कर चुका है. यह भारत के लिए एक चिन्ता व चुनौती बनता जा रहा है.
- **दक्षिण चीन सागर**–अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को विशेष रूप से मध्य नजर रखते हुए इस क्षेत्र में चीन अपना पूरा वर्चस्व बनाए रखने का प्रयास

करता रहा है. भारत एवं वियतनाम के बीच हुए समझौते के तहत् तेल परि-योजनाओं में शामिल भारतीय कम्पनियों को भी चेतावनी दी कि वे दक्षिण चीन सागर से दूर रहें. दक्षिण चीन सागर में भारत को जहाँ देखना नहीं चाहता, वहाँ हिन्द महासागर में अपने पैर जमाना चाहता है. यह दोहरा चरित्र भी चीन से दूरियाँ बढ़ाता है.

भूटान के बहाने भारत-चीन आमने-सामने : डोकलाम विवाद

भूटान की सीमा पर भारत व चीन के बीच चल रहे सीमा विवाद को लेकर दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने हैं. भारत ने चीन को भूटान के भूभाग से अपनी सेनाएं वापस लौटाने को कहा है. डोकलाम क्षेत्र जिस चुम्बी घाटी का भूभाग है, वह भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों (सेवन सिस्टर्स) को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाले सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल) गलियारा के ऊपर केवल 50 किमी की दूरी पर स्थित है, जिसे 'चिकेन नेक' भी कहा जाता है. निःसन्देह यह संवेदनशील स्थान भारत के सामरिक हितों के साथ-साथ आन्तरिक सुरक्षा की दृष्टि से भी अत्यन्त महत्वपूर्ण है. इस क्षेत्र में चीनी हस्तक्षेप और सड़क निर्माण का इरादा भी हमारी सुरक्षा के लिए एक घातक संकेत है. इसका सीधा सा अर्थ है कि चीन के लिए डोकलाम तो एक बड़ा बहाना है, किन्तु उसका भारत ही एक बड़ा निशाना है. डोकलाम के पठार में ही चीन, सिक्किम और भूटान की सीमाएं मिलती हैं. भूटान और चीन इस इलाके पर दावा करते हैं. भारत एक सन्धि के तहत् भूटान का साथ देने के लिए वचनबद्ध है. भारत ने विरोध किया, तो चीन ने घुसपैठ शुरू कर दी और भारत के दो बंकर तोड़ दिए, तभी से तनाव का शिलशिला जारी है. वास्तव में मई 1975 में चीन सिक्किम को भारत का भाग मानता ही नहीं था. भारत ने सिक्किम को भारत के राज्य का दर्जा दे दिया. चीन सिक्किम के कई इलाकों में अपना दावा करता है. यदि चीन भूटान की इस जगह में सड़क निर्माण कर लेता है, तो वह सीधे भूटान के क्षेत्र में ही प्रवेश पाने में समर्थ होगा, बल्कि भारत के इस सिलीगुड़ी कोरिडोर को एक बड़े संकट में डाल देगा, चूँकि 60 किमी चौड़ा तथा 200 किमी लम्बा सिलीगुडी कोरिडोर ही भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को भारत के बाकी राज्यों से जोड़ता है. इस डोकलाम क्षेत्र की सुरक्षा से ही भारत-भूटान मित्रता का भविष्य सुनिश्चित हो सकेगा. यही कारण है कि यह भारत की प्रतिष्ठा का एक बड़ा प्रश्न बन गया है. चीनी सेना का विरोध और उस पर अंकुश लगाना भारत का दायित्व है.

प्रमुख घटनाक्रम

16 जून, 2017–डोकलाम क्षेत्र में चीन के द्वारा किए जा रहे सड़क निर्माण कार्य को भूटान सेना के द्वारा विरोध तथा सीमा पर सतर्कता.

20 जून–इस घटना के चार दिन बाद भूटान द्वारा भारत स्थित चीनी दूतावास पर विरोध दर्शाया. उल्लेखनीय है कि चीन के साथ भूटान का कोई भी कूटनीतिक सम्बन्ध नहीं है.

27 जून–भारतीय सेना पर चीन द्वारा आरोप लगाया गया कि उसके सड़क निर्माण पर बिना मतलब हस्तक्षेप किया जा रहा है, जबकि निर्माण कार्य चीन अपने क्षेत्र में कर रहा है. भारत के इस व्यवहार से इस क्षेत्र की शान्ति के लिए एक बड़ा संकट पैदा हुआ है.

29 जून–चीन ने भारत को चेतावनी देते हुए 1962 में हुए युद्ध की याद दिलाई. इसके साथ भूटान ने डोकलाम इलाके में यथास्थिति बनाए रखने पर विश्वास जताया.

30 जून–सिक्किम-तिब्बत-भूटान की सीमाओं के निकट भारत व चीन की सैनिक तैनाती. चीन ने नाथूला पास से गुजरने वाली मानसरोवर यात्रा पर रोक लगाई. चीन के 1962 के जवाब में भारत ने 2017 का भारत बताया.

6 जुलाई–चीन ने भारत पर पंचशील समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाया आपातकालीन स्थिति में सेना तैनात करने की बात कही तथा इस क्षेत्र में चीनी सेना की निरन्तर तैनाती की बात को भी दोहराया.

8 जुलाई–बढ़ते आपसी तनाव को ध्यान में रखते हुए चीन ने भारत में रह रहे अपने नागरिकों को सतर्क व सचेत रहने का स्पष्ट संकेत दिया.

10 जुलाई–चीन ने चालाकी करते हुए पाकिस्तान के समर्थन में मीडिया के माध्यम से प्रसारित किया कि कोई तीसरा देश कश्मीर के मामले में हस्तक्षेप न करे.

16 जुलाई–चीन के मीडिया ने भारत को चेतावनी देते हुए प्रसारित किया कि यदि भारतीय सेनाएं डोकलाम सीमा से वापस नहीं बुलाई जातीं, तो उसे शर्मिन्दगी का सामना करना पड़ेगा.

19 जुलाई–भारत के विरुद्ध चीन ने कहा कि वह अपने राजनीतिक लक्ष्य को पूरा करने के लिए यह घातक कदम न उठाए.

20 जुलाई–भारत की विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने चीन द्वारा बनाए जा रहे रोड को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा बताया. भले ही डोकलाम भारत का भूभाग नहीं है, किन्तु चीन की गतिविधियों से भारतीय सुरक्षा को सीधी चुनौती यहाँ से मिल सकती है.

22 जुलाई–अमरीका के रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने दोनों देशों को बिना सैन्यशक्ति आजमाएं, बातचीत से समस्या के निदान की बात कही.

24 जुलाई–चीन ने तीखा प्रहार करते हुए कहा कि पहाड़ को हिलाना भले आसान हो, किन्तु चीन की सेना को यहाँ से हटाना सरल नहीं है. विवादित क्षेत्र में चीनी सेना द्वारा अभ्यास आरम्भ तथा सैन्य गतिविधियाँ तेज हुईं. भारत ने अपनी सुरक्षा व अखण्डता की बात स्पष्ट की.

25 जुलाई–चीन के विदेश मंत्री ने कहा यहाँ की स्थिति स्पष्ट है. भारत को अपनी सेनाओं को यहाँ से वापस बुला लेना चाहिए. चीन की सेना अपने इलाके में दूसरे का हस्तक्षेप सहन नहीं करेगी.

29 जुलाई–भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार श्री अजित डोवाल की चीन में एक बैठक एवं भूटान के सन्दर्भ में चर्चा की अटकलें.

2 अगस्त–बीजिंग में दोनों देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की मुलाकात, किन्तु डोकलाम विवाद को लेकर स्थिति में कोई बदलाव नहीं.

28 अगस्त–भारत एवं चीन ने डोकलाम से परस्पर शान्तिपूर्ण ढंग से सेनाओं को हटाने की घोषणा की.

चीन ने पहली बार स्वीकार किया कि डोकलाम को लेकर उसका विवाद भूटान के साथ है. इसके साथ ही उसने भारत को सलाह दी कि वह दो की लड़ाई में तीसरा न पड़े. चीन ने भारत से बिना शर्त इस क्षेत्र से अपनी सेना हटाने को कहा. गौरतलब है कि यही चीन अभी तक डोकलाम को अपना क्षेत्र बताता था और इस विवाद के सन्दर्भ में भूटान का जिक्र करने से भी बचता था. चीन के विदेश मंत्रालय ने 2 अगस्त, 2017 को 15 पेज का एक दस्तावेज जारी करके कहा कि चीन व भूटान का सीमा विवाद दोनों देशों के बीच है. भारत व चीन अपनी सेनाएं डोकलाम से फिलहाल हटाने के लिए 28 अगस्त, 2017 को तैयार हो गए हैं.



(अन्तर्राष्ट्रीय लेख)

मानव विकास के विभिन्न सूचकों में भारत

✍ गजेन्द्र सिंह मधुसूदन

यूएनडीपी का मानना है कि मानवीय विकास का वास्तविक आकलन प्रायः 'सकल घरेलू उत्पाद' (GDP) या 'प्रति व्यक्ति आय' (PCI) जैसे पारम्परिक मापकों से नहीं, बल्कि मानव विकास के आधारभूत पहलुओं जैसे–स्वास्थ्य, शिक्षा, आय आदि के सूचकांकों के औसत द्वारा तथा विभिन्न देशों के तुलनात्मक विश्लेषण द्वारा 'मानव विकास सूचकांक' (HDI–Human Development Index) तैयार किया जाना चाहिए. इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु हर साल यूएनडीपी 'मानव विकास रिपोर्ट' प्रकाशित करता है और इसके विश्लेषण के आधार पर मानव विकास सूचकांक' जारी किया जाता है. एचडीआई की अवधारणा का विकास पाकिस्तानी अर्थशास्त्री **'महबूब उल हक'** तथा 'नोबेल पुरस्कार विजेता' भारतीय मूल के अर्थशास्त्री **'अमर्त्य सेन'** और जर्मन विकास अर्थशास्त्री **सर हंस वोल्फगैंग सिंगर** ने किया था.

वैसे तो एचडीआर सम्पादकीय रूप से यूएनडीपी से स्वतन्त्र प्रकाशन है और यह हर साल प्रकाशित किया जाता है, लेकिन वर्ष 2007 तथा 2008 की 'मानव विकास रिपोर्ट' को संयुक्त रूप से प्रकाशित किया गया और वर्ष 2012 में 'मानव विकास रिपोर्ट' का प्रकाशन नहीं किया गया था. वर्ष 2010 से एचडीआर में मानव विकास को मापने के सन्दर्भ में नवीन प्रक्रिया अपनाई गई तथा इसके मापकों में व्यापक परिवर्तन किए गए. प्रथमतः, साक्षरता और आय पर इनके संकेतकों को नया रूप देते हुए 'सकल नामांकन दर' एवं 'वयस्क साक्षरता दर' को क्रमशः 'स्कूल अवधि के अनुमानित वर्ष' (Expected Years of Schooling) एवं 'स्कूल अवधि के औसत वर्ष' (Mean Years of Schooling) से प्रतिस्थापित किया गया तथा 'सकल घरेलू उत्पाद' (GDP) को 'सकल राष्ट्रीय आय' (GNI) से प्रतिस्थापित किया गया जिसमें अन्तर्राष्ट्रीय आय प्रवाहों को भी शामिल किया गया.

मानव विकास सूचकांक की नई प्रविधि–वर्ष 2009 तक एचडीआई की गणना में तीन आयामों क्रमशः जन्म के समय जीवन प्रत्याशा, सकल नामांकन अनुपात एवं प्रौढ़ साक्षरता दर तथा प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (PPP) आधारित के माध्यम से स्वास्थ्य एवं दीर्घजीविता, शैक्षणिक स्तर तथा जीवन निर्वाह स्तर का मापन किया जाता रहा है. वर्ष 2010 मानव विकास रिपोर्ट हेतु यूएनडीपी का 20वाँ वार्षिक संस्करण होने की वजह से इन 20 वर्षों में देश-दुनिया के बदलावों को समाहित करने के उद्देश्य से एचडीआई के आकलन में व्यापक बदलावों को स्वीकार किया गया और इन्हीं बदलावों के साथ यूएनडीपी द्वारा एचडीआई की गणना के लिए अब नई प्रविधि का प्रयोग किया जा रहा है जिसके अन्तर्गत तीन संकेतक शामिल हैं–

जीवन प्रत्याशा सूचकांक (LEI)–स्वास्थ्य एवं दीर्घजीविता के मापन हेतु पूर्ववत् जन्म के समय जीवन प्रत्याशा को रखा गया है.

शिक्षा सूचकांक (EI)–यह दो नए आँकड़ों–(i) स्कूल अवधि के औसत वर्ष (MYS–Mean Years of Schooling)–25 वर्षीय वयस्क द्वारा स्कूल में बिताए गए वर्ष तथा (ii) स्कूल अवधि के अनुमानित वर्ष (EYS–Expected Years of Schooling)–5 वर्षीय बालक द्वारा अपने जीवन में स्कूल में बिताए जाने वाले वर्ष पर आधारित है.

आय सूचकांक (II–Income Index)–जीवन निर्वाह के आकलन के लिए प्रति व्यक्ति GDP (PPP आधारित) को प्रति व्यक्ति PPP आधारित सकल राष्ट्रीय आय (GNI) से प्रतिस्थापित किया गया है.

नई प्रविधि के तहत् यूएनडीपी ने उपर्युक्त तीनों सूचकांकों के आयामों के लिए उच्चतम एवं निम्नतम मूल्य निर्धारित किए, जोकि अग्र प्रकार हैं–

(i) **जीवन प्रत्याशा**–उच्चतम 83·6 वर्ष एवं न्यूनतम 20·0 वर्ष.

(ii) **स्कूल अवधि के औसत वर्ष**–उच्चतम 13·3 एवं न्यूनतम शून्य.

(iii) **स्कूल अवधि के अनुमानित वर्ष**–उच्चतम 18 एवं न्यूनतम शून्य.

(iv) **प्रति व्यक्ति GNI (PPP$)**–उच्चतम 70,000 डॉलर एवं निम्नतम 100 डॉलर.

उपर्युक्त घटकों से सूचकांक निर्माण हेतु प्रयुक्त सूत्र में एचडीआई, तीनों सूचकांकों (LEI, EI, II) का ज्यामितीय माध्य होता है और इनके आधार पर 0 से 1 के अंकीय मान में सूचकांक तैयार किया जाता है. साथ ही मानव विकास रिपोर्ट में शामिल देशों को उनके HDI मूल्य के आधार पर निम्नलिखित चार भागों में विभाजित किया जाता है–

(1) **0·800 और उससे अधिक**–अत्यधिक उच्च मानव विकास वाले देश.

(2) **0·700 से 0·796 तक**–उच्च मानव विकास वाले देश.

(3) **0·556 से 0·699 तक**–मध्यम मानव विकास वाले देश.

(4) **0·541 से कम**–निम्न मानव विकास वाले देश.

एचडीआर-2010 से तीन नए पैमाने क्रमशः 'बहुआयामी निर्धनता सूचकांक' (The Multidimensional Poverty Index) 'असमानता समायोजित मानव विकास सूचकांक' (The Inequality-adjusted Human Development Index) लैंगिक असमानता सूचकांक' (The Gender Inequality Index) भी प्रस्तुत किए जा रहे हैं, जो निम्न प्रकार हैं–

बहुआयामी निर्धनता सूचकांक (MPI)

यूएनडीपी का मानना है कि केवल व्यक्ति की आय के मापन से उसकी निर्धनता का समग्र अनुमान नहीं लगाया जा सकता है. निर्धनता के समग्र मापन के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य एवं जीवन स्तर के अन्य पहलुओं का मापन भी आवश्यक है. इसको

एचडीआई-2016 में ब्रिक्स, द. एशिया एवं विश्व की प्रगति

देश	रैंक 2016	एचडीआई 2016	जीवन प्रत्याशा	प्रत्याशित स्कूलिंग वर्ष	औसत स्कूलिंग वर्ष	प्रति व्यक्ति GNI (PPP$)
भारत	131	0·624	68·3	11·7	6·3	5663
ब्राजील	79	0·754	74·7	15·2	7·8	14145
रूसी संघ	49	0·804	70·3	15·0	12·0	23286
चीन	90	0·738	76·0	13·5	7·6	13345
दक्षिण अफ्रीका	119	0·666	57·7	13·0	10·3	12087
दक्षिण एशिया	—	0·621	68·7	11·3	6·2	5799
विश्व	—	0·717	71·6	12·3	8·3	14447

ध्यान में रखते हुए मानव विकास रिपोर्ट 2010 में वर्ष 1997 से प्रयुक्त (HPI–Human Poverty Index) के स्थान पर वर्ष 2010 से 'बहुआयामी निर्धनता सूचकांक' (MPI–Multidimensional Poverty Index) प्रस्तुत किया गया. यूएनडीपी के सहयोग से **'ऑक्सफोर्ड निर्धनता एवं मानव विकास पहल'** (OPHI) द्वारा विकसित यह सूचकांक एचडीआई के तीनों आयामों (शिक्षा, स्वास्थ्य, जीवनयापन स्तर) के विभिन्न पहलुओं के संदर्भ में 10 बिन्दुओं पर ध्यान केन्द्रित करता है, जो निम्न प्रकार हैं–

1. **शिक्षा सम्बन्धी (प्रत्येक संकेतक का भार 1/6)**–(i) स्कूल अवधि के वर्ष–यदि परिवार के किसी भी सदस्य ने 5 वर्ष की स्कूली शिक्षा पूरी नहीं की है. (ii) बाल नामांकन–यदि कोई स्कूल-आयु का छात्र कक्षा 1 से 8 तक स्कूल नहीं जा रहा है.
2. **स्वास्थ्य (प्रत्येक संकेतक का भार 1/6)**–(i) बाल मृत्यु–यदि परिवार में किसी बच्चे की मृत्यु होती है. (ii) पोषण–यदि कोई वयस्क या बच्चा कुपोषित है.
3. **जीवनयापन स्तर (प्रत्येक संकेतक का भार 1/18)**–(i) विद्युत्–यदि परिवार को विद्युत् उपलब्ध नहीं है, (ii) सफाई व्यवस्था–यदि उनके पास उचित शौचालय नहीं है या शौचालय साझे में है. (iii) पेयजल–यदि परिवार की पहुँच स्वच्छ पेयजल तक नहीं है या स्वच्छ जल की प्राप्ति घर से 30 मिनट की पैदल दूरी से अधिक है. (iv) फर्श–यदि घर का फर्श धूलयुक्त, गोबर का अथवा कच्चा है. (v) भोजन हेतु ईंधन–यदि वे लकड़ी, चारकोल या गोबर से खाना पकाते हैं. (vi) परिसम्पत्ति–यदि परिवार के पास रेडियो, टीवी, टेलीफोन, बाइक या मोटरबाइक में से एक से अधिक वस्तु नहीं है और कार या ट्रक का स्वामी नहीं है.

इन वंचन संकेतकों के आधार पर एक व्यक्ति को निर्धन माना जाएगा. यदि वह इनमें से कम-से-कम 33·33 प्रतिशत भारित संकेतकों पर वंचित है. कोई व्यक्ति जितने अधिक संकेतकों के सन्दर्भ में वंचित होगा, उसकी 'निर्धनता प्रबलता' (Intensity of Poverty) भी उतनी अधिक होगी. बहु-आयामी निर्धनता सूचकांक की गणना निम्न प्रकार से की जाती है–

MPI = H × A

जहाँ, H = MPI निर्धन व्यक्तियों का प्रतिशत

A = निर्धनों में MPI निर्धनता की औसत प्रबलता

एचडीआई की तरह एमआईपी का सूचकांक 0 से 1 के मूल्यमान से तैयार किया जाता है, लेकिन एचडीआई के विपरीत एमआईपी में अधिकतम मूल्यमान गरीबी में अधिकता को और न्यूनतम मूल्यमान गरीबी में कमी को प्रदर्शित करता है. एमआईपी में विकसित देशों को शामिल नहीं किया जाता है और एमपीआई-2016 में 102 विकासशील देशों का एमपीआई तैयार किया गया है. एमपीआई 2016 के अनुसार, वर्ष 2005-06 के लिए भारत का एमपीआई मान 0·282 और बहुआयामी निर्धनता का प्रतिशत 55·3 है जोकि पिछले वर्ष 2015 की तुलना में अपरिवर्तित है. वर्ष 2015 एमपीआई में भारत का एमपीआई मान 0·282 और 55·3 प्रतिशत था. एमपीआई 2016 में भारत की तुलना में बहुत बेहतर है. ब्रिक्स देशों में ब्राजील का एमपीआई मूल्य 0·010, चीन का 0·023 और दक्षिण अफ्रीका का 0·041 है, जिनमें बहुआयामी निर्धनता के अधीन आबादी इनकी कुल जनसंख्या का क्रमशः 2·4, 5·2 और 10·3 प्रतिशत है. भारत में जहाँ 64 करोड़ 23 लाख 91 हजार आबादी बहुआयामी निर्धनता में जीवन गुजार रही है, वहीं ब्राजील में यह 49 लाख 94 हजार, दक्षिण अफ्रीका में 54 लाख 46 हजार और चीन में 7 करोड़ 8 लाख 7 हजार है. यानि बहुआयामी निर्धनता से अपनी आबादी को निजात दिलाने के मामले में भारत को अपने समकक्ष देशों के मुकाबले बहुत अधिक संघर्ष की आवश्यकता है. एमआईपी के मामले में वर्ष 2010 से 2016 तक भारत की स्थिति और विभिन्न सूचकों में प्रदर्शन दी गई सारणी में दिया गया है.

असमानता समायोजित मानव विकास सूचकांक (IHDI)

मानव विकास के सूचकों में असमानता को मापने का दृष्टिकोण वर्ष 2005 में **फोस्टर, लोपेज-काल्वा ओर सैकेली** द्वारा प्रस्तावित किया गया, जो संवेदनशील वर्गों के समग्र सूचकों के वितरण पर आधारित है और आईएचडीआई हेतु आय एवं शिक्षा, स्वास्थ्य सम्बन्धी असमानताओं के मापन के लिए ब्रिटिश **अर्थशास्त्री एंथनी बार्नेस एटकिंसन** द्वारा वर्ष 1970 में विकसित प्रविधि का प्रयोग किया जाता है, जिसमें असमानता के लिए समायोजित आयाम सूचकांकों की ज्यामितीय माध्य के रूप में गणना की जाती है और इसी आधार पर यूएनडीपी द्वारा सर्वप्रथम 'असमानता समायोजित मानव विकास सूचकांक' (IHDI–Inequality adjusted HDI) का प्रकाशन वर्ष 2010 की एचडीआई में किया गया था तब से यह हर साल एचडीआई के साथ प्रस्तुत किया जा रहा है. वर्ष 2016 का आईएचडीआई इसका छठवाँ संस्करण है. वर्ष 2014 में इसे और परिमार्जित करते हुए मानव असमानता के गुणांक को आईएचडीआई में एक प्रयोगात्मक उपाय के रूप में शामिल किया गया, जो स्वास्थ्य, शिक्षा और आय में असमानता का एक सामान्य औसत है जिसकी गणना इन आयामों में अनुमानित असमानताओं के अवास्तविक ज्यामितीय माध्य द्वारा की जाती है.

आय, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी असमानताओं के मापन के लिए एचडीआई-2016 में 151 देशों का आईएचडीआई प्रस्तुत

एमपीआई के विभिन्न कारकों में भारत की स्थिति

एमपीआई के घटक		एमपीआई 2010	एमपीआई 2016
एमपीआई मूल्य		0·296	0·282
आबादी में बहुआयामी निर्धनता का प्रतिशत		55·4	55·3
बहुआयामी निर्धनों की संख्या (हजार में)		—	642391
अभाव की तीव्रता का प्रतिशत		53·5	51·1
बहुआयामी निर्धनता के नजदीक आबादी (% में)		16·1	18·2
गम्भीर बहुआयामी गरीबी में आबादी (% में)		—	27·8
समग्र गरीबी के लिए आयाम में वंचनाओं का योगदान (% में)	शिक्षा	37·5	22·7
	स्वास्थ्य	56·5	32·5
	जीवन स्तर	58·5	44·8
गरीबी रेखा से नीचे की आय पर आबादी	राष्ट्रीय गरीबी रेखा में	28·6	21·9
	वैश्विक गरीबी रेखा में*	41·6	21·2

* यूएनडीपी द्वारा बहुआयामी निर्धनता सूचकांक में वर्ष 2010 से 2015 तक अन्तर्राष्ट्रीय गरीबी को मापने के लिए पीपीपी पर 1·25 डॉलर प्रतिदिन व्यय करने वाले को गरीब माना जाता है, जबकि 2016 के सूचकांक में पीपीपी पर 1·90 डॉलर प्रतिदिन व्यय करने वाले को गरीब माना गया है.

असमानता समायोजित आईएचडीआई (IHDI) में ब्रिक्स एवं विश्व की स्थिति

मदें	भारत	चीन	रूस	ब्राजील	द. अफ्रीका	द. एशिया	विश्व
एचडीआई मान	0·624	0·738	0·804	0·754	0·666	0·621	0·717
आईएचडीआई मान	0·454	—	0·725	0·561	0·435	0·449	0·557
असमानता समायोजित करने पर HDI में हानि (% में)	27·2	—	9·8	25·6	34·7	27·7	22·3
मानव असमानता का गुणांक	26·5	—	9·6	25·0	32·0	27·1	22·3
जीवन प्रत्याशा में असमानता (% में)	24·0	8·9	8·8	14·4	25·7	23·9	17·1
असमानता समायोजित जीवन प्रत्याशा का मान	0·565	0·784	0·705	0·721	0·430	0·570	0·658
शिक्षा में असमानता (% में)	39·4	—	2·2	22·6	13·8	39·5	25·9
असमानता समायोजित शैक्षिक सूचकांक	0·324	—	0·798	0·527	0·608	0·314	0·458
आय में असमानता (% में)	16·1	29·5	17·7	37·8	56·4	17·8	23·8
असमानता समायोजित आय सूचकांक	0·512	0·521	0·678	0·465	0·316	0·504	0·573

किया गया है. आईएचडीआई की रैंकिंग में प्रारम्भिक चार स्थान पर क्रमशः नॉर्वे, आइसलैण्ड, आस्ट्रेलिया एवं नीदरलैण्ड्स हैं. असमानता के कारण विश्व के एचडीआई में औसत कमी 22·3 प्रतिशत है अर्थात् असमानता को समायोजित करने पर वैश्विक एचडीआई 0·717 से गिरकर 0·557 रह जाता है, जो इसे 'उच्च मानव विकास' से 'मध्यम मानव विकास' की श्रेणी में ला देता है. भारत का आईएचडीआई मान मात्र 0·454 है जो एचडीआई की तुलना में 27·2 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है. यह भारत को 'मध्यम मानव विकास' वाले देशों की श्रेणी से 'निम्न मानव विकास' वाले देशों की श्रेणी में ला देता है, जो यद्यपि ब्रिक्स में दक्षिण अफ्रीका से बेहतर लेकिन अन्य से बदतर है. असमानता के कारण एचडीआई में आई औसत कमी विभिन्न देशों में 5·4 प्रतिशत (नॉर्वे) से लेकर 45·8 प्रतिशत (कोमोरोस) तक विस्तृत है.

लैंगिक असमानता सूचकांक (GII)

जीआईआई एकीकृत ढंग से आईएच-डीआई के रूप में महिलाओं और पुरुषों के बीच उपलब्धियों के वितरण में अन्तर को बेहतर ढंग से प्रदर्शित करने के लिए बनाया गया है. यह लैंगिक असमानता पर मानव विकास की लागत को मापता है. इसमें उच्चतर जीआईआई महिलाओं और पुरुषों के बीच अधिकतम असमानता और मानव विकास के लिए अधिकतम हानि को व्यक्त करता है. एचडीआई की तरह जीआईआई का भी सूचकांक 0 से 1 तक के मूल्यमान से तैयार किया जाता है, लेकिन एचडीआई के विपरीत इसमें उच्च सूचकांक अधिकतम लैंगिक असमानता को और निम्न सूचकांक असमानता में कमी को व्यक्त करता है. जैसे–स्विट्‌जरलैण्ड जो 159 देशों में पहले

जीडीआई 2016 के प्राचलों में भारत एवं विश्व

मदें	भारत का GDI (0·819)		द. एशिया का GDI (0·822)		विश्व का GDI (0·938)	
	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष
2015 में एचडीआई मूल्य	0·549	0·671	0·549	0·667	0·693	0·738
जन्म के समय जीवन प्रत्याशा	69·9	66·9	70·2	67·4	73·8	69·6
विद्यालयी शिक्षा के प्रत्याशित वर्ष	11·6	10·9	11·3	11·1	12·4	12·3
विद्यालयी शिक्षा के औसत वर्ष	9·6	11·2	4·9	7·8	7·7	8·8
प्रति व्यक्ति (पीपीपी $ आकलित) जीएनआई (2011)	2184	8897	2278	9114	10306	18555

स्थान पर है का जीआईआई मान 0·040, जबकि 159वें स्थान पर काबिज यमन का स्कोर 0·767 है. वर्ष 2016 के इस सूचकांक में सर्वाधिक लैंगिक समानता वाले देशों में सर्वोच्च स्थान स्विट्‌जरलैण्ड का है तथा उसके बाद क्रमशः डेनमार्क, नीदरलैण्ड, न्यूजीलैण्ड एवं आइसलैण्ड आते हैं. मानव विकास के अधिक असमान वितरण वाले देशों में महिलाओं एवं पुरुषों के बीच असमानता भी अधिक है. ऐसे देशों में सर्वाधिक खराब स्थिति यमन (159वाँ स्थान), चाड और नाइजर संयुक्त रूप से (157वाँ स्थान), कोट डी आइवरी (155वाँ स्थान) एवं अफगानिस्तान (154वाँ स्थान) की है.

भारत का जीआईआई मूल्य 0·530 तथा 159 देशों में भारत का 125वाँ स्थान है, से स्पष्ट है कि भारत में लैंगिक असमानता ब्रिक्स देशों में सर्वाधिक है और सम्पूर्ण विश्व के औसत या दक्षिण एशिया के औसत से भी अधिक है और यही हाल महिलाओं की माध्यमिक शिक्षा व श्रमशक्ति में भागीदारी है. किशोरावस्था में जन्म दर के मामले में भले ही बेहतर हो, लेकिन मातृत्व मृत्यु दर में ब्रिक्स देशों से बदतर है. संसद में महिलाओं द्वारा धारित सीटों के मामले में भारत केवल ब्राजील से बेहतर है, लेकिन वह सम्पूर्ण विश्व या दक्षिण एशिया के औसत से कम है. कुल मिलाकर महिला सशक्तिकरण के मामले में भारत की स्थिति ठीक नहीं है. यद्यपि जीआईआई के पाँच घटकों के समग्र सूचकों में भारत 159 देशों में 125वें स्थान पर है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों में महिला सांसदों की संख्या के मामले में 148वें स्थान पर और मन्त्रिमण्डल में प्रमुख पदों पर आसीन महिलाओं की संख्या सूची में 88वें स्थान पर है, जहाँ 18·5 प्रतिशत मंत्री पद (5 प्रमुख पद) महिलाओं के अधीन है, जबकि बुल्गारिया, फ्रांस और निकारागुआ 52·9 प्रतिशत महिला राजनेताओं के साथ शीर्ष पर हैं. वर्ष 2015 में दुनिया भर की संसदों में महिलाओं की हिस्सेदारी 22·6 प्रतिशत थी, जो 2016 में बढ़कर 23·3 प्रतिशत हो गई और वैश्विक स्तर पर यदि वृद्धि दर यही रही, तो महिला सांसदों की संख्या पुरुषों के बराबर होने में 50 साल लग सकते हैं, जबकि भारत को यह स्थिति प्राप्त करने में शायद 100 साल से अधिक का समय लग सकता है, क्योंकि हमारी संसद के लोक सभा की 542 सीटों में 64 और राज्य सभा की 245 सीटों में 27 महिला सांसद हैं, जो इनकी कुल संख्या का क्रमशः 11·8 और 11·0 प्रतिशत हैं.

लैंगिक विकास सूचकांक (जीडीआई)

लैंगिक विकास सूचकांक स्वास्थ्य, ज्ञान और जीवन स्तर के तीन मूल आयामों में महिलाओं और पुरुषों के बीच असमानताओं के लिए एचडीआई के सूचकों का उपयोग करके मानव विकास उपलब्धियों में लैंगिक अन्तर को मापता है. जीडीआई, एचडीआई पद्धति का उपयोग कर महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग से आकलित एचडीआई का अनुपात है. यह पुरुषों के एचडीआई के सापेक्ष महिला एचडीआई द्वारा लैंगिक अन्तर

शेष पृष्ठ 93 पर

द्विपक्षीय सम्बन्ध

भारत-बांग्लादेश सहयोग का अब तक का सफर

✍ गिरीश चन्द्र पाण्डे

सात वर्ष के अन्तराल के बाद बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की चार दिवसीय (7–10 अप्रैल, 2017) भारत की सरकारी यात्रा निश्चय ही दोनों देशों के बीच सम्बन्धों में नए आयाम जोड़ने वाली साबित हुई है. स्मरणीय है कि मई 2014 में केन्द्र में एनडीए की सरकार बनने के बाद उनकी यह पहली सरकारी यात्रा थी. इससे पूर्व भारत की यात्रा उन्होंने जनवरी 2010 में की थी. उनकी इस यात्रा के दौरान क्षमता निर्माण, रक्षा, आतंकवाद उन्मूलन, साइबर सुरक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स, भारत और बांग्लादेश के बीच सीमाओं में सीमा-हाटों की स्थापना, द्विपक्षीय न्यायिक क्षेत्र में सहयोग, मोटर वाहन, थर्ड लाइन क्रेडिट, बांग्लादेश के न्यायिक अधिकारियों को भारत में प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम में सहयोग, परमाणु ऊर्जा, बाह्य अन्तरिक्ष का शान्तिपूर्ण उपयोग, पोत परिवहन, पृथ्वी विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास, मास मीडिया, श्रव्य एवं दृश्य सह-निर्माण, विद्युत् पारेषण तथा ऊर्जा एवं बांग्लादेश में 36 सामुदायिक क्लीनिकों की स्थापना हेतु वित्तपोषण जैसे महत्वपूर्ण 22 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए. भारत ने सैन्य आपूर्ति के लिए 50 करोड़ डॉलर का जो कर्ज दिया है तथा करीब ₹ 29,000 करोड़ का रियायती कर्ज जो अन्य कार्यों के लिए प्रदान किया है, उनका संदेश यही है कि भारत बांग्लादेश के साथ अपने कारोबारी रिश्तों को और व्यापक रूप देना चाहता है.

इन समझौतों के दोनों देशों के लिए आर्थिक और व्यावसायिक आयाम तो हैं ही, इनकी कूटनीतिक अहमियत भी कम नहीं है, क्योंकि चीन लगातार बांग्लादेश के साथ अपने सम्बन्धों को मजबूती प्रदान कर रहा है. सीमा पर पुराने हाटों को खोलने तथा नए रेल व बसों को हरी झंडी देकर दोनों देशों के नागरिकों के सम्मिलन व आपसी व्यवहार को बढ़ावा देना इस दिशा में सही कदम माना जाएगा. इस प्रकार भारत ने बांग्लादेश के साथ आपसी सहयोग का दायरा बढ़ाकर वक्त की नजाकत को समझा है. प्रोटोकॉल की परवाह न कर मोदी ने हवाई अड्डे पहुँचकर अपने समकक्ष सहयोगी शेख हसीना का जिस प्रकार से स्वागत किया और अपनी यह भावना व्यक्त की कि "हम विकास के लिए जो भावना अपने देश के लिए रखते हैं, वही बांग्लादेश के लिए भी." इससे भी दोनों देशों के बीच सम्बन्धों की उष्णता का पता चलता है. शेख हसीना की इस यात्रा के दौरान राजधानी दिल्ली की एक सड़क का नाम 'बंग बंधु मार्ग' रखना भी दोनों देशों के बीच प्रगाढ़ सम्बन्धों का परिचायक है. इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी ओर से 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के योद्धा परिवारों के बच्चों की पढ़ाई के लिए वजीफा की 10 हजार संख्या में 10 हजार और जोड़कर, मुक्ति योद्धाओं को 5 साल के लिए मल्टिपल एंट्री वीजा सुविधा तथा भारत में मुफ्त इलाज के लिए 100 मुक्तियोद्धाओं को मदद की घोषणा कर इस भावना को और ठोस आधार दे दिया. इस प्रकार उक्त 22 समझौते दोनों देशों के लिए आर्थिक और व्यावसायिक आयाम तो हैं ही, इनकी कूटनीतिक अहमियत भी कम नहीं है.

शेख हसीना की भारत की यात्रा के दौरान बांग्लादेश के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए 4·5 अरब डॉलर के नए सिरे से रियायती दरों पर ऋण प्रदान करने की घोषणा करना भी महत्वपूर्ण है. इससे अगले छह वर्षों में बांग्लादेश को भारत का संसाधन आवंटन बढ़कर 8 अरब डॉलर को पार कर जाएगा. इसी प्रकार ऊर्जा सुरक्षा भी भारत-बांग्लादेश की विकास भागीदारी का एक महत्वपूर्ण आयाम है. बांग्लादेश के साथ हमारी ऊर्जा भागीदारी निरन्तर बढ़ रही है. शेख हसीना की इस यात्रा के दौरान भारत से बांग्लादेश को पहले से किया जा रहा 600 मेगावाट विद्युत् प्रवाह में 60 मेगावाट का अतिरिक्त इजाफा किया गया. 500 मेगावाट की अन्य आपूर्ति की भी वचनबद्धता की गई है. भारत-बांग्लादेश को नुमालीगढ़ से परबातीपुर के डीजल ऑइल पाइपलाइन के वित्त पोषण के लिए भी सहमत हुआ है. भारतीय कम्पनियाँ बांग्लादेश को हाई स्पीड डीजल की आपूर्ति के लिए दीर्घकालिक समझौता भी करने जा रही हैं और जब तक पाइपलाइन का कार्य पूरा नहीं हो जाता, भारत डीजल की नियमित आपूर्ति के लिए भी सहमत हुआ. दोनों देशों की निजी क्षेत्रों की कम्पनियों का इसके लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है और आने वाले समय में भारतीय कम्पनियों द्वारा ऊर्जा क्षेत्र में बांग्लादेश में निवेश के लिए कई समझौते निष्पन्न किए जाने की आशा है.

चूँकि द्विपक्षीय विकास भागीदारी, उप-क्षेत्रीय आर्थिक परियोजनाओं एवं बृहत्तर क्षेत्रीय आर्थिक समृद्धि की सफलता के लिए कनेक्टिविटी की भी महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए कोलकाता और खुलना और राधिकापुर-बीरोल के बीच बस और रेल सम्पर्कों को बहाल किया गया है. खुलना-कोलकाता एक्सप्रेस रेल सेवा भारत, बांग्लादेश, नेपाल और भूटान को जोड़ेगी. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बांग्लादेश, भूटान, भारत, नेपाल मोटर वाहन करार की शुरूआत करने के लिए भी अपनी वचनबद्धता दोहराई. 1965 में भारत-पाक युद्ध के दौरान इस सेवा को बंद कर दिया गया था, तब बांग्लादेश को पूर्वी पाकिस्तान के नाम से जाना जाता था. आगे चलकर नेपाल और भूटान भी जुड़ेंगे. इससे जहाँ नागरिकों के स्तर पर सम्पर्क बढ़ेंगे, वहीं व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा. इस सेवा के इसी साल जुलाई में शुरू होने की उम्मीद है. साथ ही अन्तरदेशीय जल मार्गों तथा तटीय पोत परिवहन के क्षेत्र में भी द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाया जा रहा है. दोनों देशों की ओर से जारी साझा बयान में आतंकवाद के खिलाफ मिलकर लड़ने की प्रतिबद्धता जताई गई है.

भारत-बांग्लादेश संयुक्त वक्तव्य

1. संयुक्त वक्तव्य में दोनों देशों के बीच हस्ताक्षरित 22 समझौतों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री हसीना की सरकार की उस पहल का स्वागत किया, जिसमें उन्होंने बांग्लादेश की 1971 के महान् स्वतंत्रता संग्राम के दौरान 1,661 भारतीय सशस्त्र बलों के बलिदान के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की. इस अवसर पर स्वयं हसीना ने इस युद्ध में अपने प्राण न्योछावर करने वाले उन 7 भारतीय अधिकारियों और सेनानियों के सम्बन्धियों को प्रशस्ति पत्र और **कलगी** (Crest) भेंट की.
2. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विशेष चिकित्सा योजना की घोषणा की, जिसके तहत् बांग्लादेश के 100 मुक्ति योद्धाओं को प्रत्येक वर्ष भारतीय अस्पतालों में चिकित्सा उपचार कराया जाएगा. साथ ही उन्होंने आगामी 5 वर्षों के लिए मुक्ति योद्धाओं के 10 हजार उत्तराधिकारियों के लिए मुक्ति योद्धा छात्रवृत्ति योजना की भी घोषणा की.
3. संयुक्त वक्तव्य में सुरक्षा और रक्षा, व्यापार तथा वाणिज्य, स्वास्थ्य, विद्युत् एवं ऊर्जा, परिवहन तथा कनेक्टिविटी

आदि क्षेत्रों में सहयोग हेतु बने क्षेत्र विशिष्ट संस्थानिक मैकेनिज्म की नियमित बैठकों के आयोजन की भी सराहना की, क्योंकि इन बैठकों से ढाका में जून 2015 में लिए गए निर्णयों पर प्रभावी अनुवर्ती कार्रवाई को बल मिलता है.

4. दोनों प्रधानमंत्रियों ने अपने-अपने देशों के विदेश मंत्रियों के नेतृत्व में गठित संयुक्त परामर्शी आयोग की नियमित बैठकों के आयोजन पर भी जोर दिया और इसकी आगामी बैठक ढाका में 2017 में आयोजित करने पर सहमति बनी.

5. प्रधानमंत्री मोदी ने ढाका में 1–5 अप्रैल, 2017 के दौरान 136वीं अन्तर्राष्ट्रीय संसदीय यूनियन (आईपीयू) असेम्बली के सफलतापूर्वक आयोजन पर हसीना को बधाई दी. साथ ही दोनों देशों के सांसदों के बीच होने वाले आपसी विचार-विमर्श पर भी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसमें और तेजी लाने का भी आह्वान किया.

6. संयुक्त वक्तव्य में सुरक्षित माहौल बनाने के लिए एक साथ कार्य करने की वचनबद्धता व्यक्त करते हुए आतंकवाद के हर रूप और उसके वित्तपोषण तथा उसे आश्रय देने की पुरजोर निन्दा की गई एवं अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय से इसका खात्मा करने के लिए अपनाई गई दोहरी प्रवृत्ति पर भी प्रहार करने का आह्वान किया. साथ ही संयुक्त राष्ट्र महासभा से अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक अभिसमय (Comprehensive Convention on International Terrorism) को तुरन्त अन्तिम रूप देकर उसे क्रियान्वित करने पर जोर दिया.

7. दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय प्रत्यर्पण संधि के प्रभावी कार्यान्वयन की आवश्यकता भी जताई और जुलाई 2016 में इस सम्बन्ध में बांग्लादेश के गृहमंत्री की भारत यात्रा के दौरान हस्ताक्षरित परिशिष्ट का स्वागत किया.

8. दोनों नेताओं ने समन्वित सीमा प्रबन्ध योजना (Coordinated Border Management Plan–CBMP) के प्रभावी कार्यान्वयन पर भी जोर दिया, ताकि सीमा पर हो रही किसी भी अवैध गतिविधियों, आवाजाही एवं हिंसा एवं दुर्घटनाओं की गति को संयुक्त रूप से रोका जा सके.

9. दोनों प्रधानमंत्रियों ने भारत द्वारा बांग्लादेश को 862 मिलियन अमरीकी डॉलर की पहली लाइन ऑफ क्रेडिट (एलओसी) के उपयोग में हुई शानदार प्रगति के साथ ही 2 अरब अमरीकी डॉलर के दूसरे लाइन ऑफ क्रेडिट का उपयोग विशिष्ट परियोजनाओं की पहचान हेतु करने पर सन्तोष व्यक्त किया. गौरतलब है कि पहली एलओसी के उपयोग से बांग्लादेश में सड़क, रेलवे, पुलों, अन्तर्देशीय जलमार्गों आदि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में परिवहन क्षमताओं और आधारभूत अवसंरचना के निर्माण में काफी सहायता मिली है. साथ ही दोनों प्रधानमंत्रियों ने पत्तन निर्माण, रेलवे, सड़क, विमानपत्तनम्, विद्युत् एवं ऊर्जा, दूरसंचार, पोत परिवहन जैसे क्षेत्रों में कई परियोजनाओं की पहचान किए जाने का स्वागत किया है, जिन्हें भारत सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाले 4·5 अरब अमरीकी डॉलर के तीसरे एलओसी के माध्यम से कार्यान्वित किया जाएगा.

10. दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच व्यापार को सुगम बनाने के लिए पत्तन प्रतिबन्धों को हटाने सहित सभी व्यापारिक अवरोधों को दूर करने की आवश्यकता जताई. प्रधानमंत्री हसीना ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ध्यान हाल में बांग्लादेश से निर्यात किए जाने वाले जूट पर लगाए जा रहे डम्पिंगरोधी शुल्क लगाने की ओर खींचा और इस निर्णय की पुनर्समीक्षा करने का अनुरोध किया, जिसे भारत ने मान लिया. बांग्लादेश ने भी भारत से बांग्लादेश को आयात किए जाने वाले कतिपय उत्पादों के सम्बन्ध में 'न्यूनतम आयात मूल्य' की भेदभावपूर्ण व्यवस्था को समाप्त करने का अनुरोध किया, जिस पर बांग्लादेश ने भारत को आश्वस्त किया.

11. दोनों देश पहचान किए गए स्थानों पर शीघ्र भारतीय विशेष आर्थिक क्षेत्रों की स्थापना पर भी सहमत हुए. मोदी ने मीरसराय में 1005 एकड़ के क्षेत्र में भारतीय विशेष आर्थिक क्षेत्र की स्थापना हेतु बांग्लादेश द्वारा दी गई जमीन के प्रति हसीना के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया. दोनों प्रधानमंत्रियों ने आशा व्यक्त की कि ये विशेष आर्थिक क्षेत्र भारतीय व्यवसायियों को बांग्लादेश में और निवेश के लिए प्रोत्साहित करेंगे. बांग्लादेश समृद्ध दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ भारत के ज्यादा सघन व्यापारिक रिश्तों का जरिया बन सकता है. इस लिहाज से भी दोनों देशों के बीच सड़क व रेल सम्पर्क बढ़ाना और दोस्ताना माहौल बनाए रखना जरूरी है और इसलिए शेख हसीना की इस यात्रा के दौरान इस सम्बन्ध में उल्लेखनीय पहल की गई.

12. तीस्ता जल समझौते में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आपत्ति के कारण कोई अन्तिम निर्णय नहीं लिया जा सका, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने शेख हसीना को भरोसा दिलाया कि वह मामला सँभाल लेंगे. इसलिए आशा है कि मोदी देर-सबेर पश्चिम बंगाल की जनता को समझौते के लिए राजी करने में कामयाब हो ही जाएंगे. उल्लेखनीय है कि तीस्ता नदी हिमालय से निकलकर भारत तथा बांग्लादेश होकर अन्त में बंगाल की खाड़ी में मिलती है. यह बांग्लादेश में प्रविष्ट होने से पहले सिक्किम तथा पश्चिम बंगाल के उत्तरी भागों से होकर गुजरती है और पश्चिम बंगाल अपने कृषि भूमि की सिंचाई तथा पनबिजली टरबाइन के संचालन हेतु तीस्ता नदी पर निर्भर है. चूँकि दोनों देशों के कृषि हित इस नदी से जुड़े हैं, इसलिए दोनों देशों के बीच सिंचाई हेतु जल बँटवारा एक प्रमुख मुद्दा उभरकर सामने आया है.

यह भी उल्लेखनीय है कि यह नदी पश्चिम बंगाल के चार जिलों कूच बेहर, न्यू जलपाईगुड़ी, उत्तरी तथा दक्षिण दिनाजपुर के किसानों के साथ-साथ सिलीगुड़ी कस्बे को भी लाभ पहुँचाती है. भारत परम्परागत रूप से तीस्ता नदी जल का बड़ी मात्रा में उपयोग करता है. सूखे मौसम में लगभग 8 मिलियन जनसंख्या के लिए जहाँ वह इस नदी से 32 हजार क्यूसेक जल प्राप्त करता है, वहीं बांग्लादेश अपनी 20 मिलियन आबादी हेतु मात्र 5 हजार क्यूसेक जल का ही उपयोग कर पाता है. इसलिए दोनों देशों के बीच तीस्ता नदी के जल का प्रस्तावित बँटवारा 50 : 50 रखा गया है, जो पश्चिम बंगाल को मान्य नहीं है और जब तक पश्चिम बंगाल का यथोचित सहयोग नहीं मिलता, तब तक तीस्ता नदी जल बँटवारे में प्रगति नहीं हो सकती.

13. दोनों प्रधानमंत्रियों ने बांग्लादेश में पद्मा नदी पर गंगेज बैराज (Ganges Barrage) को संयुक्त रूप से विकसित करने के बांग्लादेश के प्रस्ताव के सम्बन्ध में सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की और इस सम्बन्ध में गठित संयुक्त तकनीकी उपसमूह को शीघ्र बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया.

14. दोनों देशों के बीच लोगों में सम्पर्कों विस्तार लाने के लिए दोनों नेताओं ने 2018 में बांग्लादेश में भारत वर्ष और 2019 में भारत में बांग्लादेश वर्ष मनाने

का निर्णय लिया. साथ ही 2021 में बांग्लादेश मुक्ति युद्ध की 50वीं वर्षगाँठ और 2022 में ब्रिटिश राज से भारत को स्वतंत्रता मिलने की 75वीं वर्षगाँठ मनाने के आयोजन पर भी सहमति बनी.

15. दोनों प्रधानमंत्रियों ने मौजूदा सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर सन्तोष व्यक्त करते हुए दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के भविष्य में कार्यान्वयन पर भी अपनी सहमति व्यक्त की.
16. संयुक्त वक्तव्य में दोनों नेताओं ने दक्षिण एशिया सैटेलाइट परियोजना में भारत और बांग्लादेश के साथ अन्य कई दक्षिण एशियाई देशों के भाग लेने का स्वागत किया, क्योंकि इससे आपदा प्रबन्धन सहित क्षेत्र के विकास हेतु अन्तरिक्ष प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग को बल मिलेगा.
17. दोनों देशों ने संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय संगठनों में मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए हसीना ने विस्तारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन किया.
18. टिकाऊ विकास के 2030 के लक्ष्यों (SDGs 2030) की प्राप्ति की दिशा में भी अपनी एकजुटता व्यक्त की.
19. बहुपक्षीय वित्तीय संस्थाओं की मजबूती और सुधार की आवश्यकता पर बल देते हुए अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक निर्णय लेने की प्रक्रिया में विकासशील देशों की भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया.
20. समानता और साझा लेकिन पृथक्-पृथक् दायित्व (Common but Differentiated Responsibility–CDBR) के सिद्धान्तों के आधार पर पेरिस समझौते के कार्यान्वयन के प्रति भी अपना संकल्प व्यक्त किया.

भारत-बांग्लादेश सम्बन्धों पर एक नजर

1. भारत ने न केवल बांग्लादेश की आजादी की लड़ाई में खुलकर भाग लिया, बल्कि भारत पहला देश था, जिसने दिसम्बर 1971 में इसकी स्वतंत्रता के तुरन्त बाद इसे पृथक् तथा स्वतंत्र देश के बतौर मानते हुए राजनयिक सम्बन्ध स्थापित किए.
2. दोनों देश एक साझी विरासत, इतिहास, भाषाई एवं सांस्कृतिक सम्बन्धों, साहित्य और कला के वाहक हैं. दोनों देशों ने पिछले चार दशकों में अपने सम्बन्धों को निरन्तर सुदृढ़ किया है.
3. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 6-7 जून, 2015 की बांग्लादेश की यात्रा महत्वपूर्ण है. इस यात्रा के दौरान 22 द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए थे और जिनमें भारत-बांग्लादेश भूसीमा समझौता महत्वपूर्ण था. 1974 से लम्बित चार दशकों से अधिक समय के लम्बे इंतजार के बाद ऐतिहासिक सीमा भूमि समझौते की बदौलत दोनों देशों की सरकारी सुविधाओं से वंचित 162 एन्क्लेव (छींटमहल) के हस्तांतरण की अन्तिम प्रक्रिया पूरी हुई थी और इसी के साथ त्रिशंकु बने करीब 51 हजार से अधिक लोगों को नागरिकता देने की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है. अब तक इन छींटमहल में रहने वाले लोग न तो भारत और न ही बांग्लादेश के नागरिक थे.
4. राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की मार्च 2013 की बांग्लादेश की यात्रा इस अर्थ में महत्वपूर्ण है कि उन्होंने राष्ट्रपति का पदभार ग्रहण करने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए बांग्लादेश को चुना, तो दूसरी ओर बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद अब्दुल हमीद ने 42 वर्षों बाद राष्ट्राध्यक्ष के बतौर भारत की यात्रा की थी.
5. भारत और बांग्लादेश के बीच 54 साझा नदियाँ हैं, इसलिए जून 1972 से द्विपक्षीय संयुक्त नदी आयोग की व्यवस्था है, जो दोनों देशों के बीच साझा नदी प्रणालियों से होने वाले लाभ के लिए आपसी मंत्रणा करता है. गंगा नदी के जल के बँटवारे के लिए की गई संधि गंगा जल संधि पर 1996 में हस्ताक्षर किए गए थे, जिसमें लीन सीजन यानि 1 जनवरी–31 मई के दौरान गंगा नदी के जल के बँटवारे की व्यवस्था है.
6. भारत-बांग्लादेश के द्विपक्षीय व्यापारिक सम्बन्धों को देखें, तो 2015-16 (जुलाई-जून) में भारत का बांग्लादेश को निर्यात 5452·90 अमरीकी डॉलर था, जबकि इसी अवधि में बांग्लादेश से भारत को आयात 689·62 अमरीकी डॉलर था. वित्त वर्ष 2011-12 से 2015-16 के बीच दोनों देशों के बीच कुल व्यापार में बढ़ोतरी 17 प्रतिशत से अधिक हुई. बांग्लादेश को साफ्टा (SAFTA), साप्टा (SAPTA) एवं आप्टा (APTA) के तहत् शुल्क में पर्याप्त रियायतें दी गईं. विद्युत् क्षेत्र के अलावा ऊर्जा सहयोग में भी द्विपक्षीय सहयोग में पिछले दो वर्षों में पर्याप्त बढ़ोतरी देखी गई. भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की कई इकाइयाँ, जैसे–भारतीय तेल निगम, नुमालीगढ़ रिफाइनरी लि., भारतीय गैस प्राधिकरण लि., ओएनजीसी विदेश लि. बांग्लादेश के साथ तेल और गैस क्षेत्र में आपसी सहयोग कर रही हैं. व्यापारिक संतुलन को दूर करने के लिए भारत ने 2011 से 25 मदों को छोड़कर सभी टैरिफ लाइनों को हटा दिया गया. त्रिपुरा एवं मेघालय में दो-दो सीमा हाटों की स्थापना की गई, ताकि सीमा पर रहने वाले लाभान्वित हों. भविष्य में और भी ऐसे हाटों की स्थापना का प्रस्ताव है.
7. दोनों देशों के बीच कनेक्टिविटी को सुगम बनाने के लिए जुलाई 2016 में पेट्रापोल इंटीग्रेटेड चैक पोस्ट (Petrapole Intergrated Check Post–ICP) का उद्घाटन किया गया, जिससे लोगों की एक-दूसरे की सीमा से आवाजाही में सुविधा हो. फरवरी 2016 में फुलबारी-बंगबन्धु इमीग्रेशन चैक पोस्ट खोला गया. श्रीमन्तपुर एलसीएस का भी जनवरी 2016 में उद्घाटन किया गया. गौरतलब है कि 1972 से अन्तर्देशीय जल व्यापार और ट्रांजिट प्रेटोकॉल (Protocol on Inland Water Trade and Transit–PIWTT) अस्तित्व में है, जो आठ विशिष्ट मार्गों से बांग्लादेश की नदी प्रणालियों के माध्यम से नौकाओं/जलयानों के माध्यम से वस्तुओं की आवाजाही करने की अनुमति देता है. पीआईडब्ल्यूटीटी को पाँच वर्षों की अवधि के लिए नवीनीकृत किया गया है, जिसे प्रधानमंत्री मोदी की जून 2015 में की गई बांग्लादेश यात्रा के दौरान स्वतः नवीनीकृत होने की व्यवस्था की गई. पीआईडब्ल्यूटीटी के तहत् ही बांग्लादेश से पूर्वोत्तर क्षेत्रों हेतु वस्तुओं की आवाजाही की जाती है.
8. कोलकाता और ढाका के बीच 'मैत्री एक्सप्रेस' यात्री रेल सेवा सप्ताह में तीन दिन संचालित है. कोलकाता और ढाका, शिलांग-ढाका एवं ढाका मार्फत अगरतला-कोलकाता के बीच नियमित बस सेवाएं भी जारी हैं. खुलाना कोलकाता बस सेवा का ट्राइल रन अगस्त 2016 में पूर्ण कर लिया गया है. इसके अलावा भारत और बांग्लादेश के बीच नियमित उड़ानें भी जारी हैं, जो ढाका और चटगांव को नई दिल्ली, कोलकाता तथा मुम्बई से जोड़ती हैं. बांग्लादेश, भूटान, भारत एवं नेपाल (BBIN) मोटर वाहन समझौते से सड़क मार्ग से कनेक्टिविटी में महत्वपूर्ण सुधार होने की आशा है. ढाका मार्फत कोलकाता से अगरतला तथा कोलकाता एवं

लखनऊ मार्फत ढाका से नई दिल्ली को ट्रक से कार्गो की आवाजाही हेतु ट्राइल रन अगस्त 2016 में पूर्ण किया गया.

9. बांग्लादेश महत्वपूर्ण आईटीईसी भागीदार देश है और बांग्लादेश से भारी संख्या में आईटीसी कार्यक्रम के तहत् प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं. इसके अलावा प्रशासन, पुलिस, सीमा रक्षक बलों, सैन्यकार्मिकों, नार्कोटिक नियंत्रण अधिकारियों, अध्यापकों आदि को विशेष पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाता है.

10. जहाँ तक सांस्कृतिक आदान-प्रदान का सम्बन्ध है, ढाका स्थित इन्दिरा गांधी सांस्कृतिक केन्द्र नियमित तौर पर 2010 से सांस्कृतिक गतिविधियों का संचालन कर रहा है. भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद् ने ढाका में 2011 में टैगोर पीठ की स्थापना की है और परिषद् द्वारा प्रतिवर्ष बांग्लादेशी विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियाँ भी प्रदान की जाती हैं. भारत बिचित्र (Bharat Bichitra) नामक बंगाली साहित्यिक मासिक पत्रिका का प्रकाशन पिछले 43 वर्षों से किया जा रहा है.

11. लगभग 10 हजार भारतीय नागरिक बांग्लादेश में रह रहे हैं और उनमें से अधिकांश रेडीमेड गार्मेंट्स कारोबार में अथवा बहुराष्ट्रीय, भारतीय एवं बांग्लादेशी कम्पनियों में लगे हैं.

दृष्टिकोण

निःसन्देह 'पूर्व की ओर देखो की नीति' भारत के लिए बांग्लादेश को अपरिहार्य बना देती है. बांग्लादेश सुरक्षा मसलों पर भारत का बराबर सहयोग करता रहा है. हसीना के शासनकाल के दौरान बांग्लादेश ने भारत की सुरक्षा चिन्ताओं को ध्यान में रखते हुए आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए आतंकवादी और विध्वंश-कारी समूहों, धार्मिक चरमपंथ के खिलाफ जिस प्रकार की निर्णायक मुहिम छेड़ी है और पूर्वोत्तर उग्रवादियों और इस्लामी आतंक-वादियों पर जिस प्रकार नकेल कसी है और फर्जी करेंसी के रैकेटों पर पाकिस्तानी एजेंटों पर प्रहार किया है, वह तारीफे काबील है. यह किसी से छिपा नहीं है कि पूर्वोत्तर भारत में उल्फा और नागा विद्रोही बांग्लादेश को शरणस्थली और हथियारों की आपूर्ति के मार्ग के रूप में इस्तेमाल करते रहे हैं, जिन पर प्रभावी रोक लगी है, लेकिन भारत-बांग्लादेश के बीच व्यापार संतुलन तभी स्थापित हो सकता है, जबकि भारतीय निवेश के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ पैदा की जाएं. यह शुभ संकेत है कि भारतीय कम्पनियों ने बांग्लादेश के उन्नति कर रहे क्षेत्रों जैसे– कपड़ा, चर्म उत्पाद, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटो संघटक, पोत निर्माण, समुद्री खाद्य प्रसंस्करण आदि में रुचि प्रदर्शित की है. अभी व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में है.

हालांकि, एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अमरीका के दबदबे की कोशिश में बांग्लादेश की केन्द्रीय भूमिका रहने वाली है, लेकिन बांग्ला-देश किसी एक शक्ति गुट से जुड़ने की बजाय बहुपक्षीय मंच पर साझीदार बनने का इच्छुक प्रतीत होता है. यह स्थिति भारत के लिए अनुकूल है. भारत के लिए बांग्लादेश दक्षिण-पूर्व एशिया व पूर्व-एशिया से जुड़ने का माध्यम है. इस सम्बन्ध में भारत, म्यांमार, बांग्लादेश और चीन की साझेदारी से बनने वाला परिवहन गलियारा महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है.

इसमें सन्देह नहीं कि हसीना के प्रधान-मंत्रित्व काल में बांग्लादेश भारत का सबसे महत्वपूर्ण मित्र देश के रूप में सामने आया है अन्यथा 1972 में बांग्लादेश के अस्तित्व में आने के बाद से 2009 तक के 37 वर्षों का अवलोकन करें, तो लगभग 8 वर्ष ही वहाँ लोकतांत्रिक ढंग से चुनी सरकार रही और शेष 29 वर्ष या तो वहाँ सैन्य शासन रहा या फिर सैन्य शासन की छाँव में वहाँ शासन चलता रहा.

हसीना ने पूर्वोत्तर से बांग्लादेश के जरिए भारतीय सामान के ट्रांजिट की अनुमति दी है और भारत की अधिकांश कनेक्टिविटी की चिन्ताओं को ध्यान में रखा है. इससे द्विपक्षीय सम्बन्धों में सुधार तो हुआ ही है, साथ ही भारत की लुक ईस्ट पॉलिसी को भी और बल मिला है. हसीना की इस यात्रा के दौरान भारत के सहयोगी संघवाद (Cooperative Federalism) सिद्धान्त से बँधे होने और जिसके परिणामस्वरूप पश्चिम बंगाल को बिना विश्वास में लिए भले ही तीस्ता नदी पर समझौता नहीं हो सका, लेकिन जैसाकि मोदी ने हसीना को वायदा किया है देर-सबेर इस समझौते को कार्यान्वित कर लिया जाएगा.

अन्त में, बांग्लादेश में अगले वर्ष यानी 2018 में आम चुनाव होने वाले हैं और वहाँ पर पाकिस्तान समर्थक कट्टरपंथी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की खालिदा जिया के साथ मिलकर सत्ता हासिल करना चाहते हैं. इसलिए आने वाला समय बांग्लादेश के लिए चुनौती भरा तो है ही, भारत भी बांग्लादेश की घरेलू राजनीति से अप्रभावित नहीं रह सकता.



शेष पृष्ठ 89 का

को मापता है. यद्यपि जीडीआई अपने आप में लैंगिक अन्तर का स्वतन्त्र मापक नहीं है, क्योंकि जीडीआई को एचडीआई स्कोर से अलग स्वतन्त्र रूप से इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है. इसके बावजूद यह तीन बुनियादी क्षमताओं– स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक संसाधनों पर अधिकारिता की उपलब्धियों में लैंगिक असमानताओं की जानकारी प्रदान करता है. जीडीआई बताता है कि विकास प्रक्रिया में अपने पुरुष समकक्षों के पीछे कितनी महिलाएं चल रही हैं और कितनी महिलाओं को मानव विकास के प्रत्येक आयाम में कवरेज की आवश्यकता है. यह विभिन्न देशों को मानव विकास उपलब्धियों में वास्तविक लैंगिक अन्तर को समझने में मदद और व्याप्त अन्तराल को रोकने के लिए नीतिगत उपकरणों को मसौदाबद्ध करने में भी मार्गदर्शन करता है.

यूएनडीपी द्वारा पुनः यह सूचकांक वर्ष 2014 की एचडीआर के साथ प्रस्तुत किया गया था, जिसमें 149 देशों को स्कोरिंग के साथ श्रेणीबद्ध किया गया था और भारत का सूचकांक मान 0·830 के साथ 132वें स्थान पर था, जबकि जीडीआई-2015 में 161 देशों के सूचकांक में भारत का मूल्य 0·795 था. जीडीआई का आकलन और मूल्यांकन भी, एचडीआई की तरह किया जाता है, जिसमें शामिल देशों को सूचकांक मान के अनुरूप श्रेणीबद्ध किया जाता है, लेकिन जीडीआई-2016 में शामिल 160 देशों को श्रेणीबद्ध नहीं किया गया है, केवल जीडीआई मान प्रस्तुत किए गए हैं. इसमें यदि महिलाओं और पुरुषों का एचडीआई एकसमान होता है, तो जीडीआई का संयुक्त मान 1 होता है, लेकिन यदि पुरुषों का एचडीआई महिलाओं से अधिक होता है तो जीडीआई का संयुक्त मान 1 से कम और महिलाओं का एचडीआई पुरुषों से अधिक होने पर जीडीआई 1 या से अधिक होता है. एचडीआई में 23वें स्थान पर काबिज फिनलैण्ड एकमात्र ऐसा देश है, जिसके महिला और पुरुषों के एचडीआई मान बराबर 0·895 है, इसलिए इसका जीडीआई मूल्य 1 है. इसके अलावा 20 देश ऐसे हैं जिनकी महिलाओं का एचडीआई, पुरुषों से अधिक है यानि इन देशों में मानव विकास के मामले में महिलाएं पुरुषों से आगे हैं, शेष भारत सहित 139 देशों में पुरुष, महिलाओं से आगे हैं. भारत में महिलाओं और पुरुषों का जीडीआई क्रमशः 0·549 और 0·671 है यानि पुरुषों का मान 0·122 अंक, स्कूलिंग के औसत 1·6 वर्ष और प्रति व्यक्ति आय 4 गुना महिलाओं से अधिक है, जिनमें समानता स्थापित करने में भारत को 5 दशक से अधिक का समय लग सकता है. इसके अलावा ब्रिक्स देशों में भी भारत सबसे बदतर है.



समसामयिक कूटनीतिक लेख

चीन की महत्वाकांक्षी 'वन बेल्ट–वन रोड' परियोजना और भारत की चिंताएं

✍ शंकर प्रसाद तिवारी (विनय)

वर्ष 1980 के बाद चीन में आर्थिक उदारीकरण की प्रक्रिया इतनी रफ्तार से चली कि शायद चीन को इससे उत्पन्न विसंगतियों के बारे में अधिक सोचने का मौका नहीं मिला, पिछले साढ़े तीन दशकों में वहाँ व्यापक पैमाने पर प्राकृतिक व खनिज संसाधनों का दोहन किया गया और निर्यातोन्मुखी अर्थव्यवस्था को गतिशीलता देने के लिए बड़े स्तर पर ढाँचागत विकास हुआ तथा मुद्रा के अवमूल्यन जैसे कार्यों को बढ़ावा दिया गया है, निर्यातोन्मुखी अर्थव्यवस्था के कारण वर्ष 2008 तक चीन ने अपनी उच्च आर्थिक विकास दर को बनाए रखा, मगर वर्ष 2008 की वैश्विक आर्थिक मंदी से चीन की अर्थव्यवस्था बुरी तरह डगमगा गई, क्योंकि अमरीका, ब्रिटेन सहित तमाम पश्चिमी देशों में उसका निर्यात तेजी से घटने लगा, मगर संकट की इस घड़ी में भी उसकी अर्थव्यवस्था को भारत सहित तमाम एशियाई व अफ्रीकी देशों का सहारा मिला, जिनको वह अभी भी भारी मात्रा में निर्यात करता है, मगर अब चीन को आंतरिक स्तर पर नई चिंताओं का सामना करना पड़ रहा है, इनमें प्रमुख हैं– (1) आर्थिक चुनौतियाँ (2) पर्यावरणीय समस्याएं तथा (3) घटता जनसांख्यिकीय लाभांश. चीन में अत्यधिक दोहन के कारण प्राकृतिक व खनिज संसाधनों का ह्रास हो रहा है और चीन को यह चिंता सता रही है कि औद्योगिक व आर्थिक गतिविधियों के लिए उसे लम्बे समय तक विभिन्न स्तरों पर कच्चे माल की उपलब्धता कैसे सुनिश्चित की जाएगी ? ऊर्जा अर्थव्यवस्था का चक्का चलाने के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण घटकों में एक है, मगर अब अत्यधिक दोहन के कारण चीन के पास ऊर्जा संसाधन इतने अधिक नहीं रह गए हैं, जो लम्बे समय तक उनकी ऊर्जा जरूरतों को पूरा कर सकें.

चीन की एक बड़ी चिंता जनसांख्यिकीय लाभांश की घटती दर से भी है, क्योंकि अब उसकी युवा आबादी कम होने की ओर अग्रसर है और अगले जनसांख्यिकीय लाभांश (डेमोग्राफिक डिविडेंड) के लिए उसे वर्षों इंतजार करना पड़ेगा. आर्थिक महाशक्ति बनने की राह पर सरपट दौड़ना चाहता है, इसीलिए वह 'वन बेल्ट-वन रोड' 'चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा' सिल्क रोड तथा ग्वादर बंदरगाह जैसी तमाम बड़ी परियोजनाओं पर काम कर रहा है ताकि किसी भी कीमत पर आर्थिक महाशक्ति का ताज अमरीका से छीना जा सके. इसी परिप्रेक्ष्य में 'वन बेल्ट-वन रोड' (OBOR) योजना विशेष रूप से उल्लेखनीय है जिसके द्वारा चीन कम समय तथा कम लागत में अबाध रूप से एशियाई, यूरोपीय तथा अफ्रीकी देशों से सीधे आर्थिक सम्पर्क स्थापित करना चाहता है, यहाँ ओबोर (OBOR) के बारे में आवश्यक जानकारी दी जा रही है.

क्या है वन बेल्ट-वन रोड (OBOR) परियोजना ?

आज से सदियों पूर्व से सिल्क रोड (रेशम मार्ग) चीन को मध्य एशिया से होते हुए यूरोप तक जोड़ता था, दरअसल यह सामाजिक-आर्थिक तथा सांस्कृतिक आवागमन एवं सम्पर्क का प्रमुख मार्ग था, अब चीन इस बहुद्देश्यीय राह को फिर जिंदा करना चाहता है ताकि अपने सामाजिक-आर्थिक व राजनीतिक सम्पर्कों को और विस्तार दिया जा सके, यानि (OBOR) सिल्क रूट का आधुनिक संस्करण होगा, मगर यह एक सड़क मात्र नहीं होगी, बल्कि इसमें चीन को एशिया, यूरोप तथा अफ्रीकी देशों से जोड़ने के लिए हाइवे, रेल लाइनें, पाइप-लाइनें, बंदरगाह, बिजली की ट्रांसमिशन लाइनें तथा सूचना व संचार प्रौद्योगिकी नेटवर्क आदि सभी कुछ बनाया जाएगा. जाहिर है यह मेगा प्रोजेक्ट, छोटे-बड़े प्रोजेक्टों का साझा स्वरूप होगा.

दरअसल वन बेल्ट–वन रोड चीन के राष्ट्रपति 'शी-जिनपिंग' का एक बड़ा ड्रीम प्रोजेक्ट है, जो मुख्यतः दो हिस्सों में बँटा हुआ है–(1) 'सिल्क-मार्ग आर्थिक बेल्ट' (सिल्क-रोड इकोनॉमिक बेल्ट) तथा (2) 'समुद्री सिल्क मार्ग परियोजना' (मेरीटाइम सिल्क रोड प्रोजेक्ट) सिल्क मार्ग आर्थिक वेल्ट मध्य चीन के 'झियांग' से शुरू होकर पश्चिम चीन में 'लानझाऊ' (गन्सु) 'उरुम्की' तथा 'खोरगास' (झिंगजियांग) में जाता है उसके बाद मध्य एशिया से उत्तरी ईरान तक जाता है, फिर वहाँ से इराक, सीरिया और टर्की की ओर मुड़ जाता है, टर्की की राजधानी 'इस्ताम्बुल' से यह बेल्ट बोसफोरस जलडमरूमध्य पार करता हुआ उत्तर-पश्चिम में यूरोपीय देशों तक चला जाता है जहाँ यह बुल्गारिया, रोमानिया, फ्रेंच रिपब्लिक और जर्मनी तक पहुँच जाता है, जर्मनी के 'इड्सबर्ग' पहुँचने के बाद यह उत्तर की ओर घूमकर नीदरलैण्ड के 'रोटरडम' तक पहुँचता है, जहाँ से दक्षिण की ओर घूमकर यह इटली के 'वेनिस' नगर तक पहुँचता है और यहाँ इसका मिलन समुद्री सिल्क रूट से हो जाता है.

अगर प्रस्तावित समुद्री सिल्क रोड की बात करें तो यह चीन के क्यूंजी प्रांत के 'क्वांझाऊ' से शुरू होता है और चीन के तीन महत्वपूर्ण शहरों 'ग्वानझाऊ', 'बीहेई' तथा 'हेकाऊ' को पार करके दक्षिण में 'मलक्का जलडमरूमध्य की ओर मुड़ जाता है इसके बाद 'क्वालालम्पुर' (मलेशिया) को छूते हुए यह भारत के 'कोलकाता' शहर पहुँचता है (अगर भारत इसमें शामिल हो तो), जहाँ से हिन्द महासागर से होता हुआ यह कीनिया की राजधानी नैरोबी पहुँचता है, नैरोबी से यह मार्ग हॉर्न ऑफ अफ्रीका की ओर जाता है और लाल सागर में मेडिटेरिनियन' से होता हुआ 'एथेंस' (यूनान) पहुँचता है और उसके बाद अंततः वेनिस पहुँचकर सिल्क मार्ग आर्थिक बेल्ट से मिल जाता है. म्यांमार का कोको द्वीप, बांग्लादेश का चटगाँव बंदरगाह, श्रीलंका का हबनटोटा तथा पाकिस्तान का ग्वादर बंदरगाह मेरीटाइम सिल्क रोड के ही हिस्से हैं जिनका निर्माण स्वयं चीन द्वारा किया जा रहा है. 'चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा' (CPEC) भी इसका अहम् हिस्सा है, जिसके अन्तर्गत चीन बलूचिस्तान तथा पाक अधिकृत कश्मीर स्थित गिलगिट बाल्टिस्तान क्षेत्र से होते हुए 'ग्वादर बंदरगाह' तक रेल व सड़क सम्पर्क सुनिश्चित करेगा.

28 मार्च, 2015 को चीन की आर्थिक योजना एजेंसी 'नेशनल डेवलपमेंट एण्ड रिकॉर्ड कमीशन' (NDRC) ने OBOR परियोजना की रूपरेखा प्रस्तुत की जिस पर तकरीबन 900 बिलियन डॉलर की लागत आएगी.

परियोजना से जुड़े चीन के हित

वैसे चीन को इस परियोजना से सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक तथा कूट-नीतिक सभी प्रकार के लाभ होंगे, मगर इससे जुड़े आर्थिक लाभ सबसे अधिक हैं और वह भी कई क्षेत्रों में. इसमें कोई दो राय नहीं कि चीन किसी भी बड़ी योजना परियोजना को अमल में लाने से पूर्व उसके नफे-नुकसानों पर सोच-विचार काफी करता है और 'एक तीर से कई निशाने साधना' उसकी कूटनीति का प्रमुख हथियार रहा है और इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि चीन की इस परियोजना के पीछे भी उसकी एक

साथ कई हितों को साधने वाली वही कूटनीति काम कर रही है.

चीन को इस परियोजना से दूरगामी रूप से दोहरा लाभ होगा–(1) चीन की अर्थव्यवस्था को गतिशीलता मिलेगी तथा (2) किए गए अपने निवेश पर उसे भविष्य में अच्छी रकम वापस मिलेगी. साथ ही चीन सिर्फ इन परियोजनाओं के निर्माण कार्य तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उसकी कम्पनियों को भविष्य में इनके संचालन-परिचालन तथा रख-रखाव का काम भी मिलेगा. इसके अलावा इसी बहाने चीन की अपने प्रतिद्वन्द्वियों (भारत एवं पश्चिमी देश) की सीमाओं तक प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कूटनीतिक व सामरिक पहुँच भी स्वतः हो जाएगी.

इस परियोजना से चीन के कारोबार (आयात-निर्यात) का लागत व्यय तथा समय दोनों कम हो जाएगा, दरअसल दक्षिण चीन सागर एवं हिन्द महासागर से होकर व्यापारिक लेन-देन करने में उसे एक लम्बा मार्ग तय करना पड़ता है जिसमें समय तथा लागत अधिक लगती है (विशेषकर अफ्रीकी, पश्चिम एशियाई एवं यूरोपीय देशों के साथ व्यापार के मामले में), मगर अब 'वन बेल्ट-वन रोड' परियोजना से उसका न सिर्फ सीधा सम्पर्क होने से द्विपक्षीय कारोबार बढ़ेगा बल्कि लागत व समय भी घट जाएगा. मसलन चीन-पाकिस्तान इकोनोमिक कोरीडोर (CPEC) से चीन व मलक्का की खाड़ी के बीच की दूरी 5000 किमी घट जाएगी जहाँ से चीन का 70 फीसदी क्रूड आयल विभिन्न देशों से आयातित किया जाता है.

पिछले कुछ सालों से चीन की जीडीपी विकास दर 6–7 प्रतिशत पर आ गई है, मगर इसके लिए सिर्फ विदेशों से उसके उत्पादों की घटती माँग जिम्मेदार नहीं है. बल्कि उसके लिए दो अन्य चीजें भी प्रमुख रूप से जिम्मेदार हैं–(1) सीमित ऊर्जा संसाधनों के कारण बढ़ती ऊर्जा की माँग पूरी न कर पाना तथा (2) प्राकृतिक व खनिज संसाधनों की सीमितता व अत्यधिक दोहन के कारण उद्योगों के लिए आवश्यक कच्चे माल की अबाध आपूर्ति में कमी. इस समस्या से वन बेल्ट-वन रोड योजना से काफी हद तक निजात मिल सकती है, क्योंकि इससे चीन को न सिर्फ पश्चिम एशिया, मध्य एशिया एवं अफ्रीकी देशों से भारी मात्रा में पेट्रोलियम उत्पाद एवं प्राकृतिक गैस उपलब्ध हो सकती है, बल्कि इन्हीं देशों से औद्योगिक उत्पादन के लिए भारी मात्रा में कच्चा माल भी मिल सकता है, साथ ही इन देशों में अपनी औद्योगिक इकाइयों की संख्या बढ़ाने का भी अवसर मिल सकता है. जाहिर है इससे चीन का औद्योगिक ढाँचा और मजबूत होगा तथा उसका विकास व विस्तार अन्य देशों में भी पहले की अपेक्षा और अधिक हो जायेगा और इन देशों के साथ द्विपक्षीय कारोबार भी बढ़ जाएगा, यानि चीन के पास आज विशाल पूँजी भण्डार है जिसका बड़ा हिस्सा विभिन्न परियोजनाओं पर खर्च करके चीन किसी भी हालत में दीर्घकालिक रूप से लम्बे समय तक अपनी उच्च आर्थिक विकास दर को बनाए रखना चाहता है, चीन के इतिहास में पिछले 25 सालों में पहला ऐसा मौका आया है जब उसकी विकास दर 6·5 फीसदी या उससे भी कम रहने के कयास लगाए जा रहे हैं और यह बात खुद चीन भी स्वीकार कर चुका है, अब चीन इस विकास दर को किसी भी प्रकार से फिर उच्च स्तर पर पहुँचाना चाहता है ताकि अमरीका को पछाड़कर आर्थिक महाशक्ति का ताज पहन सके.

इस परियोजना का अन्य बड़ा लाभ चीन को पर्यावरण के क्षेत्र में होगा, अब चीन को अन्य देशों से भी कच्चा माल कम लागत में जल्दी उपलब्ध हो जाएगा और वह अपनी औद्योगिक इकाइयों का विस्तार अपने देश के बाहर इस योजना में शामिल देशों में भी करेगा, नतीजन खनिज व प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन से उत्पन्न गम्भीर पर्यावरणीय समस्याओं पर भी कुछ हद तक लगाम लग जाएगी, यानि इस योजना से चीन का औद्योगिक विकास भी नहीं रुकेगा और पर्यावरणीय चिंताएं भी कम हो जाएंगी.

भारत की चिंताएं

इस परियोजना पर भारत की सबसे बड़ी चिंता इस बात को लेकर है कि यह पाक अधिकृत कश्मीर (POK) से गुजरेगा, जिसे भारत अभी भी वैधानिक रूप से अपना ही भू-भाग मानता है, दरअसल गिलगिट व बाल्टिस्तान में 'चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा' (CPEC) के अन्तर्गत चीन द्वारा वर्ष 2015 से ही व्यापक स्तर पर संरचनात्मक निर्माण कार्यों को अंजाम दिया जा रहा है. दरअसल CPEC चीन की वन बेल्ट-वन रोड परियोजना का ही एक अहम् हिस्सा है, इसे 'मेरीटाइम सिल्क रोड प्रोजेक्ट' तथा 'सिल्क रोड इकोनॉमिक बेल्ट' की महत्वपूर्ण संयुक्त कड़ी के रूप में देखा जा रहा है, चीन द्वारा गलियारों पर 35 बिलियन डॉलर से अधिक खर्च किए जाने का अनुमान है. इसके निर्माण कार्य में न सिर्फ बड़ी संख्या में चीन व पाकिस्तान की श्रम शक्ति काम कर रही है, बल्कि यहाँ चीन तथा पाकिस्तानी सेना की बड़ी संख्या में संयुक्त उपस्थिति के प्रमाण भी मिले हैं.

गौरतलब है कि पाकिस्तान द्वारा वर्ष 1963 में पहले ही 7200 वर्ग किमी का 'काराकोरम क्षेत्र' चीन को दे दिया गया है और अब गिलगिट-बाल्टिस्तान में चीन की आर्थिक सामरिक उपस्थिति भारत के लिए नई चिंताओं की सबब बन गई है. हालांकि मौजूदा समय में चीन द्वारा इस प्रकार के निर्माण कार्यों को सिर्फ आर्थिक गतिविधियों के केन्द्र बिन्दु के रूप में प्रचारित किया जा रहा है, मगर इस बात की कोई गारंटी नहीं कि टकराव या युद्ध जैसी स्थितियों में चीन प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से पीओके (POK) का सामरिक या कूटनीतिक उपयोग न करे. भारत को यह बात भी नागवार गुजरी है कि ऐसी भूमि पर बिना उसकी अनुमति के निर्माण कार्य किए जा रहे हैं जिसे वह जम्मू-कश्मीर के तत्कालीन राजा हरीसिंह के विलय-पत्र के अनुसार आज भी वैध रूप से अपनी धरती मानता है.

चीन की इस योजना से भारत को आर्थिक रूप से भी भारी नुकसान उठाना पड़ेगा, क्योंकि अभी तक दक्षिण एशिया, अफ्रीका, यूरोप तथा पश्चिमी एशियाई देशों का चीन के साथ अधिकांश द्विपक्षीय व्यापार हिन्द महासागर के रास्ते ही होता था, जिसका आर्थिक लाभ भारत को भी होता था (मसलन भारतीय बंदरगाह इन देशों के मालवाहक जहाजों के लिए मुख्य पड़ाव के रूप में काम करते रहे हैं और भारतीय जल सीमा में आवागमन के लिए भी इन देशों को आवश्यक शुल्क देना पड़ता है) मगर भविष्य में वन रोड परियोजना के द्वारा चीन उक्त देशों के साथ सबसे छोटे मार्ग से जुड़ जाएगा और यह मार्ग ही व्यापारिक आवागमन एवं व्यापारिक गतिविधियों का केन्द्र-बिन्दु बन जाएगा, लिहाजा व्यापारिक रूप से भारतीय बंदरगाहों एवं जल क्षेत्र की महत्ता कम हो जाएगी.

भारत की एक बड़ी चिंता बांग्लादेश, म्यांमार, श्रीलंका, नेपाल तथा मालदीव जैसे पड़ोसी देशों में चीन की बढ़ती विभिन्न प्रकार की गतिविधियों से भी है ये देश चीन की वन रोड (OBOR) परियोजना के हिस्से तो हैं ही, साथ ही चीन द्वारा यहाँ लीज पर जमीन लेकर नौसेनिक अड्डे एवं बंदरगाह तक बनाए जा रहे हैं, भारत इसे चीन द्वारा उसको राजनीतिक, आर्थिक एवं सामरिक रूप से घेरने के नजरिए से देखता है. चीन का अब तक का जो इतिहास रहा है और जिस प्रकार से म्यांमार के 'कोको' द्वीप और बांग्लादेश के चटगाँव बंदरगाह से लेकर श्रीलंका के 'हबनटोटा' और पाकिस्तान के 'ग्वादर' में चीन रणनीतिक गतिविधियाँ चला रहा है उससे भारत का आशंकित होना गलत भी नहीं है.

वन रोड (OBOR) योजना में 50 देशों के शामिल होने की सहमति ने भी भारत की चिंता बढ़ा दी है, चूँकि इन देशों में से

अधिकांश देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय आर्थिक व कूटनीतिक सम्बन्ध अच्छे रहे हैं और भारत इस परियोजना (OBOR) का हिस्सा नहीं है अतः चीन यह कहकर कि भारत व्यापक व बहुद्देश्यीय विकासात्मक कार्यों का विरोधी है. भारत के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् के स्थायी सदस्यता के दावे पर प्रश्नचिह्न लगा सकता है और अपनी इस मुहिम में योजना से जुड़े देशों को भी शामिल कर सकता है, यानि समय आने पर चीन इस योजना की आड़ में वैश्विक मंचों पर भारत की बढ़ती साख को कम करने का प्रयास भी कर सकता है.

वन रोड (OBOR) योजना का असर भारत के बिम्सटेक (BIMSTEC) को लेकर किए जाने वाले कूटनीतिक प्रयासों पर भी पड़ा है, 7 सदस्यीय (भारत, श्रीलंका, थाईलैण्ड, म्यांमार, नेपाल, भूटान तथा बांग्लादेश) इस संगठन का मुख्य उद्देश्य हिन्द महासागरीय देशों में आपसी सहयोग के लिए व्यापार, निवेश, उद्योग, परिवहन, आधारभूत संरचना, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, मानव संसाधन विकास, ऊर्जा, मत्स्यकी, कृषि, प्राकृतिक संसाधन तथा पर्यटन को बढ़ावा देना है, 'बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी सेक्टोरल टेक्नीकल एण्ड इकोनॉमिक कॉरपोरेशन' (BIMSTEC) के अन्तर्गत एशियन ट्राइलेटरल हाइवे जैसी क्षेत्रीय सहयोग की महत्वाकांक्षी परियोजनाएं चल रही थीं, मगर वन रोड (OBOR) सहित इन देशों में चीन द्वारा संचालित विभिन्न संचरनात्मक योजनाओं के कारण इन योजनाओं की रफ्तार धीमी पड़ गयी है और कुछ निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित योजनाओं का भविष्य अधर में लटक गया है, दूसरी तरफ सार्क को निष्प्रभावी बनाने में भी चीन कूटनीतिक रूप से लगातार सक्रिय है.

भारत को क्या रुख अपनाना चाहिए ?

सबसे पहला सवाल यही है कि भारत को वन बेल्ट वन रोड (OBOR) का हिस्सा बनना चाहिए अथवा नहीं, जबकि चीन द्वारा उसे भी इसमें शामिल होने का न्यौता मिला है तो इसका जवाब यही होगा कि अगर चीन सीमा विवाद से लेकर तमाम द्विपक्षीय सामरिक-आर्थिक व राजनीतिक विवादों को सुलझाने में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाता है तो फिर भारत इसमें शामिल होने की सोच सकता है.

अगर शामिल न होने की स्थिति में चीन भारत को अलग-थलग करने की कोशिश करता है तो भारत को फिर भी क्षेत्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर अपना दृढ़ व स्पष्ट दृष्टिकोण बनाए रखना है, क्योंकि मौजूदा दौर में भारत दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है अतः कोई भी देश अपने आर्थिक कूटनीतिक हितों को ताक पर रखकर उसे नजरअंदाज नहीं कर सकता.

भारत को इस मुद्दे पर उलझने के बजाय OBOR में शामिल देशों के साथ द्विपक्षीय सम्बन्ध बेहिचक आगे बढ़ाने चाहिए. जिस प्रकार चीन की रणनीति में आर्थिक हित सर्वोपरि होते हैं उसी प्रकार भारत को भी अपने आर्थिक हित सर्वोपरि रखते हुए दुनिया के किसी भी देश के साथ द्विपक्षीय आर्थिक सम्बन्धों को मजबूत बनाने की दिशा में रचनात्मक पहल करनी चाहिए, चाहे वह देश चीन की किसी आर्थिक परियोजना या अभियान का भागीदार ही क्यों न हो.

चीन की तुलना में आज भारत प्राकृतिक व खनिज संसाधनों तथा जनसांख्यिकीय लाभांश की दृष्टि से बेहतर स्थिति में है अतः उसे तीन चीजों पर विशेष ध्यान देना चाहिए—(1) वैश्वीकरण की जरूरतों एवं मानदण्डों के अनुसार व्यापक स्तर पर कौशल विकास नीति को प्रभावी ढंग से अमल में लाना (2) प्राकृतिक व खनिज संसाधनों का उचित दोहन व प्रबंधन तथा (3) अर्थव्यवस्था के सभी समग्र क्षेत्रों के समुचित विकास के लिए बेहतर कार्ययोजना शुरू करना. चीन की तुलना में भारत के घरेलू उपभोक्ता बाजार का आकार व ढाचा अधिक मजबूत व विस्तृत है, इसलिए भारत को ऐसे आर्थिक व औद्योगिक ढाँचे का विकास करना चाहिए जो उसकी घरेलू बाजार तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर की जरूरतों को प्रभावी ढंग से पूरा करे, बाह्य तथा आंतरिक आर्थिक मोर्चे पर भारत की सुदृढ़ता एवं स्पष्ट दृष्टिकोण विश्व मंचों पर उसकी साख बढ़ायेगा और आने वाले निकट भविष्य में भारत अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर वह हैसियत पा सकता है. जब चीन तो क्या कोई भी देश उसको नजरअंदाज करने का जोखिम न उठा सके.

भारत को सार्क, बिम्सटेक, आसियान, एपेक तथा जी-20 जैसे मंचों पर विभिन्न देशों के साथ बिना किसी पूर्वाग्रह के अपने द्विपक्षीय आर्थिक सम्बन्धों को मजबूत करने की दिशा में पूरी दृढ़ता के साथ कदम बढ़ाने चाहिए और ऐसी कोई संधि या भागीदारी, जिसके द्वारा द्विपक्षीय अथवा बहुपक्षीय स्तर पर आपसी समन्वय, सहयोग या सहभागिता बढ़ती है को अवश्य अमल में लाने के प्रयास करने चाहिए, आने वाले दो-तीन दशक भारत के लिए बेहद निर्णायक होंगे क्योंकि इस दौरान उसके पास शक्ति, संसाधन, विशाल युवा आबादी सहित तरक्की की सर्वाधिक बेहतरीन सम्भावनाएं होंगी और इसके लिए जरूरी है कि भारत विवाद अथवा युद्ध जैसी स्थितियों में फँसने के बजाय अपने समग्र सामाजिक-आर्थिक वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय विकास पर सर्वाधिक ध्यान दे.





(कृषि-तकनीकी लेख)

किसानों को सशक्त बनाने हेतु सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका

✍ डॉ. अर्पिता शर्मा

भारत की आबादी 1·27 अरब को पार कर गई है. रोजगार के साधन, जहाँ भारत में सीमित हैं वहीं दूसरी ओर किसानों के पास घटती कृषि योग्य-भूमि तथा कृषि की नवीनतम उपकरणों की जानकारी न होने के कारण किसानों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (ICAR) एवं कृषि विश्वविद्यालयों के द्वारा वैज्ञानिक ढंग से खेती करने एवं सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के गुण बताए जाते हैं, जिसका प्रमुख उद्देश्य सूचना एवं प्रौद्योगिकी का उपयोग करके किसानों को आत्मनिर्भर बनाना है. सूचना एवं प्रौद्योगिकी का उद्देश्य किसानों को समय पर खेती से सम्बन्धित सूचनाएं उपलब्ध कराना है. सूचना एवं प्रौद्योगिकी की बढ़ती महत्ता को देखते हुए कुछ महत्वपूर्ण कृषि इकाइयों के द्वारा कृषि सेवा उपलब्ध कराई जा रही है.

कृषि विज्ञान केन्द्र

देश में कृषि विज्ञान केन्द्र (KVK) 1974 में आरम्भ किए गए. **प्रथम**–केन्द्र पुदुचेरी (UT) में स्थापित किया गया. सूचना को प्रचारित एवं प्रसारित करने में कृषि विज्ञान केन्द्रों का प्रमुख योगदान है. इस समय हमारे देश में 676 जिलों में 645 कृषि विज्ञान केन्द्र हैं. इस समय प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी के आदेशानुसार सूचना एवं संचार के अनेक साधनों का इस्तेमाल किया जा रहा है. सूचना एवं संचार के साधन जैसे इंटरनेट का प्रयोग करके किसानों की अनेक समस्याओं का समाधान किया जा रहा है.

मेरा गाँव-मेरा गौरव

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के द्वारा शुरू किया गया यह एक नया कार्यक्रम है, जिसमें किसानों को लैब या विश्वविद्यालय में हो रहे नए शोध कार्य, कार्यक्रम एवं प्रयोगों को कृषि समुदाय के हित हेतु गाँव तक पहुँचाया जाता है. इस कार्यक्रम में किसानों को वॉटसऐप ग्रुप बनाकर समय पर सूचनाएं पहुँचाई जाती हैं. इस समूह में किसानों की समस्याओं के समाधान हेतु वैज्ञानिकों को भी जोड़ा गया है, ताकि किसान अपनी समस्या संदेश के माध्यम से वैज्ञानिकों तक पहुँचाए एवं वैज्ञानिक इसे अपने ज्ञान के आधार पर समायोजित करके समस्या का समाधान करें.

एम-कृषि

यह एक ऐसा प्लेटफार्म है जहाँ किसानों को मोबाइल द्वारा सूचना प्रदान की जाती है. इसके माध्यम से किसानों को उनकी ही भाषा में संदेश पहुँचाए जाते हैं. सभी शिक्षित एवं अशिक्षित कृषक समुदाय को लाभ मिल सके, इसके लिए आवाज में भी संदेश भेजे जाते हैं. इस प्रकार के संदेशों का मुख्य उद्देश्य किसानों को मौसम की जानकारी देना, खेती में उर्वरकों का प्रयोग, नई प्रजातियों की जानकारी इत्यादि शामिल हैं.

किसान सुविधा

किसान सुविधा एक प्रकार का मोबाइल ऐप है जिसमें किसानों को मौसम की जानकारी, बाजार-भाव, विपणन, कृषि-सलाह, पौध-संरक्षण, एकीकृत कृषि-प्रबंधन इत्यादि जानकारी समय पर प्रदान की जाती हैं.

किसान कॉल सेंटर

किसान कॉल सेंटर की स्थापना का मुख्य लक्ष्य है कि जो किसान दूर रहते हैं और समय पर सूचना के लिए विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्र तक नहीं पहुँच पाते हैं. उनको सूचना के माध्यम से सशक्त करना. भारत सरकार द्वारा किसान कॉल सेंटर (KCC) के माध्यम से निःशुल्क सेवा (1800–180–1551) द्वारा किसानों में मुफ्त में जानकारी प्रदान की जाती है. इसके माध्यम से किसानों को मौसम की जानकारी तथा फसल से सम्बन्धित जानकारी प्रदान की जाती है. इन सूचनाओं का समय पर उपयोग करके किसान न सिर्फ फसल की उत्पादकता को बढ़ा सकते हैं वरन् अत्याधिक मुनाफा भी कमा सकते हैं.

ई–चौपाल

यह इण्डियन टोबोको कम्पनी द्वारा संचालित एक नवीनतम नवोन्मेषण है. इस नवोन्मेषण में किसानों को कृषि संयंत्र, मौसम, कृषि उपज जैसे–सोयाबीन, गेहूँ, धान, मक्का, दलहनी फसल जैसे कृषि उत्पादों की खरीद एवं बिक्री सम्बन्धी सूचनाएं कृषकों तक समय पर पहुँचाई जाती हैं. ई–चौपाल के द्वारा कृषि से सम्बन्धित चुनौतियों, कमजोर बुनियादी ढाँचे को दूर किया जा सकता है.

किसान चौपाल

यह कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा संचालित एक सफल मॉडल है. इस मॉडल द्वारा कृषि की जरूरतों को ध्यान में रखकर गाँव में चौपाल आयोजित की जाती है. किसान चौपाल में खेती, फसल उत्पादन, पशुपालन एवं इससे सम्बन्धित सूचनाओं को किसानों तक पहुँचाया जाता है, इसमें कई सूचना एवं प्रौद्योगिकी के माध्यमों को प्रयोग किया जाता है.

1. वीडियो तकनीकों का प्रयोग
2. पॉवर पॉइंट का प्रयोग
3. संवाद तकनीक का प्रयोग

संदेश पाठक आवेदन

संदेश पाठक आवेदन एक पोर्टल है जिसका प्रमुख उद्देश्य किसानों को उचित समय पर सूचनाएं उपलब्ध कराना है. यह पोर्टल सीडीएए एवं आईआईटी (IIT) चेन्नई द्वारा विकसित की गई है. इसके माध्यम से लोगों को संदेश भी भेजे जाते हैं, जो किसान अशिक्षित हैं उनको आवाज द्वारा संदेश भेजे जाते हैं. किसानों को नवीनतम सूचनाएं जैसे कीट रोग, उर्वरक, खरपतवार प्रबंधन एवं मौसम सम्बन्धी जानकारी उपलब्ध कराई जाती है.

ई–कृषि

यह सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक नवीनतम तकनीक है. इसके माध्यम से किसानों की सूची बनाई जाती है, जिसमें किसानों के मोबाइल नम्बर इत्यादि लिए जाते हैं; जिसमें किसानों को फेसबुक, व्हाट्स ऐप के जरिए किसान समूह से जोड़ा जाता है, इस समूह में सलाहकार इत्यादि को भी जोड़ा जाता है. इसका मुख्य उद्देश्य कृषकों को सही समय पर सूचनाएं उपलब्ध कराना है. भारत सरकार ने अनेक कृषि पोर्टलों का समावेश किया है इन पोर्टलों के माध्यम से कृषि में अधिक उत्पादकता, उच्च उपज के लिए बीज का चयन एवं उच्च उपज देने वाले बीज, मौसम के प्रतिकूल प्रभाव से बचाव की जानकारी कृषकों को दी जाती है.

किसान क्रेडिट कार्ड

यह योजना **रिज़र्व बैंक ऑफ इण्डिया (RBI)** एवं ग्रामीण विकास बैंक द्वारा शुरू की गई थी. इस योजना का प्रमुख उद्देश्य किसानों को समय पर ऋण उपलब्ध कराना है. किसानों को बार-बार बैंकों के पास जाना पड़ता है जिससे उन्हें समय पर ऋण उपलब्ध नहीं हो पाता है. किसान क्रेडिट कार्ड द्वारा ऐसी समस्याओं से निजात मिल जाती है. यदि खेती में नुकसान होता है, तो उसकी भरपाई के लिए ऋण किसानों को समय पर मिल जाता है. अतः, आपदा के समय में किसान अपनी कृषि एवं उससे

सम्बन्धित जानकारी सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से प्राप्त करके लाभ उठा सकता है.

पशु कृषि

इस ऐप में किसानों के खेत में यदि ओलों के कारण नुकसान हुआ है, तो इस ऐप के द्वारा उनके खेत की फोटो एवं उनकी जानकारी भुवन पोर्टल पर डाली जाती है और किसानों की उनके खेत में हुई हानि की भरपाई का मुआवजा भी दिया जाता है.

क्रॉप इंश्योरेंश ऐप

इस **'ऐप'** में किसानों की फसलों के इंश्योरेंश के बारे में जानकारी दी जाती है, लोन इत्यादि लेन-देन की जानकारी भी कृषक समुदाय को दी जाती है.

एग्रीमार्केट ऐप

इस मोबाइल **'ऐप'** के द्वारा कृषि विपणन सम्बन्धी जानकारी कृषकों को दी जाती है. किसी भी फसल के विपणन सम्बन्धी जानकारी कृषकों को दी जाती है.

पशु-पोषण

इस **'ऐप'** के माध्यम से पशु पालकों को पशु के रख-रखाव, दुग्ध उत्पादन, रोग निदान इत्यादि की जानकारी प्रदान की जाती है.

डेयरी में सूचना एवं प्रौद्योगिकी का उपयोग

सरकार ने पशु पालकों की समस्याओं का समाधान करने के लिए पशुधन संजीवनी, गौकुल स्वास्थ्य-पत्र, ई–पशुधन हॉट इत्यादि सेन्टर स्थापित किए हैं. गौकुल स्वास्थ्य-पत्र एक हैल्थ कार्ड है, जिसमें किसान अपने पशुओं का रिकॉर्ड रख सकते हैं. पशु-पालकों द्वारा पशुओं को कब टीका लगवाना है, क्या खिलाना है इत्यादि तथ्यों का लेखा-जोखा इस कॉर्ड में रखा जाता है.

ई–पशुधन हॉट

यह एक ऑनलाइन प्लेटफार्म है, जहाँ पशुपालक अपने जानवरों को खरीद एवं बेच सकते हैं. अतः एक वर्चुअल मार्केट है, इस **ऐप** के माध्यम से किसानों को पशु के स्वास्थ्य, पोषण की जानकारी भी दी जाती है.

प्रधानमंत्री फसल-बीमा योजना

इस योजना (शुरूआत जुलाई 2016 से) में सूचना एवं संचार के साधनों का सर्वाधिक उपयोग किया जाता है. किसान अपनी फसल का फोटोग्राफ भेजते हैं जिसमें वैज्ञानिक द्वारा सैटेलाइट के माध्यम से सम्पूर्ण जानकारी लेकर किसानों को मुआवजा प्रदान किया जाता है. इस परियोजना के द्वारा किसानों को सही समय पर मुआवजा प्रदान करने की कोशिश की जाती है. यह सरकार के द्वारा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का एक नया इनोवेशन है.

स्काईमेट

स्काईमेट मौसम विभाग के द्वारा शुरू किया गया एक **'ऐप'** है, जिसमें किसानों को मौसम से सम्बन्धित सभी जानकारियाँ प्रदान की जाती हैं. यहाँ पर सर्वप्रथम मौसम को देखकर उससे सम्बन्धित रिस्क एवं किस प्रकार मौसम के दुष्प्रभावों से बचा जा सकता है, यह जानकारी प्रदान की जाती है.

डिजिटल ग्रीन

डिजिटल ग्रीन-एक नॉनप्रॉफिट इंटर-नेशनल ऑर्गेनाइजेशन है, यह ऑर्गेनाइजेशन वीडियो में ग्रामीण परिदृश्य की परेशानियों को बताती है. इस ऑर्गेनाइजेशन ने ऐसी अनेक वीडियो बनाई हैं जिसमें ग्रामीणों की समस्याओं को समझना एवं उसके निवा-राणार्थ कुछ कार्य एवं समाधानों की भी चर्चा सम्मिलित हैं.

एग्रोस्टार

यह पुणे (महाराष्ट्र) में स्थित एक ऐसा प्लेटफार्म है जिसका सीधा सम्बन्ध किसानों से होता है. किसान टॉल-फ्री नम्बर पर बात करके अपनी समस्या बताते हैं, जिनका वैज्ञानिकों के द्वारा समाधान किया जाता है.

एकगाँव

यह **'आईटी'** पर आधारित एक नेटवर्क है, जिसका प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं की समस्याओं का निदान करना है. यह मोबाइल बैंकिंग का एक प्लेटफार्म प्रदान करता है, जिसके माध्यम से किसानों को क्रेडिट, बीमा, निवेश, बंधक इत्यादि की जानकारी प्रदान की जाती है.

मित्रा

मित्रा अर्थात् **'एमआईटीआरए'** (MITRA) जिसमें **एम–**मशीन, **आई–**सूचना, **टी–**प्रौद्योगिकी एवं **आर** अर्थात् संसाधन. इसका मुख्य उद्देश्य कृषि के नवीनतम उपकरणों के द्वारा बागवानी को आगे बढ़ाना है. यह सब शोध के द्वारा किया जाता है. इसके द्वारा वायु विस्फोट स्प्रेयर्स विकसित किए गए हैं, जो सब्जी एवं फलों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं. स्पेयर्स के माध्यम से क्रॉप का हॉर्मोन बदला जाता है जिससे पैदावार ज्यादा हो सके. क्रॉप–इस प्रौद्योगिकी में क्लाउड आधारित प्लेटफॉर्म विकसित किया है इसे स्मार्ट फार्म के नाम से भी जाना जाता है. यह किसानों की मदद करती है, ताकि किसान नवीनतम उपकरणों की जानकारी हासिल करें एवं ज्यादा-से-ज्यादा पैदावार बढ़ा सकें.

डीडी किसान चैनल

टॉल फ्री नम्बर–1800–113060, दिल्ली शुरूआत–वर्ष 2015 से, कृषक, अपने घर बैठे सीधी अपनी कृषि सम्बन्धी समस्या के समाधान हेतु कृषि वैज्ञानिक से वार्ता कर सकते हैं. यह **डीडी** किसान चैनल (दिल्ली दूरदर्शन) के इस नम्बर से पूरे देश के कृषक अपनी सीधी वार्ता कर सकते हैं. इस **डीडी किसान** चैनल से अब कृषक जुड़ गए हैं, जिससे कृषि क्षेत्र में उन्नति होगी.

यूरेका प्रौद्योगिकी

यह प्रौद्योगिकी किसानों को पानी के संरक्षण एवं पानी के उपयोग के बारे में बताती है, यह किसानों को एक बड़े रिस्क से बचाती है. इस प्रौद्योगिकी में सोलर द्वारा संचालित पम्पों का इस्तेमाल किया जाता है. मछली के जीवित रहने के लिए पानी में कितनी मात्रा में **'पीएच'** (pH) होनी चाहिए ? यह सारी जानकारियाँ भी प्रदान की जाती हैं. इस प्रौद्योगिकी में किसानों को संदेश भेजे जाते हैं एवं **'ऐप'** भी विकसित किया गया है, जो जल संरक्षण एवं उपयोग की जानकारी प्रदान करता है.

अतः सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से किसानों को समय पर सूचनाएं देकर, उन्हें सशक्त बनाया जा सकता है.

सारांश

उपर्युक्त विवरण से स्पष्ट है कि **''किसान की सेवा, ईश्वर की सेवा है'** अर्थात् **'To serve the farmer, is to serve the God'**, कहने का तात्पर्य है कि **'किसान अन्नदाता** है, अतः, कृषि क्षेत्र की नई सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से किसानों की कृषि-फसल, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य-पालन, औषधीय फसलों आदि की नई विकसित तकनीकों की जानकारी प्राप्त कर कृषि उत्पादन एवं व्यवसायीकरण में उन्नति दर्शाएंगे जैसे–कृषि अनुसंधान संस्थान, कृषि विज्ञान केन्द्र (KVK), किसान कॉल सेन्टर–1800–180–1551, डीडी किसान चैनल दिल्ली 1800–113060 मोबाइल **'ऐप'**; मित्रा (MITRA), यूरेका प्रौद्योगिकी आदि से.

उल्लेखनीय है कि इन नई तकनीकों से देश में वर्ष 2016-17 में (**तीसरे** अग्रिम अनुमान के अनुसार) कुल खाद्यान्न उत्पादन 273·3 मिलि. टन का है, जो वर्ष 2013-14 में 265 मिलि. टन. अब तक का रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन का था, वह फसल वर्ष 2016-17 में सर्वोच्च स्थान पर गया है, जो कभी वर्ष 1950 में मात्र 50 मिलि. टन से कम था, जिसकी **21**वीं सदी में बढ़ाने की और जरूरत है, तभी देश की निरन्तर तेज गति से बढ़ती @ 1·78% वार्षिक जनता वृद्धि की सामाजिक व आर्थिक दशा मजबूत होगी.



विधि लेख

समान नागरिक संहिता की प्रासंगिकता

✍ प्रमोद भार्गव

भारत में अनेक धर्मों एवं सम्प्रदायों के लोग निवास करते हैं. रीति-रिवाजों, सामाजिक संस्थाओं, कर्म-काण्डों, पुरुषों-महिलाओं के अधिकारों के मामलों में अलग-अलग धर्मों की अलग-अलग व्यवस्थाएं हैं. कुछ लिखित तो कुछ परम्परागत. भारतीय संविधान के मौलिक अधिकारों के अन्तर्गत अनुच्छेद-25 में धर्म के अबाध रूप से मानने, आचरण करने और प्रचार करने का अधिकार देश के प्रत्येक नागरिक को है. इस अनुच्छेद में कहा गया है.

(1) लोक व्यवस्था, सदाचार और स्वास्थ्य तथा इस भाग के अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए, सभी व्यक्तियों को अंतःकरण की स्वतंत्रता का और धर्म के अबाध रूप से मानने, आचरण करने और प्रचार करने का समान हक होगा.

(2) इस अनुच्छेद की कोई बात किसी ऐसी विद्यमान विधि के प्रवर्तन पर प्रभाव नहीं डालेगी या राज्य को कोई ऐसी विधि बनाने से निवारित नहीं करेगी जो–

(क) धार्मिक आचरण से संबद्ध किसी आर्थिक, वित्तीय, राजनैतिक या अन्य लौकिक क्रियाकलाप का विनियमन या निर्बन्धन करती है;

(ख) सामाजिक कल्याण और सुधार के लिए या सार्वजनिक प्रकार की हिन्दुओं की धार्मिक संस्थाओं को हिन्दुओं के सभी वर्गों और अनुभागों के लिए खोलने का उपबंध करती है.

प्रत्येक धर्म के अनुयायी इसी मौलिक अधिकार के तहत् अपने-अपने धार्मिक कानूनों, प्रावधानों में राज्य द्वारा किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप करने का विरोध करते हैं. दूसरी ओर राज्य के नीति निदेशक तत्वों के अन्तर्गत संविधान के अनुच्छेद-44 में कहा गया है, ''राज्य, भारत के समस्त राज्य क्षेत्र में नागरिकों के लिए समान सिविल संहिता प्राप्त कराने का प्रयास करेगा.''

भारत के अल्पसंख्यक, विशेष रूप से मुसलमान, संविधान लागू होने के बाद से ही समान नागरिक संहिता के नाम पर शरियत (इस्लामी कानूनों) में किसी भी प्रकार का विरोध अनुच्छेद-25 में प्राप्त धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का हनन मानते हैं. वोट की राजनीति के तहत भारतीय जनता पार्टी तथा शिव सेना को छोड़कर लगभग अन्य सभी राजनीतिक दल भी समान नागरिक संहिता लागू किए जाने को भारतीय जनमानस का 'हिन्दुत्वीकरण'. 'भगवाकरण' किए जाने का अरोप लगाते हुए इसका विरोध करते हैं.

देश की सर्वोच्च न्यायपालिका-उच्चतम न्यायालय देश में समान नागरिक संहिता लागू किए जाने की पक्षधर तो है, लेकिन वह यह कार्य संसद के ऊपर छोड़ देती है. मुस्लिम महिलाएं पति द्वारा तीन बार तलाक-तलाक-तलाक कहकर तलाक की वैधता को चुनौती दे रही हैं. सर्वोच्च न्यायालय ने 1995 में दिए गए निर्णय में स्पष्ट रूप से कहा था, ''जब देश के 80 प्रतिशत से अधिक नागरिक संहिताकृत वैयक्तिक कानून के अन्तर्गत आ चुके हों तो भारत के सभी नागरिकों को समान नागरिक संहिता के दायरे में लाए जाने को रोके रखा जाना न्यायोचित नहीं है.'' सर्वोच्च न्यायालय द्वारा लगभग इसी प्रकार का अभिमत शाहबानो, डेनियललतीफ, तथा जॉन वाल्लामट्टम वादों में दिया है. एडवोकेट अश्वनी उपाध्याय द्वारा समान नागरिक संहिता लागू किए जाने हेतु सर्वोच्च न्यायालय में दायर जनहित याचिका को अस्वीकार करते हुए यह विषय एक बार पुनः संसद के ऊपर छोड़ दिया है. लेकिन मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली खण्डपीठ ने मुस्लिम महिलाओं को आश्वस्त करते हुए निर्णय दिया, कि न्यायालय उनके अधिकारों की रक्षा हेतु अपने कर्तव्य से पीछे नहीं हटेगा, इसमें चाहे जितना विवाद उठे या इसकी चाहे जो कीमत चुकानी पड़े. यदि कोई मुस्लिम महिला न्यायालय की शरण में आती है और कहती है कि तीन तलाक की प्रथा बुरी है, तो न्यायालय इस प्रश्न का परीक्षण करेगा.

देश में समान नागरिक संहिता लागू करने को लेकर जनता की राय जानने के लिए विधि आयोग द्वारा 16 सवालों की प्रश्नावली जारी कि गई है. इसके जारी होते ही कुछ मुस्लिम संगठन और धर्मगुरु इस तरह विचलित हो गए कि उन्होंने सवालनामे का बहिष्कार करने का फैसला ले लिया है. दरअसल संविधान के अनुच्छेद-44 के तहत् सर्वोच्च न्यायालय चाहती है कि देश के सभी नागरिकों के लिए एकसमान कानून हो. इसी मकसद की रायशुमारी के लिए सभी धर्मों के धर्मगुरुओं, बुद्धिजीवियों और राजनीतिक दलों को प्रश्नावली देकर राय माँगी गई है कि संविधान के अनुच्छेद-44 की भावना का पालन कैसे हो ? दुर्भाग्यवश कोई सुझाव देने की बजाय इस पवित्र मंशा पर न केवल सवाल उठने शुरू हो गए, बल्कि इस बहस को साम्प्रदायिक रूप भी दिया गया. देश में धर्मनिरपेक्षता के नाम पर जो राजनीति होती है, उसे हथियार बनाकर इस अनुच्छेद की भावना का अनादर किए जाने की शुरूआत हो गई है.

सर्वोच्च न्यायालय कई बार 'समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में केन्द्र सरकार के रुख को जानने की पहल कर चुकी है. दरअसल संविधान में दर्ज नीति-निर्देशक सिद्धान्त भी यही अपेक्षा रखता है कि समान नागरिकता लागू हो. जिससे देश में रहने वाले हर व्यक्ति के लिए एक ही तरह का कानून वजूद में आ जाए, जो सभी धर्मों, सम्प्रदायों और जातियों पर लागू हो. आदिवासी और घुमंतू जातियाँ भी इसके दायरे में आएंगी. केन्द्र में सत्तारूढ़ राजग सरकार से यह उम्मीद ज्यादा इसलिए है, क्योंकि यह मुद्दा भाजपा के राम मन्दिर निर्माण और जम्मू-कश्मीर से धारा-370 हटाने के बुनियादी मुद्दों में शामिल है. इसीलिए अदालत द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर में विधि मंत्री सदानंद गौड़ा ने कहा था कि 'राष्ट्रीय एकता के लिए समान नागरिक संहिता जरूरी है', किन्तु चतुराई से अगले वाक्य में यह भी जोड़ दिया था. 'इस मसले पर सभी हितधारकों से विचार-विमर्श की जरूरत है.' दरअसल यही वह पेंच है जो असमान कानूनों को एकरूपता में ढालने में रोड़ा बनता है.

इसमें सबसे बड़ी चुनौतियाँ बहुधर्मों के व्यक्तिगत कानून और वे जातीय मान्यताएं हैं, जो विवाह, परिवार, उत्तराधिकार और गोद जैसे अधिकारों को दीर्घकाल से चली आ रही क्षेत्रीय, सांस्कृतिक और धार्मिक परम्पराओं को कानूनी स्वरूप देती हैं. इनमें सबसे ज्यादा भेदभाव महिलाओं से बरता जाता है. एक तरह से ये लोक प्रचलित मान्यताएं महिला को समान हक देने से खिलवाड़ करती हैं. लैंगिक भेद भी इनमें स्पष्ट परिलक्षित रहता है. मुस्लिमों के विवाह व तलाक कानून महिलाओं के हितों की अनदेखी करते हुए पूरी तरह पुरुषों के पक्ष में हैं. ऐसे में इन विरोधाभासी कानूनों के तहत् न्यायपालिका को सबसे ज्यादा चुनौती का सामना करना पड़ता है. अदालत में जब पारिवारिक विवाद आते हैं तो अदालत को देखना पड़ता है कि पक्षकारों का धर्म कौनसा है और फिर उनके धार्मिक कानून

के आधार पर विवाद का निराकरण करती है. इससे व्यक्ति का मानवीय पहलू तो प्रभावित होता ही है, अनुच्छेद-44 की भावना का भी अनादर होता है. दरअसल ब्रिटिश-कालीन भारत 1772 में सभी धार्मिक समुदायों के लिए विवाह, तलाक और सम्पत्ति के उत्तराधिकार से जुड़े अलग-अलग कानून बने थे, जो आजादी के बाद भी अस्तित्व में हैं.

वैसे तो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का बुनियादी मूल्य समानता है, लेकिन बहुलतावादी संस्कृति, पुरातन परम्पराएं और धर्मनिरपेक्ष राज्य अंततः कानूनी असमानता को अक्षुण्ण बनाए रखने का काम कर रहे हैं. इसलिए समाज लोकतांत्रिक प्रणाली से सरकारें तो बदल देता है, लेकिन सरकारों को समान कानूनों के निर्माण में दिक्कतें आती हैं. इस जटिलता को सत्तारूढ़ सरकारें समझती हैं. संविधान के भाग-4 में उल्लेख है कि राज्य-निर्देशक सिद्धान्तों के अन्तर्गत अनुच्छेद-44 में समान नागरिक संहिता लागू करने का लक्ष्य निर्धारित है. इसमें कहा गया है कि राज्य भारत के सम्पूर्ण क्षेत्र में नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता पर क्रियान्वयन कर सकता है, किन्तु यह प्रावधान विरोधाभासी है, क्योंकि संविधान के ही अनुच्छेद-25 में विभिन्न धर्मावलम्बियों को अपने व्यक्तिगत प्रकरणों में ऐसे मौलिक अधिकार मिले हुए हैं, जो धर्म-सम्मत कानून और लोक में प्रचलित मान्यताओं के हिसाब से मामलों के निराकरण की सुविधा धर्म संस्थाओं को देते हैं. इसलिए समान नागरिक संहिता की डगर कठिन है, क्योंकि धर्म और मान्यता विशेष कानूनों के स्वरूप में ढलते हैं तो धर्म के पीठासीन (मन्दिर, मस्जिद और चर्च के मुखिया) अपने अधिकारों को हनन के रूप में देखते हैं.

इस्लाम और ईसाइयत से जुड़े लोग इस परिप्रेक्ष्य में यह आशंका भी व्यक्त करते हैं कि यदि कानूनों में समानता आती है तो इससे बहुसंख्यकों, मसलन हिन्दुओं का दबदबा कायम हो जाएगा, जबकि यह परिस्थिति तब निर्मित हो सकती है, जब बहुसंख्यक समुदाय के कानूनों को एकपक्षीय नजरिया अपनाते हुए अल्पसंख्यकों पर थोप दिया जाए जो पंथनिरपेक्ष लोकतांत्रिक व्यवस्था में कतई सम्भव नहीं है. विभिन्न पर्सनल कानून बनाए रखने के पक्ष में यह तर्क भी दिया जाता है कि समान कानून उन्हीं समाजों में चल सकता है, जहाँ एक धर्म के लोग रहते हों. भारत जैसे बहुधर्मी देश में यह व्यवस्था इसलिए मुश्किल है, क्योंकि धर्मनिरपेक्षता के मायने हैं कि विभिन्न धर्म के अनुयायियों को उनके धर्म के अनुसार जीवन जीने की छूट हो ? इसीलिए धर्मनिरपेक्ष शासन पद्धति में बहुधार्मिकता और बहुसांस्कृतिकता को बहुलतावादी समाज के अंग माने गए हैं. इस विविधता के अनुसार समान अपराध प्रणाली तो हो सकती है, किन्तु समान नागरिक संहिता सम्भव नहीं है ? इस दृष्टि से देश में समान 'दण्ड प्रक्रिया संहिता' तो बिना किसी विवाद के आजादी के बाद से लागू है, लेकिन समान नागरिकता संहिता के प्रयास अदालत के बार-बार निर्देश के बावजूद सम्भव नहीं हुए हैं. इसके विपरीत संसद निजी कानूनों को ही मजबूती देती रही है.

इस बाबत् सबसे अहम् मुकदमा 1985 में आया–इन्दौर का 'मोहम्मद अहमद खान *बनाम* शाहबानो बेगम'. इस प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय ने अपना फैसला एक तलाकशुदा मुस्लिम महिला के पक्ष में सुनाया था. फैसले को सुनाते वक्त अदालत ने यह चिन्ता भी प्रगट की थी कि 'संविधान का अनुच्छेद-44 अभी तक लागू नहीं किया गया.' अनुच्छेद-44 को लागू करने की बात तो छोड़िए, इस फैसले पर जब मुस्लिम समाज ने नाराजगी जताई तो प्रचण्ड बहुमत से सत्तारूढ़ राजीव गांधी सरकार के हाथ-पांव फूल गए. गोया, आनन-फानन में 'मुस्लिम कट्टरपंथियों की माँग स्वीकारते हुए 'मुस्लिम महिला विधेयक–1986' संसद से पारित कर दिया गया. हालांकि अब कई सामाजिक और महिला संगठन अर्से से मुस्लिम पर्सनल लॉ पर पुनर्विचार की जरूरत जता रहे हैं. उनकी माँग है कि तीन तलाक और बहुविवाह पर रोक लगे. यह अच्छी बात है कि शीर्ष न्यायालय ने भी इस मसले पर बहस और कानून की समीक्षा की जरूरत को अहम् माना है. ऐसा इसलिए सम्भव हुआ, क्योंकि खुद मुस्लिम समाज के भीतर पर्सनल लॉ को लेकर बेचैनी बढ़ रही है.

ऐसे महिला और पुरुष बड़ी संख्या में आगे आए हैं. जो यह मानते हैं कि पर्सनल लॉ में परिवर्तन समय की जरूरत है. इस परिप्रेक्ष्य में मुस्लिम संगठनों की प्रतिनिधि संस्था ऑल इण्डिया मजलिस–ये–मुशावरत ने भी अपील की थी कि मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और उलेमा मुस्लिम पर्सनल लॉ में सुधार किए जाएं. इस्लाम के अध्येता असगर अली इंजीनियर मानते थे कि भारत में प्रचलित मुस्लिम पर्सनल लॉ दरअसल 'ऐंग्लो मोहम्मडन लॉ' है, जो फिरंगी हुकूमत के दौरान अंग्रेज जजों द्वारा दिए फैसलों पर आधारित है. लिहाजा इसे संविधान की कसौटी पर परखने की जरूरत है.

दरअसल देश में जितने भी धर्म व जाति आधारित निजी कानून हैं, उनमें से ज्यादातर महिलाओं के साथ लैंगिक भेदभाव बरतते हैं. बावजूद ये कानून विलक्षण संस्कृति और धार्मिक परम्परा के पोषक माने जाते हैं, इसलिए इन्हें वैधानिकता हासिल है. इनमें छेड़छाड़ नहीं करने का आधार संविधान का अनुच्छेद-25 बना है. इसमें सभी नागरिकों को अपने धर्म के पालन की छूट दी गई है. दरअसल संविधान निर्माताओं ने महसूस किया था कि विवाह और भरण-पोषण से जुड़े मामलों का सम्बन्ध किसी पूजा पद्धति से न होकर इंसानियत से है. लिहाजा यदि कोई निःसन्तान व्यक्ति बच्चे को गोद लेकर अपनी वंश परम्परा को आगे बढ़ाना चाहता है अथवा इससे उसे सुरक्षा बोध का अहसास होता है तो यह किसी धर्म की अवमानना कैसे हो सकती है. यदि किसी कानून से किसी महिला को सामाजिक सुरक्षा मिलती है या पति से अलग होने के बाद उसे दरबदर भटकने की बजाय गुजारे भत्ते की व्यवस्था की जाती है तो इसमें उसका धर्म आड़े कहाँ आता है ? स्त्री-पुरुष के दांपत्य सम्बन्धों में यदि समानता और स्थायित्व तय किया जाता है तो इससे किसी भी सभ्य समाज की गरिमा ही बढ़ेगी, न कि उसे लज्जित होना पड़ेगा ?

ईसाई समाज में युवक-युवती ने यदि चर्च में शादी की है, तो उनको चर्च में आपसी सहमति से सम्बन्ध-विच्छेद का अधिकार है, किन्तु ऐसी सुविधा 'हिन्दू विवाह अधिनियम' में नहीं है. यदि हिन्दू युगल मन्दिर में स्वयंवर रचाते हैं और कालान्तर में उनमें तालमेल नहीं बैठता है तो वे चर्च की तरह मन्दिर में जाकर आपसी सहमति से तलाक नहीं ले सकते ? उन्हें परिवार न्यायालय में कानूनी प्रक्रिया से गुजरने के बाद ही तलाक मिलता है. यदि हम परम्परा को कायम रखना चाहते हैं तो मन्दिरों को तलाक का अधिकार भी देना चाहिए ? हिन्दुओं में खाप पंचायतें एक गौत्र में शादी करने की प्रबल विरोधी हैं. कई जनजातियां अपनी लोक मान्यताओं के अनुसार गांव और जाति से बाहर विवाह को वर्जित मानती हैं.

हालांकि जैसे-जैसे धर्म समुदाय शिक्षित होते जा रहे हैं, वैसे-वैसे निजी कानून और मान्यताएं निष्प्रभावी होती जा रही हैं. पढ़े-लिखे मुस्लिम अब शरिया कानून के अनुसार न तो चार-चार शादियां करते हैं और न ही तीन बार तलाक बोलकर पति-पत्नी में सम्बन्ध विच्छेद हो रहे हैं. हिन्दू समाज का जो पिछड़ा तबका शिक्षित होकर मुख्यधारा में शामिल हो गया है, उसने भी लोक में व्याप्त मान्यताओं से छुटकारा पा लिया है. कुछ मामलों में उच्च और उच्चतम न्यायालयों ने भी ऐसी व्यवस्थाएं दी हैं, जिनके चलते हरेक धर्मावलम्बी के लिए व्यक्तिगत रूप से संविधान-सम्मत धर्मनिरपेक्ष

शेष पृष्ठ 107 पर

प्रतिरक्षा लेख

सामूहिक विनाशक हथियारों की प्रासंगिकता एवं भावी परिदृश्य

✍ आशीष शुक्ला (आशी)

अमरीकी वायुसेना ने 13 अप्रैल, 2017 को पूर्वी अफगानिस्तान में आतंकी संगठन आईएसआईएस के ठिकानों पर किसी भी युद्ध में प्रयोग होने वाले अब तक का सबसे बड़ा गैर परमाणु बम गिराया. जीबीयू 43–बी कोड वाले (MOB) इस बम को मदर ऑफ ऑल बम के नाम से जाना जाता है. 16 मिलियन अमरीकी डॉलर की लागत से बने इस 21000 पौंड वजन के बम को एमसी-155 विमान से गिराया गया था. इसमें 11 टन बारूद भरा हुआ था. जीबीयू–43 नाम के इस बम का पहला परीक्षण 2003 में किया गया था. 16 साल में पहली बार उसने इतने बड़े गैर-नाभिकीय बम का इस्तेमाल किया है.

मदर ऑफ आल बम (MOAB)

जीबीयू–43/बी–Massive Ordinance Air Blast—MOAB (मैसिव ऑर्डिनेंस एयर ब्लास्ट–'एमओएबी') को मदर आफ ऑल बम भी कहा जाने लगा है. इस परम्परागत बम को अल्बर्ट एल ने अमरीकी सेना के लिए विकसित किया. 2002 में डिजाइन किए गए इस बम को 2003 में मैक एलेस्टर सैन्य गोलाबारूद संयंत्र में तैयार किया गया. 11 मार्च, 2003 को फ्लोरिडा में इसका पहला परीक्षण किया गया. इसके बाद 21 नवम्बर, 2003 को इसका दोबारा परीक्षण किया गया. परीक्षण के दौरान यह सबसे शक्तिशाली परम्परागत बम सिद्ध हुआ.

मदर ऑफ आल बम अन्य पारम्परिक बमों से भिन्न होने के दो कारण हैं. प्रथम, यह परम्परागत बमों (लगभग 250 किलोग्राम वजन वाले बम) की तुलना में 8000 किलोग्राम के विस्फोटक को ले जाने में सक्षम है. द्वितीय, यह थर्मोबेरिक (Thermobaric) हथियार है, जो उच्च तापमानयुक्त विस्फोट करने के लिए अपने चारों ओर की वायु का उपयोग करता है. यह ऊर्जा की अविश्वसनीय मात्रा को एक छोटे और स्थानीय क्षेत्र में सीमित कर देता है. इसकी तुलना में अधिकतर परम्परागत बमों में ईंधन और ऑक्सीजन उत्पन्न करने वाले पदार्थ शामिल होते हैं. थर्मोबेरिक हथियारों में लगभग 100 प्रतिशत ईंधन होता है. ये वायुमंडलीय ऑक्सीजन पर निर्भर नहीं होते हैं.

मदर ऑफ आल बम में किसी इमारत अथवा सतह को भेदने के लिए निर्मित किए गए किसी भी बम के विपरीत शीर्ष के निकट फ्यूज लगा होता है. जब यह बम सतह के ऊपर एक निश्चित ऊँचाई तक पहुँचता है, तो इस फ्यूज में आग लग जाती है. यह ऊँचाई 50 फुट से 1000 फुट के बीच होनी चाहिए. जैसे ही फ्यूल जलता है. यह ईंधन को वायु में छोड़ देता है. इसके पश्चात् यह ईंधन आणविक ऑक्सीजन में बदल जाता है. तत्पश्चात् एक दूसरा विस्फोट होता है. जिससे आणविक ईंधन प्रकाशमान हो जाता है. मदर ऑफ ऑल बम के अत्यधिक वजन की वजह से इसे परम्परागत बम वर्षकों से नहीं गिराया जा सकता है. इसे एक बड़े परिवहन विमान (जैसे–अमरीका द्वारा उपयोग किया गया c-130) के माध्यम से गिराया जाता है.

मदर ऑफ आल बम केवल अमरीका के शस्त्रागार का ही दूसरा सबसे बड़ा परम्परागत बम है. मैसिव आर्डनेन्स पेनेट्रेटर अमरीका का सबसे बड़ा परम्परागत बम है. जिसमें विस्फोटकों की मात्रा मदर ऑफ आल बम उपस्थित विस्फोटकों की मात्रा की दोगुनी होती है. मदर ऑफ आल बम (जो सतह पर चोट करते ही थोड़े समय में नष्ट हो जाता है तथा यह सतह के नीचे की इमारतों अथवा नेटवर्कों को ध्वस्त कर सकता है, जैसे सुरंग और गुफाएं) के विपरीत मैसिव आर्डनेन्स पेनेट्रेटर का प्रभाव अधिक गहराई तक पड़ता है तथा यह सेना के बंकरों को भी नष्ट करने में सक्षम है, लेकिन इसके बावजूद भी मदर ऑफ आल बम जवाबी कार्यवाही हेतु उपयोग किया गया सबसे बड़ा गैर परमाणु बम है.

मदर ऑफ आल बम *बनाम* फादर ऑफ आल बम

मदर ऑफ आल बम से चार गुना ताकतवर है फादर ऑफ आल बम. मदर ऑफ आल बम अमरीका के पास है, तो फादर ऑफ आल बम रूस के पास है फादर ऑफ आल बम एक थर्मोफेब्रिक बम है जो फटने के बाद हवा में मौजूद ऑक्सीजन के साथ क्रिया करता है और अपनी ताकत को कई गुना बढ़ा लेता है जब इस बम को गिराया जाता है, तो ये हवा में ही फट जाता है और हवा और ईंधन के मिलने से इसकी प्रतिक्रिया और भी भयानक हो जाती है इस बम से इतनी ऊर्जा और ताप निकलता है कि यह अपने निशाने को भाप में बदल देता है. बम के झटके कई किलोमीटर तक महसूस किए जा सकते हैं इसकी तुलना परमाणु बम से की जाती है.

फादर ऑफ आल बम 44 टन विस्फोटक से युक्त है, जबकि मदर ऑफ आल बम 11 टन विस्फोट से युक्त है. फादर ऑफ आल बम का पहली बार परीक्षण 11 सितम्बर, 2007 में किया था, जबकि मदर ऑफ आल बम का पहली बार परीक्षण वर्ष 2003 में इराक युद्ध शुरू होने से पहले किया गया था. आकार में एफओएबी, एमओएबी से छोटा है, लेकिन विनाश करने की इसकी क्षमता एमओएबी से दोगुनी है एफओएबी को सबसे शक्तिशाली गैर-परमाणु बम माना जाता है. इससे होने वाली तबाही लगभग परमाणु बम जैसी ही होती है, लेकिन इससे रेडिएशन का खतरा नहीं होता है.

21वीं शताब्दी के विनाशक हथियारों की प्रासंगिकता

21वीं शताब्दी के सामूहिक विनाशक हथियारों के बदलाव कैसे होंगे, इसकी एक झलक मई 2014 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा जेनेवा में आयोजित चार दिवसीय कॉन्फ्रेंस में पेश की गई थी. इस बैठक में बताया गया कि जल्द ही ऐसे स्वचालित रोबोटों के जरिए युद्ध लड़े जाएंगे, जो एक बार चालू (एक्टिवेट) कर देने पर बिना किसी इंसानी दखल के अपना निशाना खुद चुन सकेंगे और उसे तबाह कर सकेंगे. बैठक में ऐसे रोबोटों के परीक्षण, विकास और निर्माण पर तुरन्त ही रोक लगाने की माँग की गई थी. इसी कॉन्फ्रेंस में कई अन्य स्वचालित युद्धों की झलक पेश की गई थी.

अमरीकी सेना के प्रिडेटर ड्रोन विमान शत्रु के ठिकानों पर बेहद खतरनाक हेलफायर मिसाइल (Hellfire Missile) दाग सकते हैं. इसमें इंसानी दखल सिर्फ इतना होगा. कि करीब आठ हजार मील दूर बैठा कन्ट्रोलर एक जॉयस्टिक की मदद से मिसाइल दागने का अंतिम फैसला लेता है. कॉन्फ्रेंस में रूस के सेन्ट्री रोबोटों के बारे में बताया गया, जो युद्धभूमि में छिपे शत्रुओं को खोजकर उन्हें नष्ट करने में सक्षम हैं. इसी तरह दक्षिण कोरिया द्वारा विकसित किए जा रहे रोबोट 'डीएमजेड' की जानकारी दी गई, जो कृत्रिम बुद्धिमता (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) की मदद से पलक झपकते ही दुश्मन को गोली मार सकता है.

सामूहिक हथियार एवं ड्रोन और सुपर सोल्जर

जुलाई 2015 में अमरीकी रक्षा विभाग आर्मी रिसर्च लैब और इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस एनालिसिस के साथ कुछ प्रबुद्ध अमरीकियों ने एक वर्कशॉप आयोजित करके यह जानने की कोशिश की कि वर्ष 2050 में दुनिया में जमीनी लड़ाई में कैसे हथियार होंगे. इस कार्यशाला का परिणाम यह था कि भविष्य की जंग या तो ड्रोन के सहारे लड़ी जाएगी या फिर सुपर सोल्जर कहे जाने वाले इंसानों के सहारे. एक ओर जहाँ आसमान में उड़ते ड्रोन (मानवरहित विमान) बेहद उन्नत कैमरों व सेंसरों से दुश्मन का पता लगाकर मिसाइलों, बमों व गोलियों से सटीक निशाना लगाकर उसे नष्ट करने की हैसियत में होंगे, वहीं जमीन पर युद्ध क्षेत्र में तैनात इंसानी सैनिक रोबोट के साथ कंधे-से-कंधा मिलाते हुए एक किस्म के सुपर सोल्जर की भूमिका में होंगे. उल्लेखनीय है कि ड्रोन को अब स्टील्थ तकनीकी से भी लैस किया जा रहा है, जिसका फायदा यह है कि ऐसे ड्रोन रडार की पकड़ में नहीं आ सकेंगे.

21वीं शताब्दी के पाँच भावी सामूहिक हथियार

1. **हाइपर स्टील्थ तकनीकी**–आज से लगभग 25 वर्ष पहले अमरीका में विमानों को रडार की पकड़ से बचाने के लिए स्टील्थ तकनीकी का विकास हुआ था. अब इस तकनीकी से बने पाँचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान जल्द ही चलन में आ सकते हैं. वैज्ञानिक इस प्रयास में है कि वे ऐसे प्राकृतिक पदार्थों की खोज कर सकें, जिनकी परत चढ़ाने पर विमान या ड्रोन प्रकाश की किरणों को भी मोड़ सकें. ऐसा होने पर विमान या ड्रोन किसी भी तरह के रडार की पकड़ में नहीं आ सकेंगे. इस हाइपर स्टील्थ तकनीकी का इस्तेमाल सिर्फ विमानों पर नहीं किया जाना है, बल्कि योजना तो यह है कि इसकी मदद से सैनिकों की ऐसी पोशाकें भी बनाई जाएं, ताकि युद्धक्षेत्र में उन्हें देखा न जा सके ये पोशाकें उन्हें तकरीबन अदृश्य सैनिक बनाने में मदद करेंगी.

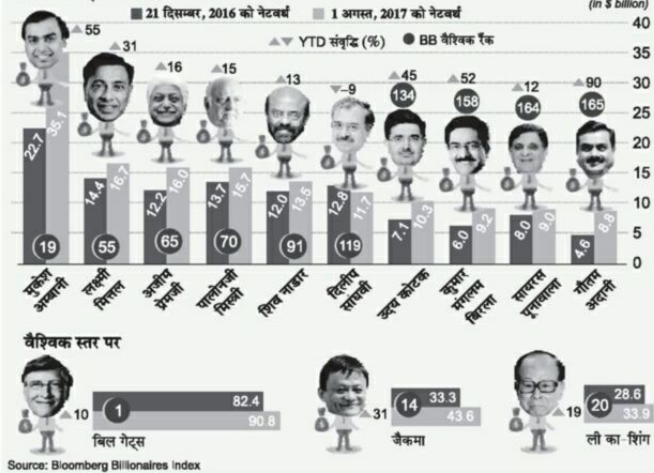
2. **इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेल गन्स**–21वीं शताब्दी के हथियारों में दूसरा हथियार इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेल गन्स हैं इसे संक्षेप में ईएम रेल गन भी कहा जाता है. माना जाता है अमरीका नेवल रिसर्च में इसके विकास का काम चल रहा है. इस तरह की बंदूकों या तोपों में गोली या गोले को 4500 से 5600 मील प्रति घंटे की रफ्तार से दागने के लिए बारूद या किसी अन्य प्रकार के ईंधन की जगह चुम्बकीय क्षेत्र (मैग्नेटिक फील्ड) का इस्तेमाल किया जाता है. इस तकनीकी से 100 नॉटिकल मील दूर स्थित लक्ष्य को भी भेदा जा सकता है. यह तकनीकी अचूक आक्रमण और बचाव दोनों में कारगर है. अमरीकी नौसेना इसकी मदद से 200 नॉटिकल मील दूर के लक्ष्य को भेदने की योजना पर काम कर रही है.

3. **अंतरिक्ष हथियार (स्पेस वेपंस)**–ऐसे हथियार जो अंतरिक्ष से वार कर सकते हैं. हालांकि ऐसे हथियारों के विकास और निर्माण को लेकर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक दबाव काम करता है, ताकि अंतरिक्ष को किसी भी जंग से मुक्त रखा जा सके. लेकिन माना जाता है कि कई विकसित देश ऐसे हथियार बना रहे हैं. ताकि भविष्य में कोई जंग अंतरिक्ष में पृथ्वी की नजदीकी कक्षाओं में न्यूक्लियर और गैर-एटमी इलेक्ट्रोमैग्नेटिक पल्स (ईएमपी) हथियार तैनात कर सकते हैं. ऐसे हथियारों से ये दुश्मन देश के उपग्रह पॉवर ग्रिड, कमांड-कंट्रोल सेंटर, संचार व कम्प्यूटर नेटवर्क और खुफिया व निगरानी के तंत्र को तबाह कर सकते हैं.

4. **लेजर युद्ध**–आने वाले समय में लेजर युद्ध हो सकता है. अमरीका का दावा है कि वह अपने लड़ाकू विमानों को वर्ष 2020 तक लेजर हथियारों से लैस कर देगा. उधर उत्तर कोरिया ने फरवरी 2016 में ऐसे टैंकरोधी लेजर गाइडेड पोर्टेबल रॉकेट का विकास कर लेने का दावा किया है, जो दुश्मन के आधुनिक और ताकतवर टैंकों को नष्ट कर सकता है. आशय यह है कि उत्तर कोरिया के लेजर हथियार के आगे कोई टैंक टिक नहीं सकता. वैसे तो लेजर हथियारों के मामले में शुरूआत अमरीका ने की थी. अमरीका ने वर्ष 2014 में ऐसे हथियार का पहला सफल परीक्षण किया गया था और दावा है कि वह इसका इस्तेमाल अपने युद्धपोत यूएस पोन्स पर कर रहा है.

5. **हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल**–आने वाले मौजूदा दौर में जब हार या जीत का फैसला चंद मिनटों में हो सकता है. यह देखकर हैरानी होती है कि दुनिया के पास जो बैलिस्टिक मिसाइलें हैं वे किसी दूरस्थ लक्ष्य को भेदने में आधा घंटे से ज्यादा समय लगा सकती हैं. ऐसी मिसाइलें ध्वनि से पाँच गुना तेज रफ्तार से उड़ेंगी और मिनटों में लक्ष्य को भेद सकेंगी. अमरीका के अलावा अन्य देश भी ऐसी मिसाइलें बना रहे हैं. जिसे देखते हुए चेतावनी दी गई कि इससे दुनिया में हथियारों की होड़ बढ़ जाएगी.





कृषि लेख

किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम

✍ धीरज पाण्डेय

सरकार किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए अनेक कदम उठा रही है. इनमें–

सॉयल हेल्थ कार्ड (SHC) योजना जिससे किसान अपनी मिट्टी में उपलब्ध बड़े और छोटे पोषक तत्वों का पता लगा सकते हैं. इससे उर्वरकों का उचित प्रयोग करने और मिट्टी की उर्वरता सुधारने में मदद मिलती है.

नीम कोटिंग वाले यूरिया को बढ़ावा दिया गया है, ताकि यूरिया के इस्तेमाल को नियंत्रित किया जा सके, फसल के लिए इसकी उपलब्धता बढ़ाई जा सके और उर्वरक की लागत कम की जा सके. घरेलू तौर पर निर्मित और आयातित यूरिया की सम्पूर्ण मात्रा अब नीम कोटिंग वाली है.

परम्परागत कृषि विकास योजना (PKVY) को लागू किया जा रहा है, ताकि देश में जैव कृषि को बढ़ावा मिल सके. इससे मिट्टी की सेहत और जैव पदार्थ तत्वों को सुधारने तथा किसानों की आमदनी बढ़ाने में मदद मिलेगी.

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई (PMKSY) योजना को लागू किया जा रहा है, ताकि सिंचाई वाले क्षेत्र को बढ़ाया जा सके, जिसमें किसी भी सूरत में सिंचाई की व्यवस्था हो, पानी की बर्बादी कम हो, पानी का बेहतर इस्तेमाल किया जा सके.

राष्ट्रीय कृषि विपणन योजना (E-NAM) की शुरूआत 14 अप्रैल, 2016 को की गई थी. इस योजना से राष्ट्रीय स्तर पर ई-विपणन मंच की शुरूआत हुई है और ऐसा बुनियादी ढाँचा तैयार हुआ है जिससे देश के 585 नियमित बाजारों में ई-विपणन की सुविधा उपलब्ध होने की प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई है. अब तक 13 राज्यों के 455 बाजारों को ई-एनएएम से जोड़ा गया है. यह नवाचार विपणन प्रक्रिया बेहतर मूल्य दिलाने, पारदर्शिता लाने और प्रतिस्पर्धा कायम करने में मदद कर रही है, जिससे किसानों को अपने उत्पादों के लिए बेहतर पारिश्रमिक मिल सकेगा और 'एक राष्ट्र एक बाजार' की दिशा में आगे बढ़ा जा सकेगा.

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) को खरीफ मौसम 2016 से लागू किया गया और यह कम प्रीमियम पर किसानों के लिए उपलब्ध है. इस योजना से कुछ मामलों में कटाई के बाद के जोखिमों सहित फसल चक्र के सभी चरणों के लिए बीमा सुरक्षा प्रदान की जा रही है.

ब्याज रियायत योजना (ISS)– सरकार ₹ 3 लाख तक के अल्प अवधि फसल ऋण पर 3 प्रतिशत दर से ब्याज रियायत प्रदान करती है. वर्तमान में किसानों को 7 प्रतिशत प्रतिवर्ष की ब्याज दर से ऋण उपलब्ध है जिसे तुरन्त भुगतान करने पर 4 प्रतिशत तक कम कर दिया जाता है. ब्याज रियायत योजना 2016-17 के अन्तर्गत, प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में किसानों को राहत प्रदान करने के लिए 2 प्रतिशत की ब्याज रियायत पहले वर्ष के लिए बैंकों में उपलब्ध रहेगी. किसानों द्वारा मजबूरी में अपने उत्पाद बेचने को हतोत्साहित करने और उन्हें अपने उत्पाद भंडार गृहों की रसीद के साथ भंडार गृहों में रखने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए ऐसे छोटे और मझौले किसानों को ब्याज रियायत का लाभ मिलेगा, जिनके पास फसल कटाई के बाद के 6 महीनों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड होंगे.

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (RKVY) को सरकार उनकी जरूरतों के मुताबिक राज्यों में लागू कर सकेगी, जिसके लिए राज्य में उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने पर विशेष ध्यान देना जरूरी है. राज्यो को उनकी जरूरतों, प्राथमिकताओं और कृषि-जलवायु जरूरतों के अनुसार योजना के अन्तर्गत परियोजनाओं/कार्यक्रमों के चयन, योजना की मंजूरी और उन्हें अमल में लाने के लिए लचीलापन और स्वायत्तता प्रदान की गई है.

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (NFSM), केन्द्र प्रायोजित योजना के अन्तर्गत 29 राज्यों के 638 जिलों में एनएफएसएम दाल, 25 राज्यों के 194 जिलों में एनएफएसएम चावल, 11 राज्यों के 126 जिलों में एनएफएसएम गेहूँ और देश के 28 राज्यों के 265 जिलों में एनएफएसएम मोटा अनाज लागू की गई है, ताकि चावल, गेहूँ, दालों, मोटे अनाजों के उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाया जा सके. एनएफएसएम के अन्तर्गत किसानों को बीजों के वितरण (एचवाईवी/हाइब्रिड), बीजों के उत्पादन (केवल दालों के), आईएनएम और आईपीएम तकनीकों, संसाधन संरक्षण प्रौद्योगिकियों/उपकरणों, प्रभावी जल प्रयोग साधन, फसल प्रणाली जो किसानों को प्रशिक्षण देने पर आधारित है, को लागू किया जा रहा है.

राष्ट्रीय तिलहन और तेल (NMOOP) मिशन कार्यक्रम 2014-15 से लागू है. इसका उद्देश्य खाद्य तेलों की घरेलू जरूरत को पूरा करने के लिए तिलहनों का उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाना है. इस मिशन के विभिन्न कार्यक्रमों को राज्य कृषि/बागवानी विभाग के जरिए लागू किया जा रहा है.

बागवानी के समन्वित विकास के लिए मिशन (MIDH), केन्द्र प्रायोजित योजना फलों, सब्जियों के जड़ और कन्द फसलों, मशरूम, मसालों, फूलों, सुगंध वाली वनस्पतियों, नारियल, काजू, कोको और बाँस सहित बागवानी क्षेत्र के समग्र विकास के लिए 2014-15 से लागू है. इस मिशन में राष्ट्रीय बागवानी मिशन, पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों के लिए बागवानी मिशन, राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड, नारियल विकास बोर्ड और बागवानी के लिए केन्द्रीय संस्थान, नगालैण्ड को शामिल कर दिया गया है.

किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए अन्य कदम इस प्रकार हैं–

- सरकार ने **कृषि उत्पाद और पशुधन विपणन (संवर्धन और सरलीकरण) अधिनियम 2017** को तैयार किया जिसे राज्यों के सम्बद्ध अधिनियमों के जरिए उनके द्वारा अपनाने के लिए 24-5-2017 को जारी कर दिया गया. यह अधिनियम निजी बाजारों, प्रत्यक्ष विपणन, किसान उपभोक्ता बाजारों, विशेष वस्तु बाजारों सहित वर्तमान एपीएमसी नियमित बाजार के अलावा वैकल्पिक बाजारों का विकल्प प्रदान करता है, ताकि उत्पादक और खरीददार के बीच बिचौलियों की संख्या कम की जा सके और उपभोक्ता के रुपए में किसान का हिस्सा बढ़ सके.
- **सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य के अन्तर्गत गेहूँ और धान की खरीद करती है.** सरकार ने राज्यों/संघशासित प्रदेशों के अनुरोध पर कृषि और बागवानी से जुड़ी उन वस्तुओं की खरीद के लिए बाजार हस्तक्षेप योजना लागू की है, जो न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के अन्तर्गत शामिल नहीं है. बाजार हस्तक्षेप योजना इन फसलों की पैदावार करने वालों को संरक्षण प्रदान करने के लिए लागू की गई है, ताकि वह अच्छी फसल होने पर मजबूरी में कम दाम पर अपनी फसलों को न बेचें.

न्यूनतम समर्थन मूल्य खरीफ और रबी दोनों तरह की फसलों के लिए अधिसूचित होता है, जो कृषि लागत एवं मूल्य आयोग की सिफारिशों पर आधारित होता है. आयोग फसलों की लागत के बारे में आँकड़े

एकत्र करके उनका विश्लेषण करता है और न्यूनतम समर्थन मूल्य की सिफारिश करता है. देश में दालों और तिलहनों की फसलों को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य के अतिरिक्त, खरीफ 2017-18 के लिए बोनस देने की भी घोषणा की है. सरकार ने पिछले वर्ष भी दालों और तिलहनों के मामले में न्यूनतम समर्थन मूल्य के अतिरिक्त बोनस देने की भी पेशकश की थी.

सरकार के नेतृत्व में बाजार सम्बन्धी अन्य हस्तक्षेप, जैसे मूल्य स्थिरीकरण कोष और भारतीय खाद्य निगम का संचालन भी किसानों की आमदनी बढ़ाने का अतिरिक्त प्रयास है.

उपर्युक्त के अलावा सरकार किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए मधुमक्खियाँ रखने जैसे क्रियाकलापों पर ध्यान दे रही है.

(1) सम्पोषणीय कृषि हेतु राष्ट्रीय मिशन (NMSA) के अन्तर्गत 1 अप्रैल, 2014 से सॉयल हेल्थ मैनेजमेन्ट (SHM) नामक एक अति महत्वाकांक्षी मिशन प्रारम्भ किया गया. इसके प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं–

- मृदा के स्वास्थ्य और उत्पादकता में सुधार लाने के लिए कार्बनिक खाद एवं जैविक उर्वरकों के साथ सूक्ष्म पोषक तत्वों और रासायनिक उर्वरकों के न्यायोचित उपयोग के द्वारा समेकित पोषक तत्व प्रबन्धन का प्रोन्नयन.
- मृदा की उर्वरता में सुधार लाने के लिए मृदा और उर्वरकों के परीक्षण के आधार पर कृषकों को रासायनिक उर्वरकों की यथोचित मात्रा का प्रयोग करने का सुझाव देना.
- उर्वरकों, बायोफर्टिलाइजर्स तथा ऑर्गेनिक फर्टिलाइजरों की गुणवत्ता, आवश्यकता तथा नियंत्रण सुनिश्चित करना जैसाकि फर्टिलाइजर कन्ट्रोल ऑर्डस 1985 में प्रावधानित है.
- मृदा परीक्षण करने वाले स्टाफ, प्रसार कर्मियों, कृषकों के ज्ञान एवं कौशल का उच्चीकरण करना.
- ऑर्गेनिक फार्मिंग को बढ़ावा देना.

(2) जब सामान्य यूरिया को मिट्टी में मिलाया जाता है, तो यह पानी के साथ मिलकर अमोनियम (NH_4^+) आयन में टूटकर ऑक्सीकरण के द्वारा नाइट्राइट (NO_2^-) और अन्ततः नाइट्रेट (NO_3^-) में बदल जाती है. नाइट्रीफिकेशन की यह प्रक्रिया ही नाइट्रोजन बनाती है. यूरिया में नाइट्रीफिकेशन बहुत तेजी से होता है. इससे लगभग दो-तिहाई नाइट्रोजन भूमि में नीचे चली जाती है (Leaching) या वातावरण में उड़ जाती है.

नीम का तेल (Volatisation) जब यूरिया के दानों पर लगा दिया जाता है, तो नाइट्रीफिकेशन इनहीबिटर के रूप में कार्य करता है. इससे यूरिया की हाइड्रोलिसिस तथा नाइट्रीफिकेशन की प्रक्रिया धीमी पड़ जाती है. इससे पौधों को नाइट्रोजन धीरे-धीरे मिलती है. अधिक पैदावार लेने के लिए कम मात्रा में ही यूरिया से काम चल जाता है जिससे लागत में बचत होती है.

जनवरी 2015 में भारत सरकार ने यूरिया उत्पादकों को 100% नीम कोटेड यूरिया उत्पादित करने की अनुमति दे दी, साथ ही–

(3) राष्ट्रीय सम्पोषणीय कृषि विकास मिशन के अन्तर्गत परम्परागत कृषि विकास योजना मुख्य रूप से प्रमाणीकृत ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा दिए जाने पर केन्द्रित है. इसके अन्तर्गत 10,000 क्लस्टरों में 2 लाख हेक्टेयर खेती योग्य भूमि को ऑर्गेनिक खेती के अन्तर्गत लाए जाने का लक्ष्य है. क्लस्टर में आच्छादित प्रत्येक कृषक को ₹ 50000 प्रति हेक्टेयर की सहायता तीन वर्षों के लिए दी जाती है. इसके अन्तर्गत प्रमाणीकरण की सहभागी गारन्टी प्रणाली को आगे बढ़ाया जा रहा है. इस योजना के प्रमुख संघटक निम्नलिखित हैं–

- कृषकों को ऑर्गेनिक खेती के लिए प्रेरित करना.
- गुणवत्ता नियंत्रण.
- **खेती की वर्तमान प्रणाली से ऑर्गेनिक खेती में परिवर्तित करना**–ऑर्गेनिक आगतों, बीजों तथा परम्परागत ऑर्गेनिक आगत उत्पादन इकाइयों को बढ़ावा.
- **समेकित खाद प्रबन्धन**–तरल जैविक खाद, जैविक कीटनाशक, नीम की खली, फॉस्फेट समृद्ध ऑर्गेनिक खाद तथा वर्मी कम्पोस्ट को बढ़ावा.

(4) प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रमुख तथ्य निम्नलिखित प्रकार हैं–

- केन्द्रीय मंत्रिमण्डल द्वारा इस योजना को 13 जनवरी, 2016 को मंजूरी प्रदान की गई.
- खरीफ की फसलों के लिए कृषकों से प्रीमियम के रूप में 2%, रबी की फसलों के लिए 1·5% तथा वाणिज्यिक और बागवानी फसलों के लिए 5% धनराशि ली जा रही है.
- सरकारी सब्सिडी की कोई ऊपरी सीमा नहीं है.
- प्रीमियम की शेष धनराशि सरकार द्वारा बीमा कम्पनियों को दी जा रही है.
- इस योजना ने राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना तथा संशोधित राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना का स्थान लिया है.
- फसल को होने वाले नुकसान की जानकारी मोबाइल के माध्यम से भी दी जा सकती है.
- आग लगने, चोरी तथा सेंध लगने जैसे कारकों के विरुद्ध बीमा नहीं किया जाता.
- यह योजना 'एक राष्ट्र एक योजना' विषय पर आधारित है.

(5) राष्ट्रीय सम्पोषणीय कृषि मिशन के अन्तर्गत प्रारम्भ की गई प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के प्रमुख तथ्य निम्नलिखित प्रकार हैं–

- यह 'हर खेत को पानी' पर लक्षित है.
- इसके अन्तर्गत सूखे के प्रभावों को कम करते हुए अधिकाधिक खेती योग्य क्षेत्र को सिंचित क्षेत्रान्तर्गत लाना है.
- यह कार्यक्रम मिशन मोड में जल संसाधन, नदी विकास तथा गंगा पुनरुद्धार मंत्रालय के नेतृत्व में भारत सरकार के दो अन्य मंत्रालयों–कृषि, सहकारिता एवं कृषक कल्याण विभाग एवं ग्रामीण विकास के सहयोग से क्रियान्वित किया जा रहा है.
- पहले से चल रहे सिंचाई कार्यक्रम– (i) संवर्द्धित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (AIBP), (ii) समेकित जल संभरण प्रबन्धन कार्यक्रम (IWMP) तथा (iii) खेतों पर जल प्रबन्धन (OFWM) कार्यक्रम को इसमें मिला दिया गया है.
- इस कार्यक्रम में 'प्रति बूँद अधिक उपज' पर विशेष बल दिया रहा है.

●●●

पर्यावरणीय लेख

समपोषित विकास एवं पर्यावरण प्रदूषण

समपोषित विकास शब्द का प्रयोग सबसे पहले 1970 में क्यूबा में हुई कोकोओ उद्घोषणा में किया गया. इसके बाद इस शब्द का प्रयोग राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विकास की समस्याओं के लिए एक औषधि के रूप में होने लगा. समपोषित विकास के सम्बन्ध में अनेक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन जैसे–UCN रिपोर्ट (1980–90) पर्यावरण एवं विकास पर एक विश्व कमीशन की रिपोर्ट (जो नॉर्वे में 1987) जिसका शीर्षक हमारा एक जैसा भविष्य (Our common Future) मुख्य थी. नॉर्वे की रिपोर्ट में औद्योगिक विकसित एवं विकासशील देशों के विकास को नियमित करने पर जोर दिया गया था.

1992 में पृथ्वी सम्मेलन जो ब्राजील के रियो डि जेनेरो में हुआ था में पर्यावरण एवं विकास सम्मेलन के लिए अनेक दस्तावेज तैयार किए गए. इसमें स्पष्ट किया कि पर्यावरण एवं विकास के बीच गहरा सम्बन्ध है. 26 अगस्त से 14 सितम्बर 2002 तक समपोषित विकास पर विश्व सम्मेलन (United Nations Conference on Sustainable Development) अन्य मुख्य सम्मेलन हैं, जो सतत् विकास से सम्बन्धित हैं.

समपोषित विकास का अर्थ एवं परिभाषा

समपोषित विकास वह विकास है, जो वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ भावी पीढ़ी की आवश्यकताओं की पूर्ति भी सुनिश्चित करे. समपोषित विकास के अन्तर्गत संसाधनों का सीमित उपयोग होता है और साथ-ही-साथ उनके संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जिससे आने वाली पीढ़ी भी लाभान्वित हो सके. इसके विकास की प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए, जिससे पर्यावरण अव्यवस्थित न हो और उसके संरक्षण को बढ़ावा मिले.

> **समपोषित विकास**
>
> *वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं की पूर्ति एवं भविष्य की पीढ़ी की आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित करके संसाधनों का सीमित उपयोग एवं उनके संरक्षण का ध्यान रखना.*

1987 में Brundtland Commission ने समपोषित विकास की परिभाषा इस प्रकार दी है–''समपोषित विकास का अर्थ है कि भविष्य में जनसंख्या की आवश्यकताओं की पूर्ति का ध्यान रखे बिना या सहयोग सोचे बिना वर्तमान जनसंख्या की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए कदम उठाना (Sustainable development meets the needs of the person without compromising the ability of future generation to meet their own needs) इसके अन्तर्गत मानव के सतत् विकास के लिए निम्न उद्देश्य होते हैं–

(1) हम सब समान हैं, हमारा भविष्य भी एकसमान है.

(2) विकास की सतत् प्रक्रिया में प्रत्येक वर्ग के लोगों का योगदान होना चाहिए.

(3) यद्यपि उन सबका उद्देश्य एक ही है, परन्तु लक्ष्य प्राप्ति के तरीके अलग-अलग हैं.

(4) विकास का प्रक्रम स्वभाव में सन्तुलित एवं संचालित होना चाहिए.

(5) विकास का प्रक्रम लगातार एवं लम्बा होना चाहिए.

(6) इसमें समान वितरण एवं सामाजिक न्याय का ध्यान रखना चाहिए.

(7) विकास का प्रक्रम संकलित (Integrated) एवं सहयोगी (Coordinated) होना चाहिए.

अतः हम कह सकते हैं कि समपोषित विकास की अवधारणा पारिस्थितिक अनुरूप, आर्थिक रूप से व्यवहार्य एवं सामाजिक रूप से स्वीकार्य होनी चाहिए.

समपोषित विकास की अवधारणा के उद्देश्य

समपोषित विकास की अवधारणा के सम्बन्ध में विभिन्न देशों, अन्तर्राष्ट्रीय समुदायों, सम्मेलनों और संस्थाओं में मतभेद हैं. इन मतभेदों के बावजूद समपोषित विकास के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं–

(i) मानव की प्राथमिक आवश्यकताएं जैसे–भोजन, मकान, वस्त्र, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि की व्यवस्था इस प्रकार करना जिससे जैवमण्डल का कम-से-कम ह्रास हो.

(ii) मानव के भविष्य के लिए पर्यावरण एवं जैव विभिन्नताओं को संरक्षित रखना.

(iii) व्यक्ति एवं देश को समपोषित विकास के लिए मिलकर कार्य करना.

> **समपोषित विकास के उद्देश्य**
>
> *1. मानव एवं जैविक पदार्थों का भविष्य सुरक्षित रहे.*
> *2. प्राथमिक आवश्यकताओं की पूर्ति हो.*
> *3. आर्थिक विकास, दक्षता एवं समृद्धता में वृद्धि हो.*
> *4. पर्यावरण एवं पारिस्थितिक तन्त्र सुरक्षित रहे.*
> *5. सामाजिक न्याय (गरीबी और असमानता दूर हो).*
> *6. आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था.*
> *7. विकासशील देशों में जनसंख्या वृद्धि दर कम.*

समपोषित विकास के उद्देश्यों को समझाते हुए UNCEP (United Nations Conference of Environment and Development) के महासचिव ने आगाह किया था. ''हम लोग शिक्षित रूप से इस पृथ्वी पर जी रहे हैं जिसका कि बड़ी गम्भीरता से ह्रास (पर्यावरणीय) हो रहा है. अब हम अधिक समय तक इस वातावरण में नहीं रह सकते और न ही लम्बे समय तक कोई व्यवसाय कर सकते हैं. यदि हम इस अस्तित्व के सहयोगी रहे तथा इसी प्रक्रम में चलते रहे तो शीघ्र ही हमारी पृथ्वी का खजाना खाली हो जाएगा.''

अनेक सम्मेलनों के आधार पर समपोषित विकास के उद्देश्य निम्नलिखित हैं–

1. ऐसी परिस्थिति उत्पन्न करना जिसमें मानव और अन्य जैविक पदार्थों का भविष्य सुरक्षित रहे.
2. ऐसा वातावरण तैयार करना जिसके अन्तर्गत कम-से-कम प्राथमिक आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके.
3. ऐसा वातावरण तैयार करना जिसके अन्तर्गत आर्थिक विकास, दक्षता और समृद्धता की वृद्धि हो सके.
4. ऐसा वातावरण तैयार करना जिसको जैविक और प्राकृतिक उत्पाद सहन कर सके.
5. ऐसा सतत् विकास करना जिसमें पर्यावरण एवं पारिस्थितिक तंत्र सुरक्षित रह सकें.
6. गरीबी और असमानता को दूर करना और सामाजिक न्याय की व्यवस्था करना.
7. आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था एवं अधिक-से-अधिक लोगों का सहयोग.
8. विकासशील देशों में जनसंख्या वृद्धि दर कम करना.

सतत् विकास एवं पर्यावरण

मानव की विकास यात्रा एवं उसका पर्यावरण के साथ-साथ चलने एवं उसके उपयोग का एक इतिहास है यह साथ होगा.

निरन्तर विकास मानव की प्रवृत्ति है. पर्यावरण विकास का स्रोत है, आज मानव विकास के जिस मुकाम पर पहुँचा है जिसका मुख्य श्रेय पर्यावरण को है. अतः विकास का पर्यावरण पर प्रभाव पड़ता है, जब तक यह प्रभाव सीमित अथवा सामान्य होता है उससे पारिस्थितिकी पर विशेष प्रभाव नहीं पड़ता है, परन्तु जब यह अधिक सघन एवं विस्तृत होने लगता है, तो पर्यावरण में विकृतियाँ उत्पन्न होने लगती हैं और उसका दुष्प्रभाव सम्पूर्ण जीव जगत् पर पड़ता है.

निरन्तर विकास मानव की प्रवृत्ति है और पर्यावरण विकास का स्रोत है.

अतः विकास पर्यावरण के कारण रोका नहीं जा सकता है. आवश्यकता इस बात की है कि विकास को सही दिशा दी जाए, उसे इस प्रकार मानव के लिए उपयोगी बनाया जाए कि उसका पर्यावरण पर कुप्रभाव न पड़े. यह कार्य सम्पूर्ण विश्व को सामूहिक रूप से करना होगा. इसमें वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, प्रशासकों एवं सामान्य जनता को मिलकर सहयोग करना होगा, यह कार्य विश्व स्तर पर करना होगा तभी विकास की सार्थकता होगी.

अधिक सघन एवं विस्तृत विकास पर्यावरण में विकृतियाँ पैदा करता है.

यद्यपि प्राकृतिक प्रक्रिया में मानवीय हस्तक्षेप काफी समय से चला आ रहा है. औद्योगीकरण के उदय और विकास ने इस हस्तक्षेप की गति और गुणवत्ता दोनों में चिन्ताजनक सीमा तक वृद्धि कर दी है. औद्योगीकरण के माध्यम से उत्पादन दिन दोगुना रात-चौगुना बढ़ा है. गरीबी, अज्ञानता, बीमारी समाप्त हुई है. समृद्धि बढ़ी है, परन्तु प्रदूषण बढ़ा है. जिससे जैविक व्यवस्था को गम्भीर हानि पहुँची है. "प्रकृति एक निश्चित नियमबद्धता से कार्य करती है. यदि उसके किसी अवयव के साथ ज्यादती या जरूरत से ज्यादा छेड़खानी की जाए, तो उसका सन्तुलन बिगड़ जाता है." लुई थॉमस ने तो पृथ्वी को एक जीवन्त सेल कहा है और उसके चारों ओर के वातावरण को उसकी रक्षा का एक परदा बताया है. यही रक्षा कवच पर्यावरण है, जिसकी हमें रक्षा करनी है."

विकास को सही दिशा दी जानी चाहिए जिससे वह मानव के लिए उपयोगी होने के साथ-साथ, उसका पर्यावरण पर कुप्रभाव नहीं पड़े. इसमें वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, प्रशासकों एवं सामान्य जनता को मिलकर सहयोग करना चाहिए.

विकासशील देशों में अत्यधिक जनसंख्या के कारण निर्धनता और अल्प-विकास पर्यावरणीय प्रदूषण की समस्या को विकट बनाते हैं, जबकि विकसित देशों की समस्या की विकरालता विकास की प्रक्रिया का ही दुष्परिणाम है. औद्योगीकरण से उत्पन्न सम्पन्नता और भौतिक सुखों की चाह ने प्राकृतिक संसाधनों पर भार बढ़ाया तथा चिकित्सा विज्ञान में उन्नति ने मृत्युदर में कमी करके जनसंख्या के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों पर पड़ने वाले भार में भी वृद्धि की.

औद्योगीकरण का प्रभाव

1. *उत्पादन में बढ़ोत्तरी हुई है.*
2. *गरीबी कम हुई है.*
3. *अज्ञानता बढ़ी है.*
4. *बीमारी समाप्त हुई है.*
5. *समृद्धि बढ़ी है.*
6. *प्रदूषण बढ़ा है.*
7. *जैविक व्यवस्था की हानि हुई है.*

पारिस्थितिकी संकट ने आज विश्व के सम्मुख यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि विकास की सही दिशा क्या होनी चाहिए. चिन्तकों और दार्शनिकों ने विकास की दिशा ढूँढ़ निकाली है. जीवन धारण करने योग्य विकास, इसी को सुस्थिर विकास, सम्पोषण विकास, अनुरक्षण विकास कहते हैं. यह पर्यावरण से जुड़ा है. विकास और पर्यावरण में सामंजस्य है. एक ऐसा विकास जिसमें मानव मात्र की आधारभूत आवश्यकताएं भोजन, वस्त्र, आवास, स्वास्थ्य एवं शिक्षा पूरी हो सके.

जलस्रोत का प्रदूषण

1. *औद्योगीकरण*
2. *आधुनिकीकरण*
3. *जनसंख्या वृद्धि*

आज विकसित देश ही पर्यावरण पर भारी दबाव डाल रहे हैं और न केवल अपने लिए, बल्कि दूसरों के लिए भी नई-नई समस्याएं खड़ी कर रहे हैं. जनसंख्या वृद्धि, औद्योगीकरण एवं आधुनिकीकरण ने जल स्रोतों को प्रदूषित किया है. महानगरों के बढ़ते हुए शोर से जनजीवन परेशान है ध्वनि प्रदूषण के कारण अवसादग्रस्तता, तनाव, रक्तचाप, हृदयाघात जैसी बीमारियाँ बढ़ रही हैं. उत्सव मेला, समारोह, लाउडस्पीकर, मोटरकार, वायुयान तथा रेलगाड़ियों से पर्यावरण में ध्वनि प्रदूषण की समस्या विकट हो गई है. यही नहीं परमाणु ऊर्जा के प्रयोग रूस की चरनोबिल, 1963 में भारत के नरोरा संयंत्र में अग्निकाण्ड, वनों के अन्धाधुन्ध दोहन से पर्यावरण प्रदूषित हुआ है. वन विनाश से हरित भूमि कम होती जा रही है, भूकटाव, अनियमित वर्षा, बाढ़ और सूखा उत्पन्न हो रहे हैं.

ध्वनि प्रदूषण के प्रभाव

1. *रक्तचाप में वृद्धि*
2. *अवसाद*
3. *तनाव*
4. *हृदयाघात*

तो कैसे हो सम्पोषित विकास के लक्ष्य की प्राप्ति

विश्व भर में विभिन्न क्षेत्रों में विकास हो रहा है. लोगों का जीवन स्तर सुधर रहा है, परन्तु विकास की इस अन्धी दौड़ के कारण पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन प्रभावित हो रहे हैं. अतः आवश्यकता ऐसे विकास की हैं, जो पर्यावरण हितैषी होने के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में मददगार साबित हो सके. अतएव सम्पोषित विकास के लक्ष्य प्राप्ति हेतु निम्नलिखित कदमों को अपनाए जाने की जरूरत है–

ध्वनि प्रदूषण के कारण

1. *उत्सव*
2. *मेला*
3. *समारोह*
4. *लाउडस्पीकर*
5. *मोटरगाड़ी*
6. *वायुयान*
7. *रेलगाड़ियाँ*

वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का उपयोग– सम्पोषित विकास की धारणा के तहत् वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, ज्वारीय ऊर्जा, भूतापीय ऊर्जा आदि के उपयोग पर जोर दिया जाना चाहिए, ताकि कोयला एवं तेल जैसे जीवाश्म ईंधनों की बचत हो सके, क्योंकि एक तो ये दोनों ईंधन सीमित मात्रा में हैं. दूसरा इनके अत्यधिक उपयोग के कारण पर्यावरण प्रदूषण का खतरा भी दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है. वैश्विक तापन एवं अम्लीय वर्षा जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग का परिणाम है. आज विश्व के अत्यधिक विकसित औद्योगिक राष्ट्र अम्ल वर्षा की चपेट में हैं.

सम्पोषित विकास के लक्ष्य की प्राप्ति

1. *वैकल्पिक ऊर्जा का प्रयोग*
2. *जल संरक्षण*
3. *जीवांश कृषि को बढ़ावा*
4. *वनसंरक्षण एवं वनारोपण*
5. *वन्य जीव संरक्षण*

जल संरक्षण

भूमिगत जल के अन्धाधुन्ध दोहन के फलस्वरूप वैश्विक स्तर पर जल की समस्या ने विकराल रूप धारण कर लिया है. यदि यही स्थिति जारी रही तो अगला विश्व युद्ध जल के लिए ही होगा. जल की बढ़ती हुई माँग से निपटने के लिए वर्षा जल संचय के साथ-साथ जल के संरक्षण तथा सीमित उपयोग पर विशेष जोर दिए जाने की

आवश्यकता है. इसके अतिरिक्त खाली भूमि को वनस्पतियों से आच्छादित करने की भी आवश्यकता है, क्योंकि वनस्पति वर्षा जल के बहाव को रोक कर भूमिगत रिसाव को बढ़ावा देती है, जिससे भूमिगत जल स्तर बना रहता है. इसके अतिरिक्त भूमिगत जल स्तर के स्थायित्व के लिए नम भूमियाँ (Wetlands) का पुनरुत्थान एवं संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है. शुष्क एवं अर्द्धशुष्क क्षेत्रों में टपक सिंचाई विधि को अपना कर जल संरक्षण किया जा सकता है.

जीवांश कृषि को बढ़ावा

रसायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों पर आधारित आधुनिक कृषि प्रणाली ने मृदा जैसे प्राकृतिक संसाधन को सबसे अधिक प्रभावित किया है. रसायनिक उर्वरकों के अधिक प्रयोग से एक ओर मृदा संरचना नष्ट हो रही है, जो कीटनाशक दवाओं का उपयोग मृदा की उर्वराशक्ति बढ़ाने वाले सूक्ष्म जीवों की गतिविधियों को प्रभावित करते हैं, जिससे मृदा की उपजाऊ क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ता है. सम्पोषित विकास के अन्तर्गत मृदा संरक्षण के लिए आज जीवाश्म कृषि पर विशेष जोर दिया जाना चाहिए, जिससे रसायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का प्रयोग पूर्णतः वर्जित हो और कृषि से मृदा संरक्षण को बढ़ावा मिले.

वन संरक्षण एवं वनरोपण

वन अत्यन्त ही महत्वपूर्ण संसाधन हैं वनों की अन्धाधुन्ध कटाई से न केवल जैव विविधता का ह्रास होता है, वरन् मृदा अपरदन, बाढ़, सूखा, भूमिगत जल स्तर में गिरावट आदि तमाम समस्याओं को भी बढ़ावा मिलता है. वन कार्बन डाइऑक्साइड के मुख्य शोषक तथा जीवनदायिनी गैस ऑक्सीजन के प्रमुख स्रोत हैं. वन पर्यावरण संरक्षण में सहायक हैं. पृथ्वी के तापमान में वृद्धि का कारण वन विनाश है, जिससे तापन वृद्धि (Global Warming) को बढ़ावा मिला है.

सम्पोषित विकास की धारणा के अन्तर्गत वन संसाधन के सीमित उपयोग के साथ-साथ वनरोपण पर जोर देने की आवश्यकता है. ताकि वनावरण में वृद्धि के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन के खतरे से बचा जा सके.

वन्य जीव संरक्षण

आज बाँधों, खदानों, सड़कों, उद्योगों और पर्यटन विकास के कारण बहुत से जीवों के प्राकृतिक आवास, नष्ट हो रहे हैं, जिसके कारण वनस्पति एवं जन्तुओं की प्रजातियाँ विलुप्त होने के कगार पर हैं. कुछ वनस्पति एवं जन्तुओं की प्रजातियों ने ही उन्हें अपने दोहन के कारण संकटग्रस्त श्रेणी में पहुँचा दिया है. सम्पोषित विकास की धारणा के अन्तर्गत इन विलुप्त होती हुई प्रजातियों के संरक्षण एवं विस्तार को बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता है. ताकि पारिस्थितिक सन्तुलन बना रहे और भावी पीढ़ियाँ वनस्पति एवं जन्तुओं की विभिन्न प्रजातियों से लाभान्वित हो सकें.

अतः हम कह सकते हैं कि बढ़ता हुआ पर्यावरण प्रदूषण एवं घटते हुए संसाधन आज वैश्विक स्तर पर गम्भीर चिंता का विषय है. अतः इन समस्याओं से निजात के लिए सम्पोषित विकास को अपनाना आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है. ताकि हम आने वाली पीढ़ी के लिए संसाधनों के साथ-साथ स्वस्थ एवं प्रदूषण रहित पर्यावरण प्रदान कर सकें. ●●●

शेष पृष्ठ 83 का

इस प्रकार राष्ट्रीय अकादमिक निक्षेपागार भारतीय शिक्षा प्रणाली, विशेष रूप से उच्च शिक्षा प्रणाली को एक पारदर्शी, लागत प्रभावी, त्वरित निस्तारणीय, प्रणाली की ओर ले जाने का एक अभिनव प्रयास है जिसमें शिक्षा प्रणाली से जुड़े सभी पणधारियों-विद्यार्थी, शिक्षण संस्थानों, परीक्षाएं सम्पन्न कराने वाले निकायों, सम्बद्धता/मान्यता प्रदान करने वाले निकायों, विनियामकीय निकायों एवं नियोक्ताओं को फर्जी अकादमिक दस्तावेजों से मुक्ति मिलेगी. इतना ही नहीं प्रत्येक पणधारी की इन दस्तावेजों तक 24 × 7 आधार पर पहुँच सुगम होगी. अकादमिक अभिलेखों की मूल अथवा द्वितीय प्रति प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को परीक्षाएं कराने वाले निकायों के चक्कर नहीं लगाने होंगे. इससे समय एवं संसाधनों का अपव्यय रुकेगा.

●●●

राष्ट्रीय अकादमिक निक्षेपागार द्वारा प्रदत्त सेवाएं

- *सिस्टम में शामिल हो सकने वाले सभी अकादमिक संस्थाओं/बोर्डों/पात्रता परीक्षाएं कराने वाले निकायों का पंजीयन करना.*
- *आधार/एनएडीआईडी विशिष्ट पहचान के आधार पर विद्यार्थियों का पंजीयन करना.*
- *अभिलेखों का सत्यापन कराने वाले प्रयोक्ताओं का पंजीयन करना.*
- *पंजीकृत अकादमिक संस्थाओं/बोर्डों/पात्रता परीक्षाएं सम्पन्न कराने वाले निकायों को, उनके द्वारा निर्गत अकादमिक अभिलेखों को अपलोड करने की अनुमति देना.*
- *पंजीकृत अकादमिक संस्थाओं/बोर्डों/पात्रता परीक्षाएं कराने वाले निकायों को सम्बन्धित विद्यार्थियों के एनएडी खातों से अकादमिक अभिलेखों का मैप/लिंक करने की अनुमति देना.*
- *एनएडी के खाता धारक विद्यार्थियों को अपने अकादमिक अभिलेखों को ऑनलाइन देखने की अनुमति देना.*
- *एनएडी के खाता धारक विद्यार्थियों को अपने अभिलेखों की अधि प्रमाणित प्रति को डाउनलोड करने/प्रिन्ट करने की अनुमति देना*
- *एनएडी के खाताधारक विद्यार्थियों की सहमति से सम्बन्धित विद्यार्थी के अकादमिक अभिलेखों की अभिप्रामाणिकता का सत्यापन करने की अनुमति पंजीकृत सत्यापन कराने वाली इकाइयों को देना.*

राष्ट्रीय अकादमिक निक्षेपागार (NAD) के अन्तर्गत आच्छादित अकादमिक अभिलेख

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा सूचीबद्ध निम्नलिखित संवर्गों के अभिलेख

- *अकादमिक संस्थाओं द्वारा प्रदत्त कोई भी अंकतालिका, प्रमाण-पत्र, डिग्री, डिप्लोमा, प्रोवीज़नल प्रमाण-पत्र, नकल/लिखित प्रतिलिपि मूल्यांकन रिपोर्ट*
- *अनुमोदित संस्थाओं द्वारा निर्गत कौशल विकास के प्रमाण-पत्र, डिग्री या डिप्लोमा*
- *राष्ट्रीय कौशल क्वालीफिकेशन फ्रेमवर्क (NSQF) से जुड़े निकायों—कौशल विकास एवं उद्यमिता मन्त्रालय द्वारा राष्ट्रीय अकादमिक निक्षेपागार में सहभागिता हेतु अनुमोदित ऐसे संस्थान, जो प्रशिक्षण पाठ्यक्रम/अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन प्रमाण-पत्र या ऐसे ही कोई अन्य कोर्स चलाते हों—द्वारा निर्गत प्रमाण-पत्र*
- *विद्यालयी बोर्डों द्वारा निर्गत अंकतालिकाएं एवं प्रमाण-पत्र*
- *पात्रता परीक्षा सम्पन्न कराने वाले निकायों द्वारा निर्गत पात्रता प्रमाण-पत्र*

शेष पृष्ठ 100 का

कानूनी व्यवस्था के अनुरूप कदमताल मिलाने के अवसर खुलते जा रहे हैं.

समान नागरिक संहिता का प्रारूप तैयार करते वक्त व्यापक राय-मशविरे की जरूरत तो है ही, यत्र-तत्र-सर्वत्र फैली लोक-परम्पराओं और मान्यताओं में समानताएं तलाशते हुए, उन्हें भी विधि-सम्मत एकरूपता में ढालने की जरूरत है. ऐसी तरलता बरती जाती है तो शायद निजी कानून और मान्यताओं के परिप्रेक्ष्य में अदालतों को जिन कानूनी विसंगतियों और जटिलताओं का सामना करना पड़ता है, वे दूर हो जाएं ?

●●●

यूजीसी-नेट तथा सिविल सेवा मुख्य परीक्षा हेतु विशिष्ट लेख

जनहित याचिका
(Public Interest Litigation)

✍ अरुणोदय बाजपेयी

सरकार के तीन अंग होते हैं—विधायिका, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका. विधायिका जहाँ कानून निर्माण का कार्य करती है, वहीं कार्यपालिका उन कानूनों को लागू करने का कार्य करती है. इन तीनों अंगों में न्यायपालिका का विशेष महत्व है, क्योंकि न्यायपालिका कानूनों की व्याख्या करती है तथा कानून के सम्बन्ध में उठने वाले विवादों का निपटारा करती है. एक स्वतन्त्र एवं निष्पक्ष न्याय व्यवस्था किसी भी राजनीतिक व्यवस्था के लिए आवश्यक है, लेकिन प्रजातन्त्र में यह अपरिहार्य है. स्वतन्त्र एवं निष्पक्ष न्याय व्यवस्था के अभाव में नागरिकों का राजनीतिक व्यवस्था से विश्वास ही समाप्त हो जाएगा. प्रसिद्ध विचारक **सेण्ट आगस्टाइन ने कहा है कि न्याय के बिना राज्य डाकुओं के गिरोह के अतिरिक्त कुछ भी नहीं है.** इसी तरह **लॉर्ड ब्राइस** का मानना है कि यदि न्याय का दीपक बुझ जाए, तो कितना अँधेरा होगा, इसकी कल्पना नहीं की जा सकती है. इसीलिए वर्तमान समय में सभी लोकतान्त्रिक व्यवस्थाएं एक स्वतन्त्र व निष्पक्ष न्यायिक व्यवस्था को एक आवश्यक शर्त के रूप में सुनिश्चित करने का प्रयास करती है. भारत की न्यायपालिका की स्वतन्त्रता का सबसे बड़ा प्रमाण 1980 के न्यायिक प्रक्रिया में आया जनहित याचिका का विचार है.

जनहित याचिका का अर्थ व आवश्यकता—जनहित याचिका का तात्पर्य ऐसी याचिका से है, जो जनहित की पूर्ति के लिए किसी व्यक्ति व संस्था द्वारा योजित की गई हो, भले ही ऐसा व्यक्ति अथवा संस्था उस मामले से प्रभावित न हो. ऐसी याचिका केवल सर्वोच्च न्यायालय अथवा उच्च न्यायालयों में ही दायर की जा सकती है. ब्लैक विधि शब्द कोष के अनुसार, **'जनहित याचिका का तात्पर्य, जनहित को लागू करने अथवा जनता के किसी समुदाय के कानूनी अधिकारों को प्रभावित करने वाले हितों को लागू करने के लिए न्यायालयों द्वारा शुरू की गई न्यायिक प्रक्रिया से है'.**

भारत में जनहित याचिका की शुरूआत 1982 में सर्वोच्च न्यायालय के तत्कालीन न्यायाधीश पी. एन. भगवती द्वारा की गई थी.

जनहित याचिका की आवश्यकता (Necessity for Public Interest Litigation)—भारतीय संवैधानिक व्यवस्था में न्यायपालिका को सरकार के दो अंगों के प्रभाव से मुक्त होकर कार्य करने की व्यवस्था की गई है. भारत में सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों को संविधान व कानून की व्याख्या करने व मौलिक अधिकारों की रक्षा करने का दायित्व सौंपा गया है. संविधान के रक्षक के रूप में न्यायपालिका को न्यायिक पुनरावलोकन की शक्ति भी दी गई है. मौलिक अधिकारों के रक्षक के रूप में उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय इनके उल्लंघन की स्थिति में विभिन्न प्रकार के आदेश जारी करते हैं, जिन्हें रिट कहा जाता है, लेकिन मौलिक अधिकारों की रक्षा के सम्बन्ध में न्यायिक प्रक्रिया अधिक महँगी व जटिल है तथा यह आम अथवा गरीब व्यक्तियों की पहुँच से बाहर है. पुनः मौलिक अधिकारों में निजी तौर पर अधिकारों के उल्लंघन की दशा में ही न्यायपालिका में सामान्यतः वाद दायर किए जाते हैं, लेकिन जनहित के मामलों में न्यायालयों द्वारा पूर्व में वादों को प्रोत्साहित नहीं किया जाता था. इसमें एक प्रक्रिया सम्बन्धी बाधा **'प्रभावित पक्ष'** (Locus Standi) का नियम है. इसके अन्तर्गत केवल वही व्यक्ति न्यायालय में कोई वाद योजित कर सकता है, जो सरकार के किसी कार्यवाही से स्वयं प्रभावित है तथा उसके किसी अधिकार का उल्लंघन हो रहा है. प्रभावित पक्ष के नियम की एक सीमा यह है कि इसके अन्तर्गत केवल निजी तौर पर अधिकारों के उल्लंघन के मामले ही न्यायालय के समक्ष लाए जा सकते हैं. जनहित के मामलों को किसी तीसरे पक्ष द्वारा न्यायालय के समक्ष नहीं लाया जा सकता. इसी कठिनाई के चलते जनहित की पूर्ति के लिए न्यायपालिका द्वारा जनहित याचिका में निम्न दो प्रकार की छूट प्रदान की जाती है—

प्रभावित पक्ष के नियम में शिथिलता (Relaxation in the Rule of Locus Standi)—सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश वी.आर. कृष्णाअय्यर ने प्रभावित पक्ष के नियम को एक स्वस्थ प्रशासनिक कानून के लिए हानिकारक माना है. उनके अनुसार, 'यदि किसी व्यक्ति के वाद को इसलिए नहीं स्वीकार किया जाता कि वह उसमें पर्याप्त रूप से प्रभावित पक्ष नहीं है, तो इसका तात्पर्य यह होगा कि किसी सरकारी अभिकरण को कानूनों का उल्लंघन करने के लिए खुला छोड़ दिया जाए. ऐसा करना जनहित में नहीं होगा. इस नियम से सामाजिक न्याय के सिद्धान्त का भी उल्लंघन होता है, क्योंकि गरीब और असमर्थ व्यक्ति, जोकि किसी मामले में प्रभावित हैं, अपनी असमर्थता के कारण न्यायालय की शरण नहीं ले सकते तथा उनके लिए कोई तीसरा पक्ष भी न्यायालय की शरण नहीं ले सकता, क्योंकि तीसरा पक्ष भी उस मामले में प्रभावित पक्ष नहीं है.

जनहित याचिका में इसी नियम को शिथिल कर दिया गया है अर्थात् जनहित याचिका के अन्तर्गत जनहित से सम्बन्धित किसी प्रकरण को किसी तीसरे पक्ष द्वारा भी न्यायालय में लाया जा सकता है और न्यायालय उसमें कार्यवाही कर सकता है. सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश पी.एन. भगवती, जिन्हें भारत में जनहित याचिका का जनक माना जाता है, ने 31 जनवरी, 1982 को इण्डियन एक्सप्रेस समाचार-पत्र में प्रकाशित अपने एक लेख में जनहित याचिका के निहितार्थ पर प्रकाश डाला है. उनके अनुसार 'जनहित याचिका की तुलना एक निजी याचिका से की जा सकती है, जिसमें किसी दो पक्षों के बीच में विवाद होता है. निजी याचिका में एक व्यक्तिगत विवाद का निर्णय न्यायालय द्वारा किया जाता है. हम लोग गत वर्षों में यही करते आए हैं, लेकिन जनहित याचिका एक ऐसी याचिका है, जो किसी व्यक्ति विशेष के लाभ के लिए योजित नहीं की जाती, बल्कि व्यक्तियों के एक समूह अथवा वर्ग के हित के लिए योजित की जाती है, जो शोषण का शिकार रहा है अथवा जिसे संवैधानिक व विधिक अधिकारों से वंचित किया गया हो. इस समय हम ऐसी ही याचिका को प्रोत्साहित करने का प्रयास कर रहे हैं. बाद में उन्होंने जनहित याचिका के तकनीकी पहलू पर प्रकाश डालते हुए एस.पी. गुप्ता *बनाम* भारत सरकार के मामले में 1982 में यह टिप्पणी की थी कि **'यदि किसी व्यक्ति द्वारा किसी ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध अन्याय किया जाता है, जो अपनी गरीबी और असमर्थता के कारण न्याय के लिए न्यायालय नहीं पहुँच सकता, तो उसके बदले कोई तीसरा पक्ष न्यायालय में आवेदन कर सकता है'**. अतः जनहित याचिका के अन्तर्गत प्रभावित पक्ष के नियम को संशोधित कर जनहित और सामाजिक न्याय के मामलों में सीधे तौर से अप्रभावित **तीसरे पक्ष** को भी न्यायालय में वाद दायर करने का अधिकार दिया जाता है.

न्यायालय की विशिष्ट प्रक्रिया में शिथिलता (Relaxation in the Special Procedure of Courts)—जनहित याचिका में दूसरा उदारवादी संशोधन यह है कि जनहित याचिका योजित करने के लिए

न्यायालय की विशिष्ट प्रक्रिया को अपनाने की आवश्यकता नहीं है. ऐसी याचिकाएं एक आवेदन-पत्र अथवा पोस्टकार्ड के माध्यम से ही न्यायालय में योजित की जा सकती हैं तथा न्यायालय उन्हें स्वीकार कर लेता है. भारत में जनहित याचिका की शुरूआत 1980 में एक पोस्टकार्ड के माध्यम से ही हुई, जब तिहाड़ जेल के एक कैदी सुनील बत्रा ने सर्वोच्च न्यायालय को एक पोस्टकार्ड लिखकर कैदियों के प्रति अमानवीय व्यवहार की शिकायत की. सर्वोच्च न्यायालय ने इस पोस्टकार्ड के आधार पर सुनील बत्रा *बनाम* दिल्ली प्रशासन 1980 नामक वाद दायर कर उसमें उचित आदेश पारित किए. बाद में सर्वोच्च न्यायालय ने कई अन्य मामलों में पत्र के माध्यम से जनहित याचिकाएं योजित की गईं.

1987 में दिल्ली विश्वविद्यालय के दो प्रोफेसरों ने सर्वोच्च न्यायालय को पत्र लिखकर आगरा के संरक्षण गृह में अमानवीय और शोषक परिस्थितियों की शिकायत की. सर्वोच्च न्यायालय ने इस पत्र के आधार पर डॉ. उपेन्द्र बख्शी *बनाम* उत्तर प्रदेश सरकार नामक वाद योजित करके इस सम्बन्ध में उचित आदेश निर्गत किए. उल्लेखनीय है कि सर्वोच्च न्यायालय ने आपात स्थिति 1975–77 के बाद ही व्यक्तियों के साथ-साथ गैर-सरकारी संगठनों को भी जनहित के मामलों में वाद योजित करने के लिए अधिकृत कर दिया था.

जनहित याचिका का मुख्य उद्देश्य जनहित के मामलों में कार्यपालिका के दायित्वों को सुनिश्चित करना तथा गरीब व असमर्थ लोगों को सुगम न्याय उपलब्ध कराना है. इसका उद्देश्य न्यायपालिका द्वारा कार्यपालिका के कार्यों को स्वयं करना अथवा उसके कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप करना या नए कानूनों का निर्माण करना नहीं है.

जनहित याचिका के मुख्य तत्व
(Main Elements of Public Interest Litigation)

भारतीय संविधान के प्रसिद्ध विद्वान् जी.डी. बसु ने जनहित के निम्नलिखित तत्व बताए हैं–

1. जनहित याचिका में जो मुद्दा निहित होता है, उसमें समाज के किसी वर्ग के संवैधानिक और कानूनी अधिकारों के सम्बन्ध में सरकार के दायित्व का विषय मुख्य होता है.

2. जनहित याचिका केवल दो पक्षों के बीच विवादों का निपटारा नहीं है, बल्कि यह जनहित के मामलों में न्याय के प्रशासन का एक साधन है.

3. जनहित याचिका में न्यायपालिका, प्रक्रिया सम्बन्धी बाधाओं को दूर करके, याचिकाओं की सुनवाई करती है तथा पीड़ित पक्ष के शोषण व कठिनाइयों के समाधान हेतु आदेश पारित करती है.

4. न्यायपालिका जनहित की आड़ में निजी हितों के संरक्षण करने वाली याचिकाओं को जनहित याचिका के रूप में स्वीकार नहीं करेगी.

5. जनहित याचिका में सुनवाई करना सरकार का कोई सलाहकारी कार्य नहीं है. इसका उद्देश्य सरकार, वकील तथा न्यायपालिका के सहयोग से कमजोर वर्ग के मानवाधिकारों की रक्षा करना है.

जनहित याचिका की शर्तें और सीमाएं– जनहित याचिका के सम्बन्ध में यदि न्यायालयों के अब तक के व्यवहार और टिप्पणियों पर गौर किया जाए, तो जनहित याचिका के सम्बन्ध में निम्नलिखित शर्तें और सीमाएं स्पष्ट होती हैं–

1. जनहित याचिका में न्यायालय सबसे पहले यह देखने का प्रयास करता है कि जो व्यक्ति जनहित याचिका योजित करता है, उसका उद्देश्य जनहित का संरक्षण ही है. निजी उद्देश्यों की पूर्ति के लिए जनहित याचिका योजित नहीं की जा सकती.

2. न्यायालय जनहित याचिका में यह भी देखता है कि सम्बन्धित याचिका किसी राजनीतिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए अथवा किसी प्रशासनिक कार्यवाही में बाधा उत्पन्न करने की दृष्टि से नहीं योजित की गई है. न्यायपालिका जनहित याचिका के अन्तर्गत कार्यपालिका और विधायिका के अधिकार क्षेत्र में आने वाले कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करती है.

3. न्यायपालिका स्वयं भी किसी सूचना की प्राप्ति जैसे–समाचार-पत्रों की रिपोर्ट के आधार पर जनहित याचिका योजित कर सकती है तथा उसमें पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने के लिए आदेश निर्गत कर सकती है. इसी तरह न्यायपालिका जनहित के किसी मामले में किसी पत्र अथवा ई-मेल या फैक्स के आधार पर भी जनहित याचिका योजित कर सकती है. ऐसे पत्र के प्रेषक का नाम गोपनीय नहीं रखा जाता.

4. यदि किसी मामले में किसी व्यक्ति ने कोई जनहित याचिका योजित की है, लेकिन वह बाद में उस जनहित याचिका को वापस लेना चाहता है, तो कोर्ट उसके निवेदन को स्वीकार करने के लिए बाध्य नहीं है. ऐसे व्यक्ति के जनहित याचिका से अलग होने के बावजूद भी न्यायपालिका जनहित याचिका की सुनवाई कर सकती है तथा उचित आदेश पारित कर सकती है.

5. जनहित याचिका के लिए यह आवश्यक है कि सम्बन्धित मामले की विषय-वस्तु वास्तव में जनता के एक बड़े वर्ग को प्रभावित करती हो. यदि ऐसा नहीं है, तो न्यायालय ऐसे वाद को जनहित याचिका के अन्तर्गत नहीं लेगा. नवम्बर 1997 में राजस्थान उच्च न्यायालय ने कहा था कि जनहित याचिका का क्षेत्र सीमित है तथा इसमें वे ही मुद्दे आते हैं, जो जनता के बड़े समुदाय को प्रभावित करती है.

6. जनहित याचिका के लिए आवश्यक है कि उसमें निहित मुद्दा एक तरफ तो सरकार की विधिक अथवा संवैधानिक जिम्मेदारी से सम्बन्धित होना चाहिए तथा दूसरी तरफ उसका सम्बन्ध जनता के विधिक अधिकारों से होना चाहिए. यदि कोई विषय सरकार की विधिक जिम्मेदारी नहीं है, तो उस मामले में जनहित याचिका योजित नहीं की जा सकती है.

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल
(National Green Tribunal)

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की स्थापना ***अक्टूबर 2010*** *में पर्यावरण से सम्बन्धी विवादों तथा नागरिकों के पर्यावरण अधिकारों की रक्षा के लिए की गई थी. इसकी स्थापना संसद द्वारा 2010 में पारित नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल अधिनियम, 2010 के अन्तर्गत की गई है. नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में जब केस या अपील दायर की जाती है, तो नियम के अनुसार उसका निस्तारण 6 माह के अन्दर किया जाता है, ताकि ऐसे मामलों में नागरिकों को न्याय मिलने में देरी न हो. इसकी* ***मुख्य पीठ दिल्ली*** *में है तथा इसकी चार अन्य पीठों की स्थापना भोपाल, पुणे, कोलकाता तथा चेन्नई में की जाती है. न्यायमूर्ति स्वतन्त्र सिंह नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के वर्तमान चेयरमैन हैं.*

जनहित याचिका की आलोचना
(Criticism of Public Interest Litigation)

समीक्षकों द्वारा निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर भारत में जनहित याचिका के विभिन्न पहलुओं की आलोचना की जाती है–

1. **न्यायालय के कार्यभार में अनावश्यक वृद्धि**–इसकी सबसे प्रमुख आलोचना यह है कि प्रभावित पक्ष के नियम को शिथिल करने के कारण न्यायालयों के कार्यभार अत्यधिक बढ़ जाएंगे. साथ ही न्यायपालिका द्वारा जनहित याचिका के अन्तर्गत कार्यपालिका के कार्यक्षेत्र में हस्तक्षेत्र कर सकती है तथा वह सरकार द्वारा नीतियों के निर्माण के अधिकार को प्रभावित कर सकती है. इस प्रकार जनहित याचिका का सिद्धान्त और व्यवहार सरकार के तीनों अंगों में शक्ति पृथक्करण के सिद्धान्त को बाधित करता है.

2. **सस्ती लोकप्रियता का साधन**–कई बार देखने में आया है कि कई वकील व व्यक्ति सस्ती लोकप्रियता अर्जित करने अथवा निजी उद्देश्यों की पूर्ति के लिए जनहित

याचिका का सहारा लेते हैं. प्रोफेसर एम.एन. चतुर्वेदी के अनुसार जनहित याचिका के कारण बड़ी संख्या में अयोग्य और नकली वादों की बढ़ोत्तरी होगी, जिससे न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग हो सकता है तथा न्याय के प्रशासन में देरी हो सकती है.

3. **सरकार के तीन अंगों में गतिरोध**– जनहित याचिका सरकार के तीन अंगों में गतिरोध की स्थिति उत्पन्न कर सकती है. सरकार के कुशल संचालन के लिए आवश्यक है कि सरकार के तीनों अंगों में सहयोग और समन्वय बना रहे. जनहित याचिका का सिद्धान्त व व्यवहार उनके सम्बन्धों में असन्तुलन पैदा करता है. इस असन्तुलन और गतिरोध के कारण न्यायपालिका की प्रतिष्ठा भी प्रभावित हो सकती है. कई बार जनहित याचिकाओं के मामलों में न्यायालयों ने कानूनों की व्याख्या इस तरह से की है, जिसका क्रियान्वयन कार्यपालिका के लिए कठिन कार्य है. यह एक स्थापित सिद्धान्त है कि न्यायपालिका कानूनों का निर्माण नहीं कर सकती. यह कार्य व्यवस्थापिका द्वारा ही किया जाना है.

4. **जनहित याचिका का सीमित प्रभाव**– जनहित याचिका के माध्यम से न्यायपालिका सामाजिक परिवर्तन के उद्देश्य को प्राप्त करना चाहती है, लेकिन सामाजिक परिवर्तन एक जटिल प्रक्रिया है तथा इसके लिए कानून के प्रभाव की सीमाएं हैं. सामाजिक परिवर्तन का सम्बन्ध जनता के सामाजिक मूल्यों तथा आदर्शों से है, जिन्हें केवल कानून के माध्यम से ही नहीं बदला जा सकता है.

5. **कार्यपालिका में अनावश्यक भय**– जनहित याचिका के मामलों में तुरन्त कार्यवाही के द्वारा न्यायपालिका ने कार्यपालिका व उसके अधिकारियों में भय उत्पन्न किया हैं, जिससे दुष्परिणाम यह हुआ हैं कि प्रशासनिक अधिकारी पहल की कार्यवाही से बच रहे हैं तथा वे इतने सचेत हो रहे है कि प्रशासन में गतिशीलता व नवाचार के तत्व समाप्त हो गए हैं. प्रशासनिक अधिकार केवल अपने विधिक दायित्वों तक सीमित होकर रह गए हैं.

6. **राजनीति से प्रेरित होने का आरोप**– जनहित याचिकाओं का एक नकारात्मक परिणाम यह हुआ है कि जनहित के कई विवादास्पद मामलों में सर्वोच्च न्यायालयों के निर्णयों से न्यायालयों का आचरण भी चर्चा का विषय बन गया है तथा उस पर राजनीति से प्रेरित होने के आरोप भी लगाए गए हैं. इस तरह का राजनीतिक वाद-विवाद न्यायालय की निष्पक्षता, स्वतन्त्रता तथा गरिमा की दृष्टि से उचित नहीं है.

क्या जनहित याचिका सरकार के तीन अंगों में असन्तुलन उत्पन्न करती है?

(Does Public Interest Litigation lead to imbalance between the three organs of the Government ?)

भारत की संवैधानिक व्यवस्था के अन्तर्गत सरकार के तीन अंगों के कार्यों का निर्धारण किया गया है. संसदीय प्रणाली के कारण शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धान्त को अमरीका की भाँति यहाँ लागू नहीं किया गया, बल्कि कार्यपालिका व व्यवस्थापिका के मध्य भारतीय व्यवस्था में घनिष्ठ सम्बन्ध पाया जाता है. फिर भी संविधान की सर्वोच्चता को अपनाते हुए सरकार के तीनों अंगों के दायित्वों और अधिकारों का निर्धारण किया गया है. प्रत्येक अपने-अपने कार्य क्षेत्र में स्वायत्त हैं. संविधान के अन्तर्गत जहाँ संसद पर यह प्रतिबन्ध है कि वह न्यायपालिका के आचरण पर चर्चा न करे, उसी तरह न्यायपालिका पर यह सीमा लगाई गई है कि वह संसद के अन्दर चलने वाली प्रक्रिया सम्बन्धी कार्यवाही की जाँच नहीं कर सकती है.

संक्षेप में कानून निर्माण विधायिका का, नीति निर्माण व कानूनों का क्रियान्वयन कार्यपालिका का तथा दोनों के सम्बन्ध में नागरिकों के अधिकारों का संरक्षण करना तथा इन अधिकारों के उल्लंघन को रोकना न्यायपालिका का दायित्व है. जब न्यायपालिका जनहित याचिकाओं के माध्यम से जनहित के उन मामलों को लागू करने का प्रयास करती है, जो कार्यपालिका द्वारा अपने दायित्वों का निर्वहन न करने के कारण उत्पन्न होते हैं, तो कार्यपालिका पर उत्तरदायित्व के निर्वहन का दबाव बढ़ जाता है, जिसे कार्यपालिका अपने कार्यों में हस्तक्षेप समझती है, लेकिन इसे हस्तक्षेप नहीं कहा जा सकता, क्योंकि कार्यपालिका पर इन दायित्वों के निर्वहन की जिम्मेदारी कानून या संविधान द्वारा ही निर्धारित की गयी है. हाँ, यदि न्यायपालिका अपने निर्णयों में किसी नई सरकारी नीति का प्रतिपादन करती है अथवा सरकार के ऊपर नए दायित्व थोपती है, तो इसे कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप समझा जाएगा. इसी तरह कानूनों की व्याख्या का कार्य न्यायालयों द्वारा किया जाता हैं. यदि न्यायालय किसी कानून की उदारवादी व्याख्या करता है, तो उसे विधायिका के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं माना जाएगा. ऐसा तभी माना जा सकता है, जब न्यायपालिका नए कानूनों की घोषणा करे. सामान्यतया न्यायपालिका जनहित याचिकाओं के निष्पादन में इस तरह के हस्तक्षेप से बचती रही है. फिर भी कई बार न्यायालयों द्वारा की गई कानून की व्याख्या तथा जनहित याचिका के अन्तर्गत दिए गए निर्णय व्यवस्थापिका व कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में प्रवेश कर जाते हैं, जिसे विधिक रूप से उचित नहीं कहा जा सकता है. वैसे इस सम्बन्ध में न्यायपालिका ने आत्म-नियन्त्रण का दृष्टिकोण अपनाया है तथा अपने कई निर्णयों में कार्यपालिका व व्यवस्थापिका के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप न करने की बात दोहराई है. इसी तरह

शेष पृष्ठ 115 पर

जनहित याचिकाओं की विषयवस्तु के बारे में सर्वोच्च न्यायालय के मार्गदर्शक नियम

(Guidelines of Supreme Court for Public Interest Litigation)

सर्वोच्च न्यायालय ने 1 दिसम्बर, 1988 को अपने एक निर्णय में उन विषयों को चिह्नित किया था, जिन पर ही जनहित याचिका योजित की जा सकती है साथ ही उन्होंने उन विषयों को भी चिह्नित किया था, जिन पर जनहित याचिका योजित नहीं की जा सकती. इन सूचियों को समय-समय पर संशोधित भी किया गया है. यह सूची अगस्त 2003 तक संशोधित है. इनका संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है–

*(अ) **जनहित याचिका के लिए योग्य विषय**–सर्वोच्च न्यायालय ने निम्नांकित 10 विषय चिह्नित किए हैं. केवल इन विषयों के सम्बन्ध में ही जनहित याचिका को स्वीकार किया जाएगा, ये विषय हैं–*

1. बन्धुआ मजदूरों के मामले, 2. अनाथ व वंचित बच्चों के मामले, 3. मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी न देने के मामले, 4. कैदियों के शोषण व उनके विरुद्ध अत्याचार के मामले, 5. पुलिस द्वारा अत्याचार, पुलिस अभिरक्षा में मृत्यु आदि से सम्बन्धित मामले, 6. महिलाओं के शोषण, अत्याचार व उत्पीड़न के मामले, 7. अनुसूचित जाति, जनजाति के उत्पीड़न या ग्रामीण जनता के उत्पीड़न के मामले, 8. पर्यावरण प्रदूषण से सम्बन्धित मामले तथा मिलावटी खाद्य सामग्री से सम्बन्धित मामले, 9. दंगों से पीड़ित व्यक्तियों के मामले, 10. फेमिली पेंशन के मामले.

*(ब) **जनहित याचिका के लिए अयोग्य विषय**–सर्वोच्च न्यायालय ने निम्नलिखित पाँच विषयों को जनहित याचिकाओं के योग्य नहीं माना है. ये विषय हैं–*

1. मकान मालिक-किराएदार के विवाद, 2. सरकारी नौकरियों के सेवा सम्बन्धी मामले, 3. उपर्युक्त 10 योग्य विषयों को छोड़कर अन्य विषयों में केन्द्र सरकार, राज्य सरकार तथा स्थानीय निकायों के शिकायत सम्बन्धी मामले, 4. मेडिकल तथा अन्य शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश के मामले, 5. अधीनस्थ न्यायालयों में लम्बित मामलों की जल्दी सुनवाई के लिए अनुरोध के मामले.

सर्वोच्च न्यायालय उपर्युक्त मार्गदर्शक सिद्धान्तों के आलोक में विभिन्न याचिकाओं की जाँच करने के उपरान्त ही उन्हें जनहित याचिका के रूप में स्वीकार करता है.

सार संग्रह



भारतीय इतिहास एवं संस्कृति

1. कृष्णदेव राय द्वारा लिखित 'अमुक्त-माल्यद' किस भाषा का ग्रन्थ है? – *तेलुगू भाषा का*
2. आगरा के किले की मोती मस्जिद का निर्माण किसने करवाया था? – *शाहजहाँ ने*
3. औरंगजेब के विरुद्ध विद्रोह करने वाले सतनामियों के कौनसा मुख्य केन्द्र था? – *नारनौल*
4. श्रवणबेलगोला में गोमतेश्वर की विशाल प्रतिमा किसने स्थापित की थी? – *चामुण्डराय ने*
5. शाहजहाँ के समय हुई उत्तराधिकार की लड़ाई में धर्मत का युद्ध एक निर्णायक युद्ध माना जाता है, यह युद्ध किनके बीच लड़ा गया? – *दारा शिकोह और औरंगजेब के बीच*
6. सुल्तान कुतुबुद्दीन ऐबक की मृत्यु कैसे हुई? – *चौगान खेलते समय घोड़े से गिरने से*
7. फतूहात-ए-आलमगीरी, जो इस्लामी कानूनों की संहिता है, के लेखक थे – *ईश्वरदास*
8. किस उत्तरवर्ती मुगल बादशाह का उपनाम शाह-ए-बेखबर था? – *बहादुरशाह–I का*
9. यह किस इतिहासकार की टिप्पणी है कि दीन-ए-इलाही अकबर की मूर्खता का प्रतीक था, न कि उसकी बुद्धिमता का? – *विन्सेन्ट ए. स्मिथ की*
10. प्रथम आंग्ल-मराठा युद्ध का अन्त किस सन्धि से हुआ था? – *सालबाई की सन्धि से*
11. ऋग्वैदिक समाज में गोप्ता शब्द का किसके लिए प्रयोग होता था? – *राजा के लिए*
12. मोहनजोदड़ो से प्राप्त एक नृत्यरत नर्तकी की नग्न प्रतिमा उसकी मूर्तिकला का सर्वश्रेष्ठ नमूना है, यह किस धातु/मिश्र धातु से बनी है? – *कांस्य*

राष्ट्रीय स्वतन्त्रता आन्दोलन

13. बारदौली सत्याग्रह के दौरान बम्बई प्रेसीडेन्सी का गवर्नर कौन था? – *लेस्ली विल्सन*
14. भारतीय मुसलमानों में अलीगढ़ आन्दोलन का मुख्य उद्देश्य क्या था? – *भारतीय मुसलमानों में सामाजिक धार्मिक सुधार*
15. ऑल इण्डिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस के बम्बई के प्रथम अधिवेशन की अध्यक्षता किसने की? – *लाला लाजपत राय ने*
16. किसने सुभाषचन्द्र बोस को 'भारतीय देशभक्ति की ज्वलंत (Flaming) तलवार' सम्बोधित किया? – *सरोजनी नायडू ने*
17. 1929 में ऑल इण्डिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस का क्यों विभाजन हुआ जिसमें एन. एम. जोशी को ऑल इण्डिया ट्रेड यूनियन फेडरेशन बनाने की आवश्यकता पड़ी? – *संगठन का अन्तर्राष्ट्रीय साम्यवादी आन्दोलन*
18. किसके सुझाव पर भारतीयों को साइमन कमीशन से बाहर रखा गया? – *लॉर्ड इर्विन के सुझाव पर*
19. महात्मा गांधी के विषय में किस व्यक्ति ने यह विचार व्यक्त किया कि "आगामी पीढ़ियाँ शायद ही विश्वास करें कि ऐसा रक्त मांस का मानव कभी पृथ्वी पर अवतरित हुआ था?" – *अल्बर्ट आइन्सटाइन ने*
20. अखिल भारतीय किसान सभा का गठन कब और कहाँ हुआ? – *11 अप्रैल, 1936 को लखनऊ में*
21. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रथम सचिव कौन था? – *ए. ओ. ह्यूम*
22. 'बम का दर्शन' किस स्वतंत्रता सेनानी ने लिखा था? – *भगवतीचरण वोहरा ने*
23. "मैं जिस पीढ़ी में उत्पन्न हुआ वह पीढ़ी पश्चिम में केवल हिटलर अथवा स्टालिन की ही पीढ़ी नहीं थी, अपितु भारत में गांधी की पीढ़ी भी थी, हम कुछ निश्चयपूर्वक यह भविष्यवाणी कर सकते हैं कि मानव इतिहास पर गांधी का प्रभाव हिटलर और स्टालिन के प्रभाव से अधिक चिरस्थायी होगा." यह कथन किसका है? – *आर्नोल्ड टॉयनबी*

भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान

24. कैबिनेट मंत्री सरकार की नीतियों को निर्धारित करते हैं और प्रत्येक ऐसे आवश्यक विषय पर विधेयकों का प्रारूप तैयार करते हैं जिन्हें वे विधि रूप से पास करना चाहते हैं. संविधान में कैबिनेट शब्द का उल्लेख नहीं किया गया था, लेकिन 44वें संविधान संशोधन (1978) के द्वारा कैबिनेट शब्द को किस अनुच्छेद में स्थान दिया गया है? – *अनुच्छेद 352*
25. महान्यायवादी सरकार का मुख्य विधि अधिकारी होता है, उसे भारत के सभी न्यायालयों में सुनवाई का अधिकार होता है साथ ही, उसे संसद के दोनों सदनों में बोलने तथा उनकी कार्यवाही में भाग लेने का अधिकार होता है, पर वह वोट नहीं दे सकता. इसकी नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है? – *राष्ट्रपति*
26. यदि किसी समय लोक सभा में अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष उपस्थित न हों, तो ऐसी स्थिति में सदन की कार्यवाही को चलाने के लिए लोक सभा सदस्यों में से ही लोक सभा अध्यक्ष 6 सभापतियों की एक सूची बनाता है और जरूरत पड़ने पर उस सूची में मनोनीत किए गए व्यक्ति सभापति के रूप में सदन के अधिवेशनों की अध्यक्षता करता है, इस रूप में अध्यक्ष का कौनसी शक्तियाँ प्राप्त नहीं होती हैं? – *अध्यक्ष को सारी शक्तियाँ प्राप्त होती हैं*
27. भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद संवैधानिक प्रावधानों को संघीय संसद या राज्य विधानमण्डलों द्वारा बनाए गए नियमों पर वरीयता/प्राथमिकता देता है? – *अनुच्छेद 13*
28. भारत सरकार के लेखा की जाँच एवं वित्तीय नियंत्रण रखने वाला नियंत्रक महालेखा परीक्षक अपने कार्यों के लिए किसके प्रति जवाबदेह है? – *संसद के प्रति*
29. सामाजिक और आर्थिक नियोजन किस सूची का विषय है? – *समवर्ती सूची का*

30. दलबदल कानून के तहत् यदि किसी सभा के किसी सदस्य की अनर्हता (Disqualification) का प्रश्न है, तो उसका अन्तिम निर्णय कौन करेगा ?

– उस सभा का सभापति/सभाध्यक्ष, जिसका वह सदस्य हो

31. संविधान के किस अनुच्छेद में देवनागरी लिपि में हिन्दी को भारत की राजभाषा के रूप में मान्यता प्रदान की गई है ?

– अनुच्छेद 343 में

32. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के प्रावधान के अन्तर्गत संसद राज्य सूची के विषय पर कानून बना सकती है ?

– अनुच्छेद 249

33. उद्देशिका में समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, अखण्डता आदि शब्द संविधान के किस संशोधन द्वारा जोड़े गए ?

– 42वें संशोधन (1976) द्वारा

34. संविधान के अनुच्छेद 1 के मुताबिक भारत अर्थात् इंडिया राज्यों का संघ होगा, राज्यों तथा संघशासित प्रदेशों के नाम और प्रत्येक के तहत् आने वाले राज्य क्षेत्रों का उल्लेख कहाँ किया गया है ? *– संविधान की प्रथम अनुसूची में*

35. भारत सरकार का कौनसा प्राधिकारी संसद के किसी भी सदन की कार्यवाही में भाग ले सकता है, किन्तु मतदान नहीं कर सकता ?

– भारत का महान्यायवादी (एटॉर्नी जनरल ऑफ इण्डिया)

36. अण्डमान-निकोबार द्वीप समूह किस उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार में आते हैं ?

– कलकत्ता उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में

37. भारतीय संसद की आकलन समिति का गठन किससे होता है?

– केवल लोक सभा के सदस्यों से

38. संविधान के किस संशोधन द्वारा गोवा, दमन तथा द्वीव को भारत का अंग बना लिया गया ?

– 12वाँ संविधान संशोधन (1962 में)

39. राष्ट्रपति निर्वाचित होने का पात्र बनने के लिए किसी व्यक्ति की न्यूनतम कितनी आयु होनी चाहिए ? *– 35 वर्ष*

40. संविधान सभा की प्रथम बैठक कब हुई थी ?

– 9 दिसम्बर, 1946 को

41. राष्ट्रपति संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत लोक सभा को भंग कर सकता है ? *– अनुच्छेद 85 के अन्तर्गत*

42. राज्य सभा के द्विवार्षिक चुनावों की अधिघोषणा कौन करता है ? *– चुनाव आयोग*

43. भारत की संचित निधि से 'धन निर्गम' पर किसका नियंत्रण है ? *– नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक*

44. संविधान के अनुच्छेद 17 में किस सामाजिक बुराई के अन्त का प्रावधान किया गया है ? *– अस्पृश्यता का*

45. बिहार में बोली जाने वाली किस भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया है ? *– मैथिली भाषा को*

46. नई अखिल भारतीय सेवा की स्थापना का अधिकार किसे हैं ?

– संसद को

भारत एवं विश्व का भूगोल

47. एसबेस्टास एक न जलने वाला रेशेदार तत्व है जिसका प्रयोग इमारत निर्माण या चादरें बनाने के लिए किया जाता है. भारत में इसके निक्षेप कहाँ पाए जाते हैं ?

– आन्ध्र प्रदेश तथा झारखण्ड में

48. जरवा किस राज्य की जनजाति है ? *– निकोबार द्वीप*

49. पंजाब की प्रसिद्ध पाँच नदियाँ–सतलुज, व्यास, रावी, चिनाव तथा झेलम का सम्मिलित जल पठानकोट के थोड़ासा ऊपर किस नदी में मिल जाता है ? *– सिन्धु नदी में*

50. वूलर झील भूगर्भीय क्रिया के कारण बनी है. यह भारत की सबसे बड़ी मीठे पानी वाली प्राकृतिक झील है, यह किस प्रदेश में स्थित है ? *– जम्मू-कश्मीर*

51. जनसंख्या के आकार में भारत संसार में चीन के बाद दूसरे स्थान पर है. भारत में संसार के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 2·4 प्रतिशत भाग है, जिसमें संसार की कुल जनसंख्या का 17·5 प्रतिशत भाग रहता है. अनुमानों के अनुसार कब तक जनसंख्या के सम्बन्ध में भारत चीन से आगे बढ़ जाएगा ?

– 2045 ई. तक

52. पृथ्वी के समान चन्द्रमा का परिक्रमण पथ भी दीर्घवृत्ताकार है. चन्द्रमा के पृथ्वी से निकटतम होने की स्थिति को उपभू (Perigee) कहा जाता है. दूरतम होने की स्थिति को क्या कहा जाता है ? *– अपभू (Apogee)*

53. पवन सदैव उच्च दाब क्षेत्रों से निम्न दाब क्षेत्रों की ओर चलती है. दाब प्रवणता की दिशा, पवनों की दिशा तथा उनकी तीव्रता उनके ········· को निर्धारित करती है. *– वेग*

54. विषुवत्रेखीय निम्न वायुदाब पेटी से तापन वायु को गर्म हो जाने पर ऊपर उठने के लिए विवश करता है जिससे यहाँ निम्न वायुदाब की उत्पत्ति होती है. 5° उत्तरी और दक्षिणी अक्षांशों के मध्य स्थित इस न्यून वायुदाब क्षेत्र को किस नाम से जाना जाता है ? *– डोलड्रम*

55. विश्व में जनसंख्या का औसत घनत्व है

– लगभग 56 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी

56. बांग्लादेश में बहती हुई ब्रह्मपुत्र नदी को क्या कहा जाता है ?

– पद्मा

पर्यावरण एवं जैव विविधता

57. वायु में कार्बन डाइऑक्साइड की बढ़ती हुई मात्रा से वायुमण्डल का तापमान धीरे-धीरे बढ़ रहा है, क्योंकि कार्बन डाइऑक्साइड

– सौर विकिरण अंश को अवशोषित करती है

58. घासस्थलों में वृक्ष पारिस्थितिक अनुक्रम के अंश के रूप में किस कारण घासों को प्रतिस्थापित नहीं करते हैं ?

– जल की सीमाओं एवं आग के कारण

59. कौनसी गैस ग्लोबल वार्मिंग के लिए ज्यादा जिम्मेदार है ?

– कार्बन डाइऑक्साइड

60. लाइकेन जो एक नग्न चट्टान पर भी पारिस्थितिक अनुक्रम को प्रारम्भ करने में सक्षम है, वास्तव में किनके सहजीवी साहचर्य हैं ? *– शैवाल और कवक*

61. पैरागोनियम मरुभूमि स्थित है *– दक्षिण अमरीका में*

62. स्थिर अशुद्धियों को हिलाए बिना जल की स्वच्छ परत को हटाना क्या कहलाता है ? *– निस्तारण*

63. सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समुचित पर्यावरण के अधिकार को किस मौलिक अधिकार में शामिल माना गया है ?

– प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता

64. किस समुद्री क्षेत्र को विश्व का सबसे बड़ा 'समुद्र संरक्षित क्षेत्र' (एमपीए) घोषित किया गया ?

– रॉस सागर, अंटार्कटिका

65. पवनों का मौसमी उत्क्रमण किसका प्ररूपी अभिलक्षण है ? *– मानसून जलवायु*

66. भारत का राष्ट्रीय जैविक उद्यान कहाँ स्थित है ? *– लखनऊ में*

जलवायु परिवर्तन एवं आपदा

67. मध्य प्रदेश के किस जिले में मृदा अपरदन (मिट्टी का कटाव) की समस्या है ? *– मुरैना*

68. बैरोमीटर पठन (Barometer Reading) में अचानक गिरावट हो जाने पर कौनसी एक मौसम दशा इंगित होती है ? *– तूफानी मौसम*

69. वर्ष 2004 की सुनामी ने लोगों को यह महसूस करा दिया कि गरान (मैंग्रोव) तटीय आपदाओं के विरुद्ध विश्वसनीय सुरक्षा वाड़े का कार्य कर सकते हैं. गरान सुरक्षा वाड़े के रूप में किस प्रकार कार्य करते हैं ? *– गरान के वृक्ष अपनी सघन जड़ों के कारण तूफान और ज्वार-भाटे से नहीं उखड़ते*

70. अण्टार्कटिक क्षेत्र में ओजोन छिद्र का बनना चिन्ता का विषय है. इस छिद्र के बनने का सम्भावित कारण क्या है ? *– क्लोरोफ्लोरो कार्बन*

71. उष्ण कटिबंधीय आसन्न सुनामी की प्राथमिक चेतावनी माना जा सकता है *– तट से जल का तीव्रता से अपनयन*

72. चक्रवात के बीच का इलाका जिसके इर्दगिर्द तेज हवाएँ चलती हैं क्या कहलाती हैं ? *– चक्षु या आँख*

73. जलवायु के प्रमुख घटक, जो झारखण्ड राज्य के वन के क्षेत्र की जलवायु को प्रभावित कर रहे हैं *– जंगल की आग*

74. जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (District Disaster Management Authority—DDMA) का नेतृत्व कौन करता है ? *– जिलाधिकारी*

75. आपदा प्रबंधन के सृजन केन्द्र का मुख्य कार्य है *– ज्ञान सहप्रदर्शन*

76. आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की कौनसी धारा राज्य के राज्यपाल को राज्य में राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) की स्थापना करने की शक्ति प्रदान करता है ? *– धारा 14(1)*

भारतीय अर्थव्यवस्था

77. खुले बाजार की क्रियाएं (Open Market Operations) किस नीति का अंग हैं ? *– साख नीति का*

78. भारत में कृषि के लिए पुनर्वित प्रदान करने वाला सर्वोच्च बैंक है *– नाबार्ड*

79. अर्थव्यवस्था के विकास के लिए केन्द्रीकृत नियोजन सर्वप्रथम किस देश में अपनाया गया ? *– सोवियत संघ में*

80. वर्तमान में स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया का स्वामित्व किसके हाथ में है *– भारत सरकार के हाथ में*

81. अन्तर्राष्ट्रीय निवेश विवाद निपटारा केन्द्र (International Centre for Settlement of Investment Disputes—ICSID) का सम्बन्ध किस अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक संगठन से है? *– विश्व बैंक से*

82. भारत के भूमि विकास बैंक किस बैंकिंग संरचना के अंग हैं ? *– सहकारी बैंक संरचना के*

83. किस अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक संस्था द्वारा प्रतिवर्ष 'विश्व निवेश रिपोर्ट' (WIR) का प्रकाशन किया जाता है ? ***– अंकटाड (UNCTAD–United Nations Conference of Trade and Development) द्वारा***

84. भारत में सूक्ष्म औद्योगिक इकाई (Micro Enterprises) किस आधार पर तय की जाती है ? *– जिसमें निवेश की राशि ₹ 10 लाख तक हो*

85. 'स्वर्ण जयन्ती ग्रामीण स्वरोजगार योजना' पर होने वाले व्यय को केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा किस आधार पर पूरा किया जाता है ? *– 25 : 75 के आधार पर*

86. वर्तमान में भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर कौन हैं ? *– उर्जित पटेल*

सामान्य विज्ञान एवं तकनीकी

87. पृथ्वी की आयु किस विधि से ज्ञात करते हैं ? *– रेडियोमेट्रिक एज डेटिंग विधि से*

88. नागासाकी पर गिराए गए परमाणु बम में किसका प्रयोग किया गया था ? *– प्लूटोनियम का*

89. किस वैज्ञानिक के प्रयोग से यह साबित हुआ कि डीएनए एक आनुवंशिक पदार्थ है ? *– हर्षे एवं चेज*

90. सिरके में कौनसा अम्ल होता है ? *– एसीटिक अम्ल*

91. हेमेटाइट खनिज से कौनसी धातु प्राप्त होती है ? *– लोहा*

92. विटामिन C का रासायनिक नाम क्या है ? *– एस्कॉर्बिक अम्ल*

93. कौनसा कार्बनिक यौगिक सर्वप्रथम संश्लेषित (Synthesised) किया गया ? *– यूरिया*

94. जिन तत्वों की परमाणु संख्या समान परन्तु द्रव्यमान भिन्न-भिन्न होते हैं, वे क्या कहलाते हैं ? *– समस्थानिक*

95. किसी तत्व के 1 ग्राम परमाणु (1 मोल) में उपस्थित परमाणुओं की संख्या $6{\cdot}0224 \times 10^{23}$ को क्या कहते हैं ? *– आवोगाड्रो संख्या*

96. थैलेसीमिया (Thalassemia) एक आनुवंशिक रोग है जिससे प्रभावित होता है *– रक्त*

कृषि

97. केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार (Ministry of Agriculture and Farmer Welfare—**MoA & FW**, Government of India—**GOI**) के अनुसार वर्ष 2015-16 में देश में वृद्धि दर के साथ कुल दुग्ध उत्पादन ……… लाख टन हुआ. *– 1554 लाख टन (अर्थात् 155·4 मिलियन टन)*

98. खाद्य एवं कृषि संगठन (**FAO**—Food and Agriculture Organization) स्थापना वर्ष–1945, का मुख्यालय (Hq.) स्थित है *– रोम (इटली) में*

99. 'एगमार्क' (**AGMARK**)– मानक का निर्धारण अधिनियम– **'दी ग्रेडिंग एण्ड मार्केटिंग ऑफ एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स् एक्ट'** कब लागू किया गया ? *– वर्ष 1937 में*

100. पूर्वोत्तर क्षेत्र (**NER-**भारत की '7' बहनें) में असम राज्य चाय के उत्पादन एवं अनुसंधान में अग्रणीय है, चाय को किस नाम से पुकारा जाता है ? *– 'ग्रीन गोल्ड'/सदा हरित वृक्ष-पौधा/स्वास्थ्यवर्धक हर्ब*

101. देश में **'नीली क्रांति'** की ओर बढ़ते कदम हेतु (**21वीं** सदी हेतु) सरकार ने कौनसी **'नई राष्ट्रीय मत्स्यिकी कार्य योजना'** बनाई है, जबकि **प्रथम** बार नीली क्रांति 1970 के दशक में आई थी ? ***– राष्ट्रीय मत्स्यिकी कार्य योजना–2020***

102. वर्ष 2014 में, कृषि क्षेत्र के संदर्भ में वैश्विक प्रतिष्ठित 'विश्व खाद्य पुरस्कार' (World Food Prize-**WFP**) किस भारतीय मूल के व्यक्ति को मिला ? ***– संजय राजाराम***

103. **'भारतीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमशील और प्रबन्धन संस्थान** (**NIFTEM**, भारत सरकार) का मुख्यालय (Hq.) स्थित है ……… (स्थापना वर्ष 2006). ***– कुण्डली, सोनीपत (हरियाणा)***

104. **'भारतीय फसल प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी संस्थान'** (**IICPT—** Indian Institute of Crop Processing Technology—भारत सरकार) का मुख्यालय (Hq.) स्थित है ***– तंजावुर, तमिलनाडु***

105. पूरे देश में **'राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम'** कब से लागू किया गया है, जो सर्वप्रथम केरल और तमिलनाडु द्वारा लागू किया था ? ***– 3 नवम्बर, 2016 से***

106. देश में **'क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर'** विकसित करने की ठोस पहल किसके द्वारा की गई है फलतः राष्ट्रीय स्तर की योजना लागू की गई, ताकि किसान जलवायु अनुकूल कृषि तकनीकें अपनाकर जागरूक एवं सक्षम बनें ? ***– भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (ICAR) नई दिल्ली, भारत सरकार द्वारा (नए डीजी, डॉ. त्रिलोचन महापात्रा के निर्देशन में चालू होगी)***

खेलकूद

107. फीफा कप सम्बन्धित है ***– विश्व कप फुटबाल से***

108. 'अपर कट' शब्द किस खेल से सम्बन्धित है ? ***– बॉक्सिंग से***

109. बुल फाइटिंग किस देश का राष्ट्रीय खेल है ? ***– स्पेन***

110. 'रोहिंटन वारिया ट्रॉफी' किस खेल में प्रदान की जाती है ? ***– क्रिकेट में***

111. टेनिस की विश्व प्रसिद्ध खिलाड़ी गैब्रिएला सवातिनी किस देश की हैं ? ***– अर्जेन्टीना की***

112. पेनल्टी पॉइंट, डागफाल, फालबैक, ब्रेक डाउन शब्द किस खेल में प्रयुक्त किए जाते हैं ? ***– कुश्ती में***

113. लाल बहादुर स्टेडियम कहाँ स्थित है ? ***– हैदराबाद में***

114. बेसबाल किस देश का राष्ट्रीय खेल है ? ***– सं. रा. अमरीका का***

115. प्रथम एशियाई खेल 1951 में नई दिल्ली में आयोजित किए गए थे. इनमें भाग लेने वाले देशों की संख्या कितनी थी ? ***– 11***

116. खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भारत में कौनसे पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं ? ***– अर्जुन पुरस्कार, राजीव गांधी खेलरत्न पुरस्कार***

सम्प्रेषण/संचार

117. संचार प्रक्रिया का कौनसा रूप सोपान शृंखला सिद्धान्त के अनुरूप है ? ***– विकर्णीय संचार***

118. प्रत्येक प्रकार का सम्प्रेषण प्रभावित होता है ***– संदर्भ में***

119. एक प्रभावशाली संचारक की योग्यता के निर्णय का आधार है ***– लक्ष्योन्मुखी श्रोतागणों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखना***

120. एक शिक्षक का कक्षा में सम्प्रेषण किस सिद्धान्त पर निर्भर होता है ? ***– एजूटेन्टमेन्ट (Edutainment)***

121. मौखिक सम्प्रेषण का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होता है ***– विचार अभिव्यक्ति का ढंग***

122. वे सूचनाएं जो लिखित या लिपिबद्ध न होकर केवल मौखिक भाषा में प्राप्तांक तक पहुँचती हैं, कहलाती हैं ***– मौखिक संचार***

123. भाषण का जो रूप कक्षा में अध्यापन के दौरान व्यवहृत होता है, कहलाता है ***– व्याख्यान***

124. किसी शोध कार्य को सम्प्रेषित करने के लिए कौनसा तत्व अनिवार्य है ? ***– उद्देश्य कथन एवं भाषा पर सम्पूर्ण प्रभुत्व***

125. एक प्रभावशाली सम्प्रेषणकर्ता के लिए अनिवार्य रूप से प्रथम चरण है ***– सम्प्रेषण के लक्ष्यों का निर्धारण करना***

126. सम्प्रेषण की प्रक्रिया में आगे झुकने के धनात्मक वैयक्तिक संकेत किसकी अभिव्यक्ति है ? ***– एकाग्रता (Concentration)***

कम्प्यूटर ज्ञान

127. किसके द्वारा विन्डोज सॉफ्टवेयर का निर्माण किया गया ? ***– IBM द्वारा***

128. किसने विंडो 2000 को विकसित किया है ? ***– माइक्रोसॉफ्ट***

129. MS विंडोज किस प्रकार का सॉफ्टवेयर है ? ***– GUI***

130. किसकी सहायता से हमें कम्प्यूटर की उपयोगिता एवं जगह की उपलब्धता के बारे में पता चलता है ? ***– My Computer***

131. विंडोज 98 का विकास कब हुआ ? ***– 1998 में***

132. स्क्रीन के बैकग्राउण्ड को किस नाम से जाना जाता है ? ***– डेस्क टॉप***

133. आप अपनी पर्सनल/फोल्डर किसमें रख सकते हैं ? ***– माई डॉक्यूमेंट में***

134. विंडोज डेस्क टॉप पर किसके द्वारा विभिन्न एप्लिकेशन और डॉक्यूमेंट दर्शाए जाते हैं ? ***– आइकन द्वारा***

135. हार्ड डिस्क से डिलीट की गई फाइलें किसमें भेजी जाती हैं ? ***– रिसाइकल बिन में***

136. प्रिंट के लिए कौनसा मेनु सेलेक्ट किया जाता है ? ***– फाइल***

विविध

137. नन्दा देवी चोटी हिमालय के किस भाग में स्थित है ? ***– कुमायूँ हिमालय के भाग में***

138. अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय के अध्यक्ष बनने वाले प्रथम भारतीय कौन हैं ? ***– डॉ. नागेन्द्र सिंह***

139. देश का कौनसा शहर 'सन सिटी' के नाम से जाना जाता है ? ***– जोधपुर***

140. विश्व का वह एकमात्र देश कौनसा है जिसमें महिलाओं के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य है ? ***– इजरायल***

141. 'द वॉयस ऑफ द हर्ट' किसकी आत्मकथा है ?
– मृणालिनी साराभाई की

142. लिपूलेख दर्रा किस राज्य में है ? *– उत्तराखण्ड*

143. अमृता प्रीतम को पंजाबी रचना 'कागज के केनवास' के लिए साहित्य का ज्ञानपीठ पुरस्कार किस वर्ष दिया गया था ?
– 1981 में

144. 'पाइराइट्स एण्ड केमिकल्स डेवलपमेन्ट लिमिटेड कहाँ अवस्थित है ? *– डेहरी (बिहार) में*

145. सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलिमेटिक्स (C-DOT) की स्थापना कब हुई थी ? *– 25 अगस्त, 1984 को*

146. निखिल बनर्जी का सम्बन्ध किस वाद्ययंत्र से है ?
– सितारवादन

147. राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित प्रथम हिन्दी फिल्म कौनसी थी ? *– मिर्जा गालिब*

148. दूरदर्शन के अन्तर्राष्ट्रीय चैनल का उद्घाटन कब हुआ था ?
– 14 मार्च, 1995 को

149. 'Central School of Sanskrit' कहाँ स्थित हैं ?
– तिरुपति (आंध्र प्रदेश) में

150. लिंगायत दर्शन के प्रवर्तक कौन थे ? *– वासवराज*

151. 'कड़ागम' तथा 'कोलाट्टम' नामक लोकनृत्य किस राज्य में प्रचलित हैं ? *– तमिलनाडु*

152. पर्यावरण के प्रति लोगों एवं समूहों को जागरूक बनाने के लिए कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाने के उद्देश्य से किस गैर-सरकारी संगठन की स्थापना की गई है ?
– इण्डियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एण्ड कल्चरल हेरिटेज, नई दिल्ली (इसकी स्थापना 1960 ई. में की गई थी)

153. भारत की प्रथम महिला एडवोकेट कौन थी ?
– कॉर्नेलिया सोराबजी (इलाहाबाद, 1923)

154. सेंट लारेंस खाड़ी एवं अटलांटिक महासागर (कनाडा) को जोड़ने वाली जलसंधि कौनसी है ? *– बेलद्वीप जलसंधि*

155. लीड्स (इंगलैण्ड) क्यों प्रसिद्ध है ?
– सूती वस्त्रों के केन्द्र के रूप में

156. इराक के अपदस्थ राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन की गिरफ्तारी के लिए अमरीकी सेनाओं द्वारा 2003 में चलाए गए अभियान को क्या नाम दिया गया था ? *– ऑपरेशन रैड डॉन*

157. अर्जेन्टीना का नगर 'ब्यूनस आयर्स' किस नदी के तट पर अवस्थित हैं ? *– ला प्लाटा*

158. नोएडा (NOIDA) का पूरा नाम क्या है ?
– New Okhla Industrial Development Authority

159. 'विश्व मधुमेह दिवस' मनाया जाता है *– 14 नवम्बर को*

160. स्पाइडर मैन नामक कॉमिक चरित्र की रचना किसने की ?
– स्टेनली ने

161. रूस की बोल्शेविक क्रांति के नेता कौन थे ? *– लेनिन*

162. विश्व का प्रथम योग विश्वविद्यालय कहाँ स्थापित किया गया है ? *– मुंगेर (बिहार) में*

163. 'लिकुड' किस देश का मुख्य विपक्षी दल है ? *– इजरायल का*

164. विदेशी मुद्रा विनिमय के अवैध धन्धे को किस नाम से जाना जाता है ? *– हवाला व्यापार*

165. नोबेल पुरस्कार से सम्मानित प्रथम एशियाई व्यक्ति थे
– रबीन्द्रनाथ टैगोर

166. फ्रांस की राज्य क्रांति किसके शासनकाल में हुई ?
– लुई सोलहवें के शासनकाल में

167. सरिस्का अभयारण्य किस राज्य में है ? *– राजस्थान में*

168. 'हिन्दू व्यू ऑफ लाइफ' किसकी कृति है ?
– डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की

169. सिखों की पवित्र पुस्तक 'आदिग्रन्थ' का संकलन किसने किया था ? *– गुरु अर्जुनदेव ने*

170. 'हैवियस कॉर्पस' रिट का शाब्दिक अर्थ क्या है ?
– सशरीर प्रस्तुत करो (बन्दी प्रत्यक्षीकरण)

●●●

शेष पृष्ठ 110 का

न्यायालय ने जनहित याचिका के सम्बन्ध में जिन मार्गदर्शक सिद्धान्तों का विकास किया है, उनके अनुसार नीति व कानून निर्माण कार्य न्यायपालिका के कार्यक्षेत्र में नहीं माना गया. न्यायपालिका केवल उन्हीं मामलों में जनहित सम्बन्धी अधिकारों को लागू करने का प्रयास करती है, जो कार्यपालिका के विधिक दायित्वों के अन्तर्गत आते हैं.

इस प्रकार न्यायपालिका द्वारा जनहित याचिकाओं के अन्तर्गत जो भी कार्यवाही की जाती है, उससे सरकार के तीनों अंगों के मध्य दिया गया संवैधानिक सन्तुलन खराब नहीं होता, यदि इसका प्रयोग संविधान की सीमाओं में किया जाए. फिर भी न्यायपालिका ने इस सम्बन्ध में आत्म-नियन्त्रण का जो दृष्टिकोण अपनाया है, उसके प्रति न्यायपालिका को सचेत रहने की आवश्यकता है. **प्रसिद्ध विद्वान् टी.के. टोपे का मत है कि न्यायाधीशों को अपनी शक्तियों के विस्तार पर नजर रखने की बजाए उनकी सीमाओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है.**

जनहित याचिका का महत्व
(Importance of Public Interest Litigation)

उक्त आलोचनाओं के बाद भी निम्नलिखित कारणों से भारत में जनहित याचिका का महत्व व उसकी लोकप्रियता बनी हुई है–

1. **कार्यपालिका में जवाबदेही लाने में सहायक**–न्यायपालिका ने जनहित याचिका के माध्यम से कार्यपालिका में अपने दायित्वों के प्रति पनप रही उदासीनता को कम कर उसमें जवाबदेही तथा उत्तरदायित्व की भावना का विकास किया है. अब कार्यपालिका के अधिकारी अपने दायित्वों के प्रति अधिक सचेत हो गए हैं.

2. **कमजोर वर्गों का हित साधन**– जनहित याचिका के द्वारा समाज के उन असमर्थ और गरीब तबके के लोगों को न्याय प्राप्त हो सका है, जो अन्यथा की स्थिति में न्यायालय तक नहीं पहुँच सकते थे.

3. **जनहित की पूर्ति का साधन**–जनहित याचिका जनहित की पूर्ति का साधन है. जनहित के कई ऐसे क्षेत्र हैं, जहाँ निजी व्यक्ति आमतौर पर न्यायपालिका की शरण में नहीं जा सकते. जनहित याचिका के द्वारा जनहित की कई समस्याओं जैसे–पर्यावरण की रक्षा, महिलाओं और बच्चों का शोषण अथवा मानवाधिकारों का हनन का समाधान करने में सहायता मिली है. वास्तव में न्यायालयों में जनहित की पूर्ति का अन्य कोई साधन उपलब्ध नहीं है.

4. **सरकार की निरंकुशता पर नियन्त्रण**– चूँकि जनहित याचिका में जनहित के सभी मामले शामिल होते हैं. अतः यह कार्यपालिका और उसके अधिकारियों की निरंकुशता पर एक नियंत्रण भी है, क्योंकि इसमें जनहित के मामलों में सुगम तथा शीघ्र न्याय उपलब्ध होता है.

उक्त कारणों से आम जनता में जनहित याचिका अत्यधिक लोकप्रिय हुई है. आरम्भ में इसका प्रयोग सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ही किया जाता था, लेकिन बाद में उच्च न्यायालयों ने भी जनहित याचिका के माध्यम से न्यायिक कार्यवाही आरम्भ कर दी है. वर्तमान में इन याचिकाओं द्वारा जनहित के तमाम मुद्दों में आम जनता के अधिकारों को सुरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है.

●●●

सामान्य अध्ययन

(द्वितीय प्रश्न-पत्र)

भाग-अ

प्रश्न 1. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर **एक** या **दो** पंक्तियों में लिखिए–

(a) भारतीय संविधान के उन प्रमुख लक्षणों को बताइए, जो यूएसए के संविधान से लिए गए हैं.

(b) पर्यावरण सुरक्षा अधिनियम, 1986 के अनुसार 'पर्यावरण' को परिभाषित कीजिए.

(c) उन करों के नाम बताइए, जो केन्द्र सरकार द्वारा लगाए तथा संगृहीत किए जाते हैं और भारत में केन्द्र तथा राज्यों में वितरित किए जाते हैं.

(d) मौलिक अधिकारों और राज्य नीति के निर्देशक तत्वों में दो बुनियादी अन्तर बताइए.

(e) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अनुसार 'प्रतिबन्धात्मक व्यापार प्रथाएं' क्या हैं ?

(f) मध्य प्रदेश में दूरस्थ, अनुसूचित जाति तथा जनजाति क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के क्या प्रावधान हैं ?

(g) संविधान में 'सामाजिक न्याय', से सम्बन्धित किन्हीं तीन प्रावधानों को अनुच्छेदों/भागों के साथ लिखिए.

(h) चुनाव के दिन राजनैतिक दलों के लिए आदर्श आचार संहिता क्या होती है ?

(i) 'नीति कटौती प्रस्ताव' क्या है ?

(j) मध्य प्रदेश में स्वसहायता समूह से आप क्या समझते हैं ?

(k) 'परमादेश' क्या है ?

(l) सरकारी प्रशासन में 'चूक का नियम' प्रणाली क्या है ?

(m) किन आधारों पर किसी राजनैतिक दल को राष्ट्रीय राजनैतिक दल घोषित किया जाता है ?

(n) सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के अनुसार 'डिजिटल हस्ताक्षर' क्या है ?

(o) लोक लेखा समिति का मुख्य कार्य क्या है ?

उत्तर–(a) लिखित संविधान, मौलिक अधिकार, सर्वोच्च न्यायालय कार्यपालिका के प्रमुख के रूप में राष्ट्रपति, राष्ट्रपति सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालयों के विरुद्ध महाभियोग की कार्यवाही से पदच्युत करना, ऊपरी सदन का सभापति उपराष्ट्रपति का होना, न्यायिक पुनरीक्षा तथा न्यायपालिका की स्वतन्त्रता सम्बन्धी प्रावधान यूएसए के संविधान से लिए गए हैं.

(b) 'पर्यावरण' से तात्पर्य जल, वायु एवं भूमि और मानव जगत्, अन्य जीव जन्तुओं, पादपों, सूक्ष्म जीवों तथा सम्पदा के बीच अन्तः सम्बन्धों को शामिल किया जाता है.

(c) भारतीय संविधान के 80वें संशोधन के प्रावधानों के तहत् केन्द्र सरकार द्वारा लगाए जाने एवं वसूले जाने वाले करों तथा शुल्कों की सकल प्राप्तियों का एक निश्चित प्रतिशत, जिसकी संस्तुति वित्त आयोग द्वारा की जाए तथा सरकार उसे स्वीकार कर ले, राज्यों को हस्तान्तरित किया जाता है. वर्तमान में यह 42% है. इससे पूर्व आयकर, उत्पाद शुल्क, विशेष उत्पाद शुल्क आदि की प्राप्तियाँ केन्द्र एवं राज्यों के बीच बाँटी जाती थीं.

(d) मौलिक अधिकारों एवं राज्य की नीति के निर्देशक तत्वों में दो बुनियादी अन्तर निम्नलिखित हैं–

(i) मौलिक अधिकारों का प्रदान करना राज्य की जिम्मेदारी है, जबकि राज्य की नीति के निर्देशक तत्व दिशा-निर्देश मात्र है.

(ii) सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय मौलिक अधिकारों को मनवाने के लिए राज्य को बाध्य कर सकते हैं, जबकि राज्य की नीति निर्देशकों के तत्वों को नहीं.

(e) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अनुसार 'प्रतिबन्धात्मक व्यापार प्रथाएं' से तात्पर्य ऐसी व्यापार प्रथाओं से है–वस्तुओं एवं सेवाओं की कीमतों अथवा सुपुर्दगी की दशाओं तथा बाजार में आपूर्ति के प्रवाह को छल-कपट से इस प्रकार प्रभावित करती हैं कि इससे उपभोक्ताओं को अन्यायपूर्ण तरीके से लागतों अथवा बाधाओं को वहन करना पड़ता है. इसमें वस्तुओं एवं सेवाओं की विलम्ब से की गई आपूर्ति जिससे कीमत में वृद्धि हो जाए, ऐसी वस्तु या सेवा समय से प्राप्त न होने पर उपभोक्ताओं को कोई अन्य वस्तु या सेवा को क्रय करने के लिए बाध्य होना पड़े, को भी शामिल किया जाता है.

(f) राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के तहत् मध्य प्रदेश के दूरस्थ, अनुसूचित जाति तथा जनजाति क्षेत्रों में सबसे निचले स्तर पर 'आशा' कार्यकत्री, बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता/कार्यकत्री, उपस्वास्थ्य केन्द्र, मिनी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा विकास खण्ड स्तर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित हैं. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर कुशल/प्रशिक्षित चिकित्सक भी तैनात किए गए हैं.

(g) भारतीय संविधान में 'सामाजिक न्याय' से सम्बन्धित प्रावधान निम्नलिखित हैं–

1. संविधान की प्रस्तावना

2. मौलिक अधिकारों से सम्बन्धित अनुच्छेद 14, 15, 16, 17, 19. भाग III.

3. राज्य के नीति निर्देशक तत्वों से सम्बन्धित अनुच्छेद. भाग-V.

(h) भारत निर्वाचन आयोग लोक सभा एवं विधान सभा, राज्यों के निर्वाचन आयोग राज्यों में स्थानीय नगर निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों की अधिसूचना जारी होते ही सम्बन्धित क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता लागू हो जाती है, जिसका पालन सभी राजनीतिक दलों, सत्तासीन राजनीतिक दल के प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं मंत्रियों को करना पड़ता है. इसमें चुनाव के दौरान सभी प्रकार के उद्घाटन, शिलान्यास, नई योजनाओं/कार्यक्रमों की घोषणा पर प्रतिबन्ध लग जाता है. राजनीतिक दलों के नेता अपने प्रचार में ऐसी कोई बात नहीं कह सकते, जो किसी जाति, धर्म, सम्प्रदाय के खिलाफ हो. चुनाव में निर्धारित सीमा से अधिक धन खर्च नहीं किया जा सकता. सरकारी सम्पत्ति का प्रयोग नहीं किया जा सकता.

(i) **नीति कटौती प्रस्ताव**–लोक सभा एवं राज्य विधान सभाओं में सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट प्रस्तावों में कटौती किए जाने का प्रस्ताव विपक्षी दलों द्वारा लाया जाता है.

(j) स्वयं सहायता समूह किसी क्षेत्र विशेष, जैसे कि गाँव, के निवासियों द्वारा पारस्परिक सहभागिता एवं सहायता हेतु सामूहिक लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु गठित किया जाने वाला समूह है. ऐसा समूह केवल पुरुषों, केवल महिलाओं का, महिलाओं एवं पुरुषों दोनों की सदस्यता वाला हो सकता है.

(k) उच्च न्यायालयों को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 226(1) के तहत् परमादेश जारी करने की शक्ति प्राप्त है. इसके अन्तर्गत किसी व्यक्ति या निकाय को ऐसा सार्वजनिक अथवा अर्द्ध-सार्वजनिक विधिक कार्य करने का आदेश दिया जाता है, जिसे उसने करने से मना कर दिया है तथा ऐसा कार्य पूरा कराने के लिए कोई अन्य विधिक उपचार उपलब्ध नहीं है.

(l) **सरकारी प्रशासन में चूक का नियम**–विधानमण्डल द्वारा स्वीकृत बजट प्रस्तावों के अनुसार किसी भी मद के लिए किसी वर्ष के लिए आवंटित धनराशि अनिवार्यतः 31 मार्च तक खर्च की जानी चाहिए. यदि कोई धन वर्ष के अन्त तक

(31 मार्च तक) खर्च नहीं हो पाता, तो वह व्ययगत (Laps) हो जाता है.

(m) किसी राजनीतिक दल को राष्ट्रीय दल का दर्जा प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित शर्तों को पूरा करना चाहिए–

- राजनीतिक दल ने लोक सभा के सामान्य निर्वाचन में किन्हीं तीन अलग-अलग राज्यों में कम-से-कम 2 प्रतिशत सीटें (11 सीटें) जीती हों.

अथवा

- लोक सभा अथवा विधान सभा के सामान्य निर्वाचन में राजनीतिक दल द्वारा कम-से-कम 4 लोक सभा सीटें जीतने के साथ-साथ कम-से-कम चार राज्यों में वैध मतों में 6% मत प्राप्त किए हों.

अथवा

- राजनीतिक दल को कम-से-कम चार राज्यों में राज्यस्तरीय दल के रूप में मान्यता प्राप्त हो.

(n) सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 2(p) के अनुसार किसी ग्राहक (Subscriber) द्वारा, धारा 3 के प्रावधानों के अधीन, किसी इलेक्ट्रॉनिक विधि या प्रक्रिया से किसी इलेक्ट्रॉनिक अभिलेख के प्रमाणीकरण को डिजिटल हस्ताक्षर कहा जाता है. प्रमाणीकृत इलेक्ट्रॉनिक अभिलेख एसिमैट्रिक क्रिप्टो प्रणाली एवं हैश फंक्शन के प्रयोग द्वारा प्रभावी होता है, जो किसी इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड को अन्य इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड में रूपान्तरित कर देता है.

(o) संसद की लोक लेखा समिति में 15 सदस्य लोक सभा से तथा 7 सदस्य राज्य सभा से होते हैं. इसका अध्यक्ष प्रमुख विपक्षी दल का कोई सांसद होता है. यह समिति महालेखा नियन्त्रक द्वारा राष्ट्रपति को सौंपी गई तीन रिपोर्ट–एप्रोप्रिएशन एकाउण्ट, वित्तीय लेखा पर ऑडिट रिपोर्ट तथा लोक उपक्रमों पर ऑडिट रिपोर्ट का परीक्षण करती है. यह महालेखा नियन्त्रक द्वारा ऑडिट किए गए निकायों की रिपोर्टों तथा सार्वजनिक सेवा निगमों की ऑडिट रिपोर्टों का भी परीक्षण करती है.

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक के लगभग **100** शब्दों में लिखिए–

(a) भारत के राष्ट्रपति की वीटो शक्ति का वर्णन कीजिए तथा इसका प्रयोग कैसे होता है ?

अथवा

नागरिक सेवकों को प्राप्त संवैधानिक सुरक्षा उपायों तथा उसके महत्व की संक्षेप में व्याख्या कीजिए.

(b) राज्य मानव अधिकार आयोग की रचना, कार्य तथा कार्यप्रणाली का वर्णन कीजिए.

अथवा

पर्यावरण सुरक्षा अधिनियम के तहत् केन्द्र सरकार की शक्तियों का परीक्षण कीजिए.

(c) भारतीय संविधान के 42वें संविधान अधिनियम को स्पष्ट कीजिए.

अथवा

विधान परिषद् से आप क्या समझते हैं ? इसके संगठन और उपयोगिता को स्पष्ट कीजिए.

(d) भारत के उत्तर-पूर्व के राज्यों की समस्याओं और उनके सुरक्षा मुद्दों पर संक्षेप में प्रकाश डालिए.

अथवा

लोकपाल से आप क्या समझते हैं ?

(e) अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम, 1989 के संगठन और कार्यप्रणाली का वर्णन कीजिए.

अथवा

राष्ट्रीय महिला आयोग के मूल उद्देश्य, रचना और शासनादेश का संक्षेप में वर्णन कीजिए.

(f) शक्ति पृथक्करण के सिद्धान्त का परीक्षण कीजिए. भारतीय संविधान में इसे कहाँ तक अपनाया गया है ?

अथवा

ग्राम न्यायालय से आप क्या समझते हैं ? इसके उद्देश्य एवं प्रावधानों को स्पष्ट कीजिए.

(g) भारत और यूएसए का 123 समझौता क्या है तथा इसकी महत्ता को स्पष्ट कीजिए .

अथवा

विश्व व्यापार संगठन (WTO) के उद्देश्य एवं संगठन को स्पष्ट कीजिए.

(h) भारतीय संविधान में एकात्मकता के लक्षणों को क्यों स्वीकार किया गया ? टिप्पणी कीजिए.

अथवा

भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था में 'विभाजन प्रणाली' के महत्व तथा चलन का वर्णन कीजिए.

(i) 'धन विधेयक', 'वित्त विधेयक' तथा 'विनियोग विधेयक' में अन्तर स्पष्ट कीजिए.

अथवा

सरकारी प्रशासन में लेखा-परीक्षण के प्रकारों तथा उद्देश्यों पर प्रकाश डालिए.

(j) सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत साइबर न्यायाधिकरण की रचना, कार्य एवं कार्यप्रणाली को स्पष्ट कीजिए.

अथवा

'सेवा प्राप्ति का अधिकार' क्या है ? मध्य प्रदेश के विशेष सन्दर्भ में इसकी कार्य-प्रणाली को स्पष्ट कीजिए.

उत्तर–(a) **भारत के राष्ट्रपति की वीटो शक्ति**–भारतीय संविधान में राष्ट्रपति को निम्नलिखित वीटो शक्तियाँ प्राप्त हैं–

1. **निरपेक्ष वीटो शक्ति**–(i) निजी सदस्य द्वारा प्रस्तुत विधेयक के सम्बन्ध में; (ii) यदि कोई विधेयक संसद में पारित हो गया और राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने से पूर्व ही सरकार गिर जाए और नई सरकार राष्ट्रपति को विधेयक मंजूरी न दिए जाने की सलाह न दे.

2. **स्थगन वीटो**–धन विधेयकों से इतर अन्य विधेयकों या उसके किसी भाग को संसद को पुनर्विचार करने के उद्देश्य से राष्ट्रपति बिना मंजूरी के लौटा सकते हैं. यदि यही विधेयक संसद द्वारा दोबारा, संशोधनों सहित या संशोधनों के बिना, पारित करके राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा जाता है, तो राष्ट्रपति इसे मंजूरी देने के लिए बाध्य है.

3. **जेबी या पॉकिट वीटो**–जब राष्ट्रपति किसी विधेयक को न तो मंजूरी प्रदान करें और न पुनर्विचार हेतु संसद को वापस करें, बल्कि असीमित समय के लिए लटकाकर रखें, तो इसे पॉकेट वीटो कहा जाता है. इस प्रकार की वीटो शक्ति का प्रयोग सन् 1986 में राष्ट्रपति ज्ञानी जैलसिंह द्वारा राजीव गांधी सरकार के कार्यकाल में पारित इण्डियन पोस्ट ऑफिस (संशोधन) विधेयक पर किया था. संविधान संशोधन विधेयकों के मामले में राष्ट्रपति को कोई वीटो शक्ति प्राप्त नहीं है.

अथवा

नागरिक सेवकों को प्राप्त संवैधानिक सुरक्षा उपाए–भारत में नागरिक सेवक लोकतान्त्रिक ढंग से चुनी गई सरकारों के अधीन कार्य करते हैं. उन्हें मन्त्रियों के निर्णयों/आदेशों को मानने के लिए बाध्य किया जाता है. ऐसा न करने पर उन्हें मन्त्रियों का कोपभाजन न होना पड़े तथा वे बिना किसी भय या उत्पीड़न की आशंका के अपने पद से जुड़े दायित्वों को पूरा करते रहें, इसीलिए भारत के संविधान के अनुच्छेद 311 में उन्हें निम्नलिखित प्रकार की सुरक्षा प्राप्त है–

- किसी व्यक्ति को जो संघ की सिविल सेवा का या अखिल भारतीय सेवा का या राज्य की सिविल सेवा का सदस्य है या राज्य के अधीन कोई पद धारण करता है, उसकी नियुक्ति करने वाले प्राधिकारी के अधीनस्थ किसी प्राधिकारी द्वारा पदच्युत नहीं किया जा सकता.
- किसी सिविल सेवक को जाँचोपरान्त लगाए गए आरोपों तथा उन आरोपों के बारे में उसके पक्ष को सुने बिना न तो पद से हटाया जा सकता है और न ही पदावनति की जा सकती है.

(b) **राज्य मानवाधिकार आयोग की रचना, कार्य तथा कार्यप्रणाली**—मध्य प्रदेश में राज्य मानवाधिकार आयोग की स्थापना सितम्बर 1995 में की गई थी. इसके सहबद्ध प्रभाग हैं—विधि डिवीज़न, जाँच डिवीज़न, प्रशासनिक डिवीज़न, सूचना एवं जनसम्पर्क डिवीज़न.

रचना—अध्यक्ष, प्रधान सचिव, रजिस्ट्रार, अपर निदेशक (जनसम्पर्क, एडीशनल डायरेक्टर जनरल (पुलिस), पुलिस अधीक्षक, उपपुलिस अधीक्षक.

कार्य—1. (i) मानवाधिकारों के उल्लंघन अथवा दुरुत्साहन, (ii) किसी लोकसेवक द्वारा ऐसे उल्लंघन की रोकथाम में की गई लापरवाही से सम्बन्धित शिकायतों पर किसी सताए गए व्यक्ति की शिकायत पर या स्वतः संज्ञान लेकर जाँच करना.

2. मानवाधिकारों के हनन के किसी न्यायालय में दायर वाद में न्यायालय की अनुमति से हस्तक्षेप करना.

3. मानवाधिकारों की स्थिति की जाँच पड़ताल हेतु जेलों का निरीक्षण तथा कैदियों के मानवाधिकारों की रक्षार्थ सुझाव देना.

4. मानवाधिकारों की रक्षार्थ भारतीय संविधान एवं किसी अन्य कानून में दिए गए सुरक्षात्मक उपायों की पुनरीक्षा करना.

5. मानवाधिकारों का हनन करने वाली आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े कारकों की पुनरीक्षा.

6. शोध प्रचार, प्रसार आदि.

कार्यप्रणाली—मानवाधिकारों के उल्लंघन की शिकायत लिखित अथवा ऑनलाइन आयोग में दर्ज कराई जा सकती है. समाचार-पत्रों में प्रकाशित अथवा टीवी आदि पर प्रसारित मानवाधिकार उल्लंघन के मामलों में आयोग स्वतः संज्ञान लेते हुए जाँच पड़ताल करा सकता है.

अथवा

पर्यावरण सुरक्षा अधिनियम के तहत् केन्द्र सरकार की शक्तियाँ—(i) राज्य सरकारों के साथ पर्यावरण संरक्षण से जुड़े मामलों पर समन्वय.

(ii) पर्यावरणीय प्रदूषण को रोकने, नियन्त्रित करने तथा बाधित करने के लिए राष्ट्रव्यापी रूप से आयोजना एवं क्रियान्वयन.

(iii) पर्यावरण के विभिन्न पहलुओं में मानकों का निर्धारण करना.

(iv) विभिन्न स्रोतों से पर्यावरण प्रदूषण के उत्सर्जन अथवा डिस्चार्ज के मानकों का निर्धारण करना.

(v) ऐसे क्षेत्रों को चिह्नित एवं प्रतिबन्धित करना, जिनमें प्रदूषण फैलाने वाले उद्योग, प्रसंस्करण उद्योग, प्रक्रिया संचालित नहीं की जा सकती हों या यथोचित सुरक्षा उपायों के साथ संचालित की जा सकती हों.

(vi) पर्यावरणीय प्रदूषण फैला सकने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रक्रियाओं तथा सुरक्षा उपायों का निर्धारण करना.

(vii) ऐसी विनिर्माणी प्रक्रियाओं, पदार्थों का परीक्षण करना, जो पर्यावरणीय प्रदूषण फैला सकते हों.

(viii) पर्यावरणीय प्रदूषण की समस्याओं से सम्बन्धित जाँचों तथा शोधों को प्रायोजित करना.

(ix) पर्यावरणीय प्रदूषण की रोकथाम, नियन्त्रण तथा बाधित करने के लिए किसी भी परिसर, प्लाण्ट, उपकरण, मशीनरी, विनिर्माणी या अन्य प्रक्रियाओं, पदार्थों का निरीक्षण करना तथा इनकी रोकथाम हेतु सक्षम प्राधिकारियों को निर्देश देना.

(c) **भारतीय संविधान का 42वाँ संशोधन अधिनियम**—सत्तर के दशक में आपातकाल के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी के शासनकाल में सरदार स्वर्णसिंह की अध्यक्षता में गठित समिति की सिफारिशों पर भारतीय संविधान में 42वाँ संशोधन किया गया, जिसके प्रमुख उपबन्ध निम्नलिखित प्रकार थे—

- संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी पंथनिरपेक्ष' एवं राष्ट्र की एकता के स्थान पर 'राष्ट्र की एकता और अखण्डता' शब्दों को जोड़ा गया.
- संवैधानिक उपचारों से सम्बन्धित अनुच्छेद 31D जोड़ा गया.
- अनुच्छेद 32A, 39A, 43A, 48A जोड़े गए.
- मौलिक कर्त्तव्यों को भाग IVA के रूप में अनुच्छेद 51A से जोड़ा गया.
- 77(G) के रूप में यह प्रावधान जोड़ा गया कि राष्ट्रपति प्रधानमंत्री से युक्त मन्त्रिपरिषद् के परामर्श को मानने के लिए बाध्य है.
- अनुच्छेद 83(2) में संशोधन करके लोक सभा का कार्यकाल 5 वर्ष से बढ़ाकर 6 वर्ष कर दिया गया.
- अनुच्छेद 102(a) के द्वारा किसी भी संसद सदस्य को केन्द्र सरकार अथवा राज्य सरकार के अधीन लाभ के पद पर कार्य करने पर सदन की सदस्यता से पदच्युत होना होगा.
- अनुच्छेद 131A जोड़कर केन्द्रीय कानूनों की वैधता के बारे में उन्हें सर्वोच्च न्यायालय की अधिकारिता में लाया गया.
- अनुच्छेद 139A, 144A, 226A, 257A, भाग XIVA (अधिकरणों की स्थापना) जोड़े गए.
- सातवीं अनुसूची में संशोधन किया गया.

संविधान का 42वाँ संशोधन वस्तुतः भारतीय संविधान का सबसे व्यापक एवं दूरगामी परिणामों वाला संशोधन था. विपक्षी दलों द्वारा इसकी तीखी आलोचना की गई तथा 1977 में जनता पार्टी की सरकार के सत्तारूढ़ होने पर संविधान के 44वें संशोधन से 42वें संशोधन में किए गए परिवर्तनों को हटा दिया गया.

अथवा

विधान परिषद् का संगठन और उपयोगिता—भारत की संसदीय शासन प्रणाली में द्विसदनात्मक विधायिका को अपनाया गया है. संघीय विधायिका में लोक सभा निचला सदन तथा राज्य सभा ऊपरी सदन है. इसी प्रकार के विधानमण्डल की परिकल्पना राज्यों के लिए भी की गई. राज्यों में विधान सभा निचला सदन तथा विधान परिषद् ऊपरी सदन कहलाता है. वर्तमान में, जम्मू एवं कश्मीर, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना तथा कर्नाटक राज्यों में विधान परिषदें हैं.

संगठन—1. विधान परिषद् की सदस्य संख्या राज्य के विधान सभा सदस्यों की कुल संख्या के एक-तिहाई से अधिक किन्तु 40 से कम नहीं हो सकती.

2. विधान परिषद् की कुल सदस्य संख्या के एक-तिहाई सदस्य उस राज्य की नगरपालिकाओं, जिला बोर्डों और कुछ ऐसे स्थानीय प्राधिकारियों के जो संसद विधि द्वारा विनिर्दिष्ट करे. सदस्यों से बनने वाले निर्वाचक मण्डल द्वारा निर्वाचित होंगे.

3. कुल सदस्यों का 12वाँ भाग राज्य के स्नातक डिग्री धारकों से युक्त निर्वाचक मण्डल द्वारा निर्वाचित होगा.

4. बारहवाँ भाग माध्यमिक विद्यालयों तथा उससे ऊपर की शिक्षण संस्थाओं के शिक्षकों से युक्त निर्वाचक मण्डल द्वारा चुना जाएगा.

5. एक-तिहाई सदस्य विधान सभा के सदस्यों द्वारा चुने जाएंगे.

6. शेष सदस्य राज्यपाल द्वारा साहित्य, विज्ञान, कला, सहकारी आन्दोलन और समाजसेवा में उल्लेखनीय भूमिका निभाने वालों में से नामनिर्देशित किए जाते हैं.

ऐसा माना जाता है कि 'फर्स्ट-पास्ट-दी-पोस्ट-प्रणाली के अन्तर्गत बहुधा प्रतिभावान व्यक्ति विधान सभा में चुनकर नहीं आ पाते. इसलिए इस वर्ग के लोगों के विचारों और अभिमतों का लाभ विधायी कार्यों में लेने के उद्देश्य से ऊपरी सदन की उपयोगिता है, लेकिन कालान्तर में ऊपरी सदन सत्ताधारी दल के ऐसे लोगों को समायोजित किए जाने का सदन बन गया है, जो विधान सभा के चुनाव में पराजित हो गए हैं या जिन्हें

उम्मीदवार नहीं बनाया जा सका था. इसीलिए इन सदनों की उपयोगिता में ह्रास आता जा रहा है.

(d) **भारत के उत्तर-पूर्व के राज्यों की समस्याएं और उनके सुरक्षा मुद्दे**– अरुणाचल प्रदेश, असम, मिजोरम, मणिपुर, नगालैण्ड, मेघालय तथा त्रिपुरा भारत के उत्तर-पूर्व के राज्य हैं, जिनका गठन विशुद्ध रूप से नृजातीय आधार पर हुआ है. इनका आकार छोटा है, मिजोरम, नगालैण्ड तथा नगालैण्ड और मेघालय जहाँ आदिवासियों के पारस्परिक संघर्ष से जुड़ी समस्याओं से ग्रसित हैं, वहीं अरुणाचल, चीन की प्रसारवादी नीति का शिकार है, वहीं असम, मेघालय तथा त्रिपुरा पड़ोसी देश बांग्लादेश से आने वाले अवैध आप्रवासियों, तस्करी, आतंकवादी गतिविधियों से जूझते रहते हैं. पूर्वोत्तर के राज्यों में अनेक अलगाववादी संगठन सक्रिय हैं, जिन्हें बांग्लादेश तथा चीन से आर्थिक तथा सैन्य सहायता मिलती रहती है. असम के अनेक भागों में साम्प्रदायिक तनाव रहता है. असम को छोड़कर शेष राज्यों में परिवहन-मुख्य रूप से रेल परिवहन की सुविधाएं नाममात्र की ही हैं. सभी राज्यों में प्रति व्यक्ति आय नीची है तथा जीवन स्तर भी नीचा है. बड़े पैमाने पर बेरोजगारी विद्यमान है, जिससे युवा अवांछनीय गतिविधियों में संलग्न रहते हैं. असम और त्रिपुरा को छोड़कर अन्य राज्यों में राजनीतिक अस्थिरता रहती है. सीमा पार से हो रहे अवैध आप्रवास को रोकना, रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए ईको पर्यटन को बढ़ावा देना तथा सीमा पर निगरानी बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए.

अथवा

लोकपाल–लोकपाल भ्रष्टाचार पर निगरानी तथा रोकथाम रखने वाली एक सांविधिक संस्था है, जिसकी अवधारणा स्वीडन से ली गई है. भारत में इसे 1963 में डॉ. एल.एम. सिंहवी द्वारा प्रयुक्त किया गया. 1960 के दशक में तत्कालीन कानून मंत्री अशोक कुमार सेन द्वारा इसे पहली बार संसद में प्रस्तुत किया गया. पहला जन लोकपाल विधेयक शान्ति भूषण द्वारा 1968 में लोक सभा में पेश किया गया, जिसे लोक सभा ने 1969 में पारित किया, लेकिन राज्य सभा में यह विधेयक पारित नहीं हो सका. उसके बाद 1971, 1977, 1985, 1989, 1996, 1998, 2001, 2005 तथा 2008 में जन लोकपाल विधेयक लोक सभा में पेश किए जाते रहे, किन्तु पारित नहीं हो सके. समाजसेवी अन्ना हजारे द्वारा जन लोकपाल की स्थापना हेतु एक अति प्रभावी जनान्दोलन चलाया गया. अन्ततः जन लोकपाल कानून 2013 में कानून बन गया. इसके प्रमुख प्रावधान अग्रलिखित हैं–

- इसमें अध्यक्ष एवं अधिकतम 8 सदस्य होंगे. 50% न्यायिक सदस्य 50 सदस्य अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/अल्पसंख्यक, महिलाओं में से होंगे.
- लोकपाल के अध्यक्ष एवं सदस्यों का चयन एक समिति करेगी, जिसमें प्रधानमंत्री, लोक सभा के स्पीकर, नेता विरोधी दल, मुख्य न्यायाधीश द्वारा नामित सर्वोच्च न्यायालय का कोई न्यायाधीश सदस्य होंगे. राष्ट्रपति द्वारा चयन समिति के पहले चार सदस्यों की सिफारिश पर किसी प्रसिद्ध न्यायविद् को नामित किया जाएगा.
- सभी लोक सेवक, विदेशों से प्रतिवर्ष ₹ 10 लाख से अधिक की सहायता ले रहे सभी एनजीओ, लोकपाल के क्षेत्राधिकार में होंगे.
- इसमें ऐसी समितियाँ, न्यास भी शामिल हैं, जो जनता से धन संगृहीत करते हैं.
- प्रधानमंत्री, राज्यों के मुख्यमंत्री भी लोकपाल के दायरे में हैं.

(e) **अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम, 1989**– अनुसूचित जातियों, जनजाति जातियों के लोगों पर होने वाले अत्याचारों की रोकथाम हेतु त्वरित जाँच-पड़ताल विशेष अदालतों की स्थापना करके उनमें त्वरित सुनवाई तथा उत्पीड़न का शिकार हुए लोगों की सहायता और पुनर्वास हेतु अनुसूचित जातियाँ एवं अनुसूचित जनजातियाँ (अत्याचारों की रोकथाम) अधिनियम, 1989 पारित और लागू किया गया है. इस अधिनियम के प्रमुख प्रावधान निम्नलिखित हैं–

- अधिनियम की धारा 3 में उल्लिखित कृत्यों को 'अत्याचारों/उत्पीड़न की श्रेणी में रखा गया है. इनमें आरोपित अभियुक्तों के विरुद्ध त्वरित सुनवाई हेतु राज्य सरकार उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से प्रत्येक जनपद में विशेष न्यायालयों (जो जिला सत्र न्यायालय स्तर के होते हैं) की स्थापना करती है.
- प्रत्येक विशेष न्यायालय हेतु विशेष अभियोजन अधिकारी भी नियुक्त किए गए हैं. ऐसे अधिकारी को कम-से-कम 7 वर्ष का अनुभव होना चाहिए.
- जिलाधिकारी / उपजिलाधिकारी / शासी मजिस्ट्रेट/उप पुलिस अधीक्षक या इससे ऊपर का कोई अधिकारी अनुसूचित जातियों/जनजातियों बहुल क्षेत्र, जहाँ इस अधिनियम में परिभाषित प्रकार की उत्पीड़नात्मक अत्याचार की कार्यवाही होने की सम्भावना हो, वहाँ उस क्षेत्र को अत्याचार सम्भावना वाला क्षेत्र घोषित कर सकता है तथा कानून और व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने की यथोचित व्यवस्था कर सकता है.
- विशेष न्यायालय ऐसे किसी भी व्यक्ति या व्यक्तियों को किसी क्षेत्र विशेष से निष्कासित करने का आदेश दे सकता है, जिसके बारे में यह शिकायत हो कि वह अनुसूचित जाति/जनजाति के किसी सदस्य पर अत्याचार कर सकता है.

अथवा

राष्ट्रीय महिला आयोग : मूल उद्देश्य, रचना और शासनादेश–राष्ट्रीय महिला आयोग की स्थापना एक सांविधिक निकाय के रूप में (i) महिलाओं हेतु संवैधानिक तथा विधिक सुरक्षा उपायों की पुनरीक्षा; (ii) सुधारात्मक विधायी उपायों की सिफारिश; (iii) शिकायतों के निवारणार्थ तथा (iv) महिलाओं को प्रभावित करने वाले नीतिगत मामलों पर सरकार को परामर्श देने के लिए जनवरी 1992 में की गई थी.

राष्ट्रीय महिला आयोग में अध्यक्ष, पाँच सदस्य तथा एक सदस्य सचिव होता है. ये सभी केन्द्र सरकार द्वारा नामनिर्देशित किए जाते हैं. अध्यक्ष और सदस्य योग्यता, कर्त्तव्य-निष्ठा, विधि या विधायी कार्यों, श्रमसंघों, महिला सम्भाव्यता वाले उद्योगों के प्रबन्ध महिलाओं के स्वैच्छिक संगठनों, आर्थिक विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा और समाज कल्याण जैसे क्षेत्रों में अनुभव रखने वाले हों. सदस्यों में कम-से-कम एक सदस्य अनुसूचित जाति का तथा एक सदस्य अनुसूचित जनजाति का हो.

राष्ट्रीय महिला आयोग ने महिलाओं के विरुद्ध हिंसा से सम्बन्धित शिकायतों से निपटने के लिए बहुकोणीय रणनीति बनाई है. इसके लिए आयोग के भीतर शिकायत एवं परामर्श एकांश विधिक एकांश अनिवासी भारतीय एकांश, जनसम्पर्क एकांश सूचना का अधिकार अधिनियम एकांश, अनिवासी भारतीय एकांश स्थापित किए गए हैं.

(f) **शक्ति पृथक्करण का सिद्धान्त एवं भारतीय संविधान में इसका समावेश**– फ्रांसीसी विचारक बैरोक द माण्टेस्क्यू ने अपनी पुस्तक 'दी स्प्रिट ऑफ लाज' (1748) में 'Tripartite System' का उल्लेख किया हैं, जिसमें राजनीति शक्ति को तीन अंगों– विधायिका, कार्यपालिका तथा न्यायपालिका के रूप में पृथक-पृथक माना है. माण्टेस्क्यू का मॉडल रोम गणराज्य के संविधान तथा ब्रिटेन के संविधान पर आधारित है. रोम के गणराज्य में शासन की शक्तियाँ तीनों अंगों में विभाजित ताकि कोई भी व्यक्ति इन तीनों को एक साथ मिलाकर निरंकुश तानाशाह न बन जाए. ब्रिटेन में शासन ताज, संसद, विधि का न्यायालय में विभाजित है.

संयुक्त राज्य अमरीका की शासन प्रणाली शक्ति पृथक्करण सिद्धान्त का सर्वाधिक सशक्त उदाहरण है, जहाँ विधायिका (प्रतिनिधि सभा एवं सीनेट), कार्यपालिका (राष्ट्रपति) तथा न्यायपालिका (सर्वोच्च न्यायालय) की शक्तियाँ सुपरिभाषित कोई भी अंग किसी अंग के कार्यक्षेत्र में अतिक्रमण नहीं कर सकता.

जहाँ तक भारतीय संविधान का प्रश्न है, तो कहीं पर भी इस सिद्धान्त का उल्लेख नहीं है, लेकिन इसके बावजूद विधायिका (संसद), कार्यपालिका (प्रधानमंत्री और उनका मंत्रिमण्डल) तथा न्यायपालिका (सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय) की शक्तियाँ सुपरिभाषित हैं, चूँकि भारत में संसदात्मक शासन प्रणाली है, जिसमें बहुमत प्राप्त राजनीतिक दल/गठबन्धन का मुखिया प्रधानमंत्री होता है, इसीलिए कार्यपालिका और विधायिका दोनों पर ही उसका प्रत्यक्ष और परोक्ष नियन्त्रण होता है. न्यायपालिका अवश्य ही विधायिका और कार्यपालिका से स्वतन्त्र है.

अथवा

ग्राम न्यायालय : उद्देश्य एवं प्रावधान–भारत की न्यायिक प्रणाली संवैधानिक व्यवस्था के तहत् त्रिस्तरीय है. शीर्ष स्तर पर सर्वोच्च न्यायालय, मध्य स्तर पर राज्यों के उच्च न्यायालय तथा निचले स्तर पर जिला न्यायालय कार्यरत है. सत्ता के विकेन्द्रीकरण की प्रक्रिया में संसद द्वारा ग्राम न्यायालय अधिनियम 2008 पारित किया गया, जो 2 अक्टूबर, 2009 से प्रभावी है. इस अधिनियम के प्रावधानों के तहत् विकासखण्ड (मध्य स्तर पर) पर ग्राम न्यायालय स्थापित किए गए हैं या किए जा रहे हैं. इन न्यायालय में प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट जैसी सुविधाएं, वेतन, शक्तियों वाले न्यायाधिकारियों की नियुक्ति राज्य सरकार द्वारा उच्च न्यायालय के परामर्श की जानी है. इन न्यायालयों का क्षेत्राधिकार उच्च न्यायालय के परामर्श से राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित किया जाता है. इस क्षेत्र के भीतर ये न्यायालय कहीं सुनवाई कर सकते हैं. ग्राम न्यायालय सिविल एवं आपराधिक दोनों ही प्रकार के मुकदमों की सुनवाई कर सकते हैं. सिविल वादों में प्रति वाद ₹ 100 से अधिक शुल्क नहीं लिया जा सकता. मामलों की सुनवाई लगातार दिन-प्रतिदिन होती है. इन न्यायालयों में सुनवाई एवं निर्णीत वादों की अपील जिला सत्र न्यायालयों में की जा सकती है. सिविल वादों की अपील जिला न्यायालय में की जा सकती है.

(g) **भारत-यूएसए 123 समझौता**–123 समझौता भारत और संयुक्त राज्य अमरीका के बीच शान्तिपूर्ण कार्यों के लिए नाभिकीय शक्ति का प्रयोग करने से सम्बन्धित था. इसे इण्डिया सिविल न्यूक्लियर एग्रीमेन्ट या इण्डो-यूएस न्यूक्लियर डील कहा जाता है. तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और तत्कालीन अमरीकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश ने इस समझौते पर 18 जुलाई, 2015 को हस्ताक्षर किए. समझौते के प्रमुख बिन्दु निम्न प्रकार हैं–

- भारत अपनी सिविल एवं सैन्य नाभिकीय सुविधाओं को अलग-अलग करने पर सहमत हुआ.
- भारत अपनी सिविल नाभिकीय सुविधाओं को अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेन्सी सुरक्षा उपायों के तहत् विकसित करेगा.
- संयुक्त राज्य अमरीका सिविल नाभिकीय कार्यक्रम में भारत को पूरा सहयोग देगा.
- इसके तहत् संयुक्त राज्य अमरीका के घरेलू कानून को संशोधित किया गया; भारत-अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेन्सी समझौता हुआ; भारत में सिविल-सैन्य नाभिकीय पृथक्कीकरण योजना लागू की गई.
- इसके साथ ही भारत को नाभिकीय आपूर्तिकर्ता समूह के साथ करार करने तथा नाभिकीय प्लान्ट, उपकरण-सामग्री, नाभिकीय ईंधन प्राप्त करने का मार्ग सुलभ हो गया.

अथवा

विश्व व्यापार संगठन (WTO) के उद्देश्य एवं संगठन–1 जनवरी, 1995 को औपचारिक रूप से अस्तित्व में आए विश्व व्यापार संगठन की स्थापना के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं–

- वैश्विक स्तर पर जीवन की दशाओं को प्रोन्नत करना;
- पूर्ण रोजगार एवं प्रभावपूर्ण माँग में वृहत-स्तरीय, परन्तु ठोस वृद्धि करना.
- वस्तुओं के उत्पादन एवं व्यापार का प्रसार करना.
- सेवाओं के उत्पादन एवं व्यापार का प्रसार करना.
- विश्व के संसाधनों का अनुकूलन उपयोग करना.
- सम्पोषणीय विकास की अवधारणा को अंगीकार करना.
- पर्यावरण का संरक्षण एवं संरक्षा करना.

विश्व व्यापार संगठन की संरचना निम्न-लिखित प्रकार है–

- सदस्य देशों के मंत्रिस्तरीय प्रतिनिधियों का सम्मेलन.
- जनरल काउंसिल विवाद निपटारा निकाय एवं व्यापार नीति पुनरीक्षा निकाय के रूप में कार्य करती है.
- वस्तु व्यापार हेतु परिषद्, बौद्धिक सम्पदा अधिकारों से सम्बद्ध परिषद्, सेवाओं में व्यापार हेतु परिषद्.
- बाजार पहुँच, कृषि, सैनेटरी एवं फायटो सैनेटरी उपाय, व्यापार में तकनीकी बाधाएं, सब्सिडी एवं काउण्टरवेलिंग उपाय, राशिपतन रोधी व्यवहार, मूल का नियम, आयात लाइसेंस, व्यापार सम्बद्ध निवेश उपाय, सुरक्षा, वित्तीय सेवाएं आदि पर समितियाँ.
- WTO का सचिवालय महानिदेशक के नेतृत्व में कार्य करता है. इसका मुख्यालय जेनेवा में है.

(h) **भारतीय संविधान में एकात्मकता के लक्षणों को स्वीकार करने का औचित्य**–भारत की स्वतन्त्रता हेतु, जो कार्ययोजना ब्रितानी सरकार द्वारा प्रस्तुत की गई, उसके तहत् भारत का विभाजन करके उसे भारत और पाकिस्तान के रूप में दो देश बना दिए गए. इतना ही नहीं स्वतन्त्रता के समय 565 देशी रियासतों को भारत या पाकिस्तान में से किसी एक में शामिल होने या स्वतन्त्र होने का विकल्प दे दिया गया. स्वतन्त्र भारत के गृह मंत्री सरदार पटेल के कौशल से अधिकांश देशी रियासतें भारत संघ में शामिल हो गईं. संविधान प्रदत्त व्यवस्था के तहत् भारत एक अर्द्ध-संघीय गणराज्य है, जिसमें संघ पहले बना है और राज्य बाद में. देश की एकता और अखण्डता को बनाए रखने के लिए ही भारत को एक ऐसे संघीय गणराज्य के रूप में निरूपित किया गया है, जिसमें एकात्मकता और बहुलता दोनों के ही अभिलक्षण विद्यमान हैं. एकल संविधान, एकल नागरिकता, लिखित संविधान, संविधान की सर्वोच्चता, संविधान की कठोरता, न्यायपालिका की स्वतन्त्रता, केन्द्र एवं राज्यों के बीच शक्तियों का सुस्पष्ट विभाजन किन्तु अवशिष्ट शक्तियों का केन्द्र सरकार के पास रहना, राज्यों को विभाजित करने आपस में मिला देने उनका पुनर्गठन करने की शक्ति केन्द्र के पास, आपातकाल लागू करने की शक्ति केन्द्र के पास, अखिल भारतीय सेवाएं, राज्य सभा में राज्यों का असमान प्रतिनिधित्व, राज्यपालों की नियुक्ति केन्द्रीय मंत्रिमण्डल के परामर्श पर राष्ट्रपति द्वारा, उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा, भारत का महा-लेखा नियन्त्रक, एकल निर्वाचन आयोग आदि अभिलक्षण भारत को एकात्मकता वाला राष्ट्र बनाते हैं. यही समस्त कारक भारत की एकता और अखण्डता को अक्षुण्य बनाए रखे हुए हैं.

अथवा

भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था में 'विभाजन प्रणाली' का महत्व एवं चलन–भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था दो सिद्धान्तों पर कार्य करती है. प्रथम नीति निर्माण को इसके क्रियान्वयन से पृथक् रखने का सिद्धान्त; द्वितीय केन्द्रीय सचिवालय में संयुक्त सचिव से ऊपर के अधिकारी अल्पकाल के लिए राज्य कैडर से लिए जाते हैं, जो स्थायी

कर्मचारियों पर नियन्त्रण रखते हैं. नीतियाँ बनाने और उन्हें क्रियान्वित करने का कार्य यदि एक ही कैडर को दे दिया जाए, तो नीतियों को क्रियान्वित करने तथा प्रशासन के नैतिक कार्यों के निष्पादन को प्रमुखता प्रदान की जाती है तथा नीति निर्माण का कार्य पिछड़ जाता है. इस विसंगति को दूर करने के लिए ही प्रशासन से इतर नीति विभाग बनाया जाता है. इसे ही विभाजन प्रणाली कहते हैं.

विगत कुछ दशकों से केन्द्र एवं राज्य सरकारों के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों में अपने-अपने क्षेत्र के विशेषज्ञों की तैनाती परामर्शदाताओं के रूप में की जाने लगी है, जो विशुद्ध रूप से नीति निर्माण का कार्य करते हैं. सचिवालय प्रशासन के अधिकारी नैत्यिक कार्य तथा नीतियों के क्रियान्वयन का कार्य करते हैं. इस प्रणाली के लाभ निम्नलिखित हैं–

- नीति निर्माण को नैत्यिक कार्यों से पृथक् करना.
- सचिवालय का मंत्रियों के प्रति निष्पक्ष भाव से कार्य करना अथवा किसी भी प्रस्ताव में कोई रुचि न रखना.
- विभाग का सचिव मंत्री का सचिव न होकर सरकार का सचिव होता है.
- यह पृथक्करण सचिवालय का आकार छोटा रखता है.
- अति केन्द्रीयकरण से बचाव.
- अधिशासी निकायों की नीतियों के क्रियान्वयन में अधिक स्वतन्त्रता.

(i) **धन विधेयक**–किसी प्रकार के नए कर लगाने या कर की दरों में संशोधन करने या कोई पुराना कर समाप्त करने, संचित निधि से धन निकाले जाने सम्बन्धी प्रावधानों से युक्त विधेयकों को धन विधेयक कहा जाता है. कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं इसे प्रमाणित करने का अधिकार लोक सभा के स्पीकर को होता है. धन विधेयक केवल लोक सभा में ही पेश किया जा सकता है. राज्य सभा में धन विधेयक पर चर्चा तो होती है, लेकिन उसमें किसी प्रकार का संशोधन करने की शक्ति राज्य सभा को नहीं है. राज्य सभा द्वारा धन विधेयक को 14 दिन के भीतर वापस करना होता है. लोक सभा यदि चाहे तो राज्य सभा द्वारा प्रस्तावित संशोधनों को स्वीकार करे या न करे. लोक सभा द्वारा पारित विधेयक ही राष्ट्रपति की मंजूरी हेतु भेजा जाता है.

वित्त विधेयक–सरकार द्वारा किसी भी प्रकार के नए कर लगाने, विद्यमान कर ढाँचे में परिवर्तन करने, विद्यमान कर संरचना को संसद द्वारा पारित अवधि से आगे तक जारी रखने से सम्बन्धित विधेयक विचारार्थ लोक सभा में पेश किया जाता है. इस विधेयक के साथ विधेयक के विभिन्न प्रावधानों का स्पष्टीकरण मेमोरेण्डम भी होता है, इसे संसद को पेश करने के 75 दिन के भीतर पारित करना होता है.

विनियोग विधेयक–विनियोग विधेयक सरकार को किसी वित्तीय वर्ष में सार्वजनिक व्यय हेतु भारत की संचित निधि से धन आहरित करने की शक्ति प्रदान करता है.

अथवा

सरकारी प्रशासन में लेखा परीक्षण के प्रकार तथा उद्देश्य–सरकारी प्रशासन में निम्नलिखित प्रकार के लेखा परीक्षण किए जाते हैं–

1. **वित्तीय लेखा परीक्षण**–इसमें निम्नलिखित तथ्यों का परीक्षण किया जाता है–

(i) क्या वित्तीय सूचना स्थापित और घोषित मानकों के अनुरूप प्रस्तुत की गई है.

(ii) निकाय ने विशिष्ट वित्तीय अनुपालन आवश्यकताओं को पूरा किया है अथवा नहीं.

(iii) वित्तीय रिपोर्टिंग अथवा आस्तियों की सुरक्षा हेतु निकाय का आन्तरिक नियन्त्रण ढाँचा विकसित और क्रियान्वित किया गया है अथवा नहीं.

2. **निष्पादन लेखा परीक्षण**–किसी सरकार, उसके किसी विभाग, किसी कार्यक्रम, क्रिया के निष्पादन के स्वतन्त्र मूल्यांकन हेतु आवंटन और व्यय का व्यवस्थित परीक्षण निष्पादन लेखा परीक्षण कहलाता है. ताकि लोक जबावदेही सुनिश्चित की जा सके तथा सुधारात्मक कार्य की पहल करके उत्तरदायित्वपूर्ण तरीके से निर्णयन को सुविधाजनक एवं प्रभावशाली बनाया जा सके. इस प्रकार के लेखा परीक्षण में निम्नलिखित तथ्यों का परीक्षण किया जाता हैं–

(i) विधायिका द्वारा वांछित परिणाम या लाभ किस सीमा तक प्राप्त कर लिए गए हैं ?

(ii) संगठनों, कार्यक्रमों, गतिविधियों, कार्यों की प्रभावकारिता.

(iii) कार्यक्रम पर लागू होने वाले कानूनों एवं विनियमनों का पालन किस सीमा तक किया गया है ?

(iv) व्यय में मितव्ययता तथा दक्षता.

(j) **साइबर न्यायाधिकरण की रचना, कार्य एवं कार्यप्रणाली**–सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 48(1) के प्रावधानों के तहत् केन्द्र सरकार साइबर विनियामक अपीलीय न्यायाधिकरण की स्थापना करती है.

रचना–साइबर विनियामक अपीलीय न्यायाधिकरण में केन्द्र सरकार द्वारा नियुक्त केवल एक पीठासीन अधिकारी होता है. इस पद पर केवल वही व्यक्ति नियुक्त किया जा सकता है, जो उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किए जाने हेतु अर्ह हो अथवा भारतीय विधिक सेवा का प्रथम श्रेणी अधिकारी हो या तीन वर्ष से अधिक का अनुभव रखता हो.

कार्य–सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 में उल्लिखित कतिपय प्रावधानों का उल्लंघन किए जाने पर अधिनिर्णयन अधिकारी अथवा नियन्त्रक द्वारा सुनाए गए निर्णय के विरुद्ध अपीलीय न्यायाधिकरण में अपील की जा सकती है. न्यायाधिकरण को वे समस्त शक्तियाँ प्राप्त हैं, जो सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 के तहत् किसी सिविल न्यायालय को प्राप्त हैं.

कार्यप्रणाली–न्यायाधिकरण में दायर अपीलों पर सुनवाई के दौरान अपीलकर्ता के पक्ष को सुनकर पूर्व में नियन्त्रक अथवा अधिनिर्णयन अधिकारी द्वारा लिए गए निर्णय को संस्थापित/संशोधित/निरस्त कर दिया जाता है.

अथवा

'सेवा प्राप्ति का अधिकार' मध्य प्रदेश के विशेष सन्दर्भ में–मध्य प्रदेश भारत का ऐसा अग्रणी राज्य है, जिसने सार्वजनिक सेवा प्रदान करने की गारन्टी अधिनियम पारित किया है. बाद में बिहार, पंजाब, उत्तराखण्ड, दिल्ली, जम्मू एवं कश्मीर, उत्तर प्रदेश, राजस्थान तथा झारखण्ड राज्यों ने भी इसी प्रकार के कानून बनाए हैं.

मध्य प्रदेश में 16 विभागों द्वारा प्रदत्त 52 सेवाओं को इस अधिनियम की परिधि में लाया गया है–ऊर्जा, श्रम, जनस्वास्थ्य, अभियान्त्रिकी, राजस्व, शहरी प्रशासन एवं विकास, सामान्य प्रशासन, सामाजिक न्याय, अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण, खाद्य एवं सिविल आपूर्ति, उपभोक्ता संरक्षण, वन, गृह, कृषक कल्याण एवं कृषि विकास, महिला एवं बाल कल्याण, परिवहन, पंचायतें एवं ग्रामीण विकास विभाग.

यदि कोई व्यक्ति किसी सेवा हेतु किसी विभाग में आवेदन करने के निर्धारित अवधि के भीतर सेवा प्राप्त नहीं कर पाता, तो वह दो स्तरों पर इसके लिए अपील कर सकता है. सेवा प्रदान करने में विलम्ब करने वाले कार्मिक के ऊपर ₹ 5 हजार तक का जुर्माना लगाया जा सकता है. अपीलों की सुनवाई हेतु प्रत्येक जनपद स्तर पर जिला प्रबन्धक जन सेवा की तैनाती की गई है.

सार्वजनिक सेवाओं को प्रदान करने की गारन्टी कानून को लागू करने पर मध्य प्रदेश राज्य को संयुक्त राष्ट्र जन सेवा पुरस्कारों के 'जन सेवा सुधार' संवर्ग में 2012 का द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया.

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक के लगभग **300** शब्दों में लिखिए–

(a) सार्क (SAARC) के उद्देश्यों, संगठन और भविष्य पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए.

अथवा

भारत में सहयोगी संघवाद की कार्य-प्रणाली और प्रकृति को स्पष्ट कीजिए.

(b) भारत में चुनाव सुधारों की आवश्यकता, उपाए और चुनौतियों पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए.

अथवा

क्या इलेक्ट्रोनिक मीडिया लोकतन्त्र और संस्कृति का समर्थक है अथवा खतरा ? समीक्षा कीजिए.

(c) 73वें संविधान संशोधन अधिनियम के पारित होने के प्रमुख कारकों का वर्णन कीजिए तथा इसके प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए.

अथवा

उच्च न्यायालयों तथा सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति में मुख्य मुद्दे क्या हैं ? भारत सरकार और सर्वोच्च न्यायालय के इस सन्दर्भ में दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए.

उत्तर–(a) **सार्क (SAARC) के उद्देश्य, संगठन एवं भविष्य**–दक्षिण एशिया क्षेत्रीय सहयोग संगठन–दक्षेस (South Asian Association for Regional Cooperation—SAARC) की स्थापना ढाका शिखर सम्मेलन में 7-8 दिसम्बर, 1985 में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव तथा भूटान द्वारा की गई थी. काफी लम्बे विचार-विमर्श के बाद अप्रैल 2007 में अफगानिस्तान को भी दक्षेस की सदस्यता प्रदान कर दी गई. वर्तमान में आस्ट्रेलिया, चीन, यूरोपीय संघ, ईरान, जापान, मॉरीशस, म्यांमार, दक्षिण कोरिया तथा संयुक्त राज्य अमरीका को पर्यवेक्षक का दर्जा प्राप्त है.

उद्देश्य–दक्षेस की स्थापना निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ की गई है–

- दक्षिण एशियाई देशों के लोगों के कल्याण एवं उनके जीवन स्तर में सुधार लाना.
- अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर आपसी सहयोग मजबूत करना एवं दक्षिण एशिया के भीतर आर्थिक, सामाजिक-सांस्कृतिक विकास में तेजी लाना तथा अन्य विकासशील देशों के साथ सहयोग में वृद्धि करना.
- अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सामान्य हित के मामलों में सहयोग प्रदान करना तथा दक्षिण एशियाई देशों की सामूहिक आत्मनिर्भरता में वृद्धि करना.
- आपसी विश्वास एवं समझदारी में सहयोग प्रदान करना तथा एक-दूसरे की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करना.
- आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, तकनीकी एवं वैज्ञानिक क्षेत्र में सक्रिय सहयोग एवं पारस्परिक सहायता में वृद्धि करना.

संगठन–दक्षेस का मुख्यालय काठमाण्डू (नेपाल) में है, जिसकी स्थापना 16 जनवरी, 1987 को की गई थी. इसके साथ-साथ निम्नलिखित क्षेत्रीय केन्द्र भी हैं, जो दक्षेस देशों के प्रतिनिधियों से युक्त शासी बोर्ड, दक्षेस के महासचिव तथा सम्बन्धित देश के विदेश मंत्रालय के सहयोग से संचालित होते हैं.

- दक्षेस कृषि केन्द्र, ढाका (बांग्लादेश)
- दक्षेस मौसम विज्ञानी अनुसन्धान केन्द्र, ढाका (बांग्लादेश)
- दक्षेस वन केन्द्र, थिम्पू (भूटान)
- दक्षेस विकास कोष, थिम्पू (भूटान)
- दक्षेस डॉक्यूमेंटेशन केन्द्र, नई दिल्ली (भारत)
- दक्षेस आपदा प्रबन्धन केन्द्र, नई दिल्ली (भारत)
- दक्षेस विश्वविद्यालय, नई दिल्ली (भारत)
- दक्षेस तटीय जोन प्रबन्धन केन्द्र माले (मालदीव)
- दक्षेस सूचना केन्द्र, काठमाण्डू (नेपाल)
- दक्षेस तपेदिक एवं एचआईवी/एड्स केन्द्र, काठमाण्डू (नेपाल)
- दक्षेस मानव संसाधन विकास केन्द्र, इस्लामाबाद (पाकिस्तान)
- दक्षेस ऊर्जा केन्द्र, इस्लामाबाद (पाकिस्तान)
- दक्षेस सांस्कृतिक केन्द्र कोलम्बो (श्रीलंका)

दक्षेस का शिखर सम्मेलन सामान्यतया प्रतिवर्ष लेकिन कभी-कभी दो वर्ष के अन्तराल पर चक्रानुक्रम में होता है. सम्मेलन जिस देश में आयोजित होता है, उसी देश का शासनाध्यक्ष अगले वर्ष के लिए दक्षेस का अध्यक्ष चुन लिया जाता है. दक्षेस सम्मेलन के लिए यह आवश्यक है कि सभी सदस्य देशों के शासनाध्यक्ष शिखर सम्मेलन में भाग लें. यदि एक भी शासनाध्यक्ष शिखर सम्मेलन में भाग लेने से मना कर देता है, तो वह सम्मेलन आयोजित ही नहीं होगा. दक्षेस के प्रमुख अंग निम्नलिखित हैं–

- **मन्त्रियों की परिषद्**–सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की सदस्यता वाला निकाय, जिसकी बैठकें वर्ष में दो बार होनी चाहिए.
- **स्थायी समिति**–विदेश सचिव की सदस्यता वाली.
- **तकनीकी समितियाँ**–

दक्षेस का भविष्य–विगत तीन दशकों में पहले दक्षिण एशियाई वरीयता व्यापार समझौता–SAPTA (1995) और पुनः दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र (SAFTA) (2006) का सृजन दक्षेस की सबसे बड़ी उपलब्धि है. म्यांमार दक्षेस की सदस्यता प्राप्त करने के लिए आतुर है, जबकि रूस, तुर्की, दक्षिण अफ्रीका पर्यवेक्षक देश का दर्जा प्राप्त करना चाहते हैं.

भारत पाकिस्तान के बीच की कटुता दक्षेस एवं साफ्टा के विकास की सबसे बड़ी बाधा है. दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार का परिमाण भी छोटा है (2015-16 में मात्र US $ 2·6 बिलियन). भारत ने 1996 में पाकिस्तान को परमाणुगृहीत राष्ट्र का दर्जा प्रदान कर दिया, लेकिन पाकिस्तान ने अभी तक भारत को यह दर्जा प्रदान नहीं किया है. भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने के बारे में भी पाकिस्तान का रुख सकारात्मक नहीं है. दक्षेस देशों में अनेक पूरकताएं मौजूद होते हुए भी समग्र रूप से यह संगठन अच्छी उपलब्धि हासिल नहीं कर सका और न आगे होने की सम्भावना है.

अथवा

भारत में सहयोगी संघवाद की कार्य-प्रणाली और प्रवृत्ति–सहयोगी संघवाद एक ऐसी व्यवस्था है, जिसके अन्तर्गत संघीय सरकार और उसके संघटक राज्यों के बीच पारस्परिक सामंजस्य के साथ शासन चलता रहे किसी भी स्तर पर यह प्रतीत न हो कि राज्य सरकारें संघीय सरकार की अधीनस्थ इकाइयाँ हैं. भारत में संवैधानिक व्यवस्था के तहत् सैद्धान्तिक रूप से सहयोगी संघवाद की स्थिति विद्यमान है, क्योंकि लोक कल्याण के सारे कार्यक्रमों नीतिगत तौर पर चाहे वे केन्द्र सरकार द्वारा प्रस्तावित और प्रायोजित किए जाएं या स्वयं राज्य सरकारों द्वारा अभि-कल्पित और वित्त पोषित हों–का क्रियान्वयन राज्य सरकारों द्वारा ही किया जाता है, लेकिन कानून बनाने की अवशिष्ट शक्तियों का केन्द्र सरकार के पास होना तथा केन्द्र सरकार द्वारा निधियों के राज्यों को आवंटन के बारे में अति केन्द्रीकृत एवं शक्तिशाली योजना आयोग जैसी संस्था की मौजूदगी केन्द्र में सत्तासीन सरकार के परामर्श पर राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त राज्यपालों द्वारा राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति हेतु विधि संगत तरीके से निर्वाचित राज्य सरकारों को बर्खास्त करके राष्ट्रपति शासन लगाए जाने की सिफारिश करना, सारे देश में आपातकाल लागू किए जाने की शक्ति केन्द्र सरकार के पास होना सहयोगी संघवाद की अवधारणा को धूल धूसरित कर देती है.

सहयोगी संघवाद हेतु संवैधानिक प्रावधान

- शक्तियों का अन्तर-सरकारी प्रतिनिधायन (अनुच्छेद 258 एवं 258A)
- केन्द्र सरकार द्वारा राज्यों को दिए जा सकने वाले निर्देश (अनुच्छेद 256, 257)

- अखिल भारतीय सेवाएं (अनुच्छेद 312)
- अन्तर्राज्यीय परिषद् (अनुच्छेद 263)
- संविधान की सातवीं अनुसूची की संघीय सूची, राज्य सूची तथा समवर्ती सूची.

अन्य प्रावधान–

- चौदहवें वित्त आयोग की सिफारिशें.
- योजना आयोग की समाप्ति और नीति आयोग की स्थापना.

सहयोगी संघवाद की वर्तमान स्थिति–

- देश की एकता, अखण्डता एवं सुरक्षा हेतु केन्द्र का शक्तिशाली होना एक आवश्यकता है.
- शिक्षा जैसे क्षेत्र में अनेक विनियामकीय निकाय (UGC, AICTE, NCTE, NCERT, ICSSR, ICMR, ICAR, CSIR) वित्तीय क्षेत्रक के विनियामकीय निकाय (RBI, SEBI, PFRDA, IRDA) राज्य सरकारों को स्वतन्त्र रूप से कार्य नहीं करने देते.
- MGNREGA राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून जैसे कार्यक्रम में केन्द्र सरकार ने कानून बनाकर राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण किया है.
- संविधान के अनुच्छेद 249, 250, 252, 253, 356 के तहत् केन्द्र सरकार राज्यों से सम्बन्धित विषयों पर न केवल कानून बना सकती है, वरन् राज्य की शक्तियों का अतिक्रमण भी कर सकती है.

(b) स्वतन्त्र भारत में 1952 में हुए पहले आम चुनावों के बाद से चुनाव सुधारों के लिए अनेक प्रकार की पहलें की जाती रही हैं. अधिकांश पहलें भारत निर्वाचन आयोग के स्तर पर की गई हैं. विशेष रूप से पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टी.एन. शेषन के कार्यकाल एवं उसकी अवधि में, लेकिन इसके बावजूद भारत की चुनाव प्रणाली में विसंगतियाँ न केवल विद्यमान हैं. वरन् चुनाव प्रणाली में कतिपय नए दोष भी उत्पन्न हो गए हैं. चुनाव सुधारों पर समय-समय पर गठित की गई समितियाँ निम्नलिखित हैं–

- जयप्रकाश नारायण समिति (1979)
- वी.एम. तारकुण्डे समिति (1974)
- दिनेश गोस्वामी समिति (1990)
- बोहरा समिति (1993)
- इन्द्रजीत गुप्ता समिति (1998)
- विधि आयोग (न्यायमूर्ति बी.पी. जीवन रेड्डी) (2004)
- विधि आयोग (2015)

विभिन्न समितियों की सिफारिशों तथा समय-समय पर चुनाव आयोग द्वारा की गई सिफारिशों के आधार पर भारत में चुनावों को निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाए जाने हेतु अग्रलिखित कदम उठाए गए हैं–

- (स्व.) राजीव गांधी के प्रधानमंत्रित्व काल में मतदान की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष कर दी गई, जो 28 मार्च, 1989 से प्रभावी है.
- जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 13CC के अन्तर्गत मतदाता सूचियों को बनाने संशोधित करने, चुनाव कार्यों हेतु कार्यरत् सभी कर्मचारी निर्वाचन आयोग में प्रतिनियुक्ति पर माने जाते हैं.
- राज्य सभा एवं विधान परिषद् के निर्वाचन में प्रस्तावकों की संख्या में वृद्धि.
- जनप्रतिनिधित्व अधिनियम में संशोधन करके राजस्थान, मध्य प्रदेश, दिल्ली में 1998 में पहली बार इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से मतदान को वैधता प्रदान की गई.
- जनप्रतिनिधित्व अधिनियम में धारा 58A जोड़कर 1989 से मतदान केन्द्रों पर कब्जे की शिकायतों पर मतदान स्थगित किए जाने अथवा चुनाव रद्द कर दिए जाने की व्यवस्था की गई.
- राष्ट्रीय ध्वज, भारत के संविधान का अपमान किए जाने का दोषी पाए जाने पर 6 वर्ष तक चुनाव न लड़ पाने का दण्ड का प्रावधान किया गया.
- जमानत की राशि तथा प्रस्तावकों की संख्या में वृद्धि की गई.
- दो से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ने पर रोक लगाई गई.
- मतदान केन्द्र और उसके आसपास शस्त्र ले जाने पर रोक.
- मतदान के दिन पूर्ण नशाबन्दी.
- आदर्श आचार संहिता का पालन अनिवार्य.
- चुनाव के लिए नामांकन करने वाले उम्मीदवारों को अपनी तथा अपनी पति/पत्नी की सम्पत्ति, न्यायालयों में लम्बित आपराधिक वादों की सूचना देना अनिवार्य.

भारतीय चुनाव प्रणाली के विद्यमान दोष

- **चुनावों का अत्यधिक खर्चीला होना**– भारत में विधान सभा, विधान परिषद्, लोक सभा के चुनावों पर विभिन्न उम्मीदवारों तथा राजनीतिक दलों द्वारा किए जाने वाले व्यय बहुत बढ़ गए हैं. सैद्धान्तिक रूप से विधायक/सांसद के चुनावों के उम्मीदवारों द्वारा चुनाव पर किए जा सकने वाले व्यय की सीमा निर्धारित है, लेकिन वास्तविक व्यय उससे कई गुना अधिक होता है.
- **निर्दलीय उम्मीदवारों, गैर-मान्यता प्राप्त दलों के उम्मीदवारों की बढ़ती संख्या**– आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद प्रचार हेतु वाहनों की संख्या, मतदान केन्द्रों पर पोलिंग एजेन्टों की संख्या, मतगणना के दौरान मतगणना एजेन्टों की संख्या निश्चित होती है. इसीलिए प्रत्येक राजनीतिक दल का उम्मीदवार तीन से चार तक व्यक्तियों को निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में खड़ा कर देता है. इससे उन्हें प्रचार हेतु अधिक वाहन मिल जाते हैं.
- **राजनीति का अपराधीकरण और अपराधियों का राजनीतिकरण**–आधे से अधिक उम्मीदवार आपराधिक मामलों में लिप्त होते हैं.
- **सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग**.
- **नौकरशाही की अपारदर्शी प्रवृत्ति**.
- **पुलिस का सत्ताधारी दल के पक्ष में कार्य करना**.

उपाय–(i) सरकारी खर्चे पर चुनाव कराए जाने की व्यवस्था.

(ii) राजनीतिक दल द्वारा निर्वाचन पर किए जाने वाले व्यय को उम्मीदवारों द्वारा किए जाने वाले व्यय में जोड़ा जाए.

(iii) निर्दलीय उम्मीदवारों द्वारा चुनाव लड़ने पर रोक.

(iv) राजनीतिक दलों द्वारा प्राप्त चन्दे में पूर्ण पारदर्शिता प्रत्येक अंशदाता का नाम और स्रोत उजागर किया जाए.

(v) निर्वाचन आयुक्तों की संख्या में वृद्धि की जाए.

(vi) निर्वाचन क्षेत्रों का आकार छोटा किया जाए.

अथवा

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया लोकतन्त्र और संस्कृति का समर्थक है–सिनेमा, रेडियो, टीवी स्मार्टफोन आदि सभी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अंग हैं. स्वातंत्र्योत्तर काल में सैटेलाइट के माध्यम से रेडियो और दूरदर्शन सेवाओं का विस्तार हुआ है. सिनेमा तो बीसवीं शताब्दी से ही मनोरंजन का प्रमुख साधन बन चुका था. टेरेस्टेरियल टीवी, सैटेलाइट टीवी, केबिल टीवी, डिश टीवी की बदौलत आज इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने देश के दूरदराज के क्षेत्रों में भी अपनी पहुँच बना ली है. 2014 में भारत के 168 मिलियन घरों में टीवी था. केबिल और सैटेलाइट टीवी 149 मिलियन घरों तक है. इस प्रकार देश की 92% जनसंख्या तक टीवी की तथा 99·19% जनसंख्या तक रेडियो की पहुँच है. टीवी पर समाचार, मनोरंजन, फिल्में, धार्मिक प्रसारण, बच्चों के कार्यक्रम, ज्ञानवर्धक कार्यक्रम, शिक्षाप्रद कार्यक्रम, संगीत के 24 घण्टे चलने वाले चैनल हैं. प्रत्येक चैनल अपने दर्शकों की संख्या को बढ़ाने के लिए नित नए कार्यक्रम प्रसारित करता रहता है. समाचार चैनलों पर

प्रसारित समाचारों, प्रमुख घटनाओं के विश्लेषण से लोकतन्त्र सुनिश्चित तौर पर मजबूत हुआ है, क्योंकि अब कोई भी सरकार लौह आवरण में रहकर कार्य नहीं कर सकती. प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री-मंत्रियों-प्रशासनिक अधिकारियों का एक कथन, एक कृत्य पलक झपकते ही संसार के समक्ष पहुँच जाता है. स्मार्टफोन के माध्यम से सोशल मीडिया–फेसबुक, ट्विटर, लिंक्डइन आदि के चलते कोई भी घटना, कोई भी वक्तव्य अब गोपनीय नहीं है. 2G, कोयला खदान आवंटन जैसे घोटाले इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से और अधिक प्रभावी ढंग से प्रकाश में आए हैं बाबा रामदेव, श्री श्री रविशंकर आदि ने समाज में अपनी पहचान टीवी के माध्यम से ही बनाई है. लोक सभा और विधान सभा के चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया कारगर भूमिका निभा रहा है, लेकिन इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने भारतीय संस्कृति को बहुत बड़ी सीमा तक प्रतिकूल ढंग से प्रभावित किया है. अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता के नाम पर देह प्रदर्शन नैतिकता की सभी सीमाओं को लाँघ गया है. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने नारी को एक वस्तु मात्र बना दिया है. किसी भी स्तर पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को भारतीय संस्कृति का वाहक तो नहीं माना जा सकता. इण्टरनेट के माध्यम से अश्लील साहित्य, अश्लील फिल्में, अश्लील वीडियो आज के युवाओं की सुगम पहुँच में हैं.

(c) **73वाँ संविधान संशोधन पारित होने के कारण और परिणाम**–(स्व.) राजीव गांधी को भारतीय लोकतन्त्र को सबसे निचले स्तर तक ले जाने का श्रेय जाता है. मतदान की आयु को 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष कर देने से जहाँ बहुत बड़ी संख्या में युवाओं को लोक सभा, विधान सभा, पंचायती राज संस्थाओं, स्थानीय नगर निकायों के चुनावों में सक्रिय भागीदारी करने का अवसर मिला, तो पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा दिला कर उन्होंने महात्मा गांधी की ग्राम स्वराज की भावना को साकार किया. इसका बीजारोपण 1989 में जवाहर रोजगार योजना के तहत् केन्द्र द्वारा धन सीधे ग्राम प्रधानों के खाते में भेजने की व्यवस्था के साथ हुआ.

भारत में पंचायती राज प्रणाली यूँ तो बलवन्त राय मेहता समिति की सिफारिशों से 1957 में प्रारम्भ हो गई थी. अशोक मेहता समिति (1977) ने इसमें कुछ जान फूँकने का प्रयास किया, लेकिन अपने क्षेत्र में ही विकास कार्य करने के लिए ये निकाय सरकार की कृपा पर ही निर्भर रहे. ग्राम स्तर पर निर्णयन में ग्राम सभा/ग्राम पंचायत की कोई भूमिका नहीं थी. एल.एम. सिंहवी समिति (1985) ने सुझाव दिया कि पंचायती राज संस्थाओं को अधिक प्रभावी बनाए जाने के लिए इन्हें स्थानीय शासन की इकाई बना दिया जाना चाहिए तथा इन्हें संवैधानिक दर्जा प्रदान करके निश्चित अवधि में चुनाव कराने, इन्हें वैधानिक रूप से संसाधनों का आवंटन करने के लिए राज्य सरकारों को संवैधानिक रूप से उत्तरदायी बनाया जाना चाहिए. संविधान का 73वाँ संशोधन 1992 में संसद द्वारा पारित किया गया तथा 24 अप्रैल, 1993 से प्रभावी हुआ. इस कानून के बन जाने के निम्नलिखित परिणाम हुए–

- त्रिस्तरीय पंचायती राज ढाँचे–ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ.
- प्रत्येक स्तर की पंचायत में अध्यक्ष एवं सदस्यों के एक-तिहाई स्थान महिलाओं के लिए आरक्षित कर दिए गए. कतिपय राज्यों ने यह आरक्षण 50% तक बढ़ा दिया.
- महिलाओं को एक-तिहाई आरक्षण क्षैतिजिक रूप से सामान्य वर्ग, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित सीटों पर भी प्राप्त हुआ.
- शासन के निर्णयन में महिलाओं, अनुसूचित जातियों/जनजातियों/अन्य पिछड़ा वर्ग की महिलाओं और पुरुषों को भागीदारी मिली, जिससे उनका सशक्तिकरण हुआ.
- प्रत्येक राज्य में राज्य निर्वाचन आयोग की स्थापना की गई, जिसके अन्दर मतदाता सूचियों को अद्यतन करने तथा पंचायती राज संस्थाओं के समय पर चुनाव कराने का दायित्व डाला गया.
- प्रत्येक राज्य में पाँच वर्ष की अवधि के लिए राज्य वित्त आयोग का गठन किया जाने लगा है, ताकि राज्य सरकार के कर राजस्व का एक हिस्सा निर्बाध रूप से पंचायती राज संस्थाओं को मिलता रहे.
- ग्राम पंचायतों को अपने क्षेत्रान्तर्गत विकास कार्य करने के लिए योजनाएं बनाने तथा उनका क्रियान्वयन करने का अधिकार मिला.
- प्रत्येक स्तर की पंचायत सरकारी अधिकारियों के चंगुल से मुक्त हुई.

अथवा

उच्च न्यायालयों तथा सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति में मुख्य मुद्दे–भारतीय संविधान के अनुच्छेद 124(2) के प्रावधानों के तहत् उच्च न्यायालयों एवं सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति भारत के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से राष्ट्रपति द्वारा की जाएगी. संविधान लागू होने के बाद से इसी व्यवस्था के तहत् न्यायाधीशों की नियुक्ति की जाती रही. बाद में एस.पी. गुप्ता *बनाम* भारत संघ वाद जिसे न्यायाधीशों के स्थानान्तरण वाद के रूप में जाना जाता है. सुप्रीम कोर्ट एडवोकट्स-ऑन-रिकॉर्ड एसोसिएशन *बनाम* भारत संघवाद तथा 1998 के विशेष सन्दर्भ मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने भारतीय संविधान में प्रदत्त न्यायपालिका की स्वतन्त्रता का हवाला देते हुए व्यवस्था दी कि न्यायाधीशों की नियुक्ति एवं स्थानान्तरण में कार्यपालिका अथवा विधायिका का कोई दखल नहीं होगा. सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की नियुक्तियाँ सर्वोच्च न्यायालय की अध्यक्षता वाले एक कॉलेजियम के माध्यम से की जाएंगी. भारतीय संविधान में कॉलेजियम का कोई उल्लेख नहीं है. विगत वर्षों का अनुभव बताता है कि कॉलेजियम ने न्यायाधीशों की नियुक्तियों में भाई भतीजावाद तथा पक्षपात को प्रश्रय दिया. सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालयों में ऐसे अनेक न्यायाधीश नियुक्त हुए, जो किसी-न-किसी न्यायाधीश या वरिष्ठ एडवोकेट के सगे सम्बन्धी थे.

इस दोषपूर्ण प्रणाली, जिसका विरोध देश के प्रमुख विधि विशेषज्ञ करते रहे हैं. इसी तथ्य पर विचार करते हुए भारत सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की नियुक्ति एवं स्थानान्तरण की सम्पूर्ण प्रक्रिया को पारदर्शी बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्तियाँ आयोग की स्थापना किए जाने हेतु एक विधेयक संसद में पेश किया, जिसे संविधान का 120वाँ संशोधन विधेयक कहा गया. संविधान के अनुच्छेद 124(2) एवं 217(1) को संशोधित करते हुए कॉलेजियम प्रणाली समाप्त कर दी गई. राष्ट्रपति द्वारा इस अधिनियम को 31 दिसम्बर, 2014 को स्वीकृति प्रदान कर दी गई.

लेकिन सर्वोच्च न्यायालय की एक पूर्ण पीठ ने 4–1 के बहुमत से राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्तियाँ अधिनियम, 2014 को रद्द करते हुए कॉलेजियम प्रणाली को फिर से बहाल कर दिया. साथ ही यह परामर्श दिया कि भारत सरकार सर्वोच्च न्यायालय के साथ मिलकर न्यायाधीशों की नियुक्ति और अधिक पारदर्शी तरीके से एक व्यवस्था बनाए (मेमोरेण्डम ऑफ प्रोसीडुयोर). भारत सरकार के विधि मंत्रालय द्वारा एक प्रस्ताव बनाकर सर्वोच्च न्यायालय को भेज दिया गया है, लेकिन तीन महीने से यह प्रस्ताव विचाराधीन ही है. दूसरी ओर सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति टी.एस. ठाकुर उच्च न्यायालयों के रिक्त पदों को न भरने के लिए सरकार को दोषी ठहरा रहे हैं. कॉलेजियम ने, जो सूची सरकार को प्रेषित की उसमें से 43 नामों को सरकार ने स्वीकार नहीं किया है.



उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग (प्रा.) परीक्षा, 2016 (29-1-2017 को आयोजित) का हल प्रश्न-पत्र

एप्टीट्यूड टेस्ट

(द्वितीय प्रश्न-पत्र)

1. अंक '3' को 3 प्रकार से निम्नलिखित तरीके से लिखा जा सकता है–
$3 = 2 + 1 = 1 + 1 + 1$
(अंकों के योग का क्रम महत्वपूर्ण नहीं है)
उपर्युक्त के अनुसार, 5 या 5 से कम अंकों का प्रयोग करके 5 को कितने प्रकार से लिखा जा सकता है ?
(A) 8 (B) 7
(C) 6 (D) 5

2. 'शून्य' है–
(A) एक सम पूर्ण संख्या
(B) एक विषम पूर्ण संख्या
(C) न सम न विषम
(D) सम और विषम दोनों

3. दो शब्द दिए गए हैं–NOT तथा TONE. ये शब्द कुछ संख्याएं निरूपित करते हैं. इनको जोड़ने पर हम संख्या 9000 प्राप्त करते हैं, जैसे कि

$$\begin{array}{r} \text{NOT} \\ +\,\text{TONE} \\ \hline 9000 \\ \hline \end{array}$$

शब्द NET द्वारा कौनसी संख्या निरूपित होगी ?
(A) 264 (B) 673
(C) 246 (D) 628

4. आयत

में आयतों/वर्गों की संख्या है–
(A) 18
(B) 17
(C) 16
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

5. 17^{17} के इकाई के स्थान पर अंक होगा–
(A) 1 (B) 3
(C) 7 (D) 9

निर्देश–(प्रश्न 6 से 11 तक) दिए गए प्रश्नों के दो कथन दिए गए हैं–एक 'अभिकथन (A)' है तथा दूसरा 'तर्क (R)' है सावधानी से इनकी जाँच करके, निम्नलिखित कूट में से सही उत्तर का चुनाव करें–

I. (A) तथा (R) दोनों सत्य हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है.
II. (A) तथा (R) दोनों सत्य हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है.
III. (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है.
IV. (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है.

6. **अभिकथन (A) :** आर्थिक न्याय, समाज के सभी सदस्यों को न्यायपूर्ण अंश देने से सम्बन्ध रखता है.
तर्क (R) : न्यायसंगतता, समानता और आवश्यकता वितरण के सम्भावित मापदण्ड हैं.
(A) I (B) II
(C) III (D) IV

7. **अभिकथन (A) :** 'नीति निर्माण' तथा 'निर्णय लेना' में कोई अन्तर नहीं है.
तर्क (R) : सरकार का एक संगठन द्वारा एक विशेष योजना या कार्य की प्रक्रिया को निरूपित करने को नीति निर्माण बताया गया है.
(A) I (B) II
(C) III (D) IV

8. **अभिकथन (A) :** प्रतियोगिता के समय प्रशिक्षण का उद्देश्य सर्वोत्तम अवस्था को प्राप्त करना और उसे बनाए रखना है.
तर्क (R) : एक बार प्राप्त की गई सर्वोत्तम अवस्था दीर्घकालीन समय तक रह सकती है.
(A) I (B) II
(C) III (D) IV

9. **अभिकथन (A) :** उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्रों से, इसके वर्ष 2000 में राज्य बनने के उपरान्त, पलायन की दर में वृद्धि हुई है.
तर्क (R) : पलायन से गाँवों का परित्याग हो जाता है जिससे भूमि का निम्नीकरण होता है.
(A) I (B) II
(C) III (D) IV

10. **अभिकथन (A) :** मनोविज्ञान में 'अंगूर खट्टे हैं' दृष्टिकोण रक्षात्मक प्रतिक्रिया का एक उदाहरण है.
तर्क (R) : निराशा को स्वीकार करने से बचने के लिए युक्तिकरण का प्रयोग किया जा सकता है.
(A) IV (B) III
(C) II (D) I

11. **अभिकथन (A) :** भारत विश्व का दूसरा सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश है.
तर्क (R) : भारत में जनसंख्या वृद्धि के साथ बेरोजगारी की समस्या बढ़ रही है.
(A) I (B) II
(C) III (D) IV

निर्देश–(प्रश्न 12 से 14 तक) निम्नलिखित आँकड़े एक प्रकाशन संस्था की पाँच शाखाओं द्वारा दो वर्षों 2014 व 2015 में की गई पुस्तकों की बिक्री (हजार में) को दर्शाते हैं–

वर्ष	शाखाएं →				
	B_1	B_2	B_3	B_4	B_5
2014	68	87	90	63	52
2015	72	73	100	77	78

उपर्युक्त आँकड़ों पर आधारित प्रश्न सं. 12 से 14 तक का उत्तर दीजिए.

12. B_3 शाखा की दोनों वर्षों की कुल बिक्री सभी शाखाओं की दोनों वर्षों की कुल बिक्री का क्या प्रतिशत है ?
(A) 25% (B) 24%
(C) 22% (D) 20%

13. प्रकाशन संस्था की इन पाँच शाखाओं द्वारा, किताबों की औसत बिक्री (हजार में) वर्ष 2014 में कितनी है?
(A) 70 (B) 72
(C) 75 (D) 80

14. प्रकाशन संस्था की किस शाखा का, दो वर्षों की पुस्तकों की बिक्री (हजार में) का अन्तर सर्वाधिक है ?
(A) B_2 (B) B_3
(C) B_4 (D) B_5

15. आप एक क्षेत्र के पुलिस अधीक्षक हैं. आप एक बहुत आवश्यक कार्य के लिए जा रहे हैं. रास्ते में आपको एक व्यक्ति मिलता है, जो गम्भीर रूप से घायल है. आप क्या करेंगे ?
(A) उसे छोड़ देंगे और अपने गंतव्य की ओर बढ़ जाएंगे
(B) घायल व्यक्ति को अस्पताल ले जाएंगे

(C) अपने एक अधीनस्थ को आदेश देंगे कि वह आए और उस व्यक्ति को अस्पताल लेकर जाए

(D) एक टैक्सी किराए पर लेंगे, उस व्यक्ति को अस्पताल भेज देंगे तथा फिर अपने गंतव्य को जाएंगे.

16. **कथन :** सभी वैज्ञानिक मूर्ख हैं.
सभी मूर्ख अनपढ़ हैं.

निष्कर्ष :

I. सभी वैज्ञानिक अनपढ़ हैं.

II. सभी अनपढ़ वैज्ञानिक हैं.

III. सभी अनपढ़ मूर्ख हैं.

IV. कुछ अनपढ़ वैज्ञानिक होंगे.

(A) सिर्फ I व IV अनुसरण करते हैं

(B) सिर्फ II अनुसरण करता है

(C) सिर्फ III व IV अनुसरण करते हैं

(D) सिर्फ IV अनुसरण करता है

17. A ने B से कहा, "कल मैं अपनी दादी की पुत्रियों के इकलौते भाई से मिला." A किससे मिला ?

(A) चचेरा भाई (B) भाई

(C) भतीजा (D) पिता

18. **कथन :** "गोरे रंग के लिए 'रिया' कोल्ड क्रीम अपनाएं"–एक विज्ञापन.

पूर्वधारणा :

I. लोग गोरे रंग के लिए क्रीम का उपयोग करना पसन्द करते हैं.

II. लोग आसानी से मूर्ख बनते हैं.

III. लोग विज्ञापन के प्रति प्रतिक्रिया करते हैं.

(A) केवल I अन्तर्निहित है

(B) केवल I व II अन्तर्निहित हैं

(C) केवल I व III अन्तर्निहित हैं

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

19. **कथन :** आजकल बच्चे अपने अध्यापकों से अधिक प्रभावित होते हैं.

पूर्वधारणा :

I. बच्चे अध्यापकों को अपना आदर्श मानते हैं.

II. बच्चों का अधिकतम समय स्कूल में व्यतीत होता है.

(A) केवल I अन्तर्निहित है

(B) केवल II अन्तर्निहित है

(C) I व II दोनों अन्तर्निहित हैं

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

20. एक पूर्ण वर्ग के रूप में सबसे नजदीकी में आने वाला वर्ष है–

(A) 2018 (B) 2020

(C) 2025 (D) 2032

21. 123 से 321 तक 7 के गुणजों की संख्या है–

(A) 25 (B) 26

(C) 27 (D) 28

22. 10 संख्याओं का औसत 15 प्राप्त किया जाता है. बाद में पता चलता है कि औसत निकालते समय एक संख्या 36 को गलती से 26 लिखा गया था. सही औसत है–

(A) 20 (B) 18

(C) 16 (D) 14

23. आप बस में जा रहे हैं. बस आपके गन्तव्य स्थान पर पहुँच गई है, परन्तु अधिक भीड़ होने के कारण आपने अभी तक टिकट नहीं लिया है. आप क्या करेंगे ?

(A) शर्मिन्दगी से बचने के लिए शीघ्रता से बाहर कूद जाएंगे

(B) परिचालक को बुलाएंगे, उसे पैसे देंगे और टिकट ले लेंगे

(C) नजदीक बैठे किसी को पैसे दे देंगे, ताकि वह परिचालक को पैसे दे दे

(D) चालक को पैसे दे देंगे

24. बच्चों में मुफ्त कॉपियाँ समान रूप से बाँटी गईं. प्रत्येक बच्चे को मिलने वाली कॉपियों की संख्या कुल बच्चों की संख्या का आठवाँ भाग था. यदि बच्चों की संख्या आधी होती, तो प्रत्येक बच्चे को 16 कॉपियाँ मिलतीं. कुल कितनी कॉपियाँ वितरित की गईं ?

(A) 32 (B) 128

(C) 512 (D) 256

Directions—(Q. 25 to 27) Read the followng passage carefully and answer the questions given below :

What was his great power over the mind and heart of man due to ? Even we realise that his dominating passion was truth. That truth led him to proclaim without ceasing that good ends can never be attained by evil methods, that the end itself is distorted if the method pursued is bad. That truth led him to confess publicly whenever he thought he had made a mistake - Himalayan errors he called some of his own mistakes. That truth led him to fight evil and untruth wherever he found them, regardless of the consequences, that truth made the service of the poor and the dispossessed the passion of his life; for where there is inequality and discrimination and suppression, there is injustice and evil and untruth. And thus he became the beloved of all those who have suffered from social and political evils, and the great representative of humanity as it should be. Because of that truth in him where he sat became a temple and where he trod was hallowed ground.

25. According to the great man, described in the passage which one of the following is not true, if evil methods are adopted ?

(A) The good ends will never be attained

(B) There is a strong connection between ends and means

(C) The ends get distorted

(D) Evil methods can help to achieve good ends

26. 'Himalayan errors' in the passage stands for–

(A) errors that cannot be corrected

(B) serious errors

(C) minor errors

(D) None of the above

27. What makes the person described in the passage a great representative of humanity ?

(A) He never made mistakes

(B) While fighting evil, he always thought of consequences

(C) He made the service of the poor and dispossessed his passion of life

(D) He was indifferent to social and political evils

28. Which one of the given alternatives best expresses the underlined part of the sentence ? Nothing can be done when the whole system is paralysed by inertia.

(A) Corruption

(B) Weakness

(C) Politics

(D) Sluggishness

29. Out of the given alternatives, choose the one that correctly describes the meaning of the underlined phrase :

The love of his wife Bore him up in the midst of all his probems.

(A) sustained

(B) decided

(C) humbled
(D) None of the above

30. What is the antonym of 'complicate' ?
(A) Analyse (B) Easy
(C) Simplify (D) Complex

31. Out of the given alternatives, choose the one that can be substituted for the phrase — 'study of the origin and history of words'–
(A) Anthropology
(B) Morphology
(C) Linguistics
(D) Etymology

निर्देश–(प्रश्न 32 से 37 तक) निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर नीचे पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

आप शुद्ध हृदय से इस बात पर विचार करें कि माता, मातृभूमि और मातृभाषा का आप पर भी ऋण है. एक जननी आपको जन्म देती है, एक की गोद में खेलकूद कर और खा-पीकर आप पुष्ट होते हैं और एक आपको अपने भावों को प्रकट करने की शक्ति दे, आपके सांसारिक जीवन को सुखमय बनाती है. जिसका आप पर इतना उपकार है, इसके लिए कुछ करना क्या आपका परम कर्तव्य नहीं है ?

32. उपर्युक्त गद्यांश में 'शुद्ध हृदय से इस बात पर विचार करें' में 'शुद्ध' क्या है ?
(A) विशेषण (B) सर्वनाम
(C) संज्ञा (D) क्रिया

33. उपर्युक्त गद्यांश में किस जीवन को सुखमय बनाने का उल्लेख हुआ है ?
(A) सामाजिक (B) सांसारिक
(C) व्यक्तिगत (D) आर्थिक

34. उपर्युक्त गद्यांश में भाव प्रकटीकरण की शक्ति किसके द्वारा प्राप्त होती है ?
(A) जननी (B) पिता
(C) मातृभाषा (D) समाज

35. उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार खेल-कूद कर और खा-पीकर किसकी गोद में पुष्ट होते हैं ?
(A) जननी (B) पत्नी
(C) दादी (D) मातृभूमि

36. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक है–
(A) माता
(B) मातृऋण
(C) सुखमय जीवन
(D) कर्तव्य

37. उपर्युक्त गद्यांश में जिनका ऋण बताया गया है, उन्हें एक शब्द में लिखिए.
(A) समाज
(B) राष्ट्र
(C) मातृ
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

38. 'लाश' शब्द किस मूल भाषा का है ?
(A) अरबी (B) फारसी
(C) तुर्की (D) संस्कृत

39. 'इया' प्रत्यय से बना शुद्ध शब्द है–
(A) डबिया (B) डिबया
(C) डिबिया (D) डबीया

40. 'धनुष्टंकार' शब्द का संधि-विच्छेद है–
(A) धनुः + टंकार
(B) धनुष + टंकार
(C) धनु + स्टंकार
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

41. 'घनश्याम' शब्द में कौनसा समास है ?
(A) द्विगु (B) कर्मधारय
(C) बहुव्रीहि (D) तत्पुरुष

42. 'राजा' का पर्यायवाची शब्द नहीं है–
(A) भूपाल (B) धरणीधर
(C) भूपति (D) भूस्वामी

43. 'अंधी पीसे, कुत्ता खाय' लोकोक्ति का अर्थ है–
(A) हानि ही हानि होना
(B) अयोग्य शासक के कारण कुप्रशासन
(C) लाभ कम, हानि ज्यादा
(D) मालिक से दुश्मनी करना

44. 'बिनु पद चले, सुने बिनु काना' में कौनसा अलंकार है ?
(A) श्लेष (B) यमक
(C) रूपक (D) विभावना

45. 950 तथा 1050 के बीच कितनी संख्याएं 7, 8 और 14 से भाग देने पर शेषफल 6 देती हैं ?
(A) 1
(B) 3
(C) 4
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

46. $6^{18} \times 7^{11} \times 9^{13}$ के अविभाज्य गुणनखण्डों की संख्या है–
(A) 73 (B) 74
(C) 75 (D) 76

47. एक निश्चित कूट भाषा में 'PARENTS' को 'RCTGPVU' लिखा जाता है. उसी कूट भाषा में 'CHILDREN' को कैसे लिखा जाएगा ?
(A) EFJKCPCM
(B) EJKNFTGP
(C) DGJKCQDO
(D) MDGFKSNB

48. नीचे दिए गए समुच्चयों में से संख्याओं के उस समुच्चय को चुनिए जो समुच्चय (12, 20, 60) के समान है ?
(8, 12, 24), (15, 12, 90), (7, 11, 75), (6, 16, 90)
(A) (8, 12, 24)
(B) (15, 12, 90)
(C) (7, 11, 75)
(D) (6, 16, 90)

49. नीचे दी गई श्रेणी में लुप्त पद (?) ज्ञात कीजिए–
C1L, F4O, I9R, L16U, ?
(A) N25X (B) O25X
(C) N25Y (D) N20Z

50. नीचे दी गई श्रेणी में लुप्त पद (?) ज्ञात कीजिए–
1, 1, 3, 9, 6, 36, 10, 100, ?, 225
(A) 12 (B) 13
(C) 14 (D) 15

51. नीचे दी गई श्रेणी में लुप्त पद (?) ज्ञात कीजिए–
3624, 4363, 3644, 4563, 3664, ?
(A) 4363 (B) 4563
(C) 4763 (D) 4263

52. निम्नलिखित में प्रश्नवाचक चिह्न (?) के स्थान पर क्या आएगा ?

7	11	13
17	19	23
29	31	?

(A) 30 (B) 33
(C) 37 (D) 35

53. यदि $84 \oplus 72 = 45$
$63 \oplus 41 = 33$
तो $94 \oplus 82$ का मान है–
(A) 56 (B) 59
(C) 45 (D) 65

54. यदि $A + B = 2C$ तथा $C + D = 2A$, तब–
(A) $A + C = 2D$
(B) $A + C = B + D$
(C) $A + D = B + C$
(D) $A + C = 2B$

55. यदि $a = \sqrt{3} + 1$, तब $a^4 + \frac{16}{a^4}$ का मान है–

(A) 53 (B) 54
(C) 55 (D) 56

56. नीचे दिए गए शब्द

VENTURESOME

के अक्षरों से किस शब्द को बनाया जा सकता है ?

(A) ROSTRUM
(B) TRAVERSER
(C) SERMON
(D) SEVENTEEN

57. F, A का भाई है. C, A की पुत्री है. K, F की बहन है. G, C का भाई है. G का चाचा/मामा कौन है ?

(A) A (B) C
(C) F (D) K

58. एक घड़ी में 4 : 20 बजे, मिनट और घण्टे की सुई के बीच का कोण है–

(A) 5° (B) 10°
(C) 20° (D) 0°

59. किसी आयत जिसकी भुजाएं 18 सेमी व 14 सेमी हैं, में जो सबसे बड़ा वृत्त खींचा जा सकता है, उसका क्षेत्रफल है–

(A) 49 सेमी^{2} (B) 154 सेमी^{2}
(C) 378 सेमी^{2} (D) 1078 सेमी^{2}

60. एक पंक्ति में, A का स्थान शुरू से 18वाँ है, जबकि B का स्थान अन्त से 16वाँ है. यदि C का स्थान शुरू से 25वाँ हो और वह A तथा B के बिलकुल बीच में हो, तो पंक्ति में कुल कितने व्यक्ति हैं ?

(A) 47 (B) 46
(C) 45 (D) 48

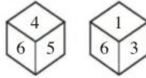
61. ट्रेन में एक आदमी ने ध्यान दिया कि वह 1 मिनट में 21 टेलीफोन-पोस्ट गिन सकता है. यदि अगल-बगल के प्रत्येक दो पोस्ट 50 मीटर की दूरी पर हों, तो ट्रेन किस गति से गतिमान है ?

(A) 55 किमी/घंटा
(B) 57 किमी/घंटा
(C) 60 किमी/घंटा
(D) 63 किमी/घंटा

62. यदि किसी विशेष कोड में 'DOWN' को '3@9#' तथा 'NAME' को '#6%5' लिखा जाता है, तो उस कोड में 'MODE' को कैसे लिखा जाएगा ?

(A) %653 (B) %@3#
(C) 6%53 (D) %@35

63. नीचे दिए गए चित्रों में एक पांसे की दो स्थितियाँ दर्शाई गई हैं. यदि ऊपर अंक '3' है तो नीचे का अंक ज्ञात कीजिए–



(A) 2
(B) 4
(C) 5
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

64. किसी प्रश्नोत्तरी में 'नहीं' की गणना – 1 है, 'हाँ' की गणना + 1 है तथा 'पता नहीं' की गणना 0 (शून्य) है, तो 5 'नहीं', 15 'हाँ' तथा 5 'पता नहीं' का औसत मान क्या है ?

(A) 0·04 (B) 0·4
(C) 4·0 (D) 40

65. निम्नलिखित में से उस एक को चुनिए, जो किसी नियम के अन्तर्गत अन्य से भिन्न है–

ताँबा, जस्ता, पीतल, लोहा

(A) जस्ता (B) ताँबा
(C) लोहा (D) पीतल

66. एक निरीक्षक 0·08% मीटरों को खराब होने के कारण रद्द कर देता है. 2 मीटरों को रद्द करने के लिए कितने मीटरों का परीक्षण करना होगा ?

(A) 1500 (B) 2000
(C) 2500 (D) 3500

67. एक घन के आयतन तथा उस घन के अन्दर समा जाने वाले सबसे बड़े गोले के आयतन का अनुपात होगा–

(A) $4 : \pi$ (B) $4 : 3\pi$
(C) $2 : \pi$ (D) $6 : \pi$

68. निम्नलिखित में से कौन गैर-मौखिक सम्प्रेषण से सम्बन्धित नहीं है ?

(A) शारीरिक हावभाव
(B) बातचीत
(C) चेहरे की अभिव्यक्ति
(D) प्रतीक

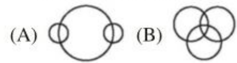
69. वह, जो मानता है कि सभी चीजें और जीवन की घटनाएं पूर्व निर्धारित होती हैं, है एक–

(A) भाग्यवादी (B) नैतिकतावादी
(C) अहंवादी (D) तानाशाह

70. यदि 8 दिसम्बर, 2007 को शनिवार था, तो 8 दिसम्बर, 2006 को सप्ताह का कौनसा दिन था ?

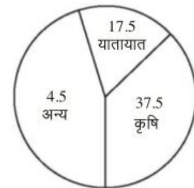
(A) शनिवार (B) शुक्रवार
(C) सोमवार (D) मंगलवार

71. नीचे दिए गए चित्रों में लाभ, लाभांश और बोनस को दर्शाने वाला सबसे अच्छा सम्बन्ध कौनसा है ?





72. नीचे दिया गया रेखाचित्र किसी वर्ष में अर्थव्यवस्था के कृषि, यातायात व अन्य क्षेत्रों पर किए गए प्रतिशत व्यय को दर्शाता है. यदि कृषि पर कुल व्यय ₹ 150 करोड़ हो, तो यातायात पर किया गया व्यय है–



(A) ₹ 70 करोड़ (B) ₹ 60 करोड़
(C) ₹ 40 करोड़ (D) ₹ 120 करोड़

73. नीचे दी गई सारणी में किसी वर्ष में किसी देश के अलग-अलग आय वर्ग के व्यक्तियों की संख्या दी गई है–

आय (हजार इकाई में)	व्यक्तियों की संख्या (लाखों में)
0-1	13
1-2	90
2-3	81
3-5	117

प्रति व्यक्ति औसत आय (हजार इकाई में) क्या है ?

(A) 26·9 (B) 2·69
(C) 16·9 (D) 3·96

74. किट्टू, मोहन व सोहन के बीच में है. राजू, सोहन के बायीं तरफ तथा श्याम, मोहन के दायीं तरफ है. यदि सोहन, मोहन के बाएं बैठा है और सभी उत्तर की तरफ मुँह करके बैठे हैं, तो सबसे दाएं कौन है ?

(A) किट्टू (B) मोहन
(C) सोहन (D) श्याम

75. एक व्यक्ति एक निश्चित बिन्दु से दक्षिण की ओर 15 मी चलता है. वहाँ से वह 12 मी उत्तर की ओर, तत्पश्चात् 4 मी पश्चिम की ओर चलता है. वह निश्चित बिन्दु से कितनी दूरी पर तथा किस दिशा में है ?

(A) 3 मी दक्षिण

(B) 7 मी दक्षिण पश्चिम

(C) 5 मी दक्षिण पश्चिम

(D) 5 मी दक्षिण पूर्व

76. किसी चित्र में एक स्त्री की ओर इंगित करते हुए, एक आदमी ने कहा, "इसकी माँ की माँ मेरे पिता की माँ है." आदमी का चित्र वाली स्त्री से क्या सम्बन्ध है ?

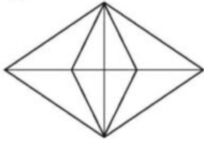
(A) चाचा

(B) ममेरा भाई

(C) पौत्र

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

77. नीचे दिए गए चित्र में कुल कितने त्रिभुज हैं ?



(A) 16

(B) 18

(C) 24

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

78. सात क्रमागत प्राकृतिक संख्याओं का योग 1617 है. इनमें से कितनी संख्याएं अभाज्य हैं ?

(A) 1 (B) 2

(C) 3 (D) 4

79. यदि $\frac{p}{q} = \frac{3}{11}$, तब $\frac{22p - 34q}{33p - 3q}$ बराबर है–

(A) $-\frac{16}{3}$ के (B) $-\frac{18}{3}$ के

(C) $-\frac{15}{3}$ के (D) $-\frac{14}{3}$ के

80. एक काल्पनिक भाषा में अंकों 0, 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 को a, b, c, d, e, f, g, h, i , j लिखा जाता है. यदि 10 को ba लिखा जाए, तो [dc × f – (bf – d) × d] का मान होगा–

(A) bcf (B) bce

(C) bea (D) bba

81. गुणनफल $1 \times 2 \times 3 \times 4 \times \ldots \times 50$ के अभाज्य गुणनखण्ड करने पर 2 कितनी बार आएगा ?

(A) 47

(B) 48

(C) 50

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

82. एक वर्ग के अन्तर्वृत्त तथा बहिर्वृत्त के क्षेत्रफलों का अनुपात क्या है ?

(A) 1 : 2 (B) $\sqrt{2} : 1$

(C) $\sqrt{2} : \sqrt{3}$ (D) $\sqrt{3} : 1$

83. यदि $x + y + z = 13$, तो $(x - 2)(y + 1)(z - 3)$ का अधिकतम मान क्या है ?

(A) 25 (B) 30

(C) 54 (D) 27

84. यदि निम्नलिखित शब्दों को वर्णानुक्रमानुसार व्यवस्थित किया जाए, तो कौनसा शब्द मध्य में आएगा ?

Electric, Elector, Elect, Election, Electrode

(A) Elector (B) Electric

(C) Election (D) Electrode

85. एक व्यक्ति योग कर रहा है और उसका सिर नीचे और पाँव ऊपर हैं. उसका मुँह पश्चिम की ओर है. उसका बायाँ हाथ किस दिशा में होगा ?

(A) पूर्व (B) पश्चिम

(C) उत्तर (D) दक्षिण

86. एक बल्लेबाज ने अपनी 20वीं पारी में 110 रन का स्कोर बनाया और उसने अपनी औसत में 4 रन की बढ़त की. 20वीं पारी के पश्चात् उसकी औसत क्या होगी ?

(A) 30 (B) 34

(C) 36 (D) 43

87. शब्द 'ALEP' के अक्षरों का प्रयोग करके अंग्रेजी के कितने अर्थपूर्ण शब्दों की रचना की जा सकती है ?

(A) 1

(B) 2

(C) 3

(D) तीन से अधिक

88. A, B का भाई है. C, A का भाई है. यदि B और C के बीच सम्बन्ध ज्ञात करना है, तो निम्न में से कौनसी सूचनाओं को जानना आवश्यक है ?

1. C का लिंग 2. B का लिंग

(A) या 1 या 2 (B) 1 और 2 दोनों

(C) केवल 1 (D) केवल 2

89. नीचे दिए गए शब्दों को तार्किक व सार्थक क्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए–

1. गरीबी 2. जनसंख्या

3. मृत्यु 4. बेरोजगारी

5. बीमारियाँ

(A) 2, 1, 4, 3, 5

(B) 2, 4, 1, 5, 3

(C) 1, 4, 2, 5, 3

(D) 1, 2, 3, 4, 5

90. निम्नलिखित में से कौनसा

1. ×, =, ÷ 2. =, ÷, ×

3. =, ×, ÷ 4. ÷, =, ×

क्रमशः ⊙, ⊕ तथा ⊙ को 90 ⊙ 6 ⊕ 8 ⊙ 2 में उचित रूप से प्रतिस्थापित करता है ?

(A) 1 (B) 2

(C) 3 (D) 4

91. छह व्यक्ति P, Q, R, S, T व U एक वृत्ताकार घेरे में परस्पर सम्मुख बैठे हैं. P, Q के सामने बैठा है. Q, T के दाहिनी ओर तथा R के बायीं ओर बैठा है. P, U के बायीं ओर तथा S के दायीं ओर बैठा है. R के विपरीत कौन बैठा है ?

(A) U

(B) T

(C) R

(D) निर्धारित नहीं किया जा सकता

92. **कथन :** सभी पुस्तकें पत्तियाँ हैं. कुछ पत्तियाँ वन हैं. कोई भी वन संदूक नहीं है.

निष्कर्ष :

I. कुछ वन पुस्तकें हैं.

II. कोई भी पुस्तक संदूक नहीं है.

III. कुछ पत्तियाँ संदूक हैं.

(A) केवल I अनुसरण करता है

(B) केवल II अनुसरण करता है

(C) केवल III अनुसरण करता है

(D) कोई अनुसरण नहीं करता है.

93. एक मोटर बोट को, जिसकी स्थिर पानी में गति 15 किमी/घण्टा है, पानी के बहाव की दिशा में 30 किमी जाकर वापस आने में 4 घण्टे 30 मिनट लगते हैं. पानी के बहाव की गति है (किमी/घण्टा में)–

(A) 10 (B) 6

(C) 5 (D) 4

94. आरती, सौम्या से बड़ी है. मुस्कान, आरती से बड़ी है लेकिन कशिश से छोटी है. कशिश, सौम्या से बड़ी है. सौम्या, मुस्कान से छोटी है. गार्गी सबसे बड़ी है. कौन सबसे छोटी है ?

(A) सौम्या (B) कशिश

(C) आरती (D) मुस्कान

95. दो पाइप एक टंकी को क्रमशः 10 घंटे व 12 घण्टे में भर देते हैं जबकि तीसरा पाइप टंकी को 20 घण्टे में खाली कर देता है. यदि तीनों पाइपों

को एक साथ परिचालित किया जाए, तो टंकी कितने समय में पूरी भर जाएगी ?

(A) 7 घण्टे 30 मिनट

(B) 7 घण्टे

(C) 6 घण्टे 30 मिनट

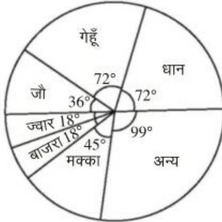
(D) 2 घण्टे

96. ₹ 1,200 में 10% वार्षिक ब्याज दर से एक वर्ष के वार्षिक साधारण ब्याज और चक्रवृद्धि ब्याज (यदि चक्रवृद्धि ब्याज छमाही हो) में अन्तर होगा–

(A) ₹ 2·50 (B) ₹ 3·00

(C) ₹ 4·00 (D) ₹ 6·00

निर्देश–(प्रश्न 97 से 100 तक) नीचे दिए गए पाई-चार्ट में किसी प्रदेश में विभिन्न खाद्य फसलों के अन्तर्गत जमीन का वितरण दर्शाया गया है. इस चार्ट का अध्ययन करके दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–



97. यदि गेहूँ की पैदावार, जौ की पैदावार से छह गुनी हो, तो प्रति एकड़ गेहूँ व जौ की पैदावार का अनुपात क्या होगा ?

(A) 2 : 1 (B) 2 : 3

(C) 3 : 2 (D) 3 : 1

98. यदि खाद्य फसलों के अन्तर्गत आने वाले पूरे क्षेत्रफल में 25% की बढ़ोतरी हो जाए और गेहूँ के अन्तर्गत आने वाला क्षेत्रफल 12·5% बढ़ जाए, तो नए पाई-चार्ट में गेहूँ के लिए बनाया जाने वाला कोण क्या होगा ?

(A) 76·8°

(B) 72°

(C) 64·8°

(D) 62·4°

99. किन फसलों का समूह खाद्य फसलों के अन्तर्गत आने वाली कुल जमीन के 50% क्षेत्र को दर्शाता है ?

(A) गेहूँ जो व ज्वार

(B) धान, गेहूँ व ज्वार

(C) धान, गेहूँ व जौ

(D) बाजरा, मक्का व धान

100. यदि ज्वार के अन्तर्गत कुल क्षेत्रफल 1·5 मिलियन एकड़ है, तो धान के अन्तर्गत कुल क्षेत्रफल (मिलियन एकड़ में) कितना होगा ?

(A) 4·5 (B) 6·0

(C) 7·5 (D) 9·0

उत्तर व्याख्या सहित

1. (B) $5 = 3 + 2$
$= 2 + 2 + 1$
$= 4 + 1$
$= 1 + 3 + 1$
$= 1 + 1 + 1 + 1 + 1$
$= 1 + 1 + 2 + 1$
$= 5 + 0$

2. (A) 3. (D) 4. (D)

5. (C) $17^{16} \times 17^{1} = \ldots\ldots 7$

तो, 17^{17} में इकाई के स्थान पर 7 आएगा.

6. (B) 7. (D) 8. (C) 9. (C) 10. (D)

11. (B)

12. (A) $\frac{190}{760} \times 100 = 25\%$

13. (B) $\frac{68 + 87 + 90 + 63 + 52}{5}$

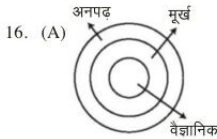
$= \frac{360}{5} = 72$

14. (D) $B_1 = 72{,}000 - 68{,}000$
$= 4{,}000$
$B_2 = 87{,}000 - 73{,}000$
$= 14{,}000$
$B_3 = 1{,}00{,}000 - 90{,}000$
$= 10{,}000$
$B_4 = 77{,}000 - 63{,}000$
$= 14{,}000$
$B_5 = 78{,}000 - 52{,}000$
$= 26{,}000$

B_5 में, दो वर्षों की पुस्तकों की बिक्री का अन्तर सर्वाधिक है.

15. (B)

16. (A)



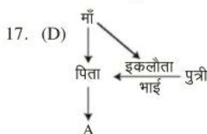
निष्कर्ष I अनुसरण करता है.

निष्कर्ष II अनुसरण नहीं करता है.

निष्कर्ष III अनुसरण नहीं करता है.

निष्कर्ष IV अनुसरण करता है.

17. (D)



A अपने पिता से मिला.

18. (C) 19. (A) 20. (C)

21. (D) 126, 133, 140, 147, 154, 161, 168, 175, 182, 189, 196, 203, 210, 217, 224, 231, 238, 245, 252, 259, 266, 273, 280, 287, 294, 301, 308, 315.

22. (C) कुल गणना $= 15 \times 10$
$= 150$

सही गणना $= 150 - 26 + 36$
$= 160$

$\therefore$ सही औसत $= \frac{160}{10} = 16$

23. (B)

24. (C) माना बच्चों की संख्या $= x$

तो $x \times \frac{1}{8} x = \frac{x}{2} \times 16$

$\Rightarrow x = 64$

कॉपियों की संख्या $= \frac{1}{8} x^2$
$= \frac{1}{8} \times 64 \times 64$
$= 512$

25. (D) 26. (B) 27. (C) 28. (D) 29. (A)

30. (C) 31. (D) 32. (A) 33. (B) 34. (C)

35. (D) 36. (B) 37. (C) 38. (B) 39. (C)

40. (B) 41. (C) 42. (A) 43. (B) 44. (D)

45. (D) संख्याएं हैं : 958, 1014

46. (A) $6^{18} \times 7^{11} \times 9^{13}$

अविभाज्य गुणनखंड

$= 2^{18} \times 3^{18} \times 7^{11} \times 3^{13} \times 3^{13}$

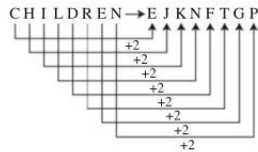
$= 2^{18} \times 7^{11} \times 3^{44}$

अविभाज्य गुणनखण्डों की संख्या

$= 18 + 11 + 44$

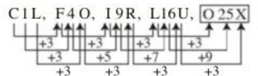
$= 73$

47. (B)



48. (A)

49. (B)



50. (D)

1, 1, 3, 9, 6, 36, 10, 100, 15, 225

$1^2 = 1$ $3^2 = 9$ $6^2 = 36$ $10^2 = 100$ $15^2 = 225$

51. (C)

3624, 4363, 3644, 4563, 3664, 4763

+20 +20

+200 +200

52. (D)

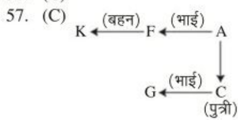
53. (A)
$$\begin{aligned} 8-4 &= 4, \\ 7-2 &= 5 \Rightarrow 45 \\ 6-3 &= 3, \\ 4-1 &= 3 \Rightarrow 33 \\ 9-4 &= 5, \\ 8-2 &= 6 \Rightarrow 56 \end{aligned}$$

54. (B)
$$\begin{aligned} A+B &= 2C \\ C+D &= 2A \end{aligned}$$
दोनों को जोड़ने पर,
$$\begin{aligned} A+B+C+D &= 2C+2A \\ \Rightarrow \quad B+D &= C+A \\ \text{या} \quad A+C &= B+D \end{aligned}$$

55. (D)
$$\begin{aligned} a^4 &= (a^2)^2 \\ \Rightarrow \quad a^2 &= (\sqrt{3}+1)^2 \\ &= (3+1+2\sqrt{3}) \\ &= (2\sqrt{3}+4) \\ a^4 &= (2\sqrt{3}+4)^2 \\ &= 12+16+16\sqrt{3} \\ &= 28+16\sqrt{3} \end{aligned}$$
तो, $\frac{a^4+16}{a^4} = (28+16\sqrt{3}) + \frac{16}{28+16\sqrt{3}}$
$$\begin{aligned} &= \frac{896\sqrt{3}+1552+16}{28+16\sqrt{3}} \\ &= \frac{896\sqrt{3}+1568}{28+16\sqrt{3}} \\ &= \frac{224\sqrt{3}+392}{7+4\sqrt{3}} \times \frac{7-4\sqrt{3}}{7-4\sqrt{3}} \\ &= \frac{56}{49-48} = 56 \end{aligned}$$

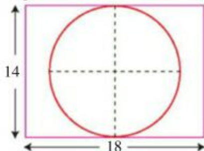
56. (C)

57. (C)



58. (B)

59. (B) वृत्त का क्षेत्रफल



$$\begin{aligned} &= \pi r^2 = \frac{22}{7} \times 7 \times 7 \\ &= 22 \times 7 \\ &= 154 \text{ वर्ग सेमी} \end{aligned}$$

60. (A) अभीष्ट संख्या
$$\begin{aligned} &= 18+16+12+1 \\ &= 47 \end{aligned}$$

61. (C) दिया है : पोस्टों की संख्या = 21
उनके बीच की दूरी = 50 मी
$$\begin{aligned} \Rightarrow \text{ कुल दूरी} &= 20 \times 50 \\ &= 1000 \text{ मी } = 1 \text{ किमी} \end{aligned}$$
लिया गया समय = 1 मिनट
$$\begin{aligned} &= \frac{1}{60} \text{ घण्टा} \\ \text{चाल} &= \frac{\text{दूरी}}{\text{समय}} \\ \Rightarrow \quad \text{चाल} &= \frac{1}{\frac{1}{60}} \\ &= 60 \text{ किमी/घण्टा} \end{aligned}$$

62. (D) MODE → %@35

63. (C)

64. (B) $\frac{-5+15+0}{5+15+5} = \frac{10}{25} = 0{\cdot}4$

65. (D)

66. (C) अर्थात् x का ·08% = 2
$$\begin{aligned} &\Rightarrow \left(\left(\frac{8}{100 \times 100 \times x}\right) = 2\right) \\ &\Rightarrow \quad x = \frac{2 \times 100 \times 100}{8} \\ &\Rightarrow \quad x = 2500 \end{aligned}$$

67. (D) अभीष्ट आयतन
$$\frac{a^3}{\frac{4}{3}\pi\left(\frac{a}{2}\right)^3} = \frac{a^3}{\frac{4}{3}\pi\frac{a^3}{8}} = \frac{6}{\pi}$$
$$= 6 : \pi$$

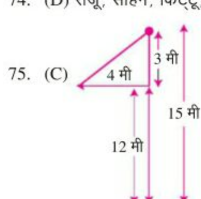
68. (B) 69. (A) 70. (B) 71. (C)

72. (A) दिया है, कृषि में कुल व्यय = ₹ 150
$$\begin{aligned} \Rightarrow \quad 37{\cdot}5\,x &= ₹\, 150 \text{ करोड़} \\ \Rightarrow \quad x &= ₹\, 4 \text{ करोड़} \end{aligned}$$
तब, यातायात में व्यय = $17{\cdot}5x$
$$\begin{aligned} &= 17{\cdot}5 \times 4 \\ &= ₹\, 70 \text{ करोड़} \end{aligned}$$

73. (B) प्रति व्यक्ति औसत आय (हजार इकाई में)
$$= \frac{13 \times 0{\cdot}5 + 90 \times 1{\cdot}5 + 81 \times 2{\cdot}5 + 117 \times 4}{301}$$
$$= \frac{812}{301} = 2{\cdot}69$$

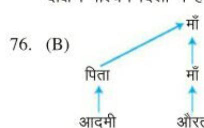
74. (D) राजू, सोहन, किट्टू, मोहन, श्याम

75. (C)



वह $\sqrt{9+16} = 5$ मी.
दक्षिण-पश्चिम दिशा में है,

76. (B)



77. (C)

78. (B) 229, 233

79. (D) माना $\phi = \frac{3}{11}q$

तो
$$\begin{aligned} \frac{22p-34q}{33p-3q} &= \frac{22 \times \frac{3}{11}q - 34q}{33 \times \frac{3}{11}q - 3q} \\ &= \frac{6q-34q}{9q-3q} \\ &= \frac{-28q}{6q} \\ &= -\frac{14}{3} \end{aligned}$$

80. (B) $[dc \times f - (bf - d) \times d]$
$= [32 \times 5 - (15-3) \times 3]$
$= [160 - 12 \times 3]$
$= 160 - 36$
$= 124 = \text{bce}$

81. (A) 82. (A)

83. (D) हम जानते हैं कि, AM ≥ GM
$$\begin{aligned} &\Rightarrow \frac{(x-2)(y+1)(z-3)}{3} \geq \sqrt[3]{(x-2)(y+1)(z-3)} \\ &\Rightarrow \frac{13-4}{3} \geq \sqrt[3]{(x-2)(y+1)(z-3)} \\ &\Rightarrow 3 \geq \sqrt[3]{(x-2)(y+1)(z-3)} \\ &\Rightarrow 27 \geq (x-2)(y+1)(z-3) \end{aligned}$$
तो, $(x-2)(y+1)(z-3)$ का अधिकतम मान = 27

84. (A) Elect, Election, Elector, Electric, Electrode.

85. (C)

86. (B) माना 20वीं पारी के पश्चात् औसत = x
तो, 19वीं पारी के बाद औसत = $(x-4)$
$$\begin{aligned} \therefore \quad 19(x-4)+110 &= 20x \\ \Rightarrow \quad 19x - 76 + 110 &= 20x \\ \Rightarrow \quad x &= 34 \text{ रन} \end{aligned}$$

87. (D) PALE, LEAP, PEAL, PLEA

88. (D) C $\xleftarrow{\text{भाई}}$ A $\xleftarrow{\text{भाई}}$ B

89. (B) 2, 4, 1, 5, 3 जनसंख्या, बेरोजगारी, गरीबी, बीमारियाँ, मृत्यु.

90. (*) दिए गए विकल्पों में से कोई उत्तर सही नहीं है.

शेष पृष्ठ 141 पर

सामान्य अभिरुचि

(द्वितीय प्रश्न-पत्र)

1. सरकार ने स्वच्छ भारत अभियान को लागू करने के लिए बहुत-से कदम उठाए हैं. इस आंदोलन का राजदूत बनने के लिए कई सुप्रसिद्ध व्यक्तियों से अनुरोध किया गया है. यह दर्शाता है कि–

(A) सुप्रसिद्ध व्यक्ति सरकार से बेहतर काम करेंगे

(B) सुप्रसिद्ध व्यक्ति इस कार्यक्रम को आर्थिक योगदान देंगे

(C) सुप्रसिद्ध व्यक्तियों के द्वारा और अधिक नागरिकों को इस कार्यक्रम के लिए प्रेरित किया जा सकता है

(D) सरकार इस कार्यक्रम को क्रिया-न्वित करने में बहुत गम्भीर नहीं है

2. सभी चमकने वाली वस्तुएँ (Glitters) सोना नहीं होतीं. इसका अर्थ है कि–

(A) किसी व्यक्ति को उसके रूप-रंग के आधार पर नहीं आँकना चाहिए

(B) किसी व्यक्ति के बारे में सही अनुमान उसके रूप-रंग से हमेशा हो जाता है

(C) एक कांतिवान व्यक्ति निश्चित रूप से अच्छा होता है

(D) एक कांतिवान व्यक्ति कभी अच्छा नहीं होगा

निर्देश–(प्रश्न 3 से 8 तक) निम्न-लिखित प्रत्येक प्रश्न में पहले एक कथन है और उसके नीचे दो पूर्वधारणाएँ I और II दी गई हैं. आपको दी गई पूर्वधारणाओं पर विचार करके तय करना है कि कौनसी पूर्वधारणा/ पूर्वधारणाएँ कथन में प्रभावशाली है/हैं. दिए गए विकल्पों में से एक सही उत्तर चुनिए.

3. **कथन :** आजकल नदियों का संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है.

पूर्वधारणा :

I. यह जल संकट को कम करेगा.

II. यह हमारे पारिस्थितिक जीवन-तन्त्र की रक्षा करेगा.

(A) पूर्वधारणा I प्रभावशाली है

(B) पूर्वधारणा II प्रभावशाली है

(C) दोनों ही पूर्वधारणाएँ I और II प्रभावशाली हैं

(D) न तो पूर्वधारणा I और न ही II प्रभावशाली है

4. **कथन :** बहुतसी सरकारी सेवाओं को अब सूचना के अधिकार (Right to Information) अधिनियम के अन्तर्गत लाया गया है.

पूर्वधारणा :

I. इससे और अधिक पारदर्शिता आएगी.

II. इससे और अधिक जबावदेही आएगी.

(A) पूर्वधारणा I प्रभावशाली है

(B) पूर्वधारणा II प्रभावशाली है

(C) दोनों ही पूर्वधारणाएँ I और II प्रभावशाली हैं

(D) न तो पूर्वधारणा I और न ही II प्रभावशाली है

5. **कथन :** सभी नागरिकों को निचले न्यायालय के निर्णयों को उच्च न्यायालय में चुनौती देने का अधिकार है.

पूर्वधारणा :

I. निचले न्यायालय कुशल नहीं हैं, जबकि उच्च न्यायालय बेहतर हैं.

II. निर्णय में त्रुटि की सम्भावना हो सकती है.

(A) पूर्वधारणा I प्रभावशाली है

(B) पूर्वधारणा II प्रभावशाली है

(C) दोनों ही पूर्वधारणाएँ I और II प्रभावशाली हैं

(D) न तो पूर्वधारणा I और न ही II प्रभावशाली है

6. **कथन :** बहुत से देशों में संसदीय लोकतन्त्र (Democracy) काम करता है.

पूर्वधारणा :

I. यह जनता की समग्र राय का प्रतिनिधित्व करता है.

II. यह हमेशा लोगों की आकांक्षाओं को परिपूर्ण करता है.

(A) पूर्वधारणा I प्रभावशाली है

(B) पूर्वधारणा II प्रभावशाली है

(C) दोनों ही पूर्वधारणाएँ I और II प्रभावशाली हैं

(D) न तो पूर्वधारणा I और न ही II प्रभावशाली है

7. **कथन :** लगभग सभी नियुक्तियों में पहले के एक अथवा दो वर्ष परिवीक्षा के होते हैं और नौकरी का स्थायीकरण परिवीक्षा की अवधि के बाद होता है.

पूर्वधारणा :

I. नियोक्ता को कर्मचारी के बारे में ज्यादा पता नहीं होता.

II. नियोक्ता परिवीक्षा अवधि के दौरान अधिक काम करवाना चाहता है.

(A) पूर्वधारणा I प्रभावशाली है

(B) पूर्वधारणा II प्रभावशाली है

(C) दोनों ही पूर्वधारणाएँ I और II प्रभावशाली हैं

(D) न तो पूर्वधारणा I और न ही II प्रभावशाली है

8. **कथन :** आजकल कई प्रवेश परीक्षाएँ 'ऑफलाइन' से 'ऑनलाइन' परीक्षाओं में धीरे-धीरे परिवर्तित हो रही हैं.

पूर्वधारणा :

I. ऑनलाइन प्रणाली अधिक कुशल है.

II. ऑनलाइन प्रणाली और अधिक रोजगार के अवसर पैदा करती है.

(A) पूर्वधारणा I प्रभावशाली है

(B) पूर्वधारणा II प्रभावशाली है

(C) दोनों ही पूर्वधारणाएँ I और II प्रभावशाली हैं

(D) न तो पूर्वधारणा I और न ही II प्रभावशाली है

निर्देश–(प्रश्न 9 से 12 तक) निम्न-लिखित प्रत्येक प्रश्न में पहले एक कथन है और उसके नीचे दो तर्क I और II दिए गए हैं. आपको दिए गए तर्कों पर विचार करके तय करना है कि कौनसा/से तर्क प्रभावशाली है/हैं. दिए गए विकल्पों में से एक सही उत्तर चुनिए.

9. **कथन :** मेट्रो शहरों के सभी घरों में जल आपूर्ति में कमी है. यह आंशिक रूप से पाइपलाइनों में जल के भारी रिसाव (Leakage) के कारण है.

तर्क :

I. अनुरक्षण 24 × 7 होना चाहिए और जल-रिसाव को बन्द करना चाहिए.

II. हमको और अधिक जल उसी अथवा कम खर्चे पर पम्प करना चाहिए.

(A) तर्क I प्रभावशाली है

(B) तर्क II प्रभावशाली है

(C) तर्क I और II दोनों प्रभावशाली हैं

(D) न तो तर्क I और न ही II प्रभावशाली है

10. **कथन :** ड्राइविंग के समय मोबाइल फोनों के उपयोग पर प्रतिबन्ध लगा दिया जाना चाहिए.

तर्क :

I. हाँ, इसके कारण सड़क दुर्घटनाएँ (Road accidents) होती हैं.

II. नहीं, इससे व्यापार में बाधा आएगी.

(A) तर्क I प्रभावशाली है

(B) तर्क II प्रभावशाली है

(C) तर्क I और II दोनों प्रभावशाली हैं

(D) न तो तर्क I और न ही II प्रभावशाली है

11. **कथन :** बहुतसे राज्यों में 6 वर्ष की आयु से कम के बच्चों को कक्षा I में भर्ती नहीं किया जा सकता.

तर्क :

I. बच्चे में आवश्यक मानसिक और शारीरिक (Mental and Physical) विकास होना चाहिए.

II. प्रारम्भिक वर्षों में बच्चे को अपने माता-पिता के साथ होना चाहिए.

(A) तर्क I प्रभावशाली है

(B) तर्क II प्रभावशाली है

(C) तर्क I और II दोनों प्रभावशाली हैं

(D) न तो तर्क I और न ही II प्रभावशाली है

12. **कथन :** क्या शिक्षा को कक्षा XII तक के सभी बच्चों के लिए अनिवार्य कर देना चाहिए?

तर्क :

I. नहीं, इससे विद्यालय की शिक्षा को बीच में ही छोड़ने वाले बच्चों को रोजगार देने वाले उद्योगों पर प्रभाव पड़ेगा.

II. हाँ, विद्यालय की शिक्षा, उच्च शिक्षा और बेहतर भविष्य के लिए आधार बनाती है.

(A) तर्क I प्रभावशाली है

(B) तर्क II प्रभावशाली है

(C) तर्क I और II दोनों प्रभावशाली हैं

(D) न तो तर्क I और न ही II प्रभावशाली है

13. नीचे दी गई तालिका के स्तम्भों के अंकों में एक निश्चित सम्बन्ध पर विचार कीजिए–

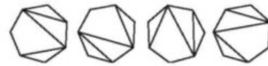
6	18	15
4	3	x
3	2	5
8	27	9

कौनसा अंक 'x' के स्थान पर लुप्त है?

(A) 11 (B) 2

(C) 6 (D) 3

14. निम्नलिखित चित्रों में से कौनसा एक बेमेल है?



(1) (2) (3) (4)

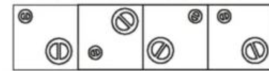
(A) (1) (B) (2)

(C) (3) (D) (4)

15. चित्र (P), (Q), (R), (S) में एक विशेष लक्षण की समानता है. नीचे चित्र (1), (2), (3), (4) में से किसी एक चित्र की पहचान कीजिए, जिसमें उसी लक्षण की समानता हो.



(P) (Q) (R) (S)



(1) (2) (3) (4)

(A) (1) (B) (2)

(C) (3) (D) (4)

16. एक ऊर्ध्वाकार दर्पण (Vertical Mirror) में निम्नलिखित शब्द के प्रतिबिम्ब को पहचानिए–

INDORE

दर्पण

(A) INDOЯƎ

(B) IИDOЯƎ

(C) INDORE

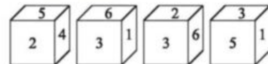
(D) ƎЯODИI

17. मान लीजिए कि (i) अभय, भास्कर से लम्बा है; (ii) चन्द्र अभय से लम्बा है; (iii) ईश्वर, चन्द्र से लम्बा है, और धीरज सबसे लम्बा है. यदि इन सबको उनकी लम्बाई के अनुसार बैठाया जाता है, तो मध्य स्थान पर कौन बैठेगा?

(A) अभय (B) भास्कर

(C) चन्द्र (D) धीरज

18. जब एक पासे (Dice) को चार बार फेंका जाता है, तो प्रत्येक बार निम्न परिणाम आते हैं–



निम्न संख्याओं में से कौनसी संख्या पाँसे में '3' के विपरीत पार्श्व में है?

(A) 1 (B) 4

(C) 5 (D) 6

19. एक विशेष संकेत भाषा में, DAM को WZN लिखा जाता है. उसी संकेत भाषा में TABLE को कैसे लिखा जाएगा ?

(A) GZYOV (B) EYXNU

(C) FZXNU (D) HZANW

निर्देश–(प्रश्न 20 से 23 तक) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर उत्तर दीजिए :

दो परिवार के लोग एक गोल मेज के चारों तरफ बैठकर रात के खाने का आनन्द ले रहे हैं. ये सब लोग इस प्रकार से बैठे हैं कि सबका मुख मेज के केन्द्र की तरफ है और किसी भी दो बगल के लोगों के बीच की दूरी एकसमान है. दोनों परिवारों का विवरण नीचे दिया गया है :

परिवार I : अरुण (पति) आशा (पत्नी) अरूप (पुत्र) अंजली (पुत्री)

परिवार II : भास्कर (पति) बीना (पत्नी) बीजू (पुत्र) बृंदा (पुत्री)

ऊपर के लोगों के बैठने का विवरण निम्नलिखित है–

- अरुण और भास्कर ठीक आमने-सामने बैठे हैं.
- आशा और बीना ठीक आमने-सामने बैठी हैं.
- आशा मेज के सबसे पूर्वी स्थान पर बैठी है.
- भास्कर अपनी पत्नी के ठीक दाहिनी तरफ बैठा है.
- पुत्र अपने-अपने पिताओं के बगल में बैठे हैं.
- पुत्रियाँ अपनी-अपनी माताओं के बगल में बैठी हैं.

20. मेज के सबसे उत्तरी स्थान पर कौन बैठा है?

(A) बीजू (B) अरूप

(C) भास्कर (D) अरुण

21. बीजू के दाहिनी तरफ कौन बैठा है?

(A) अंजली (B) बृंदा

(C) अरुण (D) भास्कर

22. भास्कर के ठीक बगल में बैठे लोग हैं–

(A) बीजू और आशा

(B) बीजू और बीना

(C) अरूप और बीना

(D) बीजू और बृंदा

23. बीना के ठीक उत्तर-पूर्व दिशा में कौन बैठा है?

(A) अरूप (B) बीजू
(C) अंजली (D) बृंदा

24. एक गोल डायल वाली घड़ी में घण्टा, मिनट और सेकण्ड की तीन सुइयाँ हैं. तीनों सुइयाँ 12 : 00 बजे ठीक एक के ऊपर एक होती हैं. 12 : 10 बजे घण्टा और सेकण्ड वाली सुइयों के बीच का कोण कितने डिग्री होगा?

(A) 25 (B) 2
(C) 5 (D) 55

25. कंचन बिन्दु A पर खड़ा है और उसका मित्र कुमार बिन्दु B पर खड़ा है जो कंचन के ठीक पूर्व दिशा में है. कंचन सीधे उत्तर दिशा की ओर चलना आरम्भ करता है. ठीक उसी समय कुमार भी कंचन की दोगुनी गति से सीधे चलना आरम्भ कर देता है. कंचन के 5 किमी चलने के बाद, कंचन और कुमार दोनों एक-दूसरे से मिल जाते हैं. A और B के बीच की दूरी कितनी है?

(A) $5\sqrt{3}$ किमी (B) $3\sqrt{5}$ किमी
(C) $2\sqrt{3}$ किमी (D) $3\sqrt{2}$ किमी

26. यदि $6 \times 4 = 12, 7 \times 5 = 20, 5 \times 8 = 21$, तब $5 \times 7 = ?$

(A) 20 (B) 18
(C) 24 (D) 35

निर्देश–(प्रश्न 27 एवं 28) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर उत्तर दीजिए :

छः व्यक्ति (A, B, C, D, E और F) एक उपन्यास को पढ़ते हैं, लेकिन उनके पास पुस्तक की केवल एक ही प्रति है. इसलिए उपन्यास को पढ़ने की विधि को ध्यान से देखने पर निम्नलिखित बातें सामने आती हैं–

- दो व्यक्तियों ने E से पहले उपन्यास को पढ़ लिया है.
- C अंतिम व्यक्ति को उपन्यास देता है.
- F के पढ़ने के पहले, B और D ने उपन्यास को पढ़ना समाप्त कर दिया है.
- A और F के बीच तीन व्यक्ति हैं, जो पुस्तक पढ़ चुके हैं.
- A को D से उपन्यास नहीं मिलता.

27. उपन्यास को पढ़ने वाला पहला व्यक्ति कौन है?

(A) D (B) A
(C) B (D) F

28. उपन्यास को पढ़ने वाला चौथा व्यक्ति कौन था?

(A) D (B) A
(C) B (D) F

29. आज, पिता की उम्र अपने पुत्र की उम्र से दोगुनी है. बीस साल बाद पिता की उम्र, अपने पुत्र की आज की उम्र से तीन गुनी हो जाएगी. आज पुत्र की उम्र कितने वर्ष है?

(A) 10 वर्ष (B) 20 वर्ष
(C) 30 वर्ष (D) 40 वर्ष

30. एक विशेष पासा इस प्रकार से बनाया गया है कि प्रत्येक पार्श्व पर 1 से 6 तक की संख्याओं में से एक संख्या अंकित है. इस पासे को फेंकने के बाद यह स्थिर हो जाता है. इस स्थिति में यह देखा गया कि ऊपर और नीचे वाले पार्श्व को छोड़कर, सभी पार्श्वों की संख्याओं का योग 10 के बराबर आता है. पासे के ऊपर और नीचे वाले पार्श्वों पर कौनसी संख्याएँ होंगी?

(A) 4 और 5 (B) 4 और 6
(C) 5 और 6 (D) 2 और 6

31. एक कार्यालय में कक्षों की संख्या विषम (Odd number) है. हर एक कक्ष में पंखे एवं बल्ब लगे हैं. हर एक कक्ष में लगे बल्बों की संख्या, उस कक्ष में लगे पंखों की संख्या की दोगुनी है. सारे कक्षों में बल्बों की संख्या समान है. सारे कक्षों के कुल पंखों व बल्बों की संख्या मिलाकर तीस है. कार्यालय में कुल कक्षों की संख्या कितनी है?

(A) 3 (B) 5
(C) 7 (D) 9

32. जिरॉक्स मशीन से एक पेज पर बने एक चित्र को मूल आकार से कम करके 75% कर दिया गया. इस प्रतिलिपि को फिर 20% और छोटा किया गया. अंतिम प्रतिलिपि में मूल चित्र के कितने प्रतिशत का आकार था?

(A) 15 (B) 10
(C) 12 (D) 18

33. एक दो-अंकीय संख्या का वर्गमूल लेने पर रूढ़ संख्या आती है. ऐसी संख्या के दोनों अंकों का योग है–

(A) 8 (B) 13
(C) 10 (D) 15

34. एक के बाद एक आने वाली पाँच संख्याओं का योग 665 से अधिक लेकिन 675 से कम है. इन पाँच संख्याओं के सेट में सम संख्याओं का योग है–

(A) 406 (B) 404
(C) 402 (D) 400

35. एक टोकरी में लाल और नीली गेंदें हैं. इस टोकरी में से यदि एक लाल और एक नीली गेंद निकाल दी जाए, तो शेष गेंदों में लाल गेंदों की संख्या नीली गेंदों की संख्या से दुगुनी हो जाती है. इसके बाद बची हुई गेंदों में से 3 लाल और 3 नीली गेंदें और निकाल दी जाती हैं. अवशेष लाल गेंदों की अंतिम संख्या, शेष नीली गेंदों की अंतिम संख्या से तीन गुनी पाई जाती है. टोकरी की आरम्भिक स्थिति में नीली गेंदों की संख्या है–

(A) 7 (B) 13
(C) 14 (D) 26

36. एक झील (Lake) से एक शहर को जल आपूर्ति होती है. यह देखा गया है कि पहले और दूसरे महीने में शहर एक ही मात्रा में जल का उपभोग करता है. अगले चार महीनों में जल उपभोग की मासिक दर, पहले दो महीनों की तुलना में आधी रह जाती है. इसके बाद यह पर्यवेक्षित किया गया कि झील में शेष जल, आरम्भिक मूल आयतन का आधा है. दूसरे महीने में उपभोग किए गए जल और झील के आरम्भिक जल के आयतन का अनुपात है–

(A) $\frac{1}{6}$ (B) $\frac{1}{8}$
(C) $\frac{1}{12}$ (D) $\frac{1}{10}$

37. किसी संख्या के घन और वर्ग में अन्तर, उसकी दुगनी संख्या के वर्ग के बराबर देखा गया संख्या है–

(A) 4 (B) 5
(C) 6 (D) 8

38. रमेश अपनी मासिक आय का 40% आहार पर खर्च करता है. अपने पास बचे शेष धन से वह 10% फोन के बिल पर, 20% बिजली के बिल पर और 10% कपड़े धुलाई के बिल पर खर्च करता है. इन सब खर्चों के बाद उसके पास ₹ 7,200 बच जाते हैं. रमेश की मासिक आय है–

(A) ₹ 16,364 (B) ₹ 36,000
(C) ₹ 20,000 (D) ₹ 22,909

39. एक घड़ी का वर्तमान चिह्नित मूल्य उसकी असली निर्माण लागत से 20% अधिक है. यदि दुकानदार घड़ी को चिह्नित मूल्य से 10% कम कीमत पर बेचने का निर्णय लेता है, तो दुकानदार कितने प्रतिशत लाभ कमाएगा ?

(A) 8 (B) 10
(C) 12 (D) 14

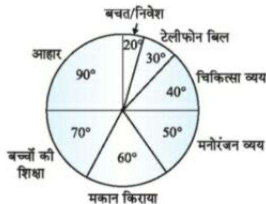
40. तीन संख्याओं का एक अनुक्रम इस प्रकार से बनाया गया है कि अनुक्रम की अगली संख्या, पिछली संख्या का वर्ग है. इस अनुक्रम में तीन संख्याओं के कुल योग का परिमाण 50 और 99 के बीच में है. योग के पहले और दूसरे अंकों के अनुपात का परिमाण कितना है?
(A) 2 (B) 0·5
(C) 3 (D) 0·33

41. चार व्यक्तियों P, Q, R और S का औसत भार 40 किग्रा है. Q का भार P से दुगना, S का भार R से 10 किग्रा कम और Q तथा R के भार में अन्तर 55 किग्रा है. P और S का किग्रा में भार है, क्रमशः–
(A) 15 और 40 (B) 40 और 15
(C) 25 और 80 (D) 80 और 25

42. एक कक्षा का औसत अंक 40 है. कक्षा के एक छात्र को हटाने पर यह पाया गया कि कक्षा का नया औसत 30 हो जाता है. यह भी देखा गया कि इन बचे हुए छात्रों के अंकों का कुल योग, पूर्ण कक्षा के कुल योग का 60% है. कक्षा में कुल छात्रों की संख्या है–
(A) 10 (B) 8
(C) 5 (D) 4

43. एक रसायन-विज्ञानी द्वारा एक घोल तैयार किया गया, जिसमें जल का आयतन, कुल आयतन का 30% है. इस घोल में 5 लिटर जल डालने पर यह देखा गया कि जल का आयतन बढ़कर 40% हो गया है. प्रारम्भिक घोल में जल कितने लिटर था?
(A) 35 (B) 30
(C) 14 (D) 9

निर्देश–(प्रश्न 44 से 48 तक) निम्न-लिखित पाई चार्ट का अध्ययन करने के बाद उत्तर दीजिए. यह पाई चार्ट ₹ 36,000 मासिक आय वाले परिवार के प्रतीकात्मक मासिक बजट को दिखाता है.



44. आहार और चिकित्सा के खर्चे के लिए बजट की राशियों का अन्तर कितना है ?
(A) ₹ 18,000 (B) ₹ 14,400
(C) ₹ 5,000 (D) ₹ 9,000

45. उस परिवार ने वर्तमान महीने में टेलीफोन बिल पर ₹ 3,800 खर्च किए. मान लीजिए बाकी सभी खर्चे यदि बजट के अनुसार हैं, तो परिवार ने इस वर्तमान महीने में कितने रुपए बचत/निवेश किए?
(A) ₹ 2,000 (B) ₹ 1,200
(C) ₹ 2,800 (D) ₹ 7,200

46. किसी विशेष महीने में उस परिवार ने ₹ 4,500 आहार पर खर्च किए. इस माह बजट राशि का कितना प्रतिशत आहार पर खर्च किया गया?
(A) 40 (B) 50
(C) 60 (D) 80

47. किसी विशेष महीने में उस परिवार ने मनोरंजन की बजट राशि का केवल 80% खर्च किया, तो व्यय है–
(A) ₹ 4,600 (B) ₹ 4,000
(C) ₹ 14,400 (D) ₹ 14,600

48. नवम्बर के महीने में परिवार का वेतन, पिछले महीने के मकान किराया, बच्चों की शिक्षा और टेलीफोन बिल के लिए कुल बजट की राशि के बराबर बढ़ जाता है. नवम्बर महीने के दौरान परिवार मकान किराया और बच्चों की शिक्षा के लिए पिछले वेतन (बढ़ने के पहले) पर आधारित बजट राशि के एकदम बराबर खर्च करता है. नवम्बर में बढ़े हुए वेतन के आधार पर, मकान किराए और बच्चों की शिक्षा पर कुल मिलाकर कितने प्रतिशत व्यय किया गया?
(A) 10 (B) 15
(C) 20 (D) 25

49. किसी दो-अंकीय संख्या का वर्गमूल, उसके दोनों अंकों के जोड़ के बराबर है. एक कक्षा के कुल विद्यार्थियों की संख्या ऐसी ही दो-अंकीय संख्या है. कक्षा में प्रेमा का स्थान ऐसा है कि उसके नीचे के विद्यार्थियों की संख्या, उसके ऊपर के विद्यार्थियों की संख्या की चार गुनी है. कक्षा में प्रेमा का स्थान है–
(A) 13 (B) 15
(C) 17 (D) 19

50. वरुण 5 किमी की दूरी 30 किमी प्रति घण्टा की चाल से तय करता है. फिर अगले 10 किमी की दूरी वह 40 किमी प्रति घण्टा की चाल से तय करता है. अंततः वह आखिरी 35 किमी की दूरी 60 किमी प्रति घण्टा की चाल से तय करता है. पूरी यात्रा के दौरान वरुण की औसत चाल, किमी प्रति घण्टा में, है–
(A) 35 (B) 40
(C) 45 (D) 50

51. आप एक पुलिस अधिकारी (Police Officer) हैं. एक मरीज का अस्पताल में निधन हो गया है और रिश्तेदारों को लगता है कि इसका जिम्मेदार डॉक्टर है. आपको सूचित किया जाता है कि रिश्तेदार डॉक्टर पर हमला कर रहे हैं. आप क्या करेंगे?
(A) हमला समाप्त होने तक प्रतीक्षा करेंगे
(B) तुरन्त अस्पताल पहुँचेंगे और रिश्तेदारों को डॉक्टर पर हमला करने से रोकेंगे
(C) अपने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करेंगे और आदेश की प्रतीक्षा करेंगे
(D) अपने अधीनस्थों को कुछ समय बाद अस्पताल का दौरा करने के लिए कहेंगे

52. आप एक निजी अस्पताल में डॉक्टर हैं. आपके पास ऐसा मरीज आता है जिसके पास कुछ लाख की बीमा सुरक्षा है. आपके सहयोगी कुछ ऐसे परीक्षणों के लिए आदेश देना चाहते हैं जोकि वास्तव में आवश्यक नहीं हैं. आप क्या करेंगे?
(A) अपने सहयोगी को परीक्षण के लिए आदेश की अनुमति देंगे
(B) अपनी तरफ से कुछ और परीक्षणों का सुझाव देंगे
(C) अपने सहयोगी की सूची से कुछ परीक्षणों को कम कर देंगे
(D) केवल आवश्यक परीक्षणों के लिए आदेश देंगे और अपने सहयोगी को ऐसा करने की आवश्यकता के प्रति संवेदनशील बनाएंगे

53. आप नगर निगम में एक अधिकारी हैं. एक गैर-सरकारी संगठन के कुछ स्वयंसेवकों ने एक विद्यालय में चित्रकारी कर दी है, मगर उन्होंने चित्रकारी के पहले आपसे अनुमति नहीं ली. आप क्या करेंगे?
(A) स्वयंसेवकों (Volunteers) के खिलाफ कठोर कानूनी कार्यवाही करेंगे
(B) स्वयंसेवकों से मिलेंगे और समझाएंगे कि अनुमति लेना क्यों आवश्यक है और पूर्वप्रभावी अनुमति दे देंगे

(C) स्वयंसेवकों को चित्रकारी को साफ कर पूर्ववत् करने को कहेंगे

(D) सरकारी सम्पत्ति को विरूप करने के आरोप में स्वयंसेवकों को गिरफ्तार करेंगे

54. आप एक सरकारी अधिकारी हैं. आपके ऊपर स्थानीय राजनीतिक गुट के द्वारा अपने एक अधीनस्थ का स्थानान्तरण करने के लिए दबाव डाला जा रहा है, क्योंकि उसने उनके नेता को ठेका देने से मना कर दिया. आप क्या करेंगे?

(A) अपने सहयोगी के निर्णय का समर्थन करेंगे और उसका स्थानान्तरण नहीं करेंगे

(B) सहयोगी का स्थानान्तरण कर देंगे ताकि राजनीतिक गुट आपके लिए मुसीबत न पैदा करे

(C) अपने सहयोगी को छुट्टी पर जाने को कहेंगे और उसकी अनुपस्थिति में राजनीतिक गुट के नेता का पक्षपात करेंगे

(D) अन्य राजनीतिक गुटों को इस दबाव के बारे में सूचित करेंगे ताकि राजनीतिक दबाव हट जाए

55. आप एक सरकारी अधिकारी हैं. आपसे आर.टी.आई. (RTI) अधिनियम के अन्तर्गत कुछ जानकारी माँगी गई है. आपको विश्वास है कि आप जानकारी माँगने वाले व्यक्ति को जानते हैं और आप आश्वस्त हैं कि जानकारी का दुरुपयोग किया जाएगा. आप क्या करेंगे?

(A) आप जानकारी न देने के लिए एक उपाय ढूँढ़ेंगे

(B) जानकारी दे देंगे

(C) गलत जानकारी देंगे ताकि उसके दुरुपयोग की सम्भावना को कम-से-कम किया जा सके

(D) जानकारी देने में जितनी सम्भव हो सके उतनी देरी करेंगे

56. आप एक कम्पनी की सलाहकार परिषद् के सदस्य हैं, जिसके विरुद्ध एक शिकायत दर्ज कराई गई है. स्थानीय नगर निगम ने आपको तथ्यान्वेषी समिति का एक सदस्य बना दिया है. आप क्या करेंगे?

(A) समिति का काम स्वीकार करने से पहले परिषद् की सदस्यता से त्यागपत्र दे देंगे

(B) हितों के टकराव का हवाला देते हुए समिति की सदस्यता अस्वीकार कर देंगे

(C) उपर्युक्त विकल्पों में से (A) अथवा (B)

(D) समिति की सदस्यता को स्वीकार करेंगे ताकि समिति की रिपोर्ट कम्पनी के अनुकूल हो

57. आप एक शैक्षिक संस्थान के शासी मंडल के सदस्य हैं. आप स्थानीय नगर निगम के भी सदस्य हैं. शासी मंडल के अन्य सदस्य आपसे आग्रह करते हैं कि आप नगर निगम में अपनी सदस्यता का उपयोग शैक्षिक संस्थान को बढ़ावा देने में करें. आप क्या करेंगे?

(A) इनकार कर देंगे, क्योंकि यह अनैतिक है

(B) बढ़ावा देने को सहमत हो जाएंगे, परन्तु किसी तरह की पहल नहीं करेंगे

(C) बढ़ावा देने को सहमत हो जाएंगे और सक्रिय कदम उठायेंगे

(D) सार्वजनिक रूप से इनकार कर देंगे, परन्तु निजी रूप से सक्रिय बढ़ावा देंगे

58. आप एक प्रकाशन में स्वतन्त्र (Free-lance) पत्रकार हैं. आपका एक मित्र अपने उत्पाद को बढ़ावा देना चाहता है और आपको धन का प्रस्ताव देता है, यदि आप उसकी प्रचार सामग्री अपने नाम से प्रकाशित करें. आप क्या करेंगे?

(A) प्रकाशित करने को तैयार हो जाएंगे, लेकिन धन लेने से मना कर देंगे, क्योंकि आप अपने मित्र की सहायता कर रहे हैं

(B) बढ़ावा देने को तैयार हो जाएंगे और धन ले लेंगे

(C) सहमत नहीं होंगे, क्योंकि यह अनैतिक है

(D) सहमत नहीं होंगे; अपने मित्र को किसी दूसरे पत्रकार के पास भेज देंगे

59. आप एक सिनेमाघर में हैं. चलचित्र के पहले राष्ट्रगान बजाया जाता है. जब राष्ट्रगान चल रहा होता है, तो भी कुछ कॉलेज के छात्र सीटों पर बैठे हैं और बात कर रहे हैं. आप क्या करेंगे?

(A) छात्रों से मारपीट करेंगे

(B) उनका चित्र लेकर फेसबुक पर डाल देंगे

(C) उनसे बातचीत न करने का अनुरोध करेंगे और पूछेंगे कि उनको खड़े होने में कोई कठिनाई है

(D) चलचित्र प्रदर्शन बन्द करवा देंगे जब तक कि छात्रों को हॉल से हटा नहीं दिया जाता

60. आपकी प्रयोगशाला में सहायक के रूप में काम करने वाला एक व्यक्ति गरीब परिवार से आता है और वास्तव में पीएच.डी. करने को इच्छुक है. आप उसको अपने संस्थान के पीएच.डी. कार्यक्रम में लेने के लिए उसकी कैसे सबसे अच्छी तरह से सहायता करेंगे?

(A) चयन समिति के प्रमुख से बात करेंगे और उनसे इस प्रत्याशी का पक्ष लेने के लिए अनुरोध करेंगे, क्योंकि वह कठिन परिश्रमी है और जरूरतमंद भी

(B) प्रत्याशी को प्रवेश परीक्षा के लिए अच्छी तैयारी करने में सहायता देंगे और उसको सुसंगत पाठ्यपुस्तकें देंगे

(C) कुछ भी नहीं करेंगे, क्योंकि चयन परीक्षा में उत्तीर्ण होना उसके ऊपर है

(D) चयन प्रक्रिया के बाद, चयन सूची में प्रत्याशी का नाम डालने के लिए समिति के सदस्यों से लड़ेंगे

निर्देश–(प्रश्न 61 से 64 तक) निम्नलिखित प्रत्येक शब्द के लिए एक सन्दर्भ दिया गया है. दिए गए विकल्पों में से वह शब्द अथवा वाक्यांश चुनिए जो तत्सम्बन्धित सन्दर्भ में शब्द के अर्थ में सर्वाधिक निकट है.

61. **सहायक** : मन्त्री की ओर से उनके सहायक ने प्रश्नों का उत्तर दिया–

(A) अनुगामी (Follower)

(B) सहयोगी (Assistant)

(C) विरोधी (Opponent)

(D) मित्र (Friend)

62. **याचना** : कातिल ने पीड़ित परिवार से दया याचना की.

(A) माँगना

(B) दोष देना

(C) खंडन करना

(D) अस्वीकार करना

63. **हतोत्साह** : प्रबन्धक, प्रोग्रामर के प्रदर्शन से हतोत्साहित हो गया–

(A) अप्रसन्न, क्योंकि अपेक्षा के अनुरूप काम नहीं हुआ

(B) प्रसन्न, क्योंकि अपेक्षा के अनुरूप काम हुआ

(C) प्रदर्शन से प्रभावित

(D) भयभीत

64. **भंग** : टेनिस खिलाड़ी ने पिछले विश्व रिकॉर्ड को भंग कर दिया–

(A) तोड़ना

(B) मिलने से चूकना

(C) खेलने से इनकार कर दिया

(D) धोखा दिया

निर्देश–(प्रश्न 65 से 69 तक) निम्नलिखित लेखांश को पढ़िए और उसके अंत में दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए. इन प्रश्नों के उत्तर लेखांश पर आधारित होने चाहिए.

तेंदुए बाघ से ज्यादा चालाक होते हैं. जिम कॉर्बेट ने कहा था कि सब कुछ कहने और करने के बाद भी बाघ सज्जन है. तेंदुआ की बाघ की अपेक्षा गाँव अथवा घरों में भी प्रवेश करने की सम्भावना ज्यादा है. वह झोपड़ी की बगल में लेटा हुआ इसका इंतजार करता है कि कब एक खतरे से अनजान बच्चा बाहर आए और तब वह उसको गर्दन से दबोच ले. कोई भी आवाज नहीं होगी और बच्चा यूँ ही गायब हो जाएगा. एक बाघ एक बच्चे के लिए अपने को कभी-कभार तकलीफ नहीं देगा क्योंकि उसके लिए यह बहुत कम है. यह व्यय-लाभ का प्रश्न है. बाघ बच्चे को पकड़ने और मारने में जितनी ऊर्जा व्यय करेगा उसकी अपेक्षा उसे बहुत कम भोजन उपलब्ध होगा. इसके बजाय वह एक भैंसे अथवा किसी खुर वाले जंगली शिकार को मारेगा जिससे उसको काफी अधिक मात्रा में भोजन उपलब्ध होगा. एक बाघ का वजन 180-230 किग्रा होता है, जबकि तेंदुआ लगभग 50 किग्रा के आस-पास. अपने सामान्य भोजन जैसे कि कुत्ते, बकरियाँ और मुर्गे आराम से सुलभ होने पर भी, तेंदुए बच्चों को उठाने पर उतर आते हैं.

65. बाघ एक बच्चे के बजाय एक भैंसे को मारेगा–

(A) क्योंकि एक भैंसे को मारना आसान है

(B) क्योंकि एक बच्चे को मारना कठिन है

(C) क्योंकि बाघ चालाक नहीं होते

(D) क्योंकि बाघ, बच्चे को पकड़ने और मारने में जितनी ऊर्जा खर्च करेगा उसकी अपेक्षा उसे बहुत कम भोजन मिलेगा

66. तेंदुए बच्चों को उठाने पर उतर आते हैं–

(A) जब सामान्य भोजन उपलब्ध नहीं होता

(B) सामान्य भोजन उपलब्ध होने के बावजूद

(C) जब बाघ, भैंसों का शिकार करते हैं

(D) जब वे गाँव में प्रवेश करते हैं

67. निम्नलिखित कथनों में से कौनसा असत्य है?

(A) बाघों की गाँव अथवा घरों में भी प्रवेश करने की सम्भावना अधिक होती है

(B) तेंदुओं की गाँव अथवा घरों में भी प्रवेश करने की सम्भावना अधिक होती है

(C) बाघ बच्चों को शिकार शायद ही करेगा

(D) तेंदुओं का सामान्य भोजन कुत्ते, बकरियाँ और मुर्गे होते हैं

68. जिम कॉर्बेट (Jim Corbett) ने कहा था–

(A) तेंदुए चालाक जानवर हैं

(B) बाघ चालाक जानवर हैं

(C) तेंदुए सज्जन हैं

(D) बाघ सज्जन हैं

69. तेंदुए–

(A) केवल बच्चों को खाते हैं

(B) केवल कुत्तों और बकरियों को खाते हैं

(C) केवल मुर्गों को खाते हैं

(D) कुत्ते, बकरियों, मुर्गों और बच्चों को खाते हैं

निर्देश–(प्रश्न 70 से 74 तक) निम्नलिखित लेखांश को पढ़िए और उसके अंत में दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए. इन प्रश्नों के उत्तर लेखांश पर आधारित होने चाहिए.

उष्णकटिबंधीय कीटों के विभिन्न समूहों में तितलियों और चीटियों को वर्गीकरण विज्ञान में, शायद सबसे अच्छी तरह से जाना जाता है. जबकि तितलियाँ पर्यावरण बदलाव की सबसे अच्छी संकेतक हो सकती हैं, वयस्क तितलियाँ केवल कुछ पारिस्थितिक उपयुक्त स्थान को भरती हैं. अधिकांश प्रजातियाँ परागणकर्ता अथवा सफाई करने वाली होती हैं. इसके विपरीत, चींटियाँ किसी भी पारिस्थितिक व्यवस्था में एक बहुत अधिक परिवर्तनशील भूमिका निभाती हैं. चीटियों को अधिकांश स्थलीय जगत को चलाने में एक मुख्य मिट्टी को उलट-पलट करने वाली और ऊर्जा चैनल को देने वाली मानी जाती है. किसी भी स्थलीय पारिस्थितिक व्यवस्था में, चीटियाँ भी परभक्षी, परागणकर्ता, फसल काटने वाली और अपघटनकर्ता की भूमिका निभाती हैं.

70. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य है?

(A) चीटियाँ और तितलियाँ दोनों परागणकर्ता की भूमिका निभाती हैं

(B) तितलियाँ परागकणकर्ता की भूमिका निभाती हैं पर चीटियाँ नहीं

(C) चीटियाँ परागणकर्ता की भूमिका निभाती हैं पर तितलियाँ नहीं

(D) न ही चीटियाँ और न तितलियाँ परागणकर्ता की भूमिका निभाती हैं

71. तितलियाँ–

(A) वर्गीकरण विज्ञान में अच्छी तरह से नहीं जानी जाती हैं

(B) पर्यावरण बदलाव की अच्छी संकेतक हैं

(C) परभक्षी, परागणकर्ता, फसल काटने वाली और अपघटनकर्ता होती हैं

(D) अधिकांश स्थलीय व्यवस्था को चलाती हैं

72. चीटियों (Ants) को अधिकांश स्थलीय व्यवस्था को चलाने वाला माना जाता है, क्योंकि–

(A) वे परागणकर्ता और सफाई करने वाली होती हैं

(B) वे वर्गीकरण विज्ञान में अच्छी तरह से जानी जाती हैं

(C) वे पारिस्थितिक व्यवस्था में एक परिवर्तनशील भूमिका निभाती हैं

(D) वे मुख्य रूप से मिट्टी को उलट-पलट करने वाली और ऊर्जा चैनल को देने वाली होती हैं

73. चीटियाँ और तितलियाँ–

(A) पर्यावरण बदलाव की अच्छी संकेतक हैं

(B) ऊष्णकटिबंधीय कीट हैं

(C) वर्गीकरण विज्ञान में अच्छी तरह से नहीं जानी जाती हैं

(D) पारिस्थितिक व्यवस्था में कोई भूमिका नहीं निभातीं

74. तितलियों की अधिकांश जातियाँ परागणकर्ता और सफाई करने वाली होती हैं. अतः–

(A) वे चीटियों की अपेक्षा, पारिस्थितिक व्यवस्था में एक परिवर्तनशील भूमिका निभाती हैं

(B) वे अधिकांश स्थलीय व्यवस्था को चलाती हैं

(C) उनको वर्गीकरण विज्ञान में अच्छी तरह से जाना जाता है

(D) वे केवल कुछ ही पारिस्थितिक उपयुक्त स्थान को भरती हैं

75. भारत को गम्भीर ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ रहा है. पर्यावरण-सम्बन्धी चिंताओं से समझौता किए बिना इस संकट का सामना करने के लिए सरकार के समक्ष सबसे अच्छा विकल्प है–

(A) लोगों को खाना पकाने के लिए पेड़ काटने की अनुमति देना

(B) सौर पैनलों को बड़े क्षेत्रों में स्थापित किया जाना

(C) परमाणु सुरक्षा के मुद्दों के बारे में चिंता किए बिना परमाणु ऊर्जा का उपयोग किया जाना

(D) लोगों को और अधिक डीज़ल जेनरेटरों के उपयोग की अनुमति देना

76. एक व्यक्ति ने अपने मित्र से उसकी नई खरीदी हुई कार का रजिस्ट्रेशन नम्बर पूछा. सीधा उत्तर देने के बजाय, उसने इस प्रकार से उत्तर दिया–रजिस्ट्रेशन नम्बर में चार अक्षर और छः अंक हैं. पहले दो अक्षर मेम्बर ऑफ पार्लियामेंट और अन्तिम तीन अक्षर एक लेखन उपकरण को दर्शाते हैं. सभी अंकों को योग करने पर 20 आता है और पहले दो अंकों का योग 3 है. रजिस्ट्रेशन नम्बर है–

(A) MP12AT5435

(B) MP12AW5345

(C) MP12EN3456

(D) MP03EN5435

77. खेती को प्रोत्साहित करने के लिए, जिला प्रशासन ने मुफ्त बीज (Free Seeds) और रियायती उर्वरकों की आपूर्ति करने का निर्णय लिया. इसका अर्थ है कि–

(A) उर्वरक (Fertilizers) सस्ते हैं

(B) बीज, उर्वरकों से सस्ते हैं

(C) बहुत-से लोग खेती पसन्द करते हैं

(D) बहुत-से लोग खेती छोड़कर जा रहे हैं

78. लगभग सभी देशों की सरकारों के राष्ट्राध्यक्षों ने CO_2 उत्सर्जन को कम करने के लिए तत्काल पहल करने का निर्णय लिया है, क्योंकि अब तक उठाए गए कदमों के अच्छे परिणाम नहीं निकले. यह दर्शाता है कि–

(A) अतीत में कोई कदम नहीं उठाया गया

(B) अतीत में लिए गए कदम बहुत अच्छे थे

(C) आज CO_2 उत्सर्जन के कारण चुनौती बहुत गम्भीर हो गई है

(D) अतीत में CO_2 उत्सर्जन के कारण कोई चुनौती नहीं थी

79. मैत्री महत्वपूर्ण है, लेकिन सही मित्र चुनना और अधिक महत्वपूर्ण है. अन्यथा, मैत्री एक बोझ बन जाती है. इसका तात्पर्य है कि–

(A) बहुत से मित्र होने चाहिए

(B) मैत्री हमेशा अच्छी होती है

(C) यदि अच्छे मित्र नहीं मिलते, तो इससे अच्छा है कि कोई मित्र न हो

(D) मैत्री हमेशा एक बोझ होती है

80. विद्यालय के नए प्रधानाचार्या ने स्कूल के प्रत्येक छात्र से आग्रह किया है कि वह कम-से-कम एक पाठ्यक्रम इतर गतिविधि को ले. उनकी राय है कि पढ़ाई और पाठ्यक्रम इतर गतिविधियाँ एक साथ चलनी चाहिए. प्रधानाचार्या सोचती हैं कि–

(A) पाठ्यक्रम इतर गतिविधियाँ, पढ़ाई के समान महत्वपूर्ण हैं

(B) उनके प्रधानाचार्य पद ग्रहण के पूर्व पढ़ाई को उपेक्षित किया गया

(C) विद्यालय में पाठ्यक्रम इतर गतिविधियों के लिए अच्छी प्रतिभा है

(D) प्रत्येक छात्र कई पाठ्यक्रम इतर गतिविधियों में भाग लेगा

निर्देश–(प्रश्न 81 से 85 तक) दिए गए गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

गद्यांश–1

हिन्दी के प्रसार के लिए तथा सम्पूर्ण भारत की एक भाषा के रूप में इसे स्थापित करने के लिए केन्द्रीय स्तर पर बहुत सारे प्रयास किए गए हैं. सन् 1960 में स्थापित केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय की स्थापना की गई तथा सन् 1961 में वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग का गठन किया गया. सरकारी कार्यालयों और बैंकों में भी हिन्दी में लगातार काम किए जाने के प्रयासों पर जोर दिया गया. कट्टरपंथी भाषाई आन्दोलनों के बावजूद दक्षिण भारत में हिन्दी का खूब प्रचार-प्रसार हुआ है, जिसमें हिन्दी सिनेमा और मीडिया का महत्वपूर्ण योगदान है. हिन्दी आज अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कई देशों में बोली और समझी जा रही है. फिज़ी, नेपाल, पाकिस्तान, मॉरीशस और कई अमरीकी एवं यूरोपीय देशों में हिन्दी को पढ़ाया जा रहा है.

81. केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय की स्थापना कब हुई?

(A) 1961 (B) 1960

(C) 1958 (D) 1963

82. भाषायी आन्दोलनों के बावजूद हिन्दी का प्रचार-प्रसार कहाँ हुआ है?

(A) पूर्वी भारत

(B) पश्चिमी भारत

(C) पूर्वोत्तर भारत

(D) दक्षिण भारत

83. हिन्दी के प्रचार-प्रसार में किसका महत्वपूर्ण योगदान है?

(A) समाचार-पत्रों का

(B) पत्रिकाओं का

(C) समाज का

(D) मीडिया और सिनेमा का

84. वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग का गठन कब हुआ?

(A) 1961 (B) 1960

(C) 1958 (D) 1964

85. कौनसा देश भारत के ज्यादा करीब है?

(A) पाकिस्तान (B) श्रीलंका

(C) मॉरीशस (D) अमरीका

निर्देश–(प्रश्न 86 से 90 तक) दिए गए गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

गद्यांश–2

रोमांटिक और आधुनिक दृष्टिकोणों का एक और अन्तर उनके अपने सामाजिक परिवेशों के कारण है. रोमांटिसिज्म का विकास विशेष रूप से उदारतावादी युग में हुआ, जबकि आधुनिकता का उदय प्रजातान्त्रिक पद्धतियों के अन्तर्गत होता है. उदारतावाद और रोमांटिसिज्म में व्यक्ति की स्वाधीनता का सर्वोपरि महत्व है; प्रजातन्त्र इस व्यक्तिगत स्वातन्त्र्य को मानते हुए भी सामाजिक दायित्वों को एक स्वीकारात्मक दृष्टि के रूप में लेता है; स्वातन्त्र्य और दायित्व इस पद्धति में अविच्छिन्न मूल्य हैं. आधुनिकता को मानने वाला सृजनात्मक मूल्यों के संचरण में विश्वास रखता है.

86. रोमांटिसिज्म का विकास किस युग में हुआ?

(A) पूँजीवादी युग

(B) उदारतावादी युग

(C) प्रयोगवादी युग

(D) प्रगतिवादी युग

87. आधुनिकता का उदय किन पद्धतियों के अन्तर्गत हुआ?

(A) प्रजातान्त्रिक (B) लोकतान्त्रिक

(C) तानाशाही (D) राजशाही

88. उदारतावाद और रोमांटिसिज्म में किसका सर्वोपरि महत्व है?

(A) उदारतावाद

(B) व्यक्तिवाद

(C) व्यक्ति की पराधीनता

(D) व्यक्ति की स्वाधीनता

89. आधुनिकता को मानने वाला किन मूल्यों के संचरण में विश्वास रखता है?

(A) आर्थिक मूल्य

(B) वर्णनात्मक मूल्य

(C) सृजनात्मक मूल्य

(D) वर्जनात्मक मूल्य

90. प्रजातन्त्र व्यक्तिगत स्वातन्त्र्य को मानते हुए भी किसको स्वीकारात्मक दृष्टि के रूप में लेता है?

(A) सामाजिक दायित्व

(B) राजनैतिक दायित्व

(C) प्रजातान्त्रिक दायित्व

(D) लोकतान्त्रिक दायित्व

निर्देश–(प्रश्न 91 से 95 तक) दिए गए गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

गद्यांश–3

किसी भी देश की प्रगति वैज्ञानिक उपलब्धियों के सहारे किए गए औद्योगिकीकरण पर निर्भर है. यही किसी भी उन्नत देश की कसौटी मानी जाती है. जहाँ पर पूर्ण रूप से औद्योगिकीकरण नहीं हुआ है, वहाँ उसी अनुपात में गरीबी और पिछड़ापन रहता है. विज्ञान ने मानव को पूरी तरह बदल दिया है, उसे भौतिक स्तर पर समुन्नत बनाया है, परन्तु एक सत्य यह भी है कि हमें नाना प्रकार की भौतिक सुविधाएँ देकर उसने हमारी कोमल मानवीय संवेदनाओं को नष्ट कर दिया है. अगर ऐसा ही होता रहा तो क्या हम ईमानदारी से अपने को मानव कह पाएँगे.

91. विज्ञान हमें क्या देता है?
   (A) सामाजिक उपलब्धियाँ
   (B) भौतिक उपलब्धियाँ
   (C) आध्यात्मिक उपलब्धियाँ
   (D) राजनैतिक उपलब्धियाँ

92. विज्ञान के विकास के साथ-साथ हम क्या खोते जा रहे हैं?
   (A) हिंसा (B) क्रूरता
   (C) प्रेम (D) संवेदना

93. किसी भी देश को किसके बल पर उन्नत कहा जा सकता है?
   (A) समाजीकरण
   (B) औद्योगिकीकरण
   (C) राजनीतिकरण
   (D) भूमंडलीकरण

94. विज्ञान ने मानव को किस प्रकार बदला है?
   (A) आंशिक रूप से
   (B) बहुत हद तक
   (C) पूर्ण रूप से
   (D) किसी रूप में नहीं

95. गरीबी और पिछड़ेपन का मापदंड क्या है?
   (A) सही नेतृत्व का न होना
   (B) औद्योगिकीकरण का न होना
   (C) व्यापारीकरण का न होना
   (D) सही समाज का न होना

निर्देश–(प्रश्न 96 से 100 तक) दिए गए गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

गद्यांश–4

कालक्रम की दृष्टि से 'कला जीवन के लिए' का सिद्धान्त बहुत ही पुराना है. साहित्य-सृजन के शुरुआती दौर से ही कला को नैतिक उद्देश्यपूर्ति का साधन बनाया गया है. कला को जीवनोपयोगी मानने सम्बन्धी धारणा का प्राधान्य सबसे अधिक पश्चिम में रहा है. जबकि यह धारणा आदिकालीन एवं देशातीत है. पश्चिम में कला का आरम्भिक स्वरूप उपदेशात्मक रहा, जिसका कारण यह है कि पश्चिम की शास्त्रीय कला धर्म के संरक्षण में पनपी और विकसित हुई. शुद्ध कलावादी दृष्टि का इस युग में प्रायः अभाव ही रहा. धर्म से प्रेरित कला-साहित्य का उपदेशात्मक होना स्वाभाविक ही है.

96. साहित्य-सृजन को प्राचीनकाल से किसकी पूर्ति का साधन बनाया गया?
   (A) राजनैतिक उद्देश्य
   (B) धार्मिक उद्देश्य
   (C) आध्यात्मिक उद्देश्य
   (D) नैतिक उद्देश्य

97. पश्चिम में कला का प्रारम्भिक स्वरूप कैसा रहा?
   (A) आध्यात्मिक (B) उपदेशात्मक
   (C) कलात्मक (D) शास्त्रीय

98. पश्चिम की शास्त्रीय कला किसके संरक्षण में विकसित हुई?
   (A) धर्म के संरक्षण में
   (B) राजनीति के संरक्षण में
   (C) मानव के संरक्षण में
   (D) संतों के संरक्षण में

99. पश्चिम की कला सम्बन्धी धारणा क्या थी?
   (A) धर्मोपयोगी
   (B) जीवनोपयोगी
   (C) समाजोपयोगी
   (D) अर्थोपयोगी

100. पश्चिम की कला में किस दृष्टि का अभाव रहा?
   (A) पूँजीवादी (B) मार्क्सवादी
   (C) कलावादी (D) रसवादी

उत्तर व्याख्या सहित

1. (C) 2. (A) 3. (C) 4. (C) 5. (B) 6. (A) 7. (A) 8. (A) 9. (A) 10. (A) 11. (A) 12. (B)

13. (D) ∵ $6 \times 4 = 3 \times 8$

$18 \times 3 = 2 \times 27$

∴ $15 \times 3 = 5 \times 9$

14. (A) 15. (C) 16. (D)

17. (C) बढ़ते हुए क्रम में लम्बाई के अनुसार क्रम यह होगा–

भास्कर → अभय → चन्द्र → ईश्वर → धीरज

18. (B)

1 —विपरीत→ 2

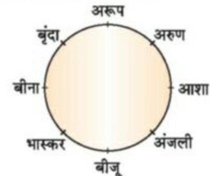
5 —विपरीत→ 6

3 —विपरीत→ 4

19. (A) ∵ D ↕ W, A ↕ Z, M ↕ N (विपरीत)

∴ T ↕ G, A ↕ Z, B ↕ Y, L ↕ O, E ↕ V (विपरीत)

प्रश्न 20 से 23 तक के लिए :



20. (B) 21. (A) 22. (B) 23. (A)

24. (C) एक घण्टे में घण्टे वाली सुई द्वारा बनाया गया कोण $= \frac{5}{60} \times 360$

$= 30°$

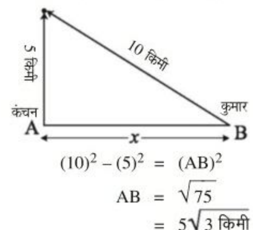
1 मिनट में बनाया कोण $= \frac{30}{60}$

अतः, 10 मिनट में बनाया गया कोण

$= \frac{30}{60} \times 10$

$= 5°$

25. (A) अतः A व B के बीच की दूरी,



$(10)^2 - (5)^2 = (AB)^2$

$AB = \sqrt{75}$

$= 5\sqrt{3}$ किमी

26. (B) ∵ $(6-2) \times (4-1) = 12$

$(7-2) \times (5-1) = 20$

$(5-2) \times (8-1) = 21$

अतः, $(5-2) \times (7-1) = 18$

27. (C) उपन्यास को पढ़ने वालों का सही क्रम है–

B A E D C F

28. (A) उपन्यास को पढ़ने वालों का सही क्रम है–

B A E D C F

29. (B) माना पुत्र की वर्तमान आयु

$= x$ वर्ष

तथा पिता की वर्तमान आयु $= 2x$ वर्ष

20 वर्ष बाद पिता की आयु $= 2x + 20$

प्रश्नानुसार,

$$3x = 2x + 20$$
$$3x - 2x = 20$$
$$x = 20$$

अतः पुत्र की वर्तमान आयु 20 वर्ष है.

30. (C) ऊपर व नीचे वाले पार्श्व को छोड़कर अन्य पार्श्वों पर संख्याएँ होंगी–

1, 2, 3, 4

अतः, संख्याओं का योग

$= 1 + 2 + 3 + 4$

$= 10$

अभीष्ट संख्याएं = 5 व 6

31. (B)

32. (A) माना मूल आकार = 100%

75% कम करने पर $= \frac{75}{100} \times 100$

$= 75\%$

दोबारा 20% कम करने पर

$= \frac{20}{100} \times 75$

$= 15\%$

33. (B) 49 वह दो अंकीय संख्या होगी जिसका वर्गमूल 7 है, जोकि एक रूढ़ संख्या है.

अतः दोनों अंकों का योग $= 4 + 9$

$= 13$

34. (C) माना पाँच संख्याएँ होंगी, $x, x+1, x+2, x+3, x+4$ व इनका योग 670 है, जो 5 से पूर्ण विभाजित है.

तब, $x + x + 1 + x + 2 + x + 3 + x + 4$

$= 670$

$$5x + 10 = 670$$
$$5x = 660$$
$$x = \frac{660}{5}$$
$$x = 132$$

संख्याएँ होंगी;

132, 133, 134, 135, 136

सम संख्याओं का योग

$= 132 + 134 + 136$

$= 402$

35. (A) माना टोकरी में से 1 लाल तथा 1 नीली गेंद निकालने के बाद

शेष नीली गेंदों की संख्या $= x$

तब, शेष लाल गेंदों की संख्या

$= 2x$

तब प्रश्नानुसार,

$$2x - 3 = 3(x - 3)$$
$$2x - 3 = 3x - 9$$
$$x = 6$$

अतः टोकरी की आरम्भिक स्थिति में नीली गेंदों की संख्या

$= 6 + 1$

$= 7$

36. (B) माना झील का आरम्भिक आयतन = 100 है,

पहले और दूसरे महीने में जल का उपभोग

$= x + x$

अगले चार महीने में जल का उपभोग

$= 4 \times \frac{x}{2}$

$= 2x$

कुल उपभोग $= 2x + 2x$

$= 4x$

प्रश्नानुसार, $100 - 4x = 50$

$$x = \frac{25}{2}$$

जो दूसरे महीने में उपभोग किया गया

अतः अनुपात $= \frac{\frac{25}{2}}{\frac{100}{1}}$

$= \frac{1}{8}$

37. (B) माना संख्या x होगी.

अतः
$$x^3 - x^2 = (2x)^2$$
$$x^3 - x^2 = 4x^2$$
$$5x^2 = x^3$$
$$x = 5$$

38. (C) माना रमेश की मासिक आय

$= ₹ x$

आहार पर खर्च = 40%

शेष $= x - \frac{40}{100} \times x$

$= x - \frac{2}{5}x$

$= ₹ \frac{3}{5}x$

आगे कुल खर्च = 20% + 10% + 10%

= 40%

अतः कुल खर्च $= \frac{40}{100} \times \frac{3}{5}x$

$= \frac{6}{25}x$

शेष $= \frac{3}{5}x - \frac{6}{25}x$

$= \frac{15x - 6x}{25}$

$= \frac{9x}{25}$

अतः, $\frac{9x}{25} = 7200$

$$x = \frac{7200 \times 25}{9}$$

$= ₹ 20,000$

∴ मासिक आय = ₹ 20,000

39. (A) माना घड़ी की असली निर्माण लागत

$= ₹ x$

तब, चिह्नित मूल्य $= ₹ \frac{6x}{5}$

तथा, विक्रय मूल्य $= \frac{6x}{5} \times \frac{90}{100}$

$= ₹ \frac{27x}{25}$

लाभ $= ₹ \frac{27x}{25} - x$

$= ₹ \frac{2x}{25}$

लाभ % $= \frac{\frac{2x}{25}}{\frac{x}{1}} \times 100$

$= \frac{2x}{25 \times x} \times 100$

लाभ % = 8%

40. (C) पहली संख्या 3 होगी, क्योंकि 3 से अधिक या कम संख्या के वर्ग और उस वर्ग का योग 50 और 99 के बीच नहीं होगा.

अतः, $3 + 9 + 81 = 93$

योग की संख्याओं का अनुपात

$= \frac{9}{3} = 3$

41. (B) ∵ $P + Q + R + S = 40 \times 4$

$= 160$ …(i)

एवं,
$$Q - R = 55$$
$$Q = 2P$$
$$S = R - 10$$

दिया है

Q व S का मान समीकरण (i) में रखने पर,

$$P + 2P + R + R - 10 = 160$$
$$3P + 2R = 170 \quad \ldots(ii)$$

अब, $3P + 2R = 170$

व $2P - R = 55$

को हल करने पर,

$P = 40$

अतः $Q = 2 \times P$

$= 2 \times 40$

$= 80$

$S = 15$

$R = 25$

42. (C) माना कुल छात्र $= x$

पूरी कक्षा के अंकों का योग

$= 40 \times x = 40x$

एक छात्र के कम होने पर बचे छात्र

$= x - 1$

इनका कुल योग $= 30(x-1)$

∴ प्रश्नानुसार,

$$\frac{60}{100} \times 40x = 30(x-1)$$

$$24x = 30x - 30$$

$$x = 5$$

43. (D) माना कुल आयतन $= x$

जल का आयतन $= \frac{30}{100}x$

5 लीटर जल बढ़ाने पर कुल आयतन

$= x + 5$

एवं जल का बढ़ा हुआ आयतन

$$= \frac{40}{100}(x+5)$$

अतः $\frac{40}{100}(x+5) - \frac{30}{100}(x)$

$= 5$

$$40x + 200 - 30x = 500$$

$$10x = 300$$

$$x = 30$$

∴ जल की मात्रा $= \frac{30}{100} \times 30$

= 9 लिटर

44. (C) $\frac{90}{360} \times 36000 - \frac{40}{360} \times 36000$

= ₹ 5000

45. (B) मासिक आय = ₹ 36000

टेलीफोन बिल पर खर्च

= ₹ 3800

बचत/निवेश $= \frac{20}{360} \times 36000$

= ₹ 2000

एवं टेलीफोन पर खर्च

$= \frac{30}{360} \times 36000$

= ₹ 3000

अधिक खर्च = ₹ 3800 – 3000

= ₹ 800

∴ बचत = ₹ 2000 – 800

= ₹ 1200

46. (B) किसी विशेष महीने में आहार पर खर्च

= ₹ 4500

साधारणतया आहार पर खर्च

$= \frac{90}{360} \times 36000$

= ₹ 9000

प्रतिशत $= \frac{4500}{9000} \times 100$

= 50%

47. (B) मनोरंजन पर खर्च

$= \frac{50}{360} \times 36000$

= ₹ 5000

किसी विशेष महीने में खर्च

$= \frac{80}{100} \times 5000$

= ₹ 4000

48. (D) बढ़ा हुआ वेतन

$$= \frac{60}{360} \times 36000 + \frac{70}{360} \times 36000 + \frac{30}{360} \times 36000$$

= 6000 + 7000 + 3000

= 16000

नया वेतन = 36000 + 16000

= ₹ 52000

मकान किराया

$= \frac{60}{360} \times 36000$

= ₹ 6000

बच्चों की शिक्षा पर खर्च

$= \frac{70}{360} \times 36000$

= ₹ 7000

कुल खर्च = 6000 + 7000

= ₹ 13000

प्रतिशत $= \frac{13000}{52000} \times 100$

= 25%

49. (C) वह दो अंकीय संख्या जिसके दोनों अंकों का योग उसके वर्गमूल के बराबर है, 81 होगी.

अतः कक्षा में कुल विद्यार्थियों की संख्या

= 81

माना प्रेमा से ऊपर के विद्यार्थियों की संख्या

$= x$

व उसके नीचे $= 4x$

तब,

$$x + 1 + 4x = 81$$

$$x = 16$$

अर्थात् प्रेमा का स्थान = 16 + 1

= 17

50. (D) कुल दूरी = 5 + 10 + 35

= 50 किमी

कुल समय $= \frac{5}{30} + \frac{10}{40} + \frac{35}{60}$

= 1 घण्टा

अतः औसत चाल $= \frac{50}{1}$

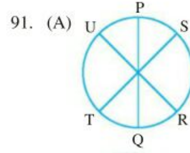
= 50 किमी/घण्टा

51. (B) 52. (D) 53. (B) 54. (A) 55. (B)
56. (C) 57. (A) 58. (C) 59. (C) 60. (B)
61. (B) 62. (A) 63. (A) 64. (A) 65. (D)
66. (B) 67. (A) 68. (D) 69. (D) 70. (A)
71. (B) 72. (D) 73. (B) 74. (D) 75. (B)
76. (D) 77. (D) 78. (C) 79. (C) 80. (A)
81. (B) 82. (D) 83. (D) 84. (A) 85. (A)
86. (B) 87. (A) 88. (D) 89. (C) 90. (A)
91. (B) 92. (D) 93. (B) 94. (C) 95. (B)
96. (D) 97. (B) 98. (A) 99. (B) 100. (C)



शेष पृष्ठ 131 का

91. (A)



92. (B)



निष्कर्ष I अनुसरण नहीं करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण करता है.
निष्कर्ष III अनुसरण नहीं करता है.

93. (C) माना धारा की चाल

$= x$ किमी घण्टा

शांत जल में चाल = 15 किमी/घण्टा

नदी के विरुद्ध चाल

$= (15 - x)$ किमी/ घण्टा

नदी की दिशा में चाल

$= (15 + x)$ किमी/घण्टा

नदी के विरुद्ध जाने में लिया गया समय

$= \frac{30}{15-x}$ घण्टा

और, नदी की दिशा में जाने में लिया गया समय $= \frac{30}{15+x}$ घण्टा

तो, $\frac{30}{15+x} - \frac{30}{15-x} = \frac{9}{2}$

$$\Rightarrow \frac{900}{225 - x^2} = \frac{9}{2}$$

$$\Rightarrow 9x^2 = 225$$

$\Rightarrow x = 5$ किमी/घण्टा

94. (A) गार्गी > कशिश > मुस्कान > आरती > सौम्या.

95. (A) $\frac{1}{10} + \frac{1}{12} - \frac{1}{20} = \frac{8}{60}$

अर्थात् टैंक को भरने में $\frac{60}{8}$ या 7 घण्टा 30 मिनट का समय लगेगा.

96. (B) S.I. $= \frac{1200 \times 10 \times 1}{100}$

= ₹ 120

C.I. =

$$\left[1200 \times \left(1 + \frac{5}{100}\right)^2 - 1200\right]$$

= ₹ 123

अन्तर = ₹ (123 – 120)

= ₹ 3

97. (D) 98. (A) 99. (C) 100. (B)



मध्य प्रदेश पुलिस सब-इंस्पेक्टर (प्रा.) परीक्षा, 18-9-2016 (द्वितीय पाली) का हल प्रश्न-पत्र

English

Directions—(Q. 1–3) Fill in the blank with the correct option.

1. We ……… see the ocean from the window of the cabin.
   (A) should (B) must
   (C) could (D) ought to

2. Every car ……… seat belts.
   (A) can have
   (B) must have
   (C) could have
   (D) must not have

3. It ………… John you saw this morning. He is away on holiday.
   (A) couldn't have been
   (B) could have been
   (C) might have been
   (D) must have been

Directions—(Q. 4–7) Fill in the blank with the correct preposition.

4. Some poisonous gases can enter the body by absorption ……… the skin.
   (A) for (B) from
   (C) off (D) through

5. There are four bridges ……… the River Danube.
   (A) across (B) below
   (C) under (D) along

6. The fair takes place every June with bands, theatre and much more ……… .
   (A) besides (B) beside
   (C) along (D) across

7. There's an old pair ……… shoes of yours lying ……… the bottom of the wardrobe.
   (A) of, at (B) of, into
   (C) of, about (D) of, besides

Directions—(Q. 8–15) In the following questions, some of the sentences have errors and some have none. Find out which part of a sentence has an error. If there is no error, mark your answer as 'No error'.

8. (A) The information was
   (B) contained in a
   (C) article on biology.
   (D) No error

9. (A) Mr. Mukherjee became an union member
   (B) after he won
   (C) the general election.
   (D) No error

10. (A) If I had not told Sarah the address,
    (B) she wouldn't have found
    (C) your local residence.
    (D) No error

11. (A) Modern office buildings have false floors
    (B) under which computer
    (C) and phone wires can be lay.
    (D) No error

12. (A) The autopsy revealed that his murderer
    (B) had strike him on the head
    (C) with an iron bar.
    (D) No error

13. (A) All charges against them were withdrew
    (B) after the prosecution's
    (C) case collapsed.
    (D) No error

14. (A) If you had revised
    (B) all your answers,
    (C) you may go to bed.
    (D) No error

15. (A) Students are not allowed to handle these chemicals,
    (B) unless they are not under
    (C) the supervision of a teacher.
    (D) No error

Directions—(Q. 16–18) Out of the given options, choose the one which is the correct indirect speech of the sentence given below.

16. He said to me, "You answered correctly."
    (A) He said to me that I answered correctly.
    (B) He said to me that I have answered correctly.
    (C) He said to me that I had answered correctly.
    (D) He said to me that I was answering correctly.

17. Maria said to Sam, "Do you like mangoes ?"
    (A) Mari asked Sam if he liked mangoes.
    (B) Mari asked Sam if he like mangoes.
    (C) Mari asked Sam if he has liked mangoes.
    (D) Mari asked Sam if he was liking mangoes.

18. John said to David "How often do you go to the theater ?"
    (A) John asked David how often he goes to the theater.
    (B) John asked David how often did he went to the theatre.
    (C) John asked David how often he went to the theater.
    (D) John asked David how often he was going to the theater.

19. Out of the given options, choose the one which is the correct passive voice of the sentence given below.
    The old man is ringing the bell.
    (A) The bell has been rung by the old man.
    (B) The bell was being rung by the old man.
    (C) The bell is rung by the old man.
    (D) The bell is being rung by the old man.

20. Out of the given options, choose the one which is the correct active voice of the sentence given below.
    He was being taken to the cell by the police.
    (A) The police had been taking him to the cell.
    (B) The police had taken him to the cell.
    (C) The police took him to the cell.
    (D) The police were taking him to the cell.

21. Out of the given options, choose the one which is the correct passive voice of the sentence given ahead.

The students had not completed the French assignment.

(A) The French assignment have not been completed by the students

(B) The French assignment was not being completed by the students

(C) The French assignment was not completed by the students.

(D) The French assignment had not been completed by the students

22. Choose the grammatically correct sentence out of the given options—

(A) Surdas is Milton of India

(B) Surdas is the Milton of India

(C) Surdas is a Milton of India

(D) Surdas is an Milton of India

Directions—(Q. 23–25) Fill in the blank with the correct option.

23. …… we know about the people who lived here suggests that they had a very sophisticated society.

(A) Little (B) A little

(C) The little (D) Some

24. We got ………… help from the training scheme.

(A) a little (B) few

(C) a few (D) the little

25. She had trained herself to show ……… or no emotion, no matter what happened to her.

(A) little (B) a little

(C) the little (D) few

Directions—(Q. 26–30) Read the following passage carefully and complete the following sentences—

When we are suddenly confronted with any terrible danger, the change of nature we undergo is equally great. In some cases fear paralyses us. Like animals we stand still, powerless to move a step in fright or to lift a hand in defence of our lives and sometimes we are seized with panic and again, act more like the inferior animals than rational beings. On the other hand, frequently in cases of sudden extreme peril, which cannot be escaped by flight and must be instantly faced, even the most timid men at once as if by miracle, become possessed of the necessary courage, sharp quick apprehension and swift decision. This is a miracle very common in nature. Man and the inferior animals alike, when confronted with almost certain death 'gather resolution from despair' but there can really be no trace of so debilitating a feeling in the person fighting, or prepared to fight for dear life. At such time the mind is clearer than it has ever been; the nerves are steel, there is nothing felt but a wonderful strength and daring. Looking back at certain perilous moments in my own life, I remember them with a kind of joy, not that there was any joyful excitement then; but because they brought me a new experience—a new nature, as it were and lifted me for a time above himself.

26. What is the meaning of the word 'peril' ?

(A) Safety

(B) Danger

(C) Condition

(D) Circumstances

27. What would be the synonym of the word 'fright' ?

(A) Calmness

(B) Terror

(C) Composure

(D) Abscond

28. What does the author wish to convey by the expression "gather resolution from despair" ?

(A) Starts yelling out of panic

(B) Become extremely frightened and start trembling

(C) Become bold in an extremely fearful or life threatening condition

(D) None of the above

29. What is the similarity between animals and human beings ?

(A) In case of sudden fear both are unable to respond or react

(B) Both fight fearlessly with any kind of danger and enemy

(C) Both run away when confronted with sudden danger

(D) None of the above

30. Which word in the passage means 'a very lucky event that is surprising and unexpected' ?

(A) Apprehension

(B) Confronted

(C) Miracle

(D) Timid

हिन्दी

निर्देश–(प्रश्न 31 से 35 तक) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों में सही विकल्प का चयन कीजिए–

'सादा जीवन उच्च विचार'–यह मुहावरा सुनने में कितना मनमोहक है, परन्तु इसके अनुरूप जीवन को ढालना अत्यन्त कठिन है. इस मुहावरे को साकार कर जीवन में उतारने वाले डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन उन महापुरुषों की श्रेणी में आते हैं, जिनकी कथनी और करनी में कोई अन्तर न था. वे जो कहते थे, उसे करके ही दम लेते थे. डॉ. राधाकृष्णन ने जीवन को कठिन तपस्या के रूप में लिया और स्वयं को इसकी आग में तपाकर कुंदन बना लिया. तदन्तर उनकी चमक से सम्पूर्ण विश्व प्रकाशित हो उठा. वे किसी राजनैतिक दल अथवा जोशीले भाषणों के बल पर दुनिया में पूज्यनीय नहीं हुए, बल्कि उन्होंने इस सम्मान और ऊँचाइयों को अपनी योग्यता के बल पर प्राप्त किया. उनका जीवन एक शिक्षक के रूप में आरम्भ हुआ था, लेकिन अपनी बौद्धिकता और योग्यता के बल पर उन्होंने एक महान् दार्शनिक और लेखक के रूप में ख्याति अर्जित की. साथ ही वे एक ओजस्वी वक्ता के रूप में पहचाने गए. जब डॉ. राधाकृष्णन राष्ट्रपति पद पर आसीन हुए, तो उन्हें दस हजार रुपए मासिक वेतन मिलता था, लेकिन वे मात्र ढाई हजार रुपए मासिक वेतन लेते थे. उनके वेतन की शेष राशि देश की उन्नति एवं विकास कार्यों में खर्च होती थी. डॉ. राधाकृष्णन देश के प्रति समर्पित थे.

31. डॉ. राधाकृष्णन का जीवन किस रूप में प्रारम्भ हुआ था ?

(A) दार्शनिक (B) लेखक

(C) शिक्षक (D) वक्ता

32. डॉ. राधाकृष्णन अपने किस गुण के कारण दुनिया में पूजनीय हुए ?

(A) ओजस्वी वक्ता के कारण

(B) योग्यता के कारण

(C) लेखन के कारण

(D) दार्शनिक होने के कारण

33. डॉ. राधाकृष्णन जब राष्ट्रपति पद पर थे, तब उनके वेतन की शेष राशि किस कार्य में खर्च होती थी ?

(A) देश की उन्नति और विकास कार्यों में

(B) राष्ट्रपति भवन के रखरखाव में

(C) बैंक के खाते में जमा होती थी

(D) परिवार के जीवनयापन में

34. 'समर्पित' शब्द में प्रत्यय है–
(A) त (B) पित
(C) ईत (D) इत

35. इस गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक है–
(A) सादा जीवन, उच्च विचार
(B) राष्ट्रपति राधाकृष्णन
(C) महान् दार्शनिक
(D) डॉ. राधाकृष्णन–एक विराट व्यक्तित्व

निर्देश–(प्रश्न 36 से 40 तक) निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों में सही विकल्प का चयन कीजिए–

गाकर गीत विरह के तटनी
वेगवती बहती जाती है
दिल हल्का कर लेने को
उपलों से कुछ कहती जाती है।
तट पर एक गुलाब सोचता,
"देते स्वर यदि मुझे विधाता,
अपने पतझर के सपनों का,
मैं भी जग को गीत सुनाता।"
गा-गाकर बह रही निर्झरी,
पाटल मूक खड़ा है तट पर
गीत, अगीत, कौन सुन्दर है ?

36. नदी गीत गा रही है–
(A) प्रेम के (B) मिलन के
(C) विरह के (D) भक्ति के

37. नदी अपना दिल हल्का करती है–
(A) निरन्तर प्रवाहित होकर
(B) गुलाब से बातचीत कर
(C) मनुष्य से बातचीत द्वारा
(D) तटों से बातचीत द्वारा

38. गुलाब का हृदय व्यथित है, क्योंकि–
(A) वह नदी की तरह प्रवाहित नहीं हो सकता
(B) ईश्वर ने उसे चुभने के लिए काँटे दिए हैं
(C) ईश्वर ने उसे बोलने की शक्ति नहीं दी
(D) ईश्वर ने उसका जीवन क्षणभंगुर बनाया

39. 'पतझर के सपनों का गीत' कौन किसे सुनाना चाहता है ?
(A) गुलाब–नदी को
(B) गुलाब–संसार को
(C) गुलाब–ईश्वर को
(D) गुलाब–कांटों को

40. कवि की दुविधा है–
(A) गीत सुन्दर है ?
(B) अगीत सुन्दर है ?
(C) गीत-अगीत दोनों सुन्दर हैं ?
(D) गीत-अगीत दोनों सुन्दर नहीं हैं ?

41. 'बरखास्त' शब्द में कौनसा उपसर्ग है ?
(A) बा (B) बर
(C) बे (D) बिला

42. 'अनुमान' शब्द में कौनसा उपसर्ग है ?
(A) अव (B) अनु
(C) अन् (D) आ

43. 'डिबिया' शब्द में मूल शब्द व प्रत्यय को अलग-अलग कीजिए ?
(A) डिब + इया
(B) डिब्बा + इया
(C) डिबि + या
(D) डि + बिया

44. 'प्रसन्नता' शब्द में कौनसा प्रत्यय है ?
(A) अ (B) आ
(C) ता (D) प्र

45. हमें अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति ······· चाहिए. वाक्य पूर्ति मुहावरे द्वारा कीजिए.
(A) दुआ माँगना
(B) सजग रहना
(C) चार चाँद लगाना
(D) आँखें फेर लेना

46. 'अंग-अंग ढीला होना' मुहावरे का सही अर्थ है–
(A) कमजोर होना
(B) अंगों का बीमार होना
(C) भयभीत होना
(D) बहुत थक जाना

47. 'जान-बूझकर संकट मोल लेना' के लिए सही मुहावरे का चयन कीजिए–
(A) अनर्थ होना
(B) अपना सिर ओखली में देना
(C) अन्न जल उठना
(D) आपे में न रहना

48. पुस्तक माँगने हेतु पत्र किसे लिखा जाता है ?
(A) सम्पादक को
(B) प्रकाशक को
(C) ग्राहक को
(D) मुद्रक को

निर्देश–(प्रश्न 49 एवं 50) दिए गए वाक्यांश के लिए एक शब्द का प्रयोग कीजिए.

49. 'जहाँ पहुँचा न जा सके'
(A) अगम्य (B) आगम
(C) आरोह (D) आगमन

50. 'जिसकी उपमा न हो'
(A) अनुपम (B) अनुज
(C) अनूप (D) अपार

51. निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए–
(A) अहिल्या (B) अहल्या
(C) अकास (D) अरथ

52. निम्नलिखित में से अशुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए–
(A) अघेश (B) अवनि
(C) अवनति (D) अनन्य

53. इनमें से कौनसी बोली पूर्वी हिन्दी की नहीं है ?
(A) अवधी (B) कौरवी
(C) बघेली (D) छत्तीसगढ़ी

54. निम्नलिखित में सम-मात्रिक छन्द का कौनसा उदाहरण है ?
(A) दोहा (B) सोरठा
(C) चौपाई (D) ये सभी

55. शिल्पगत आधार पर दोहे का विपरीत छन्द कौनसा है ?
(A) रोला (B) चौपाई
(C) सोरठा (D) बरवै

56. निम्नलिखित में से कौनसी लिपि देवनागरी लिपि से पर्याप्त साम्य रखती है ?
(A) मराठी (B) मलयालम
(C) गुजराती (D) बांग्ला

57. निम्नलिखित पंक्तियों का संक्षेपण कीजिए–
"मनुष्य जिस संगति में बैठता है, उसे वैसा ही फल मिलता है. बुरे की संगति में बुरा फल मिलता है. अच्छे के साथ रहने से अच्छा परिणाम निकलता है. यदि सज्जन दुर्जनों से घिरा रहेगा, तो दुर्जनों के अवगुण उस पर अवश्य प्रभाव छोड़ेंगे. जिन मित्रों के साथ हम रहते हैं, उनके प्रभाव से बचना अत्यन्त कठिन है."
(A) जैसा करोगे वैसा भरोगे
(B) तेते पाव पसारिए जैसी लावी सोर
(C) सत्संगति
(D) जैसी संगति बैठिए तैसोई फल दीन

निर्देश–(प्रश्न 58 एवं 59) निम्नलिखित 6 वाक्यांशों में से प्रथम व अन्तिम निश्चित हैं, शेष को उचित क्रम में व्यवस्थित कीजिए–

58. (1) हिन्दी वालों के लिए यह समय एक

(य) सरकारी कामकाज, शिक्षालयों, न्यायालयों और सभी क्षेत्रों में अधिक से

(र) ओर तो ठण्डे मन से स्थिति को समझने का और दूसरी

(ल) अधिक लागू करने और हिन्दी भाषा और साहित्य को अधिक-से-अधिक

(व) ओर खुद अपने चार प्रदेशों में जल्द-से-जल्द हिन्दी को

(6) समृद्ध और सशक्त बनाने का है

(A) र व य ल (B) व य र ल

(C) य र ल व (D) ल र व य

59. (1) राष्ट्रपति

(य) किसी न्यायालय के प्रति

(र) क्योंकि उसके सारे कार्य

(ल) उत्तरदायी नहीं

(व) अपने अधिकारों के प्रयोग के लिए

(6) मंत्रिपरिषद् द्वारा सम्पन्न होते हैं.

(A) य व ल र (B) ल व र य

(C) व य ल र (D) व ल य र

60. भाषा की अभिव्यक्ति के कितने रूप हैं ?

(A) तीन (B) चार

(C) दो (D) पाँच

61. तमिल किस परिवार की सबसे पुरानी साहित्यिक भाषा है ?

(A) आग्नेय (B) द्रविड़

(C) आर्य (D) एकाक्षर

62. निम्नलिखित में से कौन 'आकाश' का पर्यायवाची नहीं है ?

(A) घन (B) द्युलोक

(C) अंबर (D) व्योम

63. 'वाहस' निम्नलिखित में से किसका पर्यायवाची है ?

(A) अन्धकार (B) अजगर

(C) अरण्य (D) अनुपम

64. 'उन्मना' शब्द का तद्भव शब्द है–

(A) अजन्मा

(B) अनमना

(C) ऊमना

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

65. 'गोधूम' शब्द है–

(A) देशज (B) विदेशी

(C) तत्सम (D) तद्भव

66. 'कलाकृति' का विच्छेद होगा–

(A) कला + आकृति

(B) कल + आकृति

(C) कलृ + आकृति

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

67. 'हर्षोल्लास' में कौनसी सन्धि है?

(A) गुण स्वर सन्धि

(B) दीर्घ स्वर सन्धि

(C) यण स्वर सन्धि

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

68. 'सम्मति' का सन्धि विच्छेद है–

(A) सम् + मति

(B) सु + मति

(C) सन् + मति

(D) सत् + मति

69. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए–

शब्दालंकार के तीन भेद हैं–अनुप्रास, यमक और ······· .

(A) रूपक (B) श्लेष

(C) उत्प्रेक्षा (D) भ्रान्तिमान

70. निम्नलिखित पंक्ति में अलंकार पहचानिए–

'कलहंस कलानिधी खंजन कंज,

कछू दिन केशव देखि जिये ।'

(A) रूपक (B) श्लेष

(C) अनुप्रास (D) भ्रान्तिमान

71. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य छाँटिए–

(A) इतनी रात गए आप कहाँ थे ?

(B) इतनी रात गई आप कहाँ था ?

(C) आप इतनी रात गए कहाँ थे ?

(D) आप कहाँ थे इतनी रात गए ?

72. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य छाँटिए–

(A) मेरे को पुस्तक दो.

(B) कौन पत्र लिखा है.

(C) गुफा में बहुत अंधेरा है.

(D) उपरोक्त सभी

73. 'मैं पढ़ रहा हूँ' वाक्य वर्तमान काल के किस भेद का उदाहरण है ?

(A) सामान्य वर्तमान

(B) तात्कालिक वर्तमान

(C) पूर्ण वर्तमान

(D) सम्भाव्य वर्तमान

74. इनमें से कौनसा विकल्प बाकी तीनों विकल्पों से पूरी तरह अलग है ?

(A) अन्तर (B) भिन्नता

(C) अम्बर (D) दूरी

75. अनेकार्थी शब्द 'कुण्डली' के लिए निम्नलिखित में से एक अर्थ है–

(A) कचौड़ी (B) इमरती

(C) बर्फी (D) समोसा

76. 'अधिकृत' के लिए विलोम शब्द होगा–

(A) नअधिकृत

(B) अनाधिकृत

(C) बिनअधिकृत

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

77. काले शब्द के विलोम शब्द का चयन कर रिक्त स्थान भरिए–

"संसार में सभी जीव **स्वतन्त्रता** चाहते हैं ········ नहीं".

(A) पराधीन (B) गुलाम

(C) परतन्त्रता (D) स्वतन्त्रता

78. निम्नलिखित वाक्य में कौनसा विराम चिह्न छूटा है ?

"मोहन कमल और सुरेश एक साथ शाला जाते हैं."

(A) अल्पविराम

(B) योजक चिह्न

(C) पूर्ण विराम

(D) विवरण चिह्न

79. मैथिलीशरण गुप्त द्वारा रचित 'यशोधरा' नामक काव्य किस श्रेणी का काव्य है ?

(A) महाकाव्य (B) खण्डकाव्य

(C) चम्पू काव्य (D) लघु काव्य

80. रस सिद्धान्त के आदि प्रवर्तक कौन हैं ?

(A) भरत मुनि (B) भानुदत्त

(C) विश्वनाथ (D) भामह

81. वीभत्स रस का स्थायी भाव है–

(A) निर्वेद (B) विस्मय

(C) क्रोध (D) जुगुप्सा

82. 'झूठे झूठे झूठे ! झूठे ही नहीं विश्वास-घातक' लेखक की यह अनूठी और निराली शैली किस नाटककार की है ?

(A) जयशंकर प्रसाद

(B) प्रताप नारायण मिश्र

(C) भारतेन्दु हरिशचन्द्र

(D) बालकृष्ण भट्ट

83. निम्नलिखित में से महादेवी वर्मा द्वारा रचित कहानी कौनसी है ?

(A) कवि की स्त्री

(B) आकाश दीप

(C) बड़े भाई साहब

(D) सुखमय जीवन

84. पंचायिका नामक पत्रिका का प्रकाशन कौनसी संस्था करती है ?

(A) दैनिक भास्कर

(B) माध्यम

(C) तरंग

(D) विधि

85. निम्नलिखित पहेली के सही उत्तर का चयन कीजिए–

"मोर घर कर पहरेदार, नई खाय नई पीये ।

जुग-जुग तलक जिये ॥"

(A) चौकीदार
(B) ताला
(C) किवाड़
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

86. निम्नलिखित पहेली के सही उत्तर का चयन कीजिए–

"छोटा-सा काला घर, घूमता रहता इधर-उधर ।"

(A) छड़ी (B) चकरी
(C) चश्मा (D) छाता

87. ह्रस्व स्वर के उदाहरण हैं–
(A) अ, इ, उ, ऋ
(B) आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ
(C) अ, ई, उ, ए, ओ
(D) अ, आ, इ, ई, ऋ

88. 'स्वरूप' का शुद्ध वर्तनी विश्लेषण होगा–
(A) स + र् + ऊ + प
(B) स्+व्+अ+र्+ऊ+प्+अ
(C) स् + अ + र् + ऊ + प
(D) स् + व् + अ + ऊ + प्

89. 'अंश-अंस' शब्द-युग्म के सही अर्थ-भेद का चयन कीजिए–
(A) हिस्सा-बाद
(B) बाद-कंधा
(C) हिस्सा-कंधा
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

90. निम्नलिखित में से कोई एक युग्म समोच्चारित नहीं है, चयन कीजिए–
(A) अभिमान-अभियान
(B) अरबी-अरवी
(C) अवधि-अवधी
(D) मूल्य-अमूल्य

91. निम्नलिखित में से 'मीमांसा' शब्द के समानार्थी शब्द का चयन कीजिए–
(A) बुद्धि (B) ज्ञान
(C) आलोचना (D) विवेचना

92. निम्नलिखित वाक्य में से काले शब्द के समानार्थी शब्द का चयन कीजिए–

"शिक्षितों पर **अत्याचार** की घटनाएँ बढ़ती जा रही हैं ।"

(A) अनाचार (B) उत्पीड़न
(C) शोषण (D) दुष्कर्म

93. 'कमलनयन' का विग्रह होगा–
(A) कमल के नयन
(B) कमल के समान नयन
(C) नयन है कमल जिसका
(D) कमल है जिसका नयन

94. 'तीन नदियों का समाहार' किस शब्द का विग्रह है ?
(A) त्रिकोण (B) त्रिकाल
(C) त्रिलोक (D) त्रिवेणी

95. कविश्रेष्ठ का विग्रह होगा–
(A) कवियों से श्रेष्ठ
(B) कवियों के लिए श्रेष्ठ
(C) कवियों में श्रेष्ठ
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

96. निम्नलिखित वाक्यों में से सरल वाक्य का चयन कीजिए–
(A) यहाँ का प्रबन्ध अति त्रुटिपूर्ण है
(B) आशा है कि मुझे पुरस्कार मिलेगा
(C) हम न घर के रहे न घाट के
(D) वह जो लड़का है छोटा है

97. 'बीता हुआ क्षण सदा के लिए गया' वाक्य है–
(A) सरल
(B) मिश्र
(C) संयुक्त
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

98. 'स्वभावतः' का अंग्रेजी पर्याय है–
(A) As aforesaid
(B) As a matter of course
(C) As a matter of fact
(D) As a general rule

99. 'Numismatist' का आशय है–
(A) समाजशास्त्री
(B) राजनैतिक शास्त्री
(C) मुद्रा शास्त्री
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

100. 'अपनी करनी पार उतरनी' लोकोक्ति का अर्थ है–
(A) दान देने से मुक्ति मिलती है
(B) यज्ञ करने से बैकुण्ठ मिलता है
(C) मूर्ति पूजा से मोक्ष मिलता है
(D) अपने किए का फल भोगना

सामान्य ज्ञान

101. प्रसिद्ध राजारानी मन्दिर कहाँ स्थित है ?
(A) भुवनेश्वर (B) बैंगलोर
(C) मुम्बई (D) पुरी

102. निम्नलिखित को मिलाएं और नीचे दिए गए कोडों के आधार पर सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची-I
(a) कर्नाटक (b) तमिलनाडु
(c) महाराष्ट्र (d) केरल

सूची-II
1. सबरीमाला मन्दिर
2. सिद्धिविनायक मन्दिर
3. मदुरई मीनाक्षी मन्दिर
4. धर्मस्थला

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	3	2	1
(B)	4	3	1	2
(C)	3	4	2	1
(D)	4	2	3	1

103. जल का मुख्य स्रोत है ········ .
(A) सरोवर (B) नदियाँ
(C) सागर (D) वर्षा

104. कौनसा फल विटामिन-सी देता है ?
(A) पपीता (B) चीकू
(C) संतरा (D) सेब

105. CD-ROM एक ········ है.
(A) मैग्नेटिक मेमोरी
(B) रजिस्टर मेमोरी
(C) चीफ डायरेक्टर-ROM
(D) इंटरनल मेमोरी

106. कैरोटीन, ········ में पाए जाते हैं.
(A) दूध (B) मांस
(C) गाजर (D) नींबू

107. 1971 में स्थापित, इन्दिरा गांधी परमाणु अनुसन्धान केन्द्र ········ में स्थित है.
(A) कलपक्कम
(B) श्रीहरिकोटा
(C) तिरूवनंतपुरम
(D) बेंगलुरू

108. एक व्यापक सरणी जहाँ एक नदी का पानी है और एक समुद्र का आपस में मिलना ········ कहलाता है.
(A) एक डेल्टा
(B) एक ज्वारनदमुख
(C) एक बन्दरगाह
(D) एक जलडमरूमध्य

109. गुजरात का प्रसिद्ध नृत्य क्या है ?
(A) भरतनाट्यम
(B) डांडिया
(C) सोलो
(D) कथक

110. भारत में सबसे छोटा राष्ट्रीय राजमार्ग कौनसा है ?
(A) कुंडन्नूर–विलींगडन
(B) आगरा–मुम्बई
(C) कोलकाता–हजीरा
(D) चेन्नई–ठाणे

111. श्री पद्मनाभस्वामी मन्दिर ……… में स्थित है.
(A) कर्नाटक
(B) केरल
(C) महाराष्ट्र
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

112. चिन्नार वन्यजीव अभयारण्य (CWS) भारत के किस राज्य में स्थित है ?
(A) तमिलनाडु
(B) कर्नाटक
(C) आन्ध्र प्रदेश
(D) केरल

113. कौनसा स्थल मध्य प्रदेश में स्थित नहीं है ?
(A) ग्वालियर का किला
(B) बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान
(C) ओंकारेश्वर मन्दिर
(D) सोमनाथ मन्दिर

114. विश्व में नवीनतम देश है …… .
(A) इरिट्रिया
(B) पूर्वी तिमोर
(C) दक्षिण सूडान
(D) पलाऊ

115. विश्व में अंगूर का उत्पादन करने वाला सबसे बड़ा देश है ……… .
(A) चीन
(B) स्पेन
(C) सिंगापुर
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

116. अंकुश दहिया जिस खेल के साथ जुड़े हुए हैं, वह है ……
(A) तीरंदाजी (B) मुक्केबाजी
(C) कुश्ती (D) बैडमिंटन

117. 'ग्रेण्ड स्लेम' शब्द किस खेल से जुड़ा हुआ है ?
(A) हॉकी (B) टेनिस
(C) बैडमिंटन (D) टेबल-टेनिस

118. राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार 2015 किसने जीता था ?
(A) योगेश्वर दत्त
(B) साइना नेहवाल
(C) सानिया मिर्जा
(D) गगन नारंग

119. वर्तमान में भारत के कानून और न्याय के केन्द्रीय मंत्री कौन है ?
(A) डी.वी. सदानन्दा गोवडा
(B) थावर चाँद गहलोत
(C) रवि शंकर प्रसाद
(D) सुरेश प्रभु

120. टी20 मैच के दौरान जब कोई निर्णायक (एम्पायर) अपने हाथों से T का संकेत करता है, तो वह क्या संकेत कर रहा है ?
(A) फ्री हिट
(B) नो बॉल
(C) वाइड बॉल
(D) टाइम आउट

121. 'एम.सी.ए.-21' में प्रयोग किया जाने वाला डी.एस.सी. का पूरा नाम क्या है, जो एक रजिस्ट्री से सम्बन्धित सेवा के लिए ई-गवर्नेंस परियोजना है ?
(A) डुप्लीकेट सीक्रेट कोड
(B) डिजिटल सीक्रेट कोड
(C) डिजिटल सीक्रेट सर्टिफिकेट
(D) डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट

122. निम्नलिखित में से कौन सबसे बड़ा गन्ना उत्पादक देश है ?
(A) भारत (B) ब्राजील
(C) चीन (D) अमरीका

123. विश्व में सेब का सबसे बड़ा उत्पादक है ……
(A) भारत (B) इरान
(C) चीन (D) रूस

124. गेहूँ उत्पादन में भारत का अग्रणी राज्य ……… है.
(A) पंजाब (B) हरियाणा
(C) उत्तर प्रदेश (D) मध्य प्रदेश

125. दिल्ली के 'कवि सम्राट' कौन थे ?
(A) बहादुर शाह I
(B) बहादुर शाह II
(C) मुहम्मद शाह
(D) मुहम्मद शाह II

126. निम्नलिखित में से कौनसे भारतीय प्रोफेसर, 'फैलोस ऑफ द रॉयल सोसाइटी' (FRS) के रूप में निर्वाचित किए गए थे ?
(A) श्रीराम रामास्वामी
(B) जॉन कुरियन
(C) अजय सूद
(D) कमल बावा

127. ज्यामिति के जनक के रूप में कौन जाना जाता है ?
(A) अरस्तू
(B) यूक्लिड
(C) पाइथागोरस
(D) केपलर

128. पाकिस्तान के प्रथम प्रधानमंत्री कौन थे ?
(A) एम.ए. जिन्ना
(B) मौलाना अब्दुल कलाम आजाद
(C) लियाकत अली खान
(D) जुल्फिकार अली भुट्टो

129. 1903 में टूर डी फ्रांस के प्रथम विजेता कौन थे ?
(A) मौरिस गैरिन
(B) लांस एमस्ट्रांग
(C) क्रिस फ्रूमे
(D) हेनरी कन्रेट

130. भारत के प्रथम कानून मंत्री कौन थे ?
(A) अशोके कुमार सेन
(B) शान्ति भूषण
(C) बी.आर. अम्बेडकर
(D) हंस राज खन्ना

131. भारत के प्रथम साइबर सुरक्षा प्रमुख के रूप में किसका चयन किया गया है ?
(A) धनुष भट्टाचार्य
(B) राजेश सिंह
(C) गुलशन राय
(D) रमेश अग्रवाल

132. अखिल भारतीय सेवा कार्मिकों की यूपीएससी ……… करती है.
(A) पदोन्नति (B) स्थानान्तरण
(C) नियुक्ति (D) चयन

133. अशोक मेहता समिति ………… से सम्बन्धित थी.
(A) केन्द्र-राज्य सम्बन्ध
(B) आर्थिक सुधार
(C) पंचायती राज्य
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

134. निम्नलिखित में से कौन भारतीय राज्य के मुख्यमंत्री नहीं थे ?
(A) बी.एस. येदियुरप्पा
(B) पन्नीरसेल्वम
(C) मल्लिकार्जुन खड़गे
(D) राजनाथ सिंह

135. मौलिक अधिकारों के प्रवर्तन के लिए, सुप्रीम कोर्ट इसे जारी कर सकता है–
(A) डिक्री (B) अध्यादेश
(C) अधिसूचना (D) रिट

136. भारी हथियारों के परिवहन के लिए, टीपू सुल्तान द्वारा विकसित की गई, हल्लीकर, ······ की एक विशेष किस्म थी.
(A) पशु (B) हाथी
(C) बिल्ली (D) जिराफ

137. 'भारतीय पुनर्जागरण के जनक' कौन माने जाते थे ?
(A) रंजीत सिंह
(B) सरदार बलदेव सिंह
(C) राजा राम मोहन राय
(D) महात्मा गांधी

138. भारत की पहली महिला आईपीएस पुलिस अधिकारी कौन थी ?
(A) मेरिन जोसेफ
(B) मीरा बोरवंकर
(C) चन्द्रकला
(D) किरण बेदी

139. 'वीर यात्रा' जो भारत में सैन्य पर्यटन की एक पहल है, किस शहर में शुरू की गई है ?
(A) मुम्बई (B) पुणे
(C) दिल्ली (D) चेन्नई

140. 2016 में निम्नलिखित में से किसकी सदस्यता पाने में भारत विफल हो गया ?
(A) BRIC (B) NSG
(C) SAARC (D) CEPA

141. जीवन रक्षक पदक पुरस्कार किससे सम्बन्धित है ?
(A) स्वास्थ्य और बीमा
(B) विज्ञान और प्रौद्योगिकी
(C) गरीबी उन्मूलन
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

142. 'अ सुटेबल बॉय' ········ द्वारा लिखी गई किताब है.
(A) विक्रम सेठ (B) अशोक गुप्ता
(C) भवभूति (D) शोभा डे

143. पुस्तक 'एक्सप्लोरिंग मार्क्सिस्ट बंगाल' के लेखक कौन हैं ?
(A) अनिल चन्द्र बनर्जी
(B) देबराज भट्टाचार्य
(C) स्वाति बोस
(D) सुधीश चन्द्र बनर्जी

144. अरुणाचल प्रदेश के 10वें मुख्यमंत्री के रूप में किसने शपथ ली है ?
(A) कालिखो पुल
(B) नबम तुकी
(C) पेमा खंडू
(D) किरन रिजूजू

145. संसद के बाद जी.एस.टी. बिल पास करने वाला पहला राज्य कौनसा था ?
(A) बिहार (B) असम
(C) छत्तीसगढ़ (D) झारखण्ड

146. टेलीविजन में 'एलसीडी' का क्या अर्थ है ?
(A) लाइट कन्ट्रोल डिस्प्ले
(B) लिक्विड क्रिस्टल डिस्प्ले
(C) लाइट कनेक्टिंग डिस्प्ले
(D) लाइट कनेक्टिंग डिवाइस

147. कौनसे दिन को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया है ?
(A) 2 अक्टूबर (B) 21 जून
(C) 13 जनवरी (D) 15 अगस्त

148. निम्नलिखित में से कौन सापेक्षतः मध्य प्रदेश का नया जिला है ?
(A) रीवा (B) मुरैना
(C) अनूपपुर (D) देवास

149. बड़ा उद्योग, बी.एच.ई.एल. मध्य प्रदेश में कहाँ पर स्थित है ?
(A) ग्वालियर (B) इन्दौर
(C) उज्जैन (D) भोपाल

गणित

150. $-(7^2 - 6^2)$ का पूर्ववर्ती निकालिए ?
(A) –12 (B) –14
(C) 12 (D) 14

151. $m = 1, n = 2$ और $r = -3$ के लिए $(m + n - r)^4$ का मान होगा–
(A) 216 (B) 1296
(C) 0 (D) –1216

152. यदि $x + \frac{1}{x} = 5$, तो $x^2 + \frac{1}{x^2}$ का मान है …… .
(A) 25 (B) 27
(C) – 23 (D) 23

153. समानान्तर रेखाओं के युग्म, सममिति रेखा, समकोण और असमान लम्बाई की भुजाओं के बिना वाले चतुर्भुज को कहते हैं ········ .
(A) समलम्ब
(B) पतंग
(C) समानान्तर चतुर्भुज
(D) अनियमित चतुर्भुज

154. एक बेलनाकार दूध के टैंक की लम्बाई 8 सेमी है और उसका व्यास 4 सेमी है. इसे पूर्णतः बाहर दोनों तरफ से पेंट करना है. ₹ 70 प्रति वर्ग सेमी के दर पर लागत क्या होगी ?
(A) ₹ 8800 (B) ₹ 4400
(C) ₹ 2200 (D) ₹ 17600

155. A, B और C के वेतन 2 : 3 : 5 के अनुपात में हैं. यदि 15%, 10% और 20% की वेतन-वृद्धि उनकी क्रमशः वेतन में की जाती है, तो उनके वेतन का नया अनुपात है ……… .
(A) 20 : 33 : 60
(B) 21 : 33 : 60
(C) 22 : 33 : 60
(D) 23 : 33 : 60

156. एक कोड 0 से 9 में से चुने गए अंक व एक अक्षर से मिलकर बना है. कोड की 9Z होने की प्रायिकता है–
(A) $\frac{1}{260}$ (B) $\frac{1}{36}$
(C) $\frac{1}{18}$ (D) $\frac{9}{65}$

157. 12, 17, 16 और x का माध्य 15 है. x का क्या मान है ?
(A) 45 (B) 10
(C) 5 (D) 15

158. निम्नलिखित में से कौनसा बिन्दु Y-अक्ष पर स्थित है ?
(A) (–8, 0) (B) (–8 –8)
(C) (0, 8) (D) (8, 1)

159. समानान्तर चतुर्भुज का आधार उसकी ऊँचाई से तिगुना है और इसका क्षेत्रफल 192 वर्ग सेमी है. ·········· आधार है और ········ समानान्तर चतुर्भुज की ऊँचाई है.
(A) 24 सेमी और 8 सेमी
(B) 8 सेमी और 24 सेमी
(C) 6 सेमी और 18 सेमी
(D) 21 सेमी और 7 सेमी

160. कोण की एसआई इकाई है–
(A) डिग्री
(B) रेडियन
(C) स्टेरेडियन
(D) रेडियन/सेकण्ड

161. नारियल तेल सर्दियों में जम जाता है, लेकिन मूँगफली का तेल नहीं. नीचे दिए गए कथनों में से सही कारण का चयन करें–
(A) नारियल के तेल की गुप्त संगलन ऊष्मा मूँगफली के तेल से कम है
(B) नारियल के तेल का गलनांक मूँगफली के तेल से उच्च है
(C) नारियल तेल के मूँगफली तेल से कम आण्विक आकर्षण हैं
(D) नारियल तेल का गलनांक मूँगफली के तेल से कम है

162. एक पत्थर को सीधे ऊपर की ओर 30 मी/से के आरम्भिक वेग से फेंका गया. गुरुत्व के कारण त्वरण $g = 10$ मी/से^{2} है. पत्थर द्वारा पहुँची गई अधिकतम ऊँचाई है–

(A) 30 मीटर (B) 4·5 मीटर
(C) 45 मीटर (D) 90 मीटर

163. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?

(A) समुद्र समीर रात में होती है
(B) थल समीर रात में होती है
(C) चक्रवातों में, तेज वेग की वायु तेज दाब के क्षेत्र के चारों ओर घूमती है
(D) चक्रवातों में, वायु की दिशा दोनों गोलार्द्धों में दक्षिणावर्त होती है

164. निम्नलिखित में से कौन एक यौगिक है ?

(A) आयोडीन (B) मृदा
(C) दूध (D) शर्करा

165. निम्नलिखित में से किस प्रक्रिया द्वारा समुद्री जल से सामान्य नमक प्राप्त किया जाता है ?

(A) केवल वाष्पन के द्वारा
(B) केवल क्रिस्टलन के द्वारा
(C) केवल संघनन के द्वारा
(D) वाष्पन तथा क्रिस्टलीकरण दोनों के द्वारा

166. शरीर के बाहर निर्मुक्त बाह्य एंजाइमों द्वारा पाचन जिस पोषक में सम्मिलित है, उसका प्रयोग इनके द्वारा किया जाता है–

(A) सहजीवी (B) परजीवी
(C) मृतजीवी (D) सहभोजी

167. झिल्ली परिबंध कोशिकांग का नाम बताइए जिसकी एक सिरे पर जीवद्रव्य कला के साथ और दूसरे सिरे पर केन्द्रकीय झिल्ली के साथ निरन्तरता होती है–

(A) गॉल्जी सम्मिश्र
(B) अंतर्द्रव्यी जालिका
(C) लाइसोसोम
(D) माइटोकॉन्ड्रिया

168. प्रोटीन का आकार कौन निर्धारित करता है ?

(A) प्रोटीन में अमीनो अम्ल का अनुक्रम
(B) कोशिका में प्रोटीन का कार्य
(C) कोशिका में वह स्थान जहाँ यह एकत्रित किया जाता है
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

169. कस्टम जीव ······· की वजह से एक वास्तविकता बन गए हैं.

(A) अणुजैविकी
(B) सुजननिकी
(C) जीव प्रौद्योगिकी
(D) आनुवंशिक अभियान्त्रिकी

170. एक बल्लेबाज ने 16 पारियों के लिए कुछ निश्चित औसत रन बनाए. 17वीं पारी में, उसने 85 रन बनाए, जिसके परिणामस्वरूप उसके औसत में 3 की वृद्धि हो गई. 17वीं पारी में उसका औसत क्या है ?

(A) 38 (B) 37
(C) 36 (D) 35

171. 30 श्रमिक 20 दिन में एक सरणी की खुदाई कर सकते हैं. उसी कार्य को पूरा करने के लिए 25 श्रमिकों को कितने दिन लगेंगे ?

(A) 30 (B) 34
(C) 20 (D) 24

172. 120 का $\frac{1}{12}$वाँ है–

(A) 20 (B) 10
(C) 30 (D) 40

173. जब आप 314 को 12 से विभाजित करते हैं, तो शेष–

(A) 2
(B) 4
(C) 6
(D) इनमें से कोई नहीं

174. 10 छात्रों और एक शिक्षक की आयु का औसत 28 है. यदि शिक्षक को अलग कर दिया जाए, तो औसत आयु 3 साल कम हो जाती है. शिक्षक की आयु क्या है ?

(A) 56 (B) 54
(C) 58 (D) 60

175. 3 साल पहले, 5 सदस्यों वाले एक परिवार की औसत आयु 17 वर्ष थी. आज जब परिवार में एक बच्चा बढ़ गया है, तब भी औसत आयु वही है. वर्तमान में बच्चे की आयु क्या है ?

(A) 1 वर्ष (B) $1\frac{1}{2}$ वर्ष
(C) 2 वर्ष (D) $2\frac{1}{2}$ वर्ष

176. वर्ष 1979 में एक खेत की कुल पैदावार 17820 किलोग्राम थी. यह वर्ष 1978 से 8% अधिक थी एवं वर्ष 1978 का उत्पादन वर्ष 1977 से 10% अधिक था. वर्ष 1977 में उत्पादन क्या था ?

(A) 150 क्विंटल
(B) 146 क्विंटल
(C) 160 क्विंटल
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

177. 300 का 45% है–

(A) 135 (B) 140
(C) 145 (D) 150

178. लुप्त अक्षर भरिए–

aabaa_ba_a_a

(A) a, b, a (B) b, a, b
(C) a, a, b (D) b, a, a

179. निम्नलिखित चार पतों में से कौनसा नीचे दिए गए पते के एकदम समान नहीं है ?

Bruce & Son Concrete Finishers
4860 Charleston Hwy
Rowesville, SC 29133
(803) 531-3721

(i) Bruce & Son Concrete Finishers
4860 Charleston Hwy
Rovesville, SC 29133
(803) 531-3721

(ii) Bruce & Son Concrete Finishers
4860 Charleston Hwy
Rowesville, SC 29133
(803) 531-3721

(iii) Bruce & Son Concrete Finishers
4860 Charleston Hwy
Rowesville, SC 29133
(803) 531-3721

(iv) Bruce & Son Concrete Finishers
4860 Charleston Hwy
Rowesville, SC 29133
(803) 531-3721

(A) (i) (B) (ii)
(C) (iii) (D) (iv)

180. निम्नलिखित चार पतों में से कौनसा बाकी तीन के एकदम समान नहीं है ?

National Trust
Cerrera 7
Officina 1001
Edifiicio Bancafe
Bogota DC
COLOMBIA

(i) National Trust
Cerrera 7
Officina 1001
Edificio Bancafe
Bogota DC
COLOMBIA

(ii) National Trust
Cerrera 7
Officina 1001
Edificio Bancafe
Bogota DC
COLOMBIA

(iii) National Trust
Cerrera 7
Officina 1001
Edifiicio Bancafe
Bogota DC
COLOMBIA

(iv) National Trust
Cerrera 7
Officina 1001
Edificio Bancafe
Bogota DC
COLOMBIA

(A) (i) (B) (ii)
(C) (iii) (D) (iv)

181. एक रेलगाड़ी 90 मीटर लम्बे प्लेटफॉर्म को 30 सेकण्ड में पार कर लेती है एवं प्लेटफॉर्म पर खड़े एक व्यक्ति को 15 सेकण्ड में पार करती है. रेलगाड़ी की गति कितनी है ?
(A) 2 मीटर/सेकण्ड
(B) 3 मीटर/सेकण्ड
(C) 5 मीटर/सेकण्ड
(D) 6 मीटर/सेकण्ड

182. एक टेप रिकॉर्डर को ₹ 800 में बेचने पर ₹ 75 का नुकसान हुआ. उसका क्रय मूल्य ज्ञात कीजिए–
(A) ₹ 800
(B) ₹ 900
(C) ₹ 875
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

183. श्रृंखला में अगला पद ज्ञात कीजिए–
3, 6, 8, 16, 18, … .
(A) 32 (B) 42
(C) 36 (D) 38

184. श्रृंखला में अगला पद ज्ञात कीजिए–
5, 11, 18, 45, 74, 173, … .
(A) 275 (B) 287
(C) 285 (D) 310

185. किसी खास भाषा में 'hela dela kela' का मतलब है 'secret code word', 'dela hola jala' का मतलब है 'the last word' और 'kela kola pela' का मतलब है 'her secret affair', तो उस भाषा में शब्द 'hela' इसके लिए प्रयोग हुआ है–
(A) affair (B) last
(C) secret (D) code

186. वह कथन चुनिए, जो दिए गए कथनों एवं निष्कर्षों के बारे में सही है–
कथन :
सभी खिलाड़ी हत्यारे हैं.
सभी हत्यारे ब्लेजर हैं.
निष्कर्ष :
I. कुछ ब्लेजर खिलाड़ी हैं.
II. कुछ ब्लेजर हत्यारे हैं.
(A) केवल I सत्य है
(B) केवल II सत्य है
(C) दोनों I और II सत्य हैं
(D) न तो I न ही II सत्य है

187. वह कथन चुनिए, जो दिए गए कथनों एवं निष्कर्षों के बारे में सही हैं–
कथन :
सभी नल पाइप हैं
सभी पाइप ट्यूबें हैं.
निष्कर्ष :
I. सभी पाइप नल हैं.
II. सभी नल ट्यूबें हैं.
(A) केवल निष्कर्ष I निकलता है
(B) केवल निष्कर्ष II निकलता है
(C) निष्कर्ष I और II दोनों निकलते हैं
(D) न तो निष्कर्ष I और न ही II निकलता है

188. वह कथन चुनिए जो दिए गए कथनों एवं निष्कर्षों के बारे में सही है–
कथन :
कुछ लड़के इंजीनियर हैं.
रवि एक इंजीनियर है.
निष्कर्ष :
I. कुछ इंजीनियर लड़के हैं.
II. कुछ लड़के इंजीनियर नहीं हैं.
(A) केवल निष्कर्ष I निकलता है
(B) केवल निष्कर्ष II निकलता है
(C) निष्कर्ष I और II दोनों निकलते हैं
(D) न तो निष्कर्ष I और न ही II निकलता है

189. वह कथन चुनिए, जो तर्क की दृष्टि से दिए गए कथन के समान है–
यदि वे जुड़वाँ बच्चे हैं, तो वे एक जैसे दिखते हैं.
(A) यदि वे एक जैसे नहीं दिखते, तो वे जुड़वाँ नहीं हैं
(B) यदि वे जुड़वाँ नहीं हैं, तो वे एक जैसे नहीं दिखते
(C) यदि वे एक जैसे दिखते हैं, तो वे जुड़वाँ हैं
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

190. वह कथन चुनिए, जो तर्क की दृष्टि से दिए गए कथन के समान है–
यदि हम बस छोड़ दें, तो हम कक्षा के लिए लेट हो जाएंगे.
(A) यदि हम बस छोड़ दें, तो हम कक्षा के लिए लेट हो जाएंगे
(B) यदि हम कक्षा के लिए लेट नहीं हैं, तो हमने बस नहीं छोड़ी
(C) यदि हमनें बस नहीं छोड़ी, तो हम कक्षा के लिए लेट नहीं हैं
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

191. एक प्लेटफॉर्म पर खड़े हुए, अनुज ने शिल्पा को कहा कि मैसूर वहाँ से 15 किमी से अधिक परन्तु 20 किमी से कम था. शिल्पा को पता था कि वह वहाँ से 17 किमी अधिक था, परन्तु 19 किमी से कम था. यदि दोनों सही हैं, तो निम्नलिखित में से प्लेटफॉर्म से मैसूर की दूरी कौनसी हो सकती है ?
(A) 16 किमी (B) 17 किमी
(C) 18 किमी (D) 19 किमी

192. यदि 29 अक्टूबर, 2002 मंगलवार के दिन पड़ता है, तो 29 अक्टूबर, 2006 को कौनसा दिन होगा ?
(A) गुरुवार (B) शुक्रवार
(C) शनिवार (D) रविवार

193. नीचे दिखाए गए क्रम में अगली आकृति कौनसी होगी ?

(i) (ii) (iii) (iv)

(A) (B)
(C) (D)

194. 9, 0, 4, 1, 6 अंकों द्वारा कितनी भिन्न प्रकार की 5 अंक की संख्याओं का निर्माण किया जा सकता है (अग्र संख्याओं की अनुमति नहीं है) ?
(A) 120 (B) 90
(C) 96 (D) 84

195. रवि कहता है, "मैं सौरभ की पत्नी के पिता का बेटा हूँ." रवि सौरभ से कैसे सम्बन्धित है ?
(A) साला (B) भाई
(C) पिता (D) अंकल

196. निम्नलिखित प्रश्न में, पहले शब्द का दूसरे शब्द के साथ किसी प्रकार से कोई सम्बन्ध है. यदि तीसरे शब्द का चौथे शब्द के साथ उसी प्रकार का सम्बन्ध होना चाहिए, तो चौथा शब्द होगा–

चढ़ना : उतरना :: कॉमिक : ?

(A) भावुक (B) दर्दनाक
(C) दुखद (D) भयभीत

197. A + B का मतलब है A, B के पिता हैं.
A – B का मतलब है A, B की माता है.
A × B का मतलब है A, B का भाई है.
A / B का मतलब है A, B की बहन है.
A ! B का मतलब है A, B का बेटा है.
A $ B का मतलब है A, B की बेटी है.
यदि C और A के बीच का सम्बन्ध C ! B × D $ A से दर्शाया गया है, तो C, A से कैसे सम्बन्धित है ?

(A) बेटा (B) बेटी
(C) पोती (D) पोता

198. P, Q का परिचय इस प्रकार देता है, "यह मेरे पिता के पिता की पोती का पति है." Q, P से कैसे सम्बन्धित है (दादा की केवल एक सन्तान है) ?

(A) भतीजा (B) भाई
(C) बेटा (D) बहनोई

199. निम्नलिखित में से कौनसा LIGHT का जल प्रतिबिम्ब है ?

(A) ⊥ICH⊥ (B) HICH⊥
(C) ꓘICH⊥ (D) ΓICH⊥

200. निम्नलिखित में से मध्य प्रदेश की मुख्य नदी बेसिन कौनसी नहीं है ?

(A) गंगा बेसिन
(B) ताप्ती बेसिन
(C) माही बेसिन
(D) महानदी बेसिन

उत्तर व्याख्या सहित

1. (C) 2. (B) 3. (A) 4. (D) 5. (A)
6. (A) 7. (A) 8. (B) 9. (A) 10. (D)
11. (C) 12. (B) 13. (A) 14. (A) 15. (B)
16. (C) 17. (A) 18. (C) 19. (D) 20. (D)
21. (D) 22. (B) 23. (C) 24. (A) 25. (A)
26. (B) 27. (B) 28. (C) 29. (A) 30. (C)
31. (C) 32. (B) 33. (A) 34. (D) 35. (D)
36. (C) 37. (A) 38. (C) 39. (B) 40. (C)
41. (B) 42. (B) 43. (B) 44. (C) 45. (B)
46. (D) 47. (B) 48. (B) 49. (A) 50. (A)
51. (A) 52. (A) 53. (B) 54. (C) 55. (C)
56. (C) 57. (D) 58. (A) 59. (C) 60. (C)
61. (B) 62. (A) 63. (B) 64. (B) 65. (C)
66. (A) 67. (A) 68. (A) 69. (B) 70. (C)
71. (A) 72. (C) 73. (B) 74. (C) 75. (B)
76. (B) 77. (C) 78. (A) 79. (C) 80. (A)
81. (D) 82. (C) 83. (B) 84. (B) 85. (C)
86. (D) 87. (A) 88. (B) 89. (C) 90. (D)
91. (D) 92. (B) 93. (B) 94. (D) 95. (C)
96. (A) 97. (A) 98. (B) 99. (C) 100. (D)
101. (A) 102. (A) 103. (D) 104. (C) 105. (A)
106. (C) 107. (A) 108. (B) 109. (B) 110. (A)
111. (B) 112. (D) 113. (D) 114. (C) 115. (A)
116. (B) 117. (B) 118. (C) 119. (C) 120. (D)
121. (D) 122. (B) 123. (C) 124. (C) 125. (B)
126. (A) 127. (B) 128. (C) 129. (A) 130. (C)
131. (C) 132. (D) 133. (C) 134. (C) 135. (D)
136. (A) 137. (C) 138. (D) 139. (B) 140. (B)
141. (D) 142. (A) 143. (B) 144. (C) 145. (B)
146. (B) 147. (B) 148. (C) 149. (D)

150. (B)
$$-(7^2 - 6^2) = -(49 - 36) = -13$$
अतः पूर्ववर्ती मान $= -14$

151. (B) $m = 1, n = 2$ तथा $r = -3$ के मान रखने पर,
$$(m + n - r)^4 = [1 + 2 - (-3)]^4 = [3 + 3]^4 = 6^4 = 1296$$

152. (D)
$$\left(x + \frac{1}{x}\right)^2 = x^2 + \frac{1}{x^2} + 2$$
$$\Rightarrow (5)^2 = x^2 + \frac{1}{x^2}$$
$$\Rightarrow 25 - 2 = x^2 + \frac{1}{x^2}$$
$$\therefore x^2 + \frac{1}{x^2} = 23$$

153. (A)

154. (A) ∴ अभीष्ट लागत
$$= 2 \times \frac{22}{7} \times 2(2 + 8) \times 70 = 2 \times 22 \times 20 \times 10 = ₹\,8800$$

155. (D) ∴ वेतन का अभीष्ट नया अनुपात
$$= \frac{2 \times 115}{100} : \frac{3 \times 110}{100} : \frac{5 \times 120}{100} = 230 : 330 : 600 = 23 : 33 : 60$$

156. (A) ∴ अभीष्ट प्रायिकता $= \frac{1}{10} \times \frac{1}{26} = \frac{1}{260}$

157. (D)
$$\frac{12 + 17 + 16 + x}{4} = 15$$
$$\Rightarrow x = 15 \times 4 - (45) = 60 - 45$$
$$\therefore x = 15$$

158. (C) Y-अक्ष पर स्थित बिन्दु पर x का मान शून्य होता है. अतः $(0, 8)$ है.

159. (A) माना ऊँचाई h सेमी हो, तो आधार $= 3h$

∴ क्षेत्रफल $= h \times 3h = 192$

$\Rightarrow h^2 = 64$

$\Rightarrow \therefore h = 8$ सेमी

∴ आधार $= 3 \times 8 = 24$ सेमी

160. (B) 161. (B) 162. (C) 163. (B) 164. (D)
165. (D) 166. (C) 167. (B) 168. (A) 169. (D)

170. (B) माना 16 पारियों के बाद औसत x रन हो, तो प्रश्नानुसार,
$$16x + 85 = 17(x + 3)$$
$$\Rightarrow 85 - 51 = 17x - 16x$$
$$\therefore x = 34$$
∴ 17वीं पारी में औसत $= 34 + 3 = 37$

171. (D) ∴ लगे अभीष्ट दिन $= \frac{30 \times 20}{25} = \frac{600}{25} = 24$ दिन

172. (B) $\therefore 120 \times \frac{1}{12} = 10$

173. (A) ∴ अभीष्ट शेष
$$= \frac{314}{12} = 26 \times 12 + \boxed{2} = 2$$

174. (C) माना शिक्षक की आयु x वर्ष हो, तो प्रश्नानुसार,
$$28 \times 11 - x = 25 \times 10$$
$$\Rightarrow x = 308 - 250$$
$= 58$ वर्ष

175. (C) माना वर्तमान में बच्चे की आयु x वर्ष हो, तो
$$17 \times 5 + 5 \times 3 + x = 6 \times 17$$
$$\Rightarrow 85 + 15 + x = 102$$
$$\therefore x = 102 - 100$$
$= 2$ वर्ष

176. (A) माना 1977 में उत्पादन x क्विंटल हो, तो
$$x \times \frac{110}{100} \times \frac{108}{100} = \frac{17820}{100}$$
$$\Rightarrow x = \frac{17820 \times 100 \times 100}{110 \times 108}$$
$= 150$ क्विंटल

177. (A) $300 \times \frac{45}{100} = 135$

178. (C) aaba/a̲aba/a̲aba̲.

179. (A) 180. (C)

181. (D) माना रेलगाड़ी की लम्बाई x मीटर हो, तो प्रश्नानुसार,

$$\frac{x+90}{30} = \frac{x}{15}$$

$$\Rightarrow \quad x + 90 = 2x$$

$$\therefore \quad x = 90 \text{ मीटर}$$

$$\therefore \text{ अभीष्ट गति } = \frac{90+90}{30}$$

$$= \frac{180}{30} = 6 \text{ मी/से}$$

182. (C) अभीष्ट क्रय मूल्य = ₹ x

$$x - 75 = 800$$

$$\therefore \quad x = 800 + 75$$

$$= ₹\,875$$

183. (C)

3, 6, 8, 16, 18, 36

×2 +2 ×2 +2 ×2

184. (D)

5, 11, 18, 45, 74, 173, 310

$\times 2 + (1)^2$, $\times 2 - (2)^2$, $\times 2 + (3)^2$, $\times 2 - (4)^2$, $\times 2 + (5)^2$, $\times 2 - (6)^2$

$$\therefore \quad 173 \times 2 - (6)^2 = 346 - 36$$

$$= 310$$

185. (D) hela dela kela ⇒ secret code word

dela hola jala ⇒ the last word

kela kola pela ⇒ her secret affair

∴ kela ⇒ secret

तथा dela ⇒ word

∴ hela ⇒ code

186. (C)

ब्लेजर

हत्यारे

खिलाड़ी

187. (B)

ट्यूबें

पाइप

नल

188. (C)

लड़के

इंजीनियर

रवि

189. (A) 190. (B)

191. (C) अनुज के द्वारा दूरियाँ

= 16, 17, 18, 19

शिल्पा के द्वारा दूरियाँ = 18

∴ अभीष्ट दूरी = 18 किमी

192. (D) 29 अक्टूबर, 2002 से 29 अक्टूबर, 2006 तक

कुल दिन = 365 + 366 + 365 + 365

कुल विषम दिन = 1 + 2 + 1 + 1

= 5 दिन

अतः मंगलवार से 5 दिन बाद रविवार होगा.

193. (C) प्रत्येक अगली आकृति में पहले छायांकित भाग दो भाग वामावर्त दिशा में सरकते हैं, फिर छायांकित भाग एक भाग दक्षिणावर्त दिशा में सरकते हैं.

194. (C) ∴ अभीष्ट संख्या

$$= 4! \times 4$$

$$= 4 \times 3 \times 2 \times 1 \times 4$$

$$= 24 \times 4$$

$$= 96$$

195. (A)

रवि ← साला — सौरभ

पुत्र, पत्नी, पिता

अतः रवि, सौरभ का साला (Brother-in-law) होगा.

196. (C) एक-दूसरे के विपरीतार्थक शब्द हैं.

197. (D)

C ← बेटा — B ← भाई — D ← बेटी — A

अतः C, A का पोता (Grandson) है.

198. (D)

P → पिता → पिता → पोती →

पति, बहनोई, Q

अतः Q, P का बहनोई है.

199. (D) 200. (D)

Corporate funding of national parties

Between FY13 and FY16, corporates donated a total of ₹956.77 cr, accounting for 89% of the total contribution to political parties from known sources

Percentage share of donations from various business sectors to national parties: FY13 to FY16

2017-18*

45.22% Trust & Group of companies

12.93% Manufacturing

12.67% Real-estate

9.11% Mining, construction & exports/imports

4.93% Chemicals/pharmaceuticals

4.43%

3.83% Power and Oil

3.77% Finance

3.09% Others

1.51% Associates/association & corporation

0.93% Hospitality, travel and recreation

0.52% Shipping industry and transport

0.15% Education

0.11% Communication

0.11% Hospitals

1.10% Unsegregated

Total corporate donations received during the period

BJP (2,987 donors) ₹705.81 cr

INC (167 donors) ₹198.16 cr

NCP (40 donors) ₹50.73 cr

CPM (45 donors) ₹1.89 cr

CPI (17 donors) ₹0.18 cr

Top 3 corporate donors

BJP: Satya Electoral Trust ₹193.62 cr; General Electoral Trust ₹70.7 cr; Lodha Constructions ₹16 cr

INC: Satya Electoral Trust ₹57.25 cr; General Electoral Trust ₹54.1 cr

NCP: Progressive Electoral Trust ₹9.9 cr; Satya Electoral Trust ₹10 cr; Videocon Industries ₹5.25 cr; Lodha Dewellers ₹5 cr

Donations without PAN and address details

No PAN ₹384.04 cr (1,933 donations)

No address ₹355.08 cr (1,546 donations)

No PAN or address: ₹159.67 cr (1,062 donations)

Source: ADR

आगामी बैंक पी.ओ., एम.बी.ए. आदि परीक्षाओं के लिए विशेष हल प्रश्न



उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता

1. निम्नलिखित में से किस दिन को भारतीय जीवन बीमा निगम के स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है ?
   (A) 1 जून (B) 1 जुलाई
   (C) 1 अगस्त (D) 1 सितम्बर

2. निम्नलिखित में किसे आईटी क्षेत्र की कम्पनी इंफोसिस लि. का गैर-कार्यकारी चेयरमैन अगस्त 2017 में बनाया गया है ?
   (A) एन.आर. नारायण मूर्ति
   (B) नंदन निलेकणि
   (C) विशाल सिक्का
   (D) आर. शेषासयी

3. हाल ही में प्रकाशित 'आई डू व्हाट आई डू' (I Do What I Do) भारतीय रिज़र्व बैंक के किस पूर्व गवर्नर द्वारा रचित पुस्तक है ?
   (A) डॉ. सी. रंगराजन
   (B) बिमल जालान
   (C) रघुराम राजन
   (D) वाई. वी. रेड्डी

4. अगस्त 2017 में जारी मौद्रिक नीति के तहत् रेपो दर में कितने प्रतिशत बिन्दु की कटौती भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा की गई है ?
   (A) 0·25 प्रतिशत (B) 0·50 प्रतिशत
   (C) 0·75 प्रतिशत (D) 1·00 प्रतिशत

5. अगस्त 2017 में जारी मौद्रिक नीति में निम्नलिखित में से किस दर में कोई कटौती भारतीय रिज़र्व बैंक ने नहीं की है ?
   (A) रिवर्स रेपो दर
   (B) बैंक दर
   (C) स्थायी सुविधा दर
   (D) नकद आरक्षण अनुपात

6. अप्रत्यक्ष कर प्रणाली में सुधार के लिए देश में वस्तु एवं सेवा कर (GST) 1 जुलाई, 2017 से प्रभावी किया गया है. इसके तहत् कर दर के कुल कितने स्लैब (शून्य कर दर सहित) बनाए गए हैं ?
   (A) 3 (B) 4
   (C) 5 (D) 6

7. संसद में अगस्त 2017 में प्रस्तुत आर्थिक समीक्षा (खण्ड-II) में प्रस्तुत आँकड़ों के अनुसार 2016-17 के अन्त में भारत के आरक्षित विदेशी मुद्रा भण्डार कितने थे ?
   (A) 170 अरब डॉलर
   (B) 270 अरब डॉलर
   (C) 370 अरब डॉलर
   (D) 470 अरब डॉलर

8. निम्नलिखित में से किस देश के साथ भारत का द्विपक्षीय वस्तुगत व्यापार सर्वाधिक अनुकूल है ?
   (A) अमरीका (B) चीन
   (C) जापान (D) ब्रिटेन

9. निम्नलिखित में से किस देश के साथ भारत का द्विपक्षीय वस्तुगत व्यापार सर्वाधिक प्रतिकूल है ?
   (A) अमरीका (B) चीन
   (C) जापान (D) ब्रिटेन

10. भारत के वस्तुगत निर्यातों में निम्नलिखित में से किसका भाग सर्वाधिक है ?
    (A) रत्न एवं आभूषण
    (B) टेक्सटाइल्स
    (C) अभियांत्रिकी वस्तुएं
    (D) कृषिगत उत्पाद

11. भारत के वस्तुगत आयातों में निम्नलिखित में से किसका भाग सर्वाधिक है ?
    (A) पीओएल
    (B) पूँजीगत सामान
    (C) रसायन एवं सम्बन्धित उत्पाद
    (D) रत्न एवं आभूषण

12. भारत पर कुल विदेशी ऋण में सर्वाधिक भाग निम्नलिखित में से किसका है ?
    (A) बहुपक्षीय ऋण
    (B) एनआरआई जमाएं
    (C) वाणिज्यिक उधार
    (D) रुपया ऋण

13. अद्यतन उपलब्ध अनंतिम आँकड़ों के अनुसार 2016-17 में भारत के कुल जीवीए में कृषि एवं सम्बन्धित क्षेत्रों का योगदान लगभग कितने प्रतिशत रहा है ?
    (A) 13 प्रतिशत (B) 17 प्रतिशत
    (C) 31 प्रतिशत (D) 59 प्रतिशत

14. आर्थिक समीक्षा में दर्शाए गए आँकड़ों के अनुसार भारत में 2015-16 में दूध की प्रति व्यक्ति प्रतिदिन उपलब्धता लगभग कितनी थी ?
    (A) 137 ग्राम (B) 237 ग्राम
    (C) 337 ग्राम (D) 437 ग्राम

15. अद्यतन उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार भारत में केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से सामाजिक सेवाओं पर किया जाने वाला वार्षिक व्यय जीडीपी के लगभग कितने प्रतिशत बैठता है ?
    (A) 3 प्रतिशत (B) 6 प्रतिशत
    (C) 9 प्रतिशत (D) 12 प्रतिशत

16. भारत में केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा मिलाकर शिक्षा पर किया जाने वाला कुल वार्षिक व्यय जीडीपी का लगभग कितने प्रतिशत रहता है ?
    (A) 1 प्रतिशत (B) 3 प्रतिशत
    (C) 5 प्रतिशत (D) 7 प्रतिशत

17. केन्द्र सरकार की पहल पर वरिष्ठ नागरिकों के लिए शुरू की गई 'प्रधान-मंत्री वय वंदना योजना' का संचालन निम्नलिखित में से किसके द्वारा किया जा रहा है ?
    (A) भारतीय जीवन बीमा निगम
    (B) आईसीआईसीआई लोंबार्ड
    (C) एचडीएफसी लाइफ
    (D) उपर्युक्त सभी

18. प्रधानमंत्री वय वंदना योजना के तहत् निवेशित राशि पर अधिकतम कितने वर्ष तक मासिक/त्रैमासिक/अर्द्धवार्षिक/वार्षिक पेंशन का प्रावधान है ?
    (A) 10 (B) 15
    (C) 20 (D) 25

19. निर्धनों को एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराने के लिए मई 2016 में शुरू की गई प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत् 50 प्रतिशत लक्ष्य जुलाई 2017 में प्राप्त कर लिया गया है. तीन वर्ष के भीतर कितने कनेक्शन उपलब्ध कराने का लक्ष्य इस योजना के तहत् मूलतः निर्धारित किया गया था ?
    (A) 1 लाख (B) 2 लाख
    (C) 3 लाख (D) 5 लाख

20. भारतीय स्टेट बैंक तथा सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ अन्य बैंकों तथा निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंकों ने बचत खातों पर देय ब्याज दर में कटौती अगस्त 2017 में की है. इन बैंकों में बचत खातों में देय ब्याज दर अब कितने प्रतिशत प्रति वर्ष है ?
    (A) 3·5 प्रतिशत (B) 4·0 प्रतिशत
    (C) 6·5 प्रतिशत (D) 7·0 प्रतिशत

21. निम्नलिखित में से किसे अब विश्व बैंक के निदेशक मण्डल में भारत की ओर से कार्यकारी निदेशक अगस्त 2017 में मनोनीत किया गया है ?
    (A) चंदा कोचर
    (B) एस. अपर्णा

(C) शिखा शर्मा
(D) अरुंधति भट्टाचार्य

22. विश्व बैंक के निदेशक मण्डल में भारत द्वारा मनोनीत निदेशक भारत के अतिरिक्त किस अन्य देश का प्रतिनिधित्व भी करता है ?
(A) भूटान (B) श्रीलंका
(C) बांग्लादेश (D) ये सभी

23. निम्नलिखित में से किसे अरविंद पानगढ़िया के स्थान पर नीति आयोग का नया उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है?
(A) सुभाषचंद्र गर्ग
(B) विवेक देवरॉय
(C) राजीव कुमार
(D) ए.के. मित्तल

24. निम्नलिखित में से किसे रेलवे बोर्ड का नया अध्यक्ष अगस्त 2017 में नियुक्त किया गया है ?
(A) अश्वनी लोहानी
(B) ए.के. मित्तल
(C) एन.एस. विश्वनाथन
(D) गुरु प्रसाद मोहपात्र

25. निम्नलिखित में से कौन वर्तमान में केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड का अध्यक्ष है ?
(A) प्रहलाद निहलानी
(B) प्रसून जोशी
(C) जावेद अख्तर
(D) शबाना आज़मी

26. निम्नलिखित में से किस दिन को विश्व युद्ध कौशल दिवस (World Youth Skills Day) के रूप में मनाया जाता है ?
(A) 15 जून (B) 30 जून
(C) 15 जुलाई (D) 30 जुलाई

27. भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) द्वारा अगस्त 2017 में जारी मौद्रिक नीति वित्तीय वर्ष 2017-18 की कौनसी द्वैमासिक मौद्रिक नीति थी ?
(A) पहली (B) दूसरी
(C) तीसरी (D) चौथी

28. रसोई गैस (LPG) पर सब्सिडी को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के लिए इसके खुदरा मूल्य में कितने रुपए प्रति सिलेंडर की वृद्धि प्रतिमाह करने के निर्देश सरकार द्वारा तेल कम्पनियों को जारी किए गए हैं ?
(A) ₹ 4 (B) ₹ 8
(C) ₹ 10 (D) ₹ 12

29. देश में 2016-17 में कृषिगत उत्पादन के चौथे अग्रिम अनुमान कृषि मंत्रालय द्वारा अगस्त 2017 में जारी किए गए. सन्दर्भित वर्ष (2016-17) में देश में खाद्यान्नों का कुल उत्पादन लगभग कितने मिलियन टन रहने का अनुमान इनमें लगाया गया है ?
(A) 256 मिलियन टन
(B) 266 मिलियन टन
(C) 276 मिलियन टन
(D) 286 मिलियन टन

30. कृषि मंत्रालय के आकलन के अनुसार 2016-17 में देश में खाद्यान्नों का उत्पादन अब तक के सर्वोच्च स्तर पर रहा है. इससे पूर्व देश में किस वर्ष खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर रहा था ?
(A) 2012-13 (B) 2013-14
(C) 2014-15 (D) 2015-16

उत्तरमाला

1. (D)	2. (B)	3. (C)	4. (A)	5. (D)
6. (D)	7. (C)	8. (A)	9. (B)	10. (C)
11. (A)	12. (C)	13. (B)	14. (C)	15. (B)
16. (B)	17. (A)	18. (A)	19. (D)	20. (A)
21. (B)	22. (D)	23. (C)	24. (A)	25. (B)
26. (C)	27. (C)	28. (A)	29. (C)	30. (B)

●●●

आर्थिक एवं वाणिज्यिक परिदृश्य
(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

1. जीएसटी वस्तुतः गुड्स एण्ड सर्विसेज टैक्स ही है, लेकिन इसके लिए निम्न वाक्यांशों का भी प्रयोग किया गया है–
(A) गुड एण्ड सिम्पल टैक्स
(B) गोइंग स्ट्रोंगर टुगेदर
(C) (A) तथा (B) दोनों
(D) न (A) और न (B)

2. भारत के शेयर बाजार के सन्दर्भ में निम्न में से कौनसा कथन सत्य है ?
(A) सभी सूचीबद्ध कम्पनियों का बाजार पूँजीकरण मार्च 2013 में 53·7 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 12 जुलाई, 2017 को 108·1 लाख करोड़ रुपए हो गया
(B) मार्च 2014 एवं जुलाई 2017 के बीच सभी सूचीबद्ध कम्पनियों का समेकित बाजार पूँजीकरण 71% बढ़ गया
(C) मार्च 2014 एवं जुलाई 2017 के बीच सभी सूचीबद्ध कम्पनियों का निवल लाभ में 15% की गिरावट आई
(D) उपर्युक्त सभी

3. लूका पैसियोली को निम्न में से किसका जनक माना जाता है ?
(A) बिजनेस मैनेजमेन्ट
(B) एकाउण्टिंग
(C) असेम्बली लाइन प्रोडक्शन
(D) इण्टरनेट

4. निम्नलिखित में से किस बैंक उत्पाद/सेवा की स्वर्ण जयन्ती हाल ही में मनायी गई ?
(A) एटीएम (B) चैकबुक
(C) क्रेडिट कार्ड (D) डेबिट कार्ड

5. निम्नलिखित में से किसके मूल्यांकन हेतु ड्यू पोंट (Du Pont) अनुपात का प्रयोग किया जाता है ?
(A) प्रति शेयर अर्जित आय
(B) इक्विटी पर प्रतिफल
(C) बिक्री कारोबार
(D) लीवरेज के संघटक

6. फिलिप्स वक्र ……… एवं …… के बीच सम्बन्ध की माप करता है.
(A) बेरोजगारी एवं शिक्षा
(B) मुद्रास्फीति एवं मौसम पैटर्न
(C) बेरोजगारी एवं मुद्रास्फीति
(D) मौसम पैटर्न एवं प्रवासिता

7. निम्नलिखित में किस देश में विश्व का पहला एवं एकमात्र चल सोवेरियन बॉण्ड निर्गत किया गया ?
(A) एस्टोनिया
(B) केन्या
(C) अर्जेन्टाइना
(D) सिंगापुर

8. 2017 में कौनसी कार बनाने वाली कम्पनी 10 मिलियन कार क्लब से बाहर हो गई ?
(A) टोएटा
(B) रेनो
(C) जनरल मोटर्स
(D) निसान

9. आज तक निम्न में से कौनसा आईपीओ विश्व का सबसे बड़ा आईपीओ है ?
(A) सऊदी आर्माको
(B) आई सी बी सी चाइना
(C) एन टी आई डोकोमो
(D) अलीबाबा

10. पासपोर्टिंग (Passporting) शब्द निम्न में से किसके सन्दर्भ में सामान्यतया प्रयुक्त किया जाता है?
(A) H–1 वीज़ा
(B) अमरीकी राष्ट्रपति द्वारा यात्रा पर लगाए गए प्रतिबन्ध
(C) ब्रेग्जिट
(D) यूरोप में सीरिया से गए शरणार्थी

11. किसान सम्पदा योजना किस विभाग/मन्त्रालय द्वारा क्रियान्वित की जा रही है ?
(A) कृषि, सहकारिता एवं कृषक कल्याण मन्त्रालय
(B) एम एस एम ई मन्त्रालय
(C) खाद्य प्रसंस्करण मन्त्रालय
(D) वाणिज्य एवं उद्योग मन्त्रालय

12. सर्वोच्च न्यायालय के भूतपूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी. एन. कृष्णा की अध्यक्षता में एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन निम्न में से किस क्षेत्र के लिए किया गया है ?
(A) डाटा चोरी के विरुद्ध सुरक्षा एवं निजता का अधिकार से जुड़े मुद्दे
(B) राष्ट्रीय जल ग्रिड बनाने
(C) सतलज यमुना लिंक नहर
(D) आगमन के समय वीज़ा

13. ''एग्री-उड़ान'' के सन्दर्भ में निम्न में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) खेती बाड़ी में अभिनव पहले करने वाले उद्यमियों को प्रशिक्षण
(B) इसका क्रियान्वयन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के एक निकाय द्वारा किया जा रहा है
(C) इस हेतु वित्तीय संसाधन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की विभाग द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे हैं
(D) यह नीति आयोग की एक पहल है

14. 2017 में भारतीय रुपया विश्व की सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली करेंसियों में से एक है. अमरीकी डॉलर के सापेक्ष भारतीय रुपए के मूल्य में 6% की वृद्धि हुई है. ऐसा निम्न में से किस कारण से हुआ है ?
I. घरेलू शेयर बाजार एवं बॉण्ड बाजार में समुद्रपारीय आप्रवाह में भारी वृद्धि
II. मुद्रा स्फीति की नीची दर
III. रिकॉर्ड विदेशी विनिमय कोष
IV. ऊँची वास्तविक विनिमय दरें
(A) केवल I
(B) I एवं III
(C) I, II एवं III
(D) I, II, III एवं IV

15. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा नीचे दिए गए कूटों में से सही विकल्प चुनिए :
कथन :
I. भारत के चालू खाते का घाटा 2013 में सकल घरेलू उत्पाद के 4·8% के रिकॉर्ड स्तर पर रहने के बाद 2016-17 में 0·7% के स्तर पर आ गया.
II. 11 अगस्त, 2017 को विदेशी विनिमय कोष 394 अरब डॉलर के स्तर पर पहुँच गए
(A) केवल I सही है
(B) केवल II सही है
(C) I एवं II दोनों सही हैं
(D) न I और न II सही है

16. भारत में पहला क्रेडिट कार्ड ……… द्वारा निर्गत किया गया.
(A) भारतीय स्टेट बैंक
(B) कार्पोरेशन बैंक
(C) आन्ध्रा बैंक
(D) बैंक ऑफ इण्डिया

17. म्युचुअल फण्डों द्वारा दिए जाने वाले लाभांश के बारे में निम्न में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) यह अन्य भारतीय कम्पनियों द्वारा घोषित लाभांश की ही तरह है

(B) आस्ति प्रबन्धन कम्पनी लाभांश वितरित नहीं करती

(C) निश्चित परिपक्वता प्लान लाभांश प्लान घोषित कर सकते हैं

(D) कर व्यवस्था म्युचुअल फण्ड स्कीमों के आधार पर अलग-अलग हो सकती है

18. नीति आयोग के बारे में नीचे दिए गए कथनों में से कौनसा सही है ?

I. नीति आयोग के पहले उपाध्यक्ष डॉ. अरविन्द पनगढ़िया ने जुलाई 2017 में त्यागपत्र दे दिया.

II. भारत के जाने-माने अर्थशास्त्री राजीव कुमार को अगस्त 2017 में नीति आयोग का नया उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है.

III. बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. विनोद पॉल को नीति आयोग का चौथा पूर्णकालिक सदस्य नियुक्त किया गया है.

(A) केवल I (B) II एवं III
(C) I, II एवं III (D) I एवं II

19. 2016-17 में कुल करों में प्रत्यक्ष करों का हिस्सा कितना है ?

(A) 49·7% (B) 55·4%
(C) 39·6% (D) 57·2%

20. 2016-17 केन्द्र को प्राप्त कुल प्रत्यक्ष राजस्व में निम्न में से किस राज्य का योगदान सर्वाधिक रहा ?

(A) गुजरात (B) महाराष्ट्र
(C) तमिलनाडु (D) उत्तर प्रदेश

21. जुलाई 2017 में भारत में दक्षिण कोरिया से 8000 किग्रा स्वर्ण आयात किया. जुलाई 2016 में इस प्रकार का आयात शून्य था. ऐसा निम्न में से किसके कारण हुआ ?

(A) स्वर्ण कारोबारियों ने भारत-कोरिया समग्र आर्थिक सहभागिता समझौता, जो एक मुक्त व्यापार समझौता है, का लाभ जीएसटी के तहत् उठाते हुए द. कोरिया से भारी मात्रा में स्वर्ण का आयात किया

(B) स्वर्ण आयातकों को IGST के तहत् मात्र 3 प्रतिशत कर देना पड़ रहा है, जबकि जीएसटी लागू होने से पूर्व स्वर्ण एवं आभूषणों पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क की दर 12·5% थी.

(C) (A) तथा (B) दोनों सही हैं

(D) न (A) और न (B) सही हैं

22. आर्थिक समीक्षा- खण्ड–2 में बैंकिंग सेक्टर के लिए सुझाए गए सुधार पैकेज में शामिल है–

I. कतिपय बैंकों को संकट से बाहर निकालना.

II. बैंकिंग सेक्टर में निजी क्षेत्र की भूमिका का विस्तार करना.

III. पुनर्पूंजीकरण, उधार देने की प्रक्रिया का सुदृढ़ीकरण, जोखिम प्रबन्धन फ्रेमवर्क जैसे उपाय अपनाना.

IV. अच्छी उपलब्धि वाले बैंकों को मजबूती प्रदान करना.

(A) केवल III
(B) I एवं III
(C) III एवं IV
(D) I, II एवं III

23. ट्रांसपेरेन्सी ऑफ रल्स अधिनियम (TORA) निम्न में से किसके द्वारा प्रस्तावित किया गया है ?

(A) आर्थिक समीक्षा खण्ड–II 2016-17
(B) भारतीय रिजर्व बैंक
(C) नीति आयोग
(D) प्रो. कोशिक बसु इण्टरनेशनल इकनॉमिक एसोसिएशन के अध्यक्ष

24. निम्नलिखित में से कौनसी वस्तु एवं सेवा वस्तु एवं सेवाएं कर (GST) के अन्तर्गत आच्छादित नहीं है ?

I. अल्कोहल
II. पेट्रोलियम एवं ऊर्जा
III. विद्युत्
IV. भूमि एवं स्थावर सम्पदा
V. शिक्षा एवं स्वास्थ्य

(A) I, II, III, IV, V
(B) II, IV एवं V
(C) II, III एवं IV
(D) I, II, III एवं IV

25. 2016-17 में भारत का व्यापार घाटा जीडीपी का कितने प्रतिशत रहा है ?

(A) 3·0% (B) 4·0%
(C) 5·0% (D) 6·5%

26. 2016-17 में भारत में निवल पूँजी अप्रवाह जीडीपी का कितने प्रतिशत रहा ?

(A) 1·6% (B) 2·3%
(C) 1·9% (D) 2·6%

27. भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम 1934 में किए गए हालिया संशोधन के सन्दर्भ में निम्न में से कौनसा कथन सत्य है ?

(A) मुद्रा स्फीति की लक्षित दर का निर्धारण भारत सरकार द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से किया जाता है

(B) रेपो दर (बेन्चमार्क ब्याज दर) का निर्धारण उच्चाधिकार प्राप्त मौद्रिक नीति समिति द्वारा किया जाता है

(C) उच्चाधिकार प्राप्त मौद्रिक नीति समिति में भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर सहित रिजर्व बैंक के तीन अधिकारी तथा भारत सरकार द्वारा नामित तीन सदस्य होते हैं

(D) उपर्युक्त सभी

28. भारत सरकार अगस्त 2016 से 31 मार्च, 2021 तक की अवधि के लिए मुद्रा स्फीति की लक्षित दर कितनी निर्धारित की गई है ?

(A) '+' / '–' 2% की सहनशीलता के साथ 4%

(B) '+' / '–' 2% की सहनशीलता के साथ 5%

(C) '+' / '–' 2% की सहनशीलता के 6%

(D) '+' / '–' 1% की सहनशीलता के साथ 4%

29. अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का सकल गैर-निष्पादनीय आस्ति अनुपात सितम्बर 2016 में 9·2% से बढ़कर मार्च 2017 में कितना हो गया ?

(A) 9·5% (B) 10·25%
(C) 11·3% (D) 11·7%

30. मार्च 2017 में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का पूँजी पर्याप्तता अनुपात कितना था ?

(A) 9·0% (B) 13·6%
(C) 11·6% (D) 14·2%

उत्तरमाला

1. (C) 2. (D) 3. (B) 4. (A) 5. (B)
6. (C)
7. (B) M-Akiba नाम का बाण्ड केन्या में 5 अरब केन्याई शिलिंग प्राप्त करने के लिए ऐसे छोटे निवेशकों के लिए जारी किया गया जिन्हें बैंक खाता खोलने की आवश्यकता नहीं थी.
8. (C) 2017 में कम्पनी कुल 8·4 मिलियन कारें ही बेच पाएंगी.
9. (D) सितम्बर 2016 में अलीबाबा ने न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज से 25 बिलियन डॉलर जुटाए.
10. (C) पासपोर्टिंग यूरोपीय संघ के किसी भी देश में पंजीकृत फर्मों को यूरोपीय संघ के किसी अन्य देश में नए सिरे से पंजीकरण कराए कारोबार करने के लिए प्रयुक्त किया जाता है. ऐसा माना जा रहा है कि यू. के. यूरोपीय संघ से पृथक् हो जाने के बाद वहाँ पंजीकृत फर्में (विशेष रूप से बैंकें) यह अधिकार खो देंगी.
11. (C) 12. (A) 13. (D) 14. (D) 15. (C)
16. (C) 17. (A) 18. (C) 19. (A) 20. (B)
21. (C) 22. (D) 23. (A) 24. (A) 25. (C)
26. (A) 27. (D) 28. (A) 29. (A) 30. (B)

●●●

राजनीति विज्ञान

(द्वितीय प्रश्न-पत्र)

1. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है. नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

अभिकथन (A) : कौटिल्य मजबूत शासक की आवश्यकता पर बल देता है.

तर्क (R) : उसे समाज में अराजकता के खतरे तथा व्यवस्था स्थापित करने की अनिवार्यता का उत्कट बोध था.

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है

(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, लेकिन (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है

(C) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है

(D) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है

2. निम्नलिखित में से कौन प्लेटो के विचारों के सिद्धान्त का स्रोत नहीं है ?

(A) हेराक्लिटस – संभूति के क्षेत्र का विचार

(B) ऐंटिस्थेनिस – निरपेक्ष वैराग्यवृत्ति तथा कठोर स्व-यातना का विचार

(C) सुकरात – अवधारणाओं का सिद्धान्त

(D) एलियाटिक्स – निरपेक्ष संभूति के क्षेत्र का विचार

3. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए आगे नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (अरस्तू के कार्यकारण भाव का सिद्धान्त)

(a) निमित्ति कारण

(b) अन्तिम कारण

(c) भौतिक कारण

(d) औपचारिक कारण

सूची-II (स्पष्टीकरण)

1. वस्तु का पदार्थ एवं सार
2. पदार्थ जिससे यह बना है
3. वह उद्देश्य जिसकी ओर गतिविधि लक्षित है
4. गति (Motion) का कारण

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	4	3	2	1
(C)	3	4	1	2
(D)	2	1	4	3

4. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है. नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

अभिकथन (A) : लॉक के लिए श्रम सम्पत्ति का स्रोत और औचित्य है.

तर्क (R) : इसका कार्य पृथ्वी को उपभोज्य सामान में बदल देना है.

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है

(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है

(C) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है

(D) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है

5. निम्नलिखित में से कौन रॉल्स के 'अज्ञानता के आवरण' (Veil of Ignorance) की अवधारणा की एक विशेषता सही नहीं है ?

(A) समाज में अपना स्थान, अपनी वर्ग स्थिति अथवा सामाजिक हैसियत को कोई नहीं जानता

(B) प्राकृतिक सम्पदाओं के वितरण तथा क्षमता में अपने भाग्य को कोई नहीं जानता

(C) पक्षकार अपनी विशिष्ट मनोवैज्ञानिक प्रवृत्तियों को जानते हैं

(D) पक्षकार अच्छे की अपनी अवधारणा के बारे में (भी) नहीं जानते

6. निम्नलिखित में से किसने कल्याणकारी राज्य को एक प्रकार की दासता के रूप में वर्णन किया है ?

(A) कार्ल पॉपर

(B) एफ.ए. हेयेक

(C) आर. नॉजिक

(D) मिल्टन फ्रीडमैन

7. ई.एम.एस. नम्बूदिरीपाद की पुस्तक 'महात्मा एण्ड इज्म' (Mahatma and Ism) निम्नलिखित में से किस विचारधारा के दृष्टिकोण से महात्मा गांधी का विश्लेषण है ?

(A) सिन्डीकेटवाद

(B) समाजवाद

(C) उदारवाद

(D) मार्क्सवाद

8. एम.एन. राय के मामले में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?

(A) उन्होंने स्वतंत्र भारत के लिए एक मॉडल संविधान तैयार किया

(B) सम्प्रभु शक्ति जनता में निहित होनी चाहिए

(C) गाँवों, कस्बों तथा शहरों में जन समितियाँ गठित हों

(D) वे संघटक इकाइयों के अलग होने के अधिकारों पर सहमत नहीं थे

9. निम्नलिखित में कौनसा कथन सही नहीं है ?

(A) पारम्परिक राजनीतिक सिद्धान्त गुणात्मक है

(B) व्यवहारवादी राजनीतिक सिद्धान्त मात्रात्मक है

(C) उत्तर व्यवहारवादी राजनीतिक सिद्धान्त गुणात्मक तथा मात्रात्मक दोनों है

(D) उत्तर व्यवहारवादी राजनीतिक सिद्धान्त नृजाति केन्द्रित है, यह विशेष कर पाश्चात्य लोकतंत्र पर ध्यान केन्द्रित करता है

10. निम्नलिखित में से किसने तीन मानकों पर विशेष बल देते हुए 'लोकतंत्र के प्रक्रियामूलक सिद्धान्त' (Procedural Theory of Democracy) पर बल दिया ?

(A) एस.एम. लिप्सेट

(B) आर.ए. डाहल

(C) जोसेफ शुम्पीटर

(D) शेल्डन वोलिन

11. निम्नलिखित में से कौन मैक्स वेबर का निरूपण नहीं है ?

(A) तर्कशक्ति, कार्यमूलक विभेदन तथा विशिष्टीकरण जिनके फलस्वरूप व्यवस्था, सौहार्द तथा दक्षता का निर्माण होता है

(B) आदर्श प्ररूपों के सम्बन्ध में विश्वास तथा संकेतों पर आधारित प्रभावी प्राधिकार

(C) प्रभावी प्राधिकार पदसोपानिक होता है तथा यह राज्य एवं सत्ता वर्ग से सम्बन्धित होता है

(D) औचित्य स्थापन तथा आदर्श प्ररूपविज्ञान विधि

12. यह किसका कथन है कि "संघवाद में ऐसे व्यक्तियों की आवश्यकता होती है जिनकी इच्छा संघ की होती है, परन्तु उन्हें एकता की इच्छा बिलकुल नहीं होनी चाहिए" ?
(A) जेम्स ब्राइस (B) ए.वी. डायसी
(C) के.सी. ह्वीयर (D) एच. फाइनर

13. यह किसका कथन है कि "राजनीतिक संस्कृति (Political Culture) तथा शासन के स्थायित्व के बीच कोई सीधा सम्बन्ध नहीं है" ?
(A) लिजफर्ट (B) वोलिन
(C) कवानग (D) ब्लोंडेल

14. संयुक्त राज्य अमरीका के राष्ट्रपति को अपने मार्ग को अपनाने की क्षमता चार महत्वपूर्ण सम्बन्धों पर निर्भर करती है–
1. कांग्रेस
2. संघीय नौकरशाही
3. उच्चतम न्यायालय और
4. मास मीडिया

उपर्युक्त में से कौन निःसंदेह सर्वाधिक महत्वपूर्ण है ?
(A) कांग्रेस
(B) संघीय नौकरशाही
(C) उच्चतम न्यायालय
(D) मास मीडिया

15. सी. राइट मिल्स की रचना 'द पावर एलिट' (The Power Elite) (1956) ने निम्नलिखित में से किसमें अभिजनों का सामान्य विश्लेषण प्रस्तुत किया ?
(A) सम्पूर्ण पूँजीवादी जगत् में
(B) उत्तरी अमरीका तथा पश्चिमी यूरोप के विकसित पूँजीवादी जगत् में
(C) उत्तरी अमरीका, पश्चिमी यूरोप तथा जापान के विकसित पूँजीवादी राष्ट्रों में
(D) संयुक्त राज्य अमरीका के विकसित पूँजीवाद में

16. यह किसका निरूपण है कि शक्ति पैसा की तरह है ?
(A) सी. राइट मिल्स
(B) पॉल स्वीजी
(C) तालकॉट पार्सन्स
(D) रॉल्फ मिलिबैंड

17. कैच ऑल पार्टी निम्नलिखित में से किसमें उत्तर द्वितीय विश्व युद्ध (Second World War) की दलीय व्यवस्था का वर्णन करती है ?
(A) पश्चिमी यूरोप
(B) पूर्वी यूरोप
(C) संयुक्त राज्य अमरीकी दलीय व्यवस्था
(D) उपर्युक्त सभी

18. निम्नलिखित में से यह किसका विश्वास था कि कोई क्रान्ति तभी सफल होती है जब यह राजनीतिक रहती है तथा समाज तक विस्तारित नहीं होती है ?
(A) क्रेन ब्रिन्टॉन
(B) वी.आई. लेनिन
(C) हन्ना अरेन्ट
(D) महात्मा गांधी

19. "पूँजीवादी वैश्विक अर्थव्यवस्था उत्पादकों तथा उपभोक्ताओं, विक्रेताओं एवं क्रेताओं की "वस्तु शृंखला" (Commodity Chains) से बनी है, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था के केन्द्र में देशों को जोड़ती हैं", यह निम्नलिखित में से किसका आधार है ?
(A) भूमण्डलीकरण तथा आधुनिकीकरण सिद्धान्त
(B) लेनिन के साम्राज्यवाद का सिद्धान्त
(C) फ्रिडमैन का सिद्धान्त विश्व सपाट है
(D) विश्व व्यवस्था सिद्धान्त

20. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है. नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

अभिकथन (A) : सहवर्तन लोकतंत्र, लोकतंत्र का एक अपूर्ण सिद्धान्त है.

तर्क (R) : क्योंकि यह वास्तविक विकल्प का मार्ग अवरुद्ध करता है.

दोनों कथनों के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा सही है ?

कूट :
(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है
(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, लेकिन (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है
(C) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है
(D) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है

21. यह किसका कथन है, "संविधान सभा अनिवार्यतः एक दलीय देश में एक दलीय निकाय थी. वह सभा कांग्रेस थी तथा कांग्रेस ही भारत था" ?
(A) मोरिस जोन्स
(B) पॉल आर. ब्रास
(C) ग्रैनविल ऑस्टिन
(D) रिचर्ड सिशन

22. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (ग्रंथ)
(a) द चाइल्ड एण्ड द स्टेट इन इण्डिया
(b) द हिन्दू नेशनलिस्ट मूवमेंट एण्ड इण्डियन पॉलिटिक्स
(c) द पॉलिटिकल इकॉनॉमी ऑफ डेवलपमेंट इन इण्डिया
(d) पॉवर्टी एमिड प्लेंटी इन द न्यू इण्डिया

सूची-II (लेखक)
1. अतुल कोहली
2. प्रणब बर्धन
3. क्रिस्टोफर जेफरेलॉट
4. मायरन विनर

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	4	1	2
(B)	4	3	2	1
(C)	2	1	3	4
(D)	1	2	4	3

23. निम्नलिखित में से किन्हें भारत के राष्ट्रपति अथवा राज्यपाल द्वारा क्षमा प्रदान करने के अधिकार के प्रयोग में न्यायिक समीक्षा के लिए आधार के रूप में पहचान की गई है ?
1. कि आदेश को मस्तिष्क का प्रयोग किए बिना पारित किया गया है.
2. कि आदेश दुर्भावनापूर्ण (Malafide) है.
3. कि आदेश को बाह्य अथवा पूर्णतः असंगत अनुचिंतन के आधार पर पारित किया गया है.
4. कि आदेश यादृच्छिकता से ग्रसित है.

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर को चुनिए–

कूट :
(A) 1, 3 और 4
(B) 2, 3 और 4
(C) 1, 2 और 4
(D) 1, 2, 3 और 4

24. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (पंचायती राज समिति)	सूची-II (वर्ष)
(a) सी.एच. हनुमन्त राव	1. 1978
(b) जी.वी.के. राव	2. 1984
(c) अशोक मेहता	3. 1986
(d) एल.एम. सिंघवी	4. 1985

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	2	1	3
(B)	2	4	1	3
(C)	1	3	2	4
(D)	3	1	4	2

25. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है. नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

अभिकथन (A) : मूल कर्त्तव्य (Fundamental Duties) वादयोग्य नहीं हैं.

तर्क (R) : उनके द्वारा देशभक्त तथा संवेदनशील नागरिकता का भाव भरे जाने की अपेक्षा होती है.

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है

(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, लेकिन (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है

(C) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है

(D) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है

26. निम्नलिखित में से कौन भारत में विधायिका (Legislature) के विशेषाधिकार हैं ?

1. वाद-विवाद तथा सभा की कार्यवाहियों को प्रकाशित करने का अधिकार तथा अन्य को इनके प्रकाशन से रोकने का अधिकार.
2. सदन से अजनबियों को अपवर्जित करने का विशेषाधिकार.
3. आन्तरिक मामलों को विनियमित करने का अधिकार.
4. विशेषाधिकार का उल्लंघन करने के लिए सांसदों तथा बाहरी व्यक्तियों को सजा देने का अधिकार.

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

कूट :

(A) 1, 3 और 4

(B) 2, 3 और 4

(C) 1, 2 और 4

(D) 1, 2, 3 और 4

27. भारत में निम्नलिखित किसान आन्दोलनों को उनके कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

1. सिंगूर 2. बारदोली
3. तेभागा 4. चम्पारण

कूट :

(A) 4, 3, 1, 2 (B) 4, 2, 3, 1

(C) 2, 3, 4, 1 (D) 1, 2, 3, 4

28. भारत में संघवाद (Federalism) सम्बन्धी घटनाओं के विकास के सही कालक्रम के क्रम की पहचान कीजिए–

(A) आनन्दपुर साहिब प्रस्ताव, राजमन्नार समिति, पुंछी आयोग, पश्चिम बंगाल ज्ञापन

(B) पश्चिम बंगाल ज्ञापन, राजमन्नार समिति, आनन्दपुर साहिब प्रस्ताव, पुंछी आयोग

(C) राजमन्नार समिति, पश्चित बंगाल ज्ञापन, आनन्दपुर साहिब प्रस्ताव, पुंछी आयोग

(D) राजमन्नार समिति, आनन्दपुर साहिब प्रस्ताव, पश्चिम बंगाल ज्ञापन , पुंछी आयोग

29. निम्नलिखित में से किसने भारतीय पूँजीवाद का वर्णन 'धर्मशाला पूँजीवाद' (Dharmashala Capitalism) के रूप में किया है ?

(A) वी.के.आर.वी. राव

(B) जे. भगवती

(C) अमर्त्य सेन

(D) राज कृष्ण

30. निम्नलिखित में से कौन भारत में निर्वाचन सुधारों से सम्बद्ध नहीं है ?

(A) तारकुंडे समिति

(B) दिनेश गोस्वामी समिति

(C) एन.एन. वोहरा समिति

(D) इन्द्रजीत गुप्त समिति

31. लोक प्रशासन के अध्ययन के निम्नलिखित उपागमों को आनुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित कीजिए–

1. व्यावहारिक उपागम
2. व्यवस्था उपागम
3. संस्थागत उपागम
4. लोक नीति उपागम

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए–

कूट :

(A) 1, 2, 3 और 4

(B) 3, 2, 1 और 4

(C) 1, 3, 4 और 2

(D) 3, 1, 2 और 4

32. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है. नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

अभिकथन (A) : भारत में लोक सेवकों के कोई राजनीतिक अधिकार नहीं होते हैं.

तर्क (R) : तटस्थता भारत में लोक सेवाओं की विशेषता है.

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है

(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है

(C) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है

(D) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है

33. निम्नलिखित में से किन्हें द्वितीय प्रशासनिक (Second Administrative) सुधार आयोग ने भारत में नागरिक-केन्द्री प्रशासन में अवरोध के रूप में पहचान की है ?

1. लोक सेवकों के लचीला स्वस्थायीकरण तथा आभ्यंतरिक अवलोकन का दृष्टिकोण.
2. लोक सेवकों के उत्तरदायित्व का अभाव.
3. सुशिक्षित राजनीतिक नेतृत्व का अभाव.
4. नागरिकों के अपने अधिकारों एवं कर्त्तव्यों की जानकारी का निम्न स्तर.

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए–

कूट :

(A) 1, 2 और 3 (B) 1, 2 और 4

(C) 1, 3 और 4 (D) 1, 2, 3 और 4

34. निम्नलिखित में से कौन भारत में बजट को लागू करने हेतु नोडल एजेंसी है ?

(A) संसद (Parliament)

(B) लोक सेवा समिति

(C) वित्त मंत्रालय (Ministry of Finance)

(D) भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

35. भारत में शब्द 'घाटा वित्तीयन' को सर्वप्रथम निम्नलिखित में से किसके द्वारा परिभाषित किया गया था ?

(A) प्रथम पंचवर्षीय योजना

(B) वित्त आयोग

(C) प्रशासनिक सुधार आयोग

(D) ए.डी. गोरवाला रिपोर्ट

36. निम्नलिखित में से कौनसी प्रकार की नौकरशाही स्वयं को लोक हित का संरक्षक मानती है, परन्तु वह लोकमत

से स्वतंत्र है तथा प्रत्युत्तरदायी नहीं है ?

(A) योग्यता आधारित नौकरशाही

(B) जाति नौकरशाही

(C) संरक्षण नौकरशाही

(D) अभिभावक नौकरशाही

37. निम्नलिखित में से क्या 73वें संविधान संशोधन अधिनियम और 74वें संविधान संशोधन अधिनियम के बीच समान विशेषताएँ हैं ?

1. समय-समय पर निर्वाचन
2. सामाजिक और आर्थिक कमजोर समूहों का सशक्तिकरण
3. राज्य चुनाव आयोग का गठन
4. वार्ड समितियों का गठन

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए–

कूट :

(A) 1 और 3

(B) 1, 2 और 3

(C) 1, 3 और 4

(D) 1, 2, 3 और 4

38. निनम्नलिखित में से कौन सांविधिक निकाय है ?

1. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
2. राजभाषा आयोग
3. रेलवे बोर्ड
4. परमाणु ऊर्जा आयोग

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए–

कूट :

(A) 1 और 2 (B) 1, 3 और 4

(C) 1, 2 और 4 (D) 2 और 4

39. निम्नलिखित में से कौनसा मंत्रालय सेवार्थीवृन्द सिद्धान्त के आधार पर गठित मंत्रालय का एक उदाहरण है ?

(A) रक्षा मंत्रालय

(B) मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(C) कृषि मंत्रालय

(D) विधि मंत्रालय

40. निम्नलिखित में से यह किसका विचार है कि आयोजना, संगठन निर्माण, समन्वय कार्य तथा बजट निर्माण कार्य की प्रबन्धकीय तकनीकें तथा कौशल सार्वजनिक तथा निजी प्रशासन में एकसमान हैं ?

1. हेनरी फेयोल 2. एम.पी. फोलेट
3. लुथर गुलिक 4. एल. उर्विक

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए–

कूट :

(A) 1 और 3

(B) 2 और 4

(C) 1, 2 और 3

(D) 1, 2, 3 और 4

41. निम्नलिखित में से कौन यथार्थवाद की ब्रितानी विचारधारा (British School of Realism) से सम्बन्धित है ?

(A) रेनेहोल्ड निबुहर

(B) एन.जे. स्पाइकमैन

(C) क्विन्सी राइट

(D) हेडली बुल्ल

42. 'आतंक का संतुलन' (Balance of Terror) का विचार निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित है ?

(A) वैश्विक आतंकवाद

(B) आतंकवाद विरोधी रणनीति

(C) नशीले पदार्थों के तस्करों की आतंकवादी गतिविधियाँ

(D) परमाणु हथियारों से निकलने वाली दुनिया को बार-बार तबाह करने वाली क्षमता

43. निम्नलिखित में से कौनसी शक्ति संतुलन की मुख्य धारणा नहीं है ?

(A) राज्य प्रमुख राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा के लिए दृढ़ संकल्प हैं

(B) प्रमुख राष्ट्रीय हितों को खतरा पैदा हो सकता है

(C) राज्यों की सापेक्ष सत्ता स्थितियों का मापन किया जा सकता है

(D) राज्य दूसरों के व्यवहार का मूल्यांकन करने हेतु नैतिक मानदण्डों को लागू करते हैं

44. किस/किन देश/देशों ने क्योटो प्रोटोकॉल का अनुपालन करते हुए उत्सर्जन में कमी लाने को विधिक रूप से अनिवार्य किए जाने के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है ?

(A) भारत

(B) चीन

(C) भारत और चीन दोनों

(D) स्वीडेन

45. यूएसएसआर के किस नेता ने 'शान्तिपूर्ण सह-अस्तित्व' (Peaceful-Coexistence) की नीति शुरू की थी ?

(A) मिखाइल गोर्बाचोव

(B) एन. ख्रुश्चेव

(C) एल. ब्रेझनेव

(D) जॉसेफ स्टालिन

46. शीतकाल की समाप्ति पर फ्रांसिस फ़ुकुयामा ने 'इतिहास का अन्त' (End of History) का विचार दिया जिसका अर्थ है–

(A) विश्व में अप्रकट घटनाएँ अब नहीं होंगी

(B) वैश्विक स्तर पर तनाव तथा टकराव अब नहीं होगा

(C) सैद्धान्तिक संघर्ष अब समाप्त हो चुका

(D) सैद्धान्तिक संघर्ष नए उत्साह के साथ होगा

47. शान्ति कार्यक्रम के लिए नाटो की भागीदारी का उद्देश्य था–

(A) भूतपूर्व पूर्वी गुट के राज्यों को इस संगठन में शामिल करना

(B) बोस्निया में सर्बों की समस्या सुलझाना

(C) युगोस्लाविया के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई कार्यान्वित करना

(D) सीरिया में अल असद शासन के विरुद्ध कार्रवाई करना

48. निम्नलिखित में से किस घटना को शीत युद्ध की समाप्ति का संकेत माना जाता है ?

(A) वर्ष 1991 में सोवियत संघ का विघटन

(B) वर्ष 1989 में बर्लिन की दीवार को गिराया जाना

(C) वर्ष 1991 में कज़ाकिस्तान गणराज्य द्वारा स्वतंत्र होने की घोषणा

(D) वर्ष 1989 में बाल्टिक राज्यों में स्वतंत्रता हेतु बड़े पैमाने पर विद्रोह

49. निम्नलिखित में से किस संधि पर हस्ताक्षर किए जाने के परिणामस्वरूप यूरोपीय समुदाय (European Community) का नाम बदलकर उसे नया यूरोपीय संघ दिया गया ?

(A) मास्ट्रिक्ट संधि

(B) रोम की संधि

(C) लिस्बन की संधि

(D) नाइस की संधि

50. निम्नलिखित में से कौन संयुक्त राष्ट्र (United Nations) की विशिष्ट एजेंसी नहीं है ?

(A) डब्ल्यूएचओ

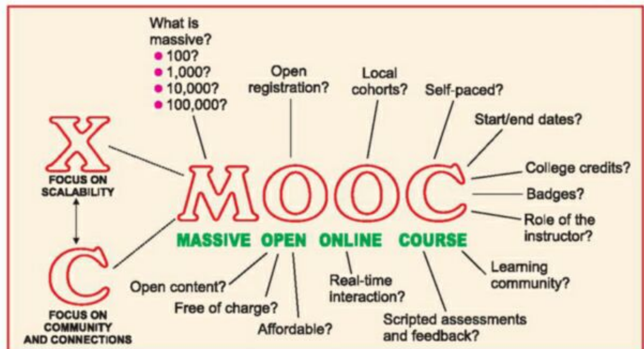
(B) आईएमएफ

(C) एफएओ

(D) ओपेक

उत्तर व्याख्या सहित

1. (A) 2. (B) 3. (B) 4. (A)
5. (C) राल्स के न्याय सिद्धान्त के अनुसार पक्षकार अपनी विशिष्ट मनोवैज्ञानिक प्रवृत्तियों से भी अनभिज्ञ होते हैं. ऐसा होना आवश्यक है, अन्यथा वे न्याय के निष्पक्ष सिद्धान्तों का निर्धारण नहीं कर पाएंगे.
6. (C) कतिपय नव-उदारवादी विचारकों के अनुसार कल्याणकारी राज्य नागरिकों में दासता की मनोवृत्ति को प्रोत्साहित करता है, क्योंकि वे अपनी आवश्यकताओं के लिए राज्य पर निर्भर हो जाते हैं तथा उनमें पहल व आत्मनिर्भरता की भावना का ह्रास होता है.
7. (D)
8. (D) एम.एन. राय ने स्वतन्त्र भारत के लिए एक संविधान को प्रस्तुत किया था, जिसमें संघात्मक व्यवस्था के अन्तर्गत राज्यों को अधिकतम स्वायत्तता देने का सुझाव दिया गया था. यहाँ तक कि कतिपय परिस्थितियों में उन्हें संघ से अलग होने का भी अधिकार था.
9. (D) उत्तर व्यवहारवादी सिद्धान्त का प्रतिपादन 1970 के दशक के आरम्भ में डेविड ईस्टन द्वारा किया गया था. इसमें व्यवहारवादी सिद्धान्त के विपरीत राजनीतिक अध्ययन में राजनीतिक मूल्यों तथा सार्थकता पर विशेष बल दिया गया था.
10. (B) लोकतंत्र के प्रक्रियात्मक सिद्धान्त का समर्थन करते हुए आर.ए. डहल ने उसके तीन मापदण्डों का निर्धारण किया था– समानुपातिक प्रतिनिधित्व, राजनीतिक समानता तथा बहुमत का शासन.
11. (C) 12. (B) 13. (A) 14. (A)
15. (D) सी. राइट मिल्स ने अपने अभिजन सिद्धान्त का प्रतिपादन अमरीका की पूँजीवादी व्यवस्था के आलोक में किया था. उसके अनुसार अमरीका में तीन संस्थाएँ– व्यापार, सेना तथा राजनीति प्रभावशाली हैं तथा जो व्यक्ति इन संस्थाओं में महत्वपूर्ण स्थिति प्राप्त कर लेते हैं, उन्हें अमरीकी समाज में अभिजन माना जा सकता है.
16. (C) 17. (A) 18. (C)
19. (D) इमैन्यूएल वालर्स्टीन ने 1983 में प्रकाशित अपनी पुस्तक 'हिस्टोरिकल कैपिटलिज्म में सबसे पहले 'कामोडिटी चेन' की धारणा का प्रतिपादन किया था. यह धारणा उनके विश्व प्रणाली सिद्धान्त का ही एक हिस्सा है. इस व्यवस्था में निर्धन देशों का शोषण होता है तथा धनी देशों को लाभ प्राप्त होता है.
20. (B)
21. (C) गेनविल आस्टिन की पुस्तक (The Indian Constitution Cornerstone of a Nation) को भारतीय संविधान पर एक आधिकारिक टीका माना जाता है.
22. (B)
23. (D) प्रश्न में राष्ट्रपति व राज्यपाल के क्षमादान सम्बन्धी अधिकारों के प्रयोग के न्यायिक पुनरावलोकन के सम्बन्ध में जिन आधारों का उल्लेख किया गया है, उनका निर्धारण सर्वोच्च न्यायालय ने 2005 में इपूरू सुधाकर *बनाम* आन्ध्र प्रदेश सरकार नामक वाद में किया था.
24. (B) 25. (B) 26. (D)
27. (B) प्रश्न में दी गई घटनाओं के घटित होने के सही वर्ष हैं– चम्पारन सत्याग्रह, 1917; बारदोली सत्याग्रह, 1928; तेभागा आन्दोलन, 1946-47 तथा सिंगूर आन्दोलन, 2006.
28. (D) प्रश्न में उल्लिखित घटनाओं का सही समय है–राजमन्नर कमेटी, 1969; आनन्दपुर साहिब प्रस्ताव, 1973; पश्चिम बंगाल मेमोरेण्डम, 1977 तथा पुंछी आयोग 2007.
29. (D)
30. (C) बोहरा कमेटी का गठन 1992 में केन्द्र सरकार द्वारा राजनेताओं तथा नौकरशाहों व अपराधियों के बीच गठजोड़ के अध्ययन के लिए किया गया था. इस कमेटी ने 1993 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी थी.
31. (D) 32. (D) 33. (B) 34. (C)
35. (A) योजना आयोग ने पहली योजना के प्रारूप में सभी प्रकार के खर्चों को घाटे में शामिल करने का सुझाव दिया था.
36. (D)
37. (B) वार्ड कमेटियों का गठन शहरी क्षेत्रों की नगर-पालिकाओं में किया जाता है. इसीलिए इनका उल्लेख 73वें संविधान संशोधन में नहीं है.
38. (B) 39. (C) 40. (D) 41. (D)
42. (D) आतंक के संतुलन की स्थिति तब बनती है जब परमाणु हथियारों की अत्यधिक मारक क्षमता के कारण सभी परमाणु शक्तियाँ परमाणु युद्ध में आपसी विनाश के लिए सुनिश्चित हो जाती हैं.
43. (D) शक्ति संतुलन की स्थिति में राष्ट्रों के मध्य नैतिक विचारों का कोई महत्व नहीं होता है.
44. (C)
45. (B) शान्तिपूर्ण सह-अस्तित्व के सिद्धान्त का प्रतिपादन 1956 में सोवियत राष्ट्रपति खुश्चेव द्वारा किया गया था. इसमें यह तर्क दिया गया कि विरोधी विचारधारा वाले अमरीका व सोवियत संघ एक साथ रह सकते हैं.
46. (C) इतिहास के अन्त की धारणा का प्रतिपादन अमरीकी विचारक फ्रांसिस फुकुयामा द्वारा 1989 में किया गया था. 1992 में प्रकाशित अपनी पुस्तक (The End of History and the Last Man) में उन्होंने इस धारणा की विस्तार से चर्चा की है. उसके अनुसार सोवियत साम्यवादी विचारधारा के अन्त के बाद पूँजीवाद एकमात्र विचारधारा है तथा विचारधाराओं के संघर्ष का अन्त हो गया है.
47. (A) 48. (B)
49. (A) 1992 में नीदरलैण्ड्स के शहर मास्ट्रिक्स में मास्ट्रिक्स संधि पर हस्ताक्षर किए गए तथा यूरोपीय संघ की स्थापना की गई.
50. (D) तेल निर्यातक देशों के संगठन ओपेक का गठन बगदाद सम्मेलन में 1960 में पाँच देशों– ईरान, इराक, कुवैत, सऊदी अरब तथा वेनेजुएला द्वारा किया गया था. इसका मुख्यालय वियना में है तथा वर्तमान में इसके 13 देशों द्वारा विश्व का 42 प्रतिशत तेल उत्पादित किया जाता है.



शारीरिक शिक्षा

(द्वितीय प्रश्न-पत्र)

निर्देश–इस प्रश्न-पत्र में **पचास (50)** बहुविकल्पीय प्रश्न हैं. प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं.

1. रियो ओलम्पिक में जोसफ स्कूलिंग अपने देश के लिए स्वर्ण पदक (Gold Medal) जीतने वाला प्रथम तैराक है, वह है—
(A) लक्जेमबर्ग का
(B) बोलिविया का
(C) सिंगापुर का
(D) आइसलैंड का

2. उन एथलीटों की पहचान कीजिए, जिनकी पेशियों में अधिक एस.टी.रेशे और अपेक्षाकृत कम एफ.टी.रेशे होते हैं—
(A) तेज दौड़ने वाले
(B) गोला फेंकने वाले
(C) ऊँचा कूदने वाले
(D) मैराथॉन में दौड़ने वाले

3. ग्लेनोह्युमरल संधि के निकट हाथ के एबडक्शन (Abduction) के साथ निम्न में से क्या होता है?
(A) कंधे के घेरे का एबडक्शन
(B) कंधे के घेरे का एलिवेशन
(C) कंधे के घेरे का ऊपर की ओर झुकाव
(D) कंधे के घेरे का ऊपर की ओर घुमाव

4. यांत्रिकी दबाव, ध्वनि इत्यादि भौतिक ऊर्जा (Phycisal energy) के सन्दर्भ में उद्दीपन को किस मनोवैज्ञानिक ने परिभाषित किया है?
(A) थॉर्नडाइक (B) स्कीनर
(C) कोहलर (D) हल

5. प्रयोगवाद का दर्शन जिसने निम्नलिखित का प्रतिपादन किया—
(A) पाठ्यक्रम का मूल सिद्धान्त
(B) पाठ्यकम का यथार्थवादी सिद्धान्त
(C) पाठ्यक्रम का सहजवृत्ति सिद्धान्त
(D) पाठ्यक्रम का अस्थायी सिद्धान्त

6. निम्नलिखित में से कौनसा आनुवांशिक गुण नहीं है ?
(A) नाक की आवृत्ति (Shape of nose)
(B) दंत क्षय (Tooth decay)
(C) ब्लड ग्रुप (Blood Group)
(D) त्वचा का रंग (Skin colour)

7. प्रतिभा की पहचान के लिए निम्नलिखित में से किस कारक पर विचार नहीं किया जाना चाहिए?
(A) विगत में प्रशिक्षण की प्रकृति और अवधि
(B) बच्चे की सामाजिक और आर्थिक स्थिति
(C) बच्चे की भावुक दशा
(D) बच्चे की स्वास्थ्य स्थिति

8. यदि किसी ऐसे कंटीजेन्सी तालिका पर काई-स्क्वेयर (Chi-Square) टेस्ट किया जाना है जिसमें तीन कतारें और 4 कॉलम हैं तो कितनी डिग्री फ्रीडम उपयोगी होगी?
(A) 12 (B) 10
(C) 8 (D) 6

9. रीढ़ की पार्श्विक विचलन को मापते हैं—
(A) वर्ट्रिब्रो ग्राफ
(B) स्कोलियो मीटर
(C) इन्फ्रा-स्कोलियो
(D) गोनियो स्पाइन

10. खेल प्रबंधन शृंखला की अंतिम कड़ी है—
(A) नियंत्रण एवं मूल्यांकन
(B) वित्त एवं बजट
(C) जनसम्पर्क
(D) समग्र नियन्त्रण

11. बैडमिण्टन के द्रोणाचार्य, अर्जुन, पद्मश्री, पद्मभूषण एवं राजीव गांधी खेल रत्न से पुरस्कृत किया गया है—
1. प्रकाश पादुकोण
2. मोहम्मद आरिफ
3. पुलेला गोपीचंद
4. विमल कुमार
कूट :
(A) 1, 2 और 3 (B) 1 और 3
(C) 3 (D) 1, 3, और 4

12. निम्नलिखित चिकित्सीय प्रकारों में किसको अंतर्वेधी थर्मोथैरेपी (Thermo-therapy) कहा जाता है?
1. वैक्स बाथ
2. हाइड्रोरथैरेपी
3. शॉर्ट वेव डायथमी
4. क्रायोथेरैपी
5. इलेक्ट्रोथेरैपी
6. आल्ट्रासाउंड
कूट :
(A) 1 और 5 (B) 3 और 6
(C) 3 और 4 (D) 2 और 6

13. निम्न में से किस पर सेसामोयड हड्डियाँ (Sesamoid bones) पाई जाती हैं?
1. मास्टोयड प्रोसेस
2. कलाई का पिसिफोर्म
3. फर्स्ट मेटाकार्पल बोन
4. हाइयोड बोन
कूट :
(A) 1 और 2 (B) 1 और 3
(C) 2 और 3 (D) 2 और 4

14. विशेषता केन्द्रित झुकाव से स्पष्ट होता है कि खिलाड़ियों का प्रेरित व्यवहार मुख्य रूप से निम्नलिखित से प्रभावित होता है—
1. व्यक्तित्व
2. नकारात्मक वातावरण
3. जरूरतें और लक्ष्य
4. प्रतिस्पर्धा
कूट :
(A) 1 और 3 (B) 1 और 4
(C) 2 और 3 (D) 1 और 2

15. पाठ्यक्रम विकास के लिए डेल्फी तकनीक का प्रयोग किया जाता है—
1. लक्ष्य निर्धारित करने के लिए
2. संगठनात्मक परिवर्तन का निर्धारण करने के लिए
3. कार्यक्रम का मूल्यांकन करने के लिए
4. पाठ्यक्रम सम्बन्धी सोच विकसित करने के लिए छात्रों की आवश्यकताओं का आकलन करना
5. सामुदायिक जरूरतों को अभिनिश्चित करने के लिए
कूट :
(A) 1, 2, 4, 5 (B) 2, 3, 4, 1
(C) 3, 4, 5, 2 (D) 4, 5, 2, 1

16. निम्नलिखित में से किस खाद्य घटक एन्टीऑक्सीडेन्ट (Antioxidant) का प्रभाव पड़ता है?
1. फेन्ड्स (Phends)
2. सीसेम लिगनस

3. विटामिन-सी
4. विटामिन-डी
5. विटामिन-ई
6. कॉरोटेनॉयड

कूट :

(A) 1, 3, 5, 6
(B) 1, 2, 3, 5, 6
(C) 2, 4, 5, 6
(D) 2, 3, 4, 5

17. नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए गति को निर्धारित करने वाले सही संयोजन की पहचान कीजिए–
1. मानसिक कारक
2. पेशियों की खिंचावट
3. लचीलापन
4. तंत्रिका प्रणाली की गतिशीलता
5. संधि के लिगामेन्ट्स

कूट :

(A) 1, 2, 3 (B) 2, 3, 4
(C) 1, 3, 4 (D) 3, 4, 5

18. निम्नलिखित कौनसी रणनीतियाँ समस्याओं का समाधान करने में सहायक होती हैं ?
1. एल्गोरिथ्म
2. मानसिक सेट
3. योजना तर्काभास
4. स्वतः शोध प्रणाली
5. सादृश्य

कूट :

(A) 1, 2, 4 (B) 2, 4, 5
(C) 1, 4, 5 (D) 2, 3, 4

19. मानव निष्पादन के परीक्षण के लिए आचार संहिता संदर्भित मानकों के विकास के लिए प्रयोग में लाए जाने वाले बुनियादी दृष्टिकोण (एप्रोच) हैं–
1. संदर्भित समतुल्यता दृष्टिकोण
2. मानसिक आकलन दृष्टिकोण
3. न्यूनतम समतुल्यता दृष्टिकोण
4. मानकीय दृष्टिकोण
5. आनुभाविक दृष्टिकोण
6. सभी स्रोतों का संयोजन
7. तार्किक संतुलन दृष्टिकोण

कूट :

(A) 1, 2, 4, 7 (B) 2, 3, 4, 5
(C) 2, 4, 5, 6 (D) 4, 5, 6, 7

20. इन्ट्रामुरल कार्यक्रम छात्रों में कौनसी भावना पैदा करता है ?
1. स्वार्थीपन
2. वैमनस्य
3. अधिकतम भागीदारी
4. जनसहभागिता

कूट :

(A) 1, 2 (B) 4, 1
(C) 4, 3 (D) 3, 1

21. रियो डी जेनेरियो ओलम्पिक खेल 2016 के बैडमिण्टन महिला एकल स्पर्धा के I, II, III व IV स्थान विजेताओं का सही क्रम बताइए—
1. केरोलिना मारिन
2. नजोमी आकूहारा
3. पुरसला वेंकट सिंधु
4. ली जुरई (Li Xuerui)

कूट :

(A) 1, 3 2, 4 (B) 1, 4, 3, 2
(C) 1, 3, 4, 2 (D) 4, 1, 3, 2

22. तंत्रिका स्पन्दन के संचारण के दौरान होने वाली घटनाओं के सही क्रम की पहचान कीजिए—
1. सोडियम का अंतर्वहन
2. झिल्ली पारगम्यता का परिवर्तन
3. उत्पन्न होने वाली कार्य सम्बन्धी क्षमता
4. अंतर्ग्रथित पुटिक की फटन
5. उद्दीपन (Stimulation)
6. विध्रुवण (Depolarization)

कूट :

(A) 5, 6, 2, 1, 4, 3
(B) 1, 5, 2, 6 1, 3
(C) 2, 1, 6, 3, 4, 5
(D) 5, 2, 1 6, 3, 4

23. अंदर बाहर की ओर साइनोवियल (Synovial) संधि के घटकों को क्रम में व्यवस्थित करें—
1. हाइलाइन कार्टिलेज
2. साइनोवियल मेंम्ब्रेन
3. साइनोवियल फ्लूड
4. जॉइन्ट कैप्सूल

कूट :

(A) 1, 2, 3, 4 (B) 1, 3, 2, 4
(C) 1, 4, 3, 2 (D) 2, 3, 4, 1

24. व्यक्तिगत स्व-प्रभावोत्पादकता सूचना के चार मुख्य स्रोतों पर आधारित होती है. सूचना को सर्वाधिक प्रभावोत्पादक से निम्नतम प्रभावोत्पादक की ओर के क्रम में व्यवस्थित कीजिए—
1. विगत प्रदर्शन की उपलब्धि
2. शारीरिक सक्रियता
3. अनिश्चित अनुभव
4. सामाजिक और मौखिक रूप से मनाना

कूट :

(A) 1, 3, 4, 2 (B) 1, 2, 3, 4
(C) 2, 3, 4, 1 (D) 3, 1, 2, 4

25. घटित होने के क्रम में देखकर सीखने में शामिल विभिन्न कदमों के बारे में बताइए—
1. पुनः उत्पादन (Reproduction)
2. ध्यान (Attention)
3. बाद में प्रयोग के लिए प्रेरणा
4. प्रतिधारण (Retention)

कूट :

(A) 3, 4, 2, 1 (B) 2, 4, 1, 3
(C) 4, 2, 3, 1 (D) 2, 1, 4, 3

26. सामान्य फलों के खाद्य प्रोटीन की प्रति 100 ग्राम में कैलोरी के पोषक मूल्य को घटते हुए क्रमिक रूप से व्यवस्थित कीजिए—
1. आम 2. अमरूद
3. संतरा 4. पपीता

कूट :

(A) 1, 2, 3, 4 (B) 4, 3, 1, 2
(C) 1, 4, 2, 3 (D) 2, 1, 3, 4

27. मेक्रो-साइकल (Macro-cycle) प्लान में प्रायः निम्नलिखित कदमों का अनुसरण किया जाता है. नीचे दिए गए कूटों का प्रयोग करते हुए इन्हें क्रमिक रूप से व्यवस्थित कीजिए—
1. लक्ष्य और उप-लक्ष्यों का निर्धारण
2. अवधियों का निर्धारण और मीजो-साइकल्स की व्यवस्था
3. प्रदर्शन का पूर्वानुमान और प्रदर्शन का निर्धारण
4. परीक्षणों, नियंत्रणों, प्रतिस्पर्धाओं की तारीखों का निर्धारण
5. लोड डायनामिक्स और लोड इंडाइसेज का निर्धारण

कूट :

(A) 3, 1, 4, 5, 2
(B) 1, 3, 2, 4, 5
(C) 3, 1, 2, 4, 5
(D) 1, 2, 3, 4, 5

28. अनुसंधान के कदमों के सही क्रम का चयन करें—
1. परिकल्पना तैयार करना
2. आँकड़ों का संकलन करना
3. सामान्यीकरण और निष्कर्ष तैयार करना
4. समस्या का चयन करना
5. आँकड़ों का विश्लेषण करना
6. अनुसंधान की डिजाइन
7. परिकल्पना के सम्बन्ध में चर्चा

कूट :

(A) 4, 6, 1, 2, 5, 3, 7
(B) 6, 2, 5, 1, 7, 4, 3
(C) 4, 1, 6, 2, 5, 7, 3
(D) 4, 6, 1, 2, 5, 7, 3

29. जॉनसन बास्केटबाल की निम्नलिखित मदों को क्रमिक रूप से व्यवस्थित कीजिए—

1. ड्रिबल (Dribble)
2. सटीकता के लिए बास्केटबॉल फेंकना
3. फील्ड गोल स्पीड टेस्ट

कूट :

(A) 3, 2, 1 (B) 1, 3, 2
(C) 3, 1, 2 (D) 2, 1, 3

30. किसी क्रम में नियंत्रण के सार्वभौमिक सिद्धांतों को व्यवस्थित कीजिए—

1. लोगों का प्रोत्साहित या हतोत्साहित करना
2. तुलनीय प्रदर्शन मानक का विकास करना
3. प्रक्रिया और पद्धतियों का मूल्यांकन
4. एक रिपोर्टिंग प्रणाली की स्थापना करना

कूट :

(A) 4, 2, 3, 1 (B) 2, 3, 1, 4
(C) 3, 1, 3, 2 (D) 1, 4, 2, 3

31. नीचे दो कथन दिए गए हैं. एक अभिकथन (A) और दूसरा तर्क (R) है—

अभिकथन (A) : देश में खेलों के उत्थान के लिए एन.एस.एन.आई.एस. एक नोडल एजेन्सी है.

तर्क (R) : एन.एस.एन.आई.एस. का प्राथमिक कार्य उच्च कोटि के प्रशिक्षक तैयार करना एवं राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय टीमों की तैयारी में उनकी अभूतपूर्व विशिष्टताओं एवं योगदान का इस्तेमान करना है.

उपर्युक्त दोनों कथनों के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है और (R) सही नहीं है
(D) (A) सही नहीं है और (R) सही है

32. नीचे दो कथन दिए गए हैं. एक अभिकथन (A) और दूसरा तर्क (R) है—

अभिकथन (A) : मादक पदार्थों में रासायनिक तत्त्व होते हैं और उनका नैदानिक उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाता है. दुर्भाग्यवश, अनेक एथलीट अनैतिक और अवैध तरीके से अपने प्रदर्शन के संवर्धन के लिए प्रतिबंधित चीजों का सेवन कर मादक पदार्थों का दुरुपयोग कर रहे हैं.

तर्क (R) : धूम्रपान और मद्यपान के बुरे प्रभाव के बावजूद अनेक लोग उनका सेवन करते हैं तो एथलीटों को मादक पदार्थों के सेवन से क्यों रोका जाता है? केवल विजेताओं का महिमामंडन किया जाता है, इसलिए उन्हें किसी भी तरीके से प्रदर्शन के संवर्धन के लिए अनुमति दी जा सकती है.

उपर्युक्त दोनों कथनों के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है और (R) सही नहीं है
(D) (A) सही नहीं है और (R) सही है

33. नीचे दो कथन दिए गए हैं. एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है—

अभिकथन (A) : एक गुलदार गोल्फ बाल एक चिकनी गोल्फ बाल की तुलना में ज्यादा दूर तक जाती है.

तर्क (R) : गुलदार गोल्फ बाल वायु विक्षोभ का एक छोटा-सा दायरा अपने पीछे बनाती है जो अल्प दबाव का एक लघु क्षेत्र बनाती है.

उपर्युक्त दोनों कथनों के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है और (R) सही नहीं है
(D) (A) सही नहीं है और (R) सही है

34. नीचे दो कथन दिए गए हैं. एक अभिकथन (A) है और दूसरा तर्क (R) है—

अभिकथन (A) : कंपीटेन्स मोटीवेशन थ्योरी (Theory of Competence motivation) में ये कहा गया है कि शिक्षण कौशलों को नियंत्रण करने की अवधारणा आत्म-सम्मान और क्षमता के साथ-साथ प्रेरणा को प्रभावित करती है.

तर्क (R) : ये भावनाएँ, प्रेरणा को सीधे तौर पर प्रभावित नहीं करती हैं बल्कि भावनात्मक स्थिति जैसे आनंद, चिंता, गर्व, शर्म को प्रभावित करती हैं और इस प्रकार खिलाड़ियों को प्रभावित करती है.

उपर्युक्त दोनों कथनों के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है और (R) सही नहीं है
(D) (A) सही नहीं है और (R) सही है

35. नीचे दो कथन दिए गए हैं. एक अभिकथन (A) और दूसरा तर्क (R) है—

अभिकथन (A) : पाठ्यक्रम में स्कूल में और स्कूल से बाहर छात्र द्वारा प्राप्त किए गए सभी अनुभव शामिल होते हैं जिन्हें उस कार्यक्रम में शामिल किया जाता है जिसे उसके मानसिक, शारीरिक, भावनात्मक, सामाजिक, आध्यात्मिक और मानसिक विकास में सहायता देने के लिए तैयार किया जाता है.

तर्क (R) : पाठ्यक्रम शब्द लैटिन मूल का शब्द है और इससे एथेलेटिक ग्राउंड का बोध होता है जिससे स्पष्ट होता है कि पाठ्यक्रम वह ग्राउंड है जिससे गुजरकर निश्चित लक्ष्य प्राप्त किया जाता है.

उपर्युक्त दोनों कथनों के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है और (R) सही नहीं है
(D) (A) सही नहीं है और (R) सही है

36. नीचे दो कथन दिए गए हैं. एक अभिकथन (A) और दूसरा तर्क (R) है—

अभिकथन (A) : आहार देशों को परिहृदय बीमारियों की बढ़ती घटनाओं से सम्बन्धित माना जाता है.

तर्क (R) : इसकी क्रिया के मेकेनिज्म (Mechanism) का कारण पित्त लवण के साथ जुड़ना और उसके वापस अवशोषण की रोकथाम है, जिससे रक्त कॉलेस्ट्रोल (Cholesterol) का स्तर प्रभावित होता है.

उपर्युक्त दोनों कथनों के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है और (R) सही नहीं है
(D) (A) सही नहीं है और (R) सही है

37. नीचे दो कथन दिए गए हैं. एक अभिकथन (A) और दूसरा तर्क (R) है—

अभिकथन (A) : प्रतिस्पर्धा के लिए सीधी तैयारी का उद्देश्य मुख्य प्रतिस्पर्धा में वर्ष का श्रेष्ठ प्रदर्शन पाना होता है.

तर्क (R) : सीधी तैयारी बिल्ड-अप कॉम्पीटीशन (Build-up Competition) के लिए भी महत्त्वपूर्ण है ताकि अभ्यास मैच में अच्छा प्रदर्शन किया जा सके.

उपर्युक्त दोनों कथनों के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(C) (A) सही है, (R) सही नहीं है

(D) (A) सही नहीं है और (R) सही है

38. नीचे दो कथन दिए गए हैं. एक अभिकथन (A) और दूसरा तर्क (R) है—

अभिकथन (A) : आश्रित परिवर्तनशीलता वह कारक होता है जिसका सम्बन्ध प्रकटित पक्ष से सम्बद्ध करने के लिए प्रयोगकर्ता चालाकी से प्रयोग करता है.

तर्क (R) : स्वतंत्र परिवर्तनशीलता, आश्रित परिवर्तनशीलता का अनुमानित कारण होता है तथा आश्रित परिवर्तनशीलता, स्वतन्त्र परिवर्तनशीलता का अनुमानित प्रभाव होता है.

उपर्युक्त दोनों कथनों के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(C) (A) सही है और (R) सही नहीं है

(D) (A) सही नहीं है और (R) सही है

39. नीचे दो कथन दिए गए हैं. एक अभिकथन (A) और दूसरा तर्क (R) है—

अभिकथन (A) : किसी टेस्ट के परिणाम में स्थायित्वता से वैधता प्रभावित होती है.

तर्क (R) : टेस्ट के परिणामों में अस्थायित्वता होने पर वैधता मानदण्ड से सह-सम्बन्ध में कमी आ जाएगी.

उपर्युक्त दोनों कथनों के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(C) (A) सही है और (R) सही नहीं है

(D) (A) सही नहीं है और (R) सही है

40. नीचे दो कथन दिए गए हैं. एक अभिकथन (A) और दूसरा तर्क (R) है—

अभिकथन (A) : निरंकुश या स्वेच्छाचारी प्रबंधन मुख्यतः "वन-मैन" शो (One-man-show) होता है, जिसमें शीर्ष पदस्थ कार्यकारी सभी अधिकारों का उपयोग करता है यानी सर्वोच्च सत्ता.

तर्क (R) : उसके मुँह से निकला प्रत्येक शब्द एक आदेश होता है, जिसका प्रत्येक व्यक्ति द्वारा पालन किया जाना चाहिए. स्वेच्छाचारी प्रशासक न तो विसम्पति और न ही असहमति को सहन करता है.

उपर्युक्त दोनों कथनों के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(C) (A) सही है और (R) सही नहीं है

(D) (A) सही नहीं है और (R) सही है

41. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और निम्नलिखित कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए—

सूची-I

(a) आदर्शवाद (Idealism)

(b) व्यवहारवाद (Pragmatism)

(c) प्रकृतिवाद (Naturalism)

(d) अस्तित्ववाद (Extentionlism)

सूची-II

1. शिक्षा का स्वतन्त्रता
2. प्राकृतिक वातावरण में शिक्षा
3. सफलता हेतु शिक्षा
4. विकास हेतु शिक्षा

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	4	1	2
(B)	4	3	2	1
(C)	1	2	3	4
(D)	2	4	1	3

42. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और निम्नलिखित कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए—

सूची-I

(a) आइसोटोनिक संकुचन

(b) आइसोमेट्रिक संकुचन

(c) इकसेन्ट्रिक संकुचन

(d) आइसोकाइनेटिक संकुचन

सूची-II

1. जब संकुलन का दबाव वस्तु के प्रतिरोधक की तुलना में अधिक होता है.
2. वस्तु का प्रतिरोधक गति-शक्ति की पूरी रेंज में स्थिर बना रहता है.
3. जब वस्तु का प्रतिरोध संकुलन के दबाव की तुलना में अधिक होता है
4. संकुलन के समय पेशी (Muscle) की लम्बाई बढ़ती है.

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	2	4	1
(B)	2	4	1	3
(C)	1	3	4	2
(D)	4	3	2	1

43. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और निम्नलिखित कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए—

सूची-I

(a) स्ट्रैप पेशी

(b) यूनीपीनैट पेशी

(c) बाइपीनैट पेशी

(d) मल्टीपीनैट पेशी

सूची-II

1. फ्लेक्सर पालिसिस लौंगस
2. डेल्टॉयड (Deltoid)
3. स्टेर्नोडेयडो मस्टॉयड
4. गैस्ट्रोसिनेमियस (Gastocnemius)

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	2	3	1	4
(C)	3	1	4	2
(D)	4	2	1	3

44. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और निम्नलिखित कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए—

सूची-I

(a) नेतृत्व (Leadership)

(b) चिंता (Anxiety)

(c) व्यक्तित्व (Personality)

(d) आक्रामकता (Aggression)

सूची-II

1. सेल्फ एक्युअलाइजेशन थ्योरी अब्राहम मास्लो 1970

2. टू फैक्टर थ्योरी-1971 स्कैचेर एण्ड सिंगर

3. लाइफ साइकिल थ्योरी हर्षे एण्ड ब्लानचार्ड 1977

4. रिवर्सल थ्योरी केर्ट 1985

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	2	3	4	1
(C)	4	1	2	3
(D)	3	4	1	2

45. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और निम्नलिखित कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए—

सूची-I

(a) एलेक्जेंडर कपरिन

(b) मार्कस गुलियस सिसेरो

(c) जोसेफ वूड क्रच

(d) जस्टिस बायरन आर

सूची-II

1. मनुष्य के सबसे विस्मयकारी आविष्कार वे मूल्य हैं जिनके सहारे उसने जीवन जिया है.

2. मनुष्य वृहद आनंद उठाने के लिए पैदा होता है.

3. बौद्धिक शक्ति और शारीरिक जोश (Physical vigour) स्वाभाविक मित्र है.

4. यदि खेल की भावना की संहिता ठीक है तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन नियम बनाता है या गीत लिखता है, क्योंकि संहिता ही मनुष्य के बीच के सम्बन्धों को नियंत्रित करती है.

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	4	1	3
(B)	1	4	3	2
(C)	4	2	1	3
(D)	3	4	1	2

46. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और निम्नलिखित कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए—

सूची-I

(a) विटामिन-ए (b) विटामिन-बी$_1$

(c) विटामिन-डी (d) विटामिन-के

सूची-II

1. ऑस्टियोमलेशिया

2. रक्त में कम प्रोथोम्बिन

3. केरेटोमलेशिया

4. बेरीबेरी

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	1	4	3
(B)	3	4	2	1
(C)	3	4	1	2
(D)	2	3	1	4

47. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और निम्नलिखित कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए—

सूची-I

(a) सापेक्ष शक्ति

(b) गति

(c) बफर क्षमता

(d) संचलन गति

सूची-II

1. सहनशीलता

2. अचक्रीय खेल

3. शरीर का भार

4. केन्द्रित तंत्रिका प्रणाली की गतिशीलता

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	2	3	1
(B)	3	4	1	2
(C)	1	3	2	4
(D)	2	1	4	3

48. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और निम्नलिखित कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए—

सूची-I

(a) ऐतिहासिक अनुसंधान

(b) कार्रवाई अनुसंधान

(c) सर्वेक्षण अनुसंधान

(d) प्रायोगिक अनुसंधान

सूची-II

1. वर्तमान स्थिति

2. भिन्नता नियंत्रण

3. प्राकृतिक संटिंग

4. स्थानीय समस्या

5. अतीत की ओर उन्मुख

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	2	4	1
(B)	5	4	1	2
(C)	5	1	4	3
(D)	5	1	3	4

49. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और अग्रलिखित कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए—

सूची-I

(a) परीक्षण (Test)

(b) मापक (Measures)

(c) मूल्यांकन (Evaluation)

(d) मानक (Norms)

सूची-II

1. आकलन 2. स्तर

3. प्रशासित 4. प्रदत्त

5. प्रेक्षण 6. तुलना

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	5	4	6	1
(B)	2	1	5	2
(C)	4	1	2	6
(D)	3	4	1	2

50. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और निम्नलिखित कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए—

सूची-I

(a) लाइन संगठन

(b) औपचारिक संगठन

(c) समिति संगठन

(d) लाइन एवं स्टाफ संगठन

सूची-II

1. कार्य विभाजन और विशेषज्ञता प्राप्त होते हैं.

2. कुछ विशिष्ट उद्देश्यों को प्राप्त करना है.

3. सत्ता की ओर जाती है.

4. कार्य प्रत्येक व्यक्ति को सौंपा जाता है.

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	2	1	3
(B)	3	4	2	1
(C)	1	2	3	4
(D)	2	1	4	2

उत्तरमाला

1. (C) 2. (D) 3. (D) 4. (D) 5. (A)
6. (B) 7. (C) 8. (D) 9. (B) 10. (A)
11. (C) 12. (B) 13. (C) 14. (A) 15. (A)
16. (A) 17. (C) 18. (C) 19. (C) 20. (C)
21. (A) 22. (D) 23. (B) 24. (C) 25. (B)
26. (A) 27. (C) 28. (C) 29. (A) 30. (A)
31. (D) 32. (B) 33. (A) 34. (A) 35. (B)
36. (D) 37. (C) 38. (D) 39. (D) 40. (A)
41. (B) 42. (C) 43. (C) 44. (D) 45. (A)
46. (C) 47. (B) 48. (B) 49. (D) 50. (B)



भूगोल

(तृतीय प्रश्न-पत्र)

निर्देश : इस प्रश्न-पत्र में **पचास (50)** बहुविकल्पीय प्रश्न हैं. प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं.

1. रीया किसका उदाहरण है ?
   (A) प्राकृतिक तट
   (B) संयुक्त तट
   (C) उन्मज्जी उपरिभूमि तट
   (D) निमग्न उपरिभूमि तट

2. भारतीय पठारों (Plateau) का अस्तित्व किसके कारण है ?
   (A) सम्पीडक बल (B) तनाव बल
   (C) उन्मज्जन (D) अवतलन

3. भू-अभिनति का समग्र सिद्धान्त किसके द्वारा प्रस्तुत किया गया था?
   (A) हॉल और डाना
   (B) ई. हॉग
   (C) जे. ए. स्टीअर्स
   (D) जे. डब्ल्यु. ईवांस

4. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए—

सूची-I (बालू के टिब्बा का आकार तथा संरेखण)	सूची-II (बालू के टिब्बा का विशिष्ट नाम)
(a) अनुदैर्घ्य	1. उत्क्रमी
(b) अनुप्रस्थ	2. तटीय
(c) परवलयिक	3. सीफ (Seif)
(d) सम्मिश्र	4. चापाकार टिब्बा (Barchan)

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	4	2	1
(B)	1	2	3	4
(C)	2	1	4	3
(D)	4	3	1	2

5. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए और दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए—

सूची-I (कंदरा निर्माण के सिद्धान्त)
(a) द्वि-चक्र सिद्धान्त
(b) भौम जलस्तर सिद्धान्त
(c) स्थैतिक जल क्षेत्र सिद्धान्त
(d) आक्रमण सिद्धान्त

सूची-II (विद्वान्)
1. स्विनरटोन 2. गार्डनर
3. मैरट 4. डेविस

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	2	1	4
(B)	4	1	2	3
(C)	2	3	1	4
(D)	4	2	3	1

6. पेडिमेन्ट निर्माण के पार्श्व समतलन सिद्धान्त को किसने प्रस्तावित किया था ?
   (A) मैक्गी (B) गिल्बर्ट
   (C) लॉसन (D) डेविस

7. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (A) और दूसरा तर्क (R) है. नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर दीजिए—
   अभिकथन (A) : हवाई द्वीप ज्वालामुखी क्रियाओं का प्रदेश है.
   तर्क (R) : अभिसरित प्लेट सीमाएँ ज्वालामुखी उद्गारों के स्थल हैं.
   कूट :
   (A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
   (B) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
   (C) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है
   (D) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है

8. निम्नलिखित विवरणों में से कौनसा 'दाब घनत्वी' (Barotropic) शब्द का उपयुक्त विवरण है ?
   (A) समदाब रेखा और समताप रेखा समानान्तर होते हैं
   (B) समदाब रेखा और समताप रेखा समानान्तर नहीं होते हैं
   (C) समदाब रेखा और समलवण रेखा समानान्तर होते हैं
   (D) समदाब रेखा और समलवण रेखा समानान्तर नहीं होते हैं

9. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए—

सूची-I (सतह दशा)
(a) वन (Forest)
(b) मरुस्थल (Desert)
(c) वर्षा प्रचुर वन
(d) घास स्थल (Grasslands)

सूची-II (वर्षण क्षमता (पी-ई) सूचकांक)
1. > 127 2. < 16
3. 32 – 63 4. 64 – 127

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	1	2	4
(B)	3	1	4	2
(C)	4	2	3	1
(D)	4	2	1	3

10. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए—

सूची-I (घटक)
(a) ऑक्सीजन
(b) आर्गन
(c) कार्बन डाइऑक्साइड
(d) नाइट्रोजन

सूची-II (शुष्क वायु में मात्रा %)
1. 0·03 2. 78·08
3. 0·93 4. 20·94

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	2	3	1
(B)	4	3	1	2
(C)	3	4	2	1
(D)	4	3	2	1

11. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (A) और दूसरा तर्क (R) है. दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनिए—
    अभिकथन (A) : उष्णकटिबन्धीय जलवायु विशेष भौगोलिक वंश हैं.
    तर्क (R) : विश्व की जनसंख्या का 75% से अधिक 30° N और 30° S अक्षांश के बीच निवास करता है.
    कूट :
    (A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
    (B) (A) और (R) दोनों सही हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
    (C) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है
    (D) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है

12. जलवायु के कोपेन के वर्गीकरण में चिह्न Aw किसे सन्दर्भित करता है ?
    (A) मानसून जलवायु
    (B) उष्णकटिबन्धीय वर्षावन
    (C) स्टेप जलवायु
    (D) उष्णकटिबन्धीय सवाना जलवायु

13. हरिकेन (Hurricanes) के निर्माण के लिए निम्नलिखित में से कौनसा मुख्य ऊर्जा स्रोत है?
    (A) पृथ्वी की भूतापीय ऊर्जा
    (B) संघनित जल वाष्प में उत्पन्न निहित ताप
    (C) बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधन को जलाना
    (D) ओजोन (O_3) छिद्र का निर्माण

14. निम्नलिखित में से कौन पृथ्वी के सतह पर वायु-संहति घनत्व का सही औसत है ?
    (A) 0·9 kg m^{-3} (B) 1·2 kg m^{-3}
    (C) 1·5 kg m^{-3} (D) 0·7 kg m^{-3}

15. निम्नलिखित वायुमण्डलीय स्तरों में से किसमें लगभग 0·6°C प्रति 100 m की औसत दर पर ऊँचाई के साथ तापमान में गिरावट आती है ?
(A) क्षोभमण्डल
(B) समतापमण्डल
(C) बाह्य वायुमण्डल
(D) आयनमण्डल

16. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए और दिए गए कूटों से सही उत्तर दीजिए–

सूची-I (परिवर्तन की प्रकृति)
(a) अर्धशुष्क क्षेत्र में मरुस्थलीकरण
(b) घाटी तली में अवनालिका का विकास
(c) बढ़ता हुआ तट क्षरण
(d) बृहत् नदी-बाढ़ सघनता

सूची-II (सम्भव मानवोद्भवी कारण)
1. तट तक पुलिनरोधों का प्रभाव
2. अतिचारण (Overgrazing)
3. नई सड़क से बह जाना
4. नगरीकरण (Urbanisation)

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	3	4	1
(B)	2	3	1	4
(C)	3	2	1	4
(D)	4	3	2	1

17. निम्नलिखित में से किसने पहली बार 1934 में पादपों के बीच 'जीवन रूप' (Life form) की अवधारणा को प्रस्तुत किया ?
(A) ए. एस. मोफ्फत
(B) आर. एच. व्हिटकर
(C) क्रिस्टेन रॉनकिएर
(D) ई. ओ. बॉक्स

18. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (तत्व)
(a) समुद्र जल
(b) महासागरीय पटल
(c) महाद्वीपीय पटल
(d) महाद्वीपीय सीमांत

सूची-II (gm/cm³ में घनत्व)
1. 2·4 2. 1·03
3. 2·8 4. 2·9

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	2	1	3
(B)	2	4	1	3
(C)	2	4	3	1
(D)	3	4	2	1

19. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (समुद्री संरचना)
(a) समुद्र तली
(b) समुद्र जल का सतह स्तर
(c) गहरी समुद्र खाई
(d) समुद्र जल स्तम्भ

सूची-II (निक्षेप)
1. हेडलपेलाजिक
2. पेलाजिक प्रोविन्स
3. बेन्थिक प्रोविन्स
4. एपिपेलाजिक जोन

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	4	2	1
(B)	3	4	1	2
(C)	4	3	2	1
(D)	1	4	2	3

20. निम्नलिखित में से कौन महाद्वीपीय ढाल का सही औसत ढाल कोण है ?
(A) 2° (B) 4°
(C) 6° (D) 8°

21. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (A) और दूसरा तर्क (R) है. नीचे दिए गए कूटों में से अपना उत्तर चुनिए–

अभिकथन (A) : प्रवाल भित्तियों की महाद्वीपों के पूर्वी उपान्त के साथ-साथ सर्वाधिक व्यापक रूप से विकसित होने की प्रवृत्ति होती है.

तर्क (R) : समुद्र जल 20°C से ज्यादा गर्म होता है.

कूट :
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है
(D) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है

22. निम्नलिखित में से कौनसा प्रवाल भित्ति का मुख्य रासायनिक संघटक है ?
(A) $MgCO_3$ (मैग्नीशियम कार्बोनेट)
(B) KCO_3 (पोटैशियम कार्बोनेट)
(C) NaCl (सोडियम क्लोराइड)
(D) $CaCO_3$ (कैल्सियम कार्बोनेट)

23. दो पारिस्थितिकी (Ecosystems) तंत्रों के बीच संक्रमण क्षेत्र को क्या कहते हैं ?
(A) जैवावासक (B) संक्रमिका
(C) जैव परिमाण (D) आवास

24. 'ला ज्यॉग्राफी ह्यूमेन' (La Geographie Humaine) नामक पुस्तक किसने लिखी है ?
(A) पी. ई. जेम्स (B) जीन ब्रुन्स
(C) आर. जे. जॉन्स्टन (D) ई. जोन्स

25. निम्नलिखित में से किसने भूगोल की परिभाषा जीव वितरण विज्ञान के रूप में की है ?
(A) रिचथोफेन (B) हेटनर
(C) टॉलेमी (D) पीटर हगेट

26. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए और दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (लेखक)
(a) हैगरस्ट्रान्ड (b) गिल्बर्ट व्हाइट
(c) वाल्टर इसार्ड (d) विलियम बुन्ज

सूची-II (पुस्तकें)
1. थियोरेटिकल ज्योग्राफी
2. ज्यॉग्राफिकल डायमेन्सन्स ऑफ इन्नोवेशन्स
3. ह्यूमन रिस्पांस टू फ्लड्स
4. मेथड्स ऑफ रीजनल एनालिसिस

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	3	2	4
(B)	4	2	1	3
(C)	3	4	2	1
(D)	2	3	4	1

27. "भौगोलिक विकास में पार्थिव एकता (Terrestrial Unity) का सिद्धान्त सदैव प्रबल रहा है." यह कथन किसके द्वारा प्रस्तुत किया गया है ?
(A) रिचर्ड हार्टशोर्न
(B) वाइडल डी-ला ब्लाश
(C) जीन ब्रुन्स
(D) फ्रेड्रिक रेट्जेल

28. निम्नलिखित में से कौन जर्मनी का भूगोल सम्बन्धी ज्ञान को प्रथम बढ़ावा देने वाला था ?
(A) फर्डिनेन्ड वॉन रिचथोफेन
(B) कार्ल रिट्टर
(C) कार्ल एन्ड्री
(D) ऑस्कर पेस्चेल

29. 'ठहरिए और जाइये' (Stop and go) निश्चयवाद का प्रतिपादन किसने किया था ?
(A) हम्बोल्ट (B) जीन ब्रुन्स
(C) ग्रिफिथ टायलर (D) रेट्जेल

30. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (भूगोलवेत्ता)
(a) अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट
(b) एलेन चर्चिल सेम्पल
(c) पीटर हगेट
(d) जीन ब्रुन्स

सूची-II (देश)
1. फ्रांस
2. यू. के.
3. अमरीका
4. जर्मनी

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	3	2	1
(B)	3	2	1	4
(C)	2	4	3	1
(D)	1	4	3	2

31. जनसांख्यिकीय परिवर्तन में जनसंख्या वृद्धि के कितने चरण सम्मिलित हैं ?
(A) 3 (B) 4
(C) 5 (D) 6

32. भारत की जनगणना के अनुसार नगरीय बसावटों की कितनी श्रेणियाँ हैं ?
(A) 3 (B) 4
(C) 5 (D) 6

33. निम्नलिखित मॉडलों में से कौनसा मानव पारिस्थितिकी तंत्र के अध्ययन पर आधारित है ?
(A) बर्गेस और पार्क सन्केन्द्री क्षेत्र मॉडल
(B) वेबर का अवस्थिति मॉडल
(C) हैगरस्ट्रान्ड का नवाचार फैलाव मॉडल
(D) जेलिन्स्क्या का गतिशीलता संक्रमण मॉडल

34. भारत की जनगणना के अनुसार 2001 और 2011 के बीच भारत में कुल जनसंख्या का लिंग अनुपात (प्रति 1000 पुरुष पर स्त्री) का अन्तर था ?
(A) 5 (B) 6
(C) 7 (D) 8

35. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (बसावट का वितरण)

(a) [चित्र] (b) [चित्र]

(c) [चित्र] (d) [चित्र]

सूची-II (प्रतिरूप)
1. पूर्ण एक समान
2. संहत (Cluster)
3. यादृच्छिक (Random)
4. एकसमान (Uniform)

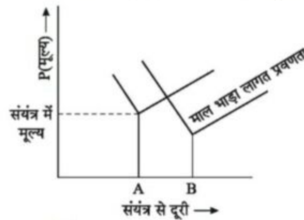
कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	3	1	4
(B)	2	3	4	1
(C)	2	1	4	3
(D)	1	2	3	4

36. भारत की जनगणना (2011) के अनुसार निम्नलिखित किस संघ राज्य क्षेत्र में जनसंख्या का अधिकतम घनत्व पाया जाता है ?
(A) अण्डमान और निकोबार प्रायद्वीप
(B) लक्षद्वीप
(C) दादरा और नगर हवेली
(D) दमन और दीव

37. 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत की साक्षरता पर (%) वर्ष 2011 में कितनी दर्ज की गई थी ?
(A) 80 (B) 78
(C) 76 (D) 74

38. दो प्रतिस्पर्धी फर्मों A और B के बाजार क्षेत्र जहाँ मालभाड़ा समान है के बीच सीमा के विलचन के दिए गए आरेख में आदान मूल्य चर की निम्नलिखित कौनसी शर्त लागू है?



कूट :
(A) $A^p > B^p$ (B) $A^p < B^p$
(C) $A^p = B^p$ (D) $A^p \geq B^p$

39. औद्योगिक दृश्य भूमि में स्थान के ऊपर आदान लागत वक्र की प्रकृति हो जाती है–
(A) उत्तल (Convex)
(B) अवतल (Concave)
(C) रैखिक (Linear)
(D) 'U' आकृति

40. निम्नलिखित लेखकों में से किसने 'लोकेशनल एनालिसिस इन ह्यूमन ज्यॉग्राफी' नामक पुस्तक लिखी ?
(A) पी. हैगेट (B) टी. हैगरस्ट्रान्ड
(C) पी. हॉल (D) डी. गेग्ररी

41. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (A) और दूसरा तर्क (R) है. नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनिए–

अभिकथन (A) : इस शताब्दी में नगरीकरण एक परिभाषित परिदृश्य है और विकासशील देश इस परिवर्तित प्रक्रिया का मुख्य बिन्दु है.

तर्क (R) : विकासशील देशों के महानगरों में नगरीय विस्थापन का मुख्य कारण पिछले कुछ दशकों में तीव्र वृद्धि दर है.

कूट :
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है
(D) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है

42. नोमोथेटिक उपागम भूगोल में किससे सम्बन्धित है ?
(A) इन्डक्शन अध्ययन
(B) इडियोग्राफिक (Ideographic) अध्ययन
(C) नियम निर्माण अध्ययन
(D) आनुभविक अध्ययन

43. औद्योगिक दृश्यभूमि में स्थानिक प्रक्रिया के इष्टतमकरण के अल्फ्रेड वेबर का उपागम किसकी खोज की दिशा में है ?
(A) अधिकतम राजस्व अवस्थिति
(B) अन्तिम परिवहन लागत अवस्थिति
(C) आदान माँग में एकरूपता
(D) संयंत्र राजस्व की एकरूपता

44. भूमध्यसागरीय प्रदेश के लोगों का प्रमुख व्यवसाय है–
(A) चलवासी पशुचारण
(B) पशुधन संवर्धन
(C) ऊष्णकटिबन्धीय फसलों को उगाना
(D) अन्न और फलों को उगाना

45. तपोवन एवं विष्णुगढ़ जलविद्युत् परियोजनाएँ कहाँ स्थित हैं ?
(A) उत्तर प्रदेश (B) मध्य प्रदेश
(C) उत्तराखण्ड (D) झारखण्ड

46. अमरीका का कौनसा राज्य वसंत के मौसम में गेहूँ (Wheat) उगाता है ?
(A) उत्तर डकोटा (B) टेक्सास
(C) नेब्रास्का (D) कैलिफोर्निया

47. भूराजनीति (Geopolitics) शब्द जिसने प्रचलित किया ?
(A) स्पाईकमैन (B) मैकिन्डर
(C) केजेलिन (D) हॉशोफर

48. जनजातीय कल्याण समिति (1952) ने भारतीय जनजातियों को कितनी श्रेणियों में वर्गीकृत किया है ?
(A) 5 (B) 4
(C) 3 (D) 2

49. हॉटेन्टॉस (Hottentots) हैं–
(A) भूरे रंग के श्रीलंका के नेग्रिटॉस
(B) दक्षिण-पश्चिम अफ्रीका के पीले चर्म रंग के लोग
(C) पूर्वी अफ्रीका के नेग्रिटॉस
(D) कांगो बेसिन के पिग्मी

50. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए और नीचे दिए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (ऊर्जा के स्रोत)
(a) भूतापीय (b) पवन
(c) समुद्री लहरें (d) नाभिकी

सूची-II (स्थान)
1. खम्भात 2. कैगा (Kaiga)
3. मनिकरण 4. विजिंझम

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	1	3	4
(B)	4	3	2	1
(C)	3	1	4	2
(D)	1	3	2	4

51. निम्नलिखित में से किस लेखक ने समष्टि भूगोल के क्षेत्र के सृजन के लिए सामाजिक भौतिकी के सिद्धान्त का विकास किया ?
(A) स्टीवर्ट और वार्न्ट्ज
(B) जैकसन और स्मिथ
(C) शेवकि और बेल
(D) जोन्स और आइल्स

52. किसने सांस्कृतिक भूगोल को "जो मानवीय संस्कृतियों पर बल देता है और जिसे सामान्य रूप से मानव भूगोल के समतुल्य माना जाता है" के रूप में परिभाषा की है ?
(A) जॉन आइल्स (B) एम्रिस जोन्स
(C) डडले स्टैम्प (D) एशरफ शेवकी

53. एडवर्ड एल. उलमैन का 1957 का स्थानिक अन्तर्क्रिया और क्षेत्रीय आर्थिक संरचना का अध्ययन करने के लिए वस्तु प्रवाह सम्बन्धी अध्ययन किस देश की अर्थव्यवस्था पर आधारित था ?
(A) यूरोप (B) अमरीका
(C) यू. के. (D) आस्ट्रेलिया

54. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए और दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए–
सूची-I (भूगोलवेत्ता)
(a) जे. ग्रोथमेन
(b) ई. बर्गेस
(c) एम. जेफरसन
(d) सी. हैरिस और ई. उलमैन
सूची-II (सिद्धान्त/मॉडल/अवधारणा)
1. संकेन्द्री क्षेत्र सिद्धान्त
2. प्रमुख शहर (Primate City)
3. बहुकेन्द्रक मॉडल
4. विश्वनगरी (Megalopolis)
कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	4	3	2
(B)	2	1	4	3
(C)	3	2	1	4
(D)	4	1	2	3

55. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए–
सूची-I (वर्ष)
(a) 1826 (b) 1966
(c) 1954 (d) 1909
सूची-II (पुस्तक)
1. थ्योरी ऑफ द लोकेशन ऑफ इण्डस्ट्रीज
2. द इकोनॉमिक्स ऑफ लोकेशन
3. द आइसोलेटेड स्टेट
4. सेंट्रल प्लेसेस इन साउदर्न जर्मनी
कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	4	3	1
(B)	3	4	2	1
(C)	1	3	2	4
(D)	3	2	1	4

56. निम्नलिखित में से कौनसा केन्द्रीय स्थान सिद्धान्त के अनुरूप **नहीं** है ?
(A) केन्द्रीय स्थान एक बसावट है जो इसकी पश्चभूमि की जनसंख्या के लिए सेवाएँ उपलब्ध कराता है
(B) अनुक्रम और नीडन प्रतिरूप के परिणामस्वरूप केन्द्रीय स्थानों पर अधिकतम संख्या होती है
(C) सर्वव्यापकता और स्थानिक कच्चा माल
(D) विभिन्न वस्तुओं के लिए बाजार क्षेत्र षड्भुज के जाल के सदृश होते हैं

57. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए और दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए–
सूची-I (पद)
(a) भौतिक सूचकांक
(b) आइसोडापेन्स
(c) श्रम गुणांक
(d) समूह
सूची-II (विवरण)
1. इकाई के अवस्थितिक भार की तुलना में उस इकाई के उत्पाद की प्रति इकाई श्रम लागत का अनुपात
2. उद्योग के केन्द्रीयकरण के कारण उत्पादन का लाभ
3. स्थानीकृत सामग्री का भार और उत्पाद का भार
4. प्रति टन समान परिवहन लागत की रेखाएँ
कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	4	1	2
(B)	4	3	2	1
(C)	4	2	3	1
(D)	2	4	1	3

58. नोड क्षेत्र राज्यों की पहचान में गुरुत्व सिद्धान्त की दो भौगोलिक बिन्दुओं (Geographical Points) के बीच अन्तर्क्रिया प्रत्यक्ष रूप से सम्बन्धित है. उनकी–
(A) दूरी से (Distance)
(B) द्रव्यमान से (Masses)
(C) बसावट के आकार से
(D) परिवहन के साधन से

59. निम्नलिखित में से बस्तर प्रदेश में कौनसा स्थित है ?
(A) डांडेली वन्यजीवन अभयारण्य
(B) राजाजी राष्ट्रीय उद्यान
(C) बान्धवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान
(D) इन्द्रावती राष्ट्रीय उद्यान

60. निम्नलिखित में से किसने इस अवधारणा को औपचारिक रूप दिया कि स्थानिक संगठन और राष्ट्रीय विकास में सम्बन्ध रहता है ?
(A) कुकलिंस्की (B) डिकेन्स
(C) फ्रीडमैन (D) लुटेन

61. किसने "ग्रोथ पोल एण्ड ग्रोथ सेंटर्स फोर रीजनल इकोनोमिक डेवलपमेंट इन इण्डिया" नामक पुस्तक लिखी ?
(A) मिश्रा, राव और सुन्दरम्
(B) सुन्दरम् और टी. बी. लाहिड़ी
(C) सेन और वनमाली
(D) सदास्युक और सेनगुप्त

62. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए–
सूची-I (फसल)
(a) मूँगफली (b) जौ
(c) चावल (d) रागी
सूची-II (मुख्य उत्पादक)
1. कर्नाटक 2. उत्तर प्रदेश
3. गुजरात 4. प. बंगाल
कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	2	4	1
(B)	2	4	1	3
(C)	4	1	2	3
(D)	1	3	2	4

63. भारत में प्राचीनतम चट्टानें (Oldest Rocks) कहाँ पाई जाती हैं ?
(A) शिवालिक शृंखला
(B) अरावली शृंखला
(C) धारवाड़ क्षेत्र
(D) विन्ध्यन शृंखला

64. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए–
सूची-I (दर्रा)
(a) शिपकी ला (b) नीति
(c) नाथु ला (d) बॉमडी ला
सूची-II (राज्य)
1. अरुणाचल प्रदेश 2. हिमाचल प्रदेश
3. उत्तराखण्ड 4. सिक्किम
कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	3	1	2	4
(C)	2	3	4	1
(D)	4	2	1	3

65. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (A) और दूसरा तर्क (R) है. नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनिए–
अभिकथन (A) : भारत एक बहुधार्मिक और बहुजातीय समाज है.
तर्क (R) : भारतीय संविधान सभी नागरिकों को व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से धर्म, प्रजाति, जाति, लिंग व जन्म स्थान के आधार पर कोई भेदभाव नहीं करता है.
कूट :
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है
(D) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है

66. भारतीय प्रायद्वीप की पूर्व की ओर बहने वाली नदियों का उत्तर से दक्षिण की ओर सही क्रम क्या है ?
(A) स्वर्णरेखा, कृष्णा, महानदी, गोदावरी, कावेरी, वैगाई, पेनार
(B) स्वर्णरेखा, महानदी, गोदावरी, कृष्णा, पेनार, कावेरी, वैगाई
(C) महानदी, गोदावरी, स्वर्णरेखा, कृष्णा कावेरी, वैगाई, पेनार
(D) गोदावरी, स्वर्णरेखा, कृष्णा, पेनार, वैगाई, कावेरी, महानदी

67. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए—

सूची-I
(भूमि प्रयोग/भूमि आच्छादन प्रकार)
(a) वन (b) कृषि क्षेत्र
(c) अकृष्ट भूमि (d) निर्मित क्षेत्र

सूची-II (परम्परागत मानचित्र रंग प्रतीक)
1. पीला 2. लाल
3. गहरा हरा 4. भूरा

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	1	4	2
(B)	4	3	2	1
(C)	1	4	2	3
(D)	3	1	2	4

68. निम्नलिखित में से कौनसा 'सिस्टम' (Systems) वेक्टर और रास्टर आँकड़ों के लिए प्रयुक्त होता है ?
(A) सुदूर संवेदी प्रणाली
(B) भौगोलिकी सूचना प्रणाली
(C) वैश्विक स्थिति निर्धारण प्रणाली
(D) (A) और (B) दोनों

69. निम्नलिखित में से कौनसा रैखिक लम्बाई माप 10^{-6} मीटर के भिन्नात्मक माप से निकाला जा सकता है ?
(A) नैनोमीटर
(B) माइक्रोमीटर
(C) मिलीमीटर
(D) फेमटोमीटर

70. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए—

सूची-I (विद्युत् चुम्बकीय विकिरण पेटी)
(a) दृष्टिगोचर (b) पराबैंगनी
(c) अवरक्त (d) तापीय

सूची-II (तरंग लम्बाई (माइक्रोन))
1. 0·8 – 1·1 2. 10·0 – 12·5
3. 0·3 – 0·4 4. 0·4 – 0·7

कूट :

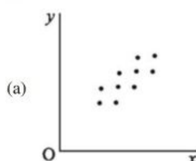
	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	1	4	3
(B)	1	2	3	4
(C)	4	3	1	2
(D)	3	4	2	1

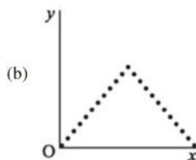
71. किसी क्षेत्र के बड़े, मध्यम, लघु और सीमान्त किसानों के बीच जीवन-स्तर का अध्ययन करने के लिए कौनसी प्रतिदर्शी तकनीक (Sampling Technique) अधिक उपयुक्त होगी ?
(A) यादृच्छिक प्रतिदर्शी
(B) स्तरीकृत यादृच्छिक प्रतिदर्शी
(C) अवसर प्रतिदर्शी
(D) बहुचरण प्रतिदर्शी

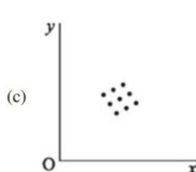
72. निम्नलिखित में से कौन गैर-मात्रात्मक क्षेत्रीय वितरण मानचित्र है ?
(A) वर्णमात्री
(B) सममान (Isopleth)
(C) बहुबिन्दु
(D) वर्ण प्रतीकी

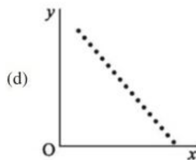
73. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए और दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए—

सूची-I (प्रकीर्ण आरेख)

(a)


(b)


(c)


(d)


सूची-II (सरल कोटि सहसम्बन्ध की डिग्री)
1. $\rho = -1$, पूर्ण ऋणात्मक
2. $\rho = 0$, कोई सहसम्बन्ध नहीं
3. $\rho = < 1$ धनात्मक
4. $\rho = 1$ पूर्ण धनात्मक

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	4	1	2
(B)	4	3	1	2
(C)	3	4	2	1
(D)	1	2	3	4

74. निम्नलिखित कौनसा समीकरण माध्य की सही-सही गणितीय विशेषता का प्रतिनिधित्व करता है ?
(A) $\sum(X - \bar{X})^2 =$ न्यूनतम
(B) $\sum(X - \bar{X})^2 = 0$
(C) $\sum(X - \bar{X})^2 =$ अधिकतम
(D) $\sum(X - \bar{X})^2 < \sum(X - \bar{X})$

75. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (A) और दूसरा तर्क (R) है. नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनिए—
अभिकथन (A) : यादृच्छिक संख्या द्वारा क्षेत्र प्रतिदर्शी के लिए अध्ययन के अन्तर्गत ऐसे क्षेत्र की आवश्यकता होती है जिसे दो क्षेत्रों के अन्दर समकोण पर जाल में होना चाहिए.
तर्क (R) : क्षेत्र की पंक्ति और स्तम्भ के काट क्षेत्र में प्रेक्षण के प्रतिदर्श अवस्थितियाँ प्रदान करेंगे.
कूट :
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है
(D) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है

उत्तर व्याख्या सहित

1. (D) यह एक कीपाकार सागर तटीय जलमार्ग या खाड़ी है जिसका निर्माण सागर तल में उत्थान या तटीय स्थल के निमज्जन (Submerged) के परिणामस्वरूप तटवर्ती नदी घाटी के जलमग्न होने से होता है.
2. (C)
3. (A) भू-अभिनतियों की अवधारणा हॉल और डाना नामक विद्वानों की देन है जिन्होंने वलित पर्वतों की व्याख्या करते समय भू-अभिनति के विचार को प्रस्तुत किया.
4. (A)
5. (B) कन्दरा निर्माण के सिद्धान्त का सही कूट निम्न है—
(i) द्विचक्र सिद्धान्त—डेविस
(ii) भौम जल स्तर सिद्धान्त—स्विनरटोन
(iii) स्थैतिक जल क्षेत्र सिद्धान्त—गार्डनर
(iv) आक्रमण सिद्धान्त—मैरट

6. (B) पेडिमेन्ट निर्माण के लिए समतलन सिद्धान्त गिल्बर्ट ने प्रतिपादित किया था, उन्होंने संयुक्त राज्य अमरीका के ऊटा प्रान्त के हेनरी पर्वत में उसके निर्माण सम्बन्धी विचारों को रखा.
7. (B)
8. (A) दाब घनत्वी (Barotropic) शब्द में घनत्व वायुदाब पर आधारित रहता है अत: उस स्थिति में समदाब और समताप रेखाएँ समानान्तर होंगी.
9. (D) थार्नवेट के अनुसार सतह दशा एवं वर्षण क्षमता का सूचकांक का सम्बन्ध निम्न है—
(i) वर्षा प्रचुर वन—> 127, (ii) वन—64 से 127, (iii) घास के मैदान—32 से 63, (iv) मरुस्थल—< 16
10. (B) शुष्क वायु में विभिन्न घटकों की प्रतिशत मात्रा निम्न प्रकार है—
नाइट्रोजन—78·08%, ऑक्सीजन—20·94%, आर्गन—0·93%, कार्बन डाइ ऑक्साइड—0·03%.
11. (A) 12. (D)
13. (B) हरिकेन तूफानों को जन्म देने में स्थानीय गर्मी और जलवाष्प ही विशेष सहायता करती है. इन तूफानों को बनाए रखने वाली मुख्य शक्ति संघनन के समय छोड़ी गई गुप्त ऊष्मा (Latent heat) होती है इसी से इनके साथ भयंकर वर्षा होती है.
14. (B) वायु दाब का घनत्व ऊँचाई के अनुसार कम होता जाता है तथा तापमान या आर्द्रता के कारण भी इसमें परिवर्तन आता है. समुद्र पर 15° से. तापमान पर वायु का घनत्व लगभग 1·225 kg/m^3 होता है.
15. (A) समताप मण्डल में ऊँचाई के अनुसार तापमान कम होता जाता है. यह कमी 100 मीटर की ऊँचाई पर 0·6° होती है. या 6° तापमान की कमी 1,000 मीटर पर होती है.
16. (B)
17. (C) क्रिस्टेन रॉनकियर (1934) ने पहलीबार, पादपों के बीच जीवन रूप की अवधारणा को प्रस्तुत किया था.
18. (C)
19. (B) समुद्री संरचना एवं निक्षेप के मध्य संरचना का सम्बन्ध निम्न है—
समुद्र तली—बेन्थिक प्रोविन्स
समुद्र जल का सतह स्तर—एपिपेलाजिक जोन
गहरी समुद्र खाई—हेडलपेलाजिक प्रोविन्स
समुद्र जल स्तम्भ—पेलजिक प्रोविन्स
20. (B) महाद्वीपीय ढाल का सही औसत ढाल 4° है.
21. (A)
22. (D) प्रवाल भित्ति का मुख्य रसायनिक संघटक कैल्शियम कार्बोनेट है.
23. (B) दो पारिस्थितिकी तंत्रों के बीच संक्रमण केन्द्र को संक्रमिका (Ecotone) कहते हैं.
24. (B)
25. (B) जीव वितरण विज्ञान के रूप में भूगोल की परिभाषा हेटनर ने दी थी.
26. (D)
27. (B) ब्लाश के पार्थिव एकता (Terrestrial Unity) का विचार विकसित किया तथा यह मत व्यक्त किया कि सभी भौगोलिक विकास के पीछे एकता के नियम का योग है.
28. (B)
29. (C) ठहरिए और जाइए (Stop and Go) निश्चयवाद का प्रतिपादन ग्रिफिथ टेलर ने किया था.
30. (A)
31. (C) जनसांख्यिकीय परिवर्तन में जनसंख्या वृद्धि के पाँच चरण सम्मिलित हैं—(1) उच्च जन्म एवं मृत्युदर, (2) उच्च जन्मदर तथा निम्न मृत्युदर, (3) जन्मदर में कमी एवं निम्न मृत्युदर, (4) निम्न जन्म एवं मृत्युदर, (5) जन्म और मृत्युदर समान.
32. (D) भारत की जनगणना के अनुसार नगरीय बसावटों की 6 निम्न श्रेणियाँ हैं—(1) 1,00,000 से अधिक जनसंख्या, (2) 50,001 से 99,999, (3) 20,000 से 49,999, (4) 10,000 से 19,999, (5) 5,000 से 9,999, (6) 5,000 से कम.
33. (A) 34. (C) 35. (B)
36. (D) प्रश्न में दिए गए केन्द्रशासित प्रदेशों में 2011 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या घनत्व निम्न हैं—1. अण्डमान-निकोबार द्वीप समूह—46 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी, 2. लक्षद्वीप—2149 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी, 3. दादर एवं नगर हवेली—700 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी, 4. दमन एवं दीव—2191 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.
37. (D) 38. (A) 39. (D) 40. (A)
41. (C) 42. (C)
43. (B) अन्तिम परिवहन लागत अवस्थिति का औद्योगिक दृश्य भूमि में सिद्धान्त वेबर से सम्बन्धित है.
44. (D) भूमध्यसागरीय प्रदेशों के लोगों का मुख्य व्यवसाय अन्न और फलों को उगाना है.
45. (C) तपोवन एवं विष्णुगढ़ जलविद्युत् परियोजनाएँ धौली-गंगा नदी पर उत्तराखण्ड राज्य के चमोली जिले में हैं.
46. (A)
47. (C) भूराजनीति शब्द बीसवीं सदी में केजेलिन ने प्रचलित किया था.
48. (B) 49. (B) 50. (C)
51. (A) सामाजिक भौतिकी के सिद्धान्त का विकास स्टीवर्ट तथा वार्न्ज ने मध्य बीसवीं शताब्दी में किया था. उन्होंने अपने स्थानिक विभिन्नता (Spatial Variation जिसे Macro geography समाष्टि भूगोल) कहा.
52. (C) 53. (B) 54. (D) 55. (B)
56. (C) 57. (A) 58. (B)
59. (D) इन्द्रावती राष्ट्रीय उद्यान बस्तर क्षेत्र में स्थित है, जबकि डांडेली वन्य जीव अभयारण्य, उत्तरी कनारा जिला, कर्नाटक राज्य, राजाजी राष्ट्रीय उद्यान, हरिद्वार, देहरादून और पौढ़ी गढ़वाल जिले उत्तराखण्ड, बान्धवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान रीवा जिला मध्य प्रदेश में स्थित है.
60. (C) फ्रीडमैन ने इस औपचारिक अवधारणा–स्थानिक संगठन और राष्ट्रीय विकास में सम्बन्ध होता है को औपचारिक रूप दिया.
61. (A) ग्रोथ पोल एण्ड ग्रोथ सेंटर्स फोर रीजनल इकोनोमिक डेवलपमेंट इन इण्डिया नामक पुस्तक के लेखक मिश्रा, राव और सुन्दरम् (1971) थे.
62. (A) 63. (B) 64. (C) 65. (B)
66. (B) 67. (A)
68. (B) वेक्टर और रास्टर आँकड़ों के लिए भौगोलिक सूचना प्रणाली उपयुक्त हैं न कि सुदूर संवेदी प्रणाली और वैश्विक स्थिति निर्धारण प्रणाली.
69. (B)70. (C)
71. (B) किसी क्षेत्र के बड़े, मध्यम, लघु और सीमान्त किसानों के बीच जीवन स्तर का अध्ययन स्तरीकृत यादृच्छिक प्रतिदर्शी (Stratified Random Sampling) द्वारा निकाला जाता है.
72. (D) वर्ण प्रतीकी गैर–मात्रात्मक क्षेत्रीय वितरण मानचित्र है.
73. (C) 74. (A) 75. (B)

●●●

सिंडीकेट बैंक (पी.ओ.) परीक्षा, 25-2-2017 का हल प्रश्न-पत्र

तर्कशक्ति

(स्मृति पर आधारित)

निर्देश–(प्रश्न 1 से 6 तक) इन प्रश्न में तीन कथन हैं जिसके दो निष्कर्ष I और II दिए गए हैं. आपको इन कथनों को सत्य मानते हुए यह बताना है कि दिए गए निष्कर्षों में से कौनसा निष्कर्ष दिए गए कथनों का अनुसरण करता है, और उत्तर दें–

(A) केवल निष्कर्ष I अनुसरण करता है

(B) केवल निष्कर्ष II अनुसरण करता है

(C) न ही निष्कर्ष I न ही II अनुसरण करता है

(D) या तो निष्कर्ष I या II अनुसरण करता है

(E) निष्कर्ष I और II दोनों अनुसरण करते हैं.

1. **कथन :** कुछ जूस कैन हैं. सभी कैन ड्रिंक हैं. सभी जूस बेव्रेज हैं.

निष्कर्ष :

I. कोई भी ड्रिंक जूस नहीं है.

II. सभी ड्रिंक के बेव्रेज होने की सम्भावना है.

2. **कथन :** सभी जानवर पौधे हैं. सभी पौधे कीट हैं. कुछ कीट रेपटाइल्स हैं.

निष्कर्ष :

I. सभी जानवर कीट हैं.

II. सभी रेपटाइल्स के जानवर होने की सम्भावना है.

3. **कथन :** कुछ जूस कैन हैं. सभी कैन ड्रिंक हैं. सभी जूस बेव्रेज हैं.

निष्कर्ष :

I. कम-से-कम कुछ बेव्रेज कैन हैं.

II. कोई बेव्रेज कैन नहीं है.

4. **कथन :** कोई भी स्टार मून नहीं है. सभी प्लानेट मून हैं. कोई भी प्लानेट एस्टरॉइड नहीं है.

निष्कर्ष :

I. सभी मून के एस्टरॉइड, होने की सम्भावना है.

II. कोई भी स्टार प्लानेट नहीं है.

5. **कथन :** कोई भी स्टार मून नहीं है. सभी प्लानेट मून हैं. कोई भी प्लानेट एस्टरॉइड नहीं है.

निष्कर्ष :

I. सभी एस्टरॉइड के मून होने की सम्भावना है.

II. कोई भी एस्टरॉइड स्टार नहीं है.

6. **कथन :** सभी जानवर पौधे हैं. सभी पौधे कीट हैं. कुछ कीट रेपटाइल हैं.

निष्कर्ष :

I. कम-से-कम, कुछ पौधे, रेपटाइल्स हैं.

II. सभी कीट पौधे हैं.

निर्देश–(प्रश्न 7 एवं 8) सावधानीपूर्वक निम्नलिखित सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

अगर 'A * B' का अर्थ 'A, B का भाई है'.

अगर 'A + B' का अर्थ है 'A, B की बहन है'.

अगर 'A ÷ B' का अर्थ है 'A, B का पिता है'.

अगर 'A – B' का अर्थ है 'A, B की माँ है'.

7. दिए गए एक्सप्रेशन S – T + V ÷ Y * Z के आधार पर निम्नलिखित में से कौनसे सम्बन्ध सत्य हैं?

1. Z, T का भाई है
2. S, Y की दादी है
3. T, Z की बुआ है
4. V, T का पुत्र है

(A) केवल 2

(B) केवल 1 और 3

(C) केवल 4

(D) 2 और 3 दोनों

(E) केवल 1

8. एक्सप्रेशन 'P ÷ Q – R + T' में, R, P से कैसे सम्बन्धित है?

(A) नातिन (B) दादा

(C) पोता (D) भतीजा/भांजा

(E) या तो 'भतीजा' या 'भतीजी'

9. किसी कोड भाषा में, 'DESTINY' को 'EFTQHMX' और 'PLANETS' को QMBKDSR'. 'ROUTERS' को उसी कोड भाषा में कैसे लिखेंगे?

(A) QNTWFST

(B) QNTODOR

(C) URXSBOP

(D) SPVQDQR

(E) SPVWHUV

10. नीचे एक सूचना और उसके दो कथन I और II दिए गए हैं. आपको निश्चय करना है कि दिए गए कथनों में से, कौनसा कथन सूचना को कमज़ोर या मज़बूत करता है और सही उत्तर बताएं–

सूचना–घरेलू समानों में ऊर्जा की आवश्यकता के लिए सौर ऊर्जा प्रणाली की जगह, पवन ऊर्जा प्रणाली को इंस्टॉल करने के लिए बढ़ावा देना चाहिए. क्योंकि पवन ऊर्जा प्रणाली ज्यादा किफायती है.

I. ऊर्जा प्रणाली उपकरण में चलित पुर्जों की संख्या जितनी ज्यादा होगी, उतनी ज्यादा लगातार बदलाव की ज़रूरत उसके टूटने-फूटने पर होगी.

II. सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा प्रणाली को बनाने, परिवहन और इंस्टॉल करने में जिस जहरीले और खतरनाक उत्पादों का प्रयोग होता है वह पर्यावरण को प्रभावित करते हैं.

(A) कथन I और II दोनों सूचना को कमज़ोर करते हैं

(B) कथन I और II दोनों तटस्थ कथन हैं

(C) कथन I सूचना को मजबूत करता है, जबकि कथन II सूचना को कमज़ोर करता है

(D) कथन I सूचना को कमजोर करता है, जबकि कथन II सूचना को मजबूत करता है

(E) कथन I सूचना को कमज़ोर करता है, जबकि कथन II तटस्थ कथन है

11. शब्द STADIUMS में कितने ऐसे अक्षरों के युग्म हैं, जिसमें शब्दों में (आगे से और पीछे से) अक्षरों के बीच उतने ही अक्षर हों, जितने अंग्रेजी वर्णमाला में होते हैं?

(A) कोई नहीं (B) तीन

(C) दो (D) तीन से अधिक

(E) एक

निर्देश–(प्रश्न 12 से 16 तक) सावधानीपूर्वक दी गई सूचनाओं को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

जब एक शब्द और संख्या को व्यवस्थित करने की मशीन में एक शब्दों और संख्याओं की इनपुट रेखा दी जाती

है, तो वह उसे एक निश्चित नियम से व्यवस्थित करता है. नीचे एक उदाहरण है. इनपुट और उसकी व्यवस्था का–

इनपुट : 30 overcome ado 67 18 lie so 85 74 come

चरण

I. admit 30 overcome 67 18 lie so 74 come 84.

II. commit admit 30 overcome 67 18 lie so 84 73.

III. limit commit admit 30 overcome 18 so 84 73 66.

IV. overcommit limit commit admit 18 so 84 73 66 29.

V smit overcommit limit commit admit 64 73 66 29 17.

उपर्युक्त व्यवस्था का चरण V आखिरी चरण है. दिए गए चरणों में निम्न नियमों के आधार पर, दिए गए इनपुट के लिए सही चरण ढूँढ़िए–

इनपुट : 61 ox herb 33 86 intern sums 28 49 perk.

12. चरण III में, '85' और बाएं छोर से तीसरे तत्व के बीच कितने तत्व आते हैं?
(A) कोई नहीं (B) एक
(C) तीन (D) तीन से अधिक
(E) दो

13. चरण II के बाएं छोर से छठवाँ तत्व इनमें से कौनसा है?
(A) sums (B) hermit
(C) to (D) peck
(E) 28

14. चरण V में 'summit' का सम्बन्ध '85' से है, उसी तरह, 'omit' का सम्बन्ध '48' से है. इसी पैटर्न से चरण IV में, 'permit' किस शब्द से सम्बन्धित है?
(A) intermit (B) omit
(C) 28 (D) 32
(E) 48

15. चरण IV में दाएं छोर से चौथे तत्व और चरण V में दाएं छोर से चौथे तत्व के बीच क्या अन्तर है?
(A) 27 (B) 12
(C) 18 (D) 5
(E) दिए गए विकल्पों से अन्य कोई और

16. चरण V में, 'permit' और दाएं छोर से चौथे तत्व के बीच इनमें से कौनसा तत्व नहीं आता?
(A) intermit (B) hermit
(C) omit (D) 32
(E) 85

17. अगर संख्या 49735812 में सभी अंकों को संख्या के अन्दर घटते हुए क्रम में व्यवस्थित किया जाए, तो कितने अंकों का स्थान नहीं बदलेगा?
(A) एक (B) तीन से अधिक
(C) कोई नहीं (D) दो
(E) तीन

निर्देश–(प्रश्न 18 एवं 19) सावधानी पूर्वक निम्नलिखित सूचनाओं को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

अनिल बिन्दु P से आरम्भ होकर 15 मीटर उत्तर की ओर चलकर, बिन्दु Q पर पहुँचता है. वह फिर दाएं मुड़ता है और 10 मीटर चलकर, बिन्दु R पर पहुँचता है. वह फिर दाएँ मुड़ता है और 25 मीटर चलकर, बिन्दु S पर पहुँचता है. वह बाएं मुड़ता है और 5 मीटर के लिए चलकर बिन्दु T पर पहुँचता है. वह फिर बाएं मुड़ता है और 30 मीटर चलकर, बिन्दु U पर पहुँचता है. यहाँ से वह बाएं मुड़ता है, 15 मीटर चलता है और बिन्दु V पर रुकता है.

18. अगर अमित बिन्दु T पर खड़ा है, तो आरम्भिक बिन्दु के संदर्भ में वह किस दिशा में है?
(A) दक्षिण-पूर्व
(B) उत्तर-पूर्व
(C) दक्षिण-पश्चिम
(D) दक्षिण
(E) पूर्व

19. आरम्भिक बिन्दु से अमित कितनी दूर है?
(A) 20 मीटर (B) 10 मीटर
(C) 15 मीटर (D) 25 मीटर
(E) 30 मीटर

निर्देश–(प्रश्न 20 से 24 तक) निम्न-लिखित सूचनाओं को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

सात लोग P, Q, R, S, T, U और V ने सात अलग महीनों (एक ही साल के) जो हैं–जनवरी, फरवरी, मई, जून, सितम्बर, नवम्बर और दिसम्बर में उत्पाद लाँच किए, पर ज़रूरी नहीं इसी क्रम में. उनमें से हर-एक को अलग प्रदेश, जो हैं–गुजरात, पंजाब, ओडिशा, हरियाणा, असम, सिक्किम और तेलंगाना, पसन्द है, पर ज़रूरी नहीं इसी क्रम में.

R ने 31 दिनों वाले महीने में उत्पाद लाँच किया. R और जिसे हरियाणा पसन्द है, के बीच तीन लोगों ने उत्पाद लाँच किए. T ने हरियाणा पसन्द करने वाले के ठीक पहले उत्पाद लाँच किया. T ने 30 दिन से कम दिन वाले महीने में उत्पाद लाँच नहीं किया. P ने ओडिशा पसन्द करने वाले के ठीक पहले उत्पाद लाँच किया. P ने 31 दिन वाले महीने में उत्पाद लाँच किया. ओडिशा पसन्द करने वाले और V के बीच सिर्फ दो लोगों ने उत्पाद लाँच किए. जिसे गुजरात पसन्द है, ने उत्पाद को 30 दिनों से ज्यादा दिन वाले महीने में लाँच किया, पर जनवरी में नहीं. V को न ही गुजरात पसन्द है और न ही सिक्किम. Q ने, जिसे सिक्किम पसन्द है से ठीक पहले वाले महीने में उत्पाद लाँच किया. जिसे पंजाब पसन्द है, उसने अपना उत्पाद, सिक्किम पसन्द करने वाले के बाद लाँच किया. U ने उत्पाद को 30 दिन से कम दिन वाले महीने में लाँच किया. जिसे असम पसन्द है, ने उत्पाद को U से पहले, किसी एक महीने में लाँच किया.

20. जिन महीनों में U और T ने उत्पाद लाँच किए, इनके बीच के महीनों में कितने लोगों ने उत्पाद लाँच किए?
(A) दो (B) तीन से अधिक
(C) तीन (D) एक
(E) कोई नहीं

21. अगर W ने उत्पाद को जुलाई में लाँच किया, तो इनमें से किसने W से ठीक पहले उत्पाद को लाँच किया?
(A) जिसे सिक्किम पसन्द है
(B) जिसे असम पसन्द है
(C) R
(D) T
(E) U

22. दी गई व्यवस्था के आधार पर, निम्नलिखित पाँच में से चार एकसे हैं और एक समूह बनाते हैं. इनमें से वह कौनसा एक है, जो समूह में नहीं आता?
(A) VT (B) RT
(C) PS (D) PU
(E) QU

23. मई और नवम्बर में उत्पाद लाँच करने वाले लोगों को इनमें से कौन दर्शाता है?
(A) P, S (B) V, R
(C) R, T (D) T, U
(E) S, U

24. S को इनमें से कौनसा प्रदेश पसन्द है?
(A) तेलंगाना (B) हरियाणा
(C) ओडिशा (D) सिक्किम
(E) दिए गए विकल्पों में से अन्य कोई और

निर्देश–(प्रश्न 25 से 30 तक) सावधानीपूर्वक दी गई सूचनाओं को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

आठ लोग P, Q, R, S, T, U, V और W एक गोल मेज़ के चारों ओर केन्द्र की ओर मुख करके बैठे हैं, पर ज़रूरी नहीं, इसी क्रम में. उनमें से हरएक अलग भाषा बोलता है, जो हैं–मराठी, अंग्रेजी, हिन्दी, बंगाली, मलयालम, तमिल, गुजराती और उर्दू, पर ज़रूरी नहीं, इसी क्रम में.

जो मलयालम बोलता है, वह W के दाएं, दूसरे स्थान पर बैठा है. मलयालम बोलने वाले और गुजराती बोलने वाले के बीच सिर्फ दो लोग बैठे हैं V, गुजराती बोलने वाले के ठीक बाएं बैठा है. V और U के बीच सिर्फ दो व्यक्ति बैठे हैं. U, W का निकटतम पड़ोसी है, जो हिन्दी बोलता है, वह U के दाएं से दूसरे स्थान पर बैठा है. T, हिन्दी बोलने वाले के ठीक दाएं बैठा है. T और मराठी बोलने वाले के बीच सिर्फ तीन व्यक्ति बैठे हैं. जो तमिल बोलता है, वह मराठी बोलने वाले के बाएं से दूसरे स्थान पर बैठा है. S, P के ठीक बाएं बैठा है. जो उर्दू बोलता है, वह P के दाएं से दूसरे स्थान पर बैठा है. बंगाली बोलने वाले और अंग्रेजी बोलने वाले के बीच सिर्फ तीन व्यक्ति बैठे हैं. जो बंगाली बोलता है, वह T का निकटतम पड़ोसी नहीं है. R अंग्रेजी बोलने वाले के बाएं से दूसरे स्थान पर बैठा है.

25. दी गई व्यवस्था के आधार पर निम्नलिखित में से प्रश्नचिह्न के स्थान पर क्या आएगा ?

बंगाली V, हिन्दी P, अंग्रेजी (?)

(A) S (B) W
(C) T (D) Q
(E) दिए गए विकल्पों में से अन्य कोई और

26. 'मलयालम बोलने वाले के संदर्भ में, U का स्थान क्या है?

(A) ठीक दाएं
(B) बाएं से दूसरा
(C) दाएं से तीसरा
(D) बाएं से तीसरा
(E) दाएं से दूसरा

27. गुजराती बोलने वाले के बाएं से दूसरे स्थान पर कौन बैठा है?

(A) V (B) W
(C) T (D) Q
(E) U

28. बैठने की व्यवस्था के आधार पर किसी तरह निम्नलिखित पाँच में से चार एक से हैं, और एक समूह बनाते हैं. वह कौनसा एक है, जो समूह में नहीं आता?

(A) Q—हिन्दी (B) V—अंग्रेजी
(C) R—बंगाली (D) U—गुजराती
(E) P-तमिल

29. Q के सन्दर्भ में, इनमें से क्या सत्य है?

(A) Q, U के दाएं से तीसरे स्थान पर बैठा है
(B) Q और P के बीच सिर्फ तीन लोग बैठे हैं
(C) Q, तमिल बोलने वाले का निकटतम पड़ोसी है
(D) Q, P के बाएं से दूसरे स्थान पर बैठा है
(E) Q मलयालम बोलता है

30. जब R के बाएं से गिना जाए, तो मराठी बोलने वाले और R के बीच कितने लोग बैठे हैं?

(A) कोई नहीं
(B) दो
(C) तीन से अधिक
(D) तीन
(E) एक

निर्देश–(प्रश्न 31 से 35 तक) नीचे दी गई सूचना को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

किसी कोड भाषा में–

'place satellite in orbit' को 'jo ki la si' लिखा गया है. 'orbit moon in circle' को 'bp la mi jo' लिखा गया है.

'circle earth through satellite' को 'si dv tu bp' लिखा गया है.

'moon navigation gone through' को 'js mi dv hm' लिखा गया है.

31. दी गई कोड भाषा में, 'place through committee' के लिए वास्तविक कोड क्या है?

(A) mi ki hm (B) ki dv jo
(C) to dv tu (D) ty dv ki
(E) dv mi ki

32. दी गई कोड भाषा में, 'satellite' के लिए क्या कोड है?

(A) la (B) ki
(C) si (D) bp
(E) jo

33. दी गई कोड भाषा में 'earth' के लिए क्या कोड है?

(A) mi (B) si
(C) dv (D) tu
(E) bp

34. दी गई कोड भाषा में, 'hm' कोड किसके लिए दिया गया है?

(A) earth
(B) या 'navigation' या 'gone'
(C) या 'moon' या 'through'
(D) through
(E) moon

35. दी गई कोड भाषा में, 'jo wk la' निम्नलिखित में से किसके लिए खड़ा है?

(A) orbit the moon
(B) launch in orbit
(C) orbit in circle
(D) satellite in navigation
(E) orbit moon closely

निर्देश–(प्रश्न 36 से 40 तक) इन प्रश्नों में एक प्रश्न है, जिसके दो कथन दिए गए हैं. आपको उत्तर देना है–

(A) सिर्फ कथन I की सूचना प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है
(B) सिर्फ कथन II की सूचना प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है
(C) कथन I और II दोनों मिलकर प्रश्न का उत्तर देने के लिए जरूरी हैं
(D) या तो कथन I की सूचना अकेले प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है या कथन II की सूचना अकेले प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है
(E) दोनों कथनों I और II की सूचना मिलकर भी प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त नहीं है

36. क्या C, S का पुत्र है?

I. S, F का पिता है. F, B की इकलौती बहन है. B की शादी K से हुई है. K, L का इकलौता बच्चा तथा C की भाभी है.

II. F, C की बहन है. F, T की पुत्री है. T, B की माँ है. B, S का पुत्र है. S की सिर्फ एक पुत्री है.

37. एक गोले में कितने लोग बैठे हैं, जहाँ सभी का मुख केन्द्र की ओर है?

I. B, M के दाएं से तीसरे स्थान पर बैठा है. B और P के बीच सिर्फ एक व्यक्ति बैठा है. P, Q के बाएं से तीसरे स्थान पर बैठा है. P, V का निकटतम पड़ोसी है.

II. P, M के बाएं से दूसरे स्थान पर बैठा है. V, P का निकटतम पड़ोसी है. V, S के दाएं से दूसरे स्थान पर बैठा है. S और M के बीच सिर्फ एक व्यक्ति बैठा है.

38. दस लोग, दो समान्तर रेखाओं में, जिसमें हरएक रेखा में पाँच लोग इस तरह बैठे हैं कि उनके बीच की दूरी परस्पर बराबर हो. रेखा-I में J, K, L, M और N बैठे हैं और उन सबका मुख दक्षिण की ओर है. रेखा-II में, D, E, F, G और H बैठे हैं और उनका मुख उत्तर की ओर है. (इसीलिए, दी गई बैठने की व्यवस्था में, एक रेखा में बैठे सदस्यों का मुख, दूसरी रेखा में बैठे सदस्यों की ओर है.) D, E, F, G और H में से किसका मुख L की ओर है ?

I. M, K के बाएं से तीसरे स्थान पर बैठा है. जिसका मुख M की ओर है, वह F के ठीक दाएं बैठा है. L, J का निकटतम पड़ोसी है. D, G के दाएं से दूसरे स्थान पर बैठा है. G, रेखा के अंतिम छोरों पर नहीं बैठा है.

II. N, रेखा के अंतिम छोर पर बैठा है. N और J के बीच सिर्फ दो व्यक्ति बैठे हैं. जिसका मुख J की ओर है, वह F के ठीक बाएं बैठा है. E, F के बाएं से दूसरे स्थान पर बैठा है. L और K के बीच सिर्फ एक व्यक्ति बैठा है.

39. छह लोगों A, B, C, D, E और F में से, हरएक को अलग-अलग सालों का अनुभव है जैसे 4, 9, 13, 15, 22 और 27 (पर जरूरी नहीं, इसी क्रम में), दूसरे कम अनुभव वाला व्यक्ति कौनसा है?

I. सिर्फ दो व्यक्ति, B से ज्यादा अनुभवी हैं. F, B से कम अनुभवी है पर A से ज्यादा. दोनों E और C, D से ज्यादा अनुभवी हैं. D का अनुभव सम संख्या में है.

II. C, F से ज्यादा अनुभवी है पर E से कम. दोनों A और D, F से कम अनुभवी हैं. B, D से ज्यादा अनुभवी है. B का अनुभव एक विषम संख्या है.

40. बिन्दु T के सन्दर्भ में, बिन्दु R किस दिशा में है?

I. बिन्दु M, बिन्दु T के 20 मी दक्षिण में है. बिन्दु T, बिन्दु L के 15 मी पूर्व में है. बिन्दु L, बिन्दु X के 40 मी उत्तर में है. बिन्दु X, बिन्दु R और C के मध्य इस तरह है कि R, X और C, 30 मी की सीधी रेखा है.

II. बिन्दु R, बिन्दु J के 30 मी उत्तर में है. बिन्दु J, बिन्दु S के 15 मी पश्चिम में है. बिन्दु S, बिन्दु U के 30 मी दक्षिण में है. बिन्दु U, बिन्दु M के 10 मी पश्चिम में है. बिन्दु T, बिन्दु M के उत्तर में है.

41. इस प्रश्न में एक सूचना है और दो कथन I और II नीचे दिए गए हैं. आपको निश्चय करना है कि सूचना के लिए दिए गए कथनों में से कौनसा कथन कारण हो सकता है और सही उत्तर चुनिए–

सूचना–कम्पनी XYZ के महिला कर्मचारियों से छोटे बच्चों को साथ में रखने पर हुई दलीलों के बावजूद, कम्पनी ने, कम्पनी के अन्दर, बेबीसिटिंग फैसिलिटी आरम्भ नहीं की, इसके सन्दर्भ में कुछ कर्मचारियों में असंतुष्टता जाग्रत हो गई.

I. कम्पनी के अन्दर ही बेबीसिटिंग फैसिलिटी शुरू करने के लिए एक कम्पनी को न्यूनतम 300 महिला कर्मचारियों की ज़रूरत है, जबकि कम्पनी XYZ के महिला कर्मचारियों की संख्या, कुल कर्मचारियों की जनसंख्या का सिर्फ 30% है.

II. कम्पनी की पॉलिसियों के आधार पर, कर्मचारियों की संख्या, जिनके बच्चे बहुत छोटे हैं, बेबीसिटिंग का लाभ उठा सकते हैं, वह आवश्यक संख्या से कम है.

(A) न ही I और न ही II दी गई सूचना का कारण हो सकते हैं

(B) सिर्फ II दी गई सूचना का कारण हो सकता है

(C) I और II दोनों दी गई सूचना का कारण हो सकते हैं

(D) सिर्फ I दी गई सूचना का कारण हो सकता है

(E) या तो I या II दी गई सूचना का कारण हो सकता है

निर्देश–(प्रश्न 42 एवं 43) सावधानीपूर्वक दिए गए कथन को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए.

42. **कथन :** एक रिपोर्ट के अनुसार, "प्लास्टिक की थैली के प्रयोग से खतरा भी उत्पन्न होता है और पर्यावरण भी प्रदूषित होता है और इसकी जगह कपड़ा या जूट का बैग प्रयोग करना चाहिए".

इनमें से कौन दी गई रिपोर्ट को मजबूत नहीं करता है?

(A) कुछ पर्यावरणिक कार्यक्रमों ने पूरे विश्व में सभी प्लास्टिक बैग पर रोक लगा दी है

(B) प्रदेश सरकार ने प्लास्टिक बैग पर टैक्स लगा दिया है जिससे लोग प्लास्टिक बैग का प्रयोग नहीं करें

(C) प्लास्टिक बैग बचे हुए पेट्रोलियम और नैचुरल गैस से बनते हैं और ग्रीनहाउस गैस बनाती है

(D) प्लास्टिक बैग सामान ले जाने का सबसे सरल तरीका है जिसे आप भारी तूफान और बारिश में भी ले जा सकते हैं

(E) पर्यावरण से प्लास्टिक बैग को हटाने की कीमत हर साल करीब ₹ 10,000 प्रति बैग है

43. **कथन :** हाल ही में, सरकार ने शराब पर बैन लगा दिया है. सरकार द्वारा उठाए गए कदम को निम्नलिखित में से कौन कमजोर करता है?

(A) ऐल्कोहॉल के सेवन से लोग घरेलू हिंसा करते हैं

(B) बहुत से लोग जो इम्मेच्यूर हैं वह ऐल्कोहॉल लेने के फायदे-नुकसान नहीं जानते हैं

(C) ऐल्कोहॉल के सम्पर्क में लोग सुसाइड और मर्डर भी कर लेते हैं

(D) ऐल्कोहॉल को बनाना और बेचना, बहुत से लोगों को काम प्रदान करता है

(E) ऐल्कोहॉल का सेवन करके ड्राइव करने से सड़क हादसों की संख्या बढ़ती है

44. सौर ऊर्जा हमें मुफ्त प्राप्त होती है. सरकार को इस ऊर्जा के प्रयोग को साब्सिडीज़ के द्वारा बढ़ावा देना चाहिए. दिए गए कथनों को इनमें से कौन कमज़ोर करता है ?

(A) सौर पैनल और सौर सेल को इंस्टॉल करने के लिए पॉवर जनरेशन का प्रयोग होता है

(B) सौर ऊर्जा एक अटूट ईंधन स्रोत है और ध्वनि से दूर है

(C) एक छोटीसी ऊर्जा की मात्रा प्राप्त करने के लिए, एक बड़े पैमाने पर सोलर पैनल की आवश्यकता होती है जो कि कन्वेशनल ऊर्जा स्रोत का अव्यवहारिक आल्टरनेटिव है

(D) कन्वेंशनल ऊर्जा स्रोत की अपेक्षा सोलर पैनल से ऊर्जा बनाना, प्रदूषण को कम करता है

(E) जिन गाँवों में विद्युत् सप्लाई की कमी हो, उनमें सौर ऊर्जा से किफायती दरों पर विद्युत् प्रदान की जा सकती है.

45. यदि 'A' का कूट '1' है, 'B' का '3', 'C' का '5' और इसी प्रकार आगे भी तो शब्द 'FAZED' के संख्यात्मक मान का योग क्या होगा ?

(A) 81 (B) 79

(C) 77 (D) 80

(E) इनमें से कोई नहीं

उत्तर व्याख्या सहित

1. (B)



निष्कर्ष I अनुसरण नहीं करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण करता है.

2. (E)



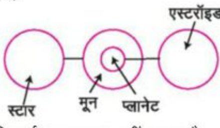
निष्कर्ष I अनुसरण करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण करता है.

3. (A)



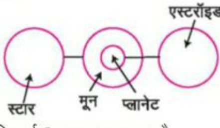
निष्कर्ष I अनुसरण करता है.

4. (B)



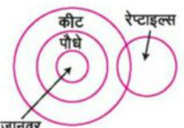
निष्कर्ष I अनुसरण नहीं करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण करता है.

5. (A)



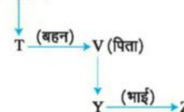
निष्कर्ष I अनुसरण करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण नहीं करता है.

6. (C)



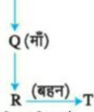
निष्कर्ष I अनुसरण नहीं करता है.
निष्कर्ष II अनुसरण नहीं करता है.

7. (D)



सम्बन्ध बताता है कि S, Y की दादी है और T, Z की बुआ है.

8. (A)



R, P की नातिन है.

9. (D) ROUT ERS → SPVQDQR

10. (A) 11. (B)

प्रश्न 12 से 16 तक के लिए

इन्पुट : 61 ox herb 33 86 intern sums 28 49 perk.

I : hermit 61 ox 33 intern sums 28 49 perk 85.

II : intermit hermit ox 33 sums 28 49 perk 85 60.

III : omit intermit hermit 33 sums 28 perk 85 60 48.

IV : permit omit intermit hermit sums 28 85 60 48 32.

V : summit permit omit intermit hermit 85 60 48 32 27.

12. (D) 13. (E) 14. (C)

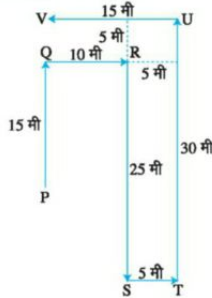
15. (E) 85 – 60 = 25;

16. (D)

17. (A) दी गई संख्या → 49735812

प्रश्नानुसार व्यवस्थित करने पर → 98754321

प्रश्न 18 एवं 19 के लिए



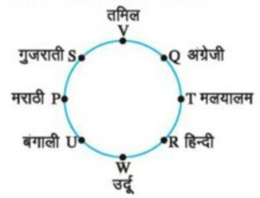
18. (A) 19. (A)

प्रश्न 20 से 24 तक के लिए

महीने	लोग	
जनवरी	R	असम
फरवरी	U	तेलंगाना
मई	P	गुजरात
जून	T	ओडिशा
सितम्बर	Q	हरियाणा
नवम्बर	S	सिक्किम
दिसम्बर	V	पंजाब

20. (D) 21. (D) 22. (D) 23. (A) 24. (D)

प्रश्न 25 से 30 तक के लिए



25. (B) 26. (D) 27. (D) 28. (B) 29. (C)

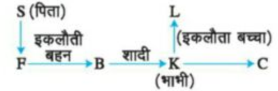
30. (B)

प्रश्न 31 से 35 तक के लिए

place	satellite	in	orbit	
ki	si	la/jo	la/jo	→ कोड
orbit	moon	in	circle	
la/jo	mi	la/jo	bp	→ कोड
circle	earth	through	satellite	
bp	tu	dv	si	→ कोड
moon	navigation	gone	through	
mi	js/hm	js/hm	dv	→ कोड

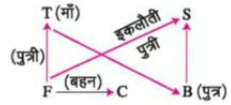
31. (D) 32. (C) 33. (D) 34. (B) 35. (B)

36. (D) (I)



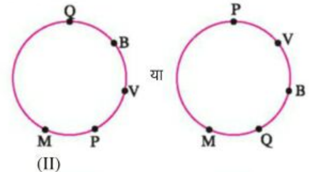
दिखाता है कि C, S का पुत्र है.

(II)

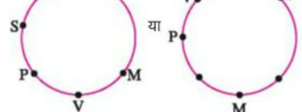


दिखाता है, C, S का पुत्र है.

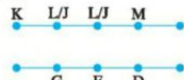
37. (E) (I)



(II)



38. (C) (I)



शेष पृष्ठ 189 पर

संख्यात्मक अभियोग्यता

(स्मृति पर आधारित)

1. एक ट्रेन A 63 किमी./घण्टा की चाल से 199·5 मी. लम्बे प्लेटफॉर्म को 21 सेकण्ड में पार करती है. ट्रेन A, ट्रेन B जोकि 287 मी. लम्बी है और 54 किमी./घण्टा की चाल से चल रही है को पार करने में कितना समय लेगी, जबकि ट्रेन A, ट्रेन B की विपरीत दिशा में चल रही है ?
   (A) 16 से. (B) 18 से.
   (C) 12 से. (D) 14 से.
   (E) 10 से.

निर्देश–(प्रश्न 2 से 6 तक) दिए गए प्रश्नों में प्रश्नचिह्न (?) के स्थान पर क्या आएगा ?

2. 40 54 82 ? 180 250
   (A) 142 (B) 124
   (C) 136 (D) 163
   (E) 143
3. 1 3 10 36 152 770 4632 ?
   (A) 34650 (B) 32432
   (C) 32438 (D) 32460
   (E) 32439
4. 13 14 30 93 ? 1885
   (A) 364 (B) 388
   (C) 382 (D) 356
   (E) 376
5. 1252 250 62 20 ? 7
   (A) 13 (B) 7
   (C) 11 (D) 12
   (E) 9
6. 15 21 32 48 69 ?
   (A) 85 (B) 103
   (C) 100 (D) 89
   (E) 95
7. एक नाव धारा की दिशा में 30 किमी की दूरी को 2 घण्टे में तय करती है, जबकि वापस आने में वह यह दूरी 6 घण्टे में तय करती है. अगर धारा की चाल, नाव की चाल की आधी है, तो नाव की चाल क्या है ? (किमी./घण्टा) में
   (A) 15 (B) 5
   (C) 10 (D) 20
   (E) इनमें से कोई नहीं
8. मिश्रण में दूध और पानी का अनुपात क्रमशः 4 : 3 है. अगर इस मिश्रण में 6 लिटर पानी मिलाया जाए, तो दूध और पानी का अनुपात क्रमशः 8 : 7 होता है. मूल मिश्रण में दूध की मात्रा क्या है ?
   (A) 96 लिटर (B) 36 लिटर
   (C) 84 लिटर (D) 48 लिटर
   (E) इनमें से कोई नहीं
9. A, B और C ने एक व्यापार को आरम्भ करने के लिए क्रमशः ₹ 45,000, ₹ 70,000 और ₹ 90,000 निवेश किए. दो साल के अन्त में ₹ 1,64,000 का लाभ कमाया. कुल लाभ में B का हिस्सा क्या है ?
   (A) ₹ 56,000 (B) ₹ 36,000
   (C) ₹ 72,000 (D) ₹ 64,000
   (E) ₹ 59,000

निर्देश–(प्रश्न 10 से 14 तक) सारणी को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए.

पाँच अलग-अलग महीने–जुलाई, अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर और नवम्बर में पाँच, शॉप–A, B, C, D और E द्वारा बेचे गए जूतों की संख्या के सन्दर्भ में डाटा निम्न है–

शॉप→ महीने	A	B	C	D	E
जुलाई	128	133	109	113	117
अगस्त	103	115	121	87	163
सितम्बर	135	126	111	121	217
अक्टूबर	174	168	148	173	232
नवम्बर	240	257	227	307	328

10. जुलाई, अगस्त और सितम्बर के महीनों में शॉप A द्वारा बेची गई जूतों की औसत संख्या क्या है ?
    (A) 120 (B) 125
    (C) 136 (D) 122
    (E) 139
11. सितम्बर में शॉप E द्वारा बेचे गए जूतों की संख्या, उसी महीने में शॉप B द्वारा बेची गई जूतों की संख्या से लगभग कितने प्रतिशत ज्यादा है ?
    (A) 60 (B) 65
    (C) 78 (D) 72
    (E) 84
12. जून में सभी शॉप द्वारा मिलकर बेचे गए जूतों की कुल संख्या, जुलाई में सभी शॉप द्वारा मिलकर बेचे गए जूतों की कुल संख्या से 30% ज्यादा है. जून में सभी शॉप द्वारा मिलकर बेचे गए जूतों की संख्या क्या है ?
    (A) 760 (B) 740
    (C) 690 (D) 780
    (E) 820
13. अक्टूबर और नवम्बर में मिलकर शॉप B द्वारा बेचे गए जूतों की कुल संख्या और इन्हीं महीनों में मिलकर, शॉप C द्वारा, बेचे गए जूतों की कुल संख्या के बीच अनुपात क्रमशः क्या है ?
    (A) 17 : 14 (B) 16 : 15
    (C) 17 : 15 (D) 14 : 13
    (E) 16 : 13
14. अक्टूबर और नवम्बर में मिलकर स्टोर D द्वारा बेचे गए जूतों की कुल संख्या, इन्हीं महीनों में मिलकर, शॉप E द्वारा बेची गई जूतों की संख्या का कितने प्रतिशत है ?
    (A) $86\frac{1}{6}$ (B) $85\frac{5}{7}$
    (C) $90\frac{1}{8}$ (D) $88\frac{3}{4}$
    (E) $80\frac{2}{3}$
15. दो धनात्मक संख्याओं 'X' और 'Y' के बीच अनुपात क्रमशः 4 : 7 है. X को 25% बढ़ा दिया जाए और उसमें 3 जोड़ दिया जाए, और Y को दोगुना कर दिया जाए और उसमें 3 जोड़ दिया जाए. परिमाणित X और Y का अनुपात क्रमशः 2 : 5 है. Y का वास्तविक मान क्या है ?
    (A) 24 (B) 12
    (C) 21 (D) 10
    (E) 15

निर्देश–(प्रश्न 16 से 20 तक) इन प्रश्नों में दो समीकरण हैं. समीकरणों को हल करके x और y राशियों के बीच में सम्बन्ध बताना है और उत्तर देना है–

(A) $x > y$
(B) $x < y$
(C) $x = y$ या सम्बन्ध नहीं बन सकता
(D) $x \geq y$
(E) $x \leq y$

16. I. $15x^2 + 26x + 8 = 0$
    II. $25y^2 + 15y + 2 = 0$
17. I. $6x^2 - 19x + 15 = 0$
    II. $5y^2 - 22y + 24 = 0$

18. I. $4x^2 - 12x + 5 = 0$
II. $4y^2 - 8y + 3 = 0$

19. I. $10x^2 + 21x + 8 = 0$
II. $5y^2 + 19y + 18 = 0$

20. I. $6x^2 - 5x + 1 = 0$
II $12y^2 - 23y + 10 = 0$

21. एक प्रोजेक्ट को 12 औरतों की जरूरत है, जो काम को 16 दिन में पूरा करती हैं. 12 औरतों ने काम शुरू किया और प्रोजेक्ट शुरू होने के कुछ दिन बाद, 4 औरतों ने काम छोड़ दिया. यदि बचा हुआ प्रोजेक्ट 18 दिन में समाप्त हो, तो पूरा प्रोजेक्ट कितने दिन में समाप्त होगा ?

(A) $24\frac{1}{2}$ (B) 26
(C) 22 (D) $21\frac{1}{2}$
(E) 20

निर्देश–(प्रश्न 22 से 26 तक) दिए गए प्रश्नों में प्रश्नवाचक चिह्न (?) के स्थान पर लगभग मूल्य कितना आएगा (आपसे सटीक मूल्य की गणना अपेक्षित नहीं है) ?

22. $(\sqrt{15{\cdot}85}) \times 25{\cdot}02 + 219{\cdot}85)$ का ? % = 224·11
(A) 50 (B) 45
(C) 80 (D) 70
(E) 60

23. $2171 \div 14 + 24{\cdot}03 \times 4{\cdot}97 = ?$
(A) 175 (B) 275
(C) 325 (D) 450
(E) 225

24. $(499 \times 12{\cdot}02) \div \sqrt{443} + (1{\cdot}99)^2 = (?)^2$
(A) 9 (B) 37
(C) 17 (D) 13
(E) 27

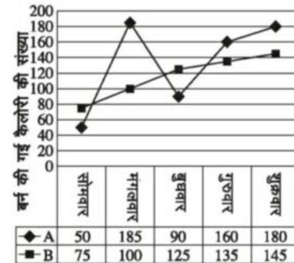
25. 599·85 का 59·98% × 0·801 + 92 = ?
(A) 144 (B) 272
(C) 380 (D) 108
(E) 94

26. $\sqrt{(15{\cdot}88 \times 7 + 52{\cdot}05 + 13 \times 7{\cdot}01)} = ?$
(A) 40 (B) 32
(C) 24 (D) 16
(E) 8

27. A की वर्तमान आयु, B की 4 साल पहले की आयु के बराबर है. A और C की वर्तमान आयु में अनुपात क्रमशः 6 : 5 है. अगर B, C से 8 साल बड़ा है, B की वर्तमान आयु क्या है ? (वर्ष में)
(A) 20 (B) 24
(C) 28 (D) 32
(E) 26

निर्देश–(प्रश्न 28 से 32 तक) ग्राफ देखिए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

5 दिनों में ट्रेड मिल से दो व्यक्तियों A और B द्वारा बर्न की गई कैलोरी की संख्या से सम्बन्धित सारणी



	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार
A	50	185	90	160	180
B	75	100	125	135	145

28. बुधवार को A और B द्वारा मिलकर बर्न की गई कैलोरी की कुल संख्या और मंगलवार को इन्हीं दो व्यक्तियों द्वारा मिलकर बर्न की गई कैलोरी की संख्या के बीच अनुपात क्रमशः क्या है ?
(A) 45 : 59 (B) 43 : 57
(C) 41 : 57 (D) 43 : 61
(E) 47 : 61

29. यदि शुक्रवार से शनिवार तक A और B द्वारा बर्न की गई कैलोरी की संख्या को क्रमशः 10% और 20% बढ़ा दिया जाए, तो शनिवार को उनके द्वारा बर्न की गई कैलोरी की कुल संख्या क्या है ?
(A) 378 (B) 372
(C) 368 (D) 384
(E) 364

30. मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को मिलकर A द्वारा बर्न की गई कैलोरी की कुल संख्या क्या है ?
(A) 425 (B) 400
(C) 430 (D) 445
(E) 435

31. यदि गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार को मिलकर B द्वारा बर्न की गई कैलोरी की औसत संख्या 125 है, तो शनिवार को B द्वारा बर्न की गई कैलोरी की संख्या क्या थी ?
(A) 110 (B) 95
(C) 115 (D) 90
(E) 105

32. सोमवार से गुरुवार तक B द्वारा बर्न की गई कैलोरी की संख्या में कितने प्रतिशत वृद्धि हुई है ?
(A) 80 (B) 60
(C) 70 (D) 75
(E) 65

33. यहाँ चार क्रमागत धनात्मक विषम संख्याएँ और चार धनात्मक सम संख्याएँ हैं. सबसे बड़ी विषम संख्या और सबसे बड़ी सम संख्या का योग 33 है. सभी चार क्रमागत विषम संख्याओं और सम संख्याओं का योग क्या है ?
(A) 94 (B) 108
(C) 88 (D) 86
(E) 96

34. एक खेल का मैदान, एक आयताकार प्लॉट के क्षे. के $\frac{1}{5}$ हिस्से पर बना है. खेल के मैदान का क्षे. 1260 वर्ग मी. है और प्लॉट की लम्बाई, प्लॉट की चौ. की 7 गुना है. प्लॉट का परिमाप क्या है ?
(A) 400 मी. (B) 380 मी
(C) 480 मी. (D) 440 मी.
(E) 420 मी.

35. चक्रवृद्धि ब्याज ₹ 9300 पर 2 साल के लिए R% वार्षिक ब्याज की दर से ₹ 4092 है. अगर ब्याज की दर (R –10) % हो, तो इसी समय के लिए (2 साल) इसी धन पर ब्याज क्या होगा ?
(A) ₹ 1945 (B) ₹ 2046
(C) ₹ 1974 (D) ₹ 2027
(E) ₹ 1953

उत्तर व्याख्या सहित

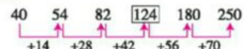
1. (D) ट्रेन A की लम्बाई के लिए

$$\Rightarrow 199{\cdot}5 + x = 63 \times \frac{5}{18} \times 21$$
$$\Rightarrow 199{\cdot}5 + x = 367{\cdot}5$$
$$\Rightarrow x = 168 \text{ मी.}$$

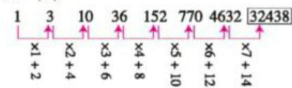
अब, $t = \frac{d}{S}$

$$\Rightarrow t = \frac{287 + 168}{63 \times \frac{5}{18} + 54 \times \frac{5}{18}}$$
$$= \frac{455}{17{\cdot}5 + 15}$$
$$= \frac{455}{32{\cdot}5} = 14 \text{ से.}$$

2. (B)



3. (C)



4. (E)



5. (E) $(1252-2) \div 5 = 250$

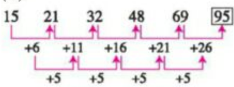
$(250-2) \div 4 = 62$

$(62-2) \div 3 = 20$

$(20-2) \div 2 = \boxed{9}$

$(9-2) \div 1 = 7$

6. (E)



7. (C) धारा की दिशा में गति

$= \frac{30}{2} = 15$ किमी/घण्टा

धारा की दिशा के विरुद्ध गति

$= \frac{30}{6} = 5$ किमी/घण्टा

तो, नाव की चाल

$= \frac{20}{2} = 10$ किमी/घण्टा

और, धारा की चाल

$= \frac{10}{2} = 5$ किमी/घण्टा

जोकि नाव की चाल की आधी है.

8. (D) माना दूध $4x$ था और पानी $3x$ था. 6 लि. मिलाया गया, तो पानी $= 3x + 6$

नया अनुपात $= \frac{8}{7}$

$\Rightarrow \frac{4x}{3x+6} = \frac{8}{7}$

$\Rightarrow 28x = 24x + 48$

$\Rightarrow 4x = 48$

$\Rightarrow x = 12$ लिटर

$\therefore$ दूध की मात्रा $= 4x = 4 \times 12$

$= 48$ लिटर

9. (A) A, B, C की राशियों का अनुपात

$= 45000 \times 2 : 70000 \times 2 : 90000 \times 2$

$= 90000 : 140000 : 180000$

$= 9 : 14 : 18$

B का हिस्सा $= \frac{14}{41} \times 164000$

$=$ ₹ 56000

10. (D) जुलाई, अगस्त और सितम्बर में शॉप A द्वारा बेचे गए जूतों की औसत संख्या

$= \frac{128 + 103 + 135}{3}$

$= \frac{366}{3} = 122$

11. (D) % वृद्धि $= \frac{217 - 126}{126} \times 100 \approx 72$

12. (D) जून में सभी शॉप द्वारा मिलकर बेचे गए जूतों की कुल संख्या

$= 600 + 600 \times \frac{30}{100}$

$= 780$

13. (C) $\frac{168 + 257}{148 + 227} = \frac{425}{375} = \frac{17}{15}$

14. (B) $\frac{173 + 307}{232 + 328} \times 100 = \frac{480}{560} \times 100$

$= 85\frac{5}{7}$

15. (C) दिया है, $\frac{X}{Y} = \frac{4}{7}$

$\Rightarrow 7X = 4Y \quad \ldots(1)$

और,

$\frac{X + \frac{25}{100}X + 3}{2Y + 3} = \frac{2}{5}$

$\Rightarrow \frac{1 \cdot 25X + 3}{2Y + 3} = \frac{2}{5}$

$\Rightarrow 6 \cdot 25X + 15 = 4Y + 6$

$\Rightarrow 6 \cdot 25X = 4Y - 9 \quad \ldots(2)$

हल करने पर, X = 12, Y = 21

16. (E) (I) $15x^2 + 26x + 8 = 0$

$\Rightarrow x = \frac{-26 \pm \sqrt{676 - 480}}{30}$

$\Rightarrow x = \frac{-26 \pm \sqrt{196}}{30}$

$\Rightarrow x = \frac{-26 \pm 14}{30}$

$\Rightarrow x = -\frac{4}{3}, -\frac{2}{5}$

$\Rightarrow x = -1 \cdot 33, -\cdot 4$

(II) $25y^2 + 15y + 2 = 0$

$\Rightarrow y = \frac{-15 \pm \sqrt{225 - 200}}{50}$

$\Rightarrow y = \frac{-15 \pm \sqrt{25}}{50}$

$\Rightarrow y = \frac{-15 \pm 5}{50}$

$\Rightarrow y = -\frac{20}{50}, -\frac{10}{50}$

$\Rightarrow y = -\cdot 4, -\cdot 2$

$x \le y$

17. (B) (I) $6x^2 - 19x + 15 = 0$

$\Rightarrow x = \frac{19 \pm \sqrt{361 - 360}}{12}$

$\Rightarrow x = \frac{19 \pm 1}{12}$

$\Rightarrow x = \frac{20}{12}, \frac{18}{12}$

$\Rightarrow x = 1 \cdot 66, 1 \cdot 5$

(II) $5y^2 - 22y + 24 = 0$

$\Rightarrow y = \frac{22 \pm \sqrt{484 - 480}}{10}$

$\Rightarrow y = \frac{22 \pm 2}{10}$

$\Rightarrow y = \frac{24}{10}, \frac{20}{10}$

$\Rightarrow y = 2 \cdot 4, 2$

$x < y$

18. (C) (I) $4x^2 - 12x + 5 = 0$

$\Rightarrow x = \frac{12 \pm \sqrt{144 - 80}}{8}$

$\Rightarrow x = \frac{12 \pm \sqrt{64}}{8}$

$\Rightarrow x = \frac{12 \pm 8}{8}$

$\Rightarrow x = \frac{20}{8}, \frac{4}{8}$

$\Rightarrow x = 2 \cdot 5, \cdot 5$

(II) $4y^2 - 8y + 3 = 0$

$\Rightarrow y = \frac{8 \pm \sqrt{64 - 48}}{8}$

$\Rightarrow y = \frac{8 \pm 4}{8}$

$\Rightarrow y = \frac{12}{8}, \frac{4}{8}$

$\Rightarrow y = 1 \cdot 5, \cdot 5$

19. (A) (I) $10x^2 + 21x + 8 = 0$

$\Rightarrow x = \frac{-21 \pm \sqrt{441 - 320}}{20}$

$\Rightarrow x = \frac{-21 \pm 11}{20}$

$\Rightarrow x = -\frac{32}{20}, -\frac{10}{20}$

$\Rightarrow x = -1 \cdot 6, -\cdot 5$

(II) $5y^2 + 19y + 18 = 0$

$\Rightarrow y = \frac{-19 \pm \sqrt{361 - 360}}{10}$

$\Rightarrow y = \frac{-19 \pm 1}{10}$

$\Rightarrow y = -\frac{20}{10}, -\frac{18}{10}$

$\Rightarrow y = -2, -1 \cdot 8$

$x > y$

20. (B) (I) $6x^2 - 5x + 1 = 0$

$\Rightarrow x = \frac{5 + \sqrt{25 - 24}}{12}$

$\Rightarrow x = \frac{5 \pm 1}{12}$

$\Rightarrow x = \frac{6}{12}, \frac{4}{12}$

$\Rightarrow x = \cdot 5, \cdot 33$

(II) $12y^2 - 23y + 10 = 0$

$\Rightarrow \quad y = \frac{23 \pm \sqrt{529 - 480}}{24}$

$\Rightarrow \quad y = \frac{23 \pm 7}{24}$

$\Rightarrow \quad y = \frac{30}{24}, \frac{16}{24}$

$\Rightarrow \quad y = 1{\cdot}25, {\cdot}66$

$x < y$

21. (C) 12 औरतें 1 काम को करती हैं

$= 16$ दिन में

1 औरत 1 काम को करती है

$= 16 \times 12$

$= 192$ दिन में

8 औरतें 1 काम को करती हैं

$\frac{192}{8} = 24$ दिन में

8 औरतों द्वारा 24 दिन में किया गया कार्य

$= 1$

8 औरतों द्वारा 1 दिन में किया गया कार्य

$= \frac{1}{24}$

8 औरतों द्वारा 18 दिन में किया गया कार्य

$= \frac{18}{24} = \frac{3}{4}$

शेष काम $= 1 - \frac{3}{4} = \frac{1}{4}$

अब, 12 औरतें 1 काम को 16 दिन में करती हैं.

12 औरतें $\frac{1}{4}$ काम को $= \frac{1}{4} \times 16$

$= 4$ दिन

लिया गया कुल समय $= 18 + 4$

$= 22$ दिन

22. (D) $\left(\sqrt{15{\cdot}85} \times 25{\cdot}02 + 219{\cdot}85\right)$ का $x\,\% = 224{\cdot}11$

$\approx (100 + 220) \times \frac{x}{100} = 224$

$\approx 320 \times \frac{x}{100} = 224$

$\approx x = \frac{224 \times 10}{32}$

$\approx x = 70$

23. (B) $2171 \div 14 + 24{\cdot}03 \times 4{\cdot}97$

$\approx 155 + 120$

≈ 275

24. (C) $(499 \times 12{\cdot}02) \div \sqrt{443} + (1{\cdot}99)^2 = x^2$

$\approx \quad 5988 \div 21 + 4 = x^2$

$\approx \quad 289 = x^2$

$\Rightarrow \quad x = 17$

25. (C) 599·85 का $59{\cdot}98\% \times 0{\cdot}801 + 92$

$\approx 600 \times \frac{60}{100} \times 0{\cdot}8 + 92$

$\approx 288 + 92 = 380$

26. (D) $\sqrt{(15{\cdot}88 \times 7 + 52{\cdot}05 + 13 \times 7{\cdot}01)}$

$= \sqrt{112 + 52 + 91}$

$= \sqrt{255} \approx 16$

27. (C) माना A, B और C की वर्तमान आयु क्रमशः x, y और z है.

दिया है, $x = (y - 4)$ ...(1)

$y = z + 8$ ...(2)

और $\frac{x}{z} = \frac{6}{5}$

$\Rightarrow \quad 5x = 6z$

$\Rightarrow \quad x = \frac{6z}{5}$ ...(3)

हल करने पर,

$z = 20$ वर्ष और

$y = 28$ वर्ष

28. (B) बुधवार को A और B द्वारा मिलकर बर्न की गई कैलोरी की कुल संख्या $= 90 + 125 = 215$

और, मंगलवार को A और B द्वारा मिलकर बर्न की गई कैलोरी की संख्या

$= 185 + 100$

$= 285$

अनुपात $= \frac{215}{285} = \frac{43}{57}$

29. (B) शुक्रवार से शनिवार तक A द्वारा बर्न की गई कैलोरी

$= 180 + 180 \times \frac{10}{100} = 198$

और, शुक्रवार से शनिवार तक B द्वारा बर्न की गई कैलोरी

$= 145 + 145 \times \frac{20}{100} = 174$

तो, शनिवार को उनके द्वारा बर्न की गई कुल कैलोरी $= 198 + 174 = 372$

30. (E) मंगलवार, बुधवार, गुरुवार को A द्वारा बर्न की गई कैलोरी

$= 185 + 90 + 160 = 435$

31. (B) B द्वारा बर्न की गई कैलोरी की औसत संख्या =

$\frac{T + F + S}{3} = 125$

$\Rightarrow \quad 135 + 145 + S = 375$

$\Rightarrow \quad S = 375 - 280$

$= 95$

32. (A) $\frac{135 - 75}{75} \times 100 = \%$ वृद्धि

$= 80\%$

33. (B) माना चार क्रमागत धनागत विषम संख्याएँ

$= x, x + 2, x + 4, x + 6$

तथा चार क्रमागत धनात्मक सम संख्याएँ

$= y, y + 2, y + 4, y + 6$

प्रश्नानुसार,

$x + 6 + y + 6 = 33$

$x + y = 21$

अभीष्ट योग $= 4x + 12 + 4y + 12$

$= 4x + 4y + 24$

$= 4(x + y + 6)$

$= 4(21 + 6)$

$= 4 \times 27$

$= 108$

34. (C) खेल के मैदान का क्षे.

$= \frac{1}{5} \times$ आयताकार प्लॉट का क्षे.

$\Rightarrow 1260 = \frac{1}{5} \times$ आयताकार प्लॉट का क्षे.

$\Rightarrow 6300 =$ आयताकार प्लॉट का क्षे.

दिया है, ल. = 7 चौ. और

ल. × चौ. = 6300

$\Rightarrow \quad 7b^2 = 6300$

$\Rightarrow$ (चौ.)^2 = 900

$\Rightarrow$ चौ. = 30 मी

$\Rightarrow$ ल. = 210 मी.

प्लॉट का परिमाप = 2 (ल. + चौ.)

$= 2(30 + 210)$

$= 2(240)$

$= 480$ मी.

35. (E) C. I. $= A - P$

$\Rightarrow 4092 = 9300 \left[\left(1 + \frac{R}{100}\right)^2 - 1\right]$

$\Rightarrow \quad \frac{3348}{2325} = \left(1 + \frac{R}{100}\right)^2$

$\Rightarrow \quad \frac{36}{25} = \left(1 + \frac{R}{100}\right)^2$

$\Rightarrow \quad \frac{6}{5} = 1 + \frac{R}{100}$

$\Rightarrow \quad R = \frac{100}{5}$

$\Rightarrow \quad R = 20\%$

यदि R $= (R - 10\%)$

$= (20 - 10)\%$

$= 10\%$ तो

C. I. $= 9300 \left[\left(1 + \frac{10}{100}\right)^2 - 1\right]$

$= 9300 \times \frac{21}{100}$

$=$ ₹ 1953





कि सन्तुलित भोजन में सब्जियों का क्या महत्व होता है ?

☛ निःसंदेह, सन्तुलित भोजन में हरी सब्जियों का विशेष महत्व है. अनाज और दालों की अपेक्षा सब्जियों में कार्बोहाइड्रेट, विटामिन्स, अमीनो अम्ल, प्रोटीन एवं अन्य खनिज पदार्थ पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं, साथ ही इनमें कई औषधीय गुण भी हैं, जो विभिन्न प्रकार की जानलेवा बीमारियों से हमें सुरक्षा प्रदान करती हैं. भारत में कुपोषित लोगों की संख्या लगभग 25% है. एक आदर्श भोजन के लिए हमें आहार में प्रतिदिन 300 ग्राम सब्जियों का प्रयोग करना चाहिए, जिसमें 100 ग्राम पत्तीदार सब्जियाँ, 100 ग्राम जड़ वाली सब्जी एवं 100 ग्राम टमाटर, बैंगन, भिन्डी, गोभी, आदि का होना आवश्यक है. सब्जियों के प्रयोग से विटामिन, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा खनिज पदार्थ जैसे–लोहा (Fe), कैल्सियम इत्यादि प्रचुर मात्रा में मिल जाते हैं. विटामिन **'ए'** मुख्यतः पालक, गाजर, मैथी, चौलाई, धनियाँ, मूली, टमाटर, मटर, चुकन्दर आदि में पाई जाती है, जबकि विटामिन **'बी'** मुख्यतः सलाद, पत्तागोभी, हरी मिर्च, गाजर, प्याज आदि में तथा विटामिन 'C' (एस्कोर्बिक एसिड)– मैथी, चौलाई, हरी मिर्च, सलाद में तथा विटामिन **'D'** सब्जी की हरी अवस्था में पाई जाती है. मानव स्वास्थ्य हेतु 10 खनिज पदार्थ महत्वपूर्ण हैं. जैसे लोहा, ताँबा, Mg, Mo आदि तत्व.

कि कलौंजी में कोई औषधीय गुण भी है?

☛ कलौंजी दिखने में काले रंग की होती है. यह भारतीय मसालों में भी प्रमुख है. अंग्रेजी में इसे **'निजेला सेटाइवा'** कहा जाता है. आयुर्वेद में इसके औषधीय गुणों का उल्लेख है. कलौंजी अनके रोगों में प्रभावी है.

- **अस्थमा :** अस्थमा या किसी तरीके की सांस की समस्या होने पर एक कप गरम पानी, 1 चम्मच शहद, 1 चम्मच कलौंजी का तेल मिक्स करके सुबह शाम सेवन करें. ऐसा करने से कफ और एलर्जी से भी छुटकारा मिलेगा.
- **हृदय के लिए :** जब कलौंजी का तेल और बकरी का दूध एक साथ पिया जाता है, तो हृदय मजबूत बनता है और हार्ट अटैक की बीमारी नहीं होती. इसके लिए आपको एक कप बकरी का दूध और आधा चम्मच कलौंजी का तेल मिक्स करके हफ्ते भर पीना होगा.
- **जोड़ों के दर्द से आराम दिलाए :** घुटनों में दर्द हो. तो आधा चम्मच कलौंजी का तेल, सिरका एक कप और दो चम्मच शहद मिक्स करके दिन में दो बार लगा कर हल्के हाथों से मालिश करें.
- **आँखों की रोशनी के लिए :** आँखों में लालिमा, कैटरेक्ट और आँखों से पानी आने की समस्या को दूर करने के लिए एक चम्मच कलौंजी का तेल और गाजर का रस दिन में दो बार पिएं.
- **कैंसर से बचाव :** कलौंजी के तेल और अंगूर के जूस को मिलाकर पीने से ब्लड कैंसर, आंत और गले का कैंसर नहीं होता. एक चम्मच कलौंजी का तेल और एक कप अंगूर का जूस मिलाकर दिन में तीन बार पिएं.
- **ब्लड प्रेशर को कम करने के लिए :** एक चम्मच कलौंजी के तेल को गरम चाय में डालकर दिन में दो बार पिएं.
- **किडनी के लिए :** किडनी में स्टोन न बनने के लिए एक चम्मच कलौंजी का तेल, एक कप गरम पानी, दो चम्मच शहद को मिलाकर, इस मिश्रण को दिन में दो बार लें. किडनी के दर्द से छुटकारा पाने के लिए कलौंजी और शहद का सेवन करना चाहिए. इसके लिए 250 ग्राम कलौंजी और शहद मिक्स करके पेस्ट बनाएं और फिर दो चम्मच मिश्रण को आधे कप पानी के साथ लें.
- **वजन घटाने के लिए :** एक चम्मच कलौंजी के तेल में दो चम्मच शहद मिलाकर इसे हल्के गरम पानी के साथ पिएं. इस मिश्रण को दिन में तीन बार लें.
- **सर्दी-जुखाम :** एक चम्मच कलौंजी का तेल एक कप गरम पानी और उसमें दो चम्मच शहद मिलाकर दिन में दो बार पिएं. यह मिश्रण साइनस के मरीजों को भी लाभ पहुँचाता है.
- **चमकदार त्वचा के लिए :** 50 ग्राम जैतून के तेल में 50 ग्राम कलौंजी का तेल मिक्स करें. फिर नाश्ता करने से पहले आधे चम्मच का सेवन करें. ऐसा एक हफ्ते तक नियमित करने पर आपकी त्वचा चमक उठेगी.
- **पेट दर्द में :** कलौंजी का तेल, थोड़ा-सा काला नमक और आधा गिलास गरम पानी लेकर दिन में दो या तीन बार पिएं.
- **फटी एडियाँ :** दो चम्मच नींबू के रस में एक चम्मच कलौंजी का तेल मिक्स करके दिन में दो बार फटी एड़ियों पर लगाएं.
- **शरीर में ऊर्जा भरे :** थकान और कमजोरी दूर करने के लिए संतरे के एक गिलास जूस में आधा चम्मच कलौंजी तेल मिक्स करके रोज पिएं. आपके शरीर में ताकत भर उठेगी.

कि हाइड्रोग्राफिक सर्वे क्या है ?

☛ हाइड्रोग्राफिक सर्वे, समुद्र का वैज्ञानिक मानचित्र होता है. इसमें यह पता लगाया जाता है कि समुद्र की गहराई कितनी है, उसकी क्या आकृति है, उसका तल कैसा है, उसमें किस दिशा से और कितनी गति की धाराएं बहती हैं और उसमें कब और कितना ऊँचा ज्वार आता है. इसका उद्देश्य है नौसंचालन को सुरक्षित बनाना. समुद्र के अलावा झीलों और नदियों का भी हाइड्रोग्राफिक सर्वे किया जाता है, लेकिन केवल उस स्थिति में जब इनमें जहाज चलते हों.

कि किसी स्त्री के पति या नातेदार द्वारा क्रूरता क्या है ?

☛ जब किसी स्त्री का पति या नातेदार स्त्री से क्रूरतापूर्ण आचरण करता है, अर्थात्–

(i) जानबूझकर ऐसा आचरण करता है जो किसी भी विवाहिता स्त्री को आत्महत्या के लिए प्रेरित करे या स्वास्थ्य या अंग को खतरा करे.

(ii) किसी स्त्री को इस दृष्टि से तंग करना कि उसके नातेदार को किसी सम्पत्ति की माँग पूरा करने के लिए उत्प्रेरित किया जाए.

कि उच्चतम न्यायालय ने अभी हाल में राष्ट्रगान से जुड़ी क्या विधि अवधारित की ?

☛ उच्चतम न्यायालय ने निम्न विधि अवधारित की–

(1) प्रत्येक व्यक्ति को किसी सिनेमा हाल में राष्ट्रगान की ध्वनि सुनाई जाएगी. ये सिनेमा से पूर्व ध्वनित किया जाएगा.

(2) लोगों को खड़ा होना पड़ेगा पर असक्षम व्यक्ति खड़े होने को बाध्य न हो जाएंगे.

(3) किन्हीं भी दरवाजों को प्रतीकात्मक रूप से बन्द ही रखा जाएगा.

●●●



प्रश्न–तीसरी दुनिया के देश कौन-कौनसे हैं ? यह नाम किस तरह पड़ा ?

उत्तर–तीसरी दुनिया शीतयुद्ध के समय का शब्द है. शीतयुद्ध यानि मुख्यतः अमरीका और रूस का प्रतियोगिता काल. फ्रांसीसी डेमोग्राफर, मानवविज्ञानी और इतिहासकार अल्फ्रेड सॉवी ने 14 अगस्त, 1952 को पत्रिका 'ल ऑब्जर्वेतो' में प्रकाशित लेख में पहली बार इस शब्द का इस्तेमाल किया था. इसका आशय उन देशों से था, जो न तो कम्युनिस्ट रूस के साथ थे और न पश्चिमी पूँजीवादी खेमे के नाटो देशों के साथ थे. इस अर्थ में गुटनिरपेक्ष देश तीसरी दुनिया के देश भी थे. इनमें भारत, मिस्र, युगोस्लाविया, इण्डोनेशिया, मलेशिया, अफगानिस्तान समेत एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमरीका के तमाम विकासशील देश थे. यों माओत्से तुंग का भी तीसरी दुनिया का एक विचार था. पर आज तीसरी दुनिया शब्द का इस्तेमाल कम होता जा रहा है.

प्रश्न–ह्वाइट कॉलर जॉब क्या है ?

उत्तर–ह्वाइट कॉलर शब्द एक अमरीकी लेखक अपटॉन सिंक्लेयर ने 1930 के दशक में गढ़ा. औद्योगीकरण के साथ शारीरिक श्रम करने वाले फैक्ट्री मजदूरों की यूनीफॉर्म डेनिम के मोटे कपड़े की ड्रेस हो गई. शारीरिक श्रम न करने वाले कर्मचारी सफेद कमीज पहनते थे. इसी तरह खदानों में काम करने वाले ब्लैक कॉलर कहलाते थे. सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़े कर्मियों के लिए अब ग्रे कॉलर शब्द चलने लगा है.

प्रश्न–विधिक अधिकार के तत्व बताएं.

उत्तर–विधिक अधिकार के चार तत्व पाए जाते हैं–

(i) भोक्ता (Subject)

(ii) कार्य (Act)

(iii) अधिकार से सम्बन्धित वस्तु (Object)

(iv) आबद्ध व्यक्ति (Person).

प्रश्न–यान्त्रिक अपक्षय या भौतिक अपक्षय (Mechanical Weathering or Physical Weathering) क्या है ?

उत्तर–यह भौतिक कारकों जैसे सूर्यातप तुषार, वायु आदि द्वारा शैलों में विघटन होने की क्रिया है. तापीय परिवर्तन द्वारा शैलों में प्रसार और संकुचन होता है, जिससे शैलें विखण्डित होने लगती हैं. शीतोष्ण तथा शीत कटिबन्धों में तुषार के क्रमिक जमाव एवं द्रवण से शैलों में विघटन होता है. शुष्क मरुस्थलीय भागों में ताप एवं वायु की सम्मिलित क्रिया (अपदलन) से शैलों की ऊपरी परतें उखड़ती रहती हैं. ऊपर की शैलों का अनाच्छादन द्वारा कटाव हो जाने पर उसके नीचे दबी हुई शैलें ऊपर आ जाती हैं और दबाव समाप्त हो जाने के कारण उनमें प्रसार हो जाता है, जिसके कारण उनमें विघटन प्रारम्भ हो जाता है.

प्रश्न–रूढ़ियों के प्रकार बताएं.

उत्तर–रूढ़ियों को दो भागों में बाँटा जा सकता है–

(i) सामान्य रूढ़ियाँ,

(ii) स्थानीय रूढ़ियाँ.

सामान्य रूढ़ियाँ वे हैं, जो किसी भी कार्य के लिए अनिवार्य रूप से लागू होती हैं और देश की विधि का भाग बन जाती हैं.

स्थानीय रूढ़ियाँ वे हैं, जो एक नियत स्थान में या एक स्थानीय क्षेत्र में लागू होती हैं.

प्रश्न–युवाला (Uvala) क्या है ?

उत्तर–चूना पत्थर या कार्स्ट प्रदेश में भूमिगत जल द्वारा शैलों के सतत् घोलीकरण से कई डोलाइन या घोल रन्ध्रों (Sink hole) के परस्पर मिल जाने से निर्मित बृहदकार गर्त को युवाला कहते हैं. युवाला प्रायः खड़े पार्श्व वाले होते हैं तथा इनकी तली पर जलोढ़ के निक्षेप पाए जाते हैं. भूपृष्ठ पर प्रवाहित होने वाली नदियों का जल युवाला में प्रविष्ट होकर तिरोहित हो जाता है. जिससे आगे की नदी घाटी शुष्क रह जाती है.

प्रश्न–'ड्रिप' (Drip) सिंचाई तकनीक क्या है ? इसकी उपयोगिता जानिए.

उत्तर–कृषि-खेती में **'ड्रिप'** यानी **'टपक बूँद'** सिंचाई तकनीक का विकास सर्वप्रथम वर्ष 1959 में इजराइल देश से हुआ था, जिसे अब भारत में भी बड़े पैमाने पर अपनाया जाने लगा है. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 4 जुलाई, 2017 को इजराइल दौरे पर वहाँ के प्रधानमंत्री नेतन्याहू से मुलाकात कर, वहाँ की नई कृषि तकनीकों को भारत में लाने का उद्देश्य रखा है, जिससे कृषि क्षेत्र में विकास होगा. इस ड्रिप सिंचाई पद्धति से 50% से अधिक जल की बचत होती है, जिसे महाराष्ट्र में वर्षों से गन्ना खेती में कृषक अपना रहे हैं. ड्रिप सिंचाई योजना को अमली जामा पहनाने हेतु अभी हाल ही में (जुलाई 2017) उत्तर प्रदेश सरकार ने किसानों की आय को दोगुनी करने के लिए **'ड्रिप सिंचाई पद्धति'** की अनुदान राशि लघु व सीमान्त किसानों को 55% के बजाय अब 90% तथा अन्य किसानों को 45% के बजाय 80% अनुदान देने की घोषणा कर दी है, जिससे उत्तर प्रदेश में 1·85 करोड़ सीमान्त कृषक तथा 30 लाख लघु कृषक (कुल 2·15 करोड़ कृषक) लाभान्वित होंगे. इससे जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और किसानों को सिंचाई के लिए अधिक पैसे खर्च नहीं करने पड़ेंगे. फलतः, उत्तर प्रदेश में 50 हजार हेक्टेयर कृषि क्षेत्र और 60 हजार से ज्यादा किसान (संख्या में) लाभान्वित होंगे.

प्रश्न–देश में कृषित जोतों को आकार के अनुसार कितने वर्गों में विभाजित किया गया है ? इसे जानिए.

उत्तर–निःसन्देह! कृषि, भारतीय अर्थ-व्यवस्था में एक प्रमुख भूमिका निभाती है. चूँकि, भारत-एक कृषि प्रधान देश है जिसकी लगभग 55% जनसंख्या कृषि एवं सम्बन्धित क्षेत्रों से जुड़ी हुई है जो देश की **'जी.वी.ए.'** (Gross Value Added) में 17·4% अपनी हिस्सेदारी निभाती है. देश में (i) **सीमान्त जोत कृषक** (Marginal Land/Farmer) की अधिकतम जोत 1 हेक्टेयर (2·5 एकड़) तक; (ii) **लघु जोत कृषक** (Small Land/Farmer) 1 से 2 हेक्टेयर (5 एकड़ तक), (iii) **मध्यम आकार की जोत** (Marginal size/land) 4 से 10 हेक्टेयर (10 से 25 एकड़ तक) तथा (iv) **बड़ी जोतें** (Large lands/Farmer) 10 हेक्टेयर से अधिक होती हैं. वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार देश में 17·8% दशकीय आबादी की वृद्धि दर आँकी गई, फलतः भूमि जोत का आकार घटता जा रहा है और वर्तमान में जनसंख्या 125 करोड़ को पार कर गई है. शहरीकरण/जनसंख्या वृद्धि होने से भूमि आकार घटता ही जा रहा है, जो 21वीं सदी हेतु एक चिन्ता का विषय है.

प्रश्न–दलदल (Bog or Quagmire) क्या है?

उत्तर–कोमल आर्द्र और स्पंजी भूमि, जो अपवाह के अभाव में जल जमाव के कारण गीली रहती है और जिस पर मुख्यतः सड़ी हुई तथा क्षीयमान काई (Moss), शैवाल तथा अन्य वानस्पतिक पदार्थ पाए जाते हैं. दलदल की उत्पत्ति उथली एवं स्थिर जल वाली झीलों तथा तालाबों में अधिक होती है, किन्तु यह अवरुद्ध अपवाह वाले अन्य भागों में भी पाई जाती है. यह भूमि इतनी कोमल तथा स्पंजी होती है कि इस पर पैर रखने पर पैर नीचे धँसने लगते हैं. कुछ दलदल में ऊपरी सतह कुछ कठोर हो जाती है, किन्तु उसके नीचे अधिक आर्द्र और गीली मिट्टी होती है जिसके कारण ऐसी भूमि पर पैर अथवा कोई भारी वस्तु रखने पर ऊपरी सतह हिलने लगती है. इसे काँप दलदल (Quaking bog) कहते हैं.





1. किसने कहा था, "It is impossible to love and be wise ?"
   (A) फ्रांसिस बेकन
   (B) बेंजामिन फ्रैंकलिन
   (C) डिजरायली
   (D) जॉन कीट्स

2. अमोनिया की संरचना है–
   (A) त्रिकोणीय समतल
   (B) चतुष्फलकीय
   (C) पिरामिडी
   (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

3. निम्न में से किस विटामिन में धातु परमाणु है ?
   (A) रिवोफ्लेविन (B) विटामिन B_{12}
   (C) विटामिन A (D) विटामिन C

4. प्रोटीन की गौण संरचना का निर्धारण करने वाला बन्ध है–
   (A) उपसहसंयोजक बन्ध
   (B) सहसंयोजक बन्ध
   (C) हाइड्रोजन बन्ध
   (D) आयनीय बन्ध

5. शुद्ध मतिकरण की अवधारणा किसने प्रस्तुत की है ?
   (A) पॉलो फ्रेरे
   (B) मार्टिन लूथर किंग
   (C) जी. ए. ए. ब्रिटो
   (D) सॉल एलेंस्की

6. शृंखला को आरोही अथवा अवरोही क्रम में व्यवस्थित करने पर मध्य पद का मूल्य क्या कहलाता है ?
   (A) माध्य
   (B) माध्यिका
   (C) बहुलक
   (D) मानक विचलन

7. परिवर्तनों के लिए अनुकूलनशीलता की आवश्यकता है–
   (A) ग्रामीण क्षेत्रों से प्रवासी लोगों के लिए
   (B) शहरी निवासियों के लिए
   (C) ग्रामीण निवासियों के लिए
   (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

8. दमित विचारों के उत्कृष्ट चीजों में प्रकटीकरण को क्या कहते हैं ?
   (A) उदात्तीकरण
   (B) द्वैधवृत्ति
   (C) क्षतिपूर्ति
   (D) स्थिरीकरण

9. विमुक्त जनजातियाँ हैं–
   (A) अस्पृश्य जातियाँ
   (B) पूर्व अपराधिक जनजातियाँ
   (C) खानाबदोश समुदाय
   (D) कारीगर

10. सबडिवाइडेड बार डायग्राम को कहते हैं–
    (A) पाई-डायग्राम
    (B) हिस्टोग्राम
    (C) कम्पोनेन्ट बार डायग्राम
    (D) बार डायग्राम

11. प्रयोगात्मक शोध में किस प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं है ?
    (A) परिचालन और पुनरावृत्ति
    (B) भागीदारी पर्यवेक्षण
    (C) नियंत्रण
    (D) संदर्भ संकलन

12. निम्न में से कौनसी ड्रग अफीम से निकाली जाती है ?
    1. हीरोइन
    2. मार्फीन
    3. मैथाडोन
    4. निकोटीन

    कूट :
    (A) केवल 1 और 2
    (B) केवल 3 और 4
    (C) केवल 1
    (D) केवल 1 और 4

13. भारत में अपराधी परिवीक्षा अधिनियम वर्ष ……… में पारित हुआ.
    (A) 1960 (B) 1963
    (C) 1986 (D) 1958

14. निर्वाचन आयुक्त हटाया जा सकता है–
    (A) मुख्य निर्वाचन आयुक्त द्वारा
    (B) प्रधानमंत्री द्वारा
    (C) मुख्य निर्वाचन आयुक्त के परामर्श पर राष्ट्रपति द्वारा
    (D) भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा

15. भारतीय संविधान सभा के उद्घाटन अधिवेशन की अध्यक्षता की थी–
    (A) सच्चिदानन्द सिन्हा ने
    (B) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने
    (C) जवाहरलाल नेहरू ने
    (D) बी. आर. अम्बेडकर ने

16. एक संघीय व्यवस्था (Federal System) और केन्द्र में द्वैधशासन, भारत में लागू किया गया था–
    (A) 1909 के अधिनियम द्वारा
    (B) 1919 के अधिनियम द्वारा
    (C) 1935 के अधिनियम द्वारा
    (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

17. संविधान सभा में देशी रियासतों के लिए कुल कितने सदस्य निर्धारित किए गए थे ?
    (A) 73 (B) 292
    (C) 93 (D) 234

18. संविधान की प्रस्तावना को निम्न में से किस संविधान संशोधन द्वारा संशोधित किया गया ?
    (A) 31वें
    (B) 34वें
    (C) 93वें
    (D) 42वें

19. यदि बल तथा घनत्व में निम्न सम्बन्ध है–

$$F = \frac{Y}{\sqrt{d}}$$

    तो Y का विमीय सूत्र होगा–
    (A) $[M^{3/2} L^{-1/2} T^{2}]$
    (B) $[M^{3/2} L^{1/2} T^{-2}]$
    (C) $[M^{-3/2} L^{1/2} T^{-2}]$
    (D) $[M^{3/2} L^{-1/2} T^{-2}]$

20. निम्न सूत्र किस यौगिक का है ?

$$O = C \begin{cases} NH\,\boxed{H + C_2H_5 - O} - C = O \\ NH\,\boxed{H + C_2H_5 - O} - C = O \end{cases} CH_8$$

    (A) मैलोनिल एस्टर
    (B) पैराबोनिक अम्ल
    (C) बार्बिट्यूरिक अम्ल
    (D) ऑक्सेलिल यूरिया

21. एक 3 फेज 420 वोल्ट, 25 हॉर्स पॉवर के मोटर का पॉवर फैक्टर क्या होगा, जबकि धारा 35 एम्पियर तथा मोटर की दक्षता 87% हो ?
    (A) 32·01 (B) 1·23
    (C) 0·73 (D) 0·0709

22. निम्न में से किसका गोत्र 'जेमिनि' है ?
    (A) वरुण (B) केतू
    (C) बृहस्पति (D) हरिश्चन्द्र

23. किसी ऊतक में ट्यूमर की उपस्थिति को देखने के लिए पराश्रव्य स्कैनर का उपयोग किया जाता है. इस स्कैनर की

क्रियाकारी आवृति 4·2 मेगाहर्ट्ज है. ऊतक में ध्वनि की चाल 1·7 किमी/सेकण्ड है. ऊतक में ध्वनि का तरंगदैर्घ्य लगभग कितना होगा ?

(A) 4×10^{-4} मी (B) 8×10^{-3} मी

(C) 4×10^{-3} मी (D) 8×10^{-4} मी

24. भारत में जीएसटी का प्रावधान किस संविधान संशोधन अधिनियम के अंतर्गत किया गया है ?

(A) 101वें (B) 115वें

(C) 122वें (D) 42वें

25. सार्वजनिक व्यय का निम्नलिखित में से कौनसा वर्गीकरण अब समाप्त कर दिया गया है ?

(A) योजना व्यय एवं गैर-योजना व्यय

(B) स्कीम व्यय एवं गैर स्कीम व्यय

(C) राजस्व व्यय एवं पूँजीगत व्यय

(D) उपर्युक्त सभी

26. गुप्तकाल में भूमि कर को कहते थे–

(A) शुल्क (B) भूमि कर

(C) राजस्व (D) भाग

27. संलग्न चित्र को पहचानिए–



(A) अरविन्द पनगढ़िया

(B) एस. जयशंकर

(C) अजीत डोभाल

(D) प्रोफेसर यशपाल

28. पार्श्व में दिया गया चित्र किसका है ?



(A) सोनाली बिन्द्रे

(B) कोंकण सेन

(C) मिताली राज

(D) आलिया भट्ट

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में सम्मिलित होने के नियम

1. इसमें सभी विद्यार्थी अथवा किसी प्रतियोगिता परीक्षा में सम्मिलित होने वाले प्रत्याशी भाग ले सकेंगे.
2. प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रत्याशियों को निर्धारित तिथि तक अपने उत्तर भेजना आवश्यक है. प्रविष्टियाँ सामान्य डाक से ही भेजी जाएं तथा लिफाफे पर बाईं ओर **'सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता'** अवश्य लिखें.
3. प्रतियोगिता के उत्तर पत्रिका में दिए गए प्रपत्र पर ही मान्य होंगे.
4. प्रश्न के क्रमांक के आगे चार खाने बने हैं. प्रतियोगी जिस उत्तर को ठीक समझें उस कॉलम में केवल गुणा (×) का चिह्न लगाएं. एक प्रश्न का एक से अधिक उत्तर देने पर वह प्रश्न निरस्त कर दिया जाएगा.
5. प्रतियोगी जितने प्रश्न हल करें उनकी संख्या स्वयं अवश्य लिखें.
6. अशुद्ध उत्तर देने पर अंक काटे जाएंगे.
7. सर्वाधिक शुद्ध हल भेजने वाले प्रतियोगी को प्रथम पुरस्कारस्वरूप ₹ 700 दिए जाएंगे. उससे कम शुद्ध हल भेजने वाले प्रतियोगियों को क्रमशः द्वितीय व तृतीय पुरस्कार दिया जाएगा, जो क्रमशः ₹ 500 व ₹ 300 का होगा. यदि किसी पुरस्कार को प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों की संख्या एक से अधिक होगी, तो पुरस्कार राशि उनमें समान रूप से विभक्त कर दी जाएगी.
8. पुरस्कार के विषय में सम्पादक का निर्णय सर्वमान्य होगा. किसी भी दशा में वह न्यायालय का विषय नहीं होगा.

प्रतियोगिता प्रवेश प्रारूप

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता क्रमांक–181 का हल भेजने की अन्तिम तिथि 10 अक्टूबर, 2017

नाम श्री/कु./श्रीमती ______

पूरा पता ______

______

______

राज्य .... पिन कोड नं. ☐☐☐☐☐☐

______

आयु .... शैक्षणिक योग्यता ....

प्रतियोगिता परीक्षा जिसकी तैयारी कर रहे/रही हैं ______

______

मैंने प्रतियोगिता दर्पण द्वारा आयोजित **सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता** के नियमों का अध्ययन कर लिया है और मैं उनसे सहमत हूँ।

....

(हस्ताक्षर)

परिणाम

कुल हल किए प्रश्नों की संख्या ______

शुद्ध हल प्रश्नों की संख्या ______

अशुद्ध हल प्रश्नों की संख्या ______

अर्जित अंक ______

उत्तर-पत्र

प्रश्न संख्या	A	B	C	D	प्रश्न संख्या	A	B	C	D
1.	☐	☐	☐	☐	15.	☐	☐	☐	☐
2.	☐	☐	☐	☐	16.	☐	☐	☐	☐
3.	☐	☐	☐	☐	17.	☐	☐	☐	☐
4.	☐	☐	☐	☐	18.	☐	☐	☐	☐
5.	☐	☐	☐	☐	19.	☐	☐	☐	☐
6.	☐	☐	☐	☐	20.	☐	☐	☐	☐
7.	☐	☐	☐	☐	21.	☐	☐	☐	☐
8.	☐	☐	☐	☐	22.	☐	☐	☐	☐
9.	☐	☐	☐	☐	23.	☐	☐	☐	☐
10.	☐	☐	☐	☐	24.	☐	☐	☐	☐
11.	☐	☐	☐	☐	25.	☐	☐	☐	☐
12.	☐	☐	☐	☐	26.	☐	☐	☐	☐
13.	☐	☐	☐	☐	27.	☐	☐	☐	☐
14.	☐	☐	☐	☐	28.	☐	☐	☐	☐

प्रथम पुरस्कृत निबन्ध

इक्कीसवीं शताब्दी में भारत

✍ डॉ. जगदीश प्रसाद

'' अरुण यह मधुमय देश हमारा,
जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा।
सम्पूर्ण विश्व को अपने ज्ञानपुंज से प्रकाशित करे
सबका प्यारा, सबसे न्यारा वो भारत देश हमारा।''

भारत की अतीत की पृष्ठभूमि गौरवमय रही है. प्राचीन भारत पूर्णरूप से अपने-आप में शक्ति-सम्पन्न था. प्राचीन भारत **'शिक्षा शिरोमणि'** व **'सोने की चिड़िया'** के नाम से विख्यात रहा है. यहाँ नालन्दा, तक्षशिला जैसे शिक्षा के उत्कृष्ट केन्द्र थे, राजकोष स्वर्ण-चाँदी से भरे-पूरे थे. कला व विज्ञान अपने विकास के चरम पर थे. शासकों की शक्ति विदेशी आक्रान्ताओं को भयभीत करती थी, परन्तु राजा-महाराजाओं की आन्तरिक कलह ने विदेशी आक्रान्ताओं को आक्रमण करने हेतु लालायित किया. विदेशी आक्रमणकारियों ने समृद्ध भारत को लूट कर इसे जीर्ण-शीर्ण बना दिया. इन विदेशी शक्तियों में सबसे घातक प्रभाव अंग्रेजों का रहा. जिन्होंने भारत की अपार सम्पदा का इस कदर शोषण किया कि समृद्ध भारत पुनः सैकड़ों सदियों पीछे चला गया औद्योगिक **आयोग की रिपोर्ट 1948** में कहा गया कि जिस समय औद्योगिक प्रणाली की जन्मभूमि में असभ्य जातियाँ निवास करती थीं, उन दिनों भारत अपने धन-वैभव, कला-कौशल के लिए विश्व-विख्यात था, यह स्थिति वर्षों तक रहीं, किन्तु अंग्रेजों के आने के बाद स्थिति में निरन्तर गिरावट आती चली गई.

15 अगस्त, 1947 को भारत की स्वतन्त्रता का सूर्योदय हुआ. स्वतंत्रता के बाद भारत का विकास पुनः नए सिरे से हुआ यहाँ के लोगों के उत्साह व सकारात्मक सोच ने दासता के घावों से उबरकर विकास की राह ली. उसी का नतीजा है कि कल का विकासशील भारत, आज विकसित भारत बनने की दहलीज पर खड़ा है. इस कारण उन पहलुओं पर प्रकाश डालना जरूरी हो जाता है, जो भारत को इक्कीसवीं, सदी में एक महाशक्ति बनाने की ओर ले जाते हैं.

आज का भारत विश्व के सबसे सफल लोकतन्त्र के रूप में जाना जाता है, जो देश में राजनैतिक स्थायित्व को इंगित करता है. समकालीन राष्ट्रों की राजनैतिक व शासकीय उथल-पुथल के बीच जनमत पर आधारित भारतीय लोकतन्त्र आज पूर्णरूप से सुदृढ़ है. लोकतंत्र के चारों स्तम्भ प्रभावी रूप से अपनी भूमिका निभा रहे हैं. हर व्यक्ति को अपनी स्वतंत्रता व अपने विकास का पूर्ण अधिकार प्राप्त है.

भारत **'विविधता में एकता'** वाला देश है, जहाँ विभिन्न धर्म व सम्प्रदाय के लोगों ने आपसी सद्भाव पर आधारित समरसता की अद्भुत मिसाल पेश की है. विश्व के 17·5 प्रतिशत लोग यहाँ शान्ति व सद्भाव के साथ रहते हैं. यहाँ के सामाजिक सन्तुलन ने देश के विकास को दिशा प्रदान की है, हमारी कला व संस्कृति ने अन्य देशों को भी आदर्श का पाठ पढ़ाया है.

आजादी के बाद से ही भारत में संसदीय लोकतंत्र लगातार सुदृढ़ हुआ है, जो संविधान की मजबूत नींव पर खड़ा है. स्वतंत्रता, समानता और बन्धुत्व जिसके आधार स्तम्भ हैं. यह विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहाँ अनेक जातियों, धर्मों और भाषाओं के बावजूद सबको बराबरी का हक मिला है, जहाँ स्त्री-पुरुषों के बीच कोई असमानता नहीं है, बल्कि भारत में महिलाएं जीवन के सभी क्षेत्रों में शीर्ष पर पहुँची है और हर क्षेत्र में अपनी क्षमता का प्रदर्शन करने में सफल रही हैं. पिछले छह दशकों में भारत में लगभग हर क्षेत्र में परिवर्तन देखने को मिले हैं. स्वास्थ्य, तकनीक, अन्तरिक्ष अभियान, खेल आदि कई ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें भारत ने दुनिया के सामने अपनी अमिट छाप छोड़ी है.

21वीं सदी की शुरुआत में कुछ ऐसा हुआ, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी, जिस काम को करने में विचारधाराएं, राजनीति और अर्थशास्त्र सब नाकाम रहे, उसे तकनीक ने कर दिखाया, इंटरनेट ने पूरी दुनिया को एक ऐसी व्यवस्था दी, जिससे सब लोग एक-दूसरे से जुड़ सकते हैं, नए दौर के इस माध्यम ने खुद अपने उद्यमी पैदा किए, इस व्यवस्था की खासियत यह है कि कई मामलों में यह सरकारों और उनकी नीतियों की मोहताज नहीं है. अपने विकास और विस्तार के कई सारे रास्ते यह खुद तैयार कर लेती है, कुछ समय पहले तक यह कहा जा रहा था कि भारत में बहुत ज्यादा लोगों के पास कम्प्यूटर नहीं है, बिजली हर जगह पहुँचती नहीं है. ताजा आँकड़े बताते हैं कि इस समय देश में सक्रिय मोबाइल फोनों की संख्या करोड़ों में है, यानि औसतन हर वयस्क के पास एक मोबाइल फोन है, आज इंटरनेट और मोबाइल फोन देशभर में लगभग हर तबके के लोगों तक पहुँच गए हैं.

भारत के विकास का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यहाँ की अर्थव्यवस्था है. जिसने विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के नाते विदेशी अर्थ नीतियों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है. भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 2·074 ट्रिलियन डॉलर है. वार्षिक विकास दर 7·1 प्रतिशत वृद्धि के साथ भारत चीन के बाद विश्व की सर्वाधिक वृद्धिशील जीडीपी है. अपनी सुदृढ़ अर्थ-व्यवस्था के कारण ही वैश्विक आर्थिक मन्दी से भारत अप्रभावित रहा है. विदेशी मुद्रा भण्डार 386 बिलियन डॉलर से भी अधिक हो गया है, जो तीव्र प्रगतिशील अर्थव्यवस्था का द्योतक है.

विश्व बैंक के अन्तर्राष्ट्रीय तुलनात्मक कार्यक्रम के तहत् जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि क्रयशक्ति क्षमता के आधार पर अमरीका और चीन के बाद भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, महज 6 वर्षों में जापान को पीछे छोड़ते हुए भारत ने यह उपलब्धि हासिल की है. इस समय वैश्विक आर्थिक रुझान पेश करने वाले लगभग सभी सर्वेक्षणों व अध्ययनों में यह महत्वपूर्ण तथ्य उभरकर सामने आ रहा है कि अगले दो दशकों में भारत विश्व की प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उभरकर सामने आएगा और इसमें भारतीय प्रोफेश-नल्स और प्रतिभाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होगी, यहाँ का मध्यम वर्ग अपनी क्रय-क्षमता के कारण पूरी दुनिया को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है. विश्व बैंक समेत दुनिया के कई आर्थिक संगठनों के मुताबिक, अनेक विकसित एवं विकासशील देशों में वर्ष 2020 तक कामकाजी जनसंख्या की भारी कमी देखने को मिलेगी. ऐसे में वैश्विक जनसंख्या मानचित्र के आधार पर भारतीय जनसंख्या में युवाओं की करीब आधी आबादी और दुनिया की जनसंख्या में युवाओं की करीब एक-चौथाई आबादी का स्वरूप भारत के लिए कई सम्भावनाएं लेकर आएगा, लेकिन इसके साथ ही हमें देश की नई आबादी को मानव संसाधन और पेशेवर बनाने के लिए ठोस प्रयास करने होंगे, साथ ही उन्हें नई आर्थिक जरूरत के हिसाब से तैयार भी करना होगा.

सामाजिक-आर्थिक क्षेत्र में भारत निरन्तर प्रगति की ओर है. 155·5 मिलियन टन दुग्ध उत्पादन के साथ भारत विश्व में प्रथम स्थान पर है. भारत में विश्व का 18·5 प्रतिशत दुग्ध उत्पादन होता है.

खाद्यान्न उत्पादन में आज हम आत्मनिर्भर हो गए हैं. 273·38 मिलियन टन खाद्यान्न का उत्पादन प्रतिवर्ष भारत में होता है. श्वेत एवं हरित क्रान्ति ने भारत को दुग्ध और खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया है. भारत विज्ञान व टेक्नोलॉजी में अग्रणी हैं. चिकित्सा व रोग निदान की नई तकनीकें हमने विकसित की हैं. परम व परम अनन्त जैसे सुपर कम्प्यूटर हमारे पास है. दुनिया-भर में सूचना प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर एवं सेवा क्षेत्र में 3 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हैं. जर्मनी, जापान, ब्रिटेन, अमरीका जैसे देशों में भारतीय आई.टी. प्रोफेशनल्स की सबसे ज्यादा माँग है, जो भारतीयों की काबिलियत को साबित करती है. सैकड़ों प्रवासी भारतीय ही हैं, जिनके सहारे महाशक्ति कहलाने वाले अमरीका की टेक्नोलॉजी व अर्थव्यवस्था की रीढ़ टिकी हुई है. तीव्र प्रगतिशील सूचना प्रौद्योगिकी में सहभागिता का पता इस बात से लगाया जा सकता है कि इंटरनेट का उपयोग करने वालों की सूची में भारत द्वितीय स्थान रखता है. हमारे सॉफ्टवेयर उद्योग ने विश्व समाज में अपना लोहा मनवाया है. भारतीय सेवा क्षेत्र की कम्पनियों ने 'बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग' के कारण अमरीकी अर्थव्यवस्था को भी हिलाकर रख दिया है.

अन्तरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में हमने महारत् हासिल कर ली है. दूर-संवेदी, मौसम, शिक्षा, संचार आदि हर क्षेत्र में हमने उपग्रह भेजकर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध कर दी है, वरन् आज हम अन्य देशों के उपग्रह भी अपने प्रक्षेपण यानों के जरिए अन्तरिक्ष में भेजने में सक्षम है. भारत ने चन्द्रयान एवं मंगलयान भेजा है तथा वर्ष 2017 में निजी अन्तरिक्ष यान चन्द्रमा पर भेजने की कार्यवाही की जा रही है. इसके अलावा आईटीईआर, फ्यूचरजेन जैसे विश्वस्तरीय ऊर्जा प्रोजेक्टों में भी भारत को भागीदार बनाया गया है, इससे पता चलता है कि विश्व समुदाय भारत को कितनी अहमियत देता है.

अन्तरिक्ष अभियान के रूप में भी भारत आत्मनिर्भर हो गया है. उपग्रह को अन्तरिक्ष में भेजकर वापस लाने में हम सक्षम हैं. इसरो द्वारा अन्तरिक्ष में भेजे गए कार्टोसैट-2 सेटेलाइट के साथ ही सेना द्वारा दुश्मनों पर निगाह रखने वाले सैटेलाइट की संख्या 13 हो गई है. निगरानी व सीमावर्ती क्षेत्रों में मैपिंग के उपयोग में आने वाले इन सैटेलाइटों का मुख्य कार्य दुश्मनों पर नजर रखना होगा.

जहाँ तक हमारी सुरक्षा का सवाल है, तो इसमें हम पूर्णरूप से सक्षम हैं. 13·25 लाख सैनिकों के साथ विश्व की तीसरी सबसे बड़ी सेना हमारे पास है. हमारी जल, थल व वायुसेना अत्याधुनिक हथियारों से ओतप्रोत हैं. किसी भी हमले का सामना करने हेतु आधुनिक टेक्नोलॉजी आधारित मिसाइल निर्माण की क्षमता हमारे पास है. नाग, अग्नि, पृथ्वी, धनुष, आकाश, ब्रह्मोस जैसी उन्नत मिसाइलें हमारे पास हैं.

1974 में प्रथम परमाणु परीक्षण के दौरान विकसित देशों ने हमारे ऊपर प्रतिबंध लगा दिए. फिर भी हमारे वैज्ञानिकों ने विज्ञान के विकास को थमने नहीं दिया. 1998 में स्वयं की परमाणु क्षमता आधारित द्वितीय परमाणु परीक्षण किया और अपने आपको विश्व की 5 परमाणु शक्तियों के मध्य स्थापित किया. इसके बाद तमाम प्रतिबंधों को नजरअंदाज करते हुए हमने अपनी परमाणु क्षमता साबित कर दी. इसी कारण अमरीका ने भारत को **'परमाणु शक्तिसम्पन्न एक जिम्मेदार राष्ट्र'** माना. परमाणु शक्तिसम्पन्न राष्ट्र होने के बावजूद भी भारत शान्ति का समर्थक रहा है तथा **'नो फर्स्ट यूज'** सिद्धान्त पर अडिग है, ऐसी मिसाल विश्व में कहीं और नहीं है.

ऊर्जा क्षेत्र की बात करें, तो कह सकते हैं कि अति शीघ्र हम इसमें आत्मनिर्भरता प्राप्त कर लेंगे, क्योंकि भारत के पास विश्व का सबसे बड़ा थोरियम भण्डार है. जहाँ 6 लाख टन थोरियम उपलब्ध है. इससे पूरे देश को लगभग 300 वर्षों तक बिजली की आपूर्ति की जा सकती है. इस हेतु तमिलनाडु में 300 मेगावाट का पायलट प्रोजेक्ट शुरू हो गया है. भारत-अमरीका न्यूक्लियर डील ने भी भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं को सुरक्षित किया है, इससे न केवल विश्व बिरादरी में भारत की महत्ता में वृद्धि होगी, वरन् बिना एनपीटी पर हस्ताक्षर किए भारत के परमाणु रिएक्टरों को एनएसजी देशों से ईंधन की आपूर्ति सम्भव हो सकेगी.

विद्युत् उत्पादन में भारत विश्व में 12वाँ स्थान रखता है. वर्तमान में भारत में 22 परमाणु रिएक्टर कार्यशील हैं. भारत विश्व का छठा ऐसा देश है जिसके पास 20 या उससे अधिक परमाणु रिएक्टर हैं. जिनसे 6240 मेगावाट नाभिकीय विद्युत् का उत्पादन हो रहा है, जो कुल विद्युत उत्पादन क्षमता का 3·41 प्रतिशत है. 'जवाहरलाल नेहरू सौर ऊर्जा कार्यक्रम' के तहत् 2020 तक 22000 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है. इसके अलावा नए ऊर्जा भण्डार व नए ऊर्जा स्रोत विकसित करने में भारत की कई सार्वजनिक व निजी कम्पनियाँ भी प्रयासरत् हैं, ताकि ऊर्जा में आत्मनिर्भरता प्राप्त की जा सके.

संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व शान्ति प्रयासों में भारत के योगदान की सराहना की है. समय-समय पर अपनी शान्ति सेना भेजकर अपना उत्तरदायित्व निभाया है. भारत संयुक्त राष्ट्र संघ में सर्वाधिक अंशदान करने वाले प्रथम 10 देशों में शामिल है तथा संयुक्त राष्ट्र संघ की नीतियों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है. सुरक्षा परिषद् की अस्थायी सदस्यता हेतु भारत ने 192 राष्ट्रों में से 187 देशों का समर्थन हासिल किया है, जो विश्व बिरादरी में हमारे महत्व को इंगित करता है. जी-4 राष्ट्रों के साथ भारत सुरक्षा परिषद् की स्थायी सदस्यता का प्रमुख दावेदार है.

अपनी नेतृत्व क्षमता के कारण ही डब्ल्यूटीओ में भारत विकासशील देशों का नेता बना तथा डब्ल्यूटीओ मंच पर विकसित देशों की नीतियों को विकासशील देशों के पक्ष में मनवाने में सफल रहा. सार्क, जी-20, अंकटाड, ब्रिक्स, इब्सा आदि में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है.

गरीब राष्ट्र की छवि से भारत आज पूर्णरूप से उबर चुका है, जिसका उदाहरण इस बात से लगाया जा सकता है कि इसने अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के समस्त ऋण चुका दिए हैं, वरन् अब यह दानदाता देशों की श्रेणी में खड़ा है. हाल ही में भारत द्वारा विदेशी कम्पनियों के अधिग्रहण से भारत ने विश्व अर्थव्यवस्था में भी अपनी शानदार उपस्थिति दर्ज की है.

भारत ने अपने आन्तरिक विकास को भी योजनाबद्ध तरीके से प्रस्तुत किया है पंचवर्षीय योजनाओं के रूप में नियमित विकास योजनाएं हैं. प्रशासनिक विकेन्द्रीकरण द्वारा आम आदमी के विकास को ध्यान में रखा गया है. गरीबी हटाने व बेरोजगारी कम करने हेतु विशेष योजनाएं शुरू की गई हैं. विश्व बैंक के अनुसार निर्धनता 26 प्रतिशत से घटाकर 22 प्रतिशत हो गई है, जो गरीबी हटाने में एक सराहनीय प्रयास है, सेवा क्षेत्र में निरन्तर रोजगार की वृद्धि हुई है.

खेल क्षेत्र में भी भारत ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अनेक उपलब्धियाँ दर्ज की हैं. ओलम्पिक खेलों तक मेडल की पहुँच सुनिश्चित हुई है. राष्ट्रमण्डल खेलों में दूसरा स्थान तथा क्रिकेट विश्व कप जीत कर अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है. कला क्षेत्र में ऑस्कर तथा नोबेल जैसे अति महत्वपूर्ण पुरस्कारों तक अपनी पहुँच बनाई हैं.

भारत में आयुर्वेद और योग का इतिहास हजारों साल पुराना है. आज 21वीं सदी में भी पारम्परिक इलाज के तौर पर पहचान बनाने में कामयाब रहे आयुर्वेद और योग ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी काफी विश्वसनीयता हासिल की है, आज के तनाव और भाग-दौड़ भरी जिन्दगी में खुद को स्वस्थ रखने के लिए दुनियाभर के लोग इसका इस्तेमाल कर रहे हैं. भारत जड़ी-बूटियों का सबसे

बड़ा उत्पादक राष्ट्र है. वैश्विक बाजार में यह और भी मजबूती से खड़ा नजर आएगा.

उक्त उपलब्धियाँ हमारी महाशक्ति के रूप में दावेदारी के लिए पर्याप्त नहीं हैं, क्योंकि 'ये तो सिर्फ सफर है, मंजिल अभी दूर है.' अतः महाशक्ति के रूप में अपनी मंजिल प्राप्त करने हेतु हमें अपनी कमियों का सूक्ष्मात्मक अवलोकन कर इन्हें दूर करना होगा. आज हमारी साक्षरता दर 74 प्रतिशत है, जो पर्याप्त नहीं, बल्कि इसे शत-प्रतिशत करना होगा.

स्वास्थ्य सुविधाओं में बुनियादी ढाँचे को और मजबूत करना होगा. पिछले कुछ वर्षों में भारत में चिकित्सा के क्षेत्र में काफी सुधार देखने को मिला है, मगर यह सुधार निजी अस्पतालों तक ही सीमित नजर आता है. सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा सेवा आज भी खस्ताहाल है. कुछ समय पूर्व विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा भारत को पोलियो मुक्त देश घोषित किया गया है, अगर पड़ोसी देश पाकिस्तान पर नजर डालें, तो दुनिया भर में पोलियो के जितने भी मामले पाए जाते हैं, उनमें से लगभग 85 प्रतिशत पाकिस्तान में देखने को मिलते हैं. इस हिसाब से देखा जाए, तो यह भारत के लिए किसी उपलब्धि से कम नहीं है, लेकिन यह काफी नहीं है. यहाँ कुपोषण एक बड़ी समस्या बनकर उभरी है. **न्यूट्रीशन मॉनीटरिंग ब्यूरो** के आँकड़ों के अनुसार 4-6 आयु वर्ग के 28·2 प्रतिशत बच्चों को 2002 में पर्याप्त कैलोरी व प्रोटीन उपलब्ध थी, जबकि 2006 में यह आँकड़ा 23·8 प्रतिशत पर सिमट गया. इसी तरह 7-9 आयु वर्ग के बच्चों में यह आँकड़ा 28·1 प्रतिशत से घटकर 24·4 प्रतिशत पर पहुँच गया, लड़कियों के मामलों में यह कमी सबसे ज्यादा दर्ज की गई है. भारत में प्रतिवर्ष 23 लाख लोग तपेदिक से प्रभावित होते हैं, जो विश्व के किसी भी अन्य देश से अधिक है. **द नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इण्डिया** के अनुसार इनमें से 10 लाख से अधिक लोग अल्पपोषण के शिकार होते हैं, यानि अगर पोषण सही हो, तो अधिकांश को तपेदिक की चपेट में आने से बचाया जा सकता है.

जनसंख्या वृद्धि एक भयंकर समस्या है, जिस पर नियन्त्रण आवश्यक है. इसे जनसंख्या लाभांश में बदलना होगा. इस हेतु शिक्षा व स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ाना होगा. खाद्यान्न उत्पादन को दोगुना करना होगा. युवाओं को अधिकतम रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने होंगे, अनुसंधान को प्रोत्साहित करना होगा. राजनैतिक दखलंदाजी के बजाय योग्यता का चुनाव करना होगा. प्रतिभा पलायन को रोकना होगा. इस हेतु 'रिवर्स ब्रेन ड्रेन' को कामयाब करना होगा, प्रवासी भारतीयों को पुनः भारत से जोड़कर भारत के विकास हेतु उनका पूर्ण सहयोग प्राप्त करना होगा. भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना होगा. भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने भारत को 2020 तक महाशक्ति बनाने का सपना देखा था, उनके इस स्वप्न को साकार करने हेतु हमें उनके द्वारा प्रस्तावित 'पूरा' मॉडल को अपनाना होगा. हर भारतीय को इस स्वप्न को वास्तविकता में परिवर्तित करने हेतु अपना पूर्ण योगदान देना होगा. महिला उत्पीड़न व हिंसा की रोकथाम हेतु प्रभावी प्रयास अपेक्षित है. मीडिया की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का संरक्षण तथा न्यायपालिका को मानव संसाधन उपलब्ध करवाकर अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता है.

इसके अलावा भारत को अपनी आन्तरिक चुनौतियों, जैसे साम्प्रदायिकता, जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद, नक्सलवाद आदि से प्रभावी रूप से निपटना होगा तथा बाह्य चुनौतियों, जैसे आतंकवाद, वैश्विक प्रतिस्पर्धा, जलवायु-परिवर्तन, शक्ति-सन्तुलन आदि में अपनी विदेश नीति को प्रभावी बनाना होगा. तत्कालीन अमरीकी राष्ट्रपति ओबामा ने कहा था कि **''भारत को बाहर रखकर विश्व समस्याओं का समाधान नहीं किया जा सकता.''**, जैसाकि अपनी पुस्तक 'ए जर्नी' में टॉनी ब्लेयर ने कहा है कि **''भारत के पास इतनी सामर्थ्य है कि वह महाशक्ति बन जाए.''**

इससे प्रतीत होता है कि महाशक्तियों ने भारत को उभरती विश्व शक्ति के रूप में स्वीकार कर लिया है. अतः अब वह समय आ गया है कि विश्व समुदाय में हम अपने आपको 'महाशक्ति' के रूप में प्रस्तुत करें. **आईबीएम इन्स्टीट्यूट फॉर बिजनेस वैल्यू की रिपोर्ट इण्डियन सेन्चुरी** के अनुसार– ''भारत एक तेजी से बदलने वाली अर्थ-व्यवस्था है. आने वाले वर्षों में भारत को सबसे अधिक उन्नति करने वाले देशों में शामिल किया जाएगा.''

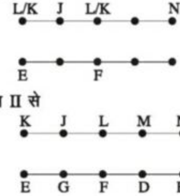
इक्कीसवीं सदी में सम्पूर्ण विश्व भारतीय संस्कृति को अपनाकर पीड़ित मानवता को सुख और शान्ति प्रदान करेगा. 21वीं सदी में भारत पूरे विश्व के लिए पथ-प्रदर्शन की भूमिका निभाएगा. इक्कीसवीं सदी का भारत वैश्विक सिरमौर के रूप में तभी स्थापित हो सकता है, जब राजनीतिक आधुनिकीकरण व विकास को गतिमान रखते हुए भविष्य की पीढ़ियों के लिए समावेशी एवं सतत् विकास को निरन्तर प्रवाहमान करें. राष्ट्र-निर्माण व राष्ट्रीय एकीकरण की भावना को सुदृढ़ किया जाए. इसके लिए आवश्यक है कि **सर्वधर्म समभाव** व राष्ट्र की अखण्डता के लिए प्रत्येक इकाई प्रयास करे.

'' भारत को स्वर्ग हमें बनाना है।
सम्मान और अधिकार मिले सबको
संविधान में दिए हकों से परिचय हमें कराना है।
भारत को सिरमौर बनाने आज क्रान्ति का बिगुल हमें बजाना है.''



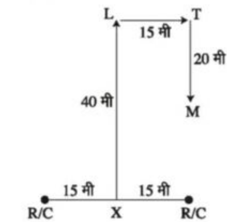
शेष पृष्ठ 177 का

(II)



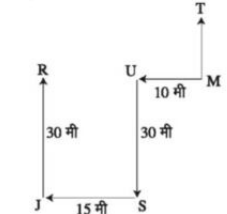
39. (A) (I)
E/C > E/C > B > F > A > D
27 22 15 13 9 4
A दूसरा छोटा तजुर्बेकार व्यक्ति है.

40. (B) (I)



R दक्षिण दिशा में है.

(II)



R, दक्षिण-पश्चिम दिशा में है.

41. (E) 42. (D) 43. (D) 44. (C)

45. (B) F A Z E D
↓ ↓ ↓ ↓ ↓
11 1 51 9 7
∴ **अभीष्ट योग** = 11 + 1 + 51 + 9 + 7
= 79



प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक–459 का परिणाम


प्रथम


द्वितीय


तृतीय

विषय : ''इक्कीसवीं शताब्दी में भारत.''

प्रथम डॉ. जगदीश प्रसाद
प्लॉट नं. 80, टैगोर नगर
करतारपुरा, जयपुर (राज.)
पिन–302 006

द्वितीय कु. करिश्मा शाह
प्रथम फ्लोर,
नेहरू विहार,
नई दिल्ली

तृतीय कैलाश वर्मा
79वीं बटालियन बीएसएफ,
भुज, कच्छ (गुजरात)
पिन–370015

अन्य प्रशंसनीय प्रयास

1. डॉ. भानु प्रताप सिंह
सी-53, औद्योगिक क्षेत्र
सेक्टर-62, नोएडा (उत्तर प्रदेश)
पिन–201305

2. डॉ. अजय पाल सिंह
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, अम्बिकापुर
सरगुजा (छत्तीसगढ़)
पिन–437001

3. रश्मि कुमारी
गाँव–राजौरा
बेगुसराय (बिहार)
पिन–851131

4. साधना श्रीवास्तव
किदवई नगर
इलाहाबाद (उ. प्र.)
पिन–211006

5. हरिश्चन्द्र महतो
गाँव–बेलपोस
पोस्ट–टुनिया
प. सिंहभूम (झारखण्ड)
पिन–833103

➡ उपर्युक्त प्रशंसित निबन्ध प्रतियोगियों में से प्रत्येक को उपकार प्रकाशन की ₹ 200 मूल्य तक की वांछित पुस्तक/पुस्तकें भेंटस्वरूप प्रदान की जाएंगी. **कृपया अपनी पसंद की पुस्तक अलग से प्रकाशक के नाम पत्र द्वारा सूचित करें.** यदि ₹ 200 से अधिक मूल्य की पुस्तक की माँग की गई, तो उसके मूल्य में से ₹ 200 पुरस्कारस्वरूप कम कर दिए जाएंगे.

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता क्रमांक–180 का सर्वशुद्ध हल एवं पुरस्कार विजेता

प्रतियोगिता के नियमानुसार प्रवेश प्रारूप-पत्र पर प्राप्त हलों के परीक्षण के उपरान्त निम्नलिखित प्रतियोगी पुरस्कार प्राप्त करने में सफल हुए हैं. **'प्रतियोगिता दर्पण'** उनकी सफलता पर शुभकामनाएं प्रेषित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है तथा उनकी खोजपूर्ण प्रवृत्ति के प्रति आभार व्यक्त करती है.

पुरस्कृत विजेता

प्रथम पुरस्कार आदर्श पाण्डेय
ग्राम–परसिया, पो.–गोविन्दगढ़
जिला–सतना (म. प्र.)
पिन–486 550

द्वितीय पुरस्कार अविनाश कुमार
कमरा नं. 59-60, ए.बी. एक्सटेंशन,
सुल्तानपुरी, उत्तर-पश्चिम दिल्ली
दिल्ली, पिन–110 086

तृतीय पुरस्कार गौरव कुमार यादव
C/o. विकास सक्सेना, गली नं. 7
रवीन्द्र नगर, बदायूँ रोड
बरेली (उ. प्र.) पिन–243 001

सर्वशुद्ध हल

1. (B)	2. (D)	3. (A)	4. (B)	5. (A)	6. (B)	7. (D)
8. (C)	9. (C)	10. (B)	11. (C)	12. (B)	13. (A)	14. (A)
15. (B)	16. (B)	17. (A)	18. (D)	19. (A)	20. (C)	21. (C)
22. (A)	23. (B)	24. (C)	25. (A)	26. (B)	27. (C)	28. (B)

I.D.B.I. Executive Officer (Pre.) Exam., 8-1-2016 Solved Paper

English Language

(Based on Memory)

Directions—(Q. 1–10) Which of the phrases given against the sentence should replace the word/phrase given in **bold** in the sentence to make it grammatically correct ? If the sentence is correct as it is given and no correction is required, mark 'No correction required' as the answer.

1. Scientists have proposed deploying a giant magnetic wind around **Mars to protect it** atmosphere from solar wind.
(A) for protecting it
(B) to protect its
(C) to its protection
(D) for protection
(E) No correction required

2. There is **not end** to the patterns one can discover in numbers.
(A) are no end
(B) is no end
(C) is ends
(D) may not be end
(E) No correction required

3. Budget experts believe if the debt ceiling isn't raised by August or September, the government could **fall behind for** its obligations.
(A) fall behind on
(B) fall back on
(C) fall back through
(D) fall in
(E) No correction required

4. The digital economy is often thought of **as been more open** to new Ideas and competition.
(A) been opened more
(B) being open of
(C) more open being
(D) being more open
(E) No correction required

5. Between 25 per cent to 40 per cent children all over the world **inherit obese from parents**.
(A) obese inheritance from
(B) inherits obesity from
(C) inherit obesity from
(D) inheritance of obesity
(E) No correction required

6. China is developing a manned **submersible capable of reaching** the deepest known points in the world's oceans in search of precious metals.
(A) with a capacity to reached
(B) capable for reaching
(C) for reaching capability
(D) to be able to
(E) No correction required

7. Stock market rallies, led by foreign portfolio investments, are **often seen** as a blessing for any economy.
(A) seeing often
(B) often to be seeing
(C) often seen
(D) seen often to be
(E) No correction required

8. The fast food chain giant is changing its menu and store design to **bringing in** a younger and more health conscious clientele to its restaurants.
(A) for bring in
(B) to bring in
(C) from bringing
(D) to be brought
(E) No correction required

9. Bitcoins' **are been increasingly accepted** online for buying real-world growth and services.
(A) are being increasing
(B) being increasing in acceptance
(C) are increasing in acceptance
(D) are increasingly accepted
(E) No correction required

10. With every major wireless carrier now offering unlimited data plans, consumers **need not log** onto a wi-fi network to avoid costly overage charges anymore.
(A) needs to not login
(B) need not log
(C) need to log in
(D) needy to log
(E) No correction required

Directions—(Q. 11–20) Read this sentence to find out whether there is any grammatical (same as in question) error in it. The error, if any, will be in one part of the sentence. Mark the part with the error as your answer. If there is no error, mark 'No error' as your answer. Ignore the errors of punctuation, If any.

11. The ship was steering by (A) / so skilfully that (B) / it reached (C) / the harbour safely. (D) No error (E)

12. The service he (A) / had renders to (B) / the state cannot (C) / be overestimated. No error (E)

13. The report highlights the (A) / poor quality of air in (B) / India coupled (C) on appalled / mismanagement of (D) the environment. No error (E)

14. The annual rate of inflation (A) / based on wholesales (B) / prices raise (C) to 8·25 / per cent in February (D) 2017. No error (E)

15. The car manufacturing company (A) / announced that it would (B) / deployed 40 self-driving (C) / vehicles for tests this year. (D) No error (E)

16. A strong earthquake measuring (A) / 5·9 on the Richter Scale, (B) / hit the Andaman and Nicobar (C) / archipelago since Tuesday. (D) No error (E)

17. The cramped service lane / outside the College in/Satya Niketan is dotted with / cafes and restaurants. No error
(A) (B) (C) (D) (E)

18. The coach was so impressed / by Nitin's performance / in the state athletic level / that he get him an expensive watch. No error
(A) (B) (C) (D) (E)

19. She went over Ooty / to improve her deteriorating/health condition upon the / recommendation of a doctor. No error
(A) (B) (C) (D) (E)

20. Forecasts said the nation's capital / is due for five or 10 / inches of snow, the first / major snowfall in the year. No error
(A) (B) (C) (D)

Directions—(Q. 21–25) Rearrange the given sentences/group of sentences (a), (b), (c), (d) & (e) in a proper sequence so as to form a meaningful paragraph and then answer the given question.

(a) Apart from mitigating water shortage, rainwater harvesting also helps in reducing pollution caused by storm water in the sewer system, thus it prevents contamination of the freshwater bodies.

(b) This stored water can be used for irrigation, flushing toilets, washing clothes, washing cars, pressure washing.

(c) Rainwater harvesting systems provide distributed stormwater runoff containment while simultaneously storing water.

(d) Therefore, rainwater harvesting is being adopted in developing countries as a preventive measure.

(e) However, this stored water can be purified for use as everyday drinking water which is in short supply.

21. Which of the following should be the SECOND sentence after the rearrangement ?
(A) a (B) b
(C) c (D) d
(E) e

22. Which of the following should be the THIRD sentence after rearrangement ?
(A) a (B) b
(C) c (D) d
(E) e

23. Which of the following should be the FOURTH sentence after rearrangement ?
(A) a (B) b
(C) c (D) d
(E) e

24. Which of the following should be the FIRST sentence after rearrangement ?
(A) a (B) b
(C) c (D) d
(E) e

25. Which of the following should be the FIFTH (LAST) sentence after rearrangement ?
(A) a (B) b
(C) c (D) d
(E) e

Directions—(Q. 26–35) Read the following passage carefully and answer the questions given. Certain words/phrases have been given in **bold** to help you locate them while answering some of the question.

September 2010, Brazil's then-finance minister, gave warning that as International currency war' had broken out. His beef was that in locations the place it was difficult to drum up home spending, the authorities had instead sought to weaken their currencies to make their exports cheaper and imports **dearer**. The dollar had recently fallen, for instance, because the Federal Reserve (America's central bank) was expected to begin a second spherical of quantitative easing. The losers in this battle have been these rising markets, like Brazil, whose currencies had soared. Its currency was then trading at around 1·7 to the dollar.

These days no one in Brazil or in different emerging markets with devalued currencies is declaring a belated victory. A cheap currency has not proved to be a lot of a boon. Indeed new research from the Bank for International Settlements (BIS), a forum for central banks, finds that at times a rising currency can be a stimulant and a falling currency a depressant. The researchers looked out a sample of 44 economies, half of them emerging markets, to gauge the effects of changes in the exchange rate on exports and imports (the trade channel) and also on the price and availability of credit (the financial channel). They found a negative relationship between changes in GDP and currency shifts via the trade channel. In other words, net trade adds to economic growth when the currency weakens and **detracts** from growth when it strengthens, as the textbooks would have it. But they also found an offsetting effect of currencies of financial conditions. For rich countries, the trade-channel effect is bigger than the financial-channel effect. But for 13 of the 22 emerging markets in the study, the financial effect dominates : a stronger exchange rate on balance speeds up the economy and a weaker one slows it down.

This attests to the growing influence of a "global financial cycle" that responds to **shifts** in investors' appetite for risk. Prices of risky assets, such as shares or emerging-market bonds, tend to move in **lockstep** with the weight of global capital flows from rich to poor countries. These flows in turn respond to changes in the monetary policy of rich country central banks, notably the Federal Reserve, which influences the **scale** of borrowing in dollars by governments and businesses outside America. Global financial conditions are thus responsive to attitudes to risk. When

the Fed lowers its interest rate, it not only makes it cheaper to borrow in dollars but also drives up asset prices worldwide, boosting the value of collateral and making it easier to raise capital in all its forms. A few days before the Finance Minister declared a currency war, Brazil's government was celebrating a bumper $ 67bn sale of shares in **Petrobras**, its state-backed oil company, for instance. The BIS researchers find the financial channel works mainly through investment, which relies more on foreign-currency borrowing than does consumer spending. Their results are sobering for emerging-market economies. They suggest that a cheap currency cannot be relied on to give a boost to a sagging economy. More worrying still, the exchange rate might not always act as a shock absorber; rather it may, through the financial channel, work to amplify booms and busts.

26. Which of the following can be said about Petrobras ?
    (a) It was a troubled private company.
    (b) The sale of its shares by the government was a cause for celebration.
    (c) It helped to bail Brazil out from economic recession.
    (A) Only (a)
    (B) Only (b)
    (C) Only (a) & (c)
    (D) None of (a), (b), & (c)
    (E) Only (c)

27. Which of the following is true in the context of the passage ?
    (A) Central banks are not doing a good job of regulation
    (B) South American countries are experiencing a severe recession
    (C) The Bank for International Settlements has made a mess of regulating the exchange rate
    (D) Exchange rate impacts both trade and financial channels
    (E) None of the given options is true in the context of the passage

28. What can be concluded from the study cited in the passage ?
    (a) Efforts to boost consumer spending through currency evaluation are not always successful.
    (b) Having a cheaper currency will always boost a foreign economy.
    (c) The impact of changes in the dollar value now have negligible impact on the emerging economies.
    (A) Only (a)
    (B) Only (b)
    (C) Only (a) & (c)
    (D) Only (c)
    (E) Only (a) and (b)

29. Which of the following is the OPPOSITE of the word DEARER as used in the passage ?
    (A) cherished (B) shoddy
    (C) mean (D) cheaper
    (E) miserly

30. Which of the following is/are the author's view(s) with regard to America ?
    (A) The dominance of its economic policies is high
    (B) It has benefited from putting a freeze on investment in all emerging economies
    (C) Its step of stepping hiring of foreign professionals is a good one
    (D) America has foolishly strengthened its currency since 2010 which has hurt its economy
    (E) All the given options

31. Which of the following is a suitable title for the passage ?
    (A) Developed Economies : A Meteoric Rise
    (B) Economic Co-operation : A Myth
    (C) Backing State-Owned Enterprises
    (D) Currency Devaluation : The Panacea for all Economic Life
    (E) Currency Manipulation : A Tricky Game

32. Which of the following is SAME in meaning as the word SCALE as used in the passage ?
    (A) balance (B) level
    (C) surmount (D) ascend
    (E) ruler

33. Which of the following was/were the cause(s) for the declaration of the phrase "International currency war" ?
    (a) Quantitative Easing by America's Central Bank
    (b) Collapse of state-owned banks in many emerging countries
    (c) Growing influence of global financial cycle
    (A) Only (a)
    (B) Only (b)
    (C) Only (a) & (c)
    (D) Only (b) & (c)
    (E) All (a), (b) & (c)

34. Which of the following is the OPPOSITE of the word DETRACTS as used in the passage ?
    (A) undermines
    (B) bolders
    (C) compliments
    (D) contracts
    (E) congratulates

35. Which of the following is the SAME in meaning as the word SHIFTS as used in the passage ?
    (A) changes (B) periods
    (C) lessons (D) slots
    (E) lightens

Directions—(Q. 36–40) The sentence has two blanks, each blank indicating that something has been omitted. Choose the set of words for the blanks which fits the meaning of the sentence as a whole.

36. A free market gives the …… to the people to choose and decide products and services should be …… to them.
    (A) belief, approach
    (B) hope, refused
    (C) power, offered
    (D) inability, submitted
    (E) potential, provides

37. Advertising leads to many people being …… by the endless need to decide between competing demands on their …… .
    (A) overpowering, approach
    (B) convenient, concentration
    (C) useless, conscious
    (D) overcome, observe
    (E) overwhelmed, attention

38. The ……… of paid maternity leave for women in the organised sector is a …… step.

(A) enhancement, progressive
(B) augmented, regressive
(C) advanced, disruptive
(D) upgradation, liberation
(E) diminished, forwarded

39. There are …… methods that can be adopted to avoid heat …… from roof to the living spaces.
(A) phenomenal, rising
(B) scientific, transfer
(C) proven, urged
(D) superficial, grow
(E) rigorous, change

40. The future world will be one in which machines can ……… at the four types of jobs at a fraction of the …… of human labour.
(A) accomplished, expense
(B) follow, value
(C) delegate, outlay
(D) perform, cost
(E) pursue, charge

Directions—(Q. 41–50) In the given passage, there are blanks, each of which has been numbered. Against each, five words are suggested, one of which fits the blanks appropriately. Find the appropriate word in each case.

Competition between currencies is the stuff libertarian dreams are made on—and central bankers' nightmares too. Already digital monies, in particular Bitcoin and Ethereum, are rivals. On October 28th a new crypto-currency will **…(41)…** the fray : Zcash. Many such "altcoins" are dubious affairs and don't add much. But this one brings important innovations. Zcash is based on Bitcoin's code, but its creators, a bunch of cryptography researchers, have **…(42)…** it. The new digital cash is minted more quickly and the system can **…(43)…** more trans-actions. This makes for more liquidity and shorter transaction times, says Zooko Wilcox, who **…(44)…** the project. The newcomer also **…(45)…** in the way it is governed. The incumbent started—and is still run—as an open-source project : a small group of volunteer developers decides which changes are to be made. Zcash's code is also open-source, but its inventors have formed a company and accepted money from investors. In addition, 10% of the 21 million coins to be issued are **…(46)…** for founders, investors, employees and a putative Zcash foundation. All this, says Mr. Wilcox, is to align incentives for all involved, allow the firm to hire a great team and enable quicker decisions, all **…(47)…** problems for Bitcoin.

Yet the biggest step forward is confidentiality. Bitcoin obscures the identity of currency owners, but the "blockchain", the ledger that keeps track of all the coins, is open and can be analysed to see the flows of funds. This is a serious **…(48)…** for banks : blockchains could reveal their trading strategies and information about their customers. Zcash, by contrast, **…(49)…** transactions from prying eyes with a scheme based on "zero-knowledge proofs" (hence the 'Z' in its name). These are cryptographic protocols proving that a statement (who owns coins, for instance) is true without revealing any other information (how many and where the money came from). This sounds **…(50)…**, but Zcash, the currency, may not be able to give incumbents much of a run for their money.

41. (A) join (B) be
(C) adhere (D) dispense
(E) leave

42. (A) prepared (B) tweaked
(C) tolerating (D) weave
(E) twist

43. (A) charge (B) planned
(C) handle (D) manages
(E) strategy

44. (A) pose (B) stands
(C) associates (D) leads
(E) guard

45. (A) separate (B) conflicts
(C) matter (D) differs
(E) contradictory

46. (A) attributed (B) distinguish
(C) dictated (D) hallmarks
(E) earmarked

47. (A) causes (B) explained
(C) device (D) pose
(E) scare

48. (A) harmer (B) limits
(C) support (D) obstruct
(E) brink

49. (A) safeguard (B) shields
(C) screening (D) hid
(E) defence

50. (A) auspicious (B) encouraged
(C) likely (D) promising
(E) hopefully

Answers with Hints

1. (B)	2. (B)	3. (A)	4. (D)	5. (C)
6. (E)	7. (E)	8. (B)	9. (D)	10. (E)

11. (A) Steering by steered
12. (B) renderes—rendered
13. (C) on-with
14. (C) raise-rose
15. (C) deployed—deploy
16. (D) since-on
17. (E)
18. (D) get—got
19. (A) over—to
20. (B) is—was

21. (B)	22. (E)	23. (A)	24. (C)	25. (D)
26. (B)	27. (D)	28. (A)	29. (D)	30. (A)
31. (E)	32. (B)	33. (C)	34. (C)	35. (A)
36. (C)	37. (E)	38. (A)	39. (B)	40. (D)
41. (A)	42. (B)	43. (C)	44. (D)	45. (D)
46. (E)	47. (D)	48. (C)	49. (B)	50. (D)

●●●

सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक महेन्द्र जैन द्वारा मैसर्स प्रतियोगिता दर्पण के लिए उन्हीं के द्वारा प्रतियोगिता दर्पण (प्रिंटिंग यूनिट) 5 एवं 6 बाई पास रोड, आगरा से मुद्रित एवं 2/11A, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-2 से मुद्रित

India's No. 1 Institute for LAW - Civil & Judicial Exams.



LAW

English & Hindi Medium

Our Toppers in the Past



Proud to announce our recent results ...



UTTAR PRADESH JUDICIAL SERVICES RESULTS 2016 *"We have once again hit the bull's eye" - Total 47 selections ; 6 out of top 10.*



JHARKHAND JUDICIAL SERVICES RESULTS 2014





The Admission for English Medium Judiciary Batches for August, Sept and October 2017 will take place online on the 12th of June 2017 at 10 a.m.

OBJECTIVE TEST SERIES & CORRESPONDENCE COURSE AVAILABLE (ENGLISH MED. ONLY).

B-13, 1st Floor, Commercial Complex, (Above HDFC Bank ATM) Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-9

Ph. : 011-27654216, 27655845, 9811195920 **10AM to 6:30 PM**

E-mail : rahuls_ias@rediffmail.com rahulsiaslaw@gmail.com

Website : www.rahulsias.com

OFFICE OPEN FROM 10 AM TILL 6.30 PM (MON-SAT) SUNDAY CLOSED

Posting Date : 4, 5 & 6 Sept., 2017 (Agra-2)
Publishing Date : 4 Sept., 2017 Postal Regd. No. AGRA-47/2015-17
RNI No. 38696/79

प्रतियोगिता दर्पण
शिक्षित युवा वर्ग के स्वर्णिम भविष्य के लिये
अक्टूबर 2017 अंक के साथ
निःशुल्क





सिविल सेवा मुख्य परीक्षा 2017 हेतु

समसामयिक मुद्दे एवं आर्थिक समीक्षा खण्ड-2

2016-17

सिविल सेवा मुख्य परीक्षा 2017 हेतु

समसामयिक मुद्दे
एवं
आर्थिक समीक्षा खण्ड–2 : 2016-17

प्रिय पाठको,

भारतीय सिविल सेवा परीक्षा में चयनित होना अपने कैरियर को एक बेहतर आयाम देने को आतुर प्रत्येक युवा के लिए एक उत्कृष्ट उपलब्धि है. प्रतियोगिता दर्पण ऐसे संघर्षशील युवाओं को अपने इच्छित लक्ष्य तक पहुँचने में सहायता करने के लिए सतत प्रयत्नशील है. प्रस्तुत पूरक पुस्तिका भारतीय सिविल परीक्षा, 2017 की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार की गई है.

आप सभी की सफलता के लिए,

शुभकामनाओं सहित.

महेन्द्र जैन
(सम्पादक)

संघ/राज्य लोक सेवा आयोग मुख्य परीक्षा हेतु विशेष अध्ययन सामग्री

सामान्य अध्ययन-I

भारतीय विरासत और संस्कृति

भारतीय संस्कृति में स्वास्तिक का महत्व
(Importance of 'Swastika' in Indian Culture)

स्वास्तिक शब्द को 'सु' और 'अस्ति' का मिश्रण योग माना जाता है. यहाँ 'सु' का अर्थ है शुभ और 'अस्ति' से तात्पर्य है होना. अर्थात् स्वास्तिक का मौलिक अर्थ है 'शुभ हो', 'कल्याण हो'.

स्वास्तिक का अस्तित्व सिन्धु घाटी सभ्यता से भी पहले का माना जाता है. इसका प्रयोग अन्य धर्मों में भी किया जाता है. सिन्धु घाटी सभ्यता की खुदाई में ऐसे चिह्न व अवशेष प्राप्त हुए हैं, 11,000 सालों से स्वास्तिक मानव सभ्यता में मौजूद है. वेदों में भी इसका उल्लेख मिलता है. ऋग्वेद की ऋचा में स्वास्तिक को सूर्य का प्रतीक माना गया है और उसकी चार भुजाओं को चार दिशाओं की उपमा दी गई है. सिद्धान्त सार ग्रन्थ में इसे विश्व ब्रह्माण्ड का प्रतीक चित्र माना गया है. इसके मध्य भाग को विष्णु की कमल नाभि और रेखाओं को ब्रह्माजी के चार मुख, चार हाथ और चार वेदों के रूप में निरूपित किया गया है. अन्य ग्रन्थों में चार युग, चार वर्ण, चार आश्रम एवं धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष के चार प्रतिफल प्राप्त करने वाली सामाजिक व्यवस्था एवं वैयक्तिक आस्था को जीवन्त रखने वाले संकेतों को स्वास्तिक में ओत-प्रोत माना गया है.

हिन्दू धर्म के अलावा स्वास्तिक का और भी कई धर्मों में उल्लेख है. बौद्ध धर्म में स्वास्तिक को अच्छे भाग्य का प्रतीक माना गया है. यह भगवान बुद्ध के पग चिह्नों को दर्शाता है, इसलिए इसे इतना अधिक पवित्र माना जाता है. यही नहीं, स्वास्तिक भगवान् बुद्ध के हृदय, हथेली और पैरों में भी अंकित है. जैन धर्म में यह सातवें जिन का प्रतीक है, जिसे सब तीर्थंकर सुपार्श्वनाथ के नाम से भी जानते हैं. श्वेताम्बर जैनी स्वास्तिक को अष्ट मंगल का मुख्य प्रतीक मानते हैं.

श्रमण परम्परा
(Shraman Tradition)

वैदिक परम्परा के बाहर के कुछ दार्शनिक इस प्रश्न कि 'सत्य एक है अथवा अनेक' का उत्तर ढूँढ़ने के लिए प्रयत्नशील थे. अनेक विचारक, जिन्हें श्रमण कहा जाता था, स्थान-स्थान पर घूमकर अपनी विचारधाराओं के विषय में अन्य लोगों से तर्क-वितर्क करते थे. श्रमण परम्परा यज्ञ-हवन की विरोधी थी और योग साधना एवं तपाचरण पर ही बल देती थी.

भारत का इतिहास श्रमण संस्कृति एवं ब्राह्मण संस्कृति के मध्य संघर्ष का इतिहास है और यह संघर्ष वर्तमान में भी जारी है. श्रमण का अर्थ परिश्रम करना है. यह इस मान्यता को प्रकट करता है, कि कोई अन्य हमारा भाग्य विधाता नहीं है. व्यक्ति अपना विकास अपने परिश्रम से स्वयं कर सकता है. व्यक्ति ही अपने सुख और दु:ख का कर्ता है. समन का अर्थ है समता भाव. सभी को आत्मवत् समझना. सबके साथ आत्मवत् आचरण करना. समाज के प्रत्येक सदस्य को समान मानना. जाति और वर्ण व्यवस्था में विश्वास न करना. वैदिक या ब्राह्मण के भी तीन लक्षण हैं—यज्ञ करना, कर्ता रूप में ईश्वर की मान्यता और यह मानना कि सब कुछ ईश्वर के अधीन है, नियति या भाग्यवाद में विश्वास करना. जैन और बौद्ध परम्परा के संन्यासियों को श्रमण कहा जाता था.

संक्षेप में, श्रमण वह है, जो श्रम द्वारा मोक्ष प्राप्ति को मानता है और जिसके लिए व्यक्ति के जीवन में ईश्वर की नहीं श्रम की अवावश्यकता है. श्रमण परम्परा तथा सम्प्रदायों का उल्लेख प्राचीन बौद्ध तथा जैन धर्म ग्रन्थों में मिलता है तथा ब्राह्मण परम्परा का उल्लेख वेद, उपनिषद् और स्मृतियों में मिलता है.

नाथ सम्प्रदाय/कनफटा योगी/गोरखनाथी
(Nath Sect/Kanphata Yogi/Gorakhnathi)

गोरखनाथ द्वारा प्रवर्तित बारहपंथी मार्ग नाथ सम्प्रदाय के नाम से प्रसिद्ध हुआ. नाथपंथियों का मुख्य सम्प्रदाय गोरखनाथी योगियों का है. इस सम्प्रदाय के साधक अपने नाम के आगे नाथ शब्द जोड़ते हैं. कान छिदवाने के कारण उन्हें कनफटा, दर्शन कुण्डल धारण करने के कारण दरशनी और गोरखनाथ के अनुयायी होने के कारण गोरखनाथी भी कहा जाता है. नाथ सम्प्रदाय की स्थापना आदिनाथ भगवान शिव द्वारा मानी जाती है. भगवान् दत्तात्रेय को आदिगुरु कहा जाता है. आदिनाथ शिव से मत्स्येन्द्र नाथ ने ज्ञान प्राप्त किया. मत्स्येन्द्र नाथ के शिष्य गोरखनाथ हुए. गोरखनाथ द्वारा प्रवर्तित बारहपंथी मार्ग नाथ सम्प्रदाय के नाम से प्रसिद्ध हुआ.

नाथ सम्प्रदाय ने हमेशा ब्राह्मणवाद, अतिभोगवाद के कारण आई सामाजिक विकृतियों के खिलाफ समाज को जागरूक किया. शायद यही कारण है कि ऊँच-नीच, भेदभाव और आडम्बरों के पुरजोर विरोध के कारण बड़ी संख्या में हिन्दू और मुसलमान दोनों धर्मों के लोग नाथ सम्प्रदाय के अनुयायी बने. नाथ सम्प्रदाय के मठ और मन्दिर देश के कई राज्यों में ही नहीं बल्कि पाकिस्तान, नेपाल व अफगानिस्तान आदि देशों में भी हैं. गोरखपुर का मठ सबसे बड़ा है.

भित्ति-चित्रकला
(Mural Painting)

भारतीय चित्रकला के उज्ज्वल इतिहास की शुरूआत भित्ति चित्रों से ही आरम्भ होती है. भित्ति चित्रकला (Mural Painting) सबसे पुरानी चित्रकला है. प्रागैतिहासिक युग में पहले मिट्टी के बर्तन बनाए जाते थे, लेकिन कुछ समय बाद लोगों ने मिट्टी का प्रयोग दीवारों पर चित्र बनाने के लिए करना प्रारम्भ कर दिया. आदि मानव ने सर्वप्रथम अपनी अभिव्यक्ति के लिए जिन साधनों अथवा फलकों को चुना वह गुफाओं की भित्तियाँ थीं, जिन पर उसने गेरु अथवा कोयले के द्वारा कला को निरुपित किया. भारत में इस प्रकार के चित्र मिर्जापुर, मानिकपुर, सिघनपुर, होशंगाबाद, रायगढ़ क्षेत्र, पंचमढ़ी, भोपाल, रायसेन, ग्वालियर आदि विविध क्षेत्रों में स्थित गुफाओं की भित्तियों पर देखे जा सकते हैं. इन चित्रों का निर्माण मुख्यत: खनिज रंगों यथा—गेरु (Ochre), रामरज, हिरौजी, कोयला आदि के माध्यम से सम्पन्न हुआ है. ये चित्रकलाएं वन्य जीवों, युद्ध के जुलूसों और शिकार के दृश्यों के आदिम अभिलेख

के रूप में हैं. इन चित्रों में पर्याप्त सृजनात्मक अभिव्यक्ति, मौलिक उद्भावना, अन्तः सौन्दर्य बोध, रचना कौशल और निजी वैशिष्ट्य उपलब्ध है, जो उनके निश्चित गौरव के प्रमाण हैं. भारत की इस समृद्ध भित्ति चित्रकला परम्परा का रूप, जोगीमारा, अजन्ता, बाघ, वादामी, सित्तनवासल, एलोरा, एलीफेण्टा, कार्ले, भाजा व पीतलखोरा की गुफाओं में उपलब्ध है. इन गुफाओं में चित्रण का कार्य मौर्य, शुंग, कुषाण गुप्त आदि अनेक राजवंशों के राज्य काल (200 ई. पूर्व से 700 ई. तक) में सम्पन्न हुआ.

हिन्द-इस्लामी वास्तुकला

(Indo-Islamic Architecture)

हिन्द-इस्लामी वास्तुकला का प्रारम्भ 12वीं शताब्दी के अन्त में भारत पर घुरिद (Ghuride) कब्जे से हुआ. मुसलमानों को सासानी और बिजेन्टाइन साम्राज्यों से विभिन्न योजनाओं का खजाना विरासत में मिला. स्वाभाविक रूप से इमारतों के बारे में सुरुचिपूर्ण होने के कारण उन्होंने जिस भी देश पर कब्जा किया, वहाँ की स्थानीय वास्तुकला को अपने अनुकूल ढालने में सदा सफल रहे.

दोनों प्रकार की वास्तुकला में जो सबसे महत्वपूर्ण तत्व थे, विशेषकर मस्जिदों और मन्दिरों के सन्दर्भ में, वह थे दोनों शैलियों में अलंकरण का अत्यधिक महत्व और कई बार स्तम्भावलियों (Pillars) से घिरा खुला प्रांगण लेकिन दोनों के बीच का अन्तर भी उतना ही स्पष्ट था—मस्जिद का इबादत गृह विस्तृत था जबकि मन्दिर का पूजा स्थल अपेक्षाकृत छोटा था. मस्जिद प्रकाशय और खुली थी, जबकि मन्दिर अन्धकारपूर्ण और बन्द था. मन्दिर और मस्जिद की रूपरेखा में अन्तर का पूजा-अर्चना में हिन्दू और मुस्लिम तौर-तरीके के बीच अन्तर के माध्यम से समझा जा सकता है. एक साधारण हिन्दू मन्दिर के लिए देवता की प्रतिमा को स्थापित करने का कक्ष, गर्भ गृह और उपासकों के लिए अक्सर सामने की ओर विशाल कक्ष बहुत थे लेकिन इस्लाम में इबादत के तरीके में एक साथ नमाज के लिए एक विशाल कक्ष हो जिसका पश्चिमी छोर मक्का की ओर मुँह करता हो, अर्थात् पश्चिमी भारत की ओर. नमाज कक्ष के पीछे की दीवार के मध्य में एक आला होता है जिसे मिम्बर कहते हैं, जो नमाज करने की दिशा (किबला—मुसलमानों के पवित्र स्थल काबा की दिशा) बताता है. इसके दाहिने ओर का मंच (मिम्बर) नमाजियों की अगुवाई करने वाले इमाम का होता है. शुरू में मुअज्जिन एक मीनार से अजान देते थे, जोकि बाद में स्थापत्य का केवल एक हिस्सा बन कर रह गई. नमाज कक्ष के एक गलियारे या हिस्से को उन महिलाओं के लिए अलग कर दिया जाता था, जो पर्दा करती थीं. मस्जिद का मुख्य प्रवेश द्वार पूर्व दिशा में होता है और इसके चारों ओर चलने के लिए ढके हुए स्थान (लिवान) बने होते हैं. मस्जिद के प्रांगण में प्रक्षालन के लिए अक्सर एक हौज का प्रावधान होता है. वास्तुकला की इस शैली में न केवल नई पद्धतियाँ और सिद्धान्त अपनाए गए बल्कि ये मुसलमानों की धार्मिक और सामाजिक आवश्यकताओं को भी प्रतिबिम्बित करती हैं.

कूडियाट्टम

(Koodiyattam)

प्राचीन संस्कृत नाटकों का पुरातन केरलीय नाट्य रूप कूडियाट्टम कहलाता है. दो हजार वर्ष पुराने कूडियाट्टम को यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन) ने 'वैश्विक पुरातन कला' (World Ancient Art) के रूप में स्वीकार किया है. यह मन्दिर-कला है, जिसे चाक्यार और नंपियार समुदाय के लोग प्रस्तुत करते हैं. साधारणतः कूत्तंपलम नामक मन्दिर से जुड़े नाट्यगृहों में इस कला का मंचन होता है. कूडियाट्टम प्रस्तुत करने के लिए दीर्घकालिक गहन प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है.

कूडियाट्टम शब्द का अर्थ है—'संघ नाट्य' अथवा अभिनय अथवा संघटित नाटक या अभिनय. कूडियाट्टम में अभिनय को प्राधान्य दिया जाता है. भारत के नाट्यशास्त्र में अभिनय की चार रीतियाँ बताई गई हैं—आंगिक, वाचिक, सात्विक और आहार्य. ये चारों रीतियाँ कूडियाट्टम में सम्मिलित रूप में जुड़ी हैं. कूडियाट्टम में हस्तमुद्राओं का प्रयोग करते हुए विशद् अभिनय किया जाता है. इसमें इलकियाट्टम, पकर्न्नाट्टम, इरुन्नाट्टम आदि विशेष अभिनय रीतियाँ भी अपनाई जाती हैं.

यह मनोरंजन के साथ-साथ उपदेशात्मक भी होता है. इसमें उपदेश देने वाले विदूषक की भूमिका सर्वप्रमुख होती है, जो सामाजिक बुराइयों की ओर इशारा करता है. इसे चाक्यार और नंपियार समुदाय के लोग प्रस्तुत करते हैं. चाक्यार के पहले 18 परिवार इसका मंचन करते थे, जो अब घटकर 6 परिवारों तक सीमित रह गए हैं और इनकी संख्या घटती जा रही है. अम्मनौर, कितान्नुर और पैनकुलम प्रसिद्ध चकियार परिवार हैं. राम चकियार, चाचू चकियार और मणि माधव चकियार अतीत के महान् कलाकार थे. अम्मनौर माधव चकियार, जी वेणु और उनकी बेटी कपिला इस कला के युवा पीढ़ी की धरोहर हैं.

गुप्तकालीन मूर्तिकला

(Gupta Sculpture)

गुप्तकाल के साथ-साथ भारत ने मूर्तिकला के उत्कृष्ट काल में प्रवेश किया था. शताब्दियों के प्रयास से कला की तकनीकों को सम्पूर्णता मिली. निश्चित शैलियों का विकास हुआ और सूक्ष्मता से सौन्दर्य के आदर्शों का सृजन हुआ. गुप्त काल में पूर्ववर्ती चरणों के कलात्मक व्यवसायों की सभी प्रवृत्तियाँ और रुझान भारतीय इतिहास के सर्वोच्च महत्व के एकीकृत प्रतिभा परम्परा की पराकाष्ठा में पहुँच गए थे. मानव आकृति को एक प्रतिमा के रूप में मानते हुए यह गुप्त मूर्तिकला की धुरी बन गई है. सौन्दर्य के एक नए मानदण्ड का विकास हुआ जिसके परिणामस्वरूप सौन्दर्य के एक नवीन आदर्श का आविर्भाव हुआ. इनकी अधिकांश मूर्तियाँ हिन्दू देवी-देवताओं से सम्बन्धित हैं. गुप्तकाल की मूर्तियों में कुषाणकालीन नग्नता एवं कामुकता का पूर्णतः लोप हो गया था. गुप्तकालीन मूर्तिकारों ने शारीरिक आकर्षण को छिपाने के लिए मूर्तियों में वस्त्रों के प्रयोग को उकेरना प्रारम्भ किया. गुप्तकालीन बुद्ध की मूर्तियों को सारनाथ की बैठे हुए बुद्ध की मूर्ति, मथुरा में खड़े हुए बुद्ध की मूर्ति एवं सुल्तानगंज की कांसे की बुद्ध मूर्ति उल्लेखनीय हैं. इन मूर्तियों में बुद्ध की शान्त-चिन्तन मुद्रा को दिखाने का प्रयत्न किया गया है. कूर्मवाहिनी यमुना तथा मकरवाहिनी गंगा की मूर्तियों का निर्माण भी इस काल में ही हुआ. भगवान् शिव के 'एकमुखी' एवं 'चतुर्मुखी' शिवलिंग का निर्माण सर्वप्रथम गुप्तकाल में ही हुआ था. शिव के 'अर्द्धनारीश्वर' रूप की रचना भी इसी समय की गई. विष्णु की प्रसिद्ध मूर्ति देवगढ़ के दशावतार मन्दिर में स्थापित है. वास्तुकला में गुप्त काल पिछड़ा था. वास्तुकला के नाम पर ईंट के कुछ मन्दिर मिले हैं, जिनमें कानपुर के भीतरगाँव का, गाजीपुर के भीतरी और झाँसी के ईंट के मन्दिर उल्लेखनीय हैं.

नागर शैली

(Nagara Style)

नागर शैली उत्तर भारतीय हिन्दू स्थापत्य कला की तीन प्रमुख शैलियों में से एक शैली है. वास्तुशास्त्र के अनुसार नागर शैली के मन्दिरों की पहचान आधार से लेकर सर्वोच्च अंश तक इसका चतुष्कोण (Quadrangular) होना है. एक सामान्य उत्तर भारतीय

मन्दिर शैली में मन्दिर एक वर्गाकार गर्भगृह, स्तम्भों वाला मण्डप तथा गर्भगृह के ऊपर एक रेखीय शिखर से संयोजित होता है. कभी-कभी वह पंचायतन प्रकार के होते हैं, जिसमें एक जगती (मन्दिर निर्माण के लिए ऊँचा चबूतरा) के ऊपर मध्य में मुख्य मन्दिर होता है और उसके चारों कोनों पर चार छोटे देवालय होते हैं. मन्दिर एक ऊँचे चबूतरे पर स्थापित होता है, जिस पर जाने के लिए कभी-कभी तीन ओर से तथा कभी एक ओर से सीढ़ियाँ बनी होती हैं.

गर्भगृह के ऊपर एक रेखीय शिखर होता है. यह प्रायः तीन उभारों से संयोजित होता है, जिसमें सबसे मध्य के उभार (प्रोजेक्शन) को भद्र रथ कहते हैं तथा सबसे किनारे वाले उभार को कर्न रथ कहा जाता है. भद्र रथ तथा कर्न रथ के मध्य के उभार को प्रति रथ की संज्ञा दी गई है. विकास के क्रम में धीरे-धीरे शिखर पर तीन, पाँच, सात तथा नौ उभारों को बनाया गया. शिखर का सबसे महत्वपूर्ण भाग सबसे ऊपर लगे फिनियल (गुम्बद का ऊपरी हिस्सा) के नीचे लगा आमलक (अम्लसारक) होता है, जो उत्तरी भारत के मन्दिरों की मुख्य पहचान है. इस शैली के मन्दिर मुख्यतः मध्य भारत में पाए जाते हैं, जैसे–कंदरिया महादेव मन्दिर (खजुराहो), लिंगराज मन्दिर–भुवनेश्वर (ओडिशा), जगन्नाथ मन्दिर–पुरी (ओडिशा), कोणार्क का सूर्य मन्दिर–कोणार्क (ओडिशा), मुक्तेश्वर मन्दिर (ओडिशा), खजुराहो के मन्दिर–मध्य प्रदेश, दिलवाड़ा के मन्दिर–आबू पर्वत (राजस्थान), सोमनाथ मन्दिर–सोमनाथ (गुजरात).

राष्ट्रीय सांस्कृतिक निधि

(National Cultural Fund)

राष्ट्रीय सांस्कृतिक निधि 29 मार्च, 1997 को गठित हुआ. इस निधि के गठन का मुख्य उद्देश्य सरकार, गैर सरकारी एजेंसियों, निजी संस्थाओं, व्यक्तियों से भारत की प्राकृतिक विरासत तथा समृद्ध संस्कृति के विकास, सुरक्षा, संरक्षण व उनकी बहाली के लिए धन जुटाना तथा सार्वजनिक-निजी साझेदारी (Public Private Partnership) को बढ़ावा देना है. राष्ट्रीय सांस्कृतिक निधि का प्रबन्धन तथा प्रशासन परिषद् तथा कार्यपालक समिति द्वारा संचालित किया जाता है. पर्यटन तथा सांस्कृतिक मन्त्रि परिषद् की अध्यक्षता करते हैं. परिषद् में अधिकतम 24 सदस्य अध्यक्ष तथा सदस्य सचिव समेत हो सकते हैं. इसमें कॉरपोरेट सेक्टर, निजी फाउंडेशन तथा लाभ के बिना कार्य करने वाले संगठन जैसे विभिन्न क्षेत्रों के 19 प्रतिष्ठित सदस्यों का प्रतिनिधित्व रहता है. उक्त निधि की भारतीय संसद तथा दानदाताओं के प्रति इसकी जबावदेही रहती है. परियोजना कार्यान्वयन समिति परियोजना का कार्य निष्पादन करती है. इसमें दानदाताओं, राष्ट्रीय सांस्कृतिक निधि, सिविल अधिकारी तथा जहाँ अपेक्षित हो भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का प्रतिनिधित्व रहता है. राष्ट्रीय सांस्कृतिक निधि खाते में परियोजना के लेखे शामिल किए जाते हैं, जिसकी लेखा परीक्षा भारत के नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा की जाती है. राष्ट्रीय सांस्कृतिक निधि के लिए दिया गया दान आयकर अधिनियम 80-जी(2) के अन्तर्गत 100 प्रतिशत में कर लाभ के लिए मान्य है.

रिहला

(Rihla)

रिहला का अर्थ होता है यात्रा. इब्न बतूता मोरक्को, अफ्रीका का एक यात्री था. इब्न बतूता (Ibn Battuta) भारत में 14 वर्षों तक रहा. उसने मुहम्मद शाह तुगलक के शासन में 10 वर्षों तक काजी का काम किया. सुल्तान ने उससे किसी बात पर नाराज होकर उसे निकाल दिया, परन्तु जल्दी ही सम्राट् को अपनी गलती का एहसास हुआ और उसने इब्न बतूता को चीन की यात्रा पर भेजने का निश्चय किया. इब्न बतूता चीन पहुँच नहीं सका, क्योंकि उसका जहाज रस्ते में ही टूट गया और वह भारत वापस आ गया. यहाँ से वह वापस अपने घर चला गया.

यहाँ उसने अपनी यात्राओं का रिहला शीर्षक के अन्तर्गत वर्णन लिखा. इब्न बतूता ने सुल्तान गयासुद्दीन तुगलक और सुल्तान मुहम्मद तुगलक के शासन के दौरान की घटनाओं, प्रशासन, मेलों और त्यौहारों, बाजारों, भोजन और भारतीय कपड़े, शहर के जीवन, अदालत, अर्थव्यवस्था, समाज, जलवायु आदि का वर्णन किया है.

उसने अपना यह कार्य अफ्रीका में रहते हुए पूरा किया था और उसे भारत के किसी भी शासक का कोई प्रलोभन और भय नहीं था, इसलिए उसके लेखन को भारतीय इतिहास के एक प्रामाणिक स्रोत-सामग्री के रूप में माना गया है.

सांस्कृतिक विरासतों के संरक्षण में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का महत्व

(Importance of Indian Archeological Survey in Conservation of National Heritage)

संस्कृति मन्त्रालय के अधीन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (भा.पु.स.) राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासतों के पुरातत्वीय अनुसन्धान तथा संरक्षण के लिए एक प्रमुख संगठन है. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का प्रमुख कार्य राष्ट्रीय महत्व के प्राचीन स्मारकों तथा पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों का रखरखाव करना है. इसके अतिरिक्त, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम 1958 के प्रावधानों के अनुसार यह देश में सभी पुरातत्वीय गतिविधियों को विनियमित करता है. यह पुरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम 1972 को भी विनियमित करता है.

राष्ट्रीय महत्व के प्राचीन स्मारकों तथा पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेषों के रखरखाव के लिए सम्पूर्ण देश को 24 मण्डलों में विभाजित किया गया है. संगठन के पास मण्डलों, संग्रहालयों, उत्खनन शाखाओं, प्रागैतिहासिक शाखा, पुरालेख शाखाओं, विज्ञान शाखा, उद्यान शाखा, भवन सर्वेक्षण परियोजना, मन्दिर सर्वेक्षण परियोजनाओं तथा अन्तरजातीय पुरातत्व स्कन्ध के माध्यम से पुरातत्वीय अनुसन्धान परियोजनाओं के संचालन के लिए बड़ी संख्या में प्रशिक्षित पुरातत्वविदों, संरक्षकों, पुरालेखविदों, वास्तुकारों तथा वैज्ञानिकों का कार्य दल है.

अवश्य देखें (मस्ट सी) पोर्टल

('Must See Portal')

भारत में पुरातात्विक स्थलों के रूप में एक असाधारण, विशाल और विविध सांस्कृतिक विरासत है. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, संस्कृति मन्त्रालय द्वारा भारतीय वास्तुकला और संस्कृति की विशिष्टता को बढ़ावा देने के लिए 'मस्ट सी' पोर्टल बनाया गया है. इस पोर्टल में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के संरक्षाधीन ऐसे लगभग 100 विरासत स्थलों को शामिल किया गया है जो चयन के निर्धारित मानदण्डों को पूरा करते हुए 'अवश्य देखें' (Must See) स्थलों के रूप में पहचाने गए हैं. इस पोर्टल पर देश की विरासत से सम्बन्धित स्थानों की फोटो, विवरण, वहाँ तक पहुँचने के मार्गों और होटलों के बारे में बताया गया है. इस पोर्टल के सृजन का उद्देश्य यूनेस्को की अन्तरिम सूची, एएसआई की टिकट एवं अन्य गैर टिकट महत्वपूर्ण स्मारक स्थलों के तहत् विश्व धरोहर सम्पत्तियों, स्थलों से निर्मित भारत के शानदार स्मारकों एवं स्थलों को रेखांकित करना है. स्थलों का चयन उनकी असाधारण

कलाकृति एवं स्थापत्य, योजना एवं रूपरेखा, असाधारण इंजीनियरिंग कौशलों के प्रदर्शन एवं अतीत में सभ्यता के अनूठे साक्ष्य बने रहने के आधार पर किया गया है. इस पोर्टल में प्रत्येक स्मारक स्थल के बारे में संक्षिप्त इतिहास और सम्पर्क तथा पहुँच, मौसम की स्थितियों, खुलने व बन्द होने का समय, स्थल पर उपलब्ध सुविधाएं, 360 डिग्री/मनोरम दृश्य (गूगल के सहयोग से) और उस क्षेत्र में मौजूद अन्य आकर्षक स्थलों के बारे में जानकारी जैसी सूचनाएं शामिल हैं. उम्मीद है कि बड़ी संख्या में भारतीय एवं विदेशी नागरिक इस पोर्टल की सुविधा का लाभ उठाएंगे एवं यह पोर्टल इन शानदार स्थलों की उनकी यात्रा में योगदान देगा.

लोक संस्कृति

(Folk Culture)

किसी क्षेत्र विशेष में निवास करने वाले लोगों के पारस्परिक धर्म, त्यौहार, पर्व, रीति, रिवाज, मान्यताओं, कला आदि को लोक संस्कृति का नाम दिया जाता है. लोक संस्कृति किसी क्षेत्र विशेष को अन्य क्षेत्रों से स्वतन्त्र पहचान प्रदान करती है. लोक संस्कृति का तात्पर्य किसी संस्कृति के स्थानीय जन-जीवन से है. यह प्रायः मौखिक रूप में एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को प्रदान की जाती है, जिसमें उस स्थान की भाषा, परिस्थितिकी, कृषि की स्थिति उस समुदाय से सम्बद्ध होती है और इसमें 'नवीन' पर 'पुराने तौर तरीकों' की प्रधानता प्रस्तुत की जाती है. लोक संस्कृति प्रायः किसी स्थान को जोड़कर देखी जाती है, जिसका अर्थ यह है कि यदि इसके तत्वों को उस स्थान से हटाकर किसी विदेशी स्थान पर स्थापित किया जाए फिर भी इस संस्कृति के तत्व अपने मौलिक स्थान से ही जुड़े रहते दिखेंगे. लोक संस्कृति में वेद, उपनिषद्, रामायण, महाभारत और अन्य प्रमुख परम्पराओं से प्रचुर सांस्कृतिक तत्वों को ग्रहण किया है. क्षेत्रीय विविधताओं ने लोक परम्परा को और समृद्ध बनाया है. लोक संस्कृति अपने क्षेत्र के समुदाय के लिए शिक्षा का स्रोत भी होती है. लोक संस्कृति विविध रूपों, जैसे–लोक-कथाओं, नीति कथाओं, कहावतों, लोक गाथाओं, गीतों और विभिन्न क्षेत्रों से सम्बन्धित ज्ञान आदि मौखिक परम्परा रूप में विद्यमान रहती है. ये प्राचीन काल से ही इस रूप में विद्यमान है जो भारतीय समाज की आन्तरिक संरचना और उद्देश्यों को उजागर करते हैं. कुछ प्रमुख लोक परम्पराएं जो विशेष अवसरों जैसे शिशु के जन्म, विवाह, फसल कटाई, त्यौहार, अन्त्येष्टि तथा अन्य धर्म-विधियों पर की जाती है इनके कुछ तत्व सम्पूर्ण भारत में समान रूप में पाए जाते हैं.

भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत

सांस्कृतिक विरासत सिर्फ स्मारकों या कला वस्तुओं के संग्रहण तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें ऐसी परम्पराएं तथा प्रभावी अभिव्यक्तियाँ (Living Expressions) भी शामिल हैं, जिन्हें हम अपने पूर्वजों से प्राप्त कर अगली पीढ़ी को सौंप देते हैं, जैसे मौखिक रूप से चल रही परम्पराएं, प्रदर्शन कलाएं (Performing Arts), धार्मिक एवं सामाजिक उत्सव, परम्परागत शिल्प कलाएं आदि. स्पष्ट हैं कि अमूर्त विरासत के अन्तर्गत ऐसी परम्पराएं सम्मिलित हैं, जिन्हें देखा नहीं जा सकता और जिन्हें हम अपने पूर्वजों से प्राप्त करते हैं, जबकि मूर्त विरासत के अन्तर्गत साक्षात् व देखी जा सकने वाली कला वस्तुएं शामिल होती हैं, जैसे–स्थापत्य कला, मूर्ति कला, चित्र कला आदि. वैश्वीकरण के इस दौर में 'अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' (Intangible Cultural Heritage) सांस्कृतिक विविधता को कायम रखने का एक महत्वपूर्ण साधन है. अमूर्त सांस्कृतिक विरासत में केवल पूर्वजों से प्राप्त परम्पराएं ही शामिल नहीं होती, बल्कि इसमें ऐसी समकालीन ग्रामीण एवं शहरी परम्पराएं भी शामिल हैं, जिनमें विविध सांस्कृतिक समूह प्रतिभाग करते हैं.

संकीर्तन

यूनेस्को ने हाल ही में संकीर्तन–धार्मिक गायन, वादन और नृत्य–को अपनी अमूर्त मानवीय सांस्कृतिक विरासत की सूची में वर्ष 2013 के लिए शामिल किया है. संकीर्तन मणिपुर का ऐसा गायन, ढोल वादन और नृत्य का धार्मिक अनुष्ठान है जिसमें धार्मिकता के साथ कला पक्ष निहित है और जो धार्मिक अवसरों पर प्रस्तुत किया जाता है तथा जिसमें मणिपुर के मैदानों में रहने वाले वैष्णव लोगों के जीवन के विभिन्न चरण दिखाए जाते हैं. संकीर्तन अधिकांशतः मन्दिर में प्रस्तुत किया जाता है जहाँ इसके कलाकार भगवान कृष्ण के कार्यों और जीवन चरित्र को गीतों और नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत करते हैं.

यह मणिपुर के वैष्णव समुदायों के बीच सामाजिक एवं आध्यात्मिक अन्तरधारा को सुदृढ़ बनाता है. संकीर्तन का अर्थ है आध्यात्मिक ब्रह्माण्ड जिससे सौंदर्यशास्त्र के साधनों की रचना में सहायता मिलती है और जिससे मणिपुर का वैष्णव समुदाय अपने आपकी पहचान करता और सन्तुष्टि प्राप्त करता है. यह कला का एक जीवन्त रूप है जिसका लोगों के साथ अनोखा जैविक सम्बन्ध है जो समुदाय के अन्दर ही नहीं बल्कि बाहर तक फैला हुआ है.

भारतीय संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण

भारतीय संस्कृति में पर्यावरण के संरक्षण को बहुत महत्व दिया गया है. यहाँ मानव जीवन को हमेशा मूर्त या अमूर्त रूप में पृथ्वी, जल, वायु, आकाश, सूर्य, चन्द, नदी, वृक्ष एवं पशु-पक्षी आदि के साह्चर्य में ही देखा गया है. भारतीय चिन्तन में पर्यावरण संरक्षण की अवधारणा उतनी ही प्राचीन है, जितना यहाँ मानव जाति का ज्ञात इतिहास है. भारतीय संस्कृति का अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि यहाँ पर्यावरण संरक्षण का भाव अति पुरातनकाल में भी मौजूद था, परन्तु उसका स्वरूप भिन्न था. उस काल में कोई राष्ट्रीय वन नीति या पर्यावरण पर काम करने वाली संस्थाएं नहीं थीं. पर्यावरण का संरक्षण हमारे नियमित क्रियाकलापों से ही जुड़ा हुआ था. इसी वजह से वेदों से लेकर कालिदास, दाण्डी, पन्त, प्रसाद आदि तक सभी के काव्यों में इसका व्यापक वर्णन किया गया है. भारतीय दर्शन यह मानता है कि इस देह की रचना पर्यावरण के महत्वपूर्ण घटकों–पृथ्वी, जल, तेज, वायु और आकाश से ही हुई है.

समुद्र मंथन से वृक्ष जाति के प्रतिनिधि के रूप में कल्पवृक्ष का निकलना, देवताओं द्वारा उसे अपने संरक्षण में लेना, इसी तरह कामधेनु और ऐरावत हाथी का संरक्षण इसके उदाहरण हैं. कृष्ण की गोवर्धन पर्वत की पूजा की शुरूआत का लौकिक पक्ष यही है कि जन सामान्य मिट्टी, पर्वत, वृक्ष एवं वनस्पति का आदर करना सीखें. श्रीकृष्ण ने स्वयं को ऋतु स्वरूप, वृक्ष स्वरूप, नदी स्वरूप एवं पर्वत स्वरूप कहकर इनके महत्व को रेखांकित किया है.

जिस प्रकार राष्ट्रीय वन-नीति के अनुसार सन्तुलन बनाए रखने हेतु पृथ्वी का 33 प्रतिशत भू-भाग वनाच्छादित होना चाहिए, ठीक इसी प्रकार प्राचीन काल में जीवन का एक तिहाई भाग प्राकृतिक संरक्षण के लिए समर्पित था, जिससे कि मानव प्रकृति को भली-भाँति समझकर उसका समुचित उपयोग कर सके और प्रकृति का सन्तुलन बना रहे. उपनिषदों में लिखा है–हे अश्वरूप धारी परमात्मा ! बालू तुम्हारे उदरस्थ अर्धजीर्ण भोजन है, नदियाँ तुम्हारी नाड़ियाँ हैं, पर्वत-पहाड़ तुम्हारे हृदयखण्ड हैं, समग्र वनस्पतियाँ, वृक्ष एवं औषधियाँ तुम्हारे रोम सदृश हैं. ये सभी हमारे लिए शिव बनें. हम नदी, वृक्षादि को तुम्हारे अंग स्वरूप समझकर इनका सम्मान और संरक्षण करते हैं.

सामान्य अध्ययन-II

गवर्नेंस, संविधान, राजनीति, सामाजिक न्याय और अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

टेली-लॉ प्रणाली
(Tele-Law System)

अलग-थलग पड़े समुदायों और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को कानूनी सहायता आसानी से उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार ने 'टेली-लॉ' प्रणाली का शुभारम्भ किया है. यह कार्यक्रम विधि और न्याय मन्त्रालय तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मन्त्रालय संयुक्त रूप से संचालित करेंगे. इसके लिए डिजिटल इण्डिया कार्यक्रम के अन्तर्गत इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा देशभर में पंचायत स्तर पर संचालित किए जा रहे सामान्य सेवा केन्द्रों (सीएससी) का इस्तेमाल किया जाएगा. प्रथम चरण के दौरान 'टेली-लॉ' कार्यक्रम प्रयोग के तौर पर उत्तर प्रदेश और बिहार में 500 सामान्य सेवा केन्द्रों में चलाया जाएगा ताकि इस दिशा में आने वाली चुनौतियों को समझा जा सके और चरणबद्ध ढंग से देशभर में इस कार्यक्रम को लागू करने से पहले आवश्यक सुधार किए जा सकें.

कार्यक्रम के अन्तर्गत 'टेली-लॉ' नाम का एक पोर्टल शुरू किया जाएगा, जो समूचे कॉमन सर्विस सेंटर नेटवर्क (Common Service Centre Network) पर उपलब्ध होगा. यह पोर्टल प्रौद्योगिकी सक्षम प्लेटफार्मों की सहायता से नागरिकों को कानून सेवा प्रदाताओं के साथ जोड़ेगा. 'टेली-लॉ' के जरिए लोग वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए सामान्य सेवा केंद्रों पर वकीलों से कानूनी सहायता प्राप्त कर सकेंगे. इसके अतिरिक्त लॉ स्कूल क्लिनिकों, जिला विधि सेवा प्राधिकारियों, स्वयंसेवी सेवा प्रदाताओं और कानूनी सहायता एवं अधिकारिता के क्षेत्र में काम कर रहे गैर-सरकारी संगठनों को भी कॉमन सर्विस सेण्टरों के साथ जोड़ा जाएगा. राष्ट्रीय विधि सेवा प्राधिकरण (नाल्सा) राज्यों की राजधानियों से वकीलों का एक दल उपलब्ध कराएगा, जो आवेदकों को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कानूनी सलाह और परामर्श प्रदान करेंगे.

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रत्येक सामान्य सेवा केन्द्र एक पैरा-लीगल वालंटियर (पीएलवी) की नियुक्ति करेगा, जो ग्रामीण नागरिकों के लिए सम्पर्क का पहला बिन्दु होगा और कानूनी मुद्दे समझने में उनकी सहायता करेगा. यह कार्यक्रम झारखण्ड और राजस्थान में कमजोर वर्गों (Weaker Sections) की पहुँच न्याय तक कायम करने के लिए न्याय विभाग और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) द्वारा चलाए जा रहे एक्सेस टू जस्टिस प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में तैयार किया गया है.

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा)
(National Legal Service Authority)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 39ए में सभी के लिए न्याय सुनिश्चित किया गया है और गरीबों तथा समाज के कमजोर वर्गों के लिए निःशुल्क कानून सहायता की व्यवस्था की गई है. संविधान के अनुच्छेद 14 और 22(1) के तहत् राज्य का यह उत्तरदायित्व है कि वह सबके लिए समान अवसर सुनिश्चित करे. समानता के आधार पर समाज के कमजोर वर्गों को सक्षम विधि सेवाएं प्रदान करने के लिए एक तन्त्र की स्थापना करने के लिए वर्ष 1987 में विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम पारित किया गया. इसी के तहत् राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) का गठन किया गया. इसका काम कानूनी सहायता कार्यक्रम लागू करना और उसका मूल्यांकन एवं निगरानी करना है. साथ ही, इस अधिनियम के अन्तर्गत कानूनी सेवाएं उपलब्ध कराना भी इसका काम है.

प्रत्येक राज्य में एक राज्य कानूनी सहायता प्राधिकरण, प्रत्येक उच्च न्यायालय में एक उच्च न्यायालय कानूनी सेवा समिति गठित की गई है. जिला कानूनी सहायता प्राधिकरण और तालुका कानूनी सेवा समितियाँ जिला और तालुका स्तर पर बनाई गई हैं. इनका काम नालसा की नीतियों और निर्देशों को कार्य रूप देना और लोगों को निःशुल्क कानूनी सेवा प्रदान करना और लोक अदालतें चलाना है. राज्य कानूनी सहायता प्राधिकरणों की अध्यक्षता सम्बन्धित जिले के मुख्य न्यायाधीश और तालुका कानूनी सेवा समितियों की अध्यक्षता तालुका स्तर के न्यायिक अधिकारी करते हैं.

नालसा देश भर में कानूनी सहायता कार्यक्रम और स्कीमें लागू करने के लिए राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण पर दिशानिर्देश जारी करता है.

मुख्य रूप से राज्य कानूनी सहायता प्राधिकरण, जिला कानूनी सहायता प्राधिकरण, तालुक कानूनी सहायता समितियों आदि को निम्नलिखित कार्य नियमित आधार पर करते रहने की जिम्मेदारी सौंपी गई है–

- सुपात्र लोगों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करना.
- विवादों को सौहार्द्रपूर्ण ढंग से निपटाने के लिए लोक अदालतों का संचालन करना.

'साथ' कार्यक्रम (सस्टेनेबल एक्शन फॉर ट्रांसफार्मिंग ह्यूमन कैपिटल)
(SATH PROGRAM–Sustainable Action for Transforming Human Capital)

नीति आयोग ने सहकारी संघवाद (Cooperative Federalism) की कार्यसूची पर अमल के लिए 'साथ' यानी 'सस्टेनेबल एक्शन फॉर ट्रांसफार्मिंग ह्यूमन कैपिटल' अर्थात् मानव पूँजी के रूपान्तरण के लिए साथ (SATH) नामक कार्यक्रम का शुभारम्भ किया है. इस कार्यक्रम का लक्ष्य शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों का कायाकल्प करना है. यह कार्यक्रम विभिन्न राज्यों द्वारा नीति आयोग से अपेक्षित तकनीकी सहायता की आवश्यकता पूरी करेगा. 'साथ' का लक्ष्य स्वास्थ्य प्रणालियों के लिए राज्यों के तीन भावी 'रोल मॉडलों' का चयन करना और उनका निर्माण करना है. नीति आयोग अन्तिम लक्ष्यों को हासिल करने के लिए राज्यों की मशीनरी के साथ सहयोग करते हुए हस्तक्षेप का सुदृढ़ रोडमैप तैयार करेगा, कार्यक्रम कार्यान्वयन का ढाँचा विकसित करेगा और निगरानी एवं अन्वेषण व्यवस्था कायम करेगा. इसके अन्तर्गत संस्थागत उपायों के जरिए राज्यों की विभिन्न प्रकार की सहायता की जाएगी.

ई-विन परियोजना
(e-Vin Project)

ई-विन (Electronic Vaccine Intelligence Network–e-VIN) भारत की स्वदेश में विकसित तकनीक प्रणाली है जो टीका भण्डारों का डिजिटलीकरण करती है और स्मार्टफोन के माध्यम से कोल्ड चेन (Cold Chain) की निगरानी करती है. भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा अपने 'सार्वभौम टीकाकरण कार्यक्रम' (Universal Immunisation Programme–UIP) के तहत् 12 राज्यों में ई-विन परियोजना का कार्यान्वयन किया जा रहा है. अक्टूबर 2015 में प्रारम्भ हुई यह परियोजना असम, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, मणिपुर, नगालैण्ड, ओडिशा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के 371 जिलों में लागू की गई है. ई-विन परियोजना का लक्ष्य उपर्युक्त राज्यों में टीका भण्डार एवं वितरण और सभी

'कोल्ड चेन प्वॉइंट्स' (Cold Chain Points) में भण्डारण तापमान पर वास्तविक समय जानकारी प्रदान कर 'सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम' की सहायता करना है. साथ ही भारत में नए प्रतिजनों (Antigens) के लिए टीका वितरण, खरीद और योजना में संशोधित नीति के साक्ष्य आधार को मजबूत बनाना है.

तकनीकी नवाचार 'ई-विन' का भारत में कार्यान्वयन संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (United Nations Development Programme : UNDP) द्वारा 'गावि-द वैक्सीन एलायंस' (GAVI–The Vaccine Alliance) की वित्तीय सहायता से किया जा रहा है. आगामी वर्षों में देश के 17 राज्यों और 7 संघ क्षेत्रों में ई-विन परियोजना को लागू किया जाएगा.

संपाडा (कृषि-समुद्री प्रसंस्करण और कृषि-प्रसंस्करण क्लस्टर के विकास के लिए योजना)

(SAMPADA–Scheme for Agro-Marine Processing and Development of Agro-Processing Cultures)

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने नई केन्द्रीय क्षेत्र योजना–संपाडा (कृषि-समुद्री प्रसंस्करण और कृषि-प्रसंस्करण क्लस्टर के विकास के लिए योजना) के तहत् खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मन्त्रालय की योजनाओं को पुनः व्यवस्थित करने के लिए अनुमोदित कर दिया है. यह अनुमोदन 14वें वित्त आयोग के चक्र के साथ 2016-20 अवधि के लिए दिया गया है.

संपाडा एक ऐसी योजना है जिसके नीचे मंत्रालय की मेगा फूड पार्क्स, एकीकृत कोल्ड चेन और वैल्यू एडिशन इंफ्रास्ट्रक्चर, फूड सेफ्टी एण्ड क्वालिटी इंश्योरेंस इंफ्रास्ट्रक्चर इत्यादि जैसी योजनाओं को शामिल किया गया है. साथ ही इसमें नई योजनाएं जैसे कि एग्रो-प्रोसेसिंग क्लस्टर के लिए बुनियादी ढाँचा, पिछड़े और अग्रेषण निर्माण सम्बन्धी खाद्य प्रसंस्करण और संरक्षण की क्षमता का निर्माण और विस्तार शामिल है.

देश में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को एक नया आयाम देने के लिए संपाडा जैसा एक व्यापक पैकेज तैयार किया गया है. इसमें एग्रो-प्रोसेसिंग क्लस्टर, पिछड़े और अग्रेषण निर्माण सम्बन्धी, खाद्य प्रसंस्करण और संरक्षण क्षमता का विस्तार जिसका मकसद कारोबारियों को नया खाद्य प्रसंस्करण ईकाई स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करना है, आधुनिकीकरण, आपूर्ति शृंखला को आधुनिक बनाना आदि शामिल है.

रेल विकास प्राधिकरण

(Railway Development Authority)

केन्द्रीय मन्त्रिमण्डल ने 4 अप्रैल, 2017 को एक स्वतन्त्र रेल नियामक प्राधिकरण (आरडीए) के गठन को मंजूरी दी. यह प्राधिकरण किराए-भाड़े की दरें तय करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि रेलवे में निवेश के इच्छुक निजी क्षेत्र की इकाइयों को भी कारोबार के समान अवसर उपलब्ध हों.

समिति में चेयरमैन के अलावा तीन सदस्य होंगे, जिनका कार्यकाल पाँच-पाँच साल का होगा. यह जरूरत पड़ने पर सम्बन्धित क्षेत्र के विशेषज्ञों की सेवाएं भी ले सकेगा. संस्था की स्थापना के लिए शुरू में ₹ 50 करोड़ रखे गए हैं. प्राधिकरण सरकार को रेल सेवाओं की लागत के हिसाब से उनकी दरों के निर्धारण पर सरकार को सुझाव देने के साथ-साथ उपभोक्ताओं के हित, प्रतिस्पर्धा संवर्धन, बाजार विकास, निवेश का अनुकूल वातावरण बनाने तथा प्रौद्योगिकी के प्रयोग के बारे में भी सुझाव देगा.

इसे रेल क्षेत्र का सबसे बड़ा सुधार माना जा रहा है. अपनी तरह के पहले प्राधिकरण का मकसद यात्रियों को दी जाने वाली सेवाओं को सुधारना, निवेशकों को आरामदायक स्थिति उपलब्ध कराना और पारदर्शिता तथा जवाबदेही बढ़ाना है.

मन्त्रिमण्डल के फैसले के अनुसार रेल विकास प्राधिकरण का गठन सरकारी आदेश के जरिए किया जाएगा. यह प्राधिकरण निजी निवेश के लिए नीतियों के बारे में सुझाव देगा, जिससे निजी सार्वजनिक भागीदारी (पीपीपी) वाली परियोजनाओं में निवेशकों को समुचित सुरक्षा उपलब्ध कराई जा सकें और भविष्य में छूट सम्बन्धी करारों से सम्बन्धित विवादों का निपटान किया जा सके.

ई-कृषि संवाद

(e-Krishi Samvad)

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने 11 मई, 2017 को ई-कृषि संवाद का लोकापर्ण किया. यह किसानों को एक विशिष्ट इण्टरनेट आधारित ऑनलाईन मंच प्रदान करेगा, जिससे हितकारी सीधे, प्रभावी एवं सुगम संवाद कर अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकते हैं.

यह मंच विभिन्न वर्गों के हितकारकों जैसे किसानों, विद्यार्थियों, उद्यमियों, अनुसंधानकर्ताओं एवं कृषि क्षेत्र अभिरुचि रखने वाले तथा सम्बन्धित क्षेत्रों को अपनी सेवाएं प्रदान करेगा. हितधारक अपनी समस्याओं का समाधान, संस्थानों के विषय वस्तु-विशेषज्ञों से सीधे भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् की वेबसाइट http://www.icar.org.in जाकर इण्टरनेट एवं SMS के द्वारा प्राप्त कर सकते हैं. पशुपालन एवं मछली इत्यादि के बीमारियों से सम्बन्धित फोटो को अपलोड कर, सम्बन्धित विषय विशेषज्ञों से निदान एवं उपचार की जानकारी तुरन्त प्राप्त कर सकते हैं.

इण्टरनेट युक्त मोबाइल पर भी अत्यन्त आसानी से इस सुविधा का लाभ उठाया जा सकता है. कृषि एवं सम्बन्धित क्षेत्रों की उन्नति के लिए हितधारकों की समस्याओं, उनकी उत्सुकता एवं नई जानकारियों के लिए एक उपयोगी इलेक्ट्रॉनिक इण्टरफेस है.

मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम, 2017

(Maternity Benefit (Amendment) Act, 2017)

राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने 29 मार्च, 2017 को मातृत्व लाभ संशोधन विधेयक, 2016 पर अपनी मुहर लगा दी है. लोक सभा ने इसे इसी महीने पारित किया था जबकि, राज्य सभा इसे 11 अगस्त, 2016 को पारित कर चुकी है. 1961 के मूल कानून की जगह संशोधित विधेयक में संगठित क्षेत्र की महिला कामगारों के लिए मातृत्व अवकाश की अवधि बढ़ाने के साथ-साथ कई नए प्रावधान शामिल किए गए हैं.

नए प्रावधान

- संशोधित विधेयक में नौ से अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों में कामगार महिलाओं के लिए मातृत्व अवकाश की अवधि 12 से बढ़ाकर 26 हफ्ते कर दी गई है.
- विधेयक में अवकाश का लाभ प्रसव की सम्भावित तारीख से आठ हफ्ते पहले लिया जा सकता है. 1961 के मूल कानून में यह अवधि छह हफ्ते की थी.
- अगर महिला के दो से अधिक बच्चे हैं तो उसे केवल 12 हफ्ते का ही अवकाश मिलेगा. इसका लाभ प्रसव की सम्भावित तारीख से छह हफ्ते पहले ही उठाया जा सकता है. मूल कानून में बच्चों की संख्या तय नहीं की गई थी.

- संशोधित विधेयक में कई नए प्रावधान भी शामिल किए गए हैं. इनमें ऐसी महिलाओं को जिन्होंने तीन महीने से कम उम्र के बच्चे को कानूनन गोद लिया है, 12 हफ्ते का अवकाश दिया जाएगा. साथ ही सरोगेसी के जरिए सन्तान सुख पाने वाली महिला को भी इतने ही हफ्ते का लाभ दिया जाएगा. यह अवधि उस तारीख से मानी जाएगी जब बच्चे को गोद लिया गया हो या सरोगेसी के जरिए सन्तान पाने वाली महिला को बच्चा सौंपा गया हो.
- संशोधित विधेयक में 50 या इससे अधिक कर्मचारियों वाले संस्थानों से क्रेच की सुविधा मुहैया कराने को कहा गया है. साथ ही, उन्हें महिलाओं को दिन में चार बार क्रेच जाने की सुविधा देने को भी कहा गया है.
- नए विधेयक में काम की प्रकृति इजाजत दे तो महिलाओं को घर से काम करने की भी सुविधा देने की बात कही गई है. इसके अलावा प्रतिष्ठानों से कहा गया है कि वे महिला कर्मचारी को नियुक्ति के समय मातृत्व लाभ के बारे में जानकारी लिखित और ई-मेल (इलेक्ट्रॉनिक माध्यम) के रूप में उपलब्ध कराएं.

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए)

(Pradhan Mantri Surakshit Matritva Abhiyan)

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) का लक्ष्य सुरक्षित गर्भावस्था व सुरक्षित प्रसव के जरिए मातृ व शिशु मृत्युदर को कम करना है. इस राष्ट्रीय कार्यक्रम के जरिए देश भर में लगभग 3 करोड़ गर्भवती महिलाओं को विशेष मुफ्त प्रसव पूर्व देखभाल मुहैया कराई जा रही है, ताकि उच्च जोखिम वाले गर्भधारण का पता लगाने के साथ-साथ इसकी रोकथाम की जा सके. इस देशव्यापी कार्यक्रम के तहत् गर्भवती महिलाओं को सम्पूर्ण व गुणवत्तापूर्ण प्रसवपूर्व देखभाल व जाँच के लिए हर महीने की 9 तारीख का दिन निर्धारित किया गया है. गर्भवती महिलाएं अब सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों पर अपनी दूसरी या तीसरी तिमाही में स्त्री रोग विशेषज्ञों/चिकित्सकों द्वारा मुहैया कराए जाने वाले विशेष प्रसव पूर्व चेकअप का लाभ उठा सकती हैं. यह सुविधा निजी क्षेत्र के डॉक्टरों के सहायोग से मुहैया कराई जा रही है, जो सरकारी क्षेत्र के प्रयासों के पूरक के तौर पर उपलब्ध होगा. इसमें ग्रामीण एवं शहरी दोनों ही क्षेत्रों में चिह्नित स्वास्थ्य सेवा केन्द्रों पर सामान्य प्रसव पूर्व चेकअप के अलावा अल्ट्रासाउण्ड, रक्त और मूत्र परीक्षण सहित इन सेवाओं को उपलब्ध कराया जाएगा. इसका एक उद्देश्य उच्च जोखिम वाले गर्भधारण का पता लगाना और इस दिशा में समुचित कदम उठाना है, ताकि एमएमआर और आईएमआर में कमी सम्भव हो सके.

नेशनल कैरियर सर्विस (एनसीएस)

(National Career Service)

एक राष्ट्रीय आईसीटी आधारित पोर्टल युवाओं की आकांक्षाओं के साथ सुनहरे अवसर से जुड़ने के लिए मुख्य रूप से विकसित की गई है. यह पोर्टल नौकरी चाहने वालों, नौकरी प्रदाताओं, कौशल प्रदाताओं, कैरियर सलाहकारों आदि के पंजीकरण की सुविधा देता है. पोर्टल एक बेहद पारदर्शी और उपयोगकर्ता के अनुकूल तरीके से नौकरी मिलान सेवाएं प्रदान करता है. कैरियर परामर्श सामग्री के साथ-साथ ये सुविधाएं कैरियर केन्द्रों, मोबाइल उपकरणों, सीएससी आदि जैसे कई चैनलों के माध्यम से पोर्टल द्वारा वितरित किया जाएगा. परियोजना शिक्षा, रोजगार और प्रशिक्षण के बारे में जानकारी के लिए युवाओं की विभिन्न माँगों और जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हो सकता है और एक बहुभाषी कॉल सेंटर द्वारा समर्थित हो जाएगा. पोर्टल उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध स्थानीय सेवा प्रदाताओं पर उपलब्ध जानकारी कर देगा.

इस पोर्टल में उम्मीदवार, नियोक्ता, स्थानीय सेवा प्रदाता, सलाहकार और नियुक्ति संगठन पंजीकृत कर सकते हैं, मानदण्डों व उम्मीदवार प्रोफाइल के आधार पर उम्मीदवार खोजें जा सकते हैं. पोर्टल नियोक्ताओं को सहायता, पहुँच तथा अवसर मैपिंग प्रदान करता है. यह तो विभिन्न क्षेत्रों से रोजगारों के भण्डार के साथ केवल एक ऐसा मंच है जिसका लक्ष्य रोजगार चाहने वालों हेतु रोजगार तलाश की प्रक्रिया को सरल बनाना है. एनसीएस भर्ती प्रक्रिया में शामिल नहीं है, जोकि सम्बन्धित नियोक्ता द्वारा की जाती है.

राज्य पुनर्गठन आयोग

(State Reorganization Commission)

राज्य पुनर्गठन आयोग के अध्यक्ष फजल अली थे; इसके अन्य सदस्य पं. हृदयनाथ कुंजरू और सरदार के एम. पणिक्कर थे. राज्य पुनर्गठन अधिनियम जुलाई 1956 ई. में पास किया गया. इसके अनुसार भारत में राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेश स्थापित किए गए. नवम्बर 1954 ई. को फ्रांस की सरकार ने अपनी सभी बस्तियाँ पाण्डिचेरी, यनाम, चन्द्रनगर और केरिकल को भारत को सौंप दिया; 28 मई, 1956 ई. को इस सम्बन्ध में सन्धि पर हस्ताक्षर हो गए. इसके बाद इन सभी को मिलाकर 'पाण्डिचेरी संघ राज्य क्षेत्र' का गठन किया गया.

भारत सरकार ने 18 दिसम्बर, 1961 ई. को गोवा, दमन द्वीप की मुक्ति के लिए पुर्तगालियों के विरुद्ध कार्रवाई की और उन पर पूर्ण अधिकार कर लिया. बारहवें संविधान संशोधन द्वारा गोवा, दमन और द्वीप को प्रथम परिशिष्ट में शामिल करके अभिन्न अंग बना दिया गया.

1 मई, 1960 ई. को मराठी एवं गुजराती भाषियों के बीच संघर्ष के कारण बम्बई राज्य का बँटवारा करके महाराष्ट्र एवं गुजरात नामक दो राज्यों की स्थापना की गई. नागा आन्दोलन के कारण असम को विभाजित करके 1 दिसम्बर, 1963 ई. में नगालैण्ड को अलग राज्य बनाया गया. 1 नवम्बर, 1966 ई. में पंजाब को विभाजित करके (पंजाबी भाषा) एवं हरियाणा (हिन्दी भाषी) दो राज्य बना दिए गए. 25 जनवरी, 1971 ई. को हिमाचल प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया. 21 जनवरी, 1972 ई. मणिपुर, त्रिपुरा एवं मेघालय को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया. 26 अप्रैल, 1975 ई. सिक्किम भारत का 22वाँ राज्य बना. 20 फरवरी, 1987 ई. में मिजोरम एवं अरुणाचल प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया. 30 मई, 1987 ई. में गोवा को 25वाँ राज्य का दर्जा दिया गया. 1 नवम्बर, 2000 को छत्तीसगढ़ 26वाँ राज्य, 9 नवम्बर, 2000 में उत्तरांचल (अब उत्तराखण्ड) 27वाँ राज्य, 15 नवम्बर, 2000 को झारखण्ड 28वाँ राज्य और 2 जून, 2014 को तेलंगाना को भारत का 29वाँ राज्य बनाया गया. वर्तमान समय में भारत में 29 राज्य और 7 केन्द्र शासित प्रदेश हैं.

संसदीय प्रणाली में संसदीय समितियों की भूमिका

(Role of Parliamentary Committees in Parliamentary System)

संसदीय समितियाँ संसदीय प्रणाली में अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं. ये संसद, कार्यपालिका और आम जनता के बीच की मजबूत कड़ी होती हैं. समितियों की आवश्यकता दो

कारणों से होती है. पहला कारण कार्यपालिका की कार्रवाइयों पर विधायिका की ओर से निगरानी की जरूरत होना, जबकि दूसरा कारण यह है कि इन दिनों आधुनिक विधायिका के पास अत्यधिक कार्य होता है और उसके पास उन्हें निपटाने के लिए सीमित समय होता है. इस प्रकार प्रत्येक मामले पर सभा में विस्तृत और सुव्यवस्थित ढंग से जाँच कर पाना और उन पर विचार किया जाना असम्भव हो जाता है. यदि इस कार्य को युक्तिसंगत ढंग से ध्यानपूर्वक किया जाना है तो स्वाभाविक रूप से किसी ऐसे अभिकरणों को कुछ संसदीय दायित्व सौंपना होगा जिस पर पूरी सभा को विश्वास हो. इसलिए सभा के कतिपय कार्यों को समितियों को सौंपा जाना एक सामान्य परिपाटी बन गई है. यह इस बात से और भी आवश्यक हो गया है कि समिति के पास उसे भेजे गए किसी मामले के सम्बन्ध में विशेषज्ञता होती है. किसी समिति में मामले पर पेशेवर ढंग से और अपेक्षाकृत शान्त माहौल में विस्तार से सोच-विचार किया जाता है, मुक्त रूप से विचार व्यक्त किए जाते हैं और मामले पर गहराई से विचार किया जाता है. अधिकांश समितियों में जनता प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष ढंग से तब सम्बद्ध होती है जब उनसे सुझावों सम्बन्धी ज्ञापन प्राप्त होते हैं, मौके पर उनका अध्ययन किया जाता है और मौखिक साक्ष्य लिया जाता है जिससे समितियों को निष्कर्ष पर पहुँचने में मदद मिलती है.

समितियाँ विधायिका को उसके दायित्वों के निर्वहन करने और उसके कार्यों को कारगर ढंग से, शीघ्रता से और कुशलता से विनियमित करने में सहायता करती हैं. समितियों के माध्यम से संसद, प्रशासन पर अपने नियन्त्रण और प्रभाव का प्रयोग करती है. संसदीय समितियाँ, कार्यपालिका पर हितकारी प्रभाव डालती हैं. इन समितियों का उद्देश्य प्रशासन को कमजोर करना नहीं है, बजाय इसके ये कार्यपालिका द्वारा प्रयोज्य शक्ति के दुरुपयोग को रोकती हैं.

राष्ट्रपति के निर्वाचन की रीति
(Procedure of Presidential Election)

संविधान के अनुच्छेद 55 के अनुसार जहाँ तक व्यवहार्य हो राष्ट्रपति के निर्वाचन में भिन्न-भिन्न राज्यों के प्रतिनिधित्व के पैमाने में एकरूपता होनी आवश्यक है. राज्यों में आपस में ऐसी एकरूपता प्राप्त कराने के लिए विधान सभा का प्रत्येक निर्वाचित सदस्य जितने मत का हकदार होता है उनकी संख्या निम्नलिखित रीति से अवधारित की जाती है, अर्थात्–

(क) किसी राज्य की विधान सभा के प्रत्येक निर्वाचित सदस्य के उतने मत होते हैं, जितने कि एक हजार के गुणित उस भागफल में हों जो राज्य की जनसंख्या को उस विधान सभा के निर्वाचित सदस्यों की कुल संख्या से भाग देने पर आएं;

(ख) यदि एक हजार के उक्त गुणितों को लेने के बाद शेष पाँच सौ से कम नहीं है तो प्रत्येक सदस्य के मतों की संख्या में एक और जोड़ दिया जाता है.

(ग) संसद के प्रत्येक सदन के प्रत्येक निर्वाचित सदस्य के मतों की संख्या वह होती है, जो राज्यों की विधान सभाओं के सदस्यों के लिए नियत कुल मतों की संख्या का संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्यों की कुल संख्या से भाग देने पर आए जिसमें आधे से अधिक भिन्न को एक गिना जाता है और अन्य भिन्नों की उपेक्षा की जाती है.

राष्ट्रपति का निर्वाचन आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा होता है और ऐसे निर्वाचन में मतदान गुप्त होता है.

राष्ट्रीय वयोश्री योजना
(Rashtriya Vayoshri Yojna)

गरीबी रेखा से सम्बद्ध वरिष्ठ नागरिकों को शारीरिक सहायता एवं जीवनयापन के लिए आवश्यक उपकरण प्रदान करने वाली 'राष्ट्रीय वयोश्री योजना' का शुभारम्भ आन्ध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले में 1 अप्रैल, 2017 को किया गया. इस योजना के अन्तर्गत वरिष्ठ नागरिकों के लिए शारीरिक सहायता एवं जीवनयापन के लिए आवश्यक उपकरणों को शिविरों के माध्यम से वितरित किया जाएगा और इस योजना को भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (सामाजिक अधिकारिता एवं न्याय मंत्रालय के अन्तर्गत एक सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम) नामक एकमात्र कार्यान्वयन एजेंसी द्वारा लागू किया जाएगा. यह एजेंसी सहायता एवं जीवनयापन के लिए आवश्यक उपकरणों की एक वर्ष तक निःशुल्क देखरेख करेगी. ये उपकरण वरिष्ठ नागरिकों को आयु सम्बन्धी शारीरिक दिक्कतों से निपटने में मदद करेंगे और परिवार के अन्य सदस्यों के ऊपर उनकी निर्भरता को कम करते हुए उन्हें बेहतर जीवन जीने का अवसर देंगे. इसका उद्देश्य आयु सम्बन्धी बीमारियों (कम दृष्टि, सुनने में परेशानी, दाँतों का टूट जाना एवं गतिरोध विकलांगता आदि) का सामना कर रहे हैं. बीपीएल श्रेणी से सम्बद्ध बुजुर्गों को जीवनयापन के लिए आवश्यक उपकरण प्रदान कर उनके जीवन को सामान्य अथवा सामान्य के करीब लेकर आना है. ये सहायक उपकरण उच्च गुणवत्ता से युक्त होंगे और जहाँ कहीं भी लागू होगा वहाँ इन उपकरणों को भारत मानक ब्यूरो (Bureau of Indian Standard) द्वारा तय मापदण्डों के अनुसार तैयार किया जाएगा. यह सार्वजनिक क्षेत्र की केन्द्रीय योजना है, जिसके लिए पूर्ण रूप से केन्द्र सरकार द्वारा अनुदान दिया जाएगा. इस योजना के कार्यान्वयन के लिए अनुदान 'वरिष्ठ नागरिक' कल्याण कोष से मिलेगा.

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम
(National Scheduled Castes Finance and Development Corporation)

यह विभिन्न निगमों को इक्विटी पूँजी मुहैया कराता है और फिर ये निगम आय सृजन से जुड़ी गतिविधियों के लिए लक्षित समूह को रियायती वित्त उपलब्ध कराते हैं. ये निगम लक्षित समूह के कौशल विकास का कार्य भी पूरा करते हैं.

निगम को मुहैया कराई जाने वाली इक्विटी बाद में अनुसूचित जातियों के लाभार्थियों को ऋण के रूप में वितरित की जाती है. अनुसूचित जातियों के लाभार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी गतिविधियों में जीवन कौशल विकास सम्बन्धी प्रशिक्षण भी दिया जाता है, जिनमें परिधान सिलाई, मोबाइल की मरम्मत, हस्तशिल्प, बिजली मिस्त्री, नलसाजी (पलम्बिंग), मोटर ड्राइविंग, सौन्दर्य और सेहत, सुरक्षा गार्ड, स्वास्थ्य सेवा इत्यादि शामिल हैं. लघु स्तर के विभिन्न व्यवसायों की स्थापना के लिए ऋण दिए गए हैं जिनमें किराने की दुकानें, हार्डवेयर की दुकानें, जूते बनाने वाली दुकानें, दर्जी की दुकानें, फर्नीचर बनाने एवं मरम्मत की दुकानें, फोटोग्राफी, दवा की दुकानें, कृषि में पॉली-हाउस, वाणिज्यिक वाहनों की खरीद, कम्प्यूटर मरम्मत की दुकानें, ई-रिक्शा, सुअर पालन फार्म, सिले-सिलाए परिधान, स्वच्छता वाहन, इत्यादि शामिल हैं. इसके लिए ₹ 50,000 से लेकर ₹ 30 लाख तक के ऋण दिए गए हैं, जिनका पुनर्भुगतान 3 से 10 वर्षों में किया जाना है. इन पर 3·5 प्रतिशत से लेकर 10 प्रतिशत तक ब्याज देय हैं.

एक सौ तेइसवाँ संविधान (संशोधन) विधेयक 2017

(123rd Constitutional (Amendment) Bill 2017)

केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री थावरचन्द गहलोत द्वारा 5 अप्रैल, 2017 को लोक सभा में संविधान (123वाँ संशोधन) विधेयक, 2017 पेश किया गया. इस विधेयक को लोक सभा द्वारा 10 अप्रैल, 2017 को पारित कर दिया गया. वर्तमान में यह विधेयक राज्य सभा में विचाराधीन है. इस विधेयक द्वारा राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (NCBC) को भी राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग तथा राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के समान संवैधानिक दर्जा प्रदान किया जाना प्रस्तावित है, जिससे कि यह और अधिक प्रभावी तरीके से कार्य कर सके. वर्तमान में राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग, पिछड़ा वर्ग से सम्बन्धित मामलों का परीक्षण करती है. विधेयक द्वारा पिछड़ा वर्ग से सम्बन्धित मामलों के परीक्षण का अधिकार राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को प्रदान किया जाना प्रस्तावित है.

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग–इस आयोग का गठन राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग अधिनियम 1993 के तहत् किया गया है. इस आयोग को किसी जाति को पिछड़ा वर्ग की सूची में शामिल करने तथा बाहर करने सम्बन्धी शिकायतों का परीक्षण कर इस सम्बन्ध में केन्द्र सरकार को सलाह देने का अधिकार है. प्रस्तावित विधेयक इस आयोग को संवैधानिक दर्जा प्रदान करते हुए इसे सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों की शिकायतों और कल्याणकारी उपायों का परीक्षण करने का अधिकार देता है. उल्लेखनीय है कि इस विधेयक के साथ ही राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (निरसन) विधेयक, 2017 भी पेश किया गया था, जिसके माध्यम से राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग अधिनियम 1993 को निरस्त किया जाना है. एन.सी.बी.सी. को सिविल कोर्ट के अधिकार इस विधेयक के तहत् एन.सी.बी.सी. के पास किसी भी शिकायत की छानबीन या जाँच के लिए सिविल कोर्ट के समान अधिकार होंगे. इसमें–(i) लोगों को समन करना और शपथ दिलवाकर उनसे पूछताछ करना, (ii) किसी दस्तावेज या सार्वजनिक रिकॉर्ड देने को कहना और (iii) साक्ष्य प्राप्त करना, शामिल हैं.

सुगम्य पुस्तकालय

(Sugamya Pustakalaya)

सुगम्य डिजिटल भारत की तरफ एक कदम आगे बढ़ते हुए 'सुगम्य पुस्तकालय' (दृष्टिबाधित लोगों के लिए एक ऑनलाइन पुस्तकालय) का शुभारम्भ 24 अगस्त, 2016 को विधि एवं न्याय और संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मन्त्री श्री रविशंकर प्रसाद ने किया.

"सुगम्य पुस्तकालय" एक ऑनलाइन मंच है, जहाँ पर प्रिंट विकलांग लोगों के लिए सुलभ सामग्री उपलब्ध कराई जाती है. इस पुस्तकालय में विविध विषयों और भाषाओं तथा कई सुलभ प्रारूपों में प्रकाशन उपलब्ध है. इसे डेजी फोरम ऑफ इण्डिया संगठन के सदस्यों और टीसीएस एक्सेस के सहयोग से सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग द्वारा तैयार किया गया है. यहाँ पर दृष्टिहीन और अन्य प्रिंट विकलांग लोगों के लिए सुलभ प्रारूपों में पुस्तकें उपलब्ध हैं. विविध भाषाओं में दो लाख से अधिक किताबें हैं.

अब अगर प्रिंट विकलांग जन किताब पढ़ना चाहता है तो इसके लिए उसे किसी पढ़कर सुनाने वाले व्यक्ति या स्कैन और संपादन करने के लिए स्वयंसेवकों की तलाश करने के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा. सुगम्य पुस्तकालय पर शीघ्र खोज के बटन को क्लिक करते ही उसे अपनी पसन्द की पुस्तकें मिल जाएंगी. इसके लिए उसे डीएफआई संगठन में प्रिंट विकलांग सदस्य के रूप में पंजीकरण करवाना होगा, जिसके बाद वह अपनी सदस्यता के जरिए पुस्तक डाउनलोड कर सकता है या ऑफ लाइन खरीद सकता है.

विद्यांजली (स्कूल स्वयंसेवी कार्यक्रम)

(Vidyanjali–School Volunteer Programme)

विद्यांजली (स्कूल स्वयंसेवी कार्यक्रम) सर्व शिक्षा अभियान के समग्र तत्वावधान में देशभर में सरकार द्वारा संचालित प्राथमिक विद्यालयों में समुदाय और निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने के लिए मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग की एक पहल है. इस कार्यक्रम द्वारा उन लोगों को एक साथ लाने का उद्देश्य है, जो उन स्कूलों में स्वयंसेवा करने को तैयार हैं जहाँ वास्तव में उनकी जरूरत है. स्वयंसेवक बच्चों के साथ सलाहकार, विश्वासपात्र और संवादकर्ता के रूप में कार्य करेंगे. इस उद्देश्य के अनुरूप, माईगोव (MyGov) ने मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के सहयोग से स्कूलों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में स्वयंसेवा के लिए इच्छुक नागरिकों को इस तरह के जमीनी कार्यों में संलग्न करने के लिए एक मोबाइल एप्लिकेशन विकसित की है. यह एप्लिकेशन इच्छुक स्वयंसेवकों को स्कूलों सहित सरकारी शैक्षिक संस्थानों से जोड़ने में सहायक होगा. यह मोबाइल एप्लिकेशन स्वयंसेवी प्रबन्धन कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वयंसेवकों और सरकारी निकायों के बीच गठजोड़ के रूप में कार्य करेगा. इस मोबाइल एप्लिकेशन द्वारा मेंटर्स संस्थाओं के साथ सीधे सम्पर्क कर सकते हैं और सम्बन्धित ज्ञान और कौशल से संस्था की गतिविधि में योगदान दे सकते हैं.

यह एप्लिकेशन एक इण्टरैक्टिव मोबाइल प्लेटफॉर्म है जो संस्थानों द्वारा निर्धारित शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक भूमिका में उपयुक्त स्वयंसेवकों की माँग को पोस्ट करने में सहायता के लिए दो हितधारकों के बीच सम्पर्क सुविधा प्रदान करता है. भावी स्वयंसेवक, एप्लिकेशन के उपयोगकर्ता अपने वर्तमान स्थान के आधार पर प्राप्त सूची को देखकर उपलब्ध स्वैच्छिक अवसरों में अपनी रुचि दिखा सकेंगे. एप्लिकेशन का संस्थानों और स्वयंसेवकों, दोनों के लिए एक अलग डैशबोर्ड का दावा है, जिसमें संस्थान और स्वयंसेवक दोनों को ढूँढ़ने की सुविधा वाला मानचित्र होगा. मानचित्र पर पिन मार्कर्स (Pin Markers) के माध्यम से स्वयंसेवकों और संस्थानों की सटीक स्थिति दिखेगी.

मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन)

(Most Favoured Nation (MFN))

एमएफएन का शाब्दिक अर्थ होता है मोस्ट फेवर्ड नेशन, जिसे हिन्दी में सर्वाधिक तरजीही राष्ट्र कहा जाता है. विश्व व्यापार संगठन और अन्तर्राष्ट्रीय ट्रेड नियमों के आधार पर व्यापार में सर्वाधिक तरजीही राष्ट्र का दर्जा दिया जाता है. एमएफएन का दर्जा मिलने के साथ-साथ राष्ट्र को यह आश्वासन भी दिया जाता है कि उसे कारोबार में नुकसान नहीं पहुँचाया जाएगा. भारत ने पाकिस्तान को 1996 में एमएफएन का दर्जा दिया था. शुल्क तथा व्यापार पर विश्व व्यापार संगठन के जनरल एग्रीमेण्ट (गैट) के एमएफएन सिद्धान्त के अनुसार, जिस पर भारत ने हस्ताक्षर/करार किए हैं में डब्ल्यूटीओ के हर सदस्य को एक-दूसरे के साथ मोस्ट फेवर्ड ट्रेडिंग पार्टनर होने के नाते समान व्यवहार करना होता है. एमएफएन एक तरह से किसी राष्ट्र को दिया जाने वाला विशेष व्यवहार (Special Treatment) होता है, यानी यह बिना भेदभाव वाला व्यापार समझौता होता है.

एमएफएन का विकासशील देशों के लिए अलग ही महत्व है इसमें किसी भी देश के निर्यात् में सहायता मिलती है और

कॉमोडिटीज का कम या बिना टैरिफ के निर्यात् किया जा सकता है. MFN के कारण कई तरह के कानूनी मसलों में फँसे बिना व्यापारिक समझौते पूरे हो जाते हैं. इस दर्जे का सबसे बड़ा नुकसान ये है कि आपको ऐसा ही व्यवहार उन सब देशों के लिए अपनाना होगा, जो WTO के मेंबर हैं, जिसके कारण देश की घरेलू उद्यम को काफी नुकसान होता है.

सीआईआरडीएपी केन्द्र

(CIRDAP Centre)

केन्द्रीय मन्त्रिमण्डल ने ग्रामीण विकास मन्त्रालय और एशिया एवं प्रशान्त क्षेत्र एकीकृत ग्रामीण विकास केन्द्र (सीआईआरडीएपी) के बीच हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीएण्डपीआर) में सीआईआरडीएपी के केन्द्र की स्थापना के लिए समझौते को अपनी मंजूरी दे दी है. एनआईआरडीएण्डपीआर परिसर में सीआईआरडीएपी केन्द्र से एनआईआरडीएण्डपीआर को ग्रामीण विकास कार्यक्रमों में विशेषज्ञता रखने वाले संगठनों के साथ नेटवर्किंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का लाभ मिलेगा, जो बदले में एनआईआरडीएण्डपीआर के लिए संस्थागत ज्ञान के भण्डार का निर्माण करने में मदद करेगा. यह केन्द्र सीआईआरडीएपी सदस्य देशों (सीएमसी) में अन्य मन्त्रालयों/संस्थानों के साथ सम्बन्धों के माध्यम से एनआईआरडीएण्डपीआर को इस क्षेत्र में अपनी हैसियत बढ़ाने में मदद करेगा.

सीआईआरडीएपी एक क्षेत्रीय अन्तर-सरकारी एवं स्वायत्त संस्थान है. यह एशिया प्रशान्त क्षेत्र के देशों की पहल पर संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) तथा संयुक्त राष्ट्र की दूसरी संस्थाओं एवं दानदाताओं के सहयोग से 1979 में अस्तित्व में आया. भारत इस संगठन के प्रमुख संस्थापक सदस्यों में से एक है. इसका मुख्यालय बांग्लादेश के ढाका में है. सीआईआरडीएपी का उद्देश्य क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देना और अनुसन्धान क्रिया, प्रशिक्षण, सूचना प्रसार आदि के जरिए एकीकृत ग्रामीण विकास को आगे बढ़ाकर अपने सदस्य देशों के लिए एक सेवारत संस्था के रूप में काम करना है.

नौ-अधिकरण (क्षेत्राधिकार एवं समुद्री दावों का निपटान) विधेयक, 2016

(The Admiralty (Jurisdiction and Settlement of Maritime Claims) Bill, 2016)

21 सितम्बर, 2016 को पुराने नौ-अधिकरण (एडमिरैलिटी) कानूनों को निरसित करने के लिए, प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मन्त्रिमण्डल ने जहाजरानी मन्त्रालय द्वारा प्रस्तावित एडमिरैलिटी (क्षेत्राधिकार एवं समुद्री दावों का निपटान) विधेयक, 2016 को लागू करने की अनुमति प्रदान कर दी. भारत अपने कुल अन्तर्राष्ट्रीय वस्तु व्यापार का 95 प्रतिशत हिस्सा समुद्री परिवहन के द्वारा आयात-निर्यात् करता है. अभी तक भारतीय न्यायालयों के एडमिरैलिटी क्षेत्राधिकार का वैधानिक ढाँचा ब्रिटिश काल में बनाए गए पाँच कानूनों के अन्तर्गत था. यह वैधानिक ढाँचा कुशल शासन में बाधा उत्पन्न करता था. यह विधेयक वर्तमान में भारतीय न्यायालयों के नौ-अधिकरण (एडमिरैलिटी) क्षेत्राधिकार, समुद्री दावों पर नौवहन विभाग की कार्यवाही और जहाजों की गिरफ्तारी से सम्बन्धित विधियों को समेकित करता है. यह विधेयक निम्नलिखित पाँच ब्रिटिश कालीन विधायनों को निरसित करता है–(1) द एडमिरैलिटी कोर्ट एक्ट, 1840; (2) द एडमिरैलिटी कोर्ट एक्ट, 1861; (3) कोलोनियल कोर्ट्स ऑफ एडमिरैलिटी एक्ट, 1890; (4) कोलोनियल कोर्ट्स ऑफ एडमिरैलिटी (इण्डिया) एक्ट, 1891 एवं (5) बम्बई, कलकत्ता और मद्रास उच्च न्यायालयों के एडमिरैलिटी क्षेत्राधिकार पर लागू होने वाले लेटर्स पेटेंट, 1865 के प्रावधान.

यह विधेयक तटीय प्रदेशों में स्थित उच्च न्यायालयों को एडमिरैलिटी क्षेत्राधिकार प्रदान करने के साथ ही उनके क्षेत्राधिकार को सामुद्रिक सीमा तक विस्तारित करता है. केन्द्रीय सरकार के अधिसूचना के द्वारा इस क्षेत्राधिकार को विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र या किसी भारतीय समुद्री क्षेत्र या द्वीपसमूह तक बढ़ाया जा सकता है. अन्तःस्थलीय जहाजों एवं नावों को इससे उन्मुक्ति दी गई है, परन्तु केन्द्रीय सरकार को यह अधिकार है कि वह इनको भी इस कानून के अन्तर्गत ला सकता है. यह कानून युद्धपोतों एवं नौसैनिक सहायक पोतों और ऐसे पोतों पर लागू नहीं होगा, जो गैर-वाणिज्यिक उद्देश्यों में लगे हों. समुद्री दावों से सम्बन्धित ऐसे पहलू जिन पर इस विधेयक में चर्चा नहीं की गई है, उन पर सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 लागू होगी.

राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा अधिकार नीति : रचनात्मक भारत, अभिनव भारत

केन्द्रीय मन्त्रिमण्डल ने 13 मई, 2016 को एक नई राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा अधिकार (आई.पी.आर.) नीति को मंजूरी दी. इसे सृजनात्मक कार्यों जैसे संगीत, किताबें, औद्योगिक ड्राइंग, सॉफ्टवेयर, दवाओं की खोज आदि से जुड़े व्यावसायिक हितों की रक्षा के लिए बनाया गया है.

इस नीति से भारत में रचनात्मक और अभिनव ऊर्जा के भण्डार को प्रोत्साहन मिलेगा तथा सबके बेहतर और उज्ज्वल भविष्य के लिए इस ऊर्जा का आदर्श इस्तेमाल सम्भव होगा.

राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा अधिकार नीति एक विजन दस्तावेज है, जिससे समस्त बौद्धिक सम्पदाओं के बीच सहयोग सम्भव बनाया जाएगा. इसके अलावा सम्बन्धित नियम भी तैयार किए जाएंगे. इसके जरिए कार्यान्वयन, निगरानी और समीक्षा से सम्बन्धित संस्थागत प्रणालियों को लामबन्द करने के लिए सहायता होगी. इस नीति से सरकार, अनुसन्धान एवं विकास संगठनों, शिक्षा संस्थानों, सूक्ष्म, लघु, मध्यम उपक्रमों, स्टार्ट अप और अन्य हितधारकों को शक्ति सम्पन्न किया जाएगा, ताकि वे अभिनव तथा रचनात्मक वातावरण का विकास कर सकें.

विजन घोषणा–भारत में सबके लाभ के लिए बौद्धिक सम्पदा को रचनात्मक और अभिनव आधार मिलता है. भारत में बौद्धिक सम्पदा से विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कला, संस्कृति, पारम्परिक ज्ञान और जैव-विविधता संसाधनों को प्रोत्साहन मिलता है. भारत में विकास के लिए ज्ञान मुख्य कारक है.

मिशन घोषणा–भारत में शक्तिशाली, जीवन्त और सन्तुलित बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रणाली से रचनात्मकता और नवाचार को सहायता मिलती है, उद्यमशीलता को प्रोत्साहन मिलता है तथा सामाजिक-आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा मिलता है. इसके जरिए स्वास्थ्य सुविधा, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षा को बढ़ाने में मदद मिलती है. अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी महत्व भी इससे जुड़े हुए हैं.

लक्ष्य–इस नीति के निम्नलिखित सात लक्ष्य हैं–

1. बौद्धिक सम्पदा अधिकार जागरूकता : पहुँच और प्रोत्साहन-समाज के सभी वर्गों में बौद्धिक सम्पदा अधिकारों के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक लाभों के प्रति जागरूकता पैदा करना.
2. बौद्धिक सम्पदा अधिकारों का सृजन–बौद्धिक सम्पदा अधिकारों के सृजन को बढ़ावा.

3. वैधानिक एवं विधायी ढाँचा–मजबूत और प्रभावशाली बौद्धिक सम्पदा अधिकार नियमों को अपनाना, ताकि अधिकृत व्यक्तियों तथा वृहद लोकहित के बीच सन्तुलन कायम हो सके.
4. प्रशासन एवं प्रबन्धन–सेवा आधारित बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रशासन को आधुनिक और मजबूत बनाना.
5. बौद्धिक सम्पदा अधिकारों का व्यावसायीकरण–व्यावसायीकरण के जरिए बौद्धिक सम्पदा अधिकारों का मूल्य निर्धारण.
6. प्रवर्तन एवं न्यायाधिकरण–बौत्रिक सम्पदा अधिकारों के उल्लंघनों का मुकाबला करने के लिए प्रवर्तन एवं न्यायिक प्रणालियों को मजबूत बनाना.
7. मानव संसाधन विकास–मानव संसाधनों, संस्थानों की शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसन्धान क्षमताओं को मजबूत बनाना तथा बौद्धिक सम्पदा अधिकारों में कौशल निर्माण करना.

इन लक्ष्यों को विस्तृत कार्य-प्रणाली के जरिए हासिल किया जाएगा. विभिन्न मन्त्रालयों/विभागों द्वारा की जाने वाली कार्रवाई की निगरानी औद्योगिक नीति एवं प्रोन्नयन विभाग (डी.आई.पी.पी.) करेगा. डी.आई.पी.पी. भारत में बौद्धिक सम्पदा अधिकारों के भावी विकास, कार्यान्वयन, दिशा-निर्देश और समन्वय करने वाला नोडल विभाग होगा. राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा अधिकार नीति 'रचनात्मक भारत : अभिनव भारत' के लिए काम करेगी.

'जिज्ञासा'–विद्यार्थी-वैज्ञानिक सम्पर्क कार्यक्रम

विद्यार्थी-वैज्ञानिक सम्पर्क कार्यक्रम-'जिज्ञासा' का 6 जुलाई, 2017 को राष्ट्रीय राजधानी में आधिकारिक तौर पर शुभारम्भ किया गया. वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसन्धान परिषद् (सी.एस.आई.आर.) केन्द्रीय विद्यालय संगठन के साथ मिलकर इस कार्यक्रम का कार्यान्वयन करेगी. इसमें स्कूल के विद्यार्थियों और वैज्ञानिकों को आपस में जोड़ने पर ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है, ताकि विद्यार्थियों को कक्षा में सिखाई गई बातों को योजनाबद्ध अनुसन्धान प्रयोगशाला पर आधारित शिक्षण के साथ समुचित रूप से जोड़ा जा सके. जिज्ञासा कार्यक्रम प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के नवीन भारत के विजन और वैज्ञानिक समुदाय और संस्थाओं के 'वैज्ञानिक सामाजिक उत्तरदायित्व' (एस.एस.आर.) से प्रेरित है.

'जिज्ञासा' जहाँ एक ओर स्कूल के विद्यार्थियों और उनके अध्यापकों में जिज्ञासा की संस्कृति को, वहीं दूसरी ओर वैज्ञानिक अभिरुचि को अन्तर्निविष्ट करेगी. इस कार्यक्रम के अन्तर्गत 1,00,000 विद्यार्थियों और लगभग 1,000 अध्यापकों को सालाना तौर पर लक्षित करते हुए 1151 केन्द्रीय विद्यालयों को सी.एस.आई.आर. की 38 राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं के साथ जोड़े जाने की सम्भावना है. यह कार्यक्रम विद्यार्थियों और अध्यापकों को सी.एस.आई.आर. की प्रयोगशालाओं का दौरा कर और लघु विज्ञान परियोजनाओं में भाग लेकर विज्ञान में पढ़ाई जाने वाली सैद्धान्तिक अवधारणाओं को व्यावहारिक अनुभव करने में सक्षम बनाएगा.

गोरखालैण्ड आन्दोलन

दार्जिलिंग पर्वतीय क्षेत्र में पृथक् राज्य के रूप में गोरखालैण्ड की माँग सौ साल से भी ज्यादा पुरानी है. इस मुद्दे पर बीते लगभग तीन दशकों से कई बार हिंसक आन्दोलन हो चुके हैं. ताजा आन्दोलन भी इसी की कड़ी हैं. दार्जिलिंग इलाका किसी दौर में राजशाही डिवीजन (अब बांग्लादेश) में शामिल था. उसके बाद वर्ष 1912 में यह भागलपुर का हिस्सा बना. देश की आजादी के बाद वर्ष 1947 में इसका पश्चिम बंगाल में विलय हो गया. अखिल भारतीय गोरखा लीग ने वर्ष 1955 में तत्कालीन प्रधानमन्त्री जवाहर लाल नेहरू को एक ज्ञापन सौंपकर पश्चिमी बंगाल से अलग होने की माँग उठाई थी.

उसके बाद वर्ष 1955 में जिला मजदूर संघ के अध्यक्ष दौलत दास बोखिम ने राज्य पुनर्गठन समिति को एक ज्ञापन सौंपकर दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी और कूचबिहार को मिलाकर एक अलग राज्य के गठन की माँग उठाई. अस्सी के दशक के शुरूआती दौर में वह आन्दोलन दम तोड़ गया. अलग गोरखालैण्ड बनाने की माँग अस्सी के दशक में उठी थी. तब सुभाष घीसिंग ने गोरखा नेशनल लिबरेशन फ्रंट गठित कर इस आन्दोलन की शुरूआत की थी. तर्क दिया गया था कि जब भाषा के आधार पर सभी राज्यों का गठन हुआ है, तो गोरखालैण्ड को क्यों पश्चिम बंगाल की सीमा में रखा जाना चाहिए.

राज्य की तत्कालीन वाममोर्चा सरकार ने सुभाष घीसिंग के साथ एक समझौते के तहत् दार्जिलिंग गोरखा पर्वतीय परिषद् का गठन किया था. घीसिंग वर्ष 2008 तक इसके अध्यक्ष रहे, लेकिन वर्ष 2007 से ही पहाड़ियों में गोरखा जनमुक्ति मोर्चा के बैनर तले एक नई क्षेत्रीय ताकत का उदय होने लगा था.

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग वाले इलाके के लोग नेपाली बोलते हैं. इसलिए उनकी लम्बे समय से शिकायत रही है कि पश्चिमी बंगाल सरकार उनके साथ भाषा के आधार पर भेदभाव करती रही है. तब पश्चिम बंगाल सरकार ने गोरखा नेशनल लिबरेशन फ्रंट के साथ समझौता किया और दार्जिलिंग गोरखा हिल्स काउंसिल बनाने पर सहमति बनी, फिर करीब बीस सालों तक इस पहाड़ी जिले में शान्ति रही. मगर बिमल गुरुंग ने गोरखा नेशनल लिबरेशन फ्रंट से अलग होकर गोरखा जन मुक्तिमोर्चा का गठन किया और नए सिरे से अलग गोरखालैण्ड की माँग उठा दी. जब उत्तराखण्ड, झारखण्ड और तेलंगाना नामक नये राज्यों का गठन हुआ तो इस माँग को और बल मिला. हालाँकि इन तीन राज्यों का गठन विकास के तर्क पर हुआ था. इसलिए भी भाषा के आधार पर अलग गोरखालैण्ड की माँग को बल नहीं मिल पा रहा.

पश्चिम बंगाल सरकार ने हाल ही में एक अधिसूचना जारी की, जिसमें सारे स्कूलों में बांग्ला भाषा पढ़ाना अनिवार्य किया गया है. इसके बाद गोरखा जनमुक्ति मोर्चा ने दार्जिलिंग और कलिम्पोंग जिलों में विरोध प्रदर्शन किए हैं. इस मामले में ममता बनर्जी और विमल गुरुंग के बीच तनाव जारी है. हालाँकि, ममता बनर्जी ये स्पष्टीकरण दे चुकी हैं कि पहाड़ी क्षेत्रों के लिए ये आदेश अनिवार्य नहीं है बल्कि चुनने की आजादी है, लेकिन गोरखा जनमुक्ति के नेता इसके लिए तैयार नहीं हैं.

वासेनार व्यवस्था एवं आस्ट्रेलिया समूह (Wassenaar Arrangement and Australia Group)

वासेनार व्यवस्था एक बहुपक्षीय निर्यात् नियन्त्रण व्यवस्था (एम.ई.सी.आर.) है, जिसमें 41 राष्ट्र भागीदार हैं. इसका उद्देश्य परम्परागत हथियारों और दोहरे उपयोग वाली वस्तुओं और प्रौद्योगिकी के निर्यात् पर नियन्त्रण करना है. 2013 में, वासेनार व्यवस्था में 'इन्ट्रूजन सॉफ्टवेयर' (परिकलक के कार्यक्रम की आधार सामग्री) शामिल किया गया जो सम्भावी 'निगरानी उपकरण' के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है या साइबर स्पेस में संरक्षक विरोध/हमला करना सीमा/कार्रवाई को विफल करने से सम्बन्धित है. हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर जो 'सूचना प्राप्त करने' में मदद करते हैं उन्हें भी इस प्रतिबन्धित श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है.

आस्ट्रेलिया समूह विभिन्न देशों का एक अनौपचारिक समूह है (इसमें अब यूरोपीय आयोग भी जुड़ गया है.) जिसकी स्थापना

1984 में इराक द्वारा रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल के बाद 1985 में की गई थी. इसका उद्देश्य सदस्य देशों को उन निर्यातों की पहचान करने में मदद करना है, जिन्हें नियन्त्रित किए जाने की आवश्यकता है, ताकि रासायनिक और जैविक हथियारों के प्रसार को रोका जा सके. इसमें 42 सदस्य हैं, जिसमें ओईसीडी के सभी सदस्य देश, यूरोपीय आयोग तथा यूरोपीय संघ के सभी 28 सदस्य देशों सहित यूक्रेन और अर्जेंटीना भी शामिल हैं. संगठन का यह नाम इसलिए हैं, क्योंकि आस्टेलिया ने यह समूह बनाने के लिए पहल की थी. आस्ट्रेलिया ही इस संगठन के सचिवालय का प्रबन्धन देखता है.

'लोन वुल्फ' अटैक

'लोन वुल्फ' हमलों में अक्सर कोई बड़ा रैकेट नहीं होता. आतंकी इसे अपने स्तर पर ही अंजाम देते हैं. लिहाजा इन्हें रोकना ज्यादा कठिन होता है. 'लोन वुल्फ' अटैक का मतलब ऐसा घातक हमला जिसे बिना टीम के अंजाम दिया जाता है. इस हमले के मॉड्यूल में अकेला आतंकी ही ऐसे हमले को अंजाम दे सकता है, जिसमें वह ज्यादा से ज्यादा लोगों को अपनी जद में ले सके. दरअसल 'लोन वुल्फ' अटैक भेड़िए की तरह अकेले हमला करने की रणनीति है. इस अटैक में छोटे हथियारों, चाकुओं, ग्रेनेड का इस्तेमाल किया जाता है. ये ग्रुप लीडर से जुड़े बिना हमला करते हैं. ऐसे में सुरक्षा एजेंसियों के लिए किसी अकेले आतंकी के काम करने का पता लगाना काफी मुश्किल हो जाता है. ऐसे हमले काफी कम खर्च में अंजाम दिए जाते हैं. हालाँकि कई बार इसमें आतंकियों का ग्रुप भी शामिल हो जाता है. आई.एस.आई.एस. की मैगजीन 'इंसपायर' में ऐसे हमले के बारे में जिक्र किया गया है.

डोकलाम विवाद

भौगोलिक रूप से डोकलाम भारत, चीन और भूटान बॉर्डर के तिराहे पर स्थित है, जिसकी भारत के नाथुला पास से मात्र 15 किमी की दूरी है. चुंबी घाटी में स्थित डोकलाम सामरिक दृष्टि से भारत और चीन के लिए काफी महत्वपूर्ण है. साल 1988 और 1998 में चीन और भूटान के बीच समझौता हुआ था कि दोनों देश डोकलाम क्षेत्र में शान्ति बनाए रखने की दिशा में काम करेंगे. दूसरी ओर साल 1949 में भारत और भूटान के बीच एक सन्धि हुई थी, जिसमें तय हुआ था कि भारत अपने पड़ोसी देश भूटान की विदेश नीति और रक्षा मामलों का मार्गदर्शन करेगा. साल 2007 में इस मुद्दे पर एक नई दोस्ताना सन्धि हुई, जिसमें भूटान के भारत से निर्देश लेने की जरूरत को खत्म कर दिया गया और यह वैकल्पिक हो गया. चीन के अनुसार डोकलाम नाम का इस्तेमाल तिब्बती चरवाहे पुराने चारागाह के रूप में करते थे. चीन का ये भी दावा है कि डोकलाम में जाने के लिए 1960 से पहले तक भूटान के चरवाहे उसकी अनुमति लेकर ही जाते थे.

हालाँकि ऐतिहासिक रूप से इसके कोई प्रमाण मौजूद नहीं हैं. असल में इस पूरे विवाद की जड़ ही दूसरी है, डोकलाम का इलाका भारत के लिए सामरिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है. भारत के सिक्किम, चीन और भूटान के तिराहे पर स्थित डोकलाम पर चीन हाइवे बनाने की कोशिश में है, जिसका भारतीय खेमा विरोध कर रहा है. उसकी बड़ी वजह ये है कि अगर डोकलाम तक चीन की सुगम आवाजाही हो गई तो फिर वह भारत को पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ने वाली चिकन नेक तक अपनी पहुँच और आसान कर सकता है.

सामान्य अध्ययन-III

प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव विविधता, पर्यावरण, सुरक्षा और आपदा प्रबन्धन

'डीप ओशन मिशन'
(Deep Ocean Mission)

केन्द्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय जनवरी 2018 में 'डीप ओशन मिशन' का शुभारम्भ करने के लिए तैयार है. यह मिशन समुद्र अनुसन्धान क्षेत्र में भारत की वर्तमान स्थिति को बेहतर करेगा. भारत दुनिया का पहला ऐसा देश है जिसे गहरे समुद्र में खनन अन्वेषण के लिए पर्याप्त क्षेत्र दिया गया था. वर्ष 1987 में भारत को केन्द्रीय हिन्द महासागर बेसिन में पॉलिमेटालिक नोड्यूल्स (Poy Metallic Nodules) में अन्वेषण का मौका मिला था. पृथ्वी विज्ञान मन्त्रालय द्वारा वित्तपोषित राष्ट्रीय पॉलिमेटालिक मोड्यूल कार्यक्रम के अन्तर्गत नोड्यूल खनन के लिए सीएसआईआर-एनआईओ द्वारा पर्यावरण प्रभाव आकलन अध्ययन, सीएसआईआर-नेशनल मेटालर्जिकल लैबोरेट्री और सीएसआईआर-खनिज एवं धातु प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा धातु निष्कर्षण प्रक्रिया विकास और राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा खनन प्रौद्योगिकी विकास अध्ययन किया गया. संसाधन मूल्यांकन के आधार पर, भारत के पास लगभग 100 मिलियन टन सामरिक धातुओं जैसे कॉपर, निकेल, कोबाल्ट और मैंगनीज और आयरन के अनुमानित संसाधन के साथ लगभग 75,000 वर्ग किमी क्षेत्र है.

स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप प्रोजेक्ट
(Strategic Partnership Project)

केन्द्र सरकार ने रक्षा क्षेत्र में स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप पॉलिसी को मंजूरी प्रदान की है. स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप पॉलिसी देश हित में प्राइवेट डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में बड़ी उपलब्धि है. इस पॉलिसी के तहत् सरकार कुछ भारतीय कम्पनियों का चुनाव करेगी. ये कम्पनियाँ सेना और विदेशी कम्पनियों के साथ मिलकर लड़ाकू विमान, हेलिकॉप्टर, बख्तरबन्द वाहन और पनडुब्बियाँ बनाएंगी. ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि पॉलिसी को मंजूरी मिलने के बाद इस काम के लिए भारतीय कम्पनी लार्सेन एण्ड टुब्रो, महिन्द्रा ग्रुप, टाटा ग्रुप और रिलायंस व अडानी ग्रुप आगे आएंगे. इस पॉलिसी के तहत् छह भारतीय कम्पनियों का एक पूल बनाया जाएगा, जिसे डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग के लिए विशेष दर्जा मिलेगा. इस पूल के लिए कम्पनियों का चयन उनकी वित्तीय ताकत और तकनीकी विशेषज्ञता के आधार पर किया जाएगा.

देश में रक्षा उत्पादन के लिए अहम पॉलिसी जारी करने के बाद सरकार ₹ 60 हजार करोड़ के पनडुब्बी अभियान के लिए प्रक्रिया शुरू करने जा रही है. इस अभियान को समुद्री इलाकों में चीन के बढ़ते प्रभाव से मुकाबले और हिन्द महासागर में भारत की तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है. महत्वाकांक्षी 'स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' मॉडल के तहत् शुरू की जाने वाली सरकार की यह पहली परियोजना होगी.

वानाक्राई
(Wanacry)

विश्व के अधिकांश देशों में 12 मई, 2017 को रैनसमवेयर हमले की सूचना प्राप्त हुई. वानाक्रिप्ट या वानाक्राई नाम के इस रैनसमवेयर ने माइक्रोसॉफ्ट विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम (विंडोज 8, विस्टा, विंडोज एक्सपी, विंडोज-7) वाले कम्प्यूटरों को निशाना

बनाया. सुभेध कम्प्यूटरों को निशाना बनाकर वानाक्राई के द्वारा फाइलों का कूटकरण (Encryption) कर दिया गया और प्रयोज्यता बहाल करने के लिए फिरौती की माँग की गई. इस साइबर हमले में 150 से अधिक देशों के 2 लाख 30 हजार से ज्यादा कम्प्यूटर प्रभावित हुए. इसमें ब्रिटेन की 'राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा', स्पेन की टेलिफोनिका, फेडेक्स और जर्मन रेल कम्पनी 'डच बान' आदि के कम्प्यूटर शामिल थे. भारत में साइबर हमले की सूचना पश्चिम बंगाल से प्राप्त हुई जहाँ राज्य विद्युत् वितरण कम्पनी के कम्प्यूटर प्रभावित हुए. इस साइबर हमले को दृष्टिगत रखते हुए, एहतियातन कुछ स्थानों पर एटीएम मशीनों को बन्द रखा गया. भारत में लगभग 50 हजार कम्प्यूटरों के 'वानाक्राई' से प्रभावित होने का अनुमान है. रूसी एण्टी वायरस कम्पनी केस्पर्सकी के अनुसार भारत इस हमले से सर्वाधिक प्रभावित देशों में से एक था. प्रारम्भिक आँकड़ों के अनुसार इस हमले से प्रभावित हर पाँचवाँ कम्प्यूटर भारतीय था.

रैनसमवेयर एक तरह का मालवेयर होता है जो किसी कम्प्यूटर प्रणाली को प्रभावित कर उसका उपयोग बाधित कर देता है. ऐसी स्थिति में उपयोगकर्ता किसी फाइल को या पूरे कम्प्यूटर को ही प्रयोग नहीं कर पाता. कम्प्यूटर का प्रयोग बहाल करने के लिए फिरौती वसूलने का प्रयास किया जाता है. आधुनिक रैनसमवेयर जिन्हें क्रिप्टो-रैनसमवेयर कहा जाता है, प्रभावित कम्प्यूटर में मौजूद किसी फाइल का कूटकरण (Encryption) कर देते हैं जिससे वह फाइल साइबर हमला करने वालों के नियन्त्रण में आ जाती है एवं बिना उनकी अनुमति के उसे नहीं खोला जा सकता. ऐसी स्थिति में वे इसे डिलीट (Delete) करने या सार्वजनिक करने की धमकी देकर पैसे की माँग कर सकते हैं. 'वानाक्राई' का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि यह एक 'वार्म' की तरह कार्य करता है अर्थात् यह एक लैन (LAN–Local Area Network) से जुड़े सभी कम्प्यूटर प्रणालियों तक यह फैल सकता है.

फ्लाइंग डैगर्स 45
(Flying Daggers 45)

भारतीय वायुसेना के बेड़े में स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान 'तेजस' को शामिल कर लिया गया है, जिसका नाम फ्लाइंग डैगर्स 45 रखा गया है. फ्लाइंग डैगर्स 45 वही दस्ता (Squadran) है, जो मिग 21 विमानों के लिए बनाई गई थी, लेकिन इसकी ताकत की वजह से अब तेजस मिग-21 विमानों की जगह लेने जा रहा है. इस विमान को सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनी हिन्दुस्तान एयरोनॉटिकल्स (लिमिटेड) (एचएएल) ने बनाया है. पहले दो साल तक यह दस्ता बेंगलुरू में रहेगा उसके बाद इसे तमिलनाडु के सुलूर में स्थानान्तरित किया जाएगा. तेजस अगले साल वायुसेना की लड़ाकू बेड़ों में भी नजर आएंगे और इसे अग्रिम चौकियों पर तैनात किया जाएगा. इसमें सेंसर रडार लगाया गया है, जोकि दुश्मन के विमान या जमीन से हवा में दागी गई मिसाइल के तेजस के पास आने की सूचना देता है. भारतीय वायुसेना को मिग 21 का विकल्प उपलब्ध कराएगा. तेजस की रफ्तार, हल्का वजन और दुश्मन को हर हाल में मात देने की क्षमता इस लड़ाकू विमान की खासियत है. भारतीय सेना साल 2018 तक 20 तेजस विमानों को बेड़े में शामिल करेगी. इसके बाद तेजस विमानों की सैन्य टुकड़ी का बेस बेंगलूरू से तमिलनाडु के सलूर में स्थानान्तरित कर दिया जाएगा.

'तेजस' विमान को बनाने में तीन दशकों का समय लगा है. इस विमान ने अपनी पहली उड़ान 4 जनवरी, 2001 को भरी थी और तब से अब तक इसके ढाई हजार से अधिक उड़ान परीक्षण किए जा चुके हैं. इस लड़ाकू विमान को 'तेजस' नाम हमारे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने दिया था.

जीएसएलवी मार्क–III-डी-1
(GSLV Mark–III-D-1)

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसन्धान संगठन (ISRO) ने 5 जून, 2017 को देश के सबसे भारी रॉकेट जीएसएलवी मार्क–III-डी-1 (GSLV MK III-D-1) का सफल प्रक्षेपण सतीश धवन अन्तरिक्ष केन्द्र, श्रीहरिकोटा (आन्ध्र प्रदेश) के प्रक्षेपण स्थल-2 से किया. इस रॉकेट द्वारा 3136 किग्रा वजनी स्थिर संचार उपग्रह जीसैट-19 का भू-तुल्यकालिक अन्तरण कक्षा (GTO) में सफल प्रक्षेपण किया गया. जीसैट-19 उपग्रह भारत में बना और प्रक्षेपित होने वाला सबसे भारी उपग्रह है. जीसैट-19 को पहली बार स्वदेश निर्मित लीथियम आयन बैटरियों से संचालित किया जा रहा है. जीसैट-19 बहुतरंगी उपग्रह है, जो का (Ka) और कू (Ku) बैण्ड वाले ट्रांसपोंडर्स अपने साथ लेकर गया है. पहली बार जीसैट-19 उपग्रह पर कोई ट्रांसपोंडर नहीं था. जीसैट-19 उपग्रह को अन्तरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र, अहमदाबाद में बनाया गया. इसके सफल प्रक्षेपण से इण्टरनेट की गति बढ़ जाएगी जो प्रति सेकण्ड 4 गीगा बाइट होगी. इस उपग्रह की कार्य अवधि 15 वर्ष होगी. जीसैट-19 उपग्रह पुराने किस्म के 6-7 संचार उपग्रहों के बराबर होगा. उल्लेखनीय है कि जीएसएलवी मार्क-III-डी-1 640 टन वजनी और 43·43 मीटर लम्बा है. यह रॉकेट 4000 किग्रा तक पेलोड को भू-तुल्यकालिक अन्तरण कक्षा और 10 हजार किग्रा तक के पेलोड को पृथ्वी की निचली कक्षा में पहुँचाने में सक्षम है. अब तक 2,300 किग्रा से ज्यादा वजन वाले संचार उपग्रहों के प्रक्षेपण के लिए इसरो को विदेशी प्रक्षेपकों पर निर्भर रहना पड़ता था. इस रॉकेट में तीन चरणीय यान हैं, जिसमें स्वदेशी क्रायोजेनिक अपर स्टेज (Upper Stage) ईंधन लगा है.

कलामसैट
(Kalamsat)

अमरीका की अन्तरिक्ष संस्था 'नासा (NASA) और 'आई डूडल लर्निंग' (I Doodle Learning) संगठन द्वारा 'क्यूब्स इन स्पेस' (Cubes in Space) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता में 57 देशों की टीमों द्वारा उपग्रहों की 86 हजार डिजाइनें प्रस्तुत की गईं. भारतीय छात्र रिफाथ शारूक (Rifath Sharook) द्वारा निर्मित उपग्रह 'कलामसैट' का चयन किया गया. 21 जून, 2017 को नासा के 'वालोप्स अन्तरिक्ष केन्द्र' (Wallops Space Centre) से एसआर-4 रॉकेट के माध्यम से 'कलामसैट' (Kalamsat) उपग्रह का प्रक्षेपण किया जाएगा. इस उपग्रह का निर्माण भारत के तमिलनाडु (करूर जिले के पल्लापट्टी के) राज्य के 18 वर्षीय छात्र रिफाथ शारूक द्वारा किया गया है. 'कलामसैट' उपग्रह का नामकरण विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के नाम पर किया गया है. चार सेंटीमीटर क्यूब सैटेलाइट 'कलामसैट' का वजन 64 ग्राम है, जो विश्व का सबसे हल्का एवं सबसे छोटा उपग्रह है. कलामसैट का प्रक्षेपण एक उप-कक्षीय (Sub-Orbital) उड़ान होगी एवं प्रक्षेपण के पश्चात् मिशन अवधि 240 मिनट की होगी. इस उपग्रह का संचालन 'अन्तरिक्ष के सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण वातावरण' (Micro-Gravity Environment of Space) में किया जाएगा. उपग्रह की मुख्य भूमिका 3डी प्रिंटेड कार्बन फाइबर के कार्य का प्रदर्शन करना है. यह उपग्रह प्रबलित (Reinforced) कार्बन फाइबर का उपयोग कर बनाया गया है. कलामसैट उपग्रह में तापमान और रेडिएशन स्तर के मापन के लिए सेंसर लगे हैं.

नेसोफिल्टर्स
(Nasofilters)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली के पूर्व छात्रों की स्टार्टअप कम्पनी ने एक नेजल (नाक पर लगाए जाने वाला) फिल्टर विकसित किया है, जो लोगों को वायु प्रदूषण से बचाने के साथ-साथ सांस की बीमारियों की आशंका को भी कम करेगा. 'नेसोफिल्टर्स' नाम का यह फिल्टर दिल्ली-एनसीआर में दो महीने के अन्दर मात्र ₹ 10 में उपलब्ध होगा. इस फिल्टर को विकसित करने वाली 'नैनोक्लीन ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतीक शर्मा, जिन्होंने साल 2015 में आईआईटी से सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक किया था, ने बताया कि हमने इस फिल्टर को 100 फीसद जैविक रूप से विघटित होने वाले पदार्थ से बनाया है. यह फिल्टर वायु में मौजूद बेहद महीन कणों (पीएम 2·5), बैक्टीरिया और फूलों के पराग से लोगों को सुरक्षित रखेगा.

फिल्टर को उपयोग व फेंकने की पद्धति पर एक बार ही इस्तेमाल किया जा सकता है. इस कम्पनी में प्रतीक के अलावा 1982 बैच के संजीव जैन, तुषार व्यास (मैकेनिकल इंजीनियरिंग 2015) और एक वर्तमान छात्र जतिन केवलानी शामिल हैं.

यह टीम आईआईटी की प्रोफेसर मंजीत जस्सल और प्रोफेसर अश्विनी अग्रवाल के निर्देशन में काम कर रही है. प्रोफेसर अग्रवाल के मुताबिक, इस फिल्टर में लाखों महीन छेद बनाए गए हैं ताकि वायु में मौजूद प्रदूषण के कणों को नाक में जाने से रोका जा सके. बिना किसी परेशानी के इसे लम्बे समय तक उपयोग किया जा सकता है. उनके मुताबिक, यह फिल्टर विभिन्न प्रकार की एलर्जी से ग्रसित और लम्बे समय तक प्रदूषित वातावरण में काम करने वाले लोगों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगा. फिल्टर बनाने वाली कम्पनी को 11 मई को राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के हाथों 'स्टार्टअप नेशनल अवॉर्ड 2017' भी मिल चुका है.

माइक्रोबीड्स या माइक्रो प्लास्टिक
(Microbeads/Micro Plastic)

माइक्रोबीड्स या माइक्रोप्लास्टिक दरअसल प्लास्टिक या फाइबर के वे टुकड़े हैं, जो आकार में बहुत छोटे होते हैं. संयुक्त राष्ट्र की हालिया रिपोर्टों के मुताबिक, ये जलीय जीवन और पर्यावरण के लिए खतरनाक हैं. माइक्रोप्लास्टिक पाँच मिमी से भी कम आकार के प्लास्टिक या फाइबर के टुकड़े होते हैं. निजी देखभाल के उत्पादों में पाए जाने वाले माइक्रोप्लास्टिक या माइक्रोबीड्स हमेशा एक मिमी से भी छोटे होते हैं. प्लास्टिक के एक से पाँच एमएम तक के बेहद छोटे टुकड़े होने की वजह से ये नाली से होते हुए जल स्रोत में मिल जाते हैं और पर्यावरण को गम्भीर नुकसान पहुँचाते हैं. दुनिया भर में इन पर प्रतिबन्ध की माँग की जा रही है.

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने सौन्दर्य प्रसाधनों और शारीरिक देखभाल के उत्पादों में इस्तेमाल किए जाने वाले माइक्रो प्लास्टिक के प्रयोग पर प्रतिबन्ध की माँग करने वाली याचिका पर केन्द्र से जवाब माँगा है. याचिका में कहा गया है कि माइक्रो प्लास्टिक का इस्तेमाल जलीय जीवन और पर्यावरण के लिए खतरनाक है.

मदर ऑफ ऑल बॉम्ब
(Mother of All Bomb)

अमरीका ने 13 अप्रैल, 2017 को खूंखार आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए अफगानिस्तान के नंगारहर में सबसे बड़ा गैर परमाणु बम 'GBU–43' गिराया है. करीब 10 क्विंटल (21,000 पाउंड) वजनी इस बम को 'मदर ऑफ ऑल बॉम्ब' के नाम से जाना जाता है. इस बेहद घातक बम को MC–130 एयरक्राफ्ट से गिराया गया. 10 क्विंटल वजनी GBU–43/B मैसिव ऑर्डिनेंस एयर ब्लास्ट (MOAB) बम जीपीएस गाइडेड है. इस बम को अमरीकी सेना के अल्बर्ट वेमोर्ट्स ने विकसित किया था. साल 2003 में इस बम का पहली बार परीक्षण किया गया था. सफल परीक्षण के बाद इस बम को 2003 में इराक युद्ध के समय बनाया गया. इससे पहले कभी इसे इस्तेमाल नहीं किया गया. इस बम को 'मदर ऑफ ऑल बॉम्ब' के नाम से जाना जाता है. अमरीका के इस बम के जवाब में रूस ने फादर ऑफ ऑल बॉम्ब विकसित किया, जो GBU–43 से चार गुना ज्यादा शक्तिशाली है.

थ्रू द वॉल रडार
(Through the Wall Radar)

आतंक-विरोधी अभियान के दौरान छिपे हुए आतंकियों का पता लगाने के लिए सेना 'थ्रू द वॉल रडार' का इस्तेमाल कर रही है. यह रडार कॉम्बिंग ऑपरेशन के दौरान आतंकियों की एकदम सटीक स्थिति बताने में मददगार साबित हो रहे हैं. आतंकियों को छिपने के लिए घरों में बनाई गई खास दीवारों या भूमिगत ठिकानों के लिए खासतौर से इस रडार का इस्तेमाल हो रहा है. ये रडार माइक्रोवेव रेडिएशन पर काम करते हैं. इन माइक्रोवेव तरंगों की मदद से इंसानों के शरीर से निकलने वाली इलेक्ट्रॉमैग्नेटिक तरंगों (Electromagnetic waves) में छोटे बदलावों का भी पता चल जाता है. इन रडार में माइक्रोवेव रेडिएशन होता है जिसकी मदद से दीवारों या कांक्रीट के अवरोधों के पीछे छिपे आतंकियों का भी पता लगाया जा सकता है. रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) की इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड रडार डेवलपमेण्ट एस्टैबलिस्मेण्ट (LRDE) भी हाथ से इस्तेमाल होने वाले इस तरह के रडार पर काम कर रही है. इस योजना की शुरूआत सेना ने 2008 में हुए मुम्बई हमले के बाद की थी.

भारत में विमुद्रीकरण का इतिहास
(History of Demonetization in India)

पहली बार साल 1946 में 500, 1000 और 10,000 के नोटों का विमुद्रीकरण किया गया था. 1938 में गठित भारतीय रिजर्व बैंक ने अभी तक ₹ 10 हजार से अधिक का नोट नहीं जारी किया है. 1970 के दशक में प्रत्यक्ष कर की जाँच से जुड़ी वानचू कमेटी ने काला धन बाहर लाने और उसे खत्म करने के लिए विमुद्रीकरण का सुझाव दिया था, लेकिन इस सुझाव के सार्वजनिक हो जाने की वजह से कालाधन रखने वालों ने तत्काल अपने पैसे इधर-उधर निकाल दिए.

1977 में इमरजेंसी हटने के बाद चुनाव हुए और केन्द्र में मोरारजी देसाई के नेतृत्व में जनता पार्टी की सरकार बनी. जनवरी 1978 में मोरारजी सरकार ने एक कानून बनाकर 1,000, 5,000 और 10,000 के नोट बन्द कर दिए. आरबीआई के तत्कालीन गवर्नर आईजी पटेल सरकार के इस कदम से सहमत नहीं थे. पटेल के अनुसार ये फैसला कालाधन खत्म करने के बजाय पिछली भ्रष्ट सरकारों को पंगु बनाने के लिए लिया गया है.

अब तक भारत में किसी नोट को पूरी तरह बन्द दो बार ही किया गया है, लेकिन कई बार सरकार पुराने नोट को धीरे-धीरे बन्द कर देती है और उसकी जगह ही मूल्य के नए नोट जारी कर देती है. जैसे साल 2005 में मनमोहन सिंह की कांग्रेसनीत सरकार ने 500 के 2005 से पहले के नाटों का विमुद्रीकरण कर दिया. 2005 से पहले छापे गए 500 के नोटों के पीछे जारी किए जाने का साल नहीं लिखा होता था. सरकार ने बाजार में चल रहे 500 के नकली नोटों की जमाखोरी को खत्म करने के लिए पुराने नोट बन्द

कर दिए. 500 के पुराने नोटों को बैंकों में नए नोटों से बदलने की सुविधा दी गई थी. आठ नवम्बर 2016 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 500 और 1,000 के नोट को बन्द करने की घोषणा की.

अर्थव्यवस्था और उद्यमशीलता के बीच सम्बन्ध
(Relationship between Economy and Entrepreneurship)

उद्यमशीलता और आर्थिक गतिविधि बहुत नजदीकी और सकारात्मक सम्बन्ध रखते हैं, एडम स्मिथ के अनुसार जब श्रम का विभाजन बढ़ेगा तो आर्थिक विकास होगा. उद्यमियों की संख्या में वृद्धि का अर्थ है आर्थिक वृद्धि. इसके परिणामस्वरूप उनके कौशलों की ठोस अभिव्यक्ति का परिणाम मिलता है और यह बारीकी से देखने पर उनके नवाचार की क्षमता है.

उद्यमशीलता किसी देश के आर्थिक विकास का मुख्य संकेतक है. जैसे-जैसे अधिक-से-अधिक आबादी अवसर की उद्यमशीलता में शामिल होती है और जब अधिक लोग अनिवार्य उद्यमशीलता का त्याग करते हैं (स्वयं रोजगार) तो हम आर्थिक विकास का स्तर उठता हुआ देखते हैं.

दूसरे शब्दों में उद्यमशीलता एक आर्थिक एजेंट के रूप में जानी जाती है–'बाजार का प्रेरक बल'. उद्यमशील व्यक्ति नए व्यापार का सृजन करते हैं और नए व्यापार से रोजगार पैदा होते हैं, प्रतिस्पर्द्धा बढ़ती है और इसके साथ ही प्रौद्योगिकी बदलाव द्वारा उत्पादकता बढ़ती है. इस प्रकार उद्यमशीलता के उच्च मापे गए स्तर आर्थिक वृद्धि के उच्च स्तरों में सीधे रूपान्तरित होते हैं.

भीम ऐप
(Bhim App)

भीम आधार प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए एक बायोमीट्रिक भुगतान प्रणाली वाला ऐप है, जो सीधे ही बैंक के माध्यम से ई-भुगतान की सुविधा के लिए एकीकृत भुगतान इण्टरफेस पर आधारित है. इसके द्वारा प्रौद्योगिकी और डिजिटल लेन-देन के महत्व पर जोर देना शुरू किया गया है. इसे सभी मोबाइल उपकरणों स्मार्ट फोन, फीचर फोन, द्वारा इण्टरनेट कनेक्शन के साथ या उसके बिना उपयोग किया जा सकता है. भीम ऐप द्वारा आधार गेटवे से जुड़े बैंक खाते में अंगूठे के निशान से ही भुगतान किया जा सकता है. वास्तव में भीम के माध्यम से प्रौद्योगिकी गरीब से गरीब छोटे व्यापारियों और हाशिए पर पड़े वर्गों को सशक्त बनाएगी.

देश में नव विकसित भुगतान ऐप भीम (धन के लिए भारत इण्टरफेस) का नाम भारतीय संविधान के मुख्य वस्तुकार श्री भीमराव अम्बेडकर के नाम पर रखा गया. इस एप्लिकेशन के माध्यम से भारत रत्न भीमराव अम्बेडकर का नाम भारत की अर्थव्यवस्था की धुरी बनेगा. वह दिन दूर नहीं है जब लोग इससे अपने व्यापार का संचालन करेंगे. यह ऐप देश में वित्तीय समानता का सृजन करेगा जैसा कि डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने परिकल्पना की थी. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दलितों, पिछड़े वर्गों और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के लोगों के विकास के लिए अनेक कल्याण योजनाएं शुरू की हैं. भीम काले धन की प्रणाली पर अंकुश लगाने के साथ समाज में समानता का सृजन करेगा.

फ्लोटिंग रेट बॉण्ड्स
(Floating Rate Bonds)

फ्लोटिंग रेट बॉण्ड्स डेट सिक्योरिटीज होती हैं, जिन पर एक समय अवधि में तय ब्याज की पेशकश नहीं की जाती. इनके रेट बेंचमार्क इण्टरेस्ट रेट्स के साथ बदलते रहते हैं. ऐसे इंस्ट्रूमेंट्स को खासतौर पर इण्टरेस्ट रेट में गिरावट वाले दौर में पसन्द किया जाता है. बॉण्ड इश्यू करने वालों को बॉरोइंग कॉस्ट के लिहाज से फायदा होता है. ऐसे बॉण्ड आमतौर पर बैंकों के बेस रेट से लिंक्ड होते हैं, जिससे कम रेट पर बैंक लोन नहीं दे सकते. इसके प्राइस में बैंक बेस रेट के साथ 0·10-0·20 पर्सेंट का स्प्रेड या मार्क-अप जोड़ा जाता है. अगर कोई भी एए+ रेटिंग वाली कम्पनी बैंक से टर्म लोन के लिए आवेदन करती है तो उसे बैंक की क्रेडिट अप्रेजल पॉलिसी के आधार पर कम-से-कम 0·15-0·20 पर्सेंट अधिक रेट चुकाना पड़ सकता है. अगर कम्पनी एक बड़ी रकम जुटाना चाहती है तो यह और बढ़ जाता है. अपनी अलग-अलग स्कीमों के लिए म्यूचुअल फण्ड और इंश्योरेंस कम्पनियों, प्रॉविडेंट फण्ड और पेंशन हाउसेज सहित लॉंग-टर्म फण्ड. यह प्रॉडक्ट इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए डिजाइन किया गया है, लेकिन रईस इनवेस्टर्स भी इनमें पैसा लगा सकते हैं.

वैश्विक जलवायु परिवर्तन का मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव
(Impact of Global Climate Change on Human Health)

वैश्विक जलवायु परिवर्तन का प्रभाव मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहा है. विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार जलवायु में तपन के कारण श्वास एवं हृदय सम्बन्धी बीमारियों में वृद्धि होगी. दुनिया के विकासशील देशों में दस्त, पेचिश, हैजा, क्षय रोग, पीत ज्वर तथा मियादी बुखार जैसी संक्रामक बीमारियों की बारम्बारता में वृद्धि होगी. चूँकि बीमारी फैलाने वाले रोगवाहकों के गुणन एवं विस्तार में तापमान एवं वर्षा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है. अतः दक्षिण अमरीका, अफ्रीका तथा दक्षिण-पूर्व एशिया में मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों जैसे–मलेरिया, डेंगू, पीला बुखार तथा जापानी बुखार के प्रकोप में बढ़ोतरी के कारण इन बीमारियों से होने वाली मृत्युदर में इजाफा होगा. इसके अतिरिक्त फीलपाँव तथा चिकनगुनिया का भी प्रकोप बढ़ेगा. मच्छरजनित बीमारियों का विस्तार उत्तरी अमरीका तथा यूरोप के ठण्डे देशों में भी होगा. मानव स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के चलते एक बड़ी आबादी विस्थापित होगी जो 'पर्यावरणीय शरणार्थी' (Environmental refugees) कहलाएगी.

जलवायु परिवर्तन के फलस्वरूप रोगाणुओं में बढ़ोतरी के साथ-साथ इनकी नई प्रजातियाँ विकसित होंगी, जिसके परिणामस्वरूप फसलों की उत्पादकता पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा. फसलों की नाशीजीवों (Pests) तथा रोगाणुओं (Pathogens) से सुरक्षा हेतु नाशीजीवनाशकों (Pesticides) के उपयोग की दर में बढ़ोत्तरी होगी, जिससे वातावरण प्रदूषित होता साथ ही मानव स्वास्थ्य पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा.

कृषि वानिकी
(Agro Forestry)

कृषि वानिकी का अर्थ है 'एक ही भूमि पर कृषि फसल एवं वृक्ष प्रजातियों को विधिपूर्वक रोपित कर दोनों प्रकार की उपज लेकर आय बढ़ाना.' कृषि वानिकी के अन्तर्गत काष्ठीय बहुवर्षीय प्रजातियाँ एक ही भूमि पर कृषि फसलों के साथ उगाई जाती हैं. यह पद्धति आर्थिक रूप से लाभप्रद, सामाजिक रूप से स्वीकार्य तथा समस्त भूमि सुधारक प्रक्रियाओं का समेकित नाम है. कृषि वानिकी के अन्तर्गत खेत के चारों तरफ मेड़ों पर दो या तीन पंक्तियों में अथवा खेतों के अन्दर पंक्तियों में एक निश्चित दूरी में फसलों के साथ वृक्षों को रोपित किया जाता है. इस पद्धति में रोपित वृक्षों के मध्य दूरी इस प्रकार रखी जाती है कि उनके मध्य में कृषि फसलों को रोपित किया जा सके तथा कृषि कार्य हेतु उनके मध्य से ट्रैक्टर आदि चलाए जा सकें. इसमें कृषि और

वानिकी की तकनीकों का मिश्रण करके विविधतापूर्ण, लाभप्रद, स्वस्थ एवं टिकाऊ भूमि-उपयोग सुनिश्चित किया जाता है. कृषि वानिकी पद्धति अपनाने के पीछे जो मुद्दे हैं उनमें प्रमुख हैं–(1) ईंधन एवं इमारती लकड़ी की आपूर्ति करना. (2) कृषि उत्पादनों को सुनिश्चित करना एवं खाद्यान्न में वृद्धि. (3) मृदा क्षरण पर नियन्त्रण. (4) भूमि में सुधार. (5) बीहड़ भूमि का सुधार करना. (6) फलों एवं सब्जियों का उत्पादन बढ़ाना. (7) जलवायु, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण सुरक्षा प्रदान करना. (8) कुटीर उद्योगों हेतु अधिक साधन एवं रोजगार प्रदान करना. (9) जलाऊ लकड़ी की आपूर्ति करके, गोबर का ईंधन के रूप में उपयोग करने से रोकना और इसे खाद के रूप में उपयोग करना. (10) कृषि यन्त्रों हेतु लकड़ी उपलब्ध कराना.

राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन योजना, 2016
(National Disaster Management Scheme, 2016)

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 1 जून, 2016 को राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन योजना (एनडीएमपी) जारी की. देश में पहली बार इस तरह की राष्ट्रीय योजना तैयार की गई है.

एनडीएमपी की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं–

- एनडीएमपी आपदा जोखिम घटाने के लिए सेनडाई (Sendai) फ्रेमवर्क में तय किए गए लक्ष्यों और प्राथमिकताओं के साथ मौटे तौर पर तालमेल करेगा.
- इस फ्रेमवर्क को मार्च 2015 में जापान के सेनडाई में आयोजित आपदा जोखिम कटौती पर तीसरे संयुक्त राष्ट्र विश्व सम्मेलन में अपनाया गया था.
- योजना का विजन भारत को आपदा मुक्त बनाना है, आपदा जोखिमों में पर्याप्त रूप से कमी लाना है, जान-माल, आजीविका और सम्पदाओं–आर्थिक, शारीरिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय–के नुकसान को कम करना है, इसके लिए प्रशासन के सभी स्तरों और साथ ही समुदायों की आपदाओं से निपटने की क्षमता को बढ़ाया जाएगा.
- प्रत्येक खतरे के लिए, सेनडाई फ्रेमवर्क में घोषित चार प्राथमिकताओं को आपदा जोखिम में कमी करने के फ्रेमवर्क में शामिल किया गया है. इसके लिए पाँच कार्यक्षेत्र निम्नलिखित हैं–
  - जोखिम को समझना,
  - एजेंसियों के बीच सहयोग,
  - डीआरआर में सहयोग–संरचनात्मक उपाय,
  - डीआरआर में सहयोग–गैर-संरचनात्मक उपाय,
  - क्षमता विकास.

गोल्डन क्रेसेंट एवं नार्को-टेररिज्म
(Golden Crescent and Narco-Terrorism)

नशीले पदार्थों के दुरुपयोग और अवैध व्यापार ने सभ्य समाज के सामने एक गम्भीर खतरा पैदा कर दिया है. मादक द्रव्यों के व्यापार से सबसे अधिक गैर कानूनी धन का प्रवाह पैदा हो रहा है, जो वैश्विक सुरक्षा के लिए गम्भीर चुनौती बनकर उभर रहा है और शान्ति, स्वास्थ्य तथा स्थिरता के लिए खतरा बन गया है. 'गोल्डन क्रीसेंट' मध्य, दक्षिण और पश्चिमी एशिया के उस तिराहे को कहा जाता है जो गैर-कानूनी अफीम के उत्पादन का मुख्य केन्द्र है. यह अफगानिस्तान, ईरान और पाकिस्तान से मिला हुआ है और इनकी पहाड़ी सीमाएं क्रीसेंट कहलाती हैं. विश्व में हेरोइन का 80 प्रतिशत उत्पादन गोल्डन क्रेसेंट बेल्ट (ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान) में हो रहा है. इन देशों में ड्रग्स का कारोबार आतंकी संगठनों के हाथों में है. वे ड्रग्स की खेती कर भारी मात्रा में उत्पादन कर रहे हैं और कच्चे माल से हेरोइन तैयार करके अन्तर्राष्ट्रीय मार्केट में खपाकर अरबों रुपए कमा रहे हैं. आतंकी संगठन इस रकम को अपनी मारक क्षमता बढ़ाने में इस्तेमाल कर रहे हैं.

पूर्वी भारत के नक्सल प्रभावित इलाकों में अफीम की खेती धड़ल्ले से चल रही है. बांग्लादेश की सीमा से सटे इलाकों में भी अफीम की खेती लम्बे समय से होती रही है. पंजाब में हेरोइन गोल्डन क्रिसेंट रूट (अफगानिस्तान-पाकिस्तान) से आता है. जबकि भारत में ड्रग तस्करी का एक और मार्ग म्यांमार-थाईलैण्ड-लाओस और वियतनाम है. इस रास्ते से होने वाली तस्करी की आय का एक हिस्सा उत्तर-पूर्व में सक्रिय आतंकी संगठनों को मिलता है. ऐसे में देश के नक्सल प्रभावित इलाकों में अगर अफीम की खेती जोर पकड़ रही है तो निश्चित तौर पर यह चिन्ताजनक है.

वामपंथी उग्रवाद के प्रति भारत सरकार का दृष्टिकोण
(Government of India's Approach Towards Left-wing Extreamism)

भारत सरकार का दृष्टिकोण, सुरक्षा, विकास, स्थानीय समुदायों के अधिकारों और हकदारियों को सुनिश्चित करने, शासन प्रणाली में सुधार तथा जन अवबोधन प्रबन्धन के क्षेत्रों में समग्र तरीके से वामपंथी उग्रवाद से निपटना है. इस दशकों पुरानी समस्या से निपटने के लिए, सम्बन्धित राज्य सरकारों के साथ विभिन्न उच्च स्तरीय विचार-विमर्शों और बातचीतों के बाद यह उपयुक्त समझा गया है कि तुलनात्मक रूप से अधिक प्रभावी क्षेत्रों के लिए एकीकृत दृष्टिकोण के परिणाम मिलेंगे. इसे ध्यान में रखते हुए वामपंथी उग्रवादी हिंसा के सम्बन्ध में इसके विस्तार और प्रवृत्तियों का विस्तृत विश्लेषण किया गया है और योजना तैयार करने, विभिन्न उपायों के कार्यान्वयन और उनकी निगरानी के सम्बन्ध में विशेष ध्यान देने के लिए नौ राज्यों में 106 सर्वाधिक प्रभावित जिलों को लिया गया है. तथापि, चूँकि 'पुलिस' और 'लोक व्यवस्था' राज्य के विषय हैं, इसलिए कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के कार्रवाई मुख्यतः राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में आती है. केन्द्र सरकार स्थिति की गहन रूप से निगरानी करती है तथा अनेक तरीकों से उनके प्रयासों में सहायता और समन्वय करती है. इनमें केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल तथा दृढ़ कार्रवाई कमाण्डो बटालियन (कोबरा) प्रदान करना; इण्डिया रिजर्व बटालियनों की स्वीकृति, विद्रोह प्रतिरोधी तथा आतंकवादरोधी विद्यालयों की स्थापना; राज्य पुलिस बलों के आधुनिकीकरण की योजना के अन्तर्गत राज्य पुलिस तथा उनके असूचना तन्त्र का आधुनिकीकरण और उन्नयन; सुरक्षा सम्बन्धी व्यय योजना के अन्तर्गत सुरक्षा सम्बन्धी व्यय की प्रतिपूर्ति; वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों में विशेष अवसंरचना सम्बन्धी योजना के अन्तर्गत गम्भीर कमियों को पूरा करना; नक्सलरोधी अभियानों के लिए हेलीकॉप्टर मुहैया कराना; रक्षा मन्त्रालय, केन्द्रीय पुलिस संगठनों और पुलिस अनुसन्धान एवं विकास ब्यूरो के माध्यम से राज्य पुलिस के प्रशिक्षण में सहायता करना; आसूचना का आदान-प्रदान; अन्तर्राज्य समन्वय को सुगम बनाना; सामुदायिक पुलिस व्यवस्था तथा सिविक एक्शन कार्यक्रमों में सहायता करना आदि शामिल हैं. इसके पीछे सोच माओवादी खतरे से एक ठोस तरीके से निपटने के लिए राज्य सरकारों की क्षमता में वृद्धि करने की है. यह प्रभाग वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों के लिए एकीकृत कार्य योजना (जिसे अब वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिले के लिए अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता कहा जाता है) तथा भारत सरकार की विकास एवं

अवसंरचना सम्बन्धी अन्य विभिन्न पहलों के कार्यान्वयन की निगरानी भी करता है.

सोशल मीडिया का दुरुपयोग और आन्तरिक सुरक्षा की चुनौतियाँ (Misuse of Social Media and Challenges to Internal Security)

ज्यों-ज्यों सूचना प्रौद्योगिकी हमारे निजी एवं कामकाजी जीवन तथा संचार का हिस्सा बनी है और कम्प्यूटरीकरण तथा इण्टरनेट-कनेक्टिविटी सरकारी कामकाजी तन्त्र की अनिवार्यता बन गए हैं, त्यों-त्यों इण्टरनेट के जरिए आन्तरिक सुरक्षा के लिए चुनौतियाँ भी बढ़ती चली गई हैं. इण्टरनेट पर उपस्थित हर सामान्य एवं महत्वपूर्ण कम्प्यूटर एक समान संचार तन्त्र से जुड़ा हुआ है और यही उसकी स्थिति को संवेदनशील बना देता है. साइबरस्पेस (Cyberspace) के किफायती, बेहद अत्याधुनिक, तेजी से प्रसार करने वाले और इस्तेमाल में आसान उपकरणों के जरिए आतंकवादियों की समग्र क्षमताओं में बढ़ोतरी हो चुकी है. आतंकवादी अब नैतिक समर्थन जुटाने, रंगरूटों की भर्ती करने और दुष्प्रचार करने तथा कश्मीरी नौजवानों को हथियार थमाने के लिए व्यवस्थित रूप से इण्टरनेट का इस्तेमाल कर रहे हैं.

बीते समय में साम्प्रदायिक हिंसा, दंगों, अफवाह फैलाने के मामले में सोशल मीडिया के माध्यम का दुरुपयोग सामने आया. हाल के कुछ दंगों को लेकर सोशल मीडिया पर कुत्सित विचार रखने वाले कुछ लोगों ने जमकर अफवाह उड़ाया, जिसका परिणाम भी इस सभ्य समाज के लिए किसी मायने में अच्छा नहीं कहा जा सकता है. उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, तमिलनाडु, कर्नाटक और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में साम्प्रदायिक तनाव भड़काने की कई घटनाएं सामने आईं और सोशल साइट्स पर जमकर कमेंट्स आए. इस तरह के गम्भीर खतरे को लेकर पैनी नजर रखने की जरूरत है और सरकार को इस दिशा में जल्द एक कारगर कानून बनाना चाहिए. देश में समस्या पैदा करने के लिए सोशल मीडिया माध्यम का जमकर दुरुपयोग हो रहा है और ये बात उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में हुई साम्प्रदायिक हिंसा से साबित होती है.

साइबर आतंकवाद की चुनौतियाँ (Challenges of Cyber-Terrorism)

साइबर माध्यमों से विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने की प्रक्रिया ने अब सुसंगठित और संस्थागत रूप ले लिया है. कई आतंकवादी संगठन और दुष्ट राष्ट्र साइबर हमले करने की क्षमता बढ़ाने में लगे हैं.साइबर टेरेरिज्म (इण्टरनेट आधारित आतंकवादी गतिविधियाँ) और साइबर वॉर (Cyber War) के खतरे भी लगातार बढ़ते जा रहे हैं. आतंकवादी गुटों द्वारा नई सूचना प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किए जाने के कारण कश्मीर में अलगाववाद से मुकाबला करना बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया है.

इण्टरनेट के जरिए हो रही आईएसआईएस (ISIS) की भर्तियों, मुजफ्फरनगर के दंगों, मुम्बई के हमलों और चीनी हैकरों की हरकतों ने स्पष्ट कर दिया है कि हमारी आन्तरिक सुरक्षा के प्रति साइबर चुनौती कितनी गम्भीर एवं वास्तविक है. आजकल विध्वंसक तत्व इण्टरनेट का प्रयोग कई रूपों में करने लगे हैं. चूँकि इण्टरनेट विश्वव्यापी है और उस पर अपनी पहचान छिपाना मुश्किल नहीं है, इसलिए वह किसी भी आपराधिक नेटवर्क के लिए आन्तरिक सन्देशों के आदान-प्रदान का सबसे अनुकूल माध्यम है. ई-मेल और चैट (Chat) जैसे इण्टरनेट के पारम्परिक माध्यमों के साथ-साथ आपराधिक तत्वों ने अब कई आधुनिकतम सेवाओं, तकनीकों और युक्तियों के जरिए सन्देश भेजने शुरू कर दिए हैं. ऐसे लोग अपनी कोई पहचान छोड़े बिना वॉयस ओवर इण्टरनेट प्रोटोकॉल (VoIP) के जरिए दुनिया भर में टेलीफोन कॉल करते हैं और ट्विटर जैसी माइक्रोब्लॉगिंग सेवाओं का प्रयोग कर एक-दूसरे की गतिविधियों से अवगत रहते हैं. साइबर अपराधी और आतंकवादी तत्व अपने सन्देशों को भेजने के लिए बाकायदा आधुनिकतम एनक्रिप्शन तकनीक (Encryption Technology) का प्रयोग करते हैं, जिन्हें पढ़ पाना दूसरों के लिए लगभग असम्भव होता है.

कश्मीर अलगाववाद के साइबर आयाम (Cyber Dimension of Kashmir Secessionist Movement)

रणनीतिक उद्देश्यों को सिद्ध करने के लिए आतंकवादियों द्वारा आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया जाना एक अन्य महत्वपूर्ण नई शुरूआत है. वास्तविक जीवन में अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता के अधिकार पर रोक-टोक ने कश्मीरी नौजवानों को अपने असन्तोष और विरक्ति की भावनाओं को व्यक्त करने के लिए 'वर्चुअल (आभासी)' जगत् का रुख करने को प्रेरित किया है. मैदान-ए-जंग अब बहुआयामी बन चुका है, जिसमें भौतिक क्षेत्र और साइबरस्पेस दोनों समाहित हैं. उग्रवादी अब भर्ती करने, दुष्प्रचार करने और समर्थन जुटाने और साथ-ही-साथ सीमा-पार सम्बन्धों को मजबूती प्रदान करने के लिए इण्टरनेट का इस्तेमाल कर रहे हैं.

वास्तविक से आभासी (Virtual) क्षेत्र का रुख करने के संकेत 2010 के प्रदर्शनों के दौरान ही जाहिर होने लगे थे. उस समय, कश्मीर के गुमराह और नाराज नौजवानों ने सोशल मीडिया के साधनों खासतौर पर मोबाइल फोन के जरिए टैक्स्ट सन्देशों का इस्तेमाल करते हुए पथराव और भारी विरोध प्रदर्शनों की घटनाओं में शामिल होकर अपने असन्तोष को प्रकट किया था. सोशल मीडिया ने कश्मीर में उपलब्ध साधनों के सन्दर्भ में आमूल-चूल बदलाव ला दिया है. अब विरोध प्रदर्शन के लिए कोई गैर कानूनी तरीका अपनाने की कोई जरूरत नहीं रह गई है और इसकी बजाए सोशल मीडिया ने उन्हें पूरी तरह वैध साधनों के जरिए जागरूकता उत्पन्न करने, सूचना का प्रसार करने और प्रदर्शन रैलियों की योजना बनाने के साधन दे दिए हैं. कश्मीर में सोशल मीडिया तक पहुँच रखने वाले लोगों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है. 2010 में लगभग 25 प्रतिशत लोगों की सोशल मीडिया तक पहुँच थी, जबकि 2015 के अन्त तक यह संख्या बढ़कर लगभग 70% प्रतिशत हो गई.

जुलाई 2016 में हिजबुल मुजाहिदीन (एचयूएम) कमाण्डर बुरहान वानी के मारे जाने के परिणामस्वरूप भड़के हिंसक प्रदर्शनों ने भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को हैरत में डाल दिया और उचित कार्रवाई कर पाने में अक्षम हो गए.

राष्ट्रीय साम्प्रदायिक सद्भाव प्रतिष्ठान (एनएफसीएच) (National Foundation for Communal Harmony)

साम्प्रदायिक सद्भाव, भाईचारे और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय साम्प्रदायिक प्रतिष्ठान की स्थापना 1996 में की गई है, जो गृह मन्त्रालय के प्रशासनिक नियन्त्रण में स्वायत्त निकाय है. प्रतिष्ठान का मुख्य कार्य साम्प्रदायिक, जातीय, नृजातीय, आतंकवादी और हिंसा के अन्य रूप, जो सामाजिक सद्भाव में दरार डालते हैं, से प्रभावित बच्चों के पुनर्वास में सहायता करने के कार्यक्रमों और परियोजनाओं को कार्यान्वित करना है. साम्प्रदायिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए प्रतिष्ठान शिक्षा संस्थानों, गैर-सरकारी संगठनों और राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय

सहायता भी प्रदान करता है. प्रतिष्ठान हर साल 19 से 25 नवम्बर तक कौमी एकता सप्ताह के साथ साम्प्रदायिक सद्भाव अभियान सप्ताह मनाता है. सप्ताह के दौरान लोगों में साम्प्रदायिक सद्भाव और राष्ट्रीयता के मूल्यों को बढ़ावा देने और सामाजिक सद्भाव का अतिक्रमण करने वाले तत्वों के खिलाफ जागरूकता फैलाने का कार्य किया जाता है.

प्रतिष्ठान हर वर्ष साम्प्रदायिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान करने वाले 'व्यक्ति' और 'संगठन' की श्रेणी में राष्ट्रीय साम्प्रदायिक सद्भाव पुरस्कार प्रदान करता है. इसके अन्तर्गत व्यक्ति के लिए ₹ 2 लाख की राशि तथा संगठन की श्रेणी के लिए ₹ 5 लाख की राशि एवं प्रशस्तिपत्र प्रदान किए जाते हैं. देश के सभी मन्त्रालयों/विभाग तथा राज्य सरकारों एवं संघ राज्य सरकारों को हर वर्ष 31 अक्टूबर को संकल्प दिवस तथा 19 से 25 नवम्बर को कौमी एकता सप्ताह मनाने के लिए अनुदेश जारी किए जाते हैं.

भारत की इण्टरपोल के रूप में सीबीआई की भूमिका

(Role of CBI as Interpol of India)

वैश्वीकरण एवं सूचना प्रौद्योगिकी की इस युग में अपराध एवं अपराधी आसानी से राष्ट्रीय सीमाएं पार कर जाते हैं. अपराध एवं अपराधी ट्रांसनेशनल बन गए हैं. विभिन्न देशों की विधि प्रवर्तन एजेंसियों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने हेतु अन्तर्राष्ट्रीय पुलिस अपराधी संस्थान (आईसीपीओ या इण्टरपोल) एक महत्वपूर्ण संस्था बन कर उभरी है.

भारत की इण्टरपोल के रूप में सीबीआई भारत और अन्य देशों की विधि प्रवर्तन एजेंसियों के बीच वैसी सहयोग को सुनिश्चित करने हेतु एक अन्तरापृष्ठ (Interface) बन कर उभरी है. यह इन एजेंसियों के द्वारा सूचनाओं का आदान-प्रदान एवं साझेदारी को सरलीकृत करता है. यह भारत में वॉन्टेड भगौड़े अपराधियों की रेड कार्नर नोटिस भी प्रकाशित करवाता है.

उपर्युक्त के अलावा यह भारत एवं अन्य देशों के बीच आपसी कानूनी सहयोग सन्धियों (एमएलएटी) एवं प्रत्यार्पण सन्धियों के समझौता वार्ता तथा उसे अन्तिम रूप देने में अपनी भूमिका निभाता है. सीबीआई भारत एवं भारत के बाहर अन्वेषण हेतु अनुमति पत्रों के निष्पादन को सरलीकृत करता है.

राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए)

(National Investigation Agency)

भारत में आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए भारत सरकार द्वारा स्थापित यह संघीय जाँच एजेंसी है. यह केन्द्रीय आतंकवाद विरोधी कानून प्रवर्तन एजेंसी के रूप में कार्य करती है. एजेंसी राज्यों से विशेष अनुमति के बिना राज्यों में आतंक सम्बन्धी अपराधों से निबटने में समर्थ है. एजेंसी 31 दिसम्बर, 2008 को भारत की संसद द्वारा पारित अधिनियम राष्ट्रीय जाँच एजेंसी विधेयक 2008 के लागू होने के साथ अस्तित्व में आई थी.

इसकी स्थापना 2008 के मुम्बई हमले के बाद की गई थी. इस घटना के बाद आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए एक विशेष केन्द्रीय एजेंसी की जरूरत महसूस की गई. इसके संस्थापक महानिदेशक राधा विनोद राजू थे. आतंकी हमलों की घटनाओं, आतंकवाद को धन उपलब्ध कराने एवं अन्य आतंक सम्बन्धित अपराधों के अन्वेषण के लिए एनआईए का गठन किया गया, जबकि सीबीआई आतंकवाद को छोड़ भ्रष्टाचार, आर्थिक अपराधों एवं गम्भीर तथा संगठित अपराधों का अन्वेषण करती है.

एनआईए का उद्देश्य पूरी तरह से सर्वोच्च अन्तर्राष्ट्रीय मानकों वाली एक पेशेवर जाँच एजेंसी बनना है. मौजूदा एवं ताकतवर आतंकी समूहों पर रोक लगाना भी इसका उद्देश्य है. इसका लक्ष्य एक ऐसा संग्रह विकसित करना है, जिसमें सभी आतंकी सम्बन्धी सूचना हो.

बहु-एजेंसी केन्द्र (एमएसी)/मल्टी एजेंसी सेंटर (मैक)

(Multi Agency Centre)

बहु-एजेंसी केन्द्र (एमएसी)/मल्टी एजेंसी सेंटर (मैक) का गठन आतंकवाद और उग्रवाद से सम्बन्धित आसूचना का मिलान, विश्लेषण और प्रसार करने के हेतु किया गया था. सहायक मल्टी एजेंसी सेंटर (एसएमसी) राज्य स्तर पर इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर स्थापित किया गया था. इस समय, बहु-एजेंसी केन्द्र (एमएसी)/मल्टी एजेंसी सेंटर (मैक) की कनेक्टिविटी को आसूचना के तत्काल आदान-प्रदान के लिए केन्द्र सरकार के स्तर पर सभी प्रयोक्ता एजेंसियों तक बढ़ा दिया गया है. इसके अलावा, कुल 429 एसएमसी स्थलों की पहचान की गई है, जिनमें सी-385 स्थल कार्यशील हो गए हैं. कनेक्टिविटी के लिए कुल 474 स्थलों की पहचान की गई है. 31 दिसम्बर, 2008 को एक कार्यपालक आदेश जारी किया गया था, जिसके अधीन एमएसी को राज्य सरकारों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों की एजेंसियों सहित सभी दूसरी एजेंसियों के साथ आसूचना का आदान-प्रदान किया जाना था. आसूचना ब्यूरो में बहु-एजेंसी केन्द्र (एमएसी) को सुदृढ़ बनाया गया है और पुनर्गठित किया गया है, ताकि यह चौबीसों घण्टे और सातों दिन काम कर सके. 30 महत्वपूर्ण अभिज्ञात स्थानों पर बहु-एजेंसी केन्द्र (एमएसी) के सभी मनोनीत सदस्यों तथा सहायक बहु-एजेंसी केन्द्रों (एसएमएसी) के बीच ऑनलाइन समर्पित तथा सुरक्षित सम्पर्क की स्थापना करने के लिए भी कार्रवाई पूरी कर ली गई है. सभी अन्य एजेंसियों को एमएसी के साथ आसूचना का आदान-प्रदान करने के लिए कहा गया है. एमएसी की सदस्य एजेंसियों के प्रतिनिधि खतरे का आकलन करने के लिए नियमित रूप से बैठक करते हैं.

राष्ट्रीय आसूचना ग्रिड (नैटग्रिड)

(National Intelligence Grid)

नेशनल इंटेलीजेंस ग्रिड (नैटग्रिड) गृह मन्त्रालय की महत्वाकांक्षी परियोजना है. नैटग्रिड खुफिया जानकारी जुटाने और संदिग्ध आतंकियों का पता लगाने के लिए बनाया गया एक डाटा बैंक है. इसकी स्थापना 26/11 मुम्बई हमले के बाद की गई थी. नैटग्रिड के तहत् एक दर्जन से ज्यादा एजेंसियों से एक ही प्वाइंट पर डाटा एकत्रित किया जाता है. नैटग्रिड विभिन्न स्रोतों से हासिल हुए बड़े डाटा का विश्लेषण करता है. यह किसी संदिग्ध व्यक्ति या संस्था से जुड़ा हो सकता है. इस डाटा को आमतौर पर डिजिटल सिग्नेचर भी कहा जाता है. इसमें ई-मेल, फोन कॉल्स, चैट, बैंकिंग ट्रांजेक्शन, एयरपोर्ट या रेलवे के सर्वरों में दर्ज यात्रा ब्यौरे समेत कई अन्य जानकारियाँ शामिल होती हैं. इसके अलावा खुफिया और जाँच एजेंसियों द्वारा दी गई जानकारियाँ भी शामिल होती हैं. ग्रिड का मकसद मुम्बई हमले जैसी घटनाओं को रोकना और डेविड हेडली सरीखे आतंकियों को वक्त रहते पकड़ना है.

राष्ट्रीय आसूचना ग्रिड (नैटग्रिड) देश की आतंकवाद-रोधी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए होराइजन-I चरण में दूरसंचार, बैंकिंग, एयरलाइनों आदि जैसे–21 डाटा स्रोतों को 10 प्रयोक्ता एजेंसियों से जोड़कर आसूचना सम्बन्धी सूचना के मिलान हेतु विद्यमान् हस्तचालित (मैनुअल) प्रक्रियाओं को स्वचालित बनाएगा. नैटग्रिड पहुँच, मिलान करने, विश्लेषण करने, सह-सम्बद्ध करने, अनुमान लगाने और शीघ्र प्रसार हेतु सूचना प्रौद्योगिकी को सशक्त बनाएगा.

वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ)
(Financial Action Task Force)

वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफटीएफ) एक अन्तर-शासकीय निकाय है जिसे उसके सदस्य क्षेत्राधिकारों के मन्त्रियों द्वारा 1989 में स्थापित किया गया है. एफएटीएफ का उद्देश्य धन शोधन (Money Laundering) और आतंकवाद वित्तपोषण और अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली की एकता को अन्य सम्बन्धित खतरों से संघर्ष के लिए मानदण्ड बनाना तथा विधिक, विनियामक और परिचालनात्मक उपायों के प्रभावी कार्यान्वयन को प्रोत्साहित करना है. एफएटीएफ अपने सदस्यों द्वारा आवश्यक उपायों के कार्यान्वयन की प्रगति की निगरानी करता है, धन शोधन और आतंकवाद वित्तपोषण तथा प्रत्युपायों की समीक्षा करता है और वैश्विक स्तर पर उचित उपायों को अपनाने और कार्यान्वयन करने के लिए प्रोत्साहित करता है. एफएटीएफ का निर्णायक दल, समग्र एफएटीएफ वर्ष में तीन बार बैठक करता है और इन सूचनाओं को अद्यतन करता है जिसे नोट किया जाता है. वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (Financial Action Task Force–FATF) की स्थापना वर्ष 1989 में की गई थी. इसका मुख्य उद्देश्य काला धन, आतंकी वित्तपोषण तथा अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय व्यवस्था (International financial system) के लिए खतरा बन सकने वाले ऐसे ही अन्य खतरों पर नकेल कसने के लिए मानकों की स्थापना करना और उचित नियामक उपाय करना है. वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (FATF) के इन तय उद्देश्यों के अनुपालन की कड़ी में भारतीय रिजर्व बैंक ने 25 जनवरी, 2017 को भारतीय उपक्रमों द्वारा किसी असहयोगी देश (non co-operative countries) और क्षेत्र (territories) में सीधे निवेश पर प्रतिबन्ध लगाने की घोषणा कर दी. उल्लेखनीय है कि वर्तमान में वित्तीय कार्रवाई कार्यबल में दो क्षेत्रीय संगठन तथा 35 सहयोगी न्यायाधिकरण (member jurisdictions) शामिल हैं, जिनमें भारत के अलावा, अमरीका, ब्रिटेन, चीन और यूरोपीय आयोग (European Commission) भी हैं.

सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम (बीएडीपी)
(Border Area Development Programme)

सीमान्त क्षेत्र विकास कार्यक्रम (बीएडीपी) को 17 राज्यों में कार्यान्वित किया जाएगा, जिनका गठन अन्तर्राष्ट्रीय भूमि सीमाओं के तहत् किया गया था. वे 17 राज्य हैं—अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैण्ड, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड और पश्चिम बंगाल.

बीएडीपी शुरू करने का मकसद अन्तर्राष्ट्रीय सीमा के पास और दूरवर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों की विशेष विकास जरूरतों को पूरा करना है. इस परियोजना का लक्ष्य केन्द्र या राज्य सरकारों की योजनाओं या बीएडीपी के जरिए आवश्यक बुनियादी सुविधाओं के साथ सीमाई इलाकों में स्थायित्व लाना है. सीमा से लगे क्षेत्र का विकास सीमा सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है तथा इसी को ध्यान में रखकर सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान इस योजना को प्रारम्भ किया गया ताकि सीमा क्षेत्र की संवेदनशीलता को ध्यान में रखकर स्थानीय समुदाय हेतु अवस्थापना सुविधाओं को बेहतर बनाकर सीमा सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके. वर्तमान में यह कार्यक्रम अन्तर्राष्ट्रीय सीमा से लगे क्षेत्र को केन्द्रित कर समेकित विकास हेतु समर्पित है तथा पूर्णतया केन्द्र सरकार द्वारा वित्तपोषित है.

- अन्तर्राष्ट्रीय सीमा से लगे क्षेत्र के निवासियों की जरूरत को ध्यान में रखकर विकासीय योजनाओं का निर्माण करना ताकि क्षेत्र की शेष भाग से संयोजकता बने तथा समुदाय को सामाजिक-आर्थिक विकास किया जा सके.
- विभिन्न विकासीय कार्यक्रमों के समन्वयन द्वारा स्थानीय समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए बहुउद्देशीय एवं सम्पूर्ण विकास करना.
- सीमा रेखा से आरोही क्रम में दूरी के आधार पर क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता दी जाती है. एक तरफ राज्य द्वारा संचालित अन्य विकासीय योजनाओं द्वारा लाभान्वित करना तथा दूसरी ओर सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, स्थानीय उत्पादों का प्रसंस्करण, गोदाम, ग्रामीण विपणन, सूक्ष्म सिंचाई, पर्यटन आदि के अन्तर्गत बहुमुखी विकास योजना हेतु धन उपलब्ध कराया जाएगा.

तटीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए उपाय
(Strategy for Strengthen Coastal Security)

भारत की 7516·16 किमी लम्बी तटरेखा गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा एवं पश्चिम बंगाल राज्य तथा दमन एवं द्वीप, लक्ष्यद्वीप, पुदुचेरी तथा अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह संघशासित क्षेत्र से होकर गुजरती है. जिसके किनारे 12 बड़े बन्दरगाह और 187 छोटे या मध्यम श्रेणी के बन्दरगाह स्थित हैं. भारत की टेरीटोरियल जलसीमा 12 नॉटिकल मील पर जाकर खत्म होती है, जबकि इसका अन्य आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) समुद्र तट से 200 नॉटिकल मील तक है.

भारतीय नौसेना तटीय एवं तट से दूर वाले इलाकों सहित सम्पूर्ण समुद्री सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है. भारतीय तटों की सुरक्षा राज्य की समुद्री पुलिस, भारतीय तट रक्षक और भारतीय नौसेना की त्रि-स्तरीय प्रणाली द्वारा सुनिश्चित की जाती है. समुद्र तट की सुरक्षा भारतीय तट के आसपास लगाए गए स्थिर सेंसरों व स्वचालित पहचान प्रणाली (एआईएस) रिसीवर की शृंखला और 45 स्थानों पर भारतीय तट रक्षक के रेडार्स से की जाती है. सरकार राष्ट्र की तटीय सुरक्षा एवं निगरानी को अत्यन्त महत्व देती है. तटीय सुरक्षा की समीक्षा एवं निगरानी एक सतत् प्रक्रिया है. निगरानी तन्त्र में सुधार तथा समन्यवक दृष्टिकोण अपनाकर सुरक्षा एजेंसियों द्वारा पेट्रोलिंग में बढ़ोतरी सहित तटीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए अनेक उपाय किए गए हैं. जल सेना, तटरक्षक, तटरक्षक पुलिस, सीमा शुल्क तथा अन्य एजेंसियों द्वारा नियमित आधार पर संयुक्त अभ्यास किए जाते हैं. संयुक्त संचालन केन्द्रों के निर्माण तथा विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से गुप्तचर तन्त्र को सुचारू बनाया गया है. देश की समुद्री सीमा एवं उपमहाद्वीप को आच्छादित करते हुए रडारों की स्थापना की गई है और यह भी इस प्रक्रिया के आवश्यक अंग हैं. खतरों, पूर्वानुमानों तथा आवश्यकताओं के अनुसार बन्दोबस्ती इन्तजाम किए जाते हैं. तटरक्षकों को राष्ट्रीय सुरक्षा के सम्मुख चुनौतियों तथा सरकार द्वारा उन्हें सौंपी गई भूमिका के अंनुरूप पर्याप्त साजो-सामान से लैस किया गया है.

एंजल पार्टिकल्स
(Angel Particles)

वैज्ञानिकों ने एक नए कण की खोज की है, जिसकी परिकल्पना 80 वर्ष पूर्व की गई थी. इसे 'एंजेल' (फरिश्ता) पार्टिकल (कण) का नाम दिया गया है. इस कण की विशेषता यह है कि यह स्वयं 'मेटर' (पदार्थ) और उसका पूरक 'एण्टीमेटर' (प्रति-पदार्थ) भी है.

वैज्ञानिकों की इस खोज से 'क्वांटम कम्प्यूटिंग' को एक नया आयाम मिलेगा जो वर्तमान की कम्प्यूटिंग (गणना) से कहीं ज्यादा शक्तिशाली है. प्रतिष्ठित पत्रिका 'साइंस' में शोधकर्ताओं के एक लेख में बताया गया है कि उन्होंने इस तरह के एक कण होने के पहले सबूत खोजे हैं. वैज्ञानिकों ने अपनी खोज को 'एंजेल पार्टिकल' नाम दिया है जो कि डैन ब्राउन के उपन्यास 'एन्जिल्स

एण्ड डेमन्स' से प्रेरित है, जिसमें पदार्थ और गैर-पदार्थ को मिलाकर बनाने की कल्पना की गई है.

उल्लेखनीय है कि बिग बैंग यानि संसार के सृजन के समय पदार्थ दो रूपों में विभक्त हो गया. पदार्थ और उसका पूरक और विपरीत प्रति-पदार्थ. खास बात यह है कि जब इन दोनों को आपस में मिलाया जाता है, तो यह एक-दूसरे को नष्ट कर देते हैं और बदले में ऊर्जा निकलती है.

जीवन प्रमाण

जीवन प्रमाण केन्द्र सरकार, राज्य सरकारों, रक्षा कार्मिक या किसी अन्य सरकारी संगठन के पेंशनरों के लिए कम्प्यूटर उत्पन्न जीवन प्रमाण-पत्र प्रदान करने के लिए एक डिजिटल सेवा है. प्रमाण-पत्र का उपयोग बायोमैट्रिक क्रेडेंशियल्स का उपयोग करते हुए व्यक्तिगत पेंशनरों के लिए किया जाता है. यह 10 नवम्बर, 2014 को राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया था.

डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट प्राप्त करने के लिए, पेंशनरों को अब बैंक या डाकघर जैसे पेंशन वितरण एजेंसियों के सामने हर महीने खुद को पेश नहीं करना पड़ता है. उन्हें अपने पेंशन राशि प्राप्त करने के लिए हर पीडीए के लिए एक जीवन प्रमाण-पत्र देने की जरूरत नहीं है. प्रमाण-पत्र एक कम्प्यूटर/मोबाइल उपकरणों, बायोमेट्रिक डिवाइस और इण्टरनेट कनेक्शन का उपयोग करके घर से उत्पन्न किया जा सकता है. इस तरह जीवन प्रमाण-पत्र हासिल करने की पूरी प्रक्रिया को अंजाम दिया जाता है, यह पेंशन भोगियों के लिए परेशानी से मुक्त है और अनावश्यक रसद बाधाओं को कम करता है.

मिशन परिवार विकास

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय द्वारा 11 जुलाई, 2017 को देश के सबसे अधिक जन्मदर वाले 145 जिलों हेतु शीघ्र ही 'मिशन परिवार विकास' कार्यक्रम शुरू किया गया. इस मिशन का उद्देश्य-उच्च गुणवत्ता वाले परिवार कल्याण उपाय के विकल्पों तक पहुँच स्थापित करने में तीव्रता लाना है, जो सूचना, विश्वसनीय सेवाओं और आपूर्ति पर आधारित है. यह 145 जिले सात राज्यों–उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड और असम में स्थित हैं, जहाँ पर यह मिशन प्रारम्भ किया जाएगा. लक्षित 145 जिलों की पहचान कुल जन्म दर, सेवाओं की उपलब्धता और बंध्याकरण गतिविधियों के आधार पर की गई है. हालिया आँकड़ों के अनुसार इन 145 जिलों में कुल प्रजनन दर (Total Fertility Rate) 3·0 से अधिक या बराबर है जिसे इस मिशन के तहत् वर्ष 2025 तक घटाकर 2·1 के स्तर पर लाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. इन 145 जिलों में देश की 28 प्रतिशत आबादी (लगभग 33 करोड़) रहती है.

सात राज्यों में स्थित इन 145 जिलों में मातृत्व मृत्युदर लगभग 250–300 प्रति एक लाख जीवित जन्म और शिशु मृत्युदर 50 प्रति एक हजार जीवित जन्म है. उल्लेखनीय है कि इस मिशन का मुख्य रणनीति फोकस सुनिश्चित सेवाओं को उपलब्ध कराना, नई प्रोत्साहन योजनाओं, सेवा प्रदाताओं के क्षमता निर्माण, कारगर माहौल बनाने, निगरानी और कार्यान्वयन के माध्यम से गर्भ निरोधकों तक पहुँच में सुधार करना है. ध्यातव्य है कि यह मिशन सभी 145 जिलों में एक साथ प्रारम्भ होगा.

मौद्रिक नीति समिति

मौद्रिक नीति समिति (Monetary Policy Committee / एम.पी.सी.) भारतीय रिजर्व बैंक के अन्तर्गत गठित एक समिति है जिसका गठन ब्याज दर निर्धारण को अधिक उपयोगी एवं पारदर्शी बनाने के लिए 27 जून, 2016 को किया गया. भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम में संशोधन करते हुए भारत में नीति निर्माण का कार्य एक नवगठित मौद्रिक नीति समिति (एम.पी.सी.) को सौंप दिया गया है. मौद्रिक नीति वह उपाय या उपकरण है, जिसके द्वारा केन्द्रीय बैंक ब्याज दरों पर नियन्त्रण कर अर्थव्यवस्था में मुद्रा के प्रवाह को नियन्त्रित करता है, मूल्य स्थिरता बनाए रखता है और उच्च विकास दर के लक्ष्य प्राप्ति का प्रयास करता है. भारतीय सन्दर्भ में, भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.) वह सर्वोच्च प्राधिकृत संस्था है, जो अर्थव्यवस्था में मूल्य स्थिरता हेतु इस नीति का प्रयोग करता है.

नयी एम.पी.सी. में छः सदस्यों का एक पैनल है, जिसमें तीन सदस्य आर.बी.आई. से होंगे और तीन अन्य स्वतन्त्र सदस्य भारत सरकार द्वारा चुने जाएंगे. आर.बी.आई. के तीन अधिकारियों में एक गवर्नर, एक डिप्टी गवर्नर तथा एक अन्य अधिकारी शामिल है. भारत सरकार ने प्रो. पम्मी दुआ, चेतन घाटे तथा रविन्द्र ढोलकिया को इस समिति में नामित किया है.

मलेरिया उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय रणनीति योजना (2017-22)

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे. पी. नड्डा ने 12 जुलाई, 2017 को एक कार्यक्रम में मलेरिया उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय रणनीति योजना (2017-22) का शुभारम्भ किया. इस योजना में आगामी 5 वर्षों के लिए देश के विभिन्न भागों में मलेरिया की देशजता (Endemicity) के आधार पर समाप्ति का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. राष्ट्रीय रणनीति योजना की प्रमुख विशेषताओं में मलेरिया की निगरानी, शीघ्र पहचान प्रक्रिया की स्थापना और मलेरिया को फैलने, रोकने, दीर्घकालीन प्रयोग होने वाली मच्छरदानी को प्रोत्साहन देना, घरेलू स्प्रे का प्रयोग और अगले पाँच वर्षों तक प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मानव संसाधन और क्षमता का प्रभावी प्रयोग सम्मिलित है. ज्ञातव्य है कि वर्ष 2016 में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय ने मलेरिया उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय रणनीति (NFME) का शुभारम्भ किया था. एन.एफ.एम.ई. का लक्ष्य वर्ष 2030 तक भारत से मलेरिया का सम्पूर्ण उन्मूलन करना है.

ग्रीन राजमार्ग नीति

ग्रीन राजमार्ग नीति आने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ बागान, प्रत्यारोपण, सौंदर्यीकरण, बागवानी और रखरखाव गतिविधियों के माध्यम से ग्रीन कॉरिडोर विकसित करने के लिए एक परियोजना है. 29 सितम्बर, 2015 को सड़क परिवहन और राजमार्ग मन्त्रालय (एम.ओ.आर.टी.एच.) ने ग्रीन राजमार्ग नीति का अनावरण किया था. राजमार्गों का विकास जंगलों की निकासी और वृक्षों के कटाव की ओर जाता है, जिससे जैव-विविधता पर्यावरण के गिरावट का कारण बनता है और पेड़ों में कार्बन की मात्रा में कमी आती है. ग्रीनहाउस गैसों और अन्य निलम्बित कणों के मामले को जारी करने में इन हाइवे पर वाहनों के निरन्तर प्रवाह के साथ स्थिति भी बदतर होती है. इसलिए, राजमार्गों में प्रदूषण रोकथाम के लिए एक सक्रिय उपाय के रूप में ग्रीन हाईवे नीति लागू की गई थी. राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एन.एच.ए.आई.) के तहत् राष्ट्रीय ग्रीन हाईवे मिशन (एन.जी.एच.एम.) को ग्रीन हाईवे नीति की समग्र योजना, कार्यान्वयन और निगरानी के लिए सौंपा गया है. 25 राष्ट्रीय राजमार्गों को कवर करने वाले 10 राज्यों में ग्रीन हाईवे परियोजनाओं के चरण-1 को पूरा किया गया है.

नेशनल ग्रीन हाईवे (एन.जी.एच.) परियोजनाएं अगले 10 वर्षों में वनस्पति कवर के तहत् लगभग 4 लाख एकड़ जमीन पर ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने में मदद करेगी. ग्रीन कॉरिडोर प्रदूषण स्रोत के आसपास वनस्पति

बफर के रूप में काम करती है और ग्रीनहाउस गैसों के अवशोषण और धूल कणों के संग्रह में सहायता करती है.

मारकोस

मारकोस भारतीय नौसेना के जांबाज कमाण्डो की साहसी फोर्स है. यह मैरीन कमाण्डो दस्ता है. आधिकारिक रूप से इण्डियन मैरीन स्पेशल फोर्स नाम की इस इकाई का गठन 1987 में किया गया था. इसके गठन का उद्देश्य था, जमीन और पानी दोनों ही जगहों पर त्वरित कार्रवाई करने में सक्षम एक तेज तर्रार बल तैयार करना. इस फोर्स को दाढ़ी वाली फौज भी कहा जाता है. मारकोस इकाई के जवानों की वास्तविक संख्या को अति गोपनीय रखा जाता है, लेकिन बताया जाता है कि वर्तमान में इनकी पूर्ण क्षमता 2000 जवानों की है. इसका मकसद काउंटर टेरेरिज्म, डायरेक्टर एक्शऑन, किसी जगह का खास निरीक्षण, अनकंवेंशनल वॉरफेयर, होस्टेंज रेस्यूकस, पर्सनल रिकवरी और इस तरह के खास ऑपरेशनों को पूरा करना है. मारकोस को दो साल की कठिन ट्रेनिंग दी जाती है. पहले चरण के अन्तिम महीनों में कई कठोर शारीरिक प्रशिक्षण के दौर से गुजरना पड़ता है. भारत के मार्कोस (मैरीन) कमाण्डो सबसे ट्रेंड और आधुनिक माने जाते हैं. मारकोस को दुनिया के बेहतरीन यूएस नेवी सील्स की तर्ज पर विकसित किया गया है.

सामान्य अध्ययन-IV

नैतिकता, ईमानदारी और एप्टीट्यूड (Ethics, Integrity and Aptitude)

सात सामाजिक पाप (Seven Social Sins)

यंग इण्डिया के 20 अक्टूबर, 1925 के अंक में प्रकाशित एक लेख में गांधी जी ने सात सामाजिक बुराइयों को सूचीबद्ध किया था, जो मानवता के लिए सर्वाधिक हानिकारक हैं, जो इस प्रकार हैं–

- सिद्धान्तों के बिना राजनीति
- परिश्रम के बिना सम्पत्ति
- अन्तरात्मा के बिना आनन्द
- चरित्र के बिना ज्ञान
- नैतिकता के बिना वाणिज्य
- मानवता के बिना विज्ञान
- त्याग के बिना पूजा

गांधीजी के अनुसार नैतिकता, अर्थशास्त्र, राजनीति और धर्म अलग-अलग इकाइयाँ हैं, पर सबका उद्देश्य एक ही है–सर्वोदय. ये सब यदि अहिंसा और सत्य की कसौटी पर खरे उतरते हैं, तभी अपनाने योग्य हैं. राजनीति यदि लक्ष्यहीन है, निश्चित आदर्शों पर नहीं टिकी, तो वह पवित्र नहीं. राजनीति से मिली शक्ति का उद्देश्य है–जनता को हर क्षेत्र में बेहतर बनाना. तटस्थता, सत्य की खोज, वस्तुवादिता और निःस्वार्थ भाव एक राजनेता के आदर्श होने चाहिए. वॉलेंटरी पॉवर्टी यानी स्वेच्छा से गरीबी अपनाना और डी-पॉजेशन यानी निजी वस्तुओं का त्याग, राजनेता के लिए अनिवार्य कर्म हैं.

धन बिना कर्म के मंजूर नहीं होना चाहिए, अनुचित साधनों से बिना परिश्रम से कमाया गया धन अस्तेय नहीं, चुराया हुआ धन है. अपने लिए जितना जरूरी हो, उतना रखकर बाकी जनता की अमानत समझकर न्यासी भाव से उसे कल्याण कामों में लगाना धनी व्यक्ति का कर्तव्य है.

आत्मा के अभाव में सभी प्रकार के सुख सिर्फ भोग और वासना मात्र हैं. आत्मा से उनका अभिप्राय उस आन्तरिक आवाज से है जो आत्म अनुशासन से सुनायी पड़ती है. यही गलत और सही का विवेक देती है.

दूसरों को दुःख देकर पाया गया सुख पाप है, अस्थायी है. यदि इस सुख को स्थायी बनाना है तो पहले मूलभूत सुखों से वंचित लोगों की आवश्यकताओं की पूर्ति करो. मनुष्य का लक्ष्य पवित्र होते हुए भी ज्ञान के बिना गलत रास्तों पर चलने का खतरा रहता है. चरित्र पर कलंक लग जाता है. सुन्दर चरित्र या व्यक्तित्व के बिना ज्ञानी भी कभी-कभी पापी की कोटि में आ जाता है. व्यापार में अक्सर नैतिकता कुर्बान हो जाती है, व्यापारी निजी और पेशे की नैतिकता को अलग-अलग तत्व मानते हैं.

सार्वजनिक जीवन में नैतिकता की भूमिका (Role of Morality in Public Life)

नैतिकता की नींव उत्तरदायित्व और जवाबदेही की धारणा में रखी जाती है. लोकतन्त्र में सार्वजनिक पद पर आसीन जनता को अंततोगत्वा जवाब देना होता है. ऐसी जवाबदेही को कानून और नियमों की व्यवस्था से प्रभावित किया जाता है, जिसे जनता के निर्वाचित प्रतिनिधि अपने कानूनों द्वारा अधिनियमित करते हैं. नैतिकता ऐसे कानून और नियमों के निर्माण में एक आधार देती है. यह लोगों के आदर्श विचार ही होते हैं, जो कानून और नियमों को जन्म देकर उनका चरित्र निर्माण करते हैं.

आम जीवन में नैतिकता की भूमिका के अनेक पक्ष हैं. एक तरफ उच्च आचार के मूल्यों की अभिव्यक्ति है और दूसरी ओर कार्रवाई की सुनिश्चितता से है जिसके लिए सार्वजनिक अधिकारी को वैधानिक रूप से जवाबदेह ठहराया जा सकता है. नैतिक व्यवहार के किसी भी ढाँचे में निम्नलिखित तत्वों को अवश्य शामिल करना चाहिए–

(क) नैतिक प्रतिमानक और व्यवहारों को संहिताबद्ध करना.

(ख) जनहित और व्यक्तिगत लाभ के बीच संघर्ष से बचने के लिए व्यक्तिगत रुचि को अभिव्यक्त करना.

(ग) सारभूत संहिताओं को प्रभावी बनाने के लिए व्यवस्था की रचना करना.

(घ) किसी सार्वजनिक अधिकारी को अपने पद पर योग्य या अयोग्य करार दिए जाने के लिए प्रतिमानक प्रदान करना.

कानूनों और नियमों की व्यवस्था, चाहे जितनी भी विस्तृत क्यों न हो, वह सभी स्थितियों का समाधान नहीं हो सकती. निस्सन्देह, यह अपेक्षित होता है और शायद सम्भव भी हो कि उन लोगों के आचरण पर नियन्त्रण किए जाएं जो निचले तबके के हैं और एक सीमा में अपने विवेक का प्रयोग करते हैं, लेकिन सार्वजनिक सेवा में यह तबका जितना ऊँचा होगा, उतनी ही विवेक की परिधि बड़ी होगी और कानूनों और नियमों की एक ऐसी व्यवस्था का उपबन्ध करना कठिन है, जिसमें ऊँचे पदों पर विवेक के प्रयोग को बृहत् रूप से शामिल करके उस पर नियन्त्रण किया जा सके.

सार्वजनिक जीवन के नैतिक मापदण्ड (Ethical Norms in Public Life)

सार्वजनिक पद पर आसीन लोगों के लिए नैतिक मानदण्ड क्या होने चाहिए, इस पर अत्यधिक बृहत् वक्तव्यों में से एक, संयुक्त राज्य में लोक जीवन में प्रतिमानकों पर समिति से आया था, जो नोलन समिति के नाम से लोकप्रिय था, जिसमें सार्वजनिक जीवन के निम्नलिखित सिद्धान्तों का उल्लेख किया गया–

- **निःस्वार्थनिष्ठता**–सार्वजनिक पद पर बैठे लोगों को जनहित से सम्बन्धित निर्णयों को स्वयं ही लेना चाहिए.

अपने, अपने परिवार और अपने मित्रों के लिए वित्तीय या अन्य भौतिक लाभ प्राप्त करने के लिए ऐसा नहीं करना चाहिए.

- **सत्यनिष्ठा**—सार्वजनिक पद पर बैठे लोगों को बाहर के ऐसे व्यक्तियों या संगठनों के साथ वित्तीय या अन्य बाध्यतावश अपने को लिप्त नहीं करना चाहिए जो उनके सरकारी कार्य–निष्पादन को प्रभावित करे.
- **विषयनिष्ठता**—सरकारी काम करते हुए, जिसमें सार्वजनिक नियुक्तियाँ करना, संविदाओं को स्वीकृति देना या किसी व्यक्ति विशेष को पुरस्कार या लाभों की सिफारिश करना शामिल है, सरकारी पदधारी को अपने चयन को योग्यता के आधार पर करना चाहिए.
- **जवाबदेही**—सरकारी पद पर आसीन लोग अपने निर्णयों और कार्रवाई के लिए जनता को जवाबदेही के लिए जिम्मेदार होंगे और उनके पद के लिए जो उचित छानबीन आवश्यक हो, उसे प्रस्तुत करना चाहिए.
- **निष्कपटता**—सरकारी पदधारी को अपने सभी निर्णयों और कार्यवाइयों के सम्बन्ध में निष्कपट होना चाहिए. उन्हें अपने निर्णयों के लिए कारणों का उल्लेख करना चाहिए और किसी सूचना को देने पर तभी रोक लगाना चाहिए जब व्यापक जनहित में इसकी माँग हो.
- **ईमानदारी**—सरकारी पदधारी व्यक्तियों का यह कर्तव्य है कि वे अपने सरकारी काम से सम्बन्धित निजी हितों की घोषणा करें और ऐसे किसी विरोध के समाधान के लिए कदम उठाएं जो उन हितों की रक्षा करने में आड़े आता हो.
- **नेतृत्व**—सरकारी पदाधिकारियों को अपने नेतृत्व द्वारा और एक मिसाल पेश करते हुए इन सिद्धान्तों को विकसित करना और इनका समर्थन करना चाहिए.

कार्यस्थल पर नीतिगत व्यवहार का महत्व
(Importance of Ethical Behaviour in Workplace)

संसार का कोई भी संगठन चाहे वह निजी हो या सार्वजनिक, व्यावसायिक हो अथवा गैर-व्यावसायिक सर्वप्रथम वह एक मानवीय समाज होता है. अतः प्रत्येक संगठन में कार्यस्थल पर इस प्रकार का वातावरण बनाए रखने की जरूरत होती है जिससे कि सभी कर्मचारी लिंग, जाति, नस्ल, धर्म या अन्य किसी प्रकार के भेदभाव से रहित होकर अपने-अपने कार्यों को सम्पन्न कर सकें. यदि किसी संगठन में नियोक्ता कार्यस्थल पर कार्य वातावरण को समुचित बनाए रखने में अक्षम होता है तो ऐसे संगठन के समक्ष कार्यस्थल पर निम्नलिखित अनुशासन एवं नीतिगत समस्याएं उत्पन्न होती है.

- कर्मचारियों द्वारा अनैतिक निर्णय लेने का जोखिम बढ़ जाता है.
- कर्मचारियों में उल्लंघन के प्रति बाह्य प्राधिकार में शिकायत करने की प्रवृत्ति बढ़ जाती है, क्योंकि उनको कोई आन्तरिक फोरम उपलब्ध नहीं होता.
- इस प्रकार के संगठनों में उच्च कुशलता वाले व्यक्तियों की भर्ती और उनका संगठन में टिकना जैसी असमर्थताएं उत्पन्न होती हैं.
- समाज और उद्योग क्षेत्र में संगठन की साख और महत्ता में कमी आने लगती है.
- संगठन की कार्यक्षमताओं की स्थितियों की सम्भावनाओं में कमी आने लगती है.
- प्रबन्धकीय आदर्शों के पालन में विलम्ब होने लगता है अथवा कोताही बरती जाने लगती है.

उपर्युक्त स्थितियों को देखते हुए किसी भी संगठन के लिए कुछ निश्चित नैतिक मानदण्डों का पालन करना अत्यन्त जरूरी होता है, क्योंकि बिना किसी नैतिक आधार के संगठन का संचालन करना असम्भव है क्योंकि नैतिकता ही वह आधार होती है जिस पर सम्पूर्ण संगठनात्मक ढाँचा आधारित होता है और संगठन को निरन्तर विस्तार और प्राण वायु प्रदान करता रहता है.

नीतिगत दुविधा
(Ethical Dilemma)

नीतिगत दुविधा प्रबन्धन के अन्तर्गत ऐसी अवस्था को कहते हैं जब प्रबन्धकों को उपस्थित सभी सही विकल्पों में से एक को चुनना होता है. ऐसी स्थिति में उनके समक्ष किस विकल्प को चुनें अथवा किसको न चुनें जैसी दुविधा उत्पन्न होती है, जिसे नीतिगत दुविधा कहते हैं. ऐसी अवस्था में लोक सेवकों/प्रबन्धकों के समक्ष किसी भी प्रकार के कोई दिशा-निर्देश उपलब्ध नहीं होते हैं, जोकि पक्षकारों के व्यापक हितों के औचित्य को व्यक्त करते हों.

जहाँ तक कार्यस्थल पर व्यक्ति के सम्बन्ध और उसके उत्तरदायित्व का प्रश्न है तथा जहाँ पर सही निर्णय भी पूर्णतया स्पष्ट नहीं होते और इसके लिए किसी भी प्रकार के नियम उपलब्ध नहीं होते हैं. ऐसी अवस्था में कर्मचारियों से प्रत्यक्षतः सम्बन्धित उत्तरदायित्व और सम्बन्ध के समुच्चय में अनुशासन, प्रदर्शन मूल्यांकन, सुरक्षा और पारितोषिक तन्त्र का प्रशासन इत्यादि क्षेत्र सम्मिलित होते हैं. इसका दूसरा समुच्चय और आपूर्तिकर्ताओं से सम्बन्धित होता है जिसमें अन्तरिम समय, गुणवत्ता और मूल्य जैसे पक्षों को सम्मिलित किया जाता है.

नीतिगत, दुविधा की स्थिति वरिष्ठ प्रशासकों के समक्ष उस समय उत्पन्न होती है जब रणनीति, लक्ष्य, नीतियाँ और प्रशासन के विषय, मूल्यों में टकराव की स्थिति सामने आती है. अतः अनेक नीतिगत मुद्दों को मुख्य रूप से उनके ढाँचे के अन्तर्गत व्यावसायिक सहयोगियों, हितों में टकराव, साफगोई और ईमानदारी और सम्प्रेषणों के सम्बन्ध के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है.

नौकरशाही में तटस्थता एवं प्रतिबद्धता
(Neutrality and Commitment in Bureaucracy)

तटस्थता का अर्थ निष्पक्षता है. आधुनिक लोकतन्त्रात्मक राज्य में नौकरशाही की तटस्थता का अत्यधिक महत्व है. नीति के निर्धारण और उसके कार्यान्वयन में नौकरशाही महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है. नौकरशाही के सदस्यों के स्थायित्व के उन्हें दीर्घकालीन दृष्टिकोण अपनाने में मदद मिलती है.

प्रतिबद्धता का आशय किसी उद्देश्य के प्रति नैतिक समर्पण से है. नौकरशाही को–(1) मानवीय और राष्ट्रीय मूल्यों, (2) लोगों की सेवा, और (3) व्यावसायिक मानदण्डों के प्रति प्रतिबद्ध होना चाहिए. नौकरशाही की प्रतिबद्धता इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि एक तरफ वह नियमों से बँधी हुई है, तो दूसरी तरफ वह कठिन समस्याओं से निपटने के लिए हमेशा नए तरीके ढूँढ़ने का प्रयास कर रही है. यह बात सभी देशों में सच है. विकासशील देशों में कुछ अन्य कारण भी हैं. विकास लाने की काफी हद तक जिम्मेदारी नौकरशाही की होती है. सदियों तक की निर्धनता और औपनिवेशिक शोषण की परिणति व्यापक उदासीनता के रूप में देखने को मिली है. इन परिस्थितियों में लोगों का सहयोग केवल नौकरशाही की प्रतिबद्धता और ऊर्जास्वी कार्रवाई से ही प्राप्त किया जा सकता है. इस प्रक्रिया में गम्भीर समस्याएँ उत्पन्न हो जाती हैं. इस प्रकार, नौकरशाही इतनी शक्तिशाली हो जाती है कि अधिकांश विकासशील देशों में सिविल और सैन्य नौकरशाही की तानाशाही आम बात हो जाती है. दूसरों के हित में अधिकार प्रयोग करने वाले के लिए उसे काफी

हद तक प्रतिबद्ध होना पड़ता है. हम ऐसी प्रतिबद्धता लाने के तरीके ढूँढ़ने का प्रयास करेंगे.

तटस्थता एवं प्रतिबद्धता को एक साथ लाया जा सकता है और यदि उनका उचित प्रकार से निर्धारण किया जाए, तो वे वस्तुतः एक दूसरे के सहायक साबित हो सकते हैं. यदि उनका उचित तरीकों से निर्धारण न किया जाए, तो वे एक-दूसरे के विरोधी भी हो सकते हैं.

अभिवृत्ति एवं व्यवहार के बीच सम्बन्ध (Relationship Between Attitude and Behaviour)

अभिवृत्ति व व्यवहार का सम्बन्ध जटिल होता है और किसी के व्यवहार द्वारा उसकी अभिवृत्ति के बारे में जानना कभी-कभी कठिन होता है. हमने कितनी बार यह सुना होगा कि–

लोग स्वस्थ रहना चाहते हैं लेकिन उनके पास व्यायाम करने का समय नहीं होता, या वह ग्लोबल वार्मिंग से चिन्तित तो हैं लेकिन वह इतनी बड़ी गाड़ी चलाते हैं, जिसके लिए ज्यादा ईंधन की आवश्यकता होती है. लोग कोई भी बात कह देते हैं, लेकिन उसे अपने व्यवहार में पूरी तरह उतार नहीं पाते.

अध्ययन से पता चलता है कि कुछ विशेष परिस्थितियों में अभिवृत्ति, व्यवहार का अनुमान लगा सकती है–

- जब अभिवृत्ति मजबूत और अपरिवर्तित है, ऐसे में अभिवृत्ति के तीन घटक सुस्पष्ट व सुव्यवस्थित होते हैं और सही रूप में व्यवहार का अनुमान लगा सकते हैं. कमजोर, अमहत्वपूर्ण और अस्पष्ट अभिवृत्ति, कम ही व्यवहार का अनुमान लगा पाती है.
- जब कोई दृढ़ अभिवृत्ति वाला होता है या जब कोई किसी की अभिवृत्ति से परिचित होता है तब इसे आसानी से याद भी किया जा सकता है और व्यवहार का अनुमान लगाया जा सकता है.
- जब अभिवृत्ति सीधा अनुभव से निर्मित हो तब व्यवहार का अनुमान अधिक सही होता है.
- जब कोई सामाजिक प्रभाव के अन्तर्गत कार्य करता है तब उसकी अभिवृत्ति अलग-अलग रूप में व्यक्त होती है. कोई किशोरावस्था का युवा शायद स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों के कारण धूम्रपान व शराब पीना न चाहे. लेकिन उसकी आयु समूह का दबाव उसे पीने के लिए मजबूर कर सकता है. इस तरह से उसका सोचने का ढंग उसके व्यवहार से अलग होता है. जब बाहरी प्रभाव कम होते हैं तब अभिवृत्ति व्यवहार सम्बन्ध मजबूत होगा.

भारतीय सन्दर्भ में सांवेगिक बुद्धि के विभिन्न आयाम (Dimension of Emotional Intelligence in Indian Context)

भारतीय सन्दर्भ में विशिष्ट सांस्कृतिक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक एवं व्यवहारात्मक पक्षों को ध्यान में रखते हुए सांवेगिक बुद्धि के तीन आयाम बतलाए गए हैं–

(i) **सांवेगिक सामर्थ्यता (Emotional Competency)**–इसमें भारतीय विशेषज्ञों द्वारा कई तरह के क्षमताओं को रखा गया है जिनमें विभिन्न परिस्थितियों में उत्पन्न उद्दीपकों के प्रति उचित ढंग से सांवेगिक अनुक्रिया करने की क्षमता, उच्च-सम्मान एवं आशावादिता दिखलाना, पर्याप्त सांवेगिक आत्म-नियन्त्रण तनाव, वर्कआउट आदि से उत्पन्न सांवेगिक थकान को दूर करने की क्षमता, कुण्ठा, संघर्ष तथा हीनता मनोग्रन्थियों से उत्पन्न सांवेगिक अस्त-व्यस्तता को कम करना आदि मुख्य रूप से सम्मिलित होते हैं.

(ii) **सांवेगिक परिपक्वता (Emotional Maturity)**–इसमें अन्य बातों के अलावा अपना एवं दूसरों के संवेगों का मूल्यांकन करना, भावों की पहचान करना एवं अभिव्यक्त करना, दिल एवं दिमाग के बीच सन्तुलन बनाए रखना, नम्यता एवं अनुकूलता दिखलाना, दूसरों के विचारों की प्रशंसा करना, तात्कालिक मनोवैज्ञानिक तुष्टि को विलम्बित करने की क्षमता आदि सम्मिलित होते हैं.

(iii) **सांवेगिक संवेदनशीलता (Emotional Sensitivity)**–इस विमा में सांवेगिक उत्तेजन की देहली को समझना, तात्कालिक वातावरण को प्रबन्धित करना, दूसरों के साथ सौहार्द्रयता बनाकर रखना तथा दूसरों को अपने साथ होने पर उनमें अच्छा भाव उत्पन्न होने देना आदि मुख्य रूप से सम्मिलित होते हैं. इसके अतिरिक्त इसमें अन्तर्वैयक्तिक सम्बन्धों में ईमानदारी बरतना तथा दूसरे लोग किस तरह से उनका मूल्यांकन करते हैं की जानकारी रखना आदि भी शामिल हैं.

आर्थिक समीक्षा (खण्ड II) 2016-17 में अर्थव्यवस्था के निष्पादन एवं चुनौतियों का लेखा-जोखा

✍ डॉ. रविकान्त

वित्तीय वर्ष 2016-17 की आर्थिक समीक्षा का दूसरा खण्ड संसद में 11 अगस्त, 2017 को प्रस्तुत किया गया. आर्थिक समीक्षा का पहला खण्ड 31 जनवरी, 2017 को 2017-18 के लिए केन्द्रीय बजट प्रस्तुति से एक दिन पूर्व संसद में प्रस्तुत किया गया था. इसका दूसरा खण्ड अब अगस्त 2017 में प्रस्तुत किया गया है. आर्थिक समीक्षा का दूसरा खण्ड अगस्त में प्रस्तुत करने का मुख्य कारण यह बताया गया है कि इसमें अर्थव्यवस्था के पूरे वित्तीय वर्ष के निष्पादन का विश्लेषण किया जा सकेगा. वित्तीय वर्ष का चक्र बदलने की सम्भावना के चलते भी इसकी प्रस्तुतियों के समय में परिवर्तन अपेक्षित है. आर्थिक समीक्षा के दूसरे खण्ड में अर्थव्यवस्था की आगे की स्थितियों एवं परिस्थितियों का लेखा-जोखा तथा सम्बन्धित पहलुओं का विश्लेषण किया गया है. अर्थव्यवस्था में ढाँचागत सुधारों के प्रति नई आशा इसमें व्यक्त की गई है.

- 2017-18 में आर्थिक वृद्धि 6·75–7·5 प्रतिशत के दायरे में रहने का अनुमान आर्थिक समीक्षा के पहले खण्ड में व्यक्त किया गया था. इस पूर्वानुमान में कोई परिवर्तन समीक्षा के दूसरे खण्ड में नहीं किया गया है.
- 2014-15 में पूरे वर्ष में मुद्रास्फीति की औसत दर 5·9 प्रतिशत थी, जो 2016-17 में 4·5 प्रतिशत ही रही. समीक्षा में बताया गया है कि जुलाई 2016 में मुद्रास्फीति 6·1 प्रतिशत थी, जो घट कर जून 2017 में 1·5 प्रतिशत ही दर्ज की गई है.
- 2017-18 में मुद्रास्फीति की स्थिति को निर्धारित करने वाले तत्वों में पूँजी प्रवाह तथा विनिमय दर को प्रभावित करने वाली विकसित देशों, विशेषतः अमरीका की नीतियों, मानसून, जीएसटी, सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों, सम्भावित कृषि ऋण माफियाँ तथा आउटपुट गैप को शामिल किया गया है. (2016-17) में आर्थिक निष्पादन के सम्बन्ध में आर्थिक समीक्षा के इस दूसरे खण्ड में बताया गया है कि सन्दर्भित वर्ष (2016-17) में अर्थव्यवस्था में वास्तविक वृद्धि 7·1 प्रतिशत रही, जो पूर्व वर्ष में 8·0 प्रतिशत थी. यह वृद्धि समीक्षा के पहले खण्ड में व्यक्त किए गए अनुमान से कहीं अधिक रही है.

अर्थव्यवस्था की स्थिति में सुधार एवं विद्यमान चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों, पहलों एवं उनके सकारात्मक प्रभावों का विश्लेषण भी आर्थिक समीक्षा 2016-17 के इस दूसरे खण्ड में किया गया है. इनमें राजकोषीय एवं मौद्रिक प्रबन्धन, जलवायु परिवर्तन एवं सतत् विकास (Sustainable Development) बाह्य क्षेत्र, कृषि एवं खाद्य प्रबन्धन उद्योग एवं बुनियादी ढाँचे के अतिरिक्त सामाजिक आधारिक संरचना रोजगार एवं मानव विकास आदि शामिल है.

अर्थव्यवस्था की मौजूदा स्थिति का विश्लेषण करते हुए समीक्षा में बताया गया है कि मध्यावधिक संदर्भ में आशा तथा अल्पकालिक संदर्भ में घबराहट दोनों एक साथ भारतीय अर्थ-व्यवस्था पर छाई हुई हैं. यह आशा मुख्यतः वस्तु एवं सेवा कर (GST) लागू किए जाने, एयर इंडिया का निजीकरण करने का सैद्धान्तिक निर्णय लिए जाने, दोहरे तुलन-पत्र (Twin Balance Sheet—TBS) की चुनौतियों का सामना करने के लिए की गई कार्यवाही व इस बढ़ते विश्वास से उपजा है कि अर्थव्यवस्था की समष्टि आर्थिक स्थिरता (Macro-economic stability) मजबूत हो गई है. यह आशावाद, जिसे उल्लास भी कहा जा रहा है, शेयर बाजारों में ऊँचे व बढ़ते मूल्यों से परिलक्षित हो रहा है. इसके विपरीत अनाज भिन्न खाद्य कीमतों में गिरावट के चलते कृषि से राजस्व अर्जन पर भार (Stressed farm revenue due to fall in the non-cereal food prices), कृषि ऋण माफी व इसके परिणामस्वरूप बरती जाने वाली राजकोषीय कठोरता तथा विद्युत् एवं दूरसंचार क्षेत्रों में लाभ प्रदता में गिरावट (Declining Profitability in the electric and Telecommunication Sector) जिससे दोहरे तुलन-पत्र (TBS) की समस्या और बिगड़ी है आदि को अल्पकालिक संदर्भ में घबराहट एवं तनाव के लिए जिम्मेदार इसमें बताया गया है.

सकारात्मक पहलुओं में जीएसटी पर विस्तृत विश्लेषण समीक्षा के पहले ही अध्याय में किया गया है. जीएसटी के निम्न-लिखित मुख्य लाभ इसमें चिह्नित किए गए हैं–

(i) सहयोगपरक संघवाद को बढ़ावा देना (Furthering Cooperative Federalism)—समीक्षा में बताया गया है कि जीएसटी के सम्बन्ध में घरेलू अप्रत्यक्ष कर सम्बन्धी लगभग सभी निर्णय केन्द्र व राज्य सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से लिए जाएंगे.

(ii) भ्रष्टाचार व हेराफेरी में कमी लाना (Reducing Corruption and Leakage)—जीएसटी के तहत् इनवॉयस मैचिंग से कर-अनुपालन को बढ़ावा मिलेगा. समीक्षा में बताया गया है कि इनवॉयस मैचिंग की यह व्यवस्था पहले केवल इंटर स्टेट वैट के मामले में ही थी तथा उत्पाद शुल्क व सेवा कर के मामले में यह नहीं थी.

(iii) जटिल कर संरचना को सरल बनाना तथा देशभर में कर दरों में एकरूपता लाना (Simplifying Complex tax structure and unifying tax rates across the country)—समीक्षा में बताया गया है कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क की 8–10 दरें तथा 3–4 राज्य वैट दरें, जो अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग थीं, जीएसटी की 6 दरों में विलयित हो गई हैं. जिससे सभी राज्यों में कर दरों में एकरूपता आएगी तथा पूरे देश में एक वस्तु-एक कर (One good-one tax) की स्थिति आएगी.

(iv) एक साझा बाजार का निर्माण (Creating a common market)—अन्तर्राज्यीय व्यापार पर लगे सभी कर व भौतिक प्रतिबन्ध समाप्त हुए हैं.

(v) आयात के नाम से होने वाले पक्षपात मिटा कर मेक इन इण्डिया को बढ़ावा देना (Furthering 'Make in India' by eliminating bias in favour of imports)—आयातों पर लागू घरेलू कर अब अधिक कारगर व हेराफेरी की कम सम्भावना वाले बनेंगे. जिससे घरेलू उत्पाद अधिक प्रतिस्पर्द्धी हो सकेंगे.

(vi) करों पर कर समाप्त कर उपभोक्ता पर कर का बोझ घटाना (Reducing tax burden on consumers by eliminating cascading effect)—जीएसटी के क्रियान्वयन से 'कर पर कर' का प्रभाव (Cascading effect) समाप्त होगा जिससे उपभोक्ताओं पर करों का बोझ कम होगा.

(vii) राजस्व अर्जन, निवेश एवं मध्यकालिक आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा (Boosting revenues, investment and medium

term economic growth)—सरकार का मानना है कि पूँजी पदार्थों की खरीदारी पर आदान कर क्रेडिट (Input tax credit) का दायरा बढ़ेगा जिससे निवेश में वृद्धि होगी. इसके अतिरिक्त बेहतर कर अनुपालन से कर आधार में वृद्धि होगी तथा साथ ही निर्यात उत्पादों पर सन्निहित कर समाप्त होंगे. इससे निर्यातों को भी बढ़ावा मिलेगा. जीएसटी की 6 प्रभावी दरें व उनके अधीन वस्तुओं की कुल संख्या निम्नलिखित तालिका में दर्शाई गई है–

जीएसटी दरें

आईजीएसटी (प्रतिशत में)*			वर्गीकृत वस्तुओं की संख्या	जीएसटी के बाहर मुख्य वस्तुएं
सीजीएसटी (प्रतिशत में)	एसजी-एसटी (प्रतिशत में)	कुल (प्रतिशत में)		● अल्कोहॉल
0	0	0	88	● पेट्रोलियम और ऊर्जा
1·5	1·5	3	स्वर्ण और आभूषण	● बिजली
2·5	2·5	5	173	● भूमि और स्थावर सम्पदा
6	6	12	200	● शिक्षा
9	9	18	521	● स्वास्थ्य देखभाल
14	14	28	229	

*आईजीएसटी केन्द्र और राज्य जीएसटी का योग है.

कृषि ऋण माफी के वृहद् आर्थिक प्रभाव

हाल ही में उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पंजाब व तमिलनाडु द्वारा किसी-न-किसी रूप में की गई कृषि ऋण माफी की घोषणाओं अथवा वायदों का उल्लेख करते हुए इस प्रवृत्ति के वृहद् आर्थिक प्रभावों का विश्लेषण आर्थिक समीक्षा में किया गया है. कृषि ऋण माफी के समर्थक इस माफी को उन किसानों की मदद करने का माध्यम समझते हैं, जो कृषि क्षेत्र पर हो रहे लगातार आघातों से ग्रस्त रहे हैं, दो वर्ष तक अपर्याप्त वर्षा, जिसके बाद कीमतों में बड़ी गिरावट का एक और वर्ष रहा. इसके विपरीत, अन्य के साथ-साथ भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने यह इंगित किया है कि इन ऋण माफियों का ऋण अदायगी की संस्कृति पर दीर्घकालीन प्रभाव पड़ेगा और ये नैतिक दृष्टि से भी घातक होंगी : **यह ऋण माफी उन लोगों का पक्ष लेती है जिन्होंने उधार लिया है न कि उनका जिन्होंने मितव्ययता बरती है; यह उनका पक्ष लेती है जिन्होंने उधार लिया है न कि उनका जिन्होंने अपने ऋण चुका दिए हैं; और यह ऋण माफी उनका भी पक्ष लेती है. जिन्होंने औपचारिक स्रोतों से उधार लिए हैं बजाय उनका जिन्होंने अनौपचारिक स्रोतों से बहुत अधिक ब्याज दरों पर उधार लिए हैं.** इसी सन्दर्भ में कुछ लोगों ने यह भी सुझाव दिया है कि किसानों की मदद करने के लिए इससे अधिक कारगर और लक्षित तरीके और भी हैं.

कृषि ऋण माफी को आमतौर पर स्फीतिकारी (Inflationary) जहाँ माना गया है वहीं समीक्षा में किए गए विश्लेषण में इसके अल्पकालिक परिणाम काफी अपस्फीतिकारी (Diflationary) होने की सम्भावना व्यक्त की गई है. ऋण माफी के सम्बन्ध में यह मान लिया गया है कि केन्द्र उन ऋण माफियों की कोई जिम्मेदारी नहीं लेगा तथा राज्य सरकारों को अपनी जिम्मेदारी पर ही ऋण माफी का वित्तपोषण करना होगा. राज्यों की ऋण माफी की क्षमता के लिए उनकी राजकोषीय सामर्थ्य का विश्लेषण भी समीक्षा में किया गया है.

राजकोषीय घटनाक्रम (Fiscal Development)

आर्थिक समीक्षा खण्ड II के इस अध्याय में सरकार की राजकोषीय स्थिति व उसमें सुदृढ़ता के लिए उठाए गए कदमों का विश्लेषण किया गया है. केन्द्र सरकार की वित्तीय स्थिति के साथ-साथ राज्य सरकारों की वित्तीय स्थिति, सामान्य सरकार की वित्तीय स्थिति तथा 2017-18 व उससे आगे की सम्भावनाओं पर भी फोकस समीक्षा के इस खण्ड में किया गया है. इसमें बताया गया है कि केन्द्र सरकार के वित्तीय संसाधन विगत तीन वर्षों में काफी समेकित (Consolidated) हुए हैं. कर राजस्व में वृद्धि के साथ-साथ पूँजीगत व्यय की ओर झुकाव के चलते व्यय की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है. राजकोषीय सुदृढ़ीकरण (Fiscal Consolidation) के चलते राजकोषीय घाटे को 2015-16 में जीडीपी के 3·9 प्रतिशत से घटा कर 2016-17 में 3·5 प्रतिशत तक लाया जा सका. वर्ष 2017-18 के लिए प्रमुख राजकोषीय संकेतन जीडीपी के प्रतिशत के रूप में निम्नलिखित तालिका में दर्शाए गए हैं–

प्रमुख राजकोषीय संकेतक (जीडीपी के प्रतिशत के रूप में)

	2016-17 (अनंतिम)	2017-18 (बजट अनुमान)
राजस्व प्राप्तियाँ (Revenue Receipts)	9·1	9·0
सकल कर राजस्व (Gross Tax Revenue)	11·3	11·3
प्रत्यक्ष कर	5·4	5·8
अप्रत्यक्ष कर	5·7	5·5
निवल कर राजस्व (Net Tax Revenue)	7·3	7·3
करेतर राजस्व (Non-Tax Revenue)	1·8	1·7
गैर-ऋण पूँजीगत प्राप्तियाँ (Non-Debt Capital Receipts)	0·4	0·5
गैर ऋण प्राप्तियाँ (Non-Debt Receipts)	9·5	9·5
कुल व्यय (Total Expenditure)	13·0	12·7
राजस्व व्यय (Revenue Expenditure)	11·1	10·9
पूँजीगत व्यय (Capital Expenditure)	1·9	1·8
राजकोषीय घाटा (Fiscal Deficit)	**3·5**	**3·2**
राजस्व घाटा (Revenue Deficit)	**2·0**	**1·9**
प्राथमिक घाटा (Primary Deficit)	0·4	0·1

आर्थिक समीक्षा में बताया गया है कि राजकोषीय समेकन के चलते जीडीपी के प्रतिशत के रूप में केन्द्र सरकार की देयताओं में विगत वर्षों में कमी आई है. जीडीपी के प्रतिशत के रूप में केन्द्र सरकार की आंतरिक व बाह्य देयताएं निम्नलिखित तालिका में दर्शाई गई हैं–

केन्द्र सरकार की बकाया देयताएं (जीडीपी के प्रतिशत के रूप में)

जीडीपी के **प्रतिशत** के रूप में	2011-12	2017-18 (बजट अनुमान)
आंतरिक देयता	49·8	45·8
आंतरिक ऋण	37·0	36·7
बाजार उधार	28·8	29·7
अन्य	8·2	7·0
अन्य आंतरिक देयताएं	12·8	9·2
बाह्य ऋण (बकाया)	1·9	1·4
कुल बकाया देयताएं	51·7	47·3

स्रोत : केन्द्रीय बजट

वैदेशिक क्षेत्र
(External Sector)

आर्थिक समीक्षा के इस खण्ड के अनुसार 2016-17 में भारत के वैदेशिक क्षेत्र में बदलाव देखा गया जब लगातार दो वर्ष तक ऋणात्मक (–ve) रहने के पश्चात् निर्यातों में धनात्मक (+ve) वृद्धि दर्ज की गई तथा आयातों में वृद्धि भी लगातार चार वर्षों तक ऋणात्मक रहने के पश्चात् मामूली सी धनात्मक रही. इनके चलते व्यापार घाटे (Balance of Trade—BoT) में 1·2 प्रतिशत बिन्दु की कमी हुई तथा यह जीडीपी के 5 प्रतिशत तक जा पहुँचा. इसी के साथ 2016-17 में चालू खाते के घाटे (Current Account Dificit—CAD) में 0·4 प्रतिशत बिन्दु की गिरावट आई जिससे यह जीडीपी का 0·7 प्रतिशत रह गया. इनके साथ-साथ सकल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में 18·2 प्रतिशत की जबर्दस्त वृद्धि, विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि व विदेशी ऋण में हुई 2·7 प्रतिशत कमी के परिणामस्वरूप वैदेशिक क्षेत्र की अधिक स्थिर स्थिति परिलक्षित हुई है. वैदेशिक क्षेत्र की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण नीतिगत परिवर्तन भी 2016-17 में किए गए, जैसेकि निर्यात सम्बर्द्धन स्कीमों को युक्तिसंगत बनाया गया. निर्यात सम्बन्धी अधोसंरचना निर्मित करने पर नए सिरे से बल दिया गया, व्यापार करने को आसान बनाने के लिए उपाय किए गए तथा विदेशी निवेश के दायरे का विस्तार किया गया.

आरक्षित विदेशी मुद्रा भण्डार में वृद्धि

आर्थिक समीक्षा में बताया गया है कि व्यापार एवं चालू खाते के घाटे में गिरावट एवं बढ़ते हुए पूँजी अन्तर्प्रवाहों के चलते 2016-17 में आरक्षित विदेशी मुद्रा कोष में वृद्धि हुई है. दो वर्ष के अन्तराल के पश्चात् भारत के वस्तुगत निर्यातों में 5·2 प्रतिशत की वृद्धि 2016-17 में हुई है, जबकि आयातों में 1·0 प्रतिशत की मामूली गिरावट से 2016-17 में व्यापार घाटा (BOT) 112·4 अरब डॉलर रह गया था (जोकि 2015-16 में 130·1 अरब डॉलर था). अदृश्य शेष (Invisible Balance) में कुछ कमी 2016-17 में दर्ज की गई. 2015-16 में यह 107·9 अरब डॉलर था, जो 2016-17 में 97·1 अरब डॉलर रहा है. इनसे चालू खाते का घाटा (CAD) 2015-16 में जीडीपी के 1·1 प्रतिशत से घट कर 2016-17 में जीडीपी का 0·7 प्रतिशत रह गया. 2016-17 के दौरान चूँकि पूँजी खाते में अधिशेष चालू खाते के घाटे से अधिक रहा. इसलिए विदेशी विनिमय आरक्षित निधि में 2016-17 में 21·6 अरब डॉलर की वृद्धि भुगतान सन्तुलन आधार पर हुई, जबकि मूल्यांकन प्रभाव (Valuation Effect) को शामिल करते हुए नॉमिनल वृद्धि 9·8 अरब डॉलर की रही. 2015-16 में विदेशी विनिमय आरक्षित निधि में वृद्धि 18·5 अरब डॉलर (नॉमिनल टर्म्स में) रही थी. इसमें 17·9 अरब डॉलर की वृद्धि भुगतान सन्तुलन आधार पर तथा 0·6 अरब डॉलर की वृद्धि मूल्यांकन प्रभाव के चलते हुई थी.

भारत के आरक्षित विदेशी मुद्रा भण्डार (अरब डॉलर में)

वर्ष	वित्त वर्ष के अन्त (मार्चांत) में विदेशी मुद्रा भण्डार	आरक्षित निधि में कुल वृद्धि (+)/कमी (–)	बीओपी आधार पर आरक्षित निधि में वृद्धि/कमी	मूल्यांकन प्रभाव के कारण आरक्षित निधि में वृद्धि/कमी
2007-08	309·7	110·5	92·2	18·3
2008-09	252·0	– 57·7	– 20·1	– 37·6
2009-10	279·1	27·1	13·4	13·7
2010-11	304·8	25·8	13·1	12·6
2011-12	294·4	– 10·4	– 12·8	2·4
2012-13	292·0	–2·4	3·8	– 6·2
2013-14	304·2	12·2	15·5	– 3·3
2014-15	341·6	37·4	61·4	– 24
2015-16	360·2	18·5	17·9	0·6
2016-17	370·0	9·8	21·6	– 11·8

2016-17 में चालू खाता घाटा

व्यापार निष्पादन—समीक्षा के अनुसार 2013-14 में भारत के वस्तुगत निर्यात (सीमा शुल्क आधार पर) 314·4 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर थे. निर्यात वृद्धि में गिरावट की वैश्विक प्रवृत्ति के बीच 2014-15 व 2015-16 में भारत की निर्यात वृद्धि भी ऋणात्मक क्रमशः –1·3 प्रतिशत व –15·5 प्रतिशत रही. बाद में 2016-17 में 5·3 प्रतिशत की धनात्मक वृद्धि के साथ यह निर्यात 276·3 अरब डॉलर के हो गए. इनमें पीओएल व पीओएल भिन्न निर्यात क्रमशः 31·7 अरब डॉलर व 244·6 अरब डॉलर के थे. 2016-17 में कुल वस्तुगत निर्यातों में वृद्धि जहाँ 5·3 प्रतिशत थी, वहीं पीओएल व पीओएल भिन्न निर्यातों में वृद्धि क्रमशः 3·7 प्रतिशत व 5·6 प्रतिशत थी. 2016-17 में भारत के कुल वस्तुगत आयात (सीमा शुल्क आधार पर) 384·3 अरब डॉलर के थे, जिनमें पीओएल आयात 86·9 अरब डॉलर के व पीओएल भिन्न आयात 297·4 अरब डॉलर के थे. पूर्व वर्ष की तुलना में 2016-17 में कुल आयात जहाँ 0·9 प्रतिशत अधिक थे, वहीं पीओएल आयातों में वृद्धि 4·8 प्रतिशत तथा गैर-पीओएल आयातों में वृद्धि – 0·2 प्रतिशत थी. 2016-17 में सोना व चाँदी का आयात 29·3 अरब डॉलर था, जो पूर्व वर्ष की तुलना में 2·1 प्रतिशत अधिक था. 2016-17 के दौरान भारत के वस्तुगत आयातों व निर्यातों के यह आँकड़े निम्नलिखित तालिका में दर्शाए गए हैं—

2016-17 में भारत के निर्यात एवं आयात

	वृद्धि अरब डॉलर में 2016-17	पूर्व वर्ष की तुलना में वृद्धि (प्रतिशत में) 2016-17
कुल वस्तुगत निर्यात	**276·3**	**5·3**
पीओएल निर्यात	31·7	3·7
पीओएल निर्यात-भिन्न	244·6	5·6
कुल वस्तुगत आयात	384·3	0·9
पीओएल आयात	**86·9**	**4·8**
पीओएल आयात-भिन्न	297·4	– 0·2
सोना व चाँदी आयात	29·3	– 17·3
पीओएल-भिन्न व सोना व चाँदी-भिन्न आयात	268·1	2·1
व्यापार शेष	**– 108·0**	**– 9·0**

भारत के व्यापार भागीदारों में शीर्ष पाँच देश जिनके साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार अधिशेष (ऋणात्मक) है, (अर्थात् जिन्हें किए जाने वाले निर्यातों की तुलना में उनसे आयात अधिक है). क्रमशः चीन, स्विट्जरलैण्ड, सऊदी अरब, इराक व इण्डो-नेशिया हैं, जबकि शीर्ष पाँच देश जिनके साथ हमारा व्यापार अधिशेष

अनुकूल (धनात्मक) है, (जिनसे किए जाने वाले आयातों की तुलना में हमारे निर्यात अधिक हैं), क्रमशः अमरीका, संयुक्त अरब अमीरात (UAE), बांग्लादेश, हांगकांग व नेपाल हैं. इन देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय व्यापार के 2015-16 व 2016-17 के दौरान के व्यापार आधिक्य/घाटे के आँकड़े निम्नलिखित हैं–

शीर्ष पाँच देश जिनके साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार भारत के अनुकूल है

व्यापार शेष

(भारत के आयातों की तुलना में निर्यातों का आधिक्य)

(अरब डॉलर में)

देश	2011-12	2014-15	2015-16	2016-17 (P)
संयुक्त राज्य अमरीका	11·4	20·6	18·6	20·0
यूएई	– 0·8	6·9	10·8	9·8
बांग्लादेश	3·2	5·8	5·3	6·0
हांगकांग	2·5	8·0	6·0	6·0
नेपाल	2·2	3·9	3·5	5·0

शीर्ष पाँच देश जिनके साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार भारत के प्रतिकूल है

व्यापार शेष

(भारत के निर्यातों की तुलना में आयातों का आधिक्य)

(अरब डॉलर में)

देश	2011-12	2014-15	2015-16	2016-17 (P)
चीन	– 36·6	– 48·5	– 52·7	– 51·1
स्विट्जरलैण्ड	– 34·1	– 21·1	– 18·3	– 16·3
सऊदी अरब	– 26·4	– 16·9	– 13·9	– 14·8
इराक	– 18·2	– 13·4	– 9·8	– 10·6
इण्डोनेशिया	– 8·2	– 11	– 10·3	– 9·9
कुल व्यापार घाटा	**– 183·4**	**– 137·6**	**– 118·7**	**– 108·0**

भारत के विदेशी व्यापार की संरचना (Composition of India's Foreign Trade)

आर्थिक समीक्षा में प्रस्तुत आँकड़ों के अनुसार हाल ही के वर्षों में भारत के वस्तुगत निर्यातों में सर्वाधिक भाग अभियान्त्रिकी वस्तुओं (Engineering goods) का जहाँ है, वहीं दूसरा व तीसरा स्थान क्रमशः रत्न एवं आभूषणों (Gems and Gewellery) तथा रसायन और उनसे सम्बन्धित उत्पादों (Chemicals and related products) का है. विगत दो वर्षों में इस मामले में चौथा व पाँचवाँ स्थान क्रमशः कपड़ा व सम्बन्धित उत्पादों तथा पेट्रोलियम पदार्थों का रहा है. 2015-16 में भारत के कुल वस्तुगत निर्यातों में अभियान्त्रिकी वस्तुओं का अंश जहाँ 23·1 प्रतिशत था, रत्नों व आभूषणों का अंश 15·0 प्रतिशत रहा था. **अनंतिम आँकड़ों के अनुसार 2016-17 में भारत के कुल वस्तुगत निर्यातों में अभियान्त्रिकी वस्तुओं का अंश 24·3 प्रतिशत, रत्नों व आभूषणों का 15·8 प्रतिशत, रसायनों व सम्बन्धित उत्पादों का अंश 14·3 प्रतिशत, कपड़ा व सम्बन्धित उत्पादों का अंश** 13·0 **प्रतिशत तथा पेट्रोलियम पदार्थों का अंश 11·5 प्रतिशत था.** देश के अन्य प्रमुख निर्यातों में कृषि एवं सम्बन्धित उत्पाद (9·5 प्रतिशत), इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद (2·1 प्रतिशत), समुद्री उत्पाद (2·1 प्रतिशत), अयस्क एवं खनिज (1·2 प्रतिशत) तथा चर्म एवं चर्म निर्मित उत्पाद (1·9 प्रतिशत) शामिल थे. कुल वस्तुगत निर्यातों में विभिन्न उत्पादों/क्षेत्रों के अंश अग्रलिखित तालिका में दर्शाए गए हैं–

भारत के कुल वस्तुगत निर्यातों में विभिन्न क्षेत्रों/उत्पादों का अंश

क्र. सं.	क्षेत्र	हिस्सा (प्रतिशत में)		वृद्धि दर (प्रतिशत में)	
		2015-16	2016-17 (अ.)	2015-16	2016-17 (अ.)
1.	अभियान्त्रिकी वस्तुएं	23·1	24·3	– 17·2	10·8
2.	रत्न तथा आभूषण	15·0	15·8	– 4·8	10·9
3.	रसायन और इनसे सम्बन्धित उत्पाद	14·7	14·3	0·6	2·1
	जिनमें से				
	दवाइयाँ और औषध	6·5	6·1	9·6	– 0·4
4.	कपड़ा और तत्सम्बन्धित उत्पाद	13·7	13·0	– 3·2	– 0·1
	जिनमें से				
	कपड़ा	5·6	5·2	– 8·5	– 2·2
	परिधान	8·1	7·8	0·8	1·3
5.	पेट्रोलियम क्रूड एवं उत्पाद	11·7	11·5	– 46·2	3·7
6.	कृषि और तत्सम्बन्धित उत्पाद	9·9	9·5	– 17·6	0·9
7.	इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं	2·2	2·1	– 5·3	– 0·1
8.	समुद्री उत्पाद	1·8	2·1	– 13·5	24·2
9.	अयस्क और खनिज	0·8	1·2	– 16·4	59·1
10.	चर्म और चर्मनिर्मित उत्पाद	2·1	1·9	– 10·3	– 4·1
	कुल निर्यात (अन्य सहित)	100	100	– 15·5	5·3

भारत के प्रमुख आयात

भारत के प्रमुख वस्तुगत आयातों में पेट्रोलियम, ऑइल व स्नेहक (Petroleum, Oil and Lubricants—POL), पूँजीगत सामान (Capital Goods), रत्न एवं आभूषण, रसायन एवं सम्बन्धित उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं, कृषिगत उत्पाद तथा अयस्क एवं खनिज शामिल हैं. आयातों में सर्वाधिक भाग (मूल्यानुसार) पोओएल का व दूसरा स्थान पूँजीगत सामान का है. आर्थिक समीक्षा में प्रस्तुत अनंतिम आँकड़ों के अनुसार 2016-17 में भारत के कुल आयातों में 22·6 प्रतिशत भाग पीओएल का व 20·7 प्रतिशत भाग पूँजीगत सामान का था. कुल आयातों में 14·0 प्रतिशत अंश के साथ रत्नों व आभूषणों का इस मामले में तीसरा स्थान था. रत्न एवं आभूषण आयात में स्वर्ण (7·2 प्रतिशत), मोतियों व अर्द्ध-कीमती रत्न (6·2 प्रतिशत) व चाँदी (0·5 प्रतिशत) का आयात शामिल था. देश के कुल वस्तुगत आयातों में विभिन्न क्षेत्रों/उत्पादों का अंश अग्रलिखित तालिका में दर्शाया गया है–

भारत के कुल वस्तुगत आयातों में विभिन्न क्षेत्रों/उत्पादों का अंश (प्रतिशत में)

क्र. सं.	क्षेत्र	हिस्सा (प्रतिशत में)		वृद्धि दर (प्रतिशत में)	
		2015-16	2016-17 (अ.)	2015-16	2016-17 (अ.)
1.	पेट्रोलियम तेल और स्नेहक (POL)	21·8	22·6	– 40·0	4·8
2.	पूँजीगत सामान (Capital Goods)	21·1	20·7	– 2·5	– 1·5
	जिनमें–				
	मशीनरी	8·7	8·5	3·7	– 1·3
	आधार धातु	6·5	5·6	– 8·7	– 12·8
	परिवहन उपस्कर	4·0	5·1	0·7	27·3
3.	रत्न एवं आभूषण (Gems and Jewellery)	14·8	14·0	– 9·4	– 4·9
	जिनमें से				
	स्वर्ण	8·3	7·2	– 7·7	– 13·4
	मोती और अर्द्ध-कीमती रत्न	5·3	6·2	– 11·2	18·6
	चाँदी	1·0	0·5	– 17·3	– 59·9
4.	रसायन और तत्सम्बन्धी उत्पाद	13·3	12·4	– 4·2	– 5·8
	जिनमें से				
	कार्बनिक रसायन	2·5	2·6	– 15·2	2·7
	उर्वरक	2·1	1·3	9·1	– 37·7
5.	इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं	10·5	11·0	8·6	4·8
6.	कृषि और तत्सम्बन्धी उत्पाद	5·7	6·3	7·7	11·4
7.	अयस्क और खनिज	5·4	5·6	– 23·2	4·4
	जिनमें से				
	कोयला, कोक ओर कोयला निर्मित ईंटें	3·6	4·1	– 23·2	15·2
	कुल आयात (अन्य सहित)	**100**	**100**	**– 15·0**	**0·9**

भारत पर विदेशी ऋण

आर्थिक समीक्षा में प्रस्तुत आँकड़ों के अनुसार 2016-17 के अन्त में (मार्च 2017 के अन्त में) भारत का कुल विदेशी ऋण 471·9 अरब डॉलर था, जो मार्च 2016 के अन्त की तुलना में 13·1 अरब डॉलर (2·7 प्रतिशत) कम था. समीक्षा के अनुसार मार्च 2017 के अन्त में कुल विदेशी ऋण (471·9 अरब डॉलर) में 383·9 अरब डॉलर दीर्घावधि व 88·0 अरब डॉलर का अल्पावधि ऋण था. इस प्रकार कुल विदेशी ऋण में 81·4 प्रतिशत भाग दीर्घावधि ऋण का था. मार्च 2016 की तुलना में मार्च 2017 में दीर्घावधि ऋण जहाँ 4·4 प्रतिशत कम था, अल्पावधि ऋण में इसी अवधि में 5·5 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी.. उपलब्ध अनंतिम आँकड़ों के अनुसार मार्च 2017 के अन्त में 471·9 अरब डॉलर के कुल विदेशी ऋण में सर्वाधिक 36·7 प्रतिशत भाग वाणिज्यिक उधारियों का व दूसरे स्थान पर 24·8 प्रतिशत भाग एनआरआई जमाओं का था. कुल विदेशी ऋण में 11·5 प्रतिशत भाग बहुपक्षीय ऋण का था. भारत के विदेशी ऋण की संरचना अग्रलिखित तालिका में दर्शाई गई है–

भारत के विदेशी ऋण की संरचना

(प्रतिशत में)

क्र.	घटक	मार्च 2015	मार्च 2016 (संशोधित)	मार्च 2017 (अनंतिम)
1.	बहुपक्षीय ऋण	11·0	11·1	11·5
2.	द्विविपक्षीय ऋण	4·6	4·6	4·9
3.	आईएमएफ	1·2	1·2	1·1
4.	कारोबार क्रेडिट	2·7	2·2	2·1
5.	वाणिज्यिक उधार	38·0	37·3	36·7
6.	एनआरआई जमाएं	24·3	26·2	24·8
7.	रुपए ऋण	0·3	0·3	0·3
8.	दीर्घावधि ऋण (1 से 7)	82·0	82·8	81·4
9.	अल्पावधि ऋण	18·0	17·2	18·6
10.	कुल विदेशी ऋण	100·0	100·0	100·0

कृषि और खाद्य प्रबन्धन (Agriculture and Food Management)

आर्थिक समीक्षा में प्रस्तुत आँकड़ों के अनुसार, **मानसून अधिनियमित के चलते पिछले कुछ वर्षों में देश में 'कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों' में वृद्धि दर घटती बढ़ती रही है. वर्ष 2012-13 में यह 1·5 प्रतिशत, 2013-14 में 5·6 प्रतिशत, 2014-15 में – 0·2 प्रतिशत व 2015-16 में 0·7 प्रतिशत रहने के पश्चात् 2016-17 में इस क्षेत्र में वृद्धि दर 4·9 प्रतिशत रही है. देश में कृषि का 55 प्रतिशत क्षेत्र वर्षा पर निर्भर है** तथा 2014-15 व 2015-16 में लगातार दो वर्षों में वर्षा सामान्य से कम रही थी. **देश में कुल सकल मूल्य संवर्द्धन (GVA) में कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों का अंश 2012-13 में 18·2 प्रतिशत था,** जो घटकर 2016-17 में 17·4 प्रतिशत (अनंतिम अनुमान) रहा है. विभिन्न वर्षों में कुल जीवीए में कृषि क्षेत्र का अंश निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है–

वर्ष	प्रचलित मूल्यों पर कुल जीवीए में कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों का अंश
2012-13	18·2
2013-14	18·6
2014-15	18·0
2015-16	17·5
2016-17	17·4

देश में 2016-17 में कृषिगत उत्पादन के, जो आँकड़े आर्थिक समीक्षा में प्रस्तुत किए गए हैं, वह आँकड़े यहाँ नहीं दिए जा रहे हैं, क्योंकि कृषि मंत्रालय के तीसरे अग्रिम अनुमानों पर आधारित वह आँकड़े प्रतियोगिता दर्पण के जुलाई 2017 अंक में पहले ही दिए जा चुके हैं तथा अक्टूबर 2017 के ताजा अंक में कृषि मंत्रालय के चौथे अग्रिम अनुमान, जोकि अगस्त 2017 को जारी किए गए हैं, दिए जा रहे हैं.

भारत में प्रमुख उपजों की प्रति हेक्टेयर उत्पादकता

(किग्रा प्रति हेक्टेयर)

फसल	1970-71	2016-17*
चावल	1123	2543
गेहूँ	1307	3172
दालें	524	765
तिलहन	579	1229
गन्ना (टन/हेक्टेयर)	48	68
कपास	106	513

* तीसरा अग्रिम अनुमान

पशुपालन, डेयरी तथा मत्स्यपालन

भारत विश्व में दूध का सबसे बड़ा उत्पादक देश है. दूध के उत्पादन में वृद्धि के लिए 'गौवंश के प्रजनन तथा डेयरी विकास सम्बन्धी राष्ट्रीय कार्यक्रम (National Programme for Brovine Breeding and Dairy Development), राष्ट्रीय डेयरी आयोजना चरण-1) (National Dairy Plan-Phase-I) व डेयरी उद्यमिता विकास स्कीम (Dairy Entrepreneurship Development Scheme) आदि के चलते देश में दूध उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है. समीक्षा के अनुसार 2015-16 में देश में दूध की प्रति व्यक्ति उपलब्धता प्रतिदिन 337 ग्राम थी.

अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी साधनों सहित वाणिज्यिक उत्पादन प्रणाली अपनाए जाने से देश में मुर्गा-मुर्गी उत्पादन में तीव्र वृद्धि हुई है. मवेशियों के सम्बन्ध में 2015-16 में की गई 19वीं आय गणना के हवाले से सन्दर्भित वर्ष (2015-16) के दौरान देश में मुर्गा-मुर्गियों की कुल संख्या 7292·1 करोड़ तथा अण्डों का उत्पादन लगभग 82·93 अरब हैं. इससे 2015-16 में देश में अण्डों की प्रति व्यक्ति उपलब्धता लगभग 66 रही.

मछलियों के उत्पादन में भारत का विश्व में दूसरा स्थान है. समीक्षा के अनुसार देश में मछली का उत्पादन 1991-92 में 41·37 लाख टन (24·27 लाख टन समुद्री तथा 17·10 लाख टन अलवण जल की मछलियाँ) था, जो बढ़कर 2015-16 में 107·95 लाख टन (35·8 लाख टन समुद्री तथा 72·10 लाख टन अलवण जल की मछलियाँ) हो गया था. **अलवण जल की मछलियों (Inland Fisheries) के उत्पादन के मामले में भी भारत का विश्व में दूसरा स्थान समीक्षा में बताया गया है.** देश में दूध, अण्डे व मछली के हाल ही के वर्षों के उत्पादन के आँकड़े निम्नलिखित तालिका में दर्शाए गए हैं–

भारत में दूध, अण्डे व मछली का उत्पादन (2015-16)

वर्ष	दूध (मिलियन टन)	अण्डे (मिलियन संख्या)	मछली (लाख टन)
1990-91	53·9	21101	38·36
2000-01	80·6	36632	56·56
2006-07	102·6	50653	68·69
2007-08	107·9	53583	71·27
2008-09	112·2	55562	76·20
2009-10	116·4	60267	79·14
2010-11	121·8	63024	84·00
2011-12	127·9	66450	87·00
2012-13	132·4	69731	90·40
2013-14	137·7	74752	95·72
2014-15	146·3	78484	103·34
2015-16	155·5	82929	107·95

उद्योग और अवसंरचना
(Industry and Infrastructure)

औद्योगिक क्षेत्र भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान करता है. वर्ष 2016-17 में देश में कुल सकल मूल्यवर्द्धन (GVA) में इस क्षेत्र का योगदान 31·1 प्रतिशत रहा है. केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय (CSO) के अनंतिम आँकड़ों के अनुसार 2016-17 में देश में जीवीए में समग्र वृद्धि 6·6 प्रतिशत रही है, जबकि औद्योगिक क्षेत्र में वृद्धि 5·6 प्रतिशत रही. पूर्व वर्ष 2015-16 में उद्योग क्षेत्र में जीवीए में वृद्धि 8·8 प्रतिशत थी. समीक्षा के अनुसार 2016-17 में उद्योग क्षेत्र में 5·6 प्रतिशत की वृद्धि में विनिर्माण क्षेत्र (Manufacturing Sector) की वृद्धि 7·9 प्रतिशत रही जो पूर्व वर्ष 2015-16 में 10·8 प्रतिशत थी.

स्थिर मूल्यों (2011-12 के मूल्य स्तर) पर उद्योग क्षेत्र में मूल्य वर्द्धन (GVA) वृद्धि दर

क्षेत्र	जीवीए में वृद्धि (प्रतिशत में)	
	2015-16	**2016-17**
उद्योग जिसमें–	**8·8**	**5·6**
खनन एवं उत्खनन	10·5	1·8
विनिर्माण	10·8	7·9
विद्युत, गैस, जलापूर्ति व अन्य उपयोगी सेवाएं	5·0	7·2
निर्माण	5·0	1·7

समीक्षा के अनुसार 2016-17 में विनिर्माणी क्षेत्र में मंदी धीमी हो चुकी समग्र वैश्विक वृद्धि की पृष्ठभूमि में घटित हुई है. **दोहरे तुलन-पत्र (Twin Balance Sheet–TBS) की समस्या को भी विनिर्माण क्षेत्र में आई मंदी का एक कारण माना जा रहा है. (दोहरे तुलन-पत्र से तात्पर्य है–कॉर्पोरेटों की उच्च अनर्जक अस्तियों (NPAs) व अस्थिर वित्तीय स्थिति के कारण सरकारी क्षेत्र के बैंकों के चरमराते हुए तुलन-पत्र (Balance Sheets), जिससे ऋण देने में मंदी आती है तथा जिससे सकल स्थिर पूँजी निर्माण (Gross fixeed Capital Formation) में और अधिक मंदी आती है तथा जिससे औद्योगिक विकास और कम हो जाता है. [Twin Balance Sheet (TBS) refers to the impaired balance sheets of public sector banks due to higher Non-performing Assets (NPAs) and precarious financial position of corporates slowing down credit off take, thereby leading to further slowdown in Gross fixed capital formation and hence indusrtrial growth]**

आठ महत्वपूर्ण उद्योगों (core industries), जिनमें कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफायनरी उत्पाद, उर्वरक (fertilizer), इस्पात, सीमेंट व विद्युत् शामिल हैं तथा जिनका नए संशोधित 2011-12 आधार वर्ष वाले औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (Index of Industrial Production–IIP) में संयुक्त भारांश 40·3 प्रतिशत है, के निष्पादन के सम्बन्ध में समीक्षा में बताया गया है कि इनमें, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस व सीमेंट के उत्पादन में जहाँ क्रमशः 2·5 प्रतिशत व 1·2 प्रतिशत की गिरावट 2016-17 में दर्ज की गई, वहीं अन्य सभी छह उद्योगों के निष्पादन में वृद्धि दर्ज की गई है, जैसाकि निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है–

आठ कोर उद्योगों की वृद्धि दरें

(आधार वर्ष 2011-12)

क्षेत्र	वृद्धि दर (प्रतिशत में)	
	2015-16	**2016-17**
कोयला	4·8	3·2
कच्चा तेल	–1·4	–2·5
प्राकृतिक गैस	–4·7	–1·0
रिफायनरी उत्पाद	4·9	4·9
उर्वरक	7·0	0·2
इस्पात	–1·3	10·7
सीमेंट	4·6	–1·2
विद्युत	5·7	5·8
सम्पूर्ण सूचकांक	**3·0**	**4·8**

केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के निष्पादन के सम्बन्ध में आर्थिक समीक्षा में बताया गया है कि वर्ष 2015–16 में 165 केन्द्रीय सरकारी क्षेत्र के उद्यमों ने ₹ 1·4 ट्रिलियन का लाभ कमाया, जबकि सरकारी क्षेत्र के 78 रुग्ण (Sick) उद्यमों ने ₹ 287·5 अरब का घाटा उठाया. समीक्षा के अनुसार इतनी बड़ी हानि राजकोषीय संसाधनों को बर्बाद कर सकती है जिसके परिणामस्वरूप निजी निवेश की सम्भावना कम हो सकती है (The Scale of such a magnitude of loss can lead to wastage of fiscal resources leading to **crowding out** of private investment), विशेषतः तब जब बैंकिंग क्षेत्र पहले ही अनर्जक अस्तियों (NPAs) की बड़ी समस्या से ग्रस्त है. इसी परिप्रेक्ष्य में सार्वजनिक क्षेत्र की हिन्दुस्तान केबल लि., एचएमटी लि. की ट्रैक्टर इकाई, इन्स्ट्रूमेंटेशन लि. की कोटा इकाई, इंडियन ड्रग्स एण्ड फार्मास्युटिकल्स लि., राजस्थान ड्रग्स एण्ड फार्मास्युटिकल्स लि., नेशनल जूट मैन्युफैक्चरर्स कॉर्पोरेशन लि. तथा बर्ड जूट एक्सपोर्ट लि. को बंद करने की प्रक्रिया सरकार ने प्रारम्भ कर दी है.

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI)–प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) मेजबान देश में पूँजी, कौशल व प्रौद्योगिकी लाकर उच्चतर स्तर पर आर्थिक विकास को सम्भव बनाता है. आर्थिक समीक्षा में बताया गया है कि वर्ष 2016 में सरकार ने परमाणु ऊर्जा, सिगार और तम्बाकू के विनिर्माण, भवन सम्पदा व्यवसाय (Real Estate Business), लॉटरी, जुआ व चिटफंड आदि की छोटी से नकारात्मक सूची को छोड़कर अधिकांश क्षेत्रों में एफडीआई को स्वतः अनुमोदन मार्ग (Automatic approval route) के अंतर्गत ला दिया है. **इससे भारत अब एफडीआई के मामले में विश्व में सर्वाधिक खुली अर्थव्यवस्थाओं में से एक हो गया है अधिकांश क्षेत्र स्वतः अनुमोदित मार्ग के अन्तर्गत आ जाने के कारण सरकार ने अब विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड (Foreign Investment Promotion Board–FIPB) को भी भंग कर दिया है.** समीक्षा में बताया गया है कि सरकार की विभिन्न पहलों के चलते 2016-17 में देश में 43·4 अरब डॉलर का एफडीआई ईक्विटी प्रवाह हुआ है, जो पूर्व वर्ष की तुलना में 8 प्रतिशत अधिक होने के साथ-साथ अब तक का सर्वोच्च ईक्विटी प्रवाह भी है.

सेवा क्षेत्र (Service Sector)

सेवा क्षेत्र के निष्पादन के सम्बन्ध में आर्थिक समीक्षा में बताया गया है कि देश में सेवा क्षेत्र में वृद्धि 2015-16 में 9·7 प्रतिशत थी, जो घटकर 2016-17 में 7·7 प्रतिशत रह गई थी. कुछ प्रमुख देशों में सेवा क्षेत्र की वृद्धि के वर्ष 2015 के तुलनात्मक आँकड़े समीक्षा में दिए गए हैं जिनमें बताया गया है 2015 में सेवा क्षेत्र में वैश्विक वृद्धि जहाँ 2·6 प्रतिशत थी तथा अमरीका व ब्रिटेन में जहाँ यह वृद्धि क्रमशः 2·8 प्रतिशत व 2·4 प्रतिशत थी तथा उभरती हुई अर्थ-व्यवस्था में चीन में यह 8·4 प्रतिशत, ब्राज़ील में –2·7 प्रतिशत तथा मेक्सिको में यह 3·6 प्रतिशत थी, वहीं भारत में सेवा क्षेत्र में वृद्धि 9·0 प्रतिशत रही थी. **आर्थिक समीक्षा में प्रस्तुत आँकड़ों के अनुसार 2015 में भारत में कुल मूल्यवर्द्धन (GVA) में सेवा क्षेत्र का योगदान 53·2 प्रतिशत रहा था, जबकि चीन में यह 49·7 प्रतिशत, ब्राजील में 72·0 प्रतिशत व मेक्सिको में यह 60·4 प्रतिशत था.** उल्लेखनीय है कि विकसित देशों में जीवीए में सेवा क्षेत्र का योगदान अपेक्षाकृत अधिक होता है. समीक्षा में प्रस्तुत आँकड़ों के अनुसार 2015 में अमरीका में जीवीए में सेवा क्षेत्र का योगदान जहाँ 79·3 प्रतिशत था, वहीं ब्रिटेन में यह 79·9 प्रतिशत था. अमरीका व ब्रिटेन में रोजगार में सेवा क्षेत्र का योगदान 80–80 प्रतिशत था. 2016 के अनंतिम आँकड़ों के आधार पर भारत में रोजगार में सेवा क्षेत्र का योगदान 28·6 प्रतिशत ही समीक्षा में बताया गया है, जबकि चीन में यह 42·4 प्रतिशत, ब्राजील में 68·9 प्रतिशत व मेक्सिको में 61·2 प्रतिशत था.

समीक्षा में प्रस्तुत आँकड़ों के अनुसार 2016 में भारत के कुल निर्यातों में सेवा क्षेत्र का योगदान 37·9 प्रतिशत जहाँ था वहीं चीन के कुल निर्यात में सेवा क्षेत्र का योगदान 2016 में 9·0 प्रतिशत ही था. सेवा क्षेत्र में वृद्धि तथा **जीवीए व कुल निर्यातों में सेवा क्षेत्र के योगदान के चुनींदा देशों के निम्नलिखित आँकड़े आर्थिक समीक्षा में दर्शाए गए हैं–**

देश	सेवा क्षेत्र में वृद्धि (प्रतिशत में) 2015	जीवीए में सेवा क्षेत्र का योगदान (प्रतिशत में) 2015	कुल निर्यातों में सेवा क्षेत्र का योगदान (प्रतिशत में) 2016
अमरीका	2·8	79·3	80·0
चीन	8·3	49·7	42·4
ब्रिटेन	2·4	79·9	80·0
भारत	**9·0**	**53·2**	**28·6**
ब्राजील	– 2·7	72·0	68·9
द. कोरिया	2·9	59·7	70·2
मेक्सिको	3·6	60·4	61·2
सम्पूर्ण विश्व	**2·6**	**67·2**	**50·9**

सामाजिक अवसंरचना और मानव विकास (Social Infrastructure and Human Development)

भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्था में मानवीय पूँजी (Human Capital) लोगों को गरीबी से ऊपर उठाने तथा उन्हें एक स्वस्थ एवं सफल जीवन जीने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है. समीक्षा में बताया गया है कि हाल ही के वर्षों में मानव विकास सूचकांक (HDI) में पर्याप्त सुधार के बावजूद मानव विकास रिपोर्ट (2016) में मानव विकास सूचकांकों में 188 देशों में भारत का 131वाँ स्थान रहा है, जबकि ग्लोबल हंगर इंडेक्स (GHI) में 118 विकासशील देशों में भारत का स्थान 97वाँ रहा है. इस परिदृश्य को देखते हुए भारत को सामाजिक बुनियादी ढाँचे में प्रभावी निवेश की आवश्यकता समीक्षा में बताई गई है. इसमें बताया गया है कि **2011-12 व 2014-15 के दौरान सामाजिक सेवाओं पर केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा किया जाने वाला व्यय जीडीपी के लगभग 6 प्रतिशत पर लगभग स्थिर रहा, जबकि 2015-16 व 2016-17 में इसमें एक प्रतिशत बिन्दु की वृद्धि हुई. शिक्षा पर किया जाने वाला व्यय 2009–10 से 2013-14 के दौरान जीडीपी के लगभग 3·1 प्रतिशत पर स्थिर था, जबकि 2014-15 में यह जीडीपी के 2·8 प्रतिशत तक घट गया था.**

स्वास्थ्य क्षेत्र की स्थिति का विश्लेषण करते हुए आर्थिक समीक्षा में बताया गया है कि सरकार स्वास्थ्य के मामले में सतत् विकास लक्ष्य-3 (Sustainable Development Goal–3) – 'Ensure healthy lives and promoting will being for all at all ages' को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है. इसी परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति-2017 को अंगीकृत किया गया है. **देश में स्वास्थ्य सम्बन्धी जो सूचक समीक्षा में प्रस्तुत किए गए हैं, उनके अनुसार भारत में अपरिष्कृत जन्म दर (Crude Birth Rate–CBR), जो 1981 में 33·9 प्रति हजार थी, घटकर 2015 में 20·8 प्रति हजार रह गई थी तथा इसी अवधि में अपरिष्कृत मृत्यु दर (Crude Death Rate–CDR) 12·5 प्रति हजार से घटकर 6·5 प्रति हजार रह गई थी. कुल प्रजनन दर (Total Fertility Rate–TFR) 1981 में 4·5 से घटकर 2015 में जहाँ 2·3 रह गई**

थी. देश में शिशु मृत्यु दर (Infant Mortality Rate–IMR) 1981 में 110 प्रति 1000 जीवित जन्म थी, जो 2015 में 37 प्रति एक हजार जीवित जन्म रही थी. मातृत्व मृत्यु दर (Maternal Mortality Rate–MMR) 2001–03 के दौरान 301 प्रति एक लाख जीवित जन्म थी, जो 2011–13 के दौरान 167 आकलित की गई थी. देश में जन्म के समय जीवन प्रत्याशा (Life Expectancy at Birth) 1981–85 के दौरान 55·4 वर्ष थी, जो 2011–15 के दौरान 68·3 वर्ष थी. इसी अवधि में पुरुषों के मामले में यह 55·4 वर्ष से बढ़कर 66·9 वर्ष तथा महिलाओं के मामले में यह 55·7 वर्ष से बढ़कर 70·0 वर्ष हो गई थी. विभिन्न देशों में स्वास्थ्य सम्बन्धी प्रमुख सूचकों की तुलनात्मक स्थिति निम्नलिखित तालिका में दर्शाई गई है–

भारत में स्वास्थ्य सम्बन्धी प्रमुख सूचक

क्र.सं.	सूचक	1981	1991	2001	वर्तमान स्थिति
1.	अपरिष्कृत जन्म दर (CBR) (प्रति 1000 की आबादी)	33·9	29·5	25·4	20·8 (2015)
2.	अपरिष्कृत मृत्यु दर (CBR) (प्रति 1000 की आबादी)	12·5	9·8	8·4	6·5 (2015)
3.	कुल जन्म दर (TFR)	4·5	3·6	3·1	2·3 (2015)
4.	मातृत्व मृत्यु दर (MMR) (प्रति 1000 जीवित जन्मे शिशुओं पर)	NA	NA	301 (2001–03)	167 (2011–13)
5.	शिशु मृत्यु दर (IMR) (प्रति 1000 जीवित जन्मे शिशुओं पर)	110	80	66	37 (2015)
6.	जन्म के समय आयु संभाविता	(1981–85)	(1989–93)	(1999–2003)	(2011–15)
	कुल	55·4	59·4	63·4	68·3
	पुरुष	55·4	59·0	62·3	66·9
	महिलाएं	55·7	59·7	64·6	70·0

भारत और अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं में स्वास्थ्य सूचक : तुलनात्मक विश्लेषण

देश	जन्म के समय आयु संभाविता (वर्ष) 2015	मातृ मृत्यु दर (MMR) (प्रति 1,00,000 जीवित जन्म) 2015	5 वर्ष तक की उम्र तक के अन्तर्गत मृत्युदर (प्रति 1000 जीवित जन्म) 2015	नवजात शिशु मृत्यु दर (IMR) (प्रति 1000 जीवित जन्म) 2015
ब्राजील	75	44	16·4	8·9
चीन	76·1	27	10·7	5·5
कोलम्बिया	74·8	64	15·9	8·5
भारत	**68·3**	**174***	**47·7**	**27·7**
इंडानेशिया	69·1	126	27·2	13·5
मलेशिया	75	40	7	3·9
नेपाल	69·2	258	35·8	22·2
पाकिस्तान	66·4	178	81·1	45·5
फिलीपिंस	68·5	114	28	12·6
रूस	70·5	25	9·6	5
दक्षिण अफ्रीका	62·9	138	40·5	11
श्रीलंका	74·9	30	9·8	5·4
थाइलैण्ड	74·9	20	12·3	6·7
वियतनाम	76	54	21·7	11·4
विश्व	**71·4**	**216**	**42·5**	**19·2**

समीक्षा के इस खंड में अंत में बताया गया है कि द्विअंकीय वृद्धि प्राप्त करने की दिशा में बढ़ते हुए भारत एक ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है तथा स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में निवेश करके सामाजिक अवसंरचना को सुदृढ़ करने की उसे आवश्यकता है. इसके लिए शिक्षा नीतियाँ इस प्रकार तैयार की जानी चाहिए जिनमें शिक्षण परिणामों एवं सुधारात्मक शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित किया जाए. स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियों का भी उल्लेख करते हुए इस क्षेत्र में सुधार के लिए केन्द्र व राज्य सरकारों के स्तर पर संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता इसमें बताई गई है.



सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक महेन्द्र जैन द्वारा मैसर्स प्रतियोगिता दर्पण के लिए उन्हीं के द्वारा प्रतियोगिता दर्पण (प्रिंटिंग यूनिट) 5 एवं 6 बाई पास रोड, आगरा से मुद्रित एवं 2/11A, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2 से प्रकाशित

Posting Date : 4, 5 & 6 Sept., 2017 (Agra-2)
Publishing Date : 4 Sept., 2017 Postal Regd. No. AGRA-47/2015-17 RNI No. 38696/79



सिविल सेवा मुख्य परीक्षा 2017 हेतु

समसामयिक मुद्दे एवं आर्थिक समीक्षा खण्ड-2

2016-17